



THE  
CHATURVEDI  
SANSKRIT-HINDI DICTIONARY

चतुर्वेदी  
संस्कृत-हिन्दी-कोष ॥



संप्रहकर्ता  
चतुर्वेदी द्वारकाप्रसाद शर्मा ।

1st Edition. ]

] Price Rs. 2-5-0

संपादिकात् वसित है  
ACCORDED PROPOSAL SETIA  
JAIN LIBRARY.  
BANSWAR, RAJPUTANA.  
बंसवर प्रोपोजि सेटिया  
• द्वारका प्रसाद शर्मा  
द्वारका, (राजपुताना)



# चतुर्वेदीकोष ॥

नागरी वर्णमाला का पहला अक्षर । इसका उच्चारणस्थान कण्ठ है । जिन शब्दों के आदि अक्षरम्बन्धन हों, उन शब्दों से नन्व् स्पर्श करने पर नन्व् का केवल "अ" ही शेष रहता है उसके अर्ध-अभाव । सारथ्य । भेद । अल्पता । अत्रास्त्य और विरोध ये अ. है ।

**अः, ( पुं- )** विष्णु । रत्नक । विष्णु विररथापी और सन के रत्नक है इत कारण उनको "अ" कहते हैं ।

**अंदि, ( पुं- )** बलने का साधन । जिससे अला भाय । पैर । पाव । चरण । इधों का मूल । बुधों की जड़ ।

**अङ्गिहकन्ध, ( पुं- )** बुधों की प्रौढी शाखाएँ । बुधों का एक भाग ।

**अंश, ( धा. उभ- )** विभाग करता है । बाँटता है । हिस्सा देता है । बँटकारा करता है । द्वेषार्थक । अिष्, " अशापयति " विभाग करवाता है । विभाग करने के लिये ब्रह्मा करता है ।

**अंश, ( पुं )** भाग । हिस्सा । बाँट । साध्यन । पिता के धन का भाग । समूह का एक भाग । शक्ति का एक भाग । रत्न । कर्ष । श्रे पदों में का एक पद । बाल का दुधन परिमाण विरोध । साठ बला का एक अंश होता है । अरा कल्पना । ( की- ) अराचरण । भाग करना । अण्य धन का निर्णय करना ।

**अंशकाः, ( पुं- )** अंश का अधिकारी । अला का भागी, अ अरा । भाग । शक्ति का हीनता हिस्सा । अशिनः, ( न- ) विभाग करने का निर्णय । विद्वान् का

भाग करने के लिये धर्मशास्त्र की भांति । अक्षरों का बाहुन ।

**अंशभाज, ( वि- )** भाग पाने का अधिकारी । हिस्सादार । दाया ।

**अंशभूत, ( वि- )** अक्षररूप । अरा बनाहुषा । समूह का भाग ।

**अंशल, ( वि- )** बली । बलवान् । मोटे बन्धेनाला । रक्षण ।

**अंशविघतिन्, ( वि- )** भाग का उलट पलट होना । बन्धे की छोट ।

**अंशसपर्यन्त, ( न- )** विषय सत्या की शक्ति का मुख्य भाग करना ।

**अंशहृत्, ( पुं. की- )** भाग का अधिकारी । हिस्सादार । दायाद ।

**अंशावतराट, ( पुं- )** अणुका का एक अक्षर विरोध । एक भाग से अन्य ।

**अंशांशी, ( कि. वि- )** अक्षर धीर अक्षरही । भाग और भागी । हिस्सा और हिस्सावाला ।

**अंशिन, ( वि- )** भागी । हिस्सेदार । भाग पाने का अधिकारी । अण्य भाग प्राप्त करने के लिये अक्षर करनेवाला ।

**अंशुः, ( पुं- )** शिष्ट । अक्ष । अक्षरा । अक्षर । तेज । सुवि । एन । मरान् मृग ।

**अंशुचाम्, ( न- )** महीन एन का अणु । अणु । शिष्टी बल ।

**अंशुजालम्, ( न- )** अणुका अणु । अिदान् ।

**अंशुधट, ( वि- )** अणुवाणी । अक्षररूप । अणु का अक्षर अक्षर ।

**अंशुधट, ( न- )** महीन एन का अक्षर । अण्य देवकी बल ।

**अंशुमन्, ( वि- )** अक्षररूप । अक्षर । अक्षर ।



अकरा, (स्त्री.) विना हाथकी स्त्री । अमलकी वृक्ष । खौबले का पेड़ । खौबले का रोवन करने से लोगों के दूर दूर होते हैं इसी कारण इसका "अकरा" नाम पड़ा है ।  
 अकारण, ( वि. ) अकारणित्व । निर्दय । दयाशून्य ।  
 अकार्य, ( वि. ) जिसके कान न हों । कर्णरहित । बह्रा । अपिर । कर्ण नामक कीर का अभाव या उसका साध्यय यदा " कर्ण " शब्द का कर्ण कान और सुनने की शक्ति दोनों हैं ।  
 अकार्तन, ( वि. ) कानों के अयोग्य । जो कान न पाए ।  
 अकार्य, ( उ. ) काम नहीं करनेवाला । निष्कामा, विषेष्ट कर्मों का जो कुछ भोग न करे ।  
 अकार्मक, ( वि. ) जिसके कर्म न हों । धातु का एक भेद । अकार्मक धातु वे बड़े जाते हैं, निनहा कुछ और व्यापार एक आशय में रहता ही और जिस धातु के कर्म बहुत प्रतिद होने के कारण परिवर्तित हैं, वे धातु भी अकार्मक होजाते हैं ।  
 अकार्मण्य, ( वि ) जो काम न करसके । काम करने के अयोग्य । नहीं काम करनेवाला ।  
 अकार्मन्, ( वि. ) विना काम कर । निष्कामा । काम करने के अयोग्य । निष्कामकर्म करने वाला ।  
 अकाल, ( वि. ) कलारहित । अतएव । सम्पूर्ण । समस्त ।  
 अकालक, ( वि. ) दामरहित । अदायिक ।  
 अकालकार, ( स्त्री. ) अक्षमा का प्रभारा । खौबली । अक्षमिक स्त्री । पालकहारिण ।  
 अकालकन, ( वि ) जिसमें दम्भ न हो । दम्भरहित । अदायिक ।  
 अकालिपन, ( वि. ) अविपित । विना वनया हुआ । अनिर्मित । प्राकृतिक । स्वाभाविक । कल्पनाहीन । कल्पना से परे ।  
 अकाल्य, ( वि. ) रोधी । व्यापिन । व्यापिद्रुक ।

अकाल्याण, ( वि. ) अमङ्गल । अशुभ का अभाव ।  
 अकार्य, ( वि. ) अकार्यनीय । जिसका कर्षण न कियाजाय । न अशुभा न हुरा ।  
 अकथि, ( वि ) निर्वृद्धि, मूर्ख ।  
 अकस्मान्, ( अ. ) सहसा । अचानक । अचानक । विना शानसुमान ।  
 अकारण, ( वि. ) विना अकारण । वे मीके । अनुचित बाल । अनवसर ।  
 अकारणजात, ( वि. ) अकारणजात । अनवसरान । अनुचितकार में उत्पन्न ।  
 अकारणपात, ( पुं. ) अचानक पात । सहसा गिरना ।  
 अकारण्य, ( कि. वि. ) अचरमात् । अचानक, सहसा ।  
 अकार्य, ( वि. ) कामरहित । कामनारहित । शिथिल । प्रेमरहित । निष्प्रेम ।  
 अकार्यता, ( स्त्री. ) कामरहितता । निष्कामता । इच्छारहित ।  
 अकार्यता, ( अ. ) अनिष्ठा से । इच्छापूर्वक नहीं ।  
 अकार्यदत्त, ( वि. ) अनिष्ठापूर्वक मत् । विना इच्छा विधेही मत् हुआ ।  
 अकार्य, ( वि. ) शरीररहित । अर्ध । विराकर । शरीरहीन । शूद्र मद् ।  
 अकार, ( वि. ) काम का अभाव । किरारहित ।  
 अकार, ( उ. ) अक्षर ।  
 अकारण्य, ( न. ) कारणशून्य । विना कारण । निष्कारण । प्रयोजनशून्य । बेमतलब ।  
 अकार्योपेष्टिकक, ( न. ) कान का एक ग्रहना । कर्णशून्य ।  
 अकार्यण्य, ( वि. ) जिसमें कृपणता न हो । कृपणता का अभाव । उदरता । अर्धार्थ ।  
 अकार्य, ( न. ) अनुचित कार्य । निर्दिष्ट कर्म । कुल अक्ष ।  
 अकार्य, ( पुं. ) अनुचित काम । अनवसर ।

अंशुमत्फला, ( स्त्री. ) एक वीधे का नाम ।  
 कदलीवृक्ष । केले का पेड़ ।  
 अंशुमती, ( स्त्री. ) सालपर्णीवृक्ष । यमुनानदी  
 का एक नाम ।  
 अंशुनाहा, ( स्त्री. ) किरणों की माला । किरण-  
 समूह ।  
 अंशुमाली, ( पुं. ) सूर्य, चन्द्रमा । बारह की  
 संख्या ।  
 अंशुदस्त्र, ( पुं. ) सूर्य । चन्द्रमा । सूर्य अपनी  
 किरणों से पृथिवी से जल रींचते हैं,  
 इस कारण उनकी १००० किरणों हाथ के  
 समान समझी जाती हैं और वे “ अंशु-  
 हस्त ” कहे जाते हैं ।  
 अंशु, ( धा. उभ. ) देखो अस्त ।  
 अंश, ( न. ) कथा । हिरसा । भाग । अरा ।  
 अंशकूट, ( पुं. ) बृहत्कथ । बड़े कथेवाला ।  
 अंशप्र, ( न. ) कथेकी रथा करनेवाली वस्तु ।  
 कथ ।  
 अंशफलक, ( पुं. ) विद्याल स्कन्ध । पत्रे के  
 समान कथा । कथे का एक भाग ।  
 अंशभार, ( धा. स ) कथे का भार ।  
 कथे का स्थापना भार ।  
 अंशभारिक, ( पुं. ) कथे पर भार रखने  
 वाला । मशर । कुली ।  
 अंशस्त, ( वि. ) बलवार हटाया । बर्षा ।  
 अंश, ( धा. आत्म. ) गमन । गति । जाना ।  
 चलना ।  
 अंशुतिः-र्षि, ( स्त्री. ) पापनाशक । दुरिहर्ष ।  
 पापों को दूर करनेवाली क्रिया । पाप-  
 नाशक दान ।  
 अंशुत्, ( न. ) पाप । दुरित । शत्रुचिन्तन के  
 द्वारा नष्ट होने वाला पाप । इसी को अशुत्  
 भी कहते हैं ।  
 ( रा. पु. ) जल्प । गमन । गति । चलना ।  
 अंशु, ( न. ) हथका अशुत् । दुःख ।  
 अशु, ( वि. ) ( न. ) बिना कथका । त्रिभुके  
 कथ न हो । अशुत् ।

अकचः, ( पुं. ) केतु महाका एक नाम । जो लोक  
 को दुःख पहुँचाने को लिये बदे । केतु ग्रह का  
 उदय लोकनीडा के लिये प्रसिद्ध है ।  
 अकटमद्यक्रम, ( न. ) शुभाशुभ विचार का  
 एक चक्र । दार्शनिक दर्शा का एक विधान-  
 चक्र, जिससे मन्त्रों के शुभाशुभ का विचार  
 किया जाता है ।  
 अकथित, ( वि. ) नहीं कहा हुआ । अतुक ।  
 अकथितकर्म, ( न. ) व्याकरणकी एक सहा  
 का नाम । गीयकर्म । अयादान आदि कारकों  
 की अविशेषा करके कर्मसंज्ञक विभक्तियाँ नही  
 होती हैं वह अकथित कर्म है ।  
 अकनिष्ठ, ( न. ) छोटा नहीं । बड़ा । ( पुं. )  
 वेदनिन्दक । वेदों को निन्दा में प्रसन्न होने  
 वाला । बौद्ध ।  
 अकनिष्ठप, ( पुं. ) बौद्धों का पालन करनेवाला ।  
 बुद्ध भगवान् का एक नाम । बौद्धसम्प्रदाय  
 का आचार्य ।  
 अकम्पन, ( वि. ) नहीं कम्पने वाला । निर्भय ।  
 निडर । ( पुं. ) एक राक्षस का नाम । यह  
 राक्षस की सेना का सेनापति था ।  
 अकम्पित, ( वि. ) ( न. ) अचञ्चल । धीर ।  
 निर्भय । ( पुं. ) जैन धीर बौद्धसम्प्रदाय के  
 एक महात्मा का नाम । जैन सम्प्रदाय के अ-  
 न्तिम तीर्थेश्वर का नाम । यह उनका असली  
 नाम नहीं था । किन्तु उनके धीर होने के  
 कारण लोगों ने उन्हें “ अकम्पित ” की  
 उपाधि दी थी ।  
 अकट, ( वि. ) बिना हाथ का । हाथरहित ।  
 अपने कर्तव्य से उदासीन । अपना कर्तव्य  
 न करनेवाला ।  
 अकटण्डम्, ( न. ) कार्य का अभाव । काम  
 नहीं करना । कर्मरहित । इन्द्रियरहित ।  
 इन्द्रियशून्य ।  
 अकरशिः, ( स्त्री. ) कार्य शक्तिका मारा ।  
 इस शब्दका प्रयोग शत्रु देने के अर्थ  
 में किया जाता है ।





अथम समय । महीमा का समय । अयोग्य समय ।

अकाल कुसुम, ( न. ) विना काल का पुष्प । जिस पुष्प के उत्पन्न होने का जो समय नहीं है उस समय में उत्पन्न हुआ पुष्प । दुःसमय का विशिष्टीय ।

अकाल कूष्माण्ड, ( पु. ) अकाल में उत्पन्न हुआ बौद्धक ।

अकालज, ( वि. ) अकाल में उत्पन्न । विना समय के उत्पन्न हुआ ।

अकाल-जलद, ( पु. ) अकाल का मेघ, वर्षा-अनु को छोड़कर अनश्चय का मेघ ।

अकाल-जलदोदय, ( पु. ) अकाल में मेघों की उत्पत्ति । विना समय मेघों का होना । कश्मीरी कवि रानशीतर के प्रतिनामक का नाम । सम्भव है यह उनका नाम न रहा हो । किन्तु उपाधि । महाविज्ञावली में उद्धृत एक श्लोक से इस बात की कुछ क्लृप्त पार्श्व आती है ।

अकालवेला, ( स्त्री ) अकालिक समय । उद्यो-तिष्पु राश्व में " कालवेला " एक योग का नाम है, उसका अभाव ।

अकिञ्चन, ( वि. ) जिसके पास कुछ न हो । अत्यन्तदरिद्र । महानिर्वेन ।

अकिञ्चनता, ( स्त्री. ) सब प्रकार के धन का अभाव । निर्वेद । सत्कार के पदार्थों से विराम होने पर जो एक प्रकार का निर्वेद उत्पन्न होता है ।

अकिञ्चिज्ज, ( वि. ) कुछ भी न जाननेवाला । महामूर्ख ।

अकिञ्चित्कर, ( वि. ) अनावश्यक । अनर्थक । कृपा । व्यर्थ ।

अकीर्ति, ( स्त्री. ) अपराध कीर्ति । अनुचित कीर्ति । अनुचित कारणों से प्राप्त कीर्ति ।

कुण्ड, ( वि. ) अकुण्डित । अप्रतिहतमति । किसी काम में न रुकनेवाला । सब काम में चतुर ।

अकुण्डित, ( वि. ) कुण्डित नहीं । अशी-हृत । चालो चोर दिव्योक्तक ।

अकुतोभय, ( वि. ) निगर्ही किसी का मन न हो । निर्भय । निद्र । नहीं डरनेवाला ।

अकुप्य, ( न. ) धन । सोना । चाँदी । सोना और चाँदी से मिल धन को कुप्य कहते हैं, उग से मिल अर्घ्य सोना, चाँदी को अकुप्य कहते हैं ।

अकुल, ( वि. ) कुप्युता । कुप्युट । उत्तम कुप का नहीं । शिवा का पूरु नाम ।

अकुला, ( स्त्री. ) सर्वा । पार्वती का नाम ।

अकुलीन, ( वि. ) उत्तम कुप का नहीं । जिसका कुल उत्तम न हो । २ मार्कण्डेयनामी नहीं । " कु " का अर्थ है पुत्रिणी ।

अकुशल, ( वि. ) अमङ्गल । अकल्पय अचतुर । अनिष्ठा, अनभिज्ञ ।

अकूपार, ( पु. ) समुद्र । सागर । तिष्णु । उदधि । कल्प । कहुता । पूर्व ।

अकूर्च, ( वि. ) विना दाढ़ी का । गजा । लक्ष्णा । ( पु. ) बुद्ध मगता ।

अकृच्छ्र, ( वि. ) अकठोर । कठिनकारण्य । सहन । सरल ।

अकृत, ( वि. ) अकर्म । कर्मरह्य । कर्म का अभाव ।

अकृतार्थ, ( वि. ) अतकलमनोरथ । अर्थ-मनोरथ । मनोरथ की अतिथि ।

अकृताश्व, ( वि. ) अश्वविद्या में अशिक्षित । अश्वविद्या में अनभिज्ञ ।

अकृतात्मन्, ( वि. ) जिसकी आत्मा अपने नरा में न हो । निर्बुद्धि । मूर्ख जिसने ब्रह्म और आत्मा का ज्ञान नहीं प्राप्त किया है ।

अकृतोद्वाह, ( वि. ) विना व्याहृ, कारा ।

अकृतैनस, ( वि. ) जिसने पाप नहीं किया है । पापरहित । निष्पाप ।

अकृतल, ( वि. ) अपने पर किये गये उपकार को भूल जाने वाला । कृतम ।

अखिलम्, ( वि. ) समस्त । सम्पूर्णा । अखण्ड ।  
 अखिलाधारम्, ( वि. ) जम । समस्त सीमा  
 का आधार ।  
 अगः, ( पु. ) पूर्व । वृष । सतीमुख । मानु ।  
 अगजः, ( पुं. ) पूर्व से उतरा । ( न. ) शिलान्तु ।  
 शिलाजीन ।  
 अगतिः, ( पुं. ) अनवशेष । न जानना । उपाय-  
 रहित । विना उपाय का ।  
 अगदः, ( पुं. ) भीषण । ( वि. ) नीरोग । रोग नहीं ।  
 अगदह्वारः, ( वि. ) विक्रिस्तक । बैच । रोग दूर  
 करनेवाला ।  
 अगदतन्त्रम्, ( न. ) आयुर्वेद का एक शाखा-  
 शिरोष । इसमें साँव, विश्व आदि के काटने  
 का रीतिप लिखा है ।  
 अगमः, ( पुं. ) वृष । माने के अयोग्यता । जान सके ।  
 अगम्य, ( वि. ) अज्ञेय । जानने के अयोग्य ।  
 गमन के अयोग्य । जहाँ कोई पहुँच न सके ।  
 अगस्त्यः, ( पुं. ) छविशिरोष । एक छवि का नाम ।  
 जिसने सद्युक् को गयस्क में रहकर बानकर  
 दिया था । जो दक्षिण दिशा में रहने है ।  
 वृषशिरोष ।  
 अगस्त्यद्रुमः, ( पुं. ) एक वृषशिरोष । अमर  
 नायक वृष । इस के इस के नाम देने से  
 रीतिपा अर छूट जाता है ।  
 अगस्त्य, ( पुं. ) छविशिरोष ।  
 अगस्त्यार्थधर्म, ( पुं. ) अगस्त्यद्रुमि का आश्रम ।  
 काशी का अमरानुचका नामक स्थान ।  
 मत्स्यारण्य पर्यन्त पर ब्रह्मान अगस्त्य छवि  
 का आश्रम ।  
 अगाध, ( वि. ) बहुत गहरा । जिसका तल न  
 छुचा जा सके । अत्यन्त गभीर । दुरीचाराप ।  
 अगाधजल, ( पुं. ) दर । अन्तः । ( वि. )  
 जिसमें अगाध जल हो ।  
 अगार, ( न. ) दूर । स्थान ।  
 अगुह, ( न. ) अज्ञितकथितेप । अज्ञ । जो  
 दक न हो-दुश्वा ।  
 अगोचर, ( वि. ) शिरोष के अन्तर्गत का अज्ञेय ।

जो इन्द्रियों के द्वारा न जानाजाय ।  
 अग्नायी, ( श्री. ) अग्नि की श्री । स्वाहा ।  
 अग्निः, ( पुं. ) पादक । वहि । वैश्वानर ।  
 अग्नि के अग्निष्वा देवता ।  
 अग्निः, ( पुं. ) अग्नि शिरोष । इन्द्रोपनायक शिरोष ।  
 अग्निकण, ( पुं. ) अग्नि । अग्नि के छोटे छोटे कण ।  
 अग्निकार्य, ( न. ) इवन । शिरोष ।  
 अग्निकाष्ठम्, ( न. ) अग्नि । अग्नि शिरोष ।  
 अग्निकोण, ( न. ) दिशाशिरोष । पूर्व और  
 दक्षिण के बीच की दिशा ।  
 अग्निमहीडा, ( श्री. ) आंतराशासी । आग  
 का शिरोष ।  
 अग्निगर्भ, ( पुं. ) भीषणशिरोष । शूर्य का तमपि ।  
 अग्निचित्, ( पुं. ) अग्निशिरोष । अग्निचयन-  
 करनेवाला ।  
 अग्निज, ( पुं. ) अग्नि से उत्पन्न इन्द्र ।  
 सुवर्ष । शिरोष ।  
 अग्निपुराणम्, ( न. ) एक पुराण का नाम ।  
 इसमें सोलह हजार श्लोक है ।  
 अग्निप्रवृत्त, ( पुं. ) आग को उठानेवाला  
 पत्थर । चक्रपक पादक ।  
 अग्निबाहु, ( पुं. ) धूम ।  
 अग्निभ, ( न. ) अग्नि के समान । आग की  
 तरह चमकनेवाला ।  
 अग्निभू, ( पुं. ) अग्निशिरोष ।  
 अग्निभूतिः, ( पुं. ) एक प्रकार के शिरोष ।  
 अग्निमादती, ( पुं. ) अग्निशिरोष ।  
 अग्निमुख, ( पुं. ) अग्निशिरोष । दिग् । दिग् । दिग् ।  
 अग्निमुखी, ( श्री. ) अग्निशिरोष । अग्नि-  
 शिरोष ।  
 अग्निवक्त्रम्, ( न. ) अग्निशिरोष । अग्नि-  
 शिरोष ।  
 अग्निविद्, ( पुं. ) अग्निशिरोष ।  
 अग्निमत, ( न. ) अग्निशिरोष का अग्निशिरोष ।  
 अग्निहस्तम्, ( न. ) अग्निशिरोष का अग्निशिरोष ।  
 अग्निहस्तम्, ( न. ) अग्निशिरोष का अग्निशिरोष ।  
 अग्निहस्तम्, ( न. ) अग्निशिरोष का अग्निशिरोष ।

अक्षपीडा, ( स्त्री. ) यत्रटिका नाम की लता ।

अक्षमः, ( वि. ) धमनाग्न्य । योग्यताहीन ।

अयोग्य । धमाहीन । धमारहित ।

अक्षमा, ( स्त्री. ) ईर्ष्या । धमा का धमार ।

अक्षमाला, ( स्त्री. ) जपमाला । ब्राह्म की माला ।

अक्षयः, ( पुं. ) धनन्त । अयरहित । अविनारी । जिसका नारा न हो । अम्वय । अन्ननिष्ठ ।

अक्षयकाल, ( पु. ) अनन्तकाल । अक्षयकाल के अभिमानी देवता ।

अक्षयलुतीया, ( स्त्री. ) वैशाख शुक्लतृतीया इसी तिथि को सतयुग की उत्पत्ति हुई है ।

अक्षयनयमी, ( स्त्री. ) कार्तिक शुक्लपक्ष की नवमी ।

अक्षयचट, ( पुं. ) अविनारी बटवृक्ष, प्रयाग का बटवृक्ष, जो देवता समझा जाता है ।

अक्षया, ( स्त्री. ) तिथिविशेष । सोमवार की धमावास्या । रविवार की सप्तमी और महालवार की बनुषी ये अक्षया कही जाती हैं ।

अक्षर, ( पु. ) अक्षरादि बर्णों । नाराग्न्य । ब्रह्म । अविनारी । विरोधरहित । प्रणव । वृटरथ । नित्य ।

अक्षरच्यण, ( पुं. ) उत्तम लिखनेवाला । लेखक ।

अक्षरजीविकः, ( पु. ) कायस्थजाति । लेखसे जीनेवाला । लेखक ।

अक्षरतुलिका, ( स्त्री. ) लेखनी । लिखने का साधन ।

अक्षरपङ्क्तिः, ( स्त्री. ) अक्षरविशेष । इस अक्षर में एक भगण और दो वृक होते हैं ।

अक्षरविन्यास, ( पुं. ) लेख । लेखन । अक्षरों का लिखना ।

अक्षयती, ( स्त्री. ) एक प्रकार के लए का लेख । शीरक ।

अक्षवाट, ( पु. ) पुष्पमि । लहने का स्थान । अक्षाक्ष ।

अक्षशौण्ड, ( पु. ) पक्षा बंधार्थी, हुआ लेखने में बनुर ।

अक्षसूत्रम्, ( न. ) जपमाला । जप करने की माला ।

अक्षामप्रकीलक, ( पुं. ) रथ के पहिये को रोकने की कील ।

अक्षान्तिः, ( स्त्री. ) दूसरे का उत्कर्ष न करना, ईर्ष्या । धमा न करना ।

अक्षि, ( न. ) नेत्र । अक्षि ।

अक्षिगत, ( वि. ) घोड़ों पर ब्रह्म हुआ । देव्य । रातु । गिरोधी ।

अक्षीणः, ( वि. ) पूर्ण । अहीन । शीघ्र नहीं । एक प्रकार का यति । जो किमी करतु की प्राप्ति से प्रसन्न न हो, और अमानि से रिक्त न हो वह अक्षीण कहा जाता है ।

अक्षीय, ( पुं. ) समुद्र का लवण । ( वि. ) उन्मादरहित । जो उन्मत्त न हो ।

अक्षेय, ( पु. ) मन । इन्द्रियों का स्वामी ।

अक्षोट, ( पु. ) अक्षरों का वृक्ष । पर्यं पर उत्पन्न हुआ पीरल का वृक्ष ।

अक्षोपकरणम्, ( न. ) धनसाधन । उष्ण लेखने की सामग्री ।

अक्षोभः, ( पुं. ) लम्बा । खूँट । पशुओं की बाँधने का खूँट ।

अक्षोभ्यः, ( पु. ) शिव । दृढ़ । अचल । जो राग, द्वेष आदि से विचलित न हो ।

अक्षौहिणी, ( स्त्री. ) सेनाविशेष । दस अनी-किनी सेना । अक्षौहिणी में—२१०० हाथी । २१०० रथ । ६५६२० घोड़े और १०८३५० पैदल होते हैं ।

अखदः, ( पु. ) मियालवृक्ष । चिरीनी का पेड़ ।

अखण्डम्, ( वि. ) अखण्डरहित । पूर्ण । अखण्डरथ ।

अखण्डपरशुः, ( पु. ) परशुराम । इन के परशु का कोई लखडन नहीं कर सका था ।

अखातम्, ( पु. ) देवताय, अकृत्रिम तालाब । भूल ।

अखाद्य, ( वि. ) अमक्ष्य । जो खाने के योग्य न हो ।



अक्षपीडा, ( स्त्री. ) यवविका नाम की लता ।

अक्षमः, ( वि. ) धमतास्य । योग्यताहीन ।

अयोग्य । धमाहीन । धमारहित ।

अक्षमा, ( स्त्री. ) ईर्ष्या । धमा का अभाव ।

अक्षमाला, ( स्त्री. ) जपमाला । रुद्राक्ष की माला ।

अक्षयः, ( पुं. ) धनन्त । क्षयरहित । अविनारी ।  
निसका नारा न हो । अक्षय । त्रयनिष्ठ ।

अक्षयकाल, ( पुं. ) अनन्तकाल । अक्षयकाल  
के अभिमानी देवता ।

अक्षयवृत्तीया, ( स्त्री. ) वैशाल शुक्रवृत्तीया  
इसी विधि को सप्तपुत्र की उत्पत्ति हुई है ।

अक्षयनधर्मा, ( स्त्री. ) कार्तिक शुक्लपक्ष की  
नवमी ।

अक्षयवट, ( पुं. ) अविनारी वटवृक्ष, प्रयाग  
का वटवृक्ष, जो देवता समझा जाता है ।

अक्षया, ( स्त्री. ) त्रिविधविशेष । सोमवार की  
अमावस्या । रविवार की सप्तमी और

मङ्गलवार की चतुर्थी ये अक्षया कही जाती हैं ।

अक्षय, ( पुं. ) अकारादि वर्ष । नारास्य ।

ब्रह्म । अविनारी । विशेषरहित । प्रणव ।

वृद्धय । नियम ।

अक्षयवर्ण, ( पुं. ) उत्तम विलसनेवाला । लेखक ।

अक्षयवर्णविकः, ( पुं. ) अक्षयवर्णानि । लेखने  
की-लेखना । लेखक ।

अक्षयवृत्तिका, ( स्त्री. ) लेखनी । विलसने का  
स्थान ।

अक्षयवृत्तिः, ( स्त्री. ) अक्षयविशेष । इस अक्षय में  
एक वक्षय और दो वृक्ष होते हैं ।

अक्षयवृत्तियाम्, ( पुं. ) लेख । लेखन । अक्षयों  
का मिलन ।

अक्षयवर्ती, ( स्त्री. ) एक वक्षय के वृक्ष का  
लेख । लेखक ।

अक्षयवाट, ( पुं. ) वृद्धवृत्ति । अक्षयों का स्थान ।  
अक्षय ।

अक्षयवृत्तिका, ( पुं. ) अक्षय वृत्तिका, अक्षय लेखने  
में अक्षय ।

अक्षयवृत्तिका, ( न. ) जपमाला । जप करने की-  
माला ।

अक्षयवृत्तिका, ( पुं. ) रथ के पहिये को  
रोकने की कील ।

अक्षयवृत्तिः, ( स्त्री. ) दूसरे का उत्कर्ष न सहना,  
ईर्ष्या । धमा न करना ।

अक्षय, ( न. ) नेत्र । चाल ।

अक्षयगत, ( वि. ) चालों पर चढ़ा हुआ ।  
देष्य । राशु । विशेषी ।

अक्षयः, ( वि. ) पूर्ण । अक्षय । दीर्घ नहीं ।  
एक प्रकार का यति । जो किसी वस्तु की

प्राप्ति से प्रसन्न न हो, और अप्राप्ति से  
लिप्त न हो वह अक्षय कहा जाता है ।

अक्षय, ( पुं. ) समुद्र का लवण । ( वि. )  
उन्मादरहित । जो उन्मत्त न हो ।

अक्षय, ( पुं. ) मन । इन्द्रियों का स्वामी ।

अक्षय, ( पुं. ) अक्षयवृक्ष । पर्वत पर  
उत्पन्न हुआ पीपल का वृक्ष ।

अक्षयवृत्तिका, ( न. ) अक्षयवृत्तिका । अक्षय  
लेखने की सामग्री ।

अक्षयः, ( पुं. ) लम्बा । लूना । पशुओं को  
बाँधने का सूँटा ।

अक्षयः, ( पुं. ) शिव । रत्न । अक्षय । जो  
राग, द्वेष आदि से विचलित न हो ।

अक्षयवृत्तिका, ( स्त्री. ) सेनाविशेष । दस बनी-  
किया सेना । अक्षयवृत्तिका में—२१०० हाथी ।

२१०० रथ । ६२६६० घोड़े और

१००००० पैदल होने हैं ।

अक्षयः, ( पुं. ) मियालवृक्ष । निरीशो कावेड ।

अक्षयवृत्तिका, ( वि. ) अक्षयवृत्तिका । पूर्ण ।  
संपूर्ण ।

अक्षयवृत्तिका, ( पुं. ) पशुधाम । इन के  
पशु का कोई अक्षयवृत्तिका नहीं कर सका था ।

अक्षयवृत्तिका, ( पुं. ) देवस्थान, अक्षयवृत्तिका ।  
अक्षय ।

अक्षयवृत्तिका, ( वि. ) अक्षय । जो जाने के  
योग्य न हो ।

**अप्रसरः**, ( वि. ) आगे चलने का ।  
 अमगामी ।  
**अप्रहः**, ( उ. ) अविनाशिन । जिसकी क्षी न  
 हो । वानप्रस्थ । सन्यासी ।  
**अप्रहः**, ( उ. ) हरने प्रथम देने योग्य वस्तु  
 जननवस्तु ( वि. ) प्रथम प्रहय करने  
 योग्य । सत्याय । ब्राह्मण ।  
**अप्रहायण**, ( म. उ. ) अग्र-हायन । मार्गदर्शन  
 मान । अग्रहन का महीना ।  
**अप्रहायणी**, ( क्षी. ) अग्रहनमान की पूर्णिमा,  
 जिसमें जनन प्रायः उत्पन्नहो । मृगशिरा  
 नक्षत्र के उदय के समय से प्रायः जनम  
 होने हैं यह बात प्रसिद्ध है ।  
**अप्रहाट**, ( उ. ) ब्रह्मप्राप्ति आदि को देने योग्य  
 पदार्थ । दान की दूर्वा या बीजानेवाली वस्तु ।  
**अप्रहाहः**, ( वि. ) प्रहय करने के अयोग्य ।  
 शिवनिर्माण आदि । परमेस्वर । इन्द्रिय  
 का अविषय ।  
**अप्रियाः**, ( उ. ) आगे होनेवाला । वरा प्राप्ति ।  
 ( वि. ) अन्न । अन्न ।  
**अप्रियाः**, ( उ. ) अन्न सहोदर । वरा प्राप्ति ।  
 ( वि. ) प्रधान ।  
**अप्रिय**, ( वि. ) आगे होनेवाला । अमिय ।  
 दुःख ।  
**अप्रियः**, ( उ. ) अनेक । आगे अनेकवाला ।  
 अमगामी । इन्द्रिया ।  
**अप्रैदिधिपुः**, ( उ. ) पुनर्द्वे का पति, पित्रा  
 का पति, जेठी बहिन के ब्याह होने के व  
 इसे यदि छोटी बहिन ब्याह हो जाय  
 तो वह अप्रैदिधिपु कही जाती है ।  
**अप्रैरद**, ( वि. ) अमगामी, दुर्गम ही, आगे  
 चलनेवाला ।  
**अप्रगताः**, ( वि. ) आगे होनेवाला । अग्रिय ।  
 प्रधान । ( उ. ) वरा प्राप्ति । अग्रिय ।  
**अप्र**, ( म. ) वार । अन्न । दुःख । दुर्ग ।  
 असाध । ( वि. ) अन्त । अन्त ।  
**अप्रमर्षणम्**, ( वि. ) अग्रमर्षण अन्वेषण ।

**अप्रामुः**, ( वि. ) अप्रामुख्य । जिसका जीवन  
 प्रायमय हो ।  
**अप्रोटः**, ( उ. ) शिव, महादेव, शिवा,  
 ( वि. ) अममानक, अमानक नहीं ।  
**अप्रोरा**, ( क्षी. ) भाद्रपदा के शुक्लपक्ष की  
 चतुर्दशी, इस तिथि को शिवकी पूजा की  
 जाती है इस कारण इसका नाम अप्रोरा  
 पडा ।  
**अप्रोः**, ( अ. ) सम्बोधनार्थक अग्रपण ।  
**अप्रथ**, ( उ. ) प्रजापति । परंशु । आगे के  
 अयोग्य ।  
**अप्रथ्या**, ( क्षी. ) सीरधेयी, सी, जो न मांगी  
 जाय और न मारी ।  
**अप्रथ्य**, ( वि. ) पूजने के अयोग्य । मद्य । शिवा ।  
**अप्रुः**, ( उ. ) उदय काय का पूर देह ।  
 विह । पुत्र । सामान । शूद्र । अन्न ।  
 अन्न । समीप । शीघ्र । अन्न । अन्न ।  
 अतिप्रदेश । नाटक आदि का परिच्छेद ।  
 शिवा । नक्षत्र की सहाय ।  
**अप्रुतिः**, ( उ. ) अतिशोभी । अतिशोभ करने  
 वाला । अति । अन्न । अन्न ।  
**अप्रुनम्**, ( म. ) अन्ना या शिवा । विह ।  
 अन्न । विह करने की सामग्री । शीघ्र ।  
**अप्रुपाशिका**, ( क्षी. ) अतिशय । अन्न के  
 अर्थ । धार । अन्न ।  
**अप्रुपाली**, ( क्षी. ) शीघ्र । अन्न । अन्न ।  
 अन्न । अन्न । अन्न ।  
**अप्रुत्**, ( म. ) विह । अन्न ।  
**अप्रुत्ताः**, ( वि. ) अतिशय । अतिशय । विह  
 विह । विह । विह । विह । अन्न ।  
**अप्रुत्**, ( उ. ) अति । अन्न । अन्न । अन्न  
 के अर्थ अतिशय अन्न । अन्न ।  
**अप्रुत्ताः**, ( वि. ) अति की अन्वेषण ।  
 अति से अन्न अन्न अन्न की अन्न  
 अन्न ।

अग्निशाखा, (स्त्री.) अग्निवृक्ष । अग्निशाख्य ।  
अग्निष्टोमः, (पुं.) यज्ञविशेष । अग्निष्टोम  
नामक यज्ञ के मन्त्र ।

अग्निप्यासः, (पुं.) दिव्यपितर । नित्यपितर ।  
क्रियाशक्ति के अधिष्ठाता ।

अग्निहोत्रम्, (न.) यज्ञविशेष । अग्न्याधान ।  
सायंकाल और प्रातःकाल नियम से किये  
जाने वाले कर्म ।

अग्निहोत्री, (पुं.) अग्निहोत्रयुक्त । अग्निहोत्र  
करनेवाला । कान्यकुब्ज ब्राह्मणों का एक  
भेद ।

अग्नीध्रः, (पुं.) अतिविशेष । जिसका यज्ञ  
धन के द्वारा होता है उसका काम अग्नि  
की रक्षा करना है ।

अग्नीषोमीयम्, (न.) अग्निसोम नामक  
यज्ञ की हरि । यज्ञविशेष । जिसके देवता  
अग्नि और सोम हैं ।

अग्न्याधानम्, (न.) श्रौताग्निसंस्कार ।  
अग्निहोत्र । अग्निरक्षय । अग्निग्रहण ।

अग्न्युत्पातः, (पुं.) उत्कापात आदि प्राकृतिक  
विचार, आग का लगना । मन्त्र आदि के  
द्वारा अग्नि की दाहकशक्ति का नारा ।

अग्न्युपस्थान, (त्रि.) अग्नि का उपस्थान ।  
मन्त्रविशेष । जिनसे अग्नि की स्तुति और  
स्थापन किया जाता है ।

अग्र, (न.) परिमाण विशेष । सोलह  
मासों का परिमाण । आसन्न । समूह ।  
वृष का अग्रभाग । प्रातः । मित्रा विशेष ।  
आर्यास । प्रधान । अधिक । प्रथम ।

अग्रकाय, (न. पुं.) देह का पूर्वभाग ।

अग्रजः, (त्रि.) सेवक । नौकर । भृत्य । आगे  
बलनेवाला ।

अग्रगण्य, (त्रि.) प्रधान । मुख्य । आगे  
गिनया जानेवाला ।

अग्रामी, (त्रि.) आगे चलनेवाला ।  
प्रधान ।

अग्रजः, (पुं.) बड़ा भाई । ब्राह्मण ।

अग्रजन्मा, (स्त्री.) बड़ा का जन्मभाग । बड़े  
जाय ।

अग्रजन्मा, (पुं.) बड़ा भाई । ब्राह्मण ।  
ज्येष्ठ ।

अग्रजाति, (पुं.) ब्राह्मण । श्रेष्ठ जाति ।

अग्रजिह्वा, (स्त्री.) जीमकी नोक ।

अग्रणीः, (त्रि.) श्रेष्ठ । शानी । प्रधान ।  
अग्र्या । पुरिया ।

अग्रतः, (अ.) पूर्वभाग । आगे । आगे  
की ओर ।

अग्रतःसर, (त्रि.) अग्र्या । पुरिया ।  
आगे जानेवाला ।

अग्रदानी, (पुं.) प्रेमनिमित्तक दान लेने  
वाला । महापात्र । ब्राह्मण ।

अग्रनख, (न. पुं.) नखका अग्रभाग ।

अग्रनासिका, (स्त्री.) नाक का अग्रभाग,  
नाक की नोक ।

अग्रपर्णी, (स्त्री.) शालकुरी नामक वृक्ष ।

अग्रभाग, (पुं.) शब्द आदि में पहले  
निकाला हुआ द्रव्य । आगे का भाग ।

अग्रभुक्, (त्रि.) देवता और पितर को विना  
दिये खानेवाला । पेटू । पेट पालनेवाला ।

अग्रमांसम्, (न.) हृदय के मध्यका मांस ।  
प्रधान मांस, रोगविशेष ।

अग्रमुख, (न.) मुख का अग्रभाग ।

अग्रयाणम्, (न.) अग्रगामी । आगे चलना ।  
सेनाविशेष, नाहीर ।

अग्रयायी, (त्रि.) अग्रेसर । आगे चलनेवाला ।

अग्रलोहिता, (स्त्री.) जिसका अग्रभाग लाल  
वर्ण का होता है । चिखी नामक एक प्रकार  
का शाक ।

अग्रसन्धानी, (स्त्री.) कर्मविपाक । प्राणियों  
के पूर्वजन्म का शुभाशुभपूचक मन्त्र । (त्रि.)  
आगेही से जान लेनेवाला, यमपट्टिका, यम  
का पञ्चाङ्ग ।

अग्रसन्ध्या, (स्त्री.) सन्ध्या का पूर्व समय,  
पहली सन्ध्या, प्रातः सन्ध्या ।

अज्ञातकमलिनः, ( उ. ) जाल रङ्ग की मणि ।  
 अज्ञात । भूषा ।  
 अज्ञातककंदी, ( श्री. ) जाल पर पंजाई  
 हुई जाती ।  
 अज्ञातध्यानिका, ( श्री. ) अज्ञात रखने का  
 पात्र । सैगीटी ।  
 अज्ञातपर्य, ( उ. ) विवरण नामक गन्धर्व ।  
 अज्ञातपुष्प, ( उ. ) जलपत्र नामक वृक्ष ।  
 निपात्रली वृक्ष । इहरी वृक्ष ।  
 अज्ञातमञ्जरी, ( श्री. ) बरगुच्छ । फाँजा  
 वृक्ष ।  
 अज्ञातकटी, ( श्री. ) सैगीटी जिसमें नीचे  
 पहिये लगे हुए होते हैं ।  
 अज्ञादिः, ( श्री. ) सैगीटी । अज्ञात रखने  
 का पात्र ।  
 अज्ञादिना, ( श्री. ) ईल । पलारा के वृक्ष ।  
 सैगीटी ।  
 अज्ञादिणी, ( श्री. ) सैगीटी । बहू दिया  
 जिसको सुर्व ने खोज दियाहो ।  
 अज्ञादितम्, ( नि. ) जिस के अज्ञात उत्पन्न  
 हुए हैं । पलारावृक्ष की सैगीटी ।  
 अज्ञादित्वा, ( श्री. ) सैगीटी । लता ।  
 अज्ञिका, ( श्री. ) कन्दकी । सैयिया । सैगरला ।  
 अज्ञिन, ( नि. ) प्रथम । सुल्य । शरीरी । देख ।  
 अज्ञिरा, ( उ. ) सुनिवेश । जो ज्ञान के  
 मानसिक पुत्र थे ।  
 अज्ञीकार, ( उ. ) स्वीकार । मानलेना सम्मति  
 देना ।  
 अज्ञीकृत, ( नि. ) स्वीकृत । स्वीकार किया  
 गया । मानागया ।  
 अज्ञुतिरी, ( श्री. ) अज्ञुली हाथ पैर की  
 अज्ञुलि ।  
 अज्ञुतीर्थ, ( न. ) अज्ञुली का भूषण । अज्ञुटी ।  
 सुरी ।  
 अज्ञुतीर्थक, ( न. ) अज्ञुली का भूषण । अज्ञुटी ।  
 अज्ञुल, ( उ. ) वात्सवापनप्रति । पाठ जो का  
 परिभाष्य ।

अज्ञुलिः, ( श्री. ) अज्ञुली । हाथ पैर की  
 अज्ञुलिया ।  
 अज्ञुलितोरणम्, ( न. ) अज्ञुलित । अज्ञुल  
 आदि के द्वारा मत्स्य पर अज्ञुलित का  
 आकर बनाना । निरुक्तिशेष ।  
 अज्ञुलितः, ( उ. ) अज्ञुलितकव । अज्ञुलि  
 की रक्षा करनेवाला । दस्ताना ।  
 अज्ञुलिमुद्रा, ( श्री. ) मोहर की अज्ञुली ।  
 जिस अज्ञुली में अज्ञुली के मासिक के  
 नामाधार हुए हुए हैं ।  
 अज्ञुलिसन्देश, ( उ. ) अज्ञुलिका संदेश ।  
 अज्ञुलि के शब्द से जनना ।  
 अज्ञुली, ( श्री. ) अज्ञुली । हाथ पैर की  
 अज्ञुलिया ।  
 अज्ञुलीकण्टक, ( उ. ) नल । नह ।  
 अज्ञुलीयम्, ( न. उ. ) अज्ञुली ।  
 अज्ञुलीयकम्, ( न. उ. ) अज्ञुली । अज्ञुली  
 के भूषण ।  
 अज्ञुल, ( उ. ) अज्ञुली ।  
 अज्ञुलमात्रः, ( नि. ) अज्ञुलपरिमित वस्तु ।  
 अज्ञुलपरिमित इत्यकम्पल के मध्यवर्ती  
 भाग ।  
 अज्ञुलाना, ( श्री. ) अज्ञुल से हाथ बचाने की  
 योगी, इसको इतनी रीने के समय काम में  
 लाते हैं, अज्ञुलिन भी इसी को कहते हैं ।  
 अज्ञुलः, ( उ. ) नकुल । नैठला । भाष्य ।  
 अज्ञुलि, ( नि. ) सैयिरील । अमरनेवाला ।  
 अज्ञुलिः, ( उ. ) अज्ञुल । पाद । वृष की जड़ ।  
 अज्ञुलिपः, ( उ. ) भ्रम । वृष ।  
 अज्ञुलिपरिग्रह, ( श्री. ) पुरिन्गर्ण । पिठकन ।  
 इसके पूल सिंह की पूल जैसे होते हैं ।  
 अज्ञुलिस्कन्धः, ( उ. ) टुक । परी ।  
 अज्ञुलि, ( नि. ) जिना पहिये का । अज्ञुलि-  
 रहित । मन्त्री सेनापति आदि से होन जाना ।  
 अज्ञुलि, ( नि. ) निरुद्ध । अज्ञुलि ।  
 अज्ञुलि, ( श्री. ) राजसत्त्वपरि की श्री  
 गी । जोधगदि ।





ईश्वर । बरता । देवतादि । कामदेव ।  
 निरुद्धा जन्म न हो ।  
 अञ्जकाल्यः, ( उं. ) वृषभिशेप । विपहाण वृष ।  
 इस के पते बकरे के बान के समान लम्बे  
 होने हैं ।  
 अञ्जकल्पम्, ( न. पु. ) शिष का धनुष । जिस  
 में ब्रह्मा भीर विन्दु बाण बने थे ।  
 अञ्जकाण्डः, ( न. पुं. ) शिष का धनुष । जो  
 ब्रह्मा भीर विन्दु की रथा करता है ।  
 अञ्जक्षीर, ( न. ) बकरी का दूध ।  
 अञ्जगः, ( पुं. ) विन्दु, चमि ।  
 अञ्जगन्ध्या, ( धी. ) अजमोदा । भीषभिशेप ।  
 अञ्जगन्धिका, ( धी. ) शाकभिशेप ।  
 बाहुई शाक ।  
 अञ्जगन्धिनी, ( धी. ) अजमोदी । गहरसीगी ।  
 अञ्जगद, ( पु. ) सर्प भिशेप । बहा सर्प ।  
 अञ्जगन्ध, ( वि. ) उतप । अंड । जो  
 जीव न हो ।  
 अञ्जजीविका, ( वि. ) अन्ना से जीनेवाला,  
 बकरी का बलारा, जो बकरियों को खा  
 कर जीता है ।  
 अञ्जटा, ( धी. ) आयतकी वृष । अन्द  
 रदिश वृष ।  
 अञ्जप्या, ( धी. ) स्वर्णपुष्पिका । स्वर्ण-  
 पुष्पिका । बर्धोच्च समूह ।  
 अञ्जन्त, ( पु. ) स्वर्णत । दिन रातों के अन्त  
 में स्वर हो ।  
 अञ्जदण्डी, ( धी. ) अमृदण्डी वृष ।  
 अञ्जननिः, शार के अर्घ्य में इसका प्रयोग होता  
 है । जन्मदिश । अङ्गुलि आभोरान ।  
 अञ्जनयोनिः, ( पु. ) ब्रह्मा । प्रजापति ।  
 अञ्जनाम, ( पुं. ) भारतवर्ष का नाम । इस  
 भारतवर्ष का नाम पहिले " अजनाम "   
 था । जब इस के राजा भग्न इन्द्र तब से  
 इस का नाम भारत पडा ।  
 अञ्जन्ध, ( न. ) उतपान । शुभाशुभापक । देव-  
 हुन कण्ठ । उपवृद्ध ।

अञ्जप, ( पु. ) अत्यन्त पढ़नेवाला । जप न  
 करनेवाला । ( पुं. ) बाण पाठन करनेवाला ।  
 बंदरे धरनेवाला ।  
 अञ्जपा, ( धी. ) देवभिशेप । गायत्रीभिशेप ।  
 निरुद्धा जप इत्थात् प्रस्तात के साथ स्वयं  
 होता रहता है ।  
 अञ्जपाह, ( पु. ) पुरांभादयद् नवप । म्यारद  
 बरो में से एक बर का नाम ।  
 अञ्जमक्ष, ( पु. ) बहुर वृष की पतियां । इन  
 पतियों को बकरे प्रसन्नकारक खाते हैं ।  
 अञ्जमीढ, ( पुं. ) अजमेर नामक नगर । उत  
 का राजा । पुषिष्ठिर ।  
 अञ्जमोदा, ( धी. ) अजमोदा । उमगन्धा ।  
 अञ्जम्भः, ( पु. ) भेक । मैडक । ( वि. ) इन्त-  
 र्दिश । निरुद्धे दौड न हो ।  
 अञ्जयः, ( पु. ) पानव । भोग । बहान के  
 वीरपूद के पास के एक नद का नाम ।  
 अञ्जप्यम्, ( वि. ) अनेप राजु । जो जीना  
 न जा सके ।  
 अञ्जप्यम्, ( न. ) निवना । सह ।  
 अञ्जलोमन्, ( पु. ) वृषभिशेप । इसकी  
 मन्त्री बकरी के लोम के समान होती है ।  
 अञ्जपीपी, ( धी. ) वायापभिशेप । जो  
 वायारागहा के नाम से प्रसिद्ध है ।  
 अञ्जष्ट्री, ( धी. ) वृषभिशेप । गारुडोप ।  
 इस के चतुर्भेदे के लीम के समान होते हैं ।  
 अञ्जप्रम्, ( न. ) निरुद्ध । सन्तत । सदा ।  
 सर्वदा । रिशाल में रिपिरीस ।  
 अञ्जहृत्स्वार्थो, ( धी. ) राध्वरातिभिशेप ।  
 लघुवा का एक भेद । उपादान लघुवा । जो  
 अपने अर्घ्य को न चौककर दूसरे अर्घ्य का  
 बोध करे ।  
 अञ्जहृत्स्वार्थो, ( धी. ) अजहृत्स्वार्थो नाम की  
 लघुवा । जो अपने वाच्य अर्घ्य को न बोधे  
 और वाच्यार्थम्बन्धी दूसरे अर्घ्य का भी  
 बोध न करे ।  
 अञ्जहृत्स्वार्थो, ( पु. ) बर राम् जो अपने



अहानी, ( वि. ) दूरे । अहिमात् ।  
 अक्षेय, ( वि. ) क्षय का अविषय । जो जाना  
 न जाय ।  
 अक्षितिः, ( पुं ) बन्दु ।  
 अक्षतः, ( पुं. ) बरु का माला भाग ।  
 अक्षर । पत्र ।  
 अक्षितः, ( वि. ) पूजित । पूजा गया । आरत ।  
 जिसका आदर किया गया हो ।  
 अक्षितस्तु, ( स्त्री. ) आदर भौहवाली स्त्री ।  
 अक्ष, ( भा. पर. ) मिलना । जाना । प्रकारा करना ।  
 अक्षतम्, ( न. ) बटल । सीरीर । रसाक्षन ।  
 ( पुं. ) दिग्गजविरोध । अक्षान । अक्षरप ।  
 उपनिधि ।  
 अक्षतकेयी, ( स्त्री. ) एक हृन्धदन्ध-  
 विरोध । जिसे किदा बाधों में लगती है ।  
 यह इन्द्रियासिनी नाम से प्रसिद्ध है ।  
 अक्षना, ( स्त्री. ) एक बानगी का नाम । जिसके  
 गर्भे और बन्दु के बाँस से हनुमान्  
 उत्पन्न हुए थे ।  
 अक्षनाधिका, ( स्त्री. ) हनुमान् होने के  
 कारण अक्षन से अधिक एक भीःविरोध ।  
 जो बहुत बड़े बर्षे का रोना है ।  
 अक्षनाधरी, ( स्त्री. ) अक्षना नामक दिग्गज  
 की हथिनी । क्योंकि यह बहुत बारी है ।  
 अक्षनी, ( स्त्री. ) गन्ध-दन्धों के लेपन करने  
 योग्य । स्त्री । कटक हृष । कालाक्षन ।  
 अक्षलि, ( पुं. ) हाथ जोड़ना । डबे हुए दोनों  
 हाथ । परिभाषाविरोध ।  
 अक्षलिका, ( स्त्री. ) मूषिका । छोटा बूटा ।  
 अर्धन के एक भाग का नाम ।  
 अक्षलिकारिका, ( स्त्री. ) एक पौधा । जो  
 लज्जानी या लनवन्ती नाम से प्रसिद्ध है ।  
 छूने से इसके पत्ते सिड्डुज जाते हैं । हाथों  
 का जोड़ना । हाथ जोड़ने का काम ।  
 अक्षम्, ( वि. ) मालल । अक्षक । सीधा । सरल ।  
 अक्षसा, ( अ. ) सीमा । जस्दी । टीक टीक ।  
 साल । आर्सेव । अनापास ।

अक्षसाहसम्, ( वि. ) विनय से किया  
 हुआ कर्मे ।  
 अक्षरिणम्, ( न. ) इक्षविरोध । लगाम प्रसिद्ध  
 इक्ष विरोध और पत्त ।  
 अक्ष ( भा. पर. ) समन । गति । जाना ।  
 अक्षनम्, ( न. ) अक्षय । समन ।  
 अक्षनिः-नी, ( स्त्री. ) धनुष का अक्षमग ।  
 जहाँ विद्या प्रदया जाता है । धनुष कीटि ।  
 अक्षयिः, ( स्त्री. ) बन्, धारण्ये ।  
 अक्षयी, ( स्त्री. ) अक्षय । बन् । वृद्धावस्था में  
 जहाँ अक्षय किया जाय ।  
 अक्षर, ( स्त्री. ) अक्षय । पर्यटन ।  
 अक्षरा, ( स्त्री. ) अक्षय । पर्यटन । पूजना ।  
 निरर्थक पूजना । विना काम के पूजना ।  
 अक्ष, ( भा. आत्म. ) लोचना । माला । ( उभ. )  
 अनादर करना ।  
 अक्ष, ( पुं. ) मूल के ऊपर का पर । अक्षरी ।  
 बाजार । दूकान । सूरा अनाज । अक्षय ।  
 अक्षिराव ।  
 अक्षहासः, ( पुं. ) अक्षय है ही । अधिक हैतना ।  
 महादेव की है ही ।  
 अक्षहासक, ( पुं. ) अक्षय पुण्य-विरोध ।  
 अक्षालः, ( पुं. ) अक्षरी । अक्षे के ऊपर का पर ।  
 अक्षालकः, ( पुं. ) मूल के ऊपर का पर ।  
 अक्षालिका, ( स्त्री. ) अक्षरी । मूल । ऊँचा  
 मकान । धनी राजा आदि का मकान । एक  
 नगर का नाम ।  
 अक्ष, ( भा. पर. ) उदय करना ।  
 अक्ष, ( भा. पर. ) आक्रमण करना । अक्षियोग  
 करना । समाधान करना । अक्षयिपत्र  
 करना । अनुमान करना ।  
 अक्ष, ( भा. पर. ) शान्त करना । सांत लेना ।  
 अक्ष, ( भा. आत्म. ) जीना । आय धारण  
 करना ।  
 अक्ष, ( न. ) नीच । निर्दिष्ट । बहुत छोटा ।  
 अक्षकः, ( वि. ) इक्षित । अर्द्ध । निर्दिष्ट ।  
 अक्षुष्य, ( न. ) अक्षुषों का उपनि स्थान ।

लिङ्ग को न छोड़े । विरोध का यह नियम है कि वह विरोध के लिङ्ग के अनुसार हो जाना है, परन्तु कनिषय शब्द ऐसे हैं जिन का लिङ्ग नियत है ।

अज्ञहा, ( स्त्री. ) शकरीश्वरी नामक श्रीपथ । कथाय । कपिकण्ठुक ।

अज्ञा, ( स्त्री. ) माया । विषय विशिष्ट प्रकृति । बहरी ।

अज्ञागरः, ( पुं. ) भृङ्गान नामकी श्रीपथि । भंगरा । ( वि. ) जागरण शब्द ।

अज्ञाजी, ( स्त्री. ) काला जीरा । सकेद जीरा ।

अज्ञाजीवः, ( पुं. ) गिसकी जीविका बकरे बकरियों से हो ।

अज्ञातककुद्, ( पुं. ) बैलों की अज्ञात विरोध । थोड़ी उमर का बैल । बन्धा । बवडा ।

अज्ञातशत्रु, ( पुं. ) सुषिष्ठिर । ये किसी से शत्रुता नहीं करते ये इस कारण इनका नाम अज्ञातशत्रु पडा ।

अज्ञातिः, ( स्त्री. ) अज्ञाति । कार्य कारण की अज्ञापति । ( वि. ) जन्मरहित ।

अज्ञादनी, ( स्त्री. ) वृक्षविरोध । जिसे बकरे खाते हैं । बिचटी वृक्ष ।

अज्ञानिः, ( पुं. ) गिसकी स्त्री न हो । स्त्रीरहित ।

अज्ञानेयः, ( पुं. ) उत्तम घोडा । प्रभुभक्त घोडा ( वि. ) निर्भय । निर ।

अज्ञापालः, ( पुं. ) बकरे पालनेवाला भेड़िहर । मेघराज ।

अज्ञाप्रिया, ( स्त्री. ) बहरी । वीर ।

अज्ञिः, ( पुं. ) तेज । प्रयाप । प्रमुश ।

अज्ञिन, ( पुं. ) चमडा । चर्म । मृगचर्म ।

अज्ञिनरथा, ( स्त्री. ) जिनके पाँत चमड़े के हो । चमड़ीरथ । चमडिरथ ।

अज्ञिनरुला, ( स्त्री. ) वृक्षविरोध । जिनके चप बगुन बड़े बड़े होते हैं ।

अज्ञिनपोनि, ( स्त्री. ) मृगचर्म के काण्ड । हरिद हरिदी अदि ।

( न. ) अज्ञान । श्रीक ।

( वि. ) अज्ञेय । सत्य । सीधा ।

अज्ञिहाग, ( पुं. ) बाण । सर ( वि. ) सीधा बसनेवाला । सदाचारी ।

अज्ञीगर्त, ( पुं. ) शुनःशोक के गिरा । इनकी कृपा उपनिषदों में लिखी है । दृष्टिग और निर्गुणता में इनकी बराबरी करने वाला आज तक दूसरा नहीं हुआ ।

अज्ञीतः, ( पुं. ) जिनियों का एक तीर्थद्वारविरोध । भावी बुद्ध । ( वि. ) अज्ञिनिन । अराजनेय ।

अज्ञीर्ण, ( न. ) उदररोगविरोध । मन्दाग्नि अधिक भोजन दुर्बलता आदि के कारण यह रोग उत्पन्न होता है ।

अज्ञीवः, ( वि. ) मृत । मरा हुआ । मृतक । अनेकान्तवादियों का दूसरा पदार्थ । बह चार प्रकार का है उद्वह । धाकारा । धर्माधर्म । और अतिक्रय ।

अज्ञीवनिः, ( स्त्री. ) जीवन का अभाव । शाप के अर्थ में इसका प्रयोग किया जाता है ।

अज्ञेय, ( वि. ) जो जीता न जासके । जीने के अयोग्य ।

अज्ञेयपाव, ( पुं. ) पूर्वाभासपद नश्य । रुद्र-विरोध का नाम । क्योंकि इसका पैर बकरी के पैर के समान है ।

अज्ञुका, ( स्त्री. ) नादकोक्ति में बेर्या । बनी बहिन ।

अज्ञ, ( वि. ) जड़ । बेरो के तारर्य न जानने वाला । अनपद । अविचेकी । मूर्त ।

अज्ञात, ( वि. ) अज्ञान से युक्त । अविदिन ।

अज्ञानम्, ( न. ) अज्ञिया । ज्ञान का अभाव । ज्ञान से गट होनेवाला । वेदान्त-प्रसिद्ध पदार्थविरोध । भागवत में अज्ञान के वाँच भेद बतलाये गये हैं । तप, मोह, महा-मोह, तामिस और अन्धगामिस । भागवत में यह भी लिखा है कि सृष्टि के आदि में मया ने उन्हें बनाया था ।

अज्ञानप्रमदः, ( पुं. ) अज्ञान से उत्पन्न । अपने स्वरूप के चर्चार्थ ज्ञान होने के कारण गिसकी बरतति हो ।

बचना । वस्तु की सिद्धि होने पर भी कर्म करने रहना ।  
**अतिप्रामर्श्यायः**, (वि.) अतिक्रमण के योग्य । बाँझने के योग्य । उलझान करने के योग्य ।  
**अतिव्यग्रन्तः**, (वि.) अतिक्रम । विघ्नकण । अनीन । अग्ने कर्त्तव्य से विचलित । अग्ने काम को भूला हुआ ।  
**अतिमण्डलः**, (पु.) अतिविशाल का एक योग । - अठसो योग । (वि.) बड़ी गलावाला ।  
**अतिराज्यः**, (पु.) अधिक राज्यवाला । दूरगुण । अत्यन्त दृढ़ । बड़ी दृढगुणवाला ।  
**अतिचर्या**, (स्त्री.) रक्षणादिनी । इसका नाम पद्मान है । यह उत्तर की ओर बहुत होता है ।  
**अतिचाराः**, (पुं.) बहुत खलनेवाला । महल आदि पोंच मर्दों का एक राशि का योग की समाप्ति के बिना दुगती राशि पर जाना । पूर्व राशि पर जाने का नाम वक्रातिचार है और आगे की राशियों पर जाने का नाम अतिचार है ।  
**अतिच्छद्विभ्र**, (पु.) खपने समय को छोड़े बिना दुगती राशि में आने वाले महल आदि पोंच भद्र । (वि.) अतिक्रमण करनेवाला । शंकर जाने वाला । बहुत खलनेवाला ।  
**अतिच्छुद्धः**, (पुं.) स्वच्छ । खाली भाव से अशुद्ध एक नृप विशेष । यह स्वल्प पर होता है । लालमगाना । सुगन्ध ।  
**अतिच्छुद्धकः**, (पुं.) दृश्य विशेष ।  
**अतिह्रगती**, (स्त्री.) अन्द विशेष । यह अन्द देह दीर्घों का होता है (वि.) अग्नि को छोड़नेवाला । खाली । अशुद्ध ।  
**अतिह्रयाः**, (वि.) देहदान वह देह से चलने वाला ।  
**अतिज्ञानदाः**, (पुं.) नील रक्तपत्नी । यह लता जालवा रहता है, (वि.) जिनको नील नहीं आती ।  
**अतिहीनम्**, (न.) परिशेष का लक्ष्य विशेष ।

**अतिहराम्**, (न.) अधिक । अत्यन्त अधिक ।  
**अतिनीदम्**, (वि.) अत्यन्त कटुका । मरीचा आदि ।  
**अतितीया**, (स्त्री.) मांड दृष ।  
**अतिधिः**, (पुं.) सर्वत्रयी एक राता । इन्द्र पितृ का नाम बुरापा और इसकी माता का नाम बुधुदनी था । यह रामचन्द्रजी का पौत्र था । आवन्तुक । पादुन । जो एक राज रहे ।  
**अतिपिण्डजनम्**, (न.) दृढक । पक्ष का के अर्धगत एक पक्ष ।  
**अतिशिमपर्या**, (स्त्री.) अतिविशेष । अतिधि का साकार । पक्ष महापत्नी के अर्धगत एक पक्ष । दृढक ।  
**अतिविष्ट**, (वि.) दुःख के अर्थ का दुःखे आशय करना । सीमांता शब्द की परिभाषा ।  
**अतिवीर्याः**, (पुं.) शक्तिवक्र दृष । लाल पितृ ।  
**अतिवेशः**, (पुं.) दुःखे के अर्थ का दुःखे आशय करना ।  
**अतिधम्या**, (पुं.) पातुक । पञ्चमी । पञ्चमी से निरुप । मकरुषि को जाननेवाला ।  
**अतिधूमिः**, (स्त्री.) अन्द विशेष । इसके अर्थ पर में उगीत अन्द होने है ।  
**अतिपतन**, (न.) अत्यन्त । नारा । अतिक्रमण ।  
**अतिपत्तिः**, (स्त्री.) (मिड न होने) अतिविष्ट ।  
**अतिपथ**, (वि.) बड़े बड़े पत्तिकाका वृक्ष इतिव द वृक्ष । लता । उपलब्ध । पत्तिकाका में किया जाय है ।  
**अतिपथ्या**, (पुं.) अन्द मर्द । अत्यन्त लाल रक्तधार ।  
**अतिपानः**, (पुं.) पर्वत ।  
**अतिपालक**, (न.) लक्ष बकर के अर्थ में का एक बहा पत्त । यह लक्ष बकर का होता है । दुग्धों को दूध का बना कर दुग्ध के अर्थ में दूध होता है ।



अतिव्याप्ति, (स्त्री.) अधिक विस्तार अत्यन्त ।  
वितृप्ति । नैवादिर्को के एक होने का  
नाम । यदि किसी का लक्षण-बर्णन  
एक प्रकार ही परिभाषा किया जाय और  
वह लक्षण अपने मुख्य वाच्य को छोड़ कर  
दूसरे का वाचक होनाय । तो वह अति-  
व्याप्ति देव माना जाता है ।

अतिशक्ति, (स्त्री.) अधिक शक्तिवाला ।  
बलवान् । असीमबलवाली । जिसके  
समान शक्ति औरों की न हो ।

अतिशय, (पुं) आधिक्य । अधिकता । बर्ध ।  
अतिशयितः, (त्रि.) अधिक । अधिकान्त ।  
अधिकशक्त ।

अतिशयोक्ति, (स्त्री.) अर्थात्श्रावण ।  
बर्धनीय वस्तु ही उत्कर्षण दिशा में के विधि  
उत्ते दृश्य वस्तु के रूप में प्रकट करना ।

अतिशक्ती, (स्त्री.) अत्यन्त शक्ति । जिसके  
प्रत्येक पाद में ३३ अक्षर होते हैं ।

अतिश्रायन, (न.) अधिकता । बर्ध ।  
अतिशीत, (न.) अधिक शीत । अधिक  
ठण्डा । (त्रि.) वह वस्तु जिसका स्पर्श  
बहुत ठण्डा हो ।

अतिशोभन, (त्रि.) अत्यन्त शोभायुक्त । अति-  
शय शोभनीय । श्रेष्ठ । उत्तम । समीप ।

अतिशब्ध्या, (स्त्री.) प्रदोष-वाच । शब्ध्या  
के समीप का समर्थ ।

अतिशर्माः, (पुं.) शोभापूर्वक वाच करने की  
वाला ।

अतिशर्जन, (न.) देना । धरना । उगना ।  
बोचना ।

अतिश्रायम्, (न.) लक्षणा के लक्ष्य ।  
प्रदेव का समर्थ ।

अतिश्राव, (पुं.) शोभा-विशेष । अतिशय-शोभा ।

अतिसारकित्, (त्रि.) अतिशय शोभा ।  
अतिशय-शोभावाला ।

अतिशुद्धः, (त्रि.) शुद्ध । शिवा हुआ । शिष्ट  
किया गया । शिवा गया । श्रेष्ठ गया ।

अतिसौरभः, (पुं.) शान्त विशेष । बहुत  
सुगन्धिवाला ।

अतिस्फूर्णः, (त्रि.) अत्यन्त मोटा ।  
आवश्यकतासे अधिक मोटा ।

अतिहसितम्, (न.) अतिशय हास्यपूर्ण ।  
अधिक हँसने वाला ।

अतीत, (त्रि.) अतीत । बीता हुआ । बीत  
गया । पूरा हुआ ।

अतीतकालः, (पुं.) ऐतन्महाविशेष । अत-  
मान के द्वारा किसी पदार्थ के साधन  
समय बीत जाने पर उसके साधन के  
लिये जो हेतु बड़ा जाय वह अतीतकाल  
हेतु कहा जाता है और वह ऐतन्मास  
शेष है ।

अतीन्द्रियम्, (त्रि.) श्रितियों से न जानने  
योग्य वस्तु । असाध्य ।

अतीव, (न.) बहुतही । अत्यन्त । अधिक ।  
अतिशय ।

अतीवहार, (पुं.) शोभा विशेष । बहुत शोभा ।  
रचनाप्रधान शोभा ।

अतुलः, (त्रि.) अनुपम । उपमान रहित ।

असिद्धा, (स्त्री.) कही नहीं । इन शब्द का  
प्रयोग वाक्यों में किया जाता है ।

आप्यन्तम्, (न.) अतिशय । अधिक । शोभा  
को अधिकतम करने वाला ।

आप्यन्तकरीषण, (त्रि.) बरध । अधिक शोभा-  
शक्ति । अधिक शोभा करने वाला ।

आप्यन्तशोभा, (त्रि.) अधिक अत्यन्त-शोभा ।  
अत्यन्त-शोभा ।

आप्यन्तशोभा, (पुं.) शोभा सम्बन्ध ।  
शोभा-सम्बन्ध । अत्यन्त शोभा सम्बन्ध ।  
जिस प्रकार पुत्र और माता का सम्बन्ध है,  
वही वस्तुओं का आप्यन्त शोभा सम्बन्ध है ।  
जिसे शोभा के शोभा के एक शब्द पर  
एक शब्द है ।

आप्यन्तशोभा, (पुं.) शोभा-सम्बन्ध के शोभा के  
अर्थ का एक शब्द । शिष्ट शब्द का





मारण उपादन आदि का भेद किला है ।  
 अधर्वाधिपति, ( उं. ) अधर्मा के पुत्र रूप ।  
 अधर्वा, ( ध. ) पशुवत्सोपक धर्म्य ।  
 अधो, ( ध. ) आत्म आदि । ( देखो अध )  
 अधू, ( पा. पर. ) हाता । भोजन करना ।  
 अधस्ता, ( श्री. ) विना क्याही श्री । कुमारी ।  
 अधस्तादायी, ( वि. ) विना ही हुई बरु  
 को मरण करने वाला । शोर । बाहू ।  
 अधूनम्, ( न. ) अथवा । भोजन ।  
 अधुन्नम्, ( वि. ) बहुत । पोहा नहीं ।  
 अधर्शनम्, ( वि. ) दर्शन के अयोग्य । जो  
 देखने में न चाँसे । जो न देता ज्ञय ।  
 अधूल, ( पु. ) शिबल नामक वृक्ष । ( वि. )  
 परकीर्तन रूप विना पत्तों का वेह ।  
 अधूत, ( वि. ) दूतय । धर्म्य । दूर की वस्तु ।  
 अधूता, ( पुं. ) कुरूप । शान्तराशिर्हीन । जो  
 दे न सके ।  
 अधूत्याः, ( पुं. ) जलाने के अयोग्य । शरीर  
 शिथिल । परमात्मा । महागोपी ।  
 अधिति, ( श्री. ) देवता । ये देव प्रमा-  
 पति की कथा और करण की श्री थी ।  
 उनसे प्रकृत । क्योंकि इसकी देवता अधिति  
 है । न जाने योग्य भूमि ।  
 अधितिनान्दन, ( पुं. ) अधिति के पुत्र । देवता ।  
 अधीनः, ( वि. ) उदार । दीन नहीं ।  
 अधीनात्मा, ( वि. ) आत्मन रूप होने पर  
 भी प्रियसे आया विश्लेष न हो ।  
 अधरयम्, ( न. ) न देखे जाने योग्य रूप ।  
 ( वि. ) शिथिली तेमही देखे जाने योग्य ।  
 अधरयम्, ( न. ) मास । नियति । शुभाशुभ  
 रूप कर्म ।  
 अधरयपूर्वः, ( वि. ) पहले नहीं देखा गया ।  
 अधरि, ( श्री. ) दरि का अभाव । अधः ।  
 अधरि । अंशके भाग देना ।  
 अधेयमायुका, ( पुं. ) जिस देता में गदी का  
 मरु आदि के अंत से अथ उगल होना है  
 । अत देता के बारी ।

अध्या, ( ध. ) सत्यार्थक धर्म्य । सा  
 ताक ।  
 अध्युत, ( न. ) उपाय । विराम । वि-  
 विरामयनामक विचार । नवरत्नों में  
 एक रत्नविशेष ।  
 अध्युत्सवः, ( पुं. ) महादेव । आत्यर्थक  
 आत्यर्थकपुत्र ।  
 अध्युतः, ( वि. ) बहुत खाने वाला । महापरा  
 अध, ( ध. ) आत्म का दिन । बर्तमान ।  
 अधरतनः, ( वि. ) आत्म की उत्पत्ति हुई  
 कालविशेष । श्रीकी हुई रात का अन्तिम  
 और आने वाली रातका पहला पहर  
 समस्त दिन यह अद्यतन का  
 भाग है ।  
 अधरते, ( ध. ) आत्म का । इत समस्त । सप्त  
 अधर्दीन, ( श्री. ) आत्म कल में  
 जाने वाली श्री । आत्मप्रपत्तता ।  
 अधिः, ( पुं. ) पर्यंत । पहाड़ । वृष्ट ।  
 मान विशेष । सात की संख्या ।  
 अधिकर्षी, ( श्री. ) अपराधिता न  
 भोगि ।  
 अधिर्षाला, ( श्री. ) भूमि । पृथिवी ।  
 अधिजम्, ( न. ) शिलागर्भ नामक अ-  
 ( वि. ) परंपर उपाय होने वाले पर  
 अधिजम्, ( न. ) शिलागर्भ ।  
 अधिजा, ( श्री. ) पार्वती । विजिता ।  
 अधिजित, ( पुं. ) शान्त । इत ।  
 अधिजनया, ( श्री. ) विवाह पर्यंत  
 कथा । पत्नी ।  
 अधिमिन्, ( पुं. ) इय । देवता ।  
 अधिभू, ( श्री. ) अपराधिता नामकी न  
 अधिराज, ( श्री. ) पर्यंत का राजा । दिव्य  
 अधिराज, ( पुं. ) संत ।  
 अधीरा, ( पुं. ) शिवाकर कर्तव्य ।  
 अधीरा, ( पुं. ) शिव का अभाव ।  
 अधिच, ( न. ) अन्त । अन्तर्गत । विरा-  
 त्कालके अन्त । अधिच । ( पुं. )



र्थान् । निष्कृष्टिमे गये पुनः का सम्बन्ध,  
 यथा-नागार्थो की लम्, चादर आदि  
 धातु करने का अधिकार है । अधीनारथ  
 देता आदि । प्रवरथ । अजावग्य के मन से  
 पदों एवं के पद को दूसरे रूप में ले जाना ।  
**अधिकारविधि**, ( पु. ) धीमोना शाय भी  
 परिभाषा । धर्मों से उत्पन्न कृत को बोधन  
 करनेवाली विधि ।  
**अधिकारी**, ( पु. ) प्रमाया । अलरुधारी ।  
 अधिकार विंशद ।  
**अधिकार्यवचन**, ( म. ) रगुति धीत निन्दा  
 का प्रशंसित करने वाली अधिक ढाँक ।  
**अधिकृत**, ( वि. ) अध्वर । निष्कृष्ट । आयुष्य  
 देनेसे बाधा कर्मज्ञान्य कनसंबन्धी अधिकार  
 प्राप्त । अित्तको को काम शोषा गया हो ।  
**अधिक्रमः**, ( पुं. ) आक्रमण । अधिकमण्य ।  
**अधिक्रान्त**, ( वि. ) अशान्त । अशान्त । अशान्त ।  
 अशान्त ।  
**अधिशेष**, ( पुं. ) निन्दा । अित्तकार ।  
**अधिमत्ता**, ( वि. ) प्राप्त । प्राप्त । अतः  
 गया । गया गया । स्वीकार किया गया ।  
**अधिमम**, ( पुं. ) साधना । अधि । अधिकात् ।  
**अधियत्ता**, ( श्री. ) धर्म के अन्तर् को धुति ।  
**अधिदेयता**, ( श्री. ) पदार्थों के अधिदाता  
 देयता ।  
**अधिदेयताम्**, ( म. ) अित्तकार्य । अतर्की  
 पुनः । अतः आदि अित्तको के अधिदाता  
 देयता ।  
**अधिप**, ( वि. ) राजा । अतः । अधिपति ।  
**अधिपति**, ( पुं. ) अतः । अधिपति ।  
**अधिपू**, ( पुं. ) अतः । अधिपति । अधिपति ।  
**अधिर्मात्तक**, ( पुं. ) अतः । अधिपति । अधिपति ।  
**अधिमात्र**, ( पुं. ) अतः । अधिपति । अधिपति ।  
**अधिपका**, ( पुं. ) अधिपति । अधिपति । अधिपति ।  
 देयता दे देयता का " ( श्री. ) ।

**अधियोग**, ( पुं. ) धातु का अधिपति ।  
**अधिरथ**, ( पुं. ) धर्म के निष्ठा का भाव ।  
**अधिराज**, ( पुं. ) अतः ।  
**अधिरोहिणी**, ( श्री. ) अतः । अधिपति । अधिपति ।  
 अतः । अधिपति । अधिपति । अधिपति ।  
**अधिपचनम्**, ( म. ) अधिपति । अधिपति ।  
**अधिपाना**, ( पुं. ) अधिपति । अधिपति । अधिपति ।  
**अधिपानम्**, ( म. ) अधिपति । अधिपति । अधिपति ।  
**अधिशेष**, ( श्री. ) अधिपति । अधिपति । अधिपति ।  
**अधिपयणम्**, ( म. ) अधिपति । अधिपति । अधिपति ।  
**अधिपाना**, ( वि. ) अधिपति । अधिपति । अधिपति ।  
**अधिपानम्**, ( म. ) अधिपति । अधिपति । अधिपति ।  
**अधीन**, ( वि. ) अधिपति । अधिपति । अधिपति ।  
**अधीति**, ( श्री. ) अधिपति । अधिपति । अधिपति ।  
**अधीन**, ( वि. ) अधिपति । अधिपति । अधिपति ।  
**अधीन**, ( श्री. ) अधिपति । अधिपति । अधिपति ।  
**अधीन**, ( पुं. ) अधिपति । अधिपति । अधिपति ।  
**अधीन**, ( श्री. ) अधिपति । अधिपति । अधिपति ।  
**अधीन**, ( पुं. ) अधिपति । अधिपति । अधिपति ।  
**अधीन**, ( श्री. ) अधिपति । अधिपति । अधिपति ।

अध्यकारणम्, ( न. ) परमप । जगत् के निमित्त और उपादान दोनों कारण ।

अध्यवादी, ( पुं. ) वेदान्त । बौद्ध । एक वस्तु की सत्ता माननेवाला । अद्वैतवादी । बौद्ध विशेष ।

अद्वितीय, ( नि. ) केवल । एक । उसके समान दूसरा नहीं । परमात्मा । भेद । अतमान ।

अद्वेषा, ( वि. ) धर्षणा । द्वेष न करनेवाला । द्विद्वेषी ।

अद्वैत, ( नि. ) सनातन विनाशक भेदरहित । भेदविकाररहित । तिस्राय विशेष । वेदान्त सिद्धान्त ।

अद्वैतवादी, ( पुं. ) बुद्ध । ( वि. ) निचेकी वस्तु और आत्मा की एकता कहने वाला ।

अधःक्रिया, ( स्त्री. ) अपमान । तिरस्कार । अधःक्षिप्त, ( नि. ) नीचे की ओर झुँड़ करके रखा गया द्रव्य ।

अधःपुष्पी, ( स्त्री. ) एक पौधे का नाम । जिसके फूल नीचे की ओर होते हैं ।

अधनः, ( वि. ) भार्या पुत्र मृत्यु आदि । अधमः, ( नि. ) कुत्सित । निन्दित । ( पुं. ) जात । उपपत्तिविशेष ।

अधमर्ष, ( नि. ) श्लथकर्ता । श्लथ लेनेवाला । कर्षणोत्तर ।

अधमर्षिकः, ( वि. ) अधमर्ष । श्लथकर्ता । अधम, ( स्त्री. ) नाशिकामेद ।

अधमाङ्ग, ( न. ) शरण । पाँर । पैर । पाद । अधरः, ( पुं. ) ऊपर या नीचे का छोट ।

( वि. ) पृथिवी से जो न मिला हुआ हो । नीचे । तल ।

अधरतः, ( घ. ) नीचे की ओर । अधरमधु, ( न. ) अधारम । अधरामृत ।

अधरान्, ( घ. ) नीचे का भाग । अधरभाव । अधरेण, ( न. ) नीचे की ओर । परिवम रिया ।

( घ. ) पर दिव । दूसरा दिन । अधरेण्य परतो ।

अधर्म, ( वि. ) अप्रकृत्या आदि निन्दकर्मों से उत्पन्न पाप । बेदनिन्दकर्म । अनेक प्रकार के दुष्टः देनेवाले कर्म । धर्म का शिरोधी ।

अधर्मज्ञ, ( नि. ) अधार्मिक । धर्म न मानने वाला । धर्म की दुष्ट समझने वाला ।

अधर्ममिश्र, ( पुं. ) कलिगुण । ( वि. ) अधार्मिक । मिश्रणादी ।

अधश्चर, ( पुं. ) निन्दित कर्मों में शिथिली कर्षि हो । और आदि । नीचे की ओर जाने वाला ।

अधस्तात्, ( घ. ) नीचाधेक घन्मय । अधि, ( घ. ) अधिहार । ऐरवर्ष । धान । दिस्ता ।

अधिकम्, ( न. ) बहुत । अनेक । बढा । अधोऽङ्गरिषेण ।

अधिकरणम्, ( न. ) आधारकारक । कर्ता और कर्म क्रिया का आश्रय । मीमांसा ।

अशय्या, ( स्त्री. ) पृथिवीपरसोना । भूमिस्थान । अधिकरणविचाल, ( पुं. ) द्रव्य की अवस्था के भेद से हल्या का भेद करना । एक राशि को अनेक बनाना अथवा अनेक राशि को एक बनाना ।

अधिकरणसिद्धान्तः, ( पुं. ) सिद्धान्तविशेष । जहाँ एक को सिद्धि से दूसरे की सिद्धि होती है, वह अधिकरण सिद्धान्त है अर्थात् जिस अर्थ के सिद्ध होते ही दूसरे प्रकार की सिद्धि होती हो ।

अधिकर्तव्यम्, ( न. ) जो अधिकार्य में उत्पन्न हो ।

अधिकर्मिक, ( पुं. न. ) हाड का मांसिक । दावार का शीपरी ।

अधिकार्यम्, ( न. ) कर्तव्य आदि शीपरी की पटी । कर्मकर्त । ( नि. ) अधिक श्लथ वाता । जिसके श्लथ बड़े हुए हों ।

अधिकारः, ( पुं. ) कर्तव्यमिन्द्र । शिथिली काम करने की स्थापनवा । अनुकर्मिक ।



अधीष्टः, (पुं.) सरकारपूर्वक व्यापार । (वि.)

सत्कार करके व्यापार में नियुक्त किया गया । आदर के साथ किसी काम के लिये किसी को आज्ञा देना ।

अधुना, (घ.) सम्पत्ति । इस समय ।

अधुनातन, (वि.) इस समय का । इस काल में होने वाला ।

अधृष्टः, (वि.) लज्जारील । विनयो ।

अधृष्यः, (वि.) तिरस्कार करने के अयोग्य । प्रगल्भ । धृष्ट । जो किसी से न दरे ।

अधृष्या, (स्त्री.) एक नदी का नाम ।

अधोशुकम्, (न.) पहनने का कपड़ा । नीचे पहनने का कपड़ा । धोती आदि ।

अधोक्षज, (पुं.) विष्णु । जो इन्द्रियसम्बन्धी ज्ञान का विषय न हो । परमज्ञ । जिसने इन्द्रिय जन्य ज्ञान को तिरस्कृत कर दिया है । कृष्ण मगधान् । ज्ञानी । जीवन्मुक्त ।

अधोगतिः, (स्त्री.) नरक । अवनति । नीचे की ओर गति ।

अधोजिह्विका, (स्त्री.) छोटी जीभ । जो तालु के मूल में रहती है ।

अधोदृष्टिः (वि.) अपना विनय जनाने के लिये सदा नीचे की ओर देखने वाला । विनीत । विनयी ।

अधोमुखन, (न.) पानालोक । नाग-लोक ।

अधोमुख, (वि.) नीचे की ओर हलनाला । नद्यधोरेणः । मूल, अश्लेषा, कृत्तिका, विशाखा, भरणी, मघा और हीनो पूर्वा ये अधोमुख नद्य कह्ये जाते हैं ।

अधोमुखा, (स्त्री.) गोजिज्ञा नामक पौधा ।

अधोलाङ्गः, (पुं.) काष्ठ । अध-विद्य लङ्गुलः ।

अधोलाङ्गः, (पुं.) काष्ठ । अध-विद्य लङ्गुलः ।

अधोलाङ्गः, (पुं.) काष्ठ । अध-विद्य लङ्गुलः ।

अधोलाङ्गः, (पुं.) काष्ठ । अध-विद्य लङ्गुलः ।

अधोलाङ्गः, (पुं.) काष्ठ । अध-विद्य लङ्गुलः ।

निरीयक । व्यापक । निम्न । शरीर और फैला हुआ । (ग.स.) प्रत्यक्ष ज्ञान । इन्द्रियों के द्वारा जानने योग्य ।

अध्यग्नि, (न.) अधीन । जो विवाह के समय अग्नि को साक्षी करके विवाह आदि देने है ।

अध्यधीनम्, (न.) अधिक अधीन । गण का दास । विवाह हुआ दास ।

अध्ययनम्, (न.) पढ़ना । गुरु के श्रवण से उपदेशा महण करना । गुरु की कही हुई बातों का इहराना । अर्थ सहित चर्चा का महण करना ।

अध्यर्जम्, (वि.) आभे के साथ । एक और आधा । डेढ़ ।

अध्यवसाय, (पुं.) निश्चय । निर्देशण । युक्तियों के द्वारा किसी बात को निश्चित करना । उल्हाद । बुद्धिसम्बन्धी व्यापार । किसी पदार्थ के ज्ञान होने के समय उन्नी-गुण और तमोगुण की म्लानता होने के कारण जो सत्त्वगुण का प्रादुर्भाव होता है वह अध्यवसाय है । बुद्धि । बुद्धि का प्रधान व्यापार ।

अध्ययनम्, (न.) अधिक भोजन करना । अजीर्ण पर खाना ।

अध्यस्तः, (वि.) कृताप्याप्त ।

अध्यात्म, (घ.) आत्मा । देह । मन । "स्वभा-वात्प्राप्त्यनुभवे" इस गीता के श्लोक में स्वभाव को अध्यात्म कहा गया है । "स्वभाव" का अर्थ टीकाकारों ने इस प्रकार किया है । कार्य कारण के समूह रूप देह का अवनमन कर के आत्मा विषय भोग करता है, उसी को " अध्यात्म " कहते हैं । (मनुस्मृतिसंस्कृत) प्रत्येक देह में परब्रह्म का जो धरा वर्तमान है, वह अध्यात्म कहा जाता है (धीपर) ।

अध्यात्मज्ञानम्, (न.) आत्मा और अध्यात्म का विवेक ।

३. (१) अज्ञान कण्ड । इस लुप्तता ।

३. (२) अधीनता (वि.) किसी

का अधीनता । किसी काम की

३. अधीन के लिये विद्वत् । अज्ञान-व-





अनक्षम्, (नि.) षकारहित। विद्य पदिये की  
गाई। अन्धा।

अनक्षरम्, (न.) दुर्बल। गुण विचार  
क्षेत्र प्रकाश करना। अवाच्य। निन्द्य। अन।  
गाली।

अनक्षि, (न.) मन्द नेत्र। (नि.) मन्द नेत्र-  
पाता। अन्धा।

अनकारः, (पुं.) श्रुति। मुनि। तपस्वी।  
(नि.) गृह-रहित।

अनक्ति, (पुं.) शील स्मार्त कर्म हीन  
अग्निहोत्ररहित। सन्धासी।

अनक्तिष्ठा, (स्त्री.) रत्नोत्थी कन्या।  
गिहक्षे मासिक धर्म हुआ हो।

अनघः, (नि.) निर्मल। पापरहित। स-  
धीय। दुःखरहित।

अनङ्गम्, (न.) आनाश। मन। (पुं.)  
मदन। कामदेव।

अनङ्गशेखरः, (पुं.) दण्डक नामक एक  
प्रकार का घन्ट। अंगे कनक। तापु और  
गुह अंग रत्न जाते हैं।

अनङ्गसुहृत्, (पुं.) शिर। महादेव।

अनघ्यः, (नि.) कषुप। अमल, मैला।

अनजनम्, (न.) अंग। अनाश। तत्र।  
(पुं.) नाशयज।

अनघुष्टः, (पुं.) शिष्ट। अन्ध। नैन।

अनघुही, (स्त्री.) गौ।

अनतिदेहाः, (पुं.) अन्ध।

अनघः, (पुं.) अन्ध।

अनघ्यस्तः, (नि.) अन्ध। अन्ध।

अनघ्यायः, (पुं.) अन्ध के अन्ध।

अननुगतम्, (न.) अन्ध। (नि.)  
अन्ध। अन्ध।

अनघः, (पुं.) अन्ध। अन्ध।

अनघः, (पुं.) अन्ध। अन्ध।

कहते हैं। शोभा। अन्ध।

अनन्तविन्, (पुं.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तमात्रः, (नि.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तमूर्तिः, (पुं.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तमूलः, (पुं.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तरम्, (न.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तरम्, (न.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तरम्, (न.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तरम्, (न.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तविन्, (पुं.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तविन्, (पुं.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तविन्, (पुं.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तविन्, (पुं.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तविन्, (पुं.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तविन्, (पुं.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तविन्, (पुं.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तविन्, (पुं.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तविन्, (पुं.) अन्ध। अन्ध।

अनन्तविन्, (पुं.) अन्ध। अन्ध।

धनार्थकम्, ( म. ) धार्थार्थ मे विना देश ।  
 धनुष काठ । धनार्थ देश मे उपलब्ध ।  
 धनार्थसुखम्, ( वि. ) निदिन आशा ।  
 धनार्थो वा जीवन मार्ग ।  
 धनार्थसिद्धिः, ( पु. ) पूर्णत्व । विरायता ।  
 धनार्थसिद्धिः, ( वि. ) धनार्थसुख । धनार्थ । न  
 सुख्य इत्यादि ।  
 धनार्थसिद्धिः, ( वि. ) निर्मल । विमल । मल-  
 रहित ।  
 धनार्थसुख, ( वि. ) सुख । धनार्थसिद्धि ।  
 धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुखि, ( धी. ) मदी हीना ।  
 धनार्थसुखि, ( धी. ) धनी वा धनार्थ । उपलब्ध  
 विधि । धनी वा धनार्थ करने वाला उपलब्ध ।  
 धनार्थसिद्धि ।  
 धनार्थसुखम्, ( म. ) धन वा धनार्थ । धन  
 वा न होना ।  
 धनार्थसुखसुखम्, ( म. ) धनार्थसुखसुख ।  
 उपलब्ध करने वाला ।  
 धनार्थसिद्धि, ( पु. ) धनार्थसिद्धि । धनार्थ ।  
 धनार्थसिद्धि, ( वि. ) धन करने इत्यादि करने  
 वाला । धनार्थ आशय न ही ।  
 धनार्थसुखम्, ( वि. ) धनार्थ न करने वाला ।  
 धनार्थसिद्धिः, ( वि. ) धनार्थसिद्धि ।  
 धनार्थसुख, ( धी. ) धनार्थ । धनार्थ ।  
 धनार्थसुख, ( म. ) धन करने । धनार्थ करने  
 हुआ सुख । न धनार्थ करने सुख  
 दिन धनार्थ करने धनार्थ । धनार्थसिद्धि ।  
 धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसिद्धि, ( वि. ) धनार्थसिद्धि । धनार्थ ।  
 धनार्थसिद्धि । धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसिद्धि ।  
 धनार्थसिद्धि, ( वि. ) धनार्थ । धनार्थ ।  
 धनार्थसुख, ( वि. ) धनार्थ । धनार्थ । धनार्थ ।  
 धनार्थसिद्धि, ( पु. ) धनार्थसुख । धनार्थ ।  
 धनार्थसिद्धि, ( पु. ) धनार्थसुख । धनार्थ ।

धनार्थसुख ही । धनार्थ । धनार्थ । धनार्थ ।  
 धनार्थसिद्धि, ( म. ) धनार्थसुख । धनार्थ ।  
 धनार्थसिद्धि । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसिद्धिः, ( पु. ) धन । धनार्थसिद्धि ।  
 धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख, ( पु. ) धनार्थ । धनार्थसिद्धि । धनार्थ  
 ही । धनार्थ ।  
 धनार्थसुख, ( वि. ) धनार्थसुख । धनार्थ ।  
 धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसिद्धि, ( वि. ) धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसिद्धि । धनार्थसिद्धि ।  
 धनार्थसुख, ( वि. ) धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख, ( पु. ) धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख । धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख । धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख, ( वि. ) धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख, ( म. ) धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख, ( धी. ) धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख, ( वि. ) धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख, ( धी. ) धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख, ( म. ) धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख, ( वि. ) धनार्थसुख । धनार्थसुख ।  
 धनार्थसुख । धनार्थसुख ।

अनवस्था, ( वि. ) तर्कविरोध । किसी विषय को युक्तियों के द्वारा सिद्ध करना उर्ध्व है । निम्न तर्क में प्रयोजित करने वाली युक्तियों का अन्व न होयइ अनवस्था कहा जाता है । स्थिति का अभाव ।  
 अनवस्थान, ( न. ) अवस्थिति का अभाव ।  
 'कहीं नहीं ठहरना । वायु । ज्वल ।  
 अनवस्थिति, ( स्त्री. ) चपलता । मत्सरता । राग, द्वेष आदि से उत्पन्न चपलता ।  
 अनशनम्, ( न. ) भोजन का अभाव । उपवास । ( वि. ) उपवासी । नहीं भोजन करने वाला ।  
 अनशनम्, ( वि. ) उपवासी । न खानेवाला ।  
 अनश्वरः, ( वि. ) शश्वत । मत्स्य ।  
 अनसू, ( न. ) शकट । रथ । माता । भान ।  
 अनसूया, ( स्त्री. ) अग्नि मुनि की स्त्री ।  
 कर्म प्रजापति की कन्या । ये रक्षी पति-मता थीं । अमृता का अभाव ।  
 अनसूयुः, ( वि. ) अतिन्दक । निन्दा न करने वाला ।  
 अनसूपादी, ( वि. ) गौतमिहान । जो अपना गुरु प्रकृति न करे ।  
 अनसूपादः, ( वि. ) अश्वत्थ ।  
 अनसूति, ( स्त्री. ) गर्व का अभाव ।  
 अनाकुला, ( वि. ) अनाश्रित । एकाग्रचित्त । निर । स्वयम् ।  
 अनामान्तः, ( वि. ) अपरिमित । अनेक ।  
 अनामान्ता, ( स्त्री. ) अनाकारि । अश-  
 क्य ।  
 अनामन, ( वि. ) नहीं आया हुआ काय ।  
 अनामनः । अनुग्रहित । अज्ञान ।  
 अनामानेया, ( स्त्री. ) अनिन्द्य ।  
 अनामनः, ( पुं. ) निर्दिष्ट । अनाम ।  
 अनामनः, ( पुं. ) दूत का अभाव । अनाम ।  
 ( ३. ) अनाम । अनाम ।  
 ( वि. ) अनामनः ।

अनामः, ( वि. ) नाशहित । दीन ।  
 श्वन्त्र ।  
 अनामदरः, ( पुं. ) निरस्त । परित्र ।  
 अनादिः, ( पुं. ) परमेश्वर । अनादि । इन्द्र ।  
 ( वि. ) आदिदिन ।  
 अनादित्यम्, ( न. ) जिसकी आदि किसी को मालूम न हो ।  
 अनादिनिधनः, ( वि. ) आद्यन्तः ।  
 परमेश्वर । जन्मपरपरदिन ।  
 अनाहतम्, ( वि. ) अवज्ञात । विरक्त ।  
 अनापदाः, ( वि. ) अघात ।  
 अनामकम्, ( न. ) अरोग ( पुं. )  
 मलमात ।  
 अनामय, ( न. ) आरोग्य । मीठ नान ।  
 पुराण । अभाव विकारहित परमात्मा ।  
 ( वि. ) नीतंग । रोगरहित ।  
 अनामा, ( स्त्री. ) छोटी अङ्गुली के पत्र की अङ्गुली । कहते हैं इन्द्र अङ्गुली ने अना के तिर काटे जाने में सहायता पहुँचाने की इसी कारण इसका नाम नहीं लिया जाता ।  
 अनामिका, ( स्त्री. ) मध्यमा और अमिका के बीच की अङ्गुली ।  
 अनायास, ( पुं. ) अपरिधम । चलेता ।  
 वृत्त का अभाव । वन का अभाव । विना परिधम ।  
 अनायासकृतम्, ( वि. ) विना यत्न किया हुआ । अल्प परिधमसे किया हुआ काम ।  
 अनारत्नम्, ( न. ) सतत । सदा सर्वदा ।  
 अविना । अनाश्रित ।  
 अनारम्भ, ( पुं. ) अनुग्रह । आरम्भ का अभाव ।  
 अनार्जय, ( पुं. ) देव । दूतेय । सत्त्व का अभाव ।  
 अनार्जयः । ( १. ) वीर आदि का महीनों में होने वाली वृत्ति का अभाव ।  
 अनार्पण, ( वि. ) दूत । दूत । अनाम ।  
 अनामः । २७ ।

अनुयायी, ( वि. ) अनुसर । उत्तरा । परचाद्  
गमन करनेवाला ।

अनुयुक्तः, ( पुं. ) वेतन लेकर पढ़नेवाला ।

अनुयोग, ( पुं. ) प्ररन पूरना ।

अनुयोगहन्, ( पुं. ) आकाशे ।

अनुष्णः, ( वि. ) अनुष्णी । अनुष्ण ।

अनुराग, ( पुं. ) आत्यन्त प्रीति । परस्पर प्रेम ।

अनुरागी, ( वि. ) अनुष्णः । प्रीतिपुरु ।

अनुराधा, ( स्त्री. ) सप्तर्षि नक्षत्र ।

अनुद्वन्द्वः, ( वि. ) दोहायया निबद्ध ।

अनुरुपम्, ( अ. ) समान । उत्तरा । योग्य ।  
जैते वा तैसा ।

अनुयेय, ( पुं. ) अनुश्रुति । अनुवर्तन ।  
अनुशासन । पीडा करना । आगम वा इष्ट  
सम्पादन करना ।

अनुलाप, ( पुं. ) बारबार बात करना । बार  
बार बोलना ।

अनुलित, ( वि. ) हुआउलेप । लेप लगाया  
हुआ ।

अनुलेप, ( पुं. ) आलेप । अन्दन आदि ।

अनुलेपनम्, ( न. ) अन्दन आदि शरीर में  
लपकाने आदि वा लगाना ।

अनुलोम, ( पुं. ) कविक । बचानम । नमा-  
दुगात ।

अनुलोमज, ( पुं. ) ऊंचे बर्ष के भीतर से  
निचूरे बर्ष की भी के गर्भ से उत्पन्न पुत्र ।

अनुधर्तनम्, ( न. ) रक्षाधी आदि बर्षों की  
रक्षा को पूर्ण करना । अनुधर्तनार्थम् ।

अनुधर्तित, ( वि. ) धेविष्ट । आरतिष्ट ।  
पूजित ।

अनुधर्ती, ( वि. ) अनुधर्त । अनुधर्तन करने  
वाला । आराधारी ।

अनुधाक, ( पुं. ) नहीं जाने दीया ।  
आविरोध । आग्रहः । अनु ।

अनुधाक्या, ( स्त्री. ) देवता के आराधन  
करने वा मन्त्र विशेष । विमला इत्य  
प्रकारका काया है ।

अनुधानः, ( पुं. ) बाहुविरोध । जो शि  
की ओर से दृष्ट की ओर बाहु आता है  
“ अनुधात ” कहा जाता है ।

अनुधादः, ( पुं. ) जानी हुई बात को कहना  
हुई बात को कहना । अन्य प्रसंगों  
जानी हुई बात को शब्दों में प्रकटि  
करना ।

अनुधात, ( पुं. ) धान्धे । धौम ।

अनुधासन, ( न. ) शूय आदि से धुगि  
करना ।

अनुधिष्ट, ( वि. ) धरित । जहा हुआ  
धियेया गया ।

अनुधुक्तः, ( वि. ) धरित । ध्याय । धारित ।

अनुधुक्ति, ( स्त्री. ) लगानार पीडा का  
बाधा । अनुधी । लेना । धुगने की  
धर निर्भर रहना । अनुधुक्ता । ध्याय  
में पड़े हुए के धर की धर के धर  
लेना ।

अनुमजनम्, ( न. ) वा आये हुए शिरो  
जाने के समय कुछ दूर तक उन्न  
पहुँचाने के लिये जाता । शिलाकारविरोध  
अनुमज्या, ( स्त्री. ) अनुमजन करना  
अनुमजन ।

अनुशयः, ( पुं. ) शय । परबाल प  
शाश्वत कर्म विशेष । आरी है ।

अनुशयी, ( वि. ) परबालारी । परबाल  
करनेवाला ।

अनुशयः, ( पुं. ) शय ।

अनुशयी, ( पुं. ) शय ।

अनुशासनम्, ( न. ) शासन । आ  
उपदेश । अनुश्रुति करना ।

अनुशासित, ( वि. ) अनुश्रुत । अनुश्रुत  
किया हुआ ।

अनुशासिता, ( वि. ) निरुत । निरु  
करनेवाला ।

अनुश्रुतः, ( वि. ) अनुश्रुत । अनुश्रु  
श्रुतः ।



अनेहम्बुजः, ( वि. ) शङ्ख । मृग । कपिल ।  
 गुला । शरणा । बोलने और सुनने की  
 शक्ति से रहित ।  
 अनेनस्, ( वि. ) निर्दोष । दोषरहित ।  
 अनेहा, ( प्र. ) काल । समय ।  
 अनैकान्तिक, ( प्र. ) व्यभिचारी हेतु । हेतु  
 का एक प्रकार का अभाव । इसके तीन  
 भेद हैं । साधारण । असाधारण और  
 अनुपलक्ष्य ।  
 अनैक्यम्, ( वि. ) एकता का अभाव ।  
 विरोध ।  
 अनैपुण्यम्, ( न. ) अविपुण्या । एकता  
 का अभाव ।  
 अनैश्यर्मम्, ( न. ) असाधारण्य । अराजि ।  
 अनौक्य, ( प्र. ) कृत्रिम । पेड़ ।  
 अनौचित्य, ( भी. ) उचित नहीं । मर्यादा  
 को अनियम करना । लौकिक मर्यादा का  
 उल्लङ्घन करना ।  
 अन्तम्, ( न. ) स्वरूप । स्वभाव । ( प्र. )  
 नाश । ( न. प्र. ) अन्तगान । समाप्ति ।  
 ( वि. ) समाप्त । प्रदेश । अन्ततः मनोहर ।  
 शक्ति । अन्ततः । निर्णय । अन्तः । सीमा ।  
 अन्तःकरणम्, ( न. ) मन । बुद्धि । अहङ्कार  
 और चित्त । हृदयस्थित ज्ञान का साधन ।  
 अन्तःकुटिलः, ( प्र. ) शङ्ख । ( वि. ) कुटिल-  
 हृदय । अन्तःकृत ।  
 अन्तःपुरम्, ( न. ) राजार्थों का स्थितान् ।  
 राजमहल । शुभान् ।  
 अन्तःपुराध्यक्ष, ( प्र. ) राजार्थों के अन्तःपुर  
 का अध्यक्ष । स्थितान् का कारवाही ।  
 अन्तःस्तरवा, ( स्त्री. ) गर्भिणी । जिसके पेट  
 में गर्बी है ।  
 अन्तःस्वेदः, ( पुं. स्त्री. ) पत्र । हार्थी ।  
 अन्तःकः, ( प्र. ) नाश करनेवाला । यमराज ।  
 भ्रातृनिधाय ।  
 अन्तःकटः, ( वि. ) नाशक । नाश करनेवाला ।  
 अन्तःकर्मा, ( न. ) नाशान् । मृत्यु ।

अन्तकाल, ( पुं. ) अन्ततमय । मरणकाल ।  
 अन्तगाः, ( वि. ) पार जानेवाला । पारग ।  
 कार्य की सिद्धि तक जानेवाला । अन्तगाः ।  
 अन्तगतः, ( वि. ) समाप्तहृत्वा । अन्तगत  
 प्राप्त ।  
 अन्ततः, ( अ. ) समाप्ततः । अन्ततः ।  
 अन्तः, ( अ. ) मध्य । बीच । मात । अन्तु-  
 पगम । चित्त ।  
 अन्तरम्, ( न. ) अन्तरात् । अन्तः । पहनने  
 का कपडा । छिपना । भेद । विरोध ।  
 अन्तर । आन्तः । विना । मोक्षकर ।  
 मध्य । बीच । आत्मा । सरस ।  
 अन्तरहः, ( वि. ) अहं का मध्य । आत्मनि ।  
 अन्तः । व्याकरण में अन्तरह उल्लेख  
 करने हैं जिसका निमित्त दूसरे की अर्थेष्टा  
 योग्य हो ।  
 अन्तरङ्गः, ( वि. ) छोटे बड़े का भेद  
 जाननेवाला ।  
 अन्तरङ्गमयः, ( वि. ) सर्वार्थी प्राप्ति । अनु-  
 लोम श्रितिलोमज शत्रु ।  
 अन्तरा, ( अ. ) निकट । मध्य । रहित ।  
 विना ।  
 अन्तरात्मा, ( पुं. ) अन्त करण । हृदयस्थित  
 आत्मा । सर्वान्तर्गामी परमात्मा । अन्तः-  
 करण का अभिज्ञाना अन्तरात्मा ।  
 अन्तरापरमा, ( स्त्री ) गर्भिणी ।  
 अन्तराय, ( प्र. ) विना । बाधा । अन्तःकटः ।  
 चित्तविरोध ।  
 अन्तरायामः, ( वि. ) योगी, जीवमुक्त ।  
 बाधना नाश होने के कारण जिसने साहा-  
 रिक सुखों का त्याग किया है ।  
 अन्तःशूलम्, ( न. ) अन्तःशूल । मध्य । बीच ।  
 अन्तरिक्षम्, ( न. ) अन्तरिक्ष । आकाश ।  
 पर्याय शब्दों के अन्तः का अर्थ । शूलक  
 और शूलक के अन्तः का अर्थ ।  
 अन्तःस्थित, ( वि. ) निरन्तर । अन्तःस्थित ।  
 अन्तःस्थान विना गया । बाधी ।



अन्त्य ( पु. ) सब से पीछे का । अन्त्याल ।  
 ( नि. ) अन्तम । अन्तमें होनेवाला अन्तराल ।  
 ( न. ) देवता नथन । मीन राशि । सव्या  
 विशेष । १.....

अन्त्यजः, ( पु. ) नीच जाति विशेष ।  
 अन्त्यजन्मा, ( पुं. ) नित्त का जन्म अन्त में  
 हुआ हो । शूद्र ।

अन्त्यजाति, ( पुं. ) चाण्डाल आदि हास  
 जाति ।

अन्त्ययर्षीः, ( पु. ) शूद्र । अन्तिय वर्षे ।  
 अन्त का अर्थ ।

अन्त्यापसायी, ( पुं. ) चाण्डाल के अंतत  
 और निषाद जाति की स्त्री के गर्भ से उत्पन्न  
 पुत्र ।

अन्त्येष्टिः, ( स्त्री. ) मृतक का अन्तिम  
 सञ्चार । श्राद्ध । विष्ट दानादि निका ।

अन्त्यमू, ( न. ) शरीर के अन्तर्गत को बांधने  
 वाली शिरा अंतर्ही । पुण्ड्र नाम की  
 नाडी ।

अन्त्यष्टिः, ( स्त्री. पु. ) रोगविशेष । अन्त-  
 कोश की वृद्धि ।

अन्त्युक्त, ( पु. ) हाथी के पैर की बेरी ।  
 सिक्क । नित्त से हाथी बांधे जाते हैं ।

अन्त्युः, ( स्त्री. ) निगड । बेरी । पैर का  
 भूषण विशेष ।

अन्त्युः, ( भा. प. ) नदितना । दर्शन का  
 अन्तः ।

अन्त्युः, ( पु. न. ) मिमिर । अन्तकार ।  
 अदर्शनायक । अज्ञान । ( नि. ) अन्ति  
 रतिन । नेपथीन । ( पु. ) मिथक ।

अन्त्युक्त, ( पु. ) देश विशेष । एक दुर्ग का  
 नाम । सुब्रह्मती एक राजा का नाम । एक  
 देव का नाम । शिरदण्ड पुत्र ।

अन्त्युक्तिपुः, ( पु. ) अन्त्युक्त नामक देव का  
 शत्रु । शिर । महारथ ।

अन्त्युक्तारः, ( पु. ) अन्त्युक्त का अन्त्युक्त ।  
 नय । अन्ते ।

अन्त्युक्तः, ( पुं. ) अन्तेता वृथा । एक नाम  
 का नाम ।

अन्त्युक्तमत्, ( न. ) वक्रा अन्तेता ।  
 अन्त्युक्तामिन्, ( पुं. ) नरक विशेष ।

अन्त्युक्तिका, ( स्त्री. ) अन्तिय विशेष । देव-  
 ता का वृध । वैश्वानर में निरता है कि  
 इत के उपयोग से अन्त्युक्त की अन्ति अन्त्युक्त  
 हो जाती है ।

अन्त्युक्त, ( न. ) भाव । अन्त । अन्त ।  
 अन्त्युक्तिका, ( स्त्री. ) पुत्रि विशेष । मित्रा नाम  
 की अन्त्युक्ति । नेत्ररोग विशेष ।

अन्त्युः, ( पु. ) वृष । वृथा ।  
 अन्त्युक्त, ( पु. ) शिरा का वृध ।

अन्त्युः, ( पु. ) चाण्डाल विशेष । देश विशेष ।  
 तैल देश ।

अन्त्युः, ( न. ) भाव । अन्त । अन्त ।  
 अन्त्युक्त । जी अन्त आदि । पुत्रि ।  
 अन्त अन्त करने के सम्बन्ध से पुत्रि  
 भी अन्त करी जाती है ।

अन्त्युक्तोक्त, ( पु. ) अन्त करने का अन्त  
 बोधा । बोधी । शोभा । मरती । अन्त  
 अन्त रिक्ता है ।

अन्त्युक्तान्तिः, ( पु. ) रोगविशेष । उदररोग ।  
 अन्तिता ।

अन्त्युक्तः, ( नि. ) अन्तकार । अन्त देनेवाला ।

अन्त्युक्ता, ( स्त्री ) अन्त की अन्त्युक्त देवी ।

अन्त्युक्ताता, ( पु. ) अन्त । अन्त ।

अन्त्युक्ता, ( स्त्री. ) अन्त नाम से अन्त  
 देवी से अन्त में है ।

अन्त्युक्तान्तम्, ( न. ) अन्तिय विशेष ।  
 अन्त अन्त । अन्त के अन्त अन्तिय  
 की अन्त के अन्त अन्त अन्तिय  
 को अन्त अन्त अन्त अन्तिय है ।

अन्त्युक्तान्तः, ( पु. ) अन्त अन्त । अन्त  
 के अन्त अन्त ।

अन्त्युक्तान्तः, ( पु. ) अन्त के अन्त  
 अन्त अन्त अन्त अन्त अन्त







अज्ञातः, ( वि. ) अज्ञ के भोला । प्रदीप्त  
 अग्नि । नीतिग । ( पुं. ) विन्दु ।  
 अज्ञातानम्, ( न. ) विधि पूर्वक अज्ञ का  
 ज्ञान । अज्ञप्रज्ञान ।  
 अन्यः, ( वि. स. ) अतदृश । भिन्न । दूसरा ।  
 अन्यतम, ( वि. ) समूह से एक को निश्चित  
 करना । बहुतों में का एक ।  
 अन्यतर, ( वि. ) दो में से एक को निर्धारण  
 करना ।  
 अन्यतः, ( घ. ) अन्यत्र । दूसरी ओर ।  
 अन्यत्र, ( घ. ) व्यतिरेक । दूसरा । विना ।  
 अन्यस्थान ।  
 अन्यथा, ( घ. ) अस्तित्व । प्रकारान्तर । दूसरा  
 प्रकार । पथान्तर ।  
 अन्यथासिद्धि, ( श्री. ) कार्य की उत्पत्ति  
 के पहले वर्तमान रहने पर भी जो कार-  
 ण न हो ।  
 अन्यथा, ( घ. ) कालान्तर । अन्य काल में ।  
 दूसरे समय में । अन्य समय । परचान् ।  
 धिर ।  
 अन्यपूर्वा, ( श्री. ) एक बार व्याह के परचान्  
 दूसरी बार व्याही गयी थी ।  
 अन्यभूत्, ( पु. ) काष्ठ । यह कोरल को  
 पालना है ।  
 अन्यथाही, ( पु. ) अनायासी । उपर  
 बल से लाने वाला ।  
 अन्यारुह, ( वि. ) अन्य प्रकार । दूसरे के लिये ।  
 अन्यार, ( पु. ) अविषय । दूसरे का धन  
 काँदे लाने वाला । अनुविन कार्य ।  
 अन्यार्यम्, ( वि. ) अर्थस्य । अनुविन ।  
 अन्येण, ( घ. ) दूसरे दिन ।  
 अन्योदये, ( वि. ) वैशेषिक । अद्वैतवादी ।  
 अन्योन्म, ( वि. ) वाक्य । अज्ञान में ।  
 अन्योन्म, ( वि. ) अज्ञान । अज्ञान में ।  
 अन्योन्म, ( वि. ) अज्ञान । अज्ञान में ।  
 अन्योन्म, ( वि. ) अज्ञान । अज्ञान में ।  
 अन्योन्म, ( वि. ) अज्ञान । अज्ञान में ।

अन्योन्याभावः, ( पु. ) आपस में एक  
 दूसरे का अभाव । परस्पर अभाव । दफ-  
 पट का पट में और पट का पट में  
 अभाव ।  
 अन्योन्याश्रय, ( वि. ) जो एक दूसरे के  
 आश्रय से वर्तमान हो । तर्क विरोध ।  
 एक पदार्थ की सिद्धि दूसरे पदार्थ की  
 सिद्धि के आश्रितिक हो । जैसे-एक  
 पदार्थ का ज्ञान होना दूसरे पदार्थ  
 के अधीन है और उस दूसरे पदार्थ का  
 ज्ञान पहले पदार्थ के अधीन है । इसीसे  
 अन्योन्याश्रय कहते हैं । यह एक दोन है ।  
 अन्यवक्षम्, ( वि. ) अनुपद । पीना करना ।  
 पीना । प्रत्यक्ष । शब्दियन्य ज्ञान ।  
 अन्यक्, ( वि. ) अनुक् । अनुपद । अनुगामी ।  
 पीना करनेवाला ।  
 अन्यवय, ( पुं. ) सन्तति । कुल । पदों का  
 परस्पर सम्बन्ध । अनुगम । अनुश्रुति ।  
 एक पदार्थ की सत्ता के अधीन दूसरे पदार्थ  
 की सत्ता ।  
 अन्यवयबोधः, ( पुं. ) पदों से उपरिष्ठ अर्थों  
 के सम्बन्ध का ज्ञान । नैयायिक मत से  
 शब्द प्रमाण । वैशेषिक मत से शब्द से  
 उत्पन्न अनुमान ।  
 अन्यवयव्यतिरेकी, ( वि. ) हेतुविरोध ।  
 सत् हेतु । निम्न हेतु में अथवा और व्यति-  
 रेक वर्तमान हो ।  
 अन्यवयव्यतिः, ( श्री. ) हेतु विरोध । अभाव  
 के साथ नियम से रहना । जहाँ भ्रम है  
 वहाँ अविन इस प्रकार की व्याप्ति ।  
 अन्यवयव्यतिः, ( पु. ) इच्छानुसार काम करने  
 की शक्ति देना ।  
 अन्यवयव्यतिः, ( पु. ) वक्ष । अनुपद । अनुपद ।  
 अन्यवयव्यतिः, ( श्री. ) अविनिर्दिष्टों का शब्द  
 विरोध । पूरा मात्र अनुपद अर्थ अविनिर्दिष्ट के  
 अनुपद की अवधि की ही व्याप्ति शब्द ।  
 अन्यवयव्यतिः, ( घ. ) अनुपद । अनुपद ।

नहीं। ऐसा व्यवहार होता है। बालिक कीर देशिक भेद से यह दो प्रकार का होता है।

- अपरपक्षः, (पु.) दुसरा पक्ष। कृष्णपक्ष।  
 अपररात्र, (पु.) रात्रिशेष। रात का पिछला भाग। रात का पिछला पक्ष।  
 अपरघट्टम्, (न.) अन्तरीक्ष। वैतालिक नामक अन्त।  
 अपरधैर्यायम्, (न.) वैराग्य विशेष।  
 अपररूपः, (वि.) विचलितरूप। काम का भ्रान्तवर्त्य। मानव काम करना।  
 अपरा, (स्त्री.) जयन्तु। पहिलम दिशा। विभाविशेष।  
 अपरागः, (पु.) अर्थात्। देग।  
 अपराङ्गः, (पु.) अर्थात्। व्यवहार का भेद।  
 अपराङ्गितः, (पु.) शिवः। त्रिपु. एक अर्थ का नाम। (वि.) दुर्ग। लता विशेष। जपतीवृक्ष।  
 अपराङ्गिता, (स्त्री.) जया। उमा। वही नाम की लता।  
 अपराङ्गः, (वि.) अपराङ्ग। अपराध करने वाला।  
 अपराङ्गपुत्रक, (वि.) वह भवभोगी जिसका बाप लक्ष्य से अज्ञ है।  
 अपराधः, (पु.) पापक। पाप। युनाह। भूल। न करने योग्य काम करना।  
 अपराधी, (वि.) कृतपराध। जिस ने अपराध किया है।  
 अपराधन्तः, (वि.) पारकाय देश। पश्चिमी देश। मध्य माघवर्ती देश।  
 अपराधः, (पु.) दिन के तीन भागों का अन्तिम भाग। दिन का तीसरा भाग। दिन का शेष भाग।  
 अपराधाननः, (वि.) अपराध में होने वाली वस्तु।  
 अपरिफलितः, (वि.) अशांत। अष्ट।  
 अपरिग्रहः, (पु.) अममह। पाम भूल न

रगतः। असीसार। श-वासी। (वि.) परिग्रहहीन।

- अपरिच्छिन्नः, (वि.) परिच्छिन्नदिन। दशह। निर्धन।  
 अपरिच्छिन्नः, (वि.) परिच्छिन्नदिन। अर्थात्। इतनागदित।  
 अपरिच्छिन्नानम्, (न.) अज्ञान। अर्थात्।  
 अपरिह्वार्यम्, (वि.) छोड़ने योग्य नशा। अवाच्य। जो शोभा न जाय।  
 अपरेपुः, (पु.) दूसरा दिन। परतो।  
 अपरोक्षम्, (वि.) अक्षय। निपय की। अर्थियों के संबंधों से जो ज्ञान होता है।  
 अपराङ्गी, (स्त्री.) पारंगी। हिमालय की कन्या। (वि.) पारंगदित। परगदय।  
 अपर्याप्तम्, (वि.) अमनर्थ। अमपूर्ण। शक्तिरहित। जो पूर्ण न हो।  
 अपलम्, (न.) कोलक। (वि.) मात-हीन।  
 अपलाप, (पु.) प्रेम। अमय। विद्या। शमी वान की भी बहुत बढ़ना।  
 अपपटक, (न.) वासपट। रहने का घर।  
 अपपयोः, (पु.) न्याय। मोक्ष। बाधों की मरुतना। कर्म का फल। दुःखों का अन्त नशा।  
 अपपयोशुक्र, (पु.) मरुतिय। इति।  
 अपपयोजनम्, (न.) दान। ग्राह। मोक्ष। निर्धन।  
 अपपयोजितः, (वि.) परिद्वेष। मरुत।  
 अपपयोजनम्, (न.) परिपरी। एक राजा। लोचना। देश जाना। दोषहराज्य में प्रतिद्वेष भाव भागक होने की विधि एक समान अङ्ग से होने। कर्मि करना। अज्ञ करना।  
 अपवादः, (पु.) निरा। अज्ञ। प्रेम। विश्रुत। विरत। निदम्। अक्षय शालानुमा अक्षय शाल।



अपाङ्ग, ( पु. ) नेत्रका अन्तभाग । कटाव ।  
 अपाङ्गक, ( पु. ) अपामार्ग नामक पोषा ।  
 कटाव । ( वि. ) अङ्गिन ।  
 अपाङ्गदर्शनम्, ( न. ) कटाव । कटाव में  
 देखना ।  
 अपाट्टयम्, ( न. ) शोध । परनाका अन्तर्ग ।  
 अनुगर्भ के निना । बेहजुर्भा ।  
 अपानम्, ( न. ) अयोध । योग्याहीन ।  
 निर्दिष्ट । दुर्गन्धी ।  
 अपात्रीकरणम्, ( न. ) गन्धिप पात्री में से  
 एक पात्र का नाम । यह चार प्रकार का  
 होता है । ( १ ) निर्दिष्ट से धरा लेगा  
 ( २ ) ध्यायन करना ( ३ ) शूद्रमिना  
 ( ४ ) असाव कोलाय ।  
 अपादान, ( न. ) एक वारको से का पूर्वका  
 काव । जिग वायु से दूसरी वायु का  
 विभाग होता है वह अपादान कहा जाता है ।  
 अपानः, ( पु. ) नीचे जाने वाला तरार का  
 वायु ।  
 अपाव, ( वि. ) पावशिर । निष्कारे ।  
 अपावधिष्ठाः, ( वि. ) धर्मधर्मतद्विध ।  
 अपाभार्गी, ( पु. ) अर्धधर्मशोध । एक वर्षे  
 का म.घ. विधवा ।  
 अपाभपतिः, ( पु. ) शूद्र । काव ।  
 अपावाः, ( पु. ) विदोय । नास । शूद्रः ।  
 दूत कावति ।  
 अपावः, ( पु. ) शूद्र । निष्काव न हो ।  
 जिग को अर्धधर्म न हो । शोध ।  
 अपार्थः, ( वि. ) अर्थ न हो । निष्कर्म । अर्थ  
 रहित ।  
 अपायुक्तः, ( वि. ) शून्य दूता । शून्य ।  
 अक्षरहीन ।  
 अपाधायः, ( पु. ) अपाधाय । काव ।  
 शोध । कावति ।  
 अपाधायम्, ( न. ) काव ।  
 अपाधायः, ( वि. ) शोध । कावति ।  
 शोध । कावति ।

अपि, ( थ. ) सम्भवना । अर्थ । अर्थ ।  
 अर्थ । अनुपपत्ति । अनुपपत्ति ।  
 अपिर्गोर्णम्, ( न. ) शून्य । शून्य । शून्य ।  
 शून्य । शून्य ।  
 अपिमु, ( थ. ) विद्यु । अर्थ । अर्थ ।  
 अर्थ । अर्थ ।  
 अपिधान, ( न. ) अपिधान । अर्थ ।  
 अपिपन्नः, ( वि. ) परना दूता अर्थ ।  
 अपीक्ष्यम्, ( वि. ) अर्थ । अर्थ ।  
 अपीक्षः, ( वि. ) अपीक्षः । अर्थ ।  
 के एक शोध को शोध करने है अर्थ ।  
 अर्थ ।  
 अपुच्छः, ( भी ) शिवाहीन । शिवाहीन  
 शून्य । ( वि. ) शून्य ।  
 अपुनरापूर्ति, ( भी ) अर्थ । अर्थ ।  
 अर्थ । अर्थ ।  
 अपुनर्मयः, ( पु. ) अर्थ । अर्थ ।  
 अर्थ । अर्थ ।  
 अपुनपदान्ताः, ( पु. ) अर्थ । अर्थ ।  
 अर्थ । अर्थ ।  
 अपुषः, ( पु. ) अर्थ । अर्थ ।  
 अपुष्या, ( न. ) अर्थ । अर्थ ।  
 अपुष्या, ( न. ) अर्थ । अर्थ ।  
 अपुष्या, ( भी ) अर्थ । अर्थ ।  
 अपुष्या, ( वि. ) अर्थ । अर्थ ।  
 ( पु. ) अर्थ । अर्थ ।  
 अपुष्यविधि, ( पु. ) अर्थ । अर्थ ।  
 अर्थ । अर्थ ।  
 अपुष्यार्थाः, ( वि. ) अर्थ । अर्थ ।  
 अर्थ । अर्थ ।  
 अपुष्यार्थाः, ( वि. ) अर्थ । अर्थ ।  
 अर्थ । अर्थ ।  
 अपुष्यार्थाः, ( वि. ) अर्थ । अर्थ ।  
 अर्थ । अर्थ ।

- अपधारण, ( न. ) धनदान । धारणा ।  
अपधान ।
- अपविद्धः, ( वि. ) व्यक्त । मोड़ दिया गया । प्रत्याख्यात । निरन्कार किया हुआ । पुत्रविशेष—जो पिता माता के द्वारा परित्यक्त हो ।
- अपविषा, ( स्त्री. ) अपविशिशेष । निमत्ते दूर होनाय ।
- अपवृत्त, ( पुं. ) पराङ्मुक्त । किसी की न माननेवाला । दुराचारी ।
- अपशब्दः, ( पुं. ) अपभ्रंश शब्द । अमस्कृत शब्द । विगड़ा हुआ शब्द ।
- अपशुक्र, ( पुं. ) धारणा ।
- अपशोक, ( पुं. ) अशोक नामक वृक्ष ।
- अपष्ट, ( पुं. ) काल । ( वि. ) वाम । अति-कूल । विशेष ।
- अपसद्, ( पुं. ) अधम । नीच । अपदृष्ट । नीचजातिविशेष ।
- अपसरः, ( पुं. ) अपसरण । हटना ।
- अपसरणम्, ( न. ) एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना ।
- अपसर्जन, ( न. ) परिवर्जन । दान । छोड़ना । निर्जन । मोक्ष ।
- अपसर्पः, ( वि. ) श्लेषण । किया हुआ दूत । ( पुं. ) एक प्रकार का सर्प ।
- अपसप्त्य, ( वि. ) शरीर का दक्षिण भाग । अतिकूल । विकल्पार्थ । विवृतीर्थ ।
- अपसिद्धान्तः, ( पुं. ) माने हुए सिद्धान्त से मिलना ।
- अपस्करः, ( पुं. ) रथाङ्ग । पहिये की चौक कर रख का अङ्ग ।
- अपस्नात, ( वि. ) निश्चित स्नात । धूतक के बिरे स्नात करनेवाला ।
- अपस्नान, ( न. ) धातुनिमित्तक स्नात ।
- अपस्त्र, ( पुं. ) श्लेषविशेष । धूतविहार ।
- अपस्त्री, ( वि. ) पक्षि में भोजन करने के अयोग्य । पति । अधम । मानिष्युत ।
- अपस्मारी, ( वि. ) अस्मार्मोगी ।
- अपहनः, ( वि. ) अघनीत । नष्ट । तर्जित । पीडित ।
- अपहनपाप्मा, ( पुं. ) निमत्ते स्नान पाप दूर होगे हो । वेदान्तार्थों को जानने योग्य नाम ।
- अपहनिः, ( स्त्री. ) निनास । उन्नेह ।
- अपहन्ता, ( पुं. ) निनासक । नष्ट करने वाला ।
- अपहर्ता, ( वि. ) अपहरण करने वाला । निनासक ।
- अपहस्मित, ( वि. ) निरस्त । हसा हुआ । गले में हाथ देकर निरास किया हुआ ।
- अपहारः, ( पुं. ) हानि । चोरी । धिमाना । लुप्ताना । अपवच्य । हानि । अपहरण ।
- अपहारक, ( वि. ) अपहरण करने वाला ।
- अपहारी, ( वि. ) अपहरणशील । अपहरण करने वाला ।
- अपहासः, ( पुं. ) अकारण हँसी । निरर्थक हास्य ।
- अपहृतः, ( वि. ) अपनीत ।
- अपह्वयः, ( पुं. ) स्नेह । अपलाप । सत्यको धिमाना ।
- अपह्वयि, ( स्त्री. ) अपलाप अर्थात् श्लेष विशेष । प्रकृत बात को धिपाकर उत को दूसरे रूप से वर्णन करने से यह अलङ्कार होता है ।
- अपांनार्थः, ( पुं. ) समुद्र । सागर । वन्य ।
- अपाक, ( पुं. ) अनीर्य होना । नहीं पकना । कंधा ।
- अपाकरण, ( न. ) निराकरण । दूर करना । हटना ।
- अपाकशाकम्, ( न. ) अदरक ।
- अपाकृत, ( वि. ) व्यक्त । दूरीकृत । हटाया हुआ ।
- अपाक्रेय, ( वि. ) पक्षि में भोजन करने के अयोग्य । पति । अधम । मानिष्युत ।





अपोमण्डः, ( वि. ) अविहीन । नदी  
काय । अपोमण्डः । अपोमण्डः ।

अपोदः, ( वि. ) निम्न । अण्डः । विपत्ता  
गण ।

अपोदका, ( मी. ) साधनीया । पूर्ण  
नामक शक ।

अपोनपात्, ( पू. ) इस नाम में अपिद एक  
देना ।

अपोद, ( पू. ) तर्क का निराकरण । नदी  
कल्पना । तर्क । लयः । विपत्ता ।

अप्पतिः, ( पु. ) तप का भागी । तपः ।  
समुत् ।

अप्रकाण्डः, ( पू. ) साक्षा हीन वृत्त ।  
सुख ।

अप्रकाशः, ( वि. ) प्रकाश का अभाव । न  
समझने योग्य । जनान्त्रिक । गीतन ।

अप्रकृत्युण, ( वि. ) जिगहे उत्तमगुण न  
हैं । व्याकृत । धरदाया ह्या ।

अप्रसरः, ( वि. ) प्रसरनाहित ।

अप्रगुण, ( वि. ) व्याकृत । प्रकृत्युपहीन ।

अप्रणयः, ( पु. ) असीतिः । प्रीति का अभाव ।

अप्रतर्क्यः, ( वि. ) तर्क के अयोग्य । मन के  
अगोचर ।

अप्रतिकरः, ( वि. ) विश्वस्त । विश्रामपात्र ।

अप्रतिपक्षः, ( वि. ) अतिविरोधी । विप-  
रथ । शत्रुरहित ।

अप्रतिपक्षिः, ( मी. ) यथार्थ का अज्ञान ।

अप्रतिभा, ( वि. ) अष्ट । लक्षित । अप्रत्यक्ष  
भक्ति । अत्रगलभ । प्रतिमाहीन ।

अप्रतिमः, ( वि. ) अतदृश । असमान । जिग  
के मुख्य दूसरा न हो ।

अप्रतिष्ठा, ( न. ) पुत्रकी यात्रा । पदार्थ  
न के लिये किया गया मङ्गल । सामवेद  
एक भाग । जिसके समान दूसरा  
न हो । विष्णु ।

अप्रकथा, ( मी. ) पैसा धन जिग  
। उत्तर न हो । उत्तरहीन । उत्तर ।

अप्रतिष्ठा, ( वि. ) अतिविपत्ता । अप्रतिष्ठा ।

अप्रतिहतः, ( वि. ) अतदृश । अप्रतिहतः ।  
में अतदृश । अप्रतिहतः ।

अप्रत्यक्षम्, ( न. ) अज्ञान । अप्रत्यक्षम् ।  
अज्ञान । अप्रत्यक्षम् के अर्थ । अप्रत्यक्षम् ।

अप्रत्ययः, ( पू. ) अतिप्रथम ।

अप्रधान, ( न. ) प्रधान का अभाव । अप्रधान ।

अप्रधुन्यः, ( वि. ) अतिप्रधान । अप्रधुन्यः ।  
अप्रधान के अर्थ । अप्रधुन्यः ।

अप्रदक्षः, ( वि. ) अतदृश । अप्रदक्षः ।

अप्रमेय, ( वि. ) अविनाश । अप्रमेयः ।  
अप्रमेयः । अप्रमेयः । अप्रमेयः ।

अप्रमत्तः, ( वि. ) अतदृश । अप्रमत्तः ।

अप्रमत्तः, ( वि. ) अतदृश । अप्रमत्तः ।

अप्रमत्तः, ( वि. ) अतदृश । अप्रमत्तः ।

अप्रमत्तः, ( वि. ) अतदृश । अप्रमत्तः ।

अप्रमत्तः, ( वि. ) अतदृश । अप्रमत्तः ।

अप्रमत्तः, ( वि. ) अतदृश । अप्रमत्तः ।

अप्रमत्तः, ( वि. ) अतदृश । अप्रमत्तः ।

अप्रमत्तः, ( वि. ) अतदृश । अप्रमत्तः ।

अप्रमत्तः, ( वि. ) अतदृश । अप्रमत्तः ।

अप्रमत्तः, ( वि. ) अतदृश । अप्रमत्तः ।

अप्रमत्तः, ( वि. ) अतदृश । अप्रमत्तः ।

अप्रमत्तः, ( वि. ) अतदृश । अप्रमत्तः ।

अभिनिधिष्ट, ( वि. ) अभिनिवेश पुत्र ।  
 दुःखदी । प्रवेश करनेवाला ।  
 अभिनिवेश, ( पु. ) अंधकारविष । योग-  
 शास्त्र प्रसिद्ध पांचवें ऋषि । आसुर ।  
 अभिनिष्पत्तिः, ( श्री. ) निष्पत्ति । समाप्ति ।  
 उत्पत्ति ।  
 अभिनीतः, ( वि. ) नायक । कौशल ।  
 अर्थी । अभिनय किया हुआ ।  
 अभिनेता, ( वि. ) नाटक का अभिनय  
 करनेवाला । नाटक खेलनेवाला । गुरु ।  
 अभिषेकः, ( वि. ) अराधना । अर्पण  
 पुत्र । लीकृत ।  
 अभिप्रायः, ( पुं. ) आराधन । सम्पत्ति ।  
 इच्छा ।  
 अभिप्रेत, ( वि. ) सम्पन्न । अभीष्ट ।  
 इच्छित । इच्छा ।  
 अभिसर, ( पुं. ) वागतव्य । निरलस्य ।  
 अनादर । अस्मिता ।  
 अभिभूत, ( वि. ) बहुव्यक्त्यात्पत्तः । आकाश ।  
 आनन्दित । आनन्दित ।  
 अभिमत, ( वि. ) सम्पन्न । आदर । अभीष्ट ।  
 अभिसम्पन्नम्, ( न. ) निम्नव्य । आदान ।  
 मन्त्रादा मुक्त करना ।  
 अभिसम्पद्यः, ( पुं. ) नेत्रोपलक्षणः ।  
 अभिसम्पुः, ( पुं. ) अर्धत वा पुर । वह  
 सुवशा के गर्भ से उत्पन्न हुआ था ।  
 अभिसर, ( पुं. ) दृष्ट । लक्ष्य ।  
 अभिसर्गः, ( पुं. ) प्रथम । अग्निः । अग्निः । लक्ष्यः ।  
 अभिमानः, ( पुं. ) दृष्ट । अज्ञान । अर्थ  
 आदिना अज्ञान । अर्थो को बड़ा भावी  
 अतिविषय लक्ष्यम् ।  
 अभिसुप्ता, ( वि. ) सम्पन्न । सम्पन्न ।  
 अभिसुष्टः, ( वि. ) सुदृष्ट । अर्थ लक्ष्यम् ।  
 अर्थ लक्ष्यम् ।  
 अभिसुक्तः, ( वि. ) श्रेष्ठ ।  
 लक्ष्यः ।  
 अभिसोक्तः,

अभिसोक्तः, ( पुं. ) आदिना अर्थः । सुदृष्टया आसुर ।  
 शरथ । उद्योग । विभी से विभी संनेव  
 अर्थना पत्र व्यापलय में प्रकृत करना ।  
 अभिराम, ( वि. ) सुदूर । अर्थः । मनोहर ।  
 अभिरुच्य, ( पुं. ) शिरः । विष्णु । आर्द्रतः ।  
 ( वि. ) पृथ । अर्थः । सुदूर । मनोहर ।  
 सत्य ।  
 अभिसम्पन्न, ( वि. ) अर्थः ।  
 अभिसोक्तः, ( पुं. ) अर्थः । विभी वाम के  
 लिये निरुच्य अर्थः ।  
 अभिसोक्तः, ( पुं. ) अर्थः । लक्ष्यः । मनोहर ।  
 अभिसोक्तः, ( वि. ) सुदृष्टया आसुर ।  
 अभिसोक्तः, ( पुं. ) अर्थः । अभिसोक्तः ।  
 अभिसोक्तः, ( न. ) शिरः । अर्थः ।  
 सुदूर अर्थः ।  
 अभिसोक्तः, ( पुं. ) अर्थः । अर्थः । लक्ष्यः ।  
 अभिसोक्तः, ( वि. ) अर्थः । अर्थः ।  
 अभिसोक्तः, ( श्री. ) अर्थः । उद्योग । अर्थः ।  
 अभिसोक्तः, ( श्री. ) अर्थः । अर्थः ।  
 अभिसोक्तः, ( न. ) अर्थः । अर्थः ।  
 अभिसोक्तः, ( वि. ) अर्थः । अर्थः ।  
 अभिसोक्तः, ( पुं. ) अर्थः । अर्थः ।  
 अभिसोक्तः, ( वि. ) अर्थः । अर्थः ।  
 अभिसोक्तः, ( पुं. ) अर्थः । अर्थः ।  
 अभिसोक्तः, ( वि. ) अर्थः । अर्थः ।  
 अभिसोक्तः, ( पुं. ) अर्थः । अर्थः ।  
 अभिसोक्तः, ( वि. ) अर्थः । अर्थः ।  
 अभिसोक्तः, ( पुं. ) अर्थः । अर्थः ।  
 अभिसोक्तः, ( वि. ) अर्थः । अर्थः ।

**अभयडिण्डिमः**, ( पु. ) पुद्गात्र । १७-  
 पट्ट ।  
**अभया**, ( स्त्री. ) ह्रींकी । इक्ष ।  
**अभवः**, ( पुं. ) मोक्ष । मुक्ति ।  
**अभक्ष्यः**, ( रि. ) अतिनील । अभागी ।  
**अभाषः**, ( पु. ) मरण । अस्तता । न होना ।  
 अदर्शन । यह चार प्रकार का होता है ।  
 प्रागभाष । प्रत्यक्षाभाष । अन्वयाभाष ।  
 और अन्योन्याभाष ।  
**अभि**, ( अ. ) निश्चित कथन । अभिमुख्य ।  
 अभिलाषा । वीक्षता । लक्षण एक उपसर्ग ।  
**अभिक्रः**, ( रि. ) कामुक अभिलाषी ।  
**अभिक्रमः**, ( पु. ) आरम्भ । चढ़ना ।  
 सङ्गर्ह । शत्रु का सामना करना ।  
**अभिख्या**, ( स्त्री. ) नाम । शोभा । यश ।  
**अभिग्रहः**, ( पु. ) लूट । देखते देखते ले  
 लेना ।  
**अभिघातः**, ( पुं. ) प्रहार । अभिहनन ।  
 घाघार । चीट विशेष । किया के द्वारा  
 एक वस्तु का दूसरी वस्तु से सम्बन्ध ।  
**अभिघाती**, ( पु. ) शत्रु । प्रहार करनेवाला ।  
 मारनेवाला ।  
**अभिघारः**, ( पु. ) होम । हवन । अग्नि में  
 घी डालना ।  
**अभिचारः**, ( पु. ) अथर्ववेद और तन्त्र में  
 प्रसिद्ध । मारण, उखाड़न, रत्नभन आदि  
 किया । तांत्रिक किया । शत्रु नाराकारी  
 अनुष्ठान ।  
**अभिजन**, ( पु ) कुल । वंश । प्रसिद्धि ।  
**अभिज्ञात**, ( रि. ) कुर्वीन । प्रसिद्ध ।  
 वृत्तज्ञाता । न्याय्य । परिश्रम ।  
**अभिजित्**, ( न. ) नक्षत्रविशेष । उत्तराषाढ  
 का चौथा भाग और धनुष का पहला  
 पञ्चम भाग अभिजित् कहा जाता है ।  
 यास का मुहूर्त विशेष । जिनपदूर्त । दिन  
 का अष्टम भाग । जो वज्र नाम से  
 कहल है ।

**अभिज्ञः**, ( रि. ) चतुः । परिवर्तन । विस्तार ।  
**अभिज्ञा**, ( स्त्री. ) प्राथमिक ज्ञान । पटञ्ज  
 ज्ञान ।  
**अभिज्ञानम्**, ( न. ) ज्ञानविशेष । विद ।  
 किसी वस्तु के पदचानने का साधन ।  
**अभितप्तः**, ( रि. ) पीड़ित । मूत्र तथा आहुता ।  
**अभितः**, ( अ. ) शीघ्र । समीप । सामना ।  
 दोनों ओर ।  
**अभिद्रवणम्**, ( न. ) वेग से चलना ।  
 आक्रमण ।  
**अभिद्रोहः**, ( पु. ) आक्रोश । निन्दा ।  
 अनिष्टचिन्तन ।  
**अभिधा**, ( स्त्री. ) शब्दों के अर्थ बोजन  
 करनेवाली शक्ति । वाचक शब्द ।  
 पीमासक भाट के मन में शब्दी  
 भावना ।  
**अभिधानम्**, ( न. ) नाम । सङ्गा । कथन ।  
 शब्दकोश ।  
**अभिधायक**, ( रि. ) वाचक । अर्थ-  
 बोधक ।  
**अभिधेयम्**, ( न. ) अभिधा शक्ति द्वारा  
 बोधित अर्थ । शब्दबोध अर्थ ।  
**अभिध्या**, ( स्त्री. ) महश्चेत्या । दूसरे का  
 धन लेने की इच्छा ।  
**अभिनन्दः**, ( पु ) सन्तोष । प्रसन्नता ।  
**अभिनन्दनः**, ( पु. ) बुद्ध विशेष । जैतियों  
 का चौथा तीर्थहर । ( न. ) स्तुति । सब  
 प्रकार से आनन्द देनेवाला । (-पत्र) पुरेष्ठ ।  
**अभिनयः**, ( पु ) हृदय के भाव को प्रकट  
 करनेवाली किया नाटक । अनुकरण ।  
**अभिनयः**, ( पु. ) नय । नवीन ।  
**अभिनयोद्भिद्**, ( पु. ) अद्भुत ।  
**अभिनहनम्**, ( न. )  
**अभिनिर्मुक्तः**, ( पु. ) दुर्गम के सम्य  
 सोनेवाला ब्राह्मण ।  
**अभिनिर्वाणम्**, ( न. ) जीने की इच्छा  
 म भाग । शत्रु ने प्रति चढ़ाई करना ।





द्रव्य । ( वि. ) छन्दर । पर्यपरदिन ।  
 ( श्री. ) दूध । तुलसी । ( न. ) परमक ।  
 अमृतजटा, ( श्री. ) जटावासी ।  
 अमृततिलका, ( श्री. ) कादोविरोध । वर्ष  
 वृत्त । इसके प्रत्येक पाद में दस अक्षर  
 होते हैं ।  
 अमृतरथम्, ( न. ) मरुत का अवाहन । मोक्ष ।  
 पुक्ति ।  
 अमृतदीधिति, ( पु. ) पद्ममा ।  
 अमृतफला, ( श्री. ) जिसका फल अमृत के  
 समान मीठा हो । दाल । चाँदला ।  
 अमृतयोगः, ( पु. ) अयोविषराज का योग  
 विरोध रविचार को मूल, सोमवार को  
 भाषण, मङ्गलवार को उत्तराभाद्रपद,  
 पाशवार को कृत्तिका, शुक्रवार को पुनर्वसु,  
 शुकवार को पूर्वाफाल्गुनी और शनिवार  
 को स्वाती नक्षत्र के होने से अमृतयोग  
 होता है इसी को अमृत भी कहते हैं ।  
 अमृतरसा, ( श्री. ) पञ्चाकारविरोध । खेदरसा ।  
 अमृतवल्ली, ( श्री. ) तुलसी ।  
 अमृतसंयाधः, ( पु. ) पञ्चाकारविरोध ।  
 अमृतभिक्षियोगः, ( पु. ) योगविरोध ।  
 अमृतसूः, ( पुं. ) विदुः । पद्ममा । ( श्री. )  
 अग्नि ।  
 अमृतसोदरः, ( पु. ) पीडा । उर्ध्व. भवा ।  
 अमृता, ( श्री. ) बीजधरविरोध । यह विरोधन  
 में प्रयुक्त है । तुलसी ।  
 अमृतान्धा, ( पु. ) देवता । जिसका अमृत  
 ही अन्न हो ।  
 अमृत्प्यमाणः, ( वि. ) नहीं मरने करने  
 वाला ।  
 अमोघाः, ( वि. ) निरुद्धे । कादोदिन । मूर्ध्नि ।  
 अमोघ्य, ( न. ) विद्या । मूल । यज्ञ के  
 अयोग्य । अमृत् । मान अग्नि । ( वि. )  
 अग्नि ।  
 अमोघः, ( पुं. ) नद विरोध । ( वि. )  
 सफल । अमोघ्य । परमेश्वर । पूजा की

स्तुति किये जाने पर जो समस्त फलों को  
 दे । जिसकी कृपा निष्कल न हो ।  
 अमृत्, ( धा. पर. ) जाना । पहुंचना ।  
 अमृत्क, ( न. ) नेत्र । अक्षि । विना ।  
 जनक ।  
 अमृतरम्, ( न. ) शब्द का आशय । आकार ।  
 सिद्ध विधापर आदि के धूमने का स्थान ।  
 स्वनामख्यात सुगन्धि द्रव्य विरोध ।  
 वय । कायस । केशर ।  
 अमृत्रीषः, ( पु ) राजाविरोध । ये राजा  
 मन्थारा के पुत्र थे । सूर्यवंशी राजा  
 नाभाग के पुत्र । नरकविरोध । किरोर ।  
 भास्कर । सूर्य । महादेव । ( न. ) रथ ।  
 बुद्ध । अष्ट । भमार ।  
 अमृत्पुत्रः, ( पु. ) देशविरोध । काश्यप के  
 अक्षय से और वैश्व कन्या के गर्भ से उत्पन्न  
 पुत्र । इस जाति के लोग विक्रान्त करते  
 और वैश्व कहे जाते हैं । हस्तिनाक ।  
 महाशत । कायरप जानि का एक भेद ।  
 अमृत्, ( श्री. ) माता । दुर्गा । राजा पाण्डु  
 की मीठी का नाम ।  
 अमृत्पालिका, ( श्री. ) माता । जननी । काशि  
 राज की कन्या । राजा पाण्डु की माता  
 का नाम ।  
 अमृत्कान्ता, ( श्री. ) माता । काशिराज की  
 कन्या । यह राजा विचित्रवीर्य की भी थी  
 और धृतराष्ट्र की माता । दुर्गा । भगवती ।  
 अमृत्, ( न. ) जल । कुरुक्षेत्री का बीजा भवन ।  
 राजा नाम की लता ।  
 अमृत्कला, ( श्री. ) जलविन्दु । जनी की बुद्ध ।  
 अमृत्प्रामरम्, ( न. ) शीतल ।  
 अमृत्ज, ( पु. न. ) कपल । अमृत्मा ।  
 जल से पैदा होने वाला । राइ ।  
 अमृत्तु, ( पु ) नेत्र । कादो । अन्धा  
 अमृत्तुधरः, ( पु. ) नेत्र । दुर्गा । माता ।  
 अमृत्तुधिः, ( पु. ) मृत् । लहर ।  
 अमृत्तुपति, ( पु. ) वरुण । रुद्र ।

अध्वेपः, ( पु. ) धीविर्य । न्यास्य । न्यायातु-  
मोदित ।

अम्, ( धा. उभ. ) पीडा । रोग ।

अमः, ( पु. ) वृद्धि वा अभाव । रोग । विना  
पका फल ।

अमङ्गलः, ( पुं. ) परवदृश्य । ( वि. ) मङ्गल-  
हीन । अशुभपूजक ।

अमृतः, ( पु. ) मृपु । काल । रोग । ( वि. )  
असम्मत । अविज्ञान । अर्थाकृत । नहीं जाना  
हुआ ।

अमश्रम्, ( न. ) भोजन । भाण्ड । नर्तन ।  
भोजन करने का पात्र ।

अमनस्कः, ( वि. ) नितरां मन वश में न  
हो ( पु. ) योग के एक ग्रन्थ का नाम ।

अमन्दः, ( वि. ) शृष्ट । मन्द नहीं ।

अममः, ( पु. ) होने वाले एक जैन तीर्थंकर ।  
( वि. ) ममताहीन । ममतारहित ।

अमर, ( पु. ) देवता । सूर । एक वैशाख्य ।  
भृङ्गोदृष्ट । पारद । पारा । हृदियों का  
समुद्र । वंशकार विशेष ।

अमरदाह, ( पु. ) देवदाह वृक्ष ।

अमरद्विज, ( पु. ) देवपूजक आश्रम ।  
पुत्रार्थ ।

अमरा, ( स्त्री. ) नक्षत्र । अमरावती । २-२५५ ।  
द्वय । अमरु । १-२५५ । अमरावती । अमर की  
नदी । विदुषः ।

अमराद्विः, ( पु. ) द्विपद । देवताओं का  
द्वार ।

अमराज्यः, ( पु. ) राज्य । देवताओं का  
राज्य ।

अमरावती, ( स्त्री. ) विष्णु देवता की  
पत्नी ।

अमरावती, ( पु. ) अमरावती । देवता ।  
स्त्री. ( स्त्री. ) अमरा । देवता का स्त्री  
नाम ।

अमरावती, ( न. ) देवताओं का अमरावती ।

अमर्य, ( पु. ) कोप । क्रोध । दूसरे का उप-  
न सहना । किया हुआ अपराध । अमर्य  
का द्वेष ।

अमर्यण, ( वि. ) क्रोधी । क्रोध करने वाला

अमलम्, ( न. ) अत्रकम् ( वि. ) निर्मल  
साक । स्वच्छ ।

अमला, ( स्त्री. ) लक्ष्मी । भूम्यामलकी । नामि-  
नाल ।

अमा, ( अ. ) साय । समीप । पास ।

अमा, ( स्त्री. ) अमावास्या तिथि । दर्शी ।  
साय । समीप ।

अमास, ( वि. ) दुर्बल । बलहीन ।

अमांसाशी, ( वि. ) मांस न खाने वाला ।

अमात्यः, ( पु. ) मन्त्री । सचिव । ( वि. )  
बन्धु । साय उत्पन्न होने वाला ।

अमावास्या, ( स्त्री. ) अमावास्या नाम की तिथि  
इस तिथि को चन्द्रमा और सूर्य दोनों  
साथ रहने दे । दर्शी ।

अमिनीजाः, ( वि. ) धनिकीर्षण । धन  
शक्तिशाली ।

अमित्रः, ( पु. ) शत्रु । मित्र नहीं ।

अमी, ( वि. ) रोगी । रोगयुक्त ।

अमुष, ( अ. ) दूसरा साक । परलोक ।

अमुष्युषः, ( पु. स्त्री. ) प्रसिद्ध वरा  
उत्पन्न । कुलीन ।

अमूनेः, ( वि. ) अयाचरहित । वापु-  
अन्यथि । मुनिहीन पदार्थ । आकाश  
काल । दिव्य और आत्मा ।

अमूलकम्, ( वि. ) मुलाहित । प्रमा-  
द्वय । जिस में प्रमाद न हो ।

अमूला, ( स्त्री. ) अमिश्रित्वाहृष्ट । चौपट  
विशेष ।

अमृणालम्, ( न. ) नमद । उशीर । लज्ज-  
अमृणम्, ( न. ) मंत्र । सुक । इतन में  
द्वय । सुक । पीपुल । लज्जित । लज्ज  
पुत्र । अम । अम । अम । अम ।

अमृणम्, ( न. ) मंत्र । सुक । इतन में  
द्वय । सुक । पीपुल । लज्जित । लज्ज  
पुत्र । अम । अम । अम । अम ।







अर्चि, (मी.) धाग की लपट । विरय । चमक ।  
 अर्चिभ्रमत्, ( पु. ) मूर्ध । अग्नि ।  
 अर्ज, ( कि. ) उपार्जन करना । चमत्ता ।  
 अर्जक, ( पु. ) वृक्षविशेष । बाबुरे वृक्ष जिस  
 के मूत्र से रम्भा बनती है । उपार्जन करने  
 वाला । एकत्र करने वाला ।  
 अर्जुन, ( पु. ) वृक्षविशेष । राजा पाण्डु का  
 तोता पुत्र । कर्त्तवीर्य राजा । वृष्ट । नेत्र ।  
 रोग । मोर । चित्ता रह । नेत्र का एक  
 रोग ।  
 अर्णव, ( पु. ) समुद्र । अर्द्धविशेष ।  
 अर्णुत्, ( न. ) जल । पानी । नीर । समुद्र ।  
 अर्त्तन, ( न. ) निन्दा । निरस्कार । हृष्टता ।  
 अर्त्ति, ( स्त्री. ) पीडा । धनुष की नोक या  
 गिरा ।  
 अर्त्तिका, ( स्त्री ) वर्षा महिन ।  
 अर्त्तुक, ( पु. ) लङ्गात् । अगङ्गात् । स्वर्षक ।  
 अर्थ ( कि. ) मोगना ।  
 अर्थ शिष्य । नाम । धन । वस्तु । निवृत्ति । इत्यत्र ।  
 प्रकार । प्रयोगन । डेनु । अभिलाषा ।  
 उदरय ।  
 अर्थदूयल, ( न. ) धन की चोटी । दूर्ध्वमूर्त्तम  
 जेने वृथा वेरपागमनादि में धन का व्यय  
 करना ।  
 अर्थना, ( स्त्री. ) मित्रा मोगना । प्रार्थना ।  
 विनयी ।  
 अर्थपति, ( पु ) राजा । वृद्धे ।  
 अर्थप्रयोग, ( पु. ) वृद्धि के अर्थ धनप्रदान ।  
 धन पर रूपये लगाना ।  
 अर्थवाद्, ( पु. ) प्रशम्भ शब्दों का कहना ।  
 प्रशमा ।  
 अर्थव्ययस, ( वि. ) बीन केमे कही निजना  
 धन क्रिमके लिये व्यय करना उचित है इन  
 बातों को जाननेवाला ।  
 अर्थशास्त्र, ( न. ) सम्मानशास्त्र । धनसम्बन्धी  
 नीति को बताने वाला शास्त्र । अभिचार  
 अर्थात् माण्य आदि कर्म को प्रतिपादन

करनेवाला शास्त्र । दण्डनीति । आचीक्षिकी ।  
 सेनो की विद्या ।  
 अर्थोगम, ( पु. ) धन का आना । धाप । धामदनी  
 धनागम ।  
 अर्थान्तरन्यास, ( पु ) प्रकृत अर्थ की सिद्धि  
 के लिये अन्य अर्थ को लाना । अर्थालङ्कार  
 का एक भेद ।  
 अर्थोपसि, ( स्त्री. ) धनकहे अर्थ का सम्भन्ना ।  
 मीमांसक इसे अनुमान से भिन्न बतलाते  
 है और नैमायिक व्यतिरेक व्याप्त शा से  
 उपने हुए अनुमान ही को सम्भन्ने है ।  
 अर्थोत्, ( अम्य. ) या । अधवा । वस्तुनः ।  
 अर्थिक, ( पु. ) संगे हुए बड़े धनी मनुष्यों को  
 जगाने के लिये शक्ति करने वाला । वेता-  
 लिक । मिथुक । भाट । भित्तारी । मँगना ।  
 अर्थिन्, ( वि. ) याचक । मिथुक । मँगना ।  
 भित्तारी । सेवक । सहायक । धनी । बादी ।  
 धारहित ।  
 अर्थ्य, ( वि. ) व्याप्य । उचित । उचित चीज  
 से कयाया । परिष्कन ।  
 अर्द्ध, ( कि. ) मात्रा ।  
 अर्द्धन, ( कि. ) पीडा पहुँचाया । मारना । कष्ट  
 देना ।  
 अर्द्धनि, मोग । मित्रा । बीमारी । अग्नि ।  
 अर्द्ध, ( पु. ) तरण । टुकड़ा । आधा ।  
 अर्द्धगङ्गा, ( स्त्री. ) कावेरी नदी । अर्धोन् वद  
 नदी जिसमें स्नानादि करने से यज्ञ की  
 अपेक्षा आधा फल हो ।  
 अर्द्धचन्द्र, ( पु. ) अर्द्धाङ्क । अष्टमी का चोद ।  
 चोद के आकार के लग्ग का चाव । मण्डरत ।  
 गरदनिया । सामुदायिक चिह्न ( ~ )  
 अर्द्धनारीश्वर, ( पु. ) महादेव । जिसका शिर  
 की मूर्ति विशेष । हरमौली रूप शिष्य ।  
 अर्द्धपारायत, ( पु ) जिसकी आत्मी देह  
 क्वर जमी हो । विषकष्ट । कर्षण  
 तीव्र ।  
 अर्द्धशत्र, ( पु. ) अर्धशत्रु

अरिषड्वर्ग, ( पुं. ) काम क्रोध आदि षः  
राशुषो वा समूहः । काम, क्रोध, लोभ,  
माद, मद, ईर्ष्या ये षः अरिषड्वर्ग्ये हे ।

अरिष्ट, ( पुं. ) अन्धविशेषः । लघुन । नीमः ।  
हीरपरः । अशुभविशेषः । ( न. ) मद्य का एक  
भेदः । शीतः । शीतः । अशुभः । अमङ्गलः ।

अरिष्टताति, ( पुं. ) मङ्गल की कामना ।  
आर्यावर्त के अर्थ में इस शब्द का प्रयोग  
किया जाता है । इसका प्रयोग वेदों में  
अधिकता से किया गया है ।

अरिष्टमूदन, ( पुं. ) अरिष्ट नामक अशुभ का  
पारने वाला । विष्णुः । ( वि. ) अशुभ  
को हटाने वाला । मङ्गलमयः ।

अरिष्टि, ( पुं. ) तिमके कारण कवि  
( ईश्या ) न हो । रोगविशेषः । अनीर्यं  
रोगः । अरिष्टिः । अनीर्य का अन्वयः ।

अरिष्टि, ( वि. ) मरौदर नदी । अशुभः ।  
अमङ्गलः ।

अरिष्ट, ( पुं. ) इशरिष्टः । ( वि. ) अरिष्टः ।  
शरीरः ।

अरिष्ट, ( पुं. ) मूर्धः । मूर्ध के अरिष्ट का नाम ।  
दुःखः । अरिष्टः । अमङ्गल की आकारा की  
लक्षणाः । अरिष्टिः । अरिष्टिः । रोग-  
विशेषः । अरिष्टिः का एक भेदः । ( न. )  
अरिष्टः । अरिष्टः । अरिष्टः । ( श्री )  
अरिष्टः ।

अरिष्टोत्थान, ( पुं. ) अरिष्ट नामक अशुभ  
का हटाने का अर्थः । अरिष्टः ।

अरिष्टि, ( वि. ) अरिष्ट विना हुआ । अरिष्ट  
का हटाने का अर्थः ।

अरिष्टि, ( पुं. ) अरिष्ट नामक अशुभ का  
हटाने का अर्थः ।

अरिष्टि, ( पुं. ) अरिष्ट नामक अशुभ का  
हटाने का अर्थः ।

अरिष्टि, ( वि. ) अरिष्ट विना हुआ । अरिष्ट  
का हटाने का अर्थः ।

अरिष्टि, ( पुं. ) अरिष्ट नामक अशुभ का  
हटाने का अर्थः ।

नाम की एक तारा जो सप्तविंशत्यक्षरों में सब  
से छोटी आठवीं तारा है और वसिष्ठ के  
समीप रहती है ।

अरुन्धतीदर्शनम्, ( देखो "न्याय" ) ।

अरुन्ध, ( पुं. ) मूर्ध । रक्ततारि । वरुणतारि ( न. )  
मर्म । शरीर का कोमल स्थान ।

अरुणक, ( पुं. ) एक वृक्ष का नाम, ( भोजनक ) ।  
भोजनः ।

अरुणिका, एक प्रकार का रोग जिसमें शरीर  
की ताल पर कुंसियों हो जाती हैं और उनमें  
बड़ी बड़ी पीड़ा होती है ।

अरुण, एक वृक्ष का नाम अर्थात् भूमामलकी ।

अरुण, ( पुं. ) शीत कषा न हो । गुलाबम । नाम ।

अरुण, ( पुं. ) रूपविशेषः । आकारविशेषः । वक्ररूपः ।  
भ्रमः ।

अरुण, मूर्धः । एक प्रकार का तर्कः ।

अरु, ( अर्थ. ) अशुभमानुषिक सम्बोधन अथवा  
कोषपूर्वक किसी को बुलाना हो तब अरु  
का प्रयोग किया जाता है ।

अरु, तपना और रुग्ण करना ।

अरु, ( पुं. ) मूर्ध । अरु । शीतः । शीतः । शीतः ।  
अरुणः । अरुणः । अरुणः । अरुणः ।

अरुण, ( पुं. ) मूर्ध । अरुणः । अरुणः ।

अरुण, ( पुं. ) मूर्ध का अर्थः । अरुणः ।

अरुण, ( पुं. ) मूर्ध का अर्थः । अरुणः ।

अरुण, ( पुं. ) मूर्ध का अर्थः । अरुणः ।

अरुण, ( पुं. ) मूर्ध का अर्थः । अरुणः ।

अरुण, ( पुं. ) मूर्ध का अर्थः । अरुणः ।

अरुण, ( पुं. ) मूर्ध का अर्थः । अरुणः ।

अरुण, ( पुं. ) मूर्ध का अर्थः । अरुणः ।

अरुण, ( पुं. ) मूर्ध का अर्थः । अरुणः ।

अरुण, ( पुं. ) मूर्ध का अर्थः । अरुणः ।

अरुण, ( पुं. ) मूर्ध का अर्थः । अरुणः ।

आलेख्यः, (पु.) कपल, लीने, इमेरी, शालक वा  
 मूची प्रभृत् । एक शालक जिसे चोचक  
 ने भाग्य था ।  
 आलेख्यः, एक देश वा नाम ।  
 आलकी, (पु.) पागल बुद्धि । श्वेताई । एक  
 शत्रु वा भाग्य ।  
 आलपण, (स.) मूढ ।  
 आलस्यार्थ, (स.) देव की मद वा लोभ्या  
 श्रित्यो जल भरा जाया है ।  
 आलस्य, (स.) कमकामिनी । मन्दा ।  
 आलस्य, (नि.) निरुत्साह । उद्यम । (सि.)  
 दुर्गमदी लता । (पु.) लुप्त । घेर वा शैल ।  
 आलाप्युः, (स.) एक विद्विन् कीसे कथना  
 अनु वा भाग्य ।  
 आलान, (पु. म.) कथमनी लवटी । चाला ।  
 शोषणा ।  
 आलापु पु. (सि.) मुन्दी । कद्दू । लता  
 शिरीष ।  
 आलाप, (स.) छात्र ।  
 आलाप, (पु.) निहा के लोभे की शयन वा  
 प्रीतिवा । शोशितेय ।  
 आलि, (पु.) अगस्त कीड़ा । कोल । मणिल ।  
 शिष्वा ।  
 आलिन, (पु.) शिष्वा ।  
 आलिक, (स.) कक । धुत । अन्ना द वा  
 शिक की कण्ड "आर्थिक" शब्द वा  
 प्रयोग होता है ।  
 आलिङ्गनः, (पु.) एक प्रकार का शरी ।  
 आलिङ्गन, (पु.) एक प्रकार का शब्द ।  
 आलिङ्गन, (पु.) कभी का शब्द ।  
 आलिङ्ग, (स.) शरी शिरीष ।  
 आलिङ्ग, (पु.) वा के हा के कण्ड वा  
 शिष्वा ।  
 आलिङ्गन, (पु.) शोभन । शब्द का शिष्वा ।  
 आर्थिक, (स.) कथमन्ना । कथमन्ना ।  
 शिष्वा ।

आर्जीगर्भ, (पु.) एक प्रकार का शब्द ।  
 आयुः, (पु.) शब्द आयु का शब्द ।  
 आयुध, (स.) शोभन । शब्द ।  
 आर्थिकिक, (नि.) शिष्वा शोभन ।  
 ही । शिष्वा शिष्वा शिष्वा शिष्वा ।  
 शोभन शोभन । शब्द शिष्वा ।  
 आयुध, (पु.) एक शब्द शब्द । वा एक शब्द ।  
 आयुध, (नि.) शोभन शिष्वा ।  
 आयुध, (सि.) शिष्वा शिष्वा ।  
 आयु, (नि.) कथमन्ना शिष्वा शिष्वा ।  
 शिष्वा शिष्वा शिष्वा शिष्वा शिष्वा ।  
 शिष्वा शिष्वा शिष्वा शिष्वा शिष्वा ।  
 आयुध, (पु.) शब्द शिष्वा शिष्वा शिष्वा ।  
 शिष्वा शिष्वा शिष्वा शिष्वा शिष्वा ।  
 आयुध, (स) शिष्वा शिष्वा ।  
 आयुध, (पु.) शिष्वा शिष्वा शिष्वा शिष्वा ।  
 आयुध, (सि.) शिष्वा शिष्वा शिष्वा शिष्वा ।  
 आयुध, (पु.) शिष्वा शिष्वा शिष्वा शिष्वा ।  
 आयुध, (सि.) शिष्वा शिष्वा शिष्वा शिष्वा ।  
 आयुध, (पु.) शिष्वा शिष्वा शिष्वा शिष्वा ।  
 आयुध, (सि.) शिष्वा शिष्वा शिष्वा शिष्वा ।  
 आयुध, (पु.) शिष्वा शिष्वा शिष्वा शिष्वा ।  
 आयुध, (सि.) शिष्वा शिष्वा शिष्वा शिष्वा ।

अर्द्धवीक्षण, ( न. ) आधा देतना । पूरा न देतना ।

अर्द्धासन, ( न. ) आधा आसन । आसन का आधा भाग । स्नेह अथवा प्रेमप्रकाशक ।

अर्द्धोदय, ( पु. ) माघ मास । अमावस तिथि । अथवा नक्षत्र और व्यतीपात होने पर एक योगविशेष ।

अर्द्धोदक, ( न. ) पदों के नीचे तक राशिर को टाकने वाला कपड़ा । श्रेष्ठ रमणियों के पहिने का वस्त्र जो आरिष्या जैसा होता है । लदेना । पोषण । सदाई ।

अर्पण, ( कि. ) देना । भेंट करना । सोपना । अर्पित, ( वि. ) दिया गया । सोपा हुआ । भेंट किया हुआ ।

अर्पित, ( वि. ) दिया गया । सोपा हुआ । भेंट किया हुआ ।

अर्पित, ( वि. ) दिया गया । सोपा हुआ । भेंट किया हुआ ।

अर्पित, ( वि. ) दिया गया । सोपा हुआ । भेंट किया हुआ ।

अर्पित, ( वि. ) दिया गया । सोपा हुआ । भेंट किया हुआ ।

अर्पित, ( वि. ) दिया गया । सोपा हुआ । भेंट किया हुआ ।

अर्पित, ( वि. ) दिया गया । सोपा हुआ । भेंट किया हुआ ।

अर्पित, ( वि. ) दिया गया । सोपा हुआ । भेंट किया हुआ ।

अर्पित, ( वि. ) दिया गया । सोपा हुआ । भेंट किया हुआ ।

अर्पित, ( वि. ) दिया गया । सोपा हुआ । भेंट किया हुआ ।

अर्पित, ( वि. ) दिया गया । सोपा हुआ । भेंट किया हुआ ।

अर्धन्, ( पु ) घोडा । इन्द्र । ( यु. ) नीच । अर्धग्य ।

अर्धश, ( यु. ) कुर्ताला । तेज ।

अर्धोच्च, ( ध्व. ) पूर । पर । लिखट । पाहिले । पीछे । समीप ।

अर्धोके, ( यु. ) समीप । निकट ।

अर्धोच्चान, ( वि ) प्रतिवृत्त । विवृत्त । वर्षमान समय का उत्पन्न । नूतन । नया ।

अर्धुक, एक जति के लोगों का नाम जिनके विषय में महाभारत में लिखा है कि छद्मत्व ने जीता था ।

अर्धस्त, ( न. ) रोगविशेष । बजासीर । प-रलास । चोट ।

अर्धण, ( यु. ) जहम । चलनेवाला ।

अर्ध, ( यु. ) योग्य । पूज्य । इन्द्र । ईश्वर ।

अर्ध, ( कि. ) पूजा करना ।

अर्धण, ( पु. ) पूजा का साधन । पूज्य । पुत्र ।

अर्धन, ( पु. ) बर्तियों में सब से उच्च पद । अर्धियों के एक पूज्य देतना ।

अर्ध, ( कि. ) सजाना । योग्य होना । सोपना ।

अर्धम, ( ध्व. ) भूषण । परांति । कारण । निराण । शक्ति ।

अर्धक, ( पु ) कुतल । मुँहसाने वाला । उन्मत्त हुआ ।

अर्धका, ( धी. ) गाड से लेकर दस वर्ष की अवस्था वाली लड़की । कुंभ की राजधानी का नाम ।

अर्धकम, अर्धे । निर्धक ।

अर्धक, ( पु. ) लक्ष्मण । लाल का रङ्ग । पुत्र का नाम विशेष ।

अर्धकाल ( वि. ) निमग्न । चतुर्पात न हो सकने से विराम में आना ।

अर्धकाल ( पु. ) भूषण । शक्ति व शब्द का एक अर्थ । अर्ध के दस दशक की अवस्था का नाम । अर्धकाल ।



अघगुण्डित, (घ.) विसा हुआ ।  
 अघगुम्फित, (घ.) भुना हुआ ।  
 अघगुर, (कि.) भ्रमराना । मारने को अघ  
 उत्राना ।  
 अघगुण, (घ.) दोष ।  
 अघगुण्डन, (कि.) घँघट निकालना । घँघ  
 टापना । (स.) घँघट ।  
 अघमा, (घ.) वहाँ का करना । बाधा ।  
 रोह । स्वभा । श्राद्ध ।  
 अघघट, (कि.) टकैलना या पुहार कर  
 हाना । चीरना । काटना ।  
 अघघट्टः, (स.) पृथिवी का खेद । गुहा ।  
 गुहा । खड़ी । गङ्गा ।  
 अघघात, (घ.) अघमृत्पु । धान आदि का  
 मृदना ।  
 अघघ, (घ.) नीचे का ।  
 अघघय, (घ.) सधय । कम यचना कूल  
 का मोचना ।  
 अघघनीय, (घ.) न करने योग्य । अश्लील  
 कदना घनुचिद ।  
 अघघि, (कि.) पूजा करना । सम्मान  
 करना ।  
 अघघुट, (स.) भङ्गे पर बना हुआ  
 वय ।  
 अघघुलक, (न.) मनुष्यवत् चरने ।  
 चरने । मोक्षक ।  
 अघघुलु, (कि.) दाहना । विहाना ।  
 विहाना । अघघुलु में अघ देना ।  
 अघघुदः, (घ.) अघ । विहान ।  
 दहन ।  
 अघघुदु, (कि.) अघघु । घुषट करना ।  
 उरक उरक करना । घुषटानना । घुष-  
 टाना करना । अघघुदु करना । अघघुदु ।  
 अघघुदु ।  
 अघघुदु (कि.) अघुदु । विहान ।  
 अघघुदु । अघघुदु । अघघुदु । अघघुदु ।  
 अघघुदु । अघघुदु । अघघुदु । अघघुदु ।

कहते हैं जिसमें किसी वस्तु में उसके  
 विशेष गुणों के कारण अन्य समस्त  
 वस्तुओं से भेद प्रकार किया जाय । क्या  
 हुआ । पृथक् किया हुआ ।  
 अघघुदक, (वि.) काटने वाला । विशेष ।  
 चीरों से पृथक् करने वाला । गुण । रूप ।  
 शब्द ।  
 अघघुदुरित, (घ.) मिला हुआ । मिथित ।  
 अघघि, (कि.) विगाहना । जीवना । जीव  
 कर ले लेना—“अघघि य तद्वनम्” ।  
 अघघितिः, (स.) जय । विजय ।  
 अघघा, (सी.) अनादर ।  
 अघघटी, (घ.) गर्व । गङ्गा । कुहकनीची ।  
 नाजीगर । इन्द्रजाल से जीविका करने द्वारा ।  
 अघघटी, (वि.) अघनता नामिका । अघटी  
 नाक वाला ।  
 अघघु, (स.) पृथिवी का खेद । गुहा ।  
 गरदन का पिचला भाग एक प्रकार का घुष ।  
 अघघङ्ग-कः, (स.) वातावर । हाट ।  
 अघघीनं, (स.) विहिये का उधान । नीचे  
 की ओर उड़ना ।  
 अघघतः, (घ.) एक कृषा । हीन । कुश ।  
 अघघनंस, (घ.न.) कान का भूषण । घुषट ।  
 नाक ।  
 अघघनमस, (न.) मन अघघकार ।  
 अघघनरगुम्. (न.) पानी में ग्लान के  
 विषे धनना ।  
 अघघनरगिका, (सी.) अघघनरग में सधिय ।  
 अघघनरग । भूमिका ।  
 अघघनरगि, (स.) देली अघघनरगिका ।  
 अघघनर, (घ.) पार होना । भगवान् का हाँस  
 धरना करना अघघनर कहलाता है ।  
 अघघनीर्ण, (कि.) उदग हुआ ।  
 अघघन, (घ.) लहेद । पीना । हाँस ।  
 विहान ।  
 अघघान, (न.) देवता की अघघान । दहन  
 उरक करना । अघघान ।





अवलीढ, ( वि. ) ताया हुआ । भक्षित ।  
 पाया हुआ । चला हुआ ।  
 अवलीला, ( स्त्री. ) अनायास । अनादर ।  
 लेल । आसानी ।  
 अवलेप, ( न. ) अद्धार । लेपन । दूषण ।  
 सम्बन्ध ।  
 अवलेपन, ( न. ) मलना । लुपण । चन्दन  
 आदि ।  
 अवलोह, ( पु. ) जीभ से चाटना । चटनी ।  
 रत ।  
 अवलोकन, ( न. ) दर्शन । देखना । डूँडना ।  
 आलोक । नेत्र ।  
 अवलुङ्गली, ( स. ) एक विधेया वीजा ।  
 अवश, ( वि. ) पराधीन । परवश । बेवश ।  
 कामादि से पराधीन ।  
 अवशिष्ट, ( वि. ) अतिरिक्त । भित्त । पुष्कर ।  
 परिशिष्ट । शेष । अधिक ।  
 अवश्य, ( अव्य. ) सर्वथा । जरूर ।  
 अवश्याय, ( पु. ) शिशिर । पाला । शुद्ध ।  
 अभिमान ।  
 अवश्यायणी, ( स्त्री. ) गौ जो बहुत दिनों बाद  
 भ्रान्ती है ।  
 अवष्टम्भ, ( वि. ) समीर । निकट । विरा  
 हुआ । रुका हुआ । बैधा हुआ ।  
 अवष्टम्भ, ( कि. ) सहारा लेना । रोकना ।  
 ( पु. ) सोना । सम्भ्रा । प्रारम्भ ।  
 अवन्, ( भ. ) साहाय्य । रथा । यश । कीर्ति ।  
 भोजन । धन । गमन । गन्तोष । श्रद्धा ।  
 सङ्कल्प । अभिवाचा ।  
 अवसथ, ( पुं. ) निजस्य । घर । कुटिया । प्राप ।  
 अवसथ, ( पु. ) प्रताप । प्रसङ्ग । मीमांसा ।  
 अवसथ, ( पु. ) दूत । राजप्रतिनिधि ।  
 पत्नी ।  
 अवसथ, ( पु. ) अरुण-व । बायो नदी ।  
 अवसथ, ( कि. ) कचना । कानना । स्त्री-  
 कचना । कचना । कचना । कचना ।  
 कचना । कचना ।

अवसाद, ( पुं. ) अनाशा । विषाद ।  
 अवसान, ( न. ) विगम । समाप्ति । अन्त ।  
 सीमा । मृत्यु ।  
 अवसित, ( वि. ) समाप्त । ज्ञान । जाना  
 गया ।  
 अवस्कन्द, ( पु. ) शिविर । छाानी ।  
 आक्रमण ।  
 अवस्कन्दन, ( न. ) तोड़ना । खीनना ।  
 जाना । उतरना ।  
 अवस्कर, ( पु. ) बुहारी से उके हुए ककर  
 मट्टी आदि । विषा । पू । दुष्य । लिङ्ग ।  
 अवस्कथ, ( पु. ) विप्रेता । हानिकारक ।  
 अवस्तार, ( पुं. ) जनिका । परदा ।  
 कनात । दरी ।  
 अवस्था, ( स्त्री. ) दशा । आयु ।  
 अवस्थान, ( न. ) स्थित । रहायश । स्थान ।  
 अवस्थान्दन, ( न. ) मारना । हिंसा करना ।  
 अवचंसन, ( न. ) अयःपतन । नीचे गिरना ।  
 अवहेल, ( न. स्त्री. ) अनादर । अमम्मान ।  
 अवाक्यशिरस्, ( वि. ) अधोमुख । नीचामुख ।  
 अवाहमुख, ( वि. ) अधोमुख ।  
 अवाच्य, ( वि. ) नीचे की ओर जोय देना  
 ( स्त्री. ) दक्षिण दिशा । गूंगा । विद्वत्ता  
 समय ।  
 अवाच्य, ( न. ) न कहने योग्य ।  
 अवान्, ( कि. ) मांस लेना ।  
 अवान, ( पु. ) गूंगा ।  
 अवाप्तर, ( वि. ) भीतरी । भीष वा सन्धि-  
 निव । अधीन । अतिरिक्त ।  
 अवारपार, ( पु. ) दोनो तटकाला । महोरनि ।  
 मयूर ।  
 अवारपारीण, ( वि. ) दूसरे पार जाने वाला ।  
 अवासात्, ( वि. ) नशा । ( स्त्री. ) रजस्रसा  
 पुत्र का नाम ।  
 अवि, ( पुं. ) मूर्ख । नकरा । पर्वत । शाभी ।  
 पति । कर्मण । दुशाणा । ( स्त्री. )  
 रजस्रसा स्त्री । मेघ ।

अथाद्, ( पु. ) वसोद्यु का प्रथम भाग ।  
 अथा-शा दा-दा, ( की ) पूर्वपाद और  
 उत्तरपाद दोनों मन्त्र । मातृविशेष ।  
 अथक, ( न. ) पाणिनिप्रथित अष्टाशायी  
 व्याकरण सम्बन्धी मन्त्र । आठ अक्षरों  
 वा अक्षरों का प्रदेश भाग । अक्षरों में  
 ऐसे आठ भाग हैं ।  
 अथका, ( स्त्री. ) पंच । भाग और अक्षरों  
 की वृत्तार्थी ।  
 अथन्, ( रि. ) आठ मन्त्र ।  
 अथधा, ( धम्य. ) आठ प्रकार में ।  
 अथधानु, ( न. ) आठ धानुः, अथानु  
 १ सोना । २ चाँदी । ३ लोहा । ४ पीतल ।  
 ५ ब्रौंसा । ६ जस्ता । ७ रंगी और ८ सोना ।  
 अथपाद्, ( पु. ) आठ पैर वाला । मृगविशेष ।  
 मन्त्री का जाला । शरभ ।  
 अथमङ्गल, ( पु. ) आठ माहलिक द्रव्यों का  
 समूह । अथानु १ साम्रण्य । २ गी ।  
 ३ अग्नि । ४ सोना । ५ धी । ६ सूर्य ।  
 ७ जल । ८ रात्रि । मन्त्रो-मिह । बेल ।  
 हाथी । कलमा । पंच । माला । नगादा  
 और दीपक । शुभ धीवा जिसके आठ अक्षर  
 सहेद हैं—अथानु पाठो मुर । मन्त्री । पूजा  
 पूज और पीठ ।  
 अथमान, ( न. ) मन्त्रविशेष । आठ छुट्टी भर ।  
 मन्त्रों को ले भर ।  
 अथमी, ( स्त्री. ) आठों को पूर्ण करने वाली ।  
 पण्डित बनावाले चन्द्रमा की आठवीं कला  
 की किरा । विधि आठों ।  
 अथमूर्च्छि, ( पु. ) पृथिवी आदि आठ मूर्ति  
 वाले शिव ।  
 अथलाहक, ( न. ) आठ धानुओं का समूह ।  
 अथकपाल, ( पु. ) आठ मही के पाशों में  
 बुद्ध किया गया अर्ध । इसी चक्र के द्वारा  
 यह किया जाता है । पञ्च । मन्त्रोपासी  
 मन्त्रों का एक भेद ।  
 अथाङ्ग, ( पु. ) आठ अक्षरों । योगविशेष ।

यम । नियम । आसन । प्राणायाम । प्रया-  
 हार । ध्यान । धारणा और समाधि—ये आठ  
 योग के अङ्ग हैं । जातु । पर । हाथ ।  
 मन्त्री । बुद्धि । शिर । वचन और दृष्टि से  
 किरा गया प्रथम । जप । दूर । कुम्भ ।  
 दही । धी । चानल । जी और सिद्धार्थ से  
 बनाया हुआ पूजन का अर्थ ।

अष्टादशन्, ( रि. ) अठारह । अठारहा ।  
 अष्टादशाङ्ग, ( पु. ) अठारह अक्षरों का ।  
 अष्टादश-पुराण, ( पु. ) अठारह पुराण ।  
 अथानु १ साम्रण्य । २ पञ्च । ३ विष्णु ।  
 ४ शिव । ५ भागवत । ६ नारदीय ।  
 ७ मार्कण्डेय । ८ अग्नि । ९ मरिच्य ।  
 १० अथर्ववेद । ११ लिङ्ग । १२ वा-  
 राह । १३ स्कन्द । १४ वामन ।  
 १५ कौर्म । १६ मन्त्र । १७ गण्ड ।  
 १८ अथायङ्ग ।

अथायम्, ( पु. ) एक प्रसिद्ध पौराणिक अथि  
 जो कदाक के पुत्र थे ।

अथिः, ( स्त्री. ) खिलने का नाम । एक बर्षिक  
 मन्त्र जिसमें अष्टक वर्ष हैं । सोलह ।  
 मन्त्र ।

अथा, ( स. ) गौरु होकर की कीनदार  
 धरी । चातुक । रथ के पहिये का एक  
 भाग ।

अथिः, ( स्त्री. ) पत्थर । नील । गरी । ददा ।

अथिला, ( स्त्री. ) गोल पत्थर एक प्रकार की बीमा-  
 जिसमें नाभि के नीचे गोलाकार सूजन हो  
 जाती है । मूत्रमन्त्रधी रोग । पीठ का  
 नीला चक्र । नील ।

अथिलिका, ( स्त्री. ) एक प्रकार की बुद्धि ।  
 कर्षी ।

अथ, ( कि. ) लेना और जाना । होना ।

अथर्वहृत्, ( रि. ) मन्त्रोपासन संस्कारों में  
 रहित । व्याकरण के मन्त्रों से अथर्व ।  
 च हुआ मन्त्र ।  
 १ बार न. र ।

अशुभ वृक्ष । पारा । इन्द्रवृक्ष । एक राजा  
 का नाम । ( स्त्री. ) शोकरहित ।  
 अशोच्य, ( न. ) जो शोक करने योग्य न हो ।  
 अशोच्य, ( न. ) अशुभ । शुचिरहित । सूतक ।  
 अशम, ( स. ) पहाड़ । बादल । पत्थर ।  
 अशमगर्भ, ( पुं. ) मरकतमणि । पत्था ।  
 अशमम्र, ( पुं. ) पापाण्य कोढ़ने वाला वृक्ष ।  
 अशमन्, ( पु. ) पर्वत । मेघ । पत्थर । ( न. )  
 लोहा ।  
 अशमस्तक, ( पुं. न. ) अशुभा । एक प्रकार  
 का वृष विशेष । अश्लोठ नामक वृक्ष ।  
 अशमभाल, ( न. ) लोहे का शमामरना ।  
 रत्न और लोहा ।  
 अशमरी, ( स्त्री. ) पथरी का रोग ।  
 अशमरीम्र, ( पुं. ) यक्ष वृक्ष । पथरी रोग  
 को हटाने वाला ।  
 अशमस्तार, ( पु. न. ) लोहा ।  
 अश्र या अश्र, ( न. ) नेत्रजल । शोम् । लोह ।  
 अश्रान्त, ( वि. ) सन्नत । मंदिर । निरन्तर ।  
 लगातार ।  
 अश्रि शी, ( स्त्री. ) अग्नि का अमनाग ।  
 धार । भीड़ित । शोभादिन ।  
 अश्रु अश्र, ( पुं. ) शर्म ।  
 अश्रुत, ( वि. ) अतस्तना ।  
 अश्रुलाल, ( न. ) लनाने वाली गंगाका बेनी ।  
 घृत्वा । शर्मो गर्जन । अश्रुतान्द ।  
 अश्रुलेपा, ( स्त्री. ) एक नक्षत्र का नाम ।  
 यह नक्षत्र अश्रुत है । अश्रुतिल ।  
 अश्रुतोन, ( श. ) जो लक्ष्मी न हो ।  
 अश्रुत, ( पु. ) घोडा । दुग्ध । पेटक ।  
 अश्रुतकरी, ( पु. ) मलयवृक्ष । घोड़े का कान  
 अथवा शिखा का कान घोड़े के कान  
 जैसा हो ।  
 अश्रुतकरी, ( पु. ) मलय ।

अश्रुतर, ( पु. ) रट्टा । घोडा घोडा ।  
 खचर । इस नाम का एक नाग भी है  
 गया है ।  
 अश्रुतरथः, ( पु. ) पीपल । गर्भभासक  
 वृक्ष ।  
 अश्रुत्वामन्, ( पुं. ) शोणाचार्य का पुत्र  
 यह भी बड़ा वीर था और इसने भी युद्ध  
 में बड़ी वीरता दितलाई थी ।  
 अश्रुतपाल, ( पुं. ) साईस । घोडा का पालने  
 वाला ।  
 अश्रुतवाल, ( पु. ) घोड़े के नेत्र ।  
 अश्रुतमुख, ( पुं. ) किन्नर । देवता विशेष ।  
 अश्रुतमेध, ( पुं. ) यज्ञ निममें घोड़े का बलि-  
 दान किया जाता है ।  
 अश्रुतरोधक, ( पु. ) करवीर वृक्ष । घोड़े को  
 रोकने वाला ।  
 अश्रुतवार, ( पु. ) घोड़े को रोकने अथवा  
 स्वीकार करने वाला । पुष्पवार । चातक  
 सवार ।  
 अश्रुतस्तन, ( वि. ) एक दिन के निर्वाह के  
 लिये अन्नादि ।  
 अश्रुताभिधानी, ( स्त्री. ) जिससे घोडा पकटा  
 जाय । घोडा बाँधने की रस्सी । घोड़े की  
 धागे पिण्डकी की रस्सी ।  
 अश्रुतारिः, ( पु. ) मरिच । भिन्ना । घोड़े का रातु ।  
 अश्रुतारोह, ( पु. ) पुष्पवार । ( अश्रुतगन्धा ) ।  
 अश्रुतान्, ( पु. ) जिनके घोड़े हों । राजाश्री ।  
 वैद्य । अश्रुतनीकुमार ।  
 अश्रुतनीकुमार, ( पु. ) सूर्य की घोड़ी  
 कनिष्ठी स्त्री । घोड़ेकी सूर्य से उताव हूए  
 यमज पुत्री का नाम अश्रुतनीकुमार है ।  
 अश्रुतारस्त, ( न. ) अश्रुता घोडा ।  
 अश्रु. ( कि. ) अमकना । शोरा । शाना ।  
 शिन्ना ।  
 अश्रुतशील, ( वि. ) ल. शो. में से नहीं देना  
 गया अथवा कल्प दो ही पत्रों की मन्त्रों  
 का ( १५७ )

१०३३ ( ३ ) अश्रुतशिला लता ।

( ४ ) अश्रुत का घेडा । इसे यदि

१०३३ ( ५ ) अश्रुत का घेडा । इसे यदि

अस्तामास्य, (वि.) अनाधारण । विलम्ब्य ।  
 अस्ताम्प्रतम्, (अभ्य.) अमुक्त । अनुचित ।  
 वातान्तर ।  
 अस्तार, (वि.) ताशीत । रेंगी का स्तर ।  
 अस्ति, (पुं.) तह । तलवार ।  
 अस्तिका, (स.) नीचे के होठ और टांगी के बीच का भाग ।  
 अस्तिका, (धी.) अन्त-पुराचारिणी दाही ।  
 रात । पञ्जाब की एक नदी का नाम ।  
 अस्तिगण्ड, (पुं.) जहाँ कपोल रता जाय ।  
 गाल का सिहाना ।  
 अस्तित, (वि.) बाजा । (स.) रागिमह ।  
 कृष्णपत्र । घुमि विरोध ।  
 अस्ति, (धी.) अस्तमूर्ध । अस्तमास । अस्त-  
 विभिन्न । न्याय शास्त्र में आद्यमसिद्धि  
 प्रकृति हेतु के तीन दोष ।  
 अस्तिर, (स.) किरन । तीर । अस्तनी ।  
 अस्तिधेनुका, (धी.) हुरी ।  
 अस्तिपत्रक, (पुं.) रथ । गणा । तलवार  
 की ग्यान । एक नरक का नाम ।  
 अस्ति, (पुं.) तह । तलवार ।  
 अस्ती, (धी.) एक नदी का नाम ।  
 अस्तु, (पुं.) स्नात । आध्यात्मिक जीवन ।  
 जल । गर्मी । प्राणादि चौर वायु ।  
 अस्तुत्त, (न.) दुःख ।  
 अस्तुधारण, (न.) जीवन ।  
 अस्तुर, (पुं.) सूर्य । एतन । देवों के विरोधी  
 देव । रात ।  
 अस्तुररिपुः, (पुं.) शिन्धु ।  
 अस्तुर्यक, (वि.) दुष्टों में दोष बतलाने  
 वाला ।  
 अस्तुर्या, (धी.) दुष्टों में दोष लगाना ।  
 ईर्ष्या । दूसरों की धरा में देख कर जलना ।  
 अस्तुर्यशपद्म्या, (धी.) राजमासाद की शिपा ।  
 इनसते की नाशियां, जिन्हें धरत तक के  
 दर्शन मिलने दुष्कर हैं ।  
 अस्तुत्त, (न.) जिसे नाशियां इधर उधर

कैदनी है अर्थात् एक । सोह । अस्तुत्त ।  
 जेतर । महत्त मह । सतारस योगों में से  
 सोलहवां योग ।  
 अस्तोचनक, (वि.) अत्यंत शिर । जिसे  
 देखने देखने मन न भरे ।  
 अस्तोत्तित, (वि.) शिपर । जो न दिखे ।  
 हट । रक्षायी ।  
 अस्तु, (पुं.) पश्चिमाचल । अस्ताचल । (पुं.)  
 चैत्रा गथा । समस्त दुष्ठा । (वि.) सुपु ।  
 लम्न का सातवां स्थान ।  
 अस्तम्, (अभ्य.) अस्तमोन । शिप जाना ।  
 नष्ट होना ।  
 अस्तमन, (न.) सूर्य आदि का न दीरना ।  
 अस्ताघ, (वि.) बहुत गहरा ।  
 अस्ताचल, (पुं.) पश्चिमाचल । वह पर्वत  
 जिस पर सूर्य अस्त होने हैं ।  
 अस्तित, (अभ्य.) है । शिपति । नियमानता ।  
 रक्षना ।  
 अस्तु, (अभ्य.) अस्तुत्त । ऐसा ही । ऐसा  
 ही तही । पीडा । अस्तुत्त । अर्थात् ।  
 अस्तुर्याम, (न.) अर्शन करना । दोषी ठह-  
 राना । (वि.) एकत्र न दुष्ठा ।  
 अस्तु, (न.) कैदनी योग्य वाद्य आदि इधिया ।  
 अस्तुत्त-आगाद, (न.) अस्त रतने का स्थान ।  
 अस्तुत्तकार ।  
 अस्तुत्तकिरस्ता, (धी.) जर्सीरी ।  
 अस्तु-विद्या-शास्त्र, (धी.न.) अस्त चलाने की  
 विद्या ।  
 अस्तुत्त, (वि.) अस्तुत्त उठाने वाला । जिसे  
 मकार का अस्त उठाने वाला ।  
 अस्तुत्त, (न.) हठी । हाथ ।  
 अस्तुत्तधन्वन्, (पुं.) शिर । महादेव ।  
 अस्तुत्तपञ्च, (पुं.) हथियों का शिपर ।  
 उठती ।  
 अस्तुत्तमालिन, (पुं.) शिर । महादेव ।  
 अस्तुत्तधिर, (वि.) शिरा रहित । वैभक्त वाला ।  
 अस्तुत्तध, (पुं.) स्ता । जो शिपन न ह ।

असक्तः, ( वि. ) कलाभित्ताप से रहित । जो किसी में सक्त न हो ।

असक्तुलः, ( वि. ) जो परस्पर विच्छेद न हो । मामादि का प्रसङ्ग मार्ग । चौड़ा मार्ग ।

असक्तान्तः, ( पुं. ) जिस चान्द्र मास में सूर्य दूसरी राशि पर नहीं जाता । मलमास । सौंद का महीना ।

असक्तथः, ( वि. ) जिसकी गिनती न हो सके । अनन्त सख्यावाला ।

असक्तः, ( पु. ) परमात्मा । महादेव । पुत्र । धन । लोभनासनान्यक्त वैराग्य । सह-विवर्जित ।

असक्ततः, ( वि. ) जो किसी से भिन्न जला न हो । अमुक्त । विच्छेद । अनुचित । गंवार । अशिष्ट ।

असक्ततिः, ( स्त्री. ) सङ्घतिविहीन । मेल का न होना ।

असक्तः, ( वि. ) असाधु । विश्वास छोड़ कर किया हुआ हेमादानादि । न्यभिचारिणी की नितना अस्तित्व न हो । मिथ्या । अनुचित । अशुद्ध । अवैष्यव ।

असक्तप्रदः, ( पु. ) न होने वाले काम में हठ । बालहठ । दुष्टप्रद ।

असक्त्यः, ( वि. ) जो सभ्य अर्थान् शिक्षित तथा शिष्ट न हो । जो किसी सभा में बैठने की योग्यता न रखता हो । लल । ध्रु । नीच । बर्बर ।

असक्तजसः, ( न. ) जो युक्तियुक्त न हो । जो ठीक न हो । अशुद्ध । अनुचित । जो बोधगम्य न हो । वादियान ।

असक्तमयः, ( पु. ) दुष्ट काल । अप्राप्त काल । कुप्रवृत्त । निपरीतकाल । प्रतिकूल समय ।

असक्तार्थः, ( पु. ) अशक्त । निर्बल । दुर्बल ।

असक्तः, ( पु. ) जो सम्बन्धयुक्त अ- न हो । आश्रितक पुत्रक

असक्तानि, ( पु. ) बेनाह । सम्बन्ध न रहित अमयः ।

असक्तमास ( पु. ) अमभूत । चतुर्षु । जो पूरा न किया गया हो । जो अर्ध होकर दिया गया हो ।

असक्तानृत्तः-कः, ( पुं. ) ब्रह्मचारी जिसका नियमपत्र काय रूप नहीं हुआ है ।

असक्तमाहारः, ( पु. ) अनभिन्न । जो विना हुआ नहीं है ।

असक्तमीश्वरः, विना विचार हुआ । अनमीश्वर-कारिणः, ( वि. ) विना विचार काम करने वाला । मूर्ख ।

असक्तप्रज्ञातः, ( पु. ) शब्द प्रमाण न देना हुआ या पहचाना हुआ । एक की समाधि । निर्विकल्प समाधि ।

असक्त्यदः, ( पु. ) जो परस्पर सम्बन्ध मुक्त न हो । बेमेल । जो अर्थ को न बतलाता हो । सम्बन्धरहित वाक्य ।

असक्त्याधः, ( पु. ) जो सङ्घर्ष न हो । प्रसन्न लोगों की भौक भाव से रहित । एकान्त । सुलाहृथा । पीडाहरित ।

असक्तभवः, ( पु. ) जो सम्भव न हो । जो न हो सके ।

असक्तमतः, ( पु. ) अनभिमत । प्रविष्ट ।

असक्तहनः, ( पु. ) शत्रु । ( न ) शमाश्रय । न सहने वाला ।

असक्तहायः, ( पु. ) सहायक रहित । जिसका कोई भिर न हो ।

असक्तधारणः, ( पु. ) जो माधारण न हो । अपूर्ण । विलक्षण । न्याय में सपक्ष और विपक्ष । दोनों में न रहनेवाला दुष्ट हेतु ।

असक्तधुः, ( पु. ) दुःख । जो साधु न हो । अशुचरित । अपभ्रश । अशुद्ध ।

असक्तार्थः, ( पु. ) जो साध्य न हो । जिस पर धरा न चले । सिद्ध न होने योग्य ।

असक्तमयिकः, ( पु. ) दुःखमय का । प्रवृत्त का ।

कारण के । कल की रचना से रहित । लल  
विना ।  
अहो (अभ्य.) शोक । कदा । विचार ।  
विवाद । सम्बोधन । निन्दा । दया । विमर्ष ।  
प्रसंगा । अयुषा । विद्वर्ष । विरहकार ।  
अहोयत्न, (अभ्य.) दया । अम । कृपा । प्रका-  
श । शोक प्रकट करने वाला सम्बोधन ।  
अहोरात्र, (न.) दिन रात ।  
अह्राय- (अभ्य.) शीम । दुःख ।  
अह्वय, अह्वयारण, (दु.) निर्वेद । अमिमांसी ।  
अट्टि, (वि.) शीघ्र । विपरी । बुद्धिमान् । कवि ।  
अट्टीक, (पुं.) एक बीज सन्ध्याती ।

### आ

आ, (अभ्य.) (१) सर्वभाषा का द्वितीय अक्षर  
तथा स्वर है ।

(२) जब केवल "आ" का प्रयोग  
किया जाता है तब इसका  
अर्थ होता है-अनुमति । हाँ ।  
सचमुच । यह अक्षर अनुसन्धा,  
दया, मान्य, समुच्चय, घोषा,  
सीमा, व्याप्ति, चरनि से और  
तक के अर्थ में भी प्रयुक्त किया  
जाता है । किन्तु जब "आ"   
किया अथवा संज्ञानाचक शब्दों  
के पूर्व लगाया जाता है, तब  
यह-समीप, सम्मुख, चारों ओर से  
आदि अर्थ को व्यक्त करता है ।  
"आ" वैदिक साहित्य में  
ससम्बन्ध शब्द के पहले-में और  
आदि अर्थव्यक्त होता है ।

आ, (पुं.) मरादेश । स्वामी ।  
आकरधनं, (कि.) बर्बाद कराना । बर्बाद होकरना ।  
आकम्पित, (वि.) क्रमशः, बँपना हुआ ।  
लौम की प्राय । घोषा कथ्य युक्त ।  
आकार्य, (कि.) बिली करतु की अरविष  
कर चलना ।

आकर्ण, (कि.) सुनना । जान देना ।  
आकर, (पुं.) समूह (श्रेष्ठ) । अश्वत्था । रत्न  
के निकलने का स्थान । स्तान ।  
आकल, (कि.) पकड़ना । धरना । वि-  
दना । देवना । बँपना । शोकना । सम-  
करना । नाचना । गिनना ।  
आकल्प, (पुं.) मूषण । शृङ्गार । परिष्कार-  
शीघरी । वृद्धि । बढ़ती ।  
आकल्प, (पुं.) शीघरी । रोग ।  
आकण, (पुं.) कसीदी । अकमक पापर । पाप-  
द्वेष । इन्द्रिय ।  
आकणक, (पुं.) काटना । विघना । कसीदी  
रखना ।  
आकर्षणी, (स्त्री.) ऊँचाई पर स्थित भूल, प-  
वनी तोड़ने की लकड़ी । बघरी ।  
आकर्षिक, (पुं.) पुम्बक नाम अक्षर-  
पापर । स्वीचने वाला ।  
आकस्मिक, (अभ्य.) अकस्मात् । ता-  
कृपा । पहिले जो न सोचा विचारा अ-  
देवा गया हो ।  
आकांक्षा, (स्त्री.) अभिलाषा । चा-  
सम्बन्ध । अभिचार ।  
आकाय, (पुं.) निवास । घर । रमरान  
घर ।  
आकार, (पुं.) मूर्ति । स्वरूप । मन-  
अभिप्राय ।  
आकारगुप्ती, (स्त्री.) अक्षरने मन के  
को गुप्त रखना । स्वरूप को छिपाना ।  
आकारण, (कि.) बुझाना ।  
आकालः, टीक समय । ने टीक समय ।  
आकालिक, (वि.) ने कसल की करतु । शी-  
घट होने वाली । (स्त्री.) दिजली ।  
आकाश, (पुं. न.) अकाश । अगन  
आसमान । घोला स्थान । पकड़ने अथ  
तन्मों में से एक तन्म । पूर्व, अ  
कारणों के देदीयमान होने का स्थान  
मम । धिद । रत्न ।



कारण के । वल की इच्छा से रहित : वल  
विना ।  
अहो, (अन्व.) शोक । वदथा । विचार ।  
विवाद । सम्बोधन । निन्दा । दया । विमर्ष ।  
प्रशंसा । अपूया । विरक्ति । विरसवार ।  
अहोवत, (अन्व.) दया । अम । कृपा । पदा-  
वत् । शोक प्रकट करने वाला सम्बोधन ।  
... (न.) दिन का ।  
अह्माय, (अन्व.) शीघ्र । द्रुत ।  
अह्मय, अह्मपाण, (पु.) निर्लज्ज । अधिमानी ।  
अदि, (वि.) मोटा । विपरी । बुद्धिमान् । कवि ।  
अदीक, (पुं.) एक बीज संख्या ।

**आ**

..(अन्व.) (१) वपेमात्रा का द्वितीय अक्षर  
तथा स्वर है ।

(२) जब वेपल " आ " का प्रयोग  
किया जाता है तब इसका  
अर्थ होता है-मनुष्य । हाँ ।  
सचमुच । यह अक्षर अनुबन्धा,  
दया, वाग, मनुष्य, घोषा,  
शीमा, म्पाति, अरुणि से अक्षर  
सक के अर्थ में भी मयुक्त किया  
जाता है । किन्तु जब " आ "   
शिया अथवा शरशाचक शब्दों  
के पूर्व लक्षणा जाता है, तब  
वह-समीर, सपुत्र, शरीर-कोर से  
अदि अर्थ को व्यक्त करता है ।  
" आ " वैदिक साहित्य में  
सामान्य शब्द के पहले-में अदि  
अर्थ अर्थवत्क होता है ।

आ, (पुं.) मादिके लक्षणी ।  
आकारधनी, (वि.) बर्ण-वदना । हीन-हिनता ।  
आकारित, (वि.) बर्णानु, बर्णना हुआ ।  
लोच को मल । लोच बर्ण पुत्र ।  
आकार्य, (वि.) शिष्ट कर्तु को कर्तव्य  
का लक्षण ।

आकार्य, (वि.) हुनता । जान देना ।  
आकर, (पुं.) समूह । भेद्य । अन्व । रभादि  
के निष्पत्ति का स्थान । तान ।  
आकन्त, (वि.) पबद्धता । धरना । विधा-  
ना । देतना । बंधन । रोकना । मर्त्य  
कला । मापना । गिनना ।  
आकल्पः, (पुं.) मृषण । गृहार । परिच्छेद ।  
बीमारी । वृद्धि । बढ़नी ।  
आकल्प, (पुं.) बीमारी । रोग ।  
आकाय, (पुं.) कसीटी । कर्मक पापर । पाप ।  
दुर्घा । इन्द्रिय ।  
आकायक, (पुं.) पाप्ना । विघना । कसीटी पर  
लतना ।

आकार्षणी, (श्री.) उवादे पर नियत पुत्र-पत्न,  
पत्नी मोचने की लक्ष्मी । ब्रह्मी ।

आकार्षिक, (पुं.) पुत्र-पत्न-आम-अपराध-  
पापर । लीने वाला ।

आकारिमक, (अन्व.) अकारण । इच्छा  
कृपा । पहिले ओं न होना विचार अथवा  
देना गया हो ।

आकार्षा, (श्री.) अनिच्छा । अक्षर ।  
सम्पत् । अनिच्छा ।

आकाय, (पुं.) निवाल । पर । इच्छान का  
अर्थ ।

आकार, (पुं.) शूनी । स्वतन्त्र । मन का  
अविचार ।

आकारवर्णी, (श्री.) काने मन के कर्ण  
का रूप लतना । सम्पत् को दिखाना ।

आकारण, (वि.) उदरान ।  
आकारणः, उं क-अप । वै उं क-अप ।

आकारणिक, (वि.) वै क-अप को कर्ण-  
अर्थ देने कर्ण । (श्री.) निरली ।

आकार, (पुं.) कर्ण । कर्ण ।  
क-अप । उं क-अप । वै उं क-अप ।

आकार्य, (वि.) शिष्ट कर्तु को कर्तव्य  
का लक्षण ।



शुक्राशुदीप, ( पुं. ) आकाशदीपक  
 अर्थात् वह दीपक जो विष्णु भगवान की  
 स्तुति के लिये कार्तिक मास में एक वली  
 पर आकाश में रात के समय लटकाया  
 जाता है ।

शुक्राशुवली, ( स्त्री. ) अमरवेल ।

शुक्राशुवारी, ( स्त्री. ) देवता की बोली ।

शुक्राशुवारी, वह वाणी जिसका बोलने  
 वाला न दीप्त पड़े ।

शुक्राशुन, शुक्राशुन्यं, ( न. ) धनहीनता ।  
 शरीर । निर्धनता ।

शुक्रार्ण, ( वि. ) म्यास । फेला हुआ ।

शुक्राशुन, ( न. ) शिकोचना । समेटना ।  
 घेने हुए को एकत्र करना ।

शुक्राशुल, ( वि. ) म्याशुल । पत्रापा हुआ ।  
 म्रम ।

शुक्राशुन, ( न. ) अनिवार । आराध ।

शुक्राशु, ( कि. ) शरीर लाना । नीचे लाना ।  
 शरीर प्रस्तुत करना । इतना । चिनीनी  
 देना । शोध करना । किमी से कोई वस्तु  
 हटाना ।

शुक्राशुति, ( स्त्री. ) आशुति । शक्ति । शक्ति ।  
 देह । शक्ति ।

शुक्राशुतिपुत्रा, ( स्त्री. ) शीतल नाम की एक  
 पुत्रा ।

शुक्राशुचरा, ( स्त्री. ) शक्ति विधि । शक्ति  
 पुत्रा, शक्ति पुत्रा ।

शुक्राशुचर, ( शब्द. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुच, ( कि. ) देना । दान करना ।  
 देना । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 ( न. ) शक्ति । शक्ति का उपस्थिति ।  
 शक्ति । शक्ति । शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 शक्ति । शक्ति । शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 शक्ति को शक्तिपत्नी का शक्तिपत्नी है ।

शुक्राशुच, ( पुं. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुच, ( न. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुच, ( पुं. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुच, ( पुं. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुचतिक, ( न. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुचण, ( न. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुचणिक, ( पुं. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुचण, ( पुं. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुच, ( कि. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुच, ( पुं. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुच, ( कि. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुच, ( पुं. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुच, ( पुं. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुच-शु, शक्तिपत्नी का शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुच, ( पुं. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुचण, ( न. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुचण, ( पुं. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुचणिक, ( पुं. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुचण, ( पुं. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

शुक्राशुचण, ( न. ) शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।  
 शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी । शक्तिपत्नी ।

आसु, (पु.) मूँसा । चौर । घुम । घुघर ।  
 आसुकर्षी, (स्त्री.) मूँसे के काग जिसे पते वाली उन्दकारवा नामक एक वेल ।  
 आसुग, (पुं.) शूरावाहन । गघरि । गघेरा ।  
 आसुसुम्, (पु.) निहा । निलीया ।  
 आसुधिपहा, (स्त्री.) देवताक वृष जो मूँसे के रेश को दूर करता है । देवताकी लडा । वनरात्रि विशेष ।  
 आखेट, (पुं.) मृगया । शिकार । घटेर ।  
 आखेटिक, (पु.) शिकारी । घातेर करने वाला । मयानक । बराने वाला ।  
 आखोट, (पुं.) बरतेर का वृष ।  
 आख्या, (स्त्री.) संज्ञा । नाम । जिससे प्रसिद्ध हो ।  
 आख्याय, (वि.) बहने वाला । पढ़ाये वाला । उपदेशक ।  
 आख्यान, (न.) उपाख्यान । कथा । कथा कहानी । प्रसिद्ध इतिहास । बोलना । समझना ।  
 आषपायिका, (स्त्री.) प्रसिद्ध कहानी । गघरघरी कथा । जैसे "हर्षकथित" या, "कादम्बी" ।  
 आगत, (वि.) आया हुआ । उपदिष्ट । निवृत्त ।  
 आगन्तु, (वि.) आगिनि । आगवन्तः । आगिनि कहने वाला । आया हुआ ।  
 आगम, (न.पुं.) उपदेश । वेदादि ग्रन्थ । आना । इतिहास करने को लिख करने वाला । स्वरूप । शिष्टी के हार से आना, शर्षी के हार से बराने, आगिनि शिष्टु ने आया बराने आदय हुआ । बराने "आगं शिष्टुदेवो बराने शिष्टुदेवो । बराने बराने बराने बराने बराने ॥"  
 आगहा, (पुं.) अघात ।  
 आगलित, (वि.) टांग । उरण । हु ली । कथित ।

आगघान, (वि.) बराने मृत्यु जो मृत्युति के समय तक कार्य में लगाने दे ।  
 आगार, (न.) आराध । वृक । पात । मूल । दरद ।  
 आगस्ती, (स्त्री.) दक्षिण दिशा ।  
 आगाध, (पुं.) बहुत गहरा । अघाह ।  
 आगाद, (न.) घात । शिवा हुआ स्थान ।  
 आगुर, (कि.) स्वीकार करना । सम्मन होना । प्रतिज्ञा करना ।  
 आगू, (स्त्री.) बराने बराने दे-उपका कर्षीकार करना । मानना ।  
 आगै, (कि.) कर्षित आग पाता ।  
 आग्नार्पाण्य, (पुं.) अग्नि अर्पण हुआ सम्बन्धी ।  
 आग्नीध, (पुं.) होय करनेवाला मर मर बरोद्धक माहात्म विषय का उपक पुत्र ।  
 आग्नेय, (न.) अग्नि देवता काका । जिसका अग्नि देवता हो । उपदेश । सोना । धातु । लाने । अग्निपुराण । आग काका । एक नगर । अगस्त्य मुनि ।  
 आग्नेयी, (स्त्री.) पूर्व और दक्षिण के बीच वाली दिशा । अग्नि की पक्षी बराना । प्रीयदा विधि । अग्निदेव का मन्त्र ।  
 आग्न्याधानिकी, (स्त्री.) दक्षिण दिशा । जो बराने को ही जानी है ।  
 आगयण, (न.) एक प्रकार का दक्ष जो नरा का बराना बराने बराने बराने के पूर्व विद्या काका है । अग्नि का स्वरूप । नरा काका ।  
 आगहायिक, (पुं.) शर्षीय का काका । शर्षीय काका कहिये ।  
 आगहायटी, (स्त्री.) शर्षीय नर का शर्षीय शर्षीय । शर्षीय शर्षीय शर्षीय शर्षीय ।  
 आगहायिक, (पुं.) शिष्टु के बराने बराने बराने बराने बराने । बराने बराने बराने बराने ।  
 ..) बराने बराने । बराने बराने

अग्नाभारे का वृक्ष ( कि. ) मारना ।  
छूना ।

आघात, ( पु. ) आइना । चोट । मारने  
का स्थान । बधस्थान । कत्तारखाना ।

आघार, ( पुं. ) धी । मत्र विशेष से किसी  
विशेष देव को पुत्र प्रदान ।

आभूषित, ( नि. ) शिलाया इलाया हुआ ।

आभू, ( कि. ) उड़लना । दिङ्कना ।

आभूषि, ( नि. ) गमी से चमकने वाला ।  
प्रकारमान । अधिक धन वाला । सूर्य ।

आघ्रा, ( कि. ) सूँघना ।

आघ्रातण, ( नि. ) सूँघा हुआ । छुआ हुआ ।  
दबाया हुआ । लौंघा हुआ ।

आह्निक, ( नि. ) भागों को प्रकारा करने  
वाला । भीषा बदाव उतार । मृदङ्ग नागा ।  
राशिर सम्बन्धी ।

आह्निरस्त, ( पुं. ) अन्निरा के पुत्र बृहस्पति ।

आह्नप, ( पुं. ) प्रसंगा । एव ।

आव्यक्ष, ( कि. ) बोलना । कहना । शिक्षा  
देना ।

आव्यमन, ( न. ) अभिर्भक्ति जल यान ।  
सुल आदि का धोना । उपोषण । विहित  
कर्म के पूर्व देवगुदि के रथे तीन बार  
दक्षिण इधेडी पर रत कर जल पीना ।

आव्यमनक, ( न. ) आव्यमन का जल ।  
पीकदान । उगलदान ।

आव्यमनीय, ( न. ) ईर धोने या कुहा  
करने योग्य जल ।

आवायः, ( पु. ) एक करना । ( स. )  
देर । गति ।

आवाय, ( वि. ) व्यवहार करना । आवाय  
रामा । आव्यमन करना । समीप आना ।  
पुनः । चिन्ता । व्यवहार करना । मरुच  
कर करना ।

( पु. ) अर्थ । आवाय । मरु  
इत्यादि अर्थवाला हुआ  
कर्म ।

आचार्य, ( पुं. ) आचार्य संज्ञा उस पुत्र  
की है जो अपने शिष्य का यशोपवीत  
संस्कार कर के कल्प और उपनिषद् सहित  
वेदाध्ययन करावे । जो किसी सम्प्रदाय  
को स्थापन करते हैं वे भी आचार्य कहलाते  
हैं जैसे शङ्कराचार्य । श्रीरामानुजाचार्य  
प्रभृति । आचार्य की स्त्री "आचार्यानी"  
कहलाती है ।

आचार्यक, ( पु. ) आचार्य पना । आचार्य  
के करने योग्य काम ।

आचि, ( कि. ) एक करना । बँधेरना ।  
देर लगाना । जमा करना । संग्रह करना ।  
लादना । टकना ।

आचित, ( पुं. ) सगृहीत । एक किया हुआ ।  
कैला हुआ । ( स. ) वाक्य । वचन । एक  
रथ का बशन अर्थात् पचीस मन ।

आच्छुभ्र, ( नि. ) टका हुआ । घुँदा हुआ ।  
रता हुआ ।

आच्छाद, ( पु. ) बस । कपड़ा ।

आच्छादन, ( न. ) कपड़ा । परदा । गिलाह ।  
उदोना । चाँगा ।

आच्छुभ्र, ( नि. ) बलपूर्वक पकड़ा गया ।  
बाटा गया । लोया हुआ ।

आच्छुभ्रित, ( न. ) जोर से हैसना । शिला  
सिला कर हैसना । नलों का घिसना ।

आच्छुभ्रोटनं, ( कि. ) उद्विष्टो बटकाना ।

आच्छुभ्रोटनं, ( न. ) आलेट । शिकार ।

आजनिः, ( सी. ) हँकने की लक्ष्मी ।

आज, ( कि. ) आना । बच्चे से उगम या  
बच्चे से सम्बन्ध युक्त । फेंकना ।

आजकं, ( न. ) बच्चियों का गुहा ।  
भुयः ।

आजकारा, ( पुं. ) शिष्या का गौरव ।

आजगर्भ, ( न. ) शिष्यगुण या शिष्यगुण  
के समान एक भुयः ।

आजन, ( कि. ) उगम होना । जन्म मरण  
करना ।

आजपनं, ( न. ) हमजा करना । आक्रमण करना ।

आजानु, ( न. ) सुदनों तक ।

आजि, ( स्त्री. ) समरभूमि । रक्षकणी । लहारां की जगह । गादी । गिरजा । ( कि. ) जीतना । पाना । अधिभूत करना ।

आजिर, ( न. ) आंगन के पास वाला ।

आजीय, ( पुं. ) आजीविका । जीने का साधन ।

आजीविका, ( स्त्री. ) ( देखो आजीव । )

आजू-आज़ु, ( स्त्री. ) किना बेतन के पास करने वाला । नरकामी ।

आझा, ( स्त्री. ) अनुमति । हुजय । निर्देश । आदेश । अधोनिष्ठ प्रसिद्ध सान से २० का रचान । ( नि. ) जानना । सम्भजना ।

शीतना । किसी बात का ज्ञान प्राप्त करना । शीत करना । होना ।

आज्यं, ( न. ) धी । भूत ।

आज्यभाग, ( पुं. ) भाग्य का भाग । इाम । आरति के लिये धी ।

आजनेय, ( पुं. ) अज्ञानीगर्भरूपत धी इतवानभी ।

आटविका, ( न. ) बनरागा । बनेला ।

आटोप, ( पुं. ) अट्टहास । आठगहर । बैग बाधु से उपपन्न उद्देशोप ।

आठम्बर, ( पुं. ) अट्टहर । अट्टहास । बाजे की आवाज । आठम । दिवापर । अंध । इसे । आषिदी की विराय । बालक की दाम । वलक । कुट मेरी । कुट की कप ।

आटक, ( पुं. न. ) आगे ओर से दल अट्टम का भाग । आठ भाग धीविक । अंग है । अठम का दण ।

आही, ( स्त्री. ) अज्ञानीगर्भरूपत का अण । आह की दण । अचवर विती ।

प, ( वि. ) हुन । अिदिन । अिदिन ।

आ ५१ ।

आगुक, ( पुं ) नीच । अंग । दुष्ट ।

आगिः, ( पुं ) हन के पहिचे की आगे कील । नाह । नीमा । बाना ।

आगड, ( वि. ) अगरे म उगण । अट्टहास ।

आत, ( वि. ) बल । दुष्य ।

आतड, ( वि. ) हाण । हाणव । हा टेट । हाण का शब्द । मग । डा । मड । पीटा ।

आतथुन, ( न. ) बग । मग्य करना । बध । ( त ) नाश । उपट्टक । अिदि । अिदि ।

आतनायिन, ( पुं ) अट्टहास । अट्टहास । उठाका मध बनन का टट्टण । आतनाटी । द मडा । अ पापी हाण है । आत लणान बल । विष । अिदि ।

आतप, ( पुं ) पाय । का अट्टहास । अट्टहास । अट्टहास की अट्टहास । अट्टहास ।

आतपम, ( न ) अट्टहास । अट्टहास । अट्टहास ।

आतर, ( पुं. ) मती अट्टहास । अट्टहास ।

आतापि, ( पुं ) अट्टहास । अट्टहास ।

आतापिक, ( वि. ) अट्टहास ।

आतापिन्, ( पुं ) अट्टहास ।

आतिधेय, ( न ) अट्टहास ।

आतिधय, ( न ) अट्टहास ।

आतियाटक, ( वि. ) अट्टहास ।

आतुन, ( पुं ) अट्टहास ।

आतोप, ( न. ) अट्टहास ।

आतमाध, ( वि. ) अट्टहास ।

आतमाध, ( वि. ) अट्टहास ।

आत्मघातिन्, ( वि. ) जो वृथा ही जल में डूब कर अपनी अग्नि में जल कर अपने प्राण गँवावे । आत्मघाती । अपनी हत्या करने वाला ।

आत्मघोष, ( पु. ) स्वयं अपने को बुलाने वाला । वीणा । कुक्कुर ।

आत्मज, ( पुं. ) स्वयं उत्पन्न होने वाला अथवा अपने से उत्पन्न वाला अर्थात् पुत्र । यथा—“ आत्मा वै जायते पुत्रः । ” आत्मन्या का प्रयोग भी इसी अर्थ में होता है । लड़की । कन्या । मन से उत्पन्न हुई बुद्धि ।

आत्मदर्श, ( पु ) दर्पण । शीरा । आरती । नटा ।

आत्मन्, ( पुं. ) आत्मा । प्राण । परमात्मा । मन । बुद्धि । मनन शक्ति । मूर्ति । पुत्र “आत्मा वै पुत्रनामाप्ति” । स्वरूप । यम । देह । वृत्ति । सूर्य । अग्नि । वायु । जीव । मन्त्र ।

आत्मवाग्धय, ( पुं. ) अपने भाई बन्धु । मौली के लड़के, पुष्पा के लड़के, मंषरे भाई—ये सब अपने बन्धु हैं ।

आत्मम्, ( पु. ) जो मन से अथवा देह से उत्पन्न होता है । मन्त्र । कामदेव ।

आत्मनीन, ( वि. ) अपना । पुत्र । साला । विद्वान् । अपना दिव चाहने वाला । स्वहितकारी ।

आत्मनेपद, ( न. ) अपने लिये पद । लङ्कृत म्प्रत्यय में दो पद वाली धातुएँ होती हैं—एक आत्मनेपद की दूसरी कर्मपद की ।

आत्मभक्ति, ( वि. ) वेद । अपना ही वेद मानने वाला । साधु । शोभी । साधु । अपना ही कर्म करने वाला ।

नि, ( पु. ) निष्ठ । शिव । मन्त्र ।

निष्ठ, ( पु. ) निष्ठ । शिव । मन्त्र ।  
निष्ठ, ( पु. ) निष्ठ । शिव । मन्त्र ।  
निष्ठ, ( पु. ) निष्ठ । शिव । मन्त्र ।

आत्मा न तो कर्ता है, न भोक्ता है और न स्वयं प्रभु है, किन्तु जो इसे कर्ता भोक्ता आदि माने । जिसे यथार्थ ध्यानमान नहीं है । मूर्ख । अज्ञानी । धामधारी । अपने को मानने वाला मतुष्य ।

आत्माधीन, ( पुं. ) अपने बरा । अपने अधीन । पुत्र । साला । प्राणाधय ।

आत्माधय, ( पुं. ) अपना आश्रय लेने वाला । तर्क का एक दोष अर्थात् विवेक अपनी प्रवेश धाम ही ही ।

आत्मसात्, ( अव्य. ) अपने बरा में । ( कि. ) डूब जाना । दूसरे का घन बिना धनी की अनुमति के अपने काम में ले आना ।

आत्मीय, ( वि. ) अपना अपना सम्बन्धी ।

आत्म्य, ( वि. ) अपना । व्यक्तिगत । निज का ।

आत्मन्तिक, ( वि. ) अनन्त । अविनाश्यायी । अनिनाशी । बहुव । अतिशय ।

आत्म्यधिक, ( वि. ) नाराजारी । उपदरी । अभागा । कष्टदायी । शीघ्र नाराज । विलम्ब न सहने वाला । असाधारण । विरोध ।

आग्नेय, ( पुं. ) अग्नि मुनि का सन्तान । शरीर सम्बन्धी रस धातु । अग्नि वंशोद्भूत । शिव जी का नाम । एक नदी का नाम जो उत्तर में है ।

आग्नेयी, ( स्त्री. ) रत्नलला स्त्री । अनुषी स्त्री । निष्ठा नाम की एक नदी । अग्नि मुनि की माया ।

आग्नेय, ( पुं. ) वेद जो अर्ध सुनि की विज्ञा । जो अर्धवेद को जानता ही । अर्ध वेदविदित अमिचार आदि धर्म । अर्ध वेद के अनुसार किता करने वाला पुरोहित ।

आद्द, ( पुं. ) सम्मान । अविज्ञा ।

आद्द, ( पुं. ) दर्शन । वडा । दीवा । प्रीत्य । मानवी । पुण्ड्र ।

आद्द, ( न. ) प्रत्य अपना । सेना । बंदे के रहने ।

आदि, ( पु. ) प्रथम । कारण । निवृत्त ।  
प्रकार । भाव । प्रधान ।

आदिकावि, ( पुं. ) महा धीर कल्पनाकि कृति ।

आदितेय, ( पुं. ) अदितिके सन्तान अर्थात्  
देवता ।

आदित्य, ( पु. ) सूर्य । देवता । अक्षर का  
वृक्ष । सूर्यमण्डल में रहने वाले सूर्य ।  
आदित्य बारह हैं । पूर्ववत् नक्षत्र ।

आदित्यमन्त्र, ( उ. ) सूर्य का पुत्र, समर्थ ।  
सपत्न्य । शक्ति । मातृशब्दनाम मन्त्र ।  
वैश्वानर मन्त्र । अर्थे सामक शक्ति ।

आदिदेव, ( उ. ) प्रथम श्रीवा हरते वाग्देव ।  
आत ही प्रकाशमान । जगत्पति ।

आदिपुरुष, ( पु. ) पहले शक्ति में रहने  
वाला । सारे जगत् की आत ही सूर्य के  
वाला । द्विरव्ययम् । नारायण ।

आदिम, ( नि. ) पहले हुआ । आदि का ।  
पहला ।

आदियाराह, ( पु. ) विष्णु । हस्तिरे सब से  
पहले नारायण में अन्तर्गत कारण किया था ।

आदिष्ट, ( न. ) आज्ञा । हुक्म । आदेश ।

आदीनय, ( उ. ) देव । अन्नदण्ड । हुक्म ।  
हुंम । निशे बरा में लागू कठिन है ।

आदण, ( पु. ) आदण किया हुआ । पूजा हुआ ।

आदेश, ( पु. ) निर्देश । आज्ञा । हुक्म ।

आदिष्ट, ( पु. ) प्रथम से आने वाला  
सि कइनाई कि "मेरा हस्तपादन कावर्षी  
करी बंजिसे ।"

आद्य, ( नि. ) पहले हुआ । प्रथम का ।

आप्लव, ( नि. ) आदि रूप । शिवाका का  
राम न हो । अष्ट । अष्टात्वा । अष्टात्वा ।

आप्लव, ( उ. ) प्रथम । अष्ट ।

आप्लव, ( उ. ) सारे का बरा हुआ ।

आप्लव, ( न. ) अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।  
किया गया । निम्न । अष्ट ।  
किया गया है । अष्ट । अष्ट ।  
गया है ।

आप्लव, ( न. ) अष्ट । अष्ट ।  
रक्षण । अष्ट ।

आप्लव, आप्लव । आप्लव । अष्ट ।  
अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( उ. ) अष्ट । अष्ट ।  
अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( न. ) अष्ट । अष्ट ।  
अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।  
अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।  
अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।  
अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।  
अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।  
अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।  
अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।  
अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।  
अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।  
अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।  
अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।  
अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।  
अष्ट । अष्ट । अष्ट ।

आप्लव, ( नि. ) अष्ट । अष्ट ।

दूतरी वस्तु, जैसे लोहे में दूध। यही दूध  
 धधिये और लोहा आधार है।  
**श्याधोरण**, (पुं.) हाथी के चलने की विज  
 में पद। महावन। इतिपद।  
**श्याधमात**, (त्रि.) फूंकना। फूंक कर कुमाना।  
 हवा या फूंक से मारना। शब्द।  
**श्याधमान**, (पुं.) सुहार की धीकनी। फूलना।  
 बढ़ना। वायु की बीमारी।  
**श्याध्यात्मिक**, (त्रि.) मोह। नशादि  
 शारीरिक केरा। शोक। दुःख।  
**श्याध्यान**, (न.) चिन्ता। सोच। क्रिक।  
 उरक्यता। सोरक्यत्र। स्मरण। बड़ी उरक्यता  
 के साथ किसी को स्मरण करना।  
**श्याध्वनिक**, (त्रि.) यात्रा। यात्रा करने  
 वाला। यात्रा करने में शत्रु।  
**श्याध्वरिफ**, (त्रि.) यज्ञ कराना जानने वाला  
 पुरोहित। सोमयज्ञ का विधान बतलाने  
 वाला ग्रन्थ।  
**श्याध्वर्यव**, यज्ञ में श्वर्षु का करने वाला।  
 यज्ञवेद जानने वाला।  
**श्याध**, (पुं.) सुख। हँस। नाक। भीतर के  
 वायु का नाक होकर बाहिर निकलना।  
 स्वास लेना।  
**श्याधक**, (पुं) मारू नाम। लहार् का  
 नाम। बड़ा डोल। मृदह। गरजने वाला  
 बादल। उल्लाही।  
**श्याधकदुन्दुभिः**, (पुं.) बसुदेव का नाम।  
 भीकृन्ध के पिता। त्रफा डोल।  
**श्याधत्**, (त्रि.) प्रणम करने वाला। निम्न  
 झल। निनम। दिर्दार।  
**श्याधति**, (स्त्री.) सन्तोष। नम्रता। (कि.)  
 झुकना। नीचा होना। आतिथ्य करना।  
 सम्मान करना।  
 (न.) शर्माप्लादिग नाम। धाम  
 श्याध नाम। शर्मा मृदह।  
 डोलक। (कि.) केशों  
 का हवा। फेला हवा।

बैसा हवा। परिन्दद धाम बना।  
 यही पर महनों का उल्लेख।  
**श्याधनेन**, (न.) मूँद। मूल नाम। श्याधनेन।  
 परिन्दे। श्याध।  
**श्याधनन्तयै**, (न) श्यन्त। श्यन्त। सपीत।  
 निकट। पाम।  
**श्याधनन्त्य**, (न.) श्याधन। श्यन्त।  
 श्यन्त्यन्त। श्यन्तिनी। श्यन्त्यन्त।  
 श्याधनन्त। श्यन्त। परतोड। शर्मा।  
 मारी सुग।  
**श्याधनन्द**, (पुं.) प्रमत्तता। हर्ष। सुख। प्रसन्न।  
 श्याधनन्द नाम। शिर। विन्दु। बुद्धे के  
 एक श्वेते मारै और उनके एक शत्रुघापी  
 का नाम जिसने शत्रुओं का समूह किया था।  
**श्याधनन्दन**, (न.) श्याधने जाने के समय कुराव पूर  
 कर, श्याधन उल्लेख करना। श्याधने जाने  
 समय शत्रुओं से मिलना। प्रसन्न करने  
 वाला। श्याधन उपमाने वाला।  
**श्याधनन्दमय**, (पुं.) वेदान्तात्सार सुषुति का  
 साथी प्राप्त जीव। सुख से पूर्ण। शरीर  
 के पाँच कोषों में से एक कोष।  
**श्याधनन्दार्णव**, (पुं.) श्याधन का समुद्र।  
 शर्मा परमाना। ज्योतिष में यात्रा समूह  
 का समूह विशेष।  
**श्याधनन्दिन्**, (पुं.) हर्ष, कौतुक, प्रसन्नता,  
 श्याधन से युक्त।  
**श्याधनपत्यं**, (सं.) असन्तानत्व। शत्रुत्व।  
**श्याधनम्**, (कि.) झुकना। प्रणाम करना।  
 नमना।  
**श्याधनते**, (पुं.) नाचपर। श्यन्त। रत्न।  
 जल। श्याध के शर्मा का शान्त शर्मा  
 काठियावाड। पुन। लहार्। श्यन्तरी।  
 एक राजा का नाम।  
**श्याधनाथ**, (पुं.) शाल। श्योपवति संस्कार।  
 जनेऊ धारण करना।  
**श्याधनथ**, (पुं.) मानवी। दयालु। मानव।  
 विदेशी जन।

मन्त्रिणः कदाचिद	श्यामय, (पु.) रोग । शिथिले रोग उत्पन्न हो ।
धन करना । कान-	श्यामयापिन्, (पु.) रोगपुरुष । रोधी ।
। मोरने शोचना ।	श्यामर्शन, (न.) सूना । रस्ती करना ।
कानधीन । परस्पर	श्यामर्षे, (पु.) शोध । रोग ।
रगना । द्वापना ।	श्यामल्लङ्घ-की, (पु.) वायव्य दृष्टि । शोचना ।
। (रती.) शयनक ।	श्यामने का पेड़ । श्यामने का कण ।
रम्भ । प्रकाशक भी	श्यामाशुय, (पु.) नाभि और स्तनों के
। सादर्य । समानता ।	मध्य का भाग । अर्थात् श्यान । न पकने
। गड वा बारह देवगण ।	का रसात । कधी जगह ।
म सम्बन्धी । जन्मकाल	श्यामिशा, (गी.) कटा हुआ दूध । खाना ।
भी । सुधीन ।	श्यामिष, (न पु.) मांस । खाने । पीने
) शैलीन्य पाण्डित्य ।	और पढ़ने की वस्तु । घूम । सुन्दरता ।
। शब्द ।	घनि लोभ । लाभ । कामदेव का गुण ।
) शब्द । नाम । वर्ण ।	भोजन । विषय । निरर्थक । जन्मदिन
। शब्द होना । पुनः पुनः	का फल ।
। शब्द । देश भेद	श्यामुक्त, (वि.) धंसा गया । पहिने हुए ।
। शब्द । शान्त	सजा हुआ । कवच धारण किये हुए पुरुष ।
। शब्द । शान्त	श्यामुर, (न.) श्याम । नाटकीय प्रस्तावना ।
। शब्द । शान्त	नर्तक । श्याम । विद्वान् श्रेष्ठ परिचारक
। शब्द । शान्त	की परम्परा वह बातचीत जिसमें मजिब
। शब्द । शान्त	नामकी कथा शामिल ।
। शब्द । शान्त	श्यामुष्मिक (वि.) परलेक भेद होने वाली
। शब्द । शान्त	बात । शब्दों जन्म की वजह ।
। शब्द । शान्त	श्यामुष्मिक, (वि.) शब्दों के कारण
। शब्द । शान्त	शब्दों के कारण शक्तिविधायक
। शब्द । शान्त	पुरुष का सन्तान । सन्तानों का पुत्र ।
। शब्द । शान्त	श्यामुद्, (पु.) शयमान । हर्ष । प्रसन्नता ।
। शब्द । शान्त	श्यामुदिन् (वि.) चित्त प्रसन्न करने वाला
। शब्द । शान्त	कर्मों का प्रदायक । सुपुत्र ।
। शब्द । शान्त	श्याप्राय, (पु.) वेद । शान्त । नियम ।
। शब्द । शान्त	शुद्धरूपता से प्राप्त उपदेश । कुल की
। शब्द । शान्त	रीति भाँति । जातीय काल ।
। शब्द । शान्त	श्यामिषकेयः, (पु.) श्याम-य का कानकेय
। शब्द । शान्त	का नाम ।
। शब्द । शान्त	श्याम्भल, (पु.) शान्त । समीप ।
। शब्द । शान्त	श्याम्भलिक, (वि.) शान्त ।



आपस्कार, ( पुं. ) वृष या शरीर का धड़ ।  
 आपस्नम्भ, ( पुं. ) धर्मशास्त्र सम्बन्धी  
 मूर्तों के रचयिता एक मुनि ।  
 आपस्तम्भिनी, ( स्त्री. ) पानी को रोकने  
 वाली । तिग्गिनी नाम की एक लता ।  
 आपात, ( पुं. ) अना । तन्दूर । राग्या ।  
 ( कि. ) महामा गिग्ना ।  
 आपाततः, ( अन्व. ) अतुना । अभी ।  
 भट । विना । शीघ्र ।  
 आपान, ( न. ) वह स्थान जहाँ लोग एका  
 ही मदिग पान करें । शक । मशरों की  
 मण्डली ।  
 आपिञ्जर, ( न. ) थोड़ा थोड़ा लागू सोना ।  
 आपीष्ट, ( न. ) मीनदूध । भिरे का भूषण ।  
 ( वि. ) दसाहा । निवोडना । तद्र करना ।  
 आपीत, ( न. ) हृद हृद पीना । थोड़ा  
 पं सा विना हुआ । सेनामन्त्री ।  
 आपीत, ( न. ) हृद । हुआ । रनाग थोड़ा  
 मेषा ।  
 आपूपिक, ( पुं. ) दूध का मँडो पृथी बनाने  
 वाला । पुधा मणी का आदी । पुधा बेवने  
 पत्त । मन्थर ।  
 आपूप्य, ( पुं. ) मणु । निरिवा हुआ आधा ।  
 नि-मे-दूधा बनाने वाले ।  
 आपोतमिर्म, ( न. ) मन्मथ । मन्मथी, छडति,  
 मन्मथी । मन्मथी मन्मथी ।  
 आपुष्ट, ( म. ) आपुष्ट । मन्मथी । नि-  
 मन्मथी । मन्मथी ।  
 आपुष्ट, ( वि. ) निरिवा । निरिवा के मन्मथ ।  
 मन्मथ । मन्मथ । मन्मथ । मन्मथ ।  
 आपुष्ट, ( वि. ) मन्मथी । मन्मथी । मन्मथी ।  
 मन्मथी । मन्मथी । मन्मथी । मन्मथी ।

आप्यायन, ( न. ) वृष्टि । मीनि । तहडी ।  
 सुरी । प्रस्तन करना ।  
 आप्रदिवं, ( अन्व. ) सूर्य ।  
 आप्रपदं, ( अन्व. ) पाँच तक । एक प्रकार  
 की पोशाक जो पैंर तक लम्बी हो । पाँच  
 तक पहुँचने वाला ।  
 आप्रपदीन, ( वि. ) पाँचों तक लटकने वाला  
 वस्त्र । "आप्रपदिन " भी इसी अर्थ में  
 प्रयुक्त होता है ।  
 आप्र, ( कि. ) वृद्धता । गच्छना । उद्वलना ।  
 नहाना । धोना । डुबकी मारना । पानी  
 के डूबे में डूब जाना ।  
 आप्रत, ( वि. ) स्नान किया हुआ । नहाना  
 हुआ ।  
 आप्रयन, ( पुं. ) वेद पढ़ा हुआ । मन्मथी-  
 भेद जो गृहस्थाश्रम में नहीं है । रनातक का  
 को पूरा करके घरमें आया हुआ । मन्मथ ।  
 आप्यन्, ( पुं. ) पान । वायु ।  
 आप्या, ( स्त्री. ) मन्मथ ।  
 आप्रकं, ( म. ) मन्मथी । मन्मथी ।  
 आप्रंध, ( कि. ) मन्मथी । बनाना । विप-  
 टाना । मन्मथी से पकड़ना ।  
 आप्रह्यं, ( म. ) निरिवा । मन्मथी ।  
 आप्रध, ( कि. ) मन्मथी । मन्मथी ।  
 विदाता ।  
 आप्रधः, ( पुं. ) मन्मथ । मन्मथ । मन्मथी ।  
 आप्रध, ( पुं. ) मन्मथी । मन्मथी ।  
 आप्रध, ( न. ) मन्मथी । मन्मथी । मन्मथी ।  
 मन्मथी । मन्मथी । मन्मथी । मन्मथी ।  
 आप्रध, ( न. ) मन्मथी । मन्मथी ।  
 आप्रध, ( न. ) मन्मथी । मन्मथी ।  
 आप्रध, ( न. ) मन्मथी । मन्मथी ।  
 आप्रध, ( न. ) मन्मथी । मन्मथी ।

आभासाक, ( स. ) एक प्रचलित क्रावण या लोकोक्ति ।

आभासू, ( कि. ) सम्बोधन करना । बाव-  
धीन करना । नाम लेना । जोर से बोलना ।

आभासण, ( न. ) बावधीन । परस्पर  
कथोपकथन ।

आभास, ( पुं. ) भ्रमकला । दीतना ।  
घमस्य प्रतीत होना । ( स्त्री. ) भ्रमक ।  
दीप्ति । प्रभा । प्रतिदिम्ब । मन्धारण की  
प्रस्तावना । भूमिफल । सादर्य । समानता ।

आभास्यर, ( पुं. ) शीतल वा बारह देवगण ।

आभिजन, ( पुं. ) जन्म सम्बन्धो । जन्मकाल  
में किया गया सम्बन्धी । कुलीन ।

आभिजात्य, ( न. ) बौलीन्य पाधिक्य ।  
चतुर्गर् । अर्थः समस्त ।

आभिर्त्ती, ( स्त्री. ) शम्भ । नाम । पर्वण ।

आर्भक्ष्य, ( न. ) बारबार होना । पुनः पुन ।

आर्भार, ( पु. ) गौरव । गाल । देश भेद  
( स्त्री. ) गौरी । अहीनि । साम्प्र  
रिक्त अर्भार अर्भार जाति की स्त्री से  
उत्पन्न जाति ।

आर्भारपत्नी, ( स्त्री. ) अहीने के गौरव ।

आर्भाल, ( न. ) भयानक । भयदूर ।  
द्वारना । शोड । शारीरिक श्रेष्ठ ।

आर्भार, ( पुं. ) मोक्ष । हिन्दू । गोलार्ध ।  
परिपूर्णता । मान की कमलि ।

आर्भ्युदधिक, ( रि. ) पूरा भदि । दुम  
कर्मों की वृद्धि के लिये कष्ट । धा देने  
वाला । आनन्द वा आनन्द ।

आम्भ, ( रि. ) कथा । अथवा । दुर्बल मयक  
सेव ।

आम्भान्ध, ( न. ) बर्धमान जैनी मण्डितकाल ।  
विज्ञा के पुत्र की कवि ।

आम्भारय, ( न. ) दुर्ग वा काल । दुर्ग ।  
गोक । पीला ।

आम्भारण, ( न. ) अन्धकार ।  
दुर्गम । काल ।

आम्भय, ( पु. ) रोग । त्रिभजे रोग उग्रम हो ।

आम्भयायिन्, ( पु. ) रोगपुत्र । रोगी ।

आम्भर्शन, ( न. ) छुना । स्पर्श करना ।  
विचारना ।

आम्भर्ष, ( पु. ) शोध । रोग ।

आम्भलक-की, ( पु. ) यासक पुत्र । शोधना ।  
शोधने का वेद । शोधने का फल ।

आम्भार्य, ( पु. ) नामि शोध स्तनी व  
मध्य का भाग । अथवा । न पकने  
का स्थान । कधी जगह ।

आम्भिक्षा, ( स्त्री. ) कटा हुआ दूध । क्षान्त ।

आम्भिय, ( न. पु. ) माम । खाने । पी,  
धीर परानने की क्षमता ।  
यनि लोभ । लाभ । वासना ।  
भोजन । विषय । निबन्ध ।  
का फल ।

आम्भुज, ( रि. ) लंका गया । पवित्र हुए ।  
सत्ता हुआ । कटक धारण किये हुए पुत्र ।

आम्भुर, ( न. ) आम्भ । नाशक प्ररक्षण ।  
नदी । दुर्गधार विद्वान् अर्भार पतिवारिक  
की परस्पर बह बावधीन त्रिभजे अर्भार  
नाशक कथा आजाय ।

आम्भुरिभक्त, ( रि. ) परलोक में होने वाली  
बात । अर्भार जन्म की कथा ।

आम्भुप्रायण, ( रि. ) अर्भार का के कण्ठ  
अथवा अर्भार कर्मों द्वारा प्रसिद्धिपण  
पुत्र का सान । मन्त्र पुत्र का पुत्र ।

आम्भोद, ( पु. ) अर्भार । हर्ष । अर्भार ।

आम्भोदिन्, ( रि. ) कित्त का काले वन  
कर्मों की कथा । अर्भार ।

आम्भार्य, ( पु. ) वेद । कर्म । अर्भार ।  
दुर्गमना से अर्भार अर्भार । पुत्र की  
दीप्ति अर्भार । अर्भार का अर्भार ।

आम्भारिक्य, ( पु. ) पुत्र । अर्भार ।  
का अर्भार ।

आम्भार, ( पु. ) अर्भार । अर्भार ।

आम्भार, ( पु. ) अर्भार । अर्भार ।

आम्भार, ( पु. ) अर्भार । अर्भार ।

आम्रः, ( पुं. ) आम का पेड़ । आम का वृक्ष ।  
 आम्रकूटः, ( पुं. ) एक पर्वत का नाम ।  
 आम्रातकः, ( पुं. ) आमके का वृक्ष ।  
 आमके का फल । मिलासा ।  
 आम्रेष्ट, ( कि. ) दुहराना ।  
 आम्रेडित, ( वि. ) उन्मत्त की तरह एक  
 बात को बारबार कहना । पुनः पुनः  
 कहा गया । व्याकरण की एक सहा ।  
 आम्ला, ( स्त्री. ) बड़े लट्टे रस वाला । फल ।  
 इम्बी का वृक्ष ।  
 आयः, ( पुं. ) आमदनी । प्राप्ति । धनागम ।  
 कुण्डली का एकदरा घर । सिरों के  
 घर की रखवाली करने वाला पहरेदार ।  
 आयत, ( वि. ) सम्मत् । लौंचा हुआ । उद्योगी ।  
 चौड़ा ।  
 आयतन, ( न. ) देवालया । मन्दिर । आश्रम ।  
 बैठक । विद्यामस्थान । यज्ञस्थान ।  
 आयतीगधम्, ( न. ) गीतों के लौटने का  
 समय । गोधूली ।  
 आयति-ती, ( स्त्री. ) थाने वाला समय ।  
 भावी काल । उत्तरकाल । प्रभाव । फल  
 देने का समय । भेल । सम्बन्ध । पहुँचना ।  
 आयत्त, ( वि. ) अर्पण । परार्पण । अर्च-  
 लम्बित । परा में ।  
 आयत्ति, ( स्त्री. ) स्नेह । प्रीति । सामर्थ्य ।  
 बल । सीमा । मर्यादा । दिन । शयन ।  
 विहरा ।  
 आयस्, ( न. ) लोहे का बना पात्र । लोह ।  
 लोहे से बना ।  
 आयस्त, ( वि. ) ढँका गया । दू-स्त दिया  
 बसा । मारा गया । देख किया गया ।  
 आयाम, ( पुं. ) सम्बन्ध । शोकना ।  
 आयुस, ( पुं. ) निदान । बसा यज्ञ ।  
 । केरा । विन्ना ।  
 ) उग्र । जीवनकाल । उग्र ।  
 वन । वराज । सम्मान ।  
 के पुत्रवत् ।

आयुज्, ( कि. ) जोड़ना । बाँधना । उर्ध्व  
 रखना । निपुन करना । बनाना ।  
 आयुत, ( वि. ) मिला हुआ ।  
 आयुध्, ( कि. ) लड़ना । धाकमय करना ।  
 सामना करना । ( न. ) खिपार । दाँव ।  
 आयुध तीन प्रकार के होते हैं । यथा-  
 ( १ ) प्रहाण, जैसे तलवार ( २ )  
 हस्तपुक्, जैसे चक्र ( ३ ) पंचपुक्,  
 जैसे शीर वरतन ।  
 आयुधधर्मिणी, ( स्त्री. ) जयन्ती वृक्ष ।  
 आयोधनम्, ( न. ) लड़ाई । युद्ध । रणस्थल ।  
 वध करना । मारना ।  
 आयुस्, ( स ) जीवन । जीवनकाल । मोक्ष ।  
 दीर्घजीवी होने के लिये आयुष्टोम नामक  
 अनुष्ठान ।  
 आयुष्मत्, ( न. ) दीर्घजीवी । बहुत दिनों  
 तक जीनेवाला । ( पुं. ) विशकुम्भ आदि  
 योनों में से तीसरा योग ।  
 आयुष्य, ( वि. ) नदी उग्र करने वाला ।  
 पथ्य । हितकारी । अच्छा ।  
 आयोग, ( पुं. ) गन्धमालयोपहार । काम,  
 फूल चन्दन आदि बढ़ाने की सामग्री ।  
 तट । किनारा ।  
 आयोगव, ( पुं. ) शूद्र का पुत्र जो वैशा के  
 गर्भ से उत्पन्न हुआ हो । बड़े प्रतिशोध  
 वर्षसङ्कर से उत्पन्न एक जातिविशेष ।  
 आयोजन, ( न. ) उद्योग । भाहरण ।  
 इकट्ठा करना या लेना । लगाना । जोड़ना ।  
 आयोधन, ( न. ) लड़ाई की जगह । युद्ध-  
 स्थान । ( कि. ) लड़ना । मारना ।  
 युद्ध । वध ।  
 आर, ( पुं. ) पीतल । मङ्गलमह । शक्तिमह ।  
 मधुसूक्त । लक्ष्मिण्य । वृषभेद ।  
 अन्तर । कासना । सन्तर् का  
 । आइ । अ  
 ( पुं. न.  
 हा २

आर्द्रा, (ड.) लट्टी । भीषीदार ।  
आर्द्रा, (ड.) नट । नाटक का एक पात्र ।  
आर्द्रा, (ड.) एक देश का नाम जो पश्चिम के उत्तर-पूर्व में है और जो चीनों के निचे प्रतिष्ठ है । युवराज के लोग अब भी इस प्रांत को ईराण या ऐराण देश कहते हैं । इस देश के लोग या चीने ।

आर्द्रा, (न.) गहराई । गल ।  
आर्द्रा, (ड.) शिर । शिर ।  
आर्द्रा, (न.) जहली, बनीला । बन । एक प्रकार का पत्तान भी जिना चीने अपने पात्र लगन होता है । शक्ति विशेष शीघ्र । महाभाग के यहाँ में ही एक का नाम ।  
आर्द्रा, (ड.) बनीला या जहली शक्ति । अथाप । श्याप । निहारधान । हाथी । वेद का एक अत्राधिकार ।

आर्द्रा, (ड.) एक तिल में एक बैल अथवा एक भैंस जोता जाता है ।  
आर्द्रा, (वि.) आत्म विद्या गद्या ।  
आर्द्रा, (डी.) गरी की बलाकाठी । एक प्रकार की लपना । सोल । माष ।  
आर्द्रा, (ड.) लरा । लप । बल । बप । धारना । अक्षर । धारणा ।  
आर्द्रा, (ड.) शयनालय । इस प्रकार का शयन ।  
आर्द्रा, (डी.) अथवा चीने का सोला ।  
आर्द्रा, (वि.) ए । शयन । शयन । शयन ।  
आर्द्रा, (ड.) लपु । शक्ति ।  
आर्द्रा, (न.) अथवा शिखा का धारणा ।  
आर्द्रा, (न.) अथवा शक्ति के लक्षण ।  
आर्द्रा, (न.) शयनालय । शयन । शयन ।  
आर्द्रा, (वि.) शक्ति । शक्ति । शक्ति ।

आर्द्रा, (ड.) उपवन । कठिना । श्रीधर्म बनाया गया बपीचा ।  
आर्द्रा, (ड.) जो देहा करताये । माउके द्रव्य ।  
आर्द्रा, (मि.) शिवा करना । शक्ति बनना ।  
आर्द्रा, (ड.) केवका । एपर । एक प्रकार का शयन ।

आर्द्रा, (मि.) सुनना । पताद करना ।  
आर्द्रा, (मि.) शिवा । बन्द करना ।  
आर्द्रा, (डी.) मनु की पुत्री और चीने की माता ।  
आर्द्रा, (मि.) बदना ।  
आर्द्रा, (ड.) शीघ्र अथवा शीर रह का । शीत वा शीघ्रता रह । सुभर । हिमालय पर उत्पन्न होने वाली एक बन्धपति का नाम ।  
आर्द्रा, (ड.) शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
आर्द्रा, (वि.) अक्षर । शक्ति । शक्ति ।  
आर्द्रा, (न.) शक्ति का अर्थ । शक्ति । शक्ति ।

आर्द्रा, (ड.) अथवा शक्ति में अथवा शक्ति का शक्ति शक्ति (अथवा शक्ति में शक्ति का) । शक्ति । अथवा । मान लेना । धनुष । शक्ति ।  
आर्द्रा, (ड.) बदना । लभ्य । उत्तम शक्ति का शक्ति शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
आर्द्रा, (ड.) शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
आर्द्रा, (वि.) अथवा शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
आर्द्रा, (न.) शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
आर्द्रा, (वि.) शक्ति के शक्ति शक्ति । शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
आर्द्रा, (वि.) शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
आर्द्रा, (वि.) शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
आर्द्रा, (वि.) शक्ति । शक्ति । शक्ति ।

आर्द्रा, (वि.) शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
आर्द्रा, (वि.) शक्ति । शक्ति । शक्ति ।

आम्रः, (पुं.) आम का पेड़ । आम का वृक्ष ।  
 आम्रकूटः, (पुं.) एक पर्वत का नाम ।  
 आम्रातकः, (पुं.) आमके का वृक्ष ।  
 आमके का फल । मिलाता ।  
 आम्रेह, (किं.) दुहराना ।  
 आम्रेहित, (त्रि.) उन्मत्त की तरह एक  
 बात को बातार कहना । पुनः पुनः  
 कहा गया । व्याकरण की एक संज्ञा ।  
 आम्ला, (स्त्री.) बड़े लहरे रस वाला । फल ।  
 इम्ली का वृक्ष ।  
 आयः, (पुं.) आयदनी । प्राप्ति । धनागम ।  
 कृषकृषी का एकदश घर । स्त्रियों के  
 घर की रखवाली करने वाला पहरुभा ।  
 आयत, (त्रि.) लम्बा । लंबा हुआ । उद्योगी ।  
 चौड़ा ।  
 आयतन, (न.) देवालय । मन्दिर । आश्रम ।  
 बैठक । विश्रामस्थान । यज्ञस्थान ।  
 आयतीगवम्, (न.) गौश्यों के लौटने का  
 समय । गोधूली ।  
 आयति-ती, (स्त्री.) धाने वाला समय ।  
 भावी काल । उत्तरकाल । प्रभाव । फल  
 देने का समय । मेल । लगनाई । पहुँचना ।  
 आयत्त, (त्रि.) अधीन । पराधीन । अव-  
 लम्बित । परा में ।  
 आयत्ति, (स्त्री.) स्नेह । प्रीति । सामर्थ्य ।  
 बल । सीमा । मर्यादा । दिन । रायन ।  
 निलता ।  
 आयस्, (न.) लोहे का बना पात्र । लोह ।  
 लोहे से बना ।  
 आयस्त, (त्रि.) केंका गया । दुःख दिया  
 गया । मारा गया । तेष किया गया ।  
 आयाम, (पुं.) लगनाई । रोकना ।  
 आयास्त, (पुं.) मिहनत । बड़ा यत्न ।  
 दुःख । उद्यम । मेरा । चिन्ता ।  
 आयु, (पुं. न.) उम्र । जीवनकाल । उमर ।  
 धी । पत्न । पुत्र । वराज । सन्तान ।  
 पुरवा थीर उर्वरी के पुत्रगण ।

आयुज्, (किं.) जोड़ना । बाँधना । जु-  
 रतना । नियुक्त करना । बनाना ।  
 आयुत, (त्रि.) मिला हुआ ।  
 आयुष्, (किं.) लड़ना । आक्रमण करन  
 सामना करना । (न.) इधियार । डाल  
 आयुष तीन प्रकार के होते हैं । यथा  
 (१) प्रहरण, जैसे तलवार (२)  
 इस्त्रक, जैसे चक्र (३) यन्त्र  
 जैसे तीर बतन ।  
 आयुधधर्मिणी, (स्त्री.) जयन्ती वृक्ष  
 आयोधनम्, (न.) लड़ाई । युद्ध । रणस्थ-  
 ल वध करना । मारना ।  
 आयुस्, (स) जीवन । जीवनकाल । भोजन  
 दीर्घजीवी होने के लिये आयुष्येय नाम  
 अनुष्ठान ।  
 आयुष्मत्, (न.) दीर्घजीवी । बहुत दि-  
 तक जीनेवाला । (पुं.) विचक्रुष्म आ-  
 योमों में से तीसरा योग ।  
 आयुष्य, (त्रि.) बड़ी उम्र करने वाला  
 बन्धु । हितकारी । अच्छा ।  
 आयोग, (पुं.) गन्धमाल्योपहार । काम  
 फूल चन्दन आदि चढ़ाने की सामग्री  
 तट । किनारा ।  
 आयोगव, (पुं.) शूद्र का पुत्र जो वैश्या के  
 गर्भ से उत्पन्न हुआ हो । बर्द्ध प्रतिलोम  
 वर्षसङ्कर से उत्पन्न एक जातिविशेष ।  
 आयोजन, (न.) उद्योग । आहरण ।  
 इकट्ठा करना या लेना । लगाना । जोड़ना ।  
 आयोधन, (न.) लड़ाई की जगह । युद्ध-  
 स्थान । (किं.) लड़ना । मारना ।  
 युद्ध । वध ।  
 आर, (पुं.) पीतल । महलमह । शक्तिमह ।  
 मधुताम्रकल । सरमिद्धा फल । वृद्धभेद ।  
 अन्तर । कातला । प्रान्तभाग । अन्तर का  
 पेड़ । चाड़ू । धारा ।  
 आरकूट, (पुं. न.) पीतल का बना भूषण ।  
 पीतल का गहना ।

- आरक्षकः, ( उ. ) सन्तरी । श्रीदीवार ।  
 आरटः, ( उ. ) नट । नाटक का एक पात्र ।  
 आरघ्यः, ( उ. ) एक देरा का नाम जो पञ्जाब के उत्तर-पूर्व में है और जो चीकों के लिये प्रसिद्ध है । दुनरात के लोग अब भी इस प्रान्त की ईरात या ऐरात देरा कहते हैं । इस देरा के लोग या चीके ।  
 आरखं, ( न. ) गहरी । साल ।  
 आरखिः, ( उ. ) मीर । चकर ।  
 आरख्य, ( न. ) जहली, बनेला । वन । एक प्रकार का पत्तन जो बिना बोये अपने आप उल्लूक होता है । राशि विशेष गोबर । महाभारत के पर्वों में से एक का नाम ।  
 आरख्यक, ( उ. ) बनेला या जहली मार्ग । अध्याय । न्याय । विहारपान । हाथी । वेद का एक धराविशेष ।  
 आरखि, ( धी. ) उपरम । इत्या । निशुति । उद्गात ।  
 आरखः, ( उ. ) रथ जिसमें एक बैल बसता एक घोडा भोता जाता है ।  
 आरख्य, ( वि. ) धारम किया गया ।  
 आरखटी, ( धी. ) मटों की कलाकारी । एक प्रकार की रचना । सोल । नाच ।  
 आरख्म, ( उ. ) लरा । उपय । दम । बस । मारना । बहुर । प्रत्यावना ।  
 आर—रा, ( उ. ) राध्माय । हर प्रकार का राध् ।  
 आरा, ( धी. ) बसता भीरने का आंतर । छोटे का एक भीतर ।  
 आराख, ( अम्. ) दूर । समीप । पास । दुस्य । सीधा ।  
 आराखिः, ( उ. ) राज । बेटी ।  
 आराखिक, ( न. ) प्रकार दिखाना या कारकी जो राशि के समय प्रतिपादितों के सम्बन्ध की जाती है । कारकी । नीराजन कर्म ।  
 आराधन, ( न. ) उपामना । पूजन । प्रणम करना । प्राप्ति । सेवाकरना । पकाना ।
- आराम, ( उ. ) उपवन । बाधि बनाया गया बधीवा ।  
 आरालिकः, जो देदा करताव करे ।  
 आरिचू, ( कि. ) रीठा करना करना ।  
 आरु, ( उ. ) केवसा । सूपर । पूरा का दूध ।  
 आरुचू, ( कि. ) पुनना । पसद करना ।  
 आरुधू, ( कि. ) रोचना । बन्द करना ।  
 आरुपी, ( की. ) पटु की पुत्री और की माता ।  
 आरुह, ( कि. ) बचना ।  
 आरु, ( उ. ) सौंभले बसता धीरे रह कर भीरा या सौंभला रह । सूपर । दिमाकय प उल्लूक होने वाली एक बरबसि का नाम ।  
 आरुद, वदा हुआ । रीठा हुआ । सार ।  
 आरुह, दूर । अन्तर । पास । समीप ।  
 आरुह्यम्, चाटना । पूमना ।  
 आरोग्य, ( न. ) रोग का अभाव । रोग से मुक्तता ।  
 आरुप, ( उ. ) अन्य धर्म में अन्य धर्म का प्रतीत होना ( जिसे रस्ती में शर्प का ) । संपादन । कल्पना । मान लेना । धुन भुक्ताना ।  
 आरुह, ( उ. ) बचना । सम्भार । उतय बियों का गितम्भ देरा का पूरक । उंचाई । परिपाय विशेष ।  
 आरुप, ( उ. ) सरलता । सीधानन ।  
 आरु, ( वि. ) बरबस । दीरिउ । कट काठ ।  
 आरुप, ( न. ) कटु काला । क्षीर्ष्य का रस जो प्रतिपाम बियों को होता है ।  
 आरुिज्य, ( न. ) ब्रह्मिण के करने योग्य काम ।  
 आरुिंक, ( वि. ) कर्मकारी । रचित । दाना । कर्म से काया हुआ । निरुन । धनी । धनदार । लका । दपार ।  
 आरु, ( वि. ) रीका ( १ ) ( की ) कर्षणम्क बउर'नदप ।

आशित, ( वि. ) मुक्त । राधा । भोजन  
 द्रास तृप्त ।  
 आशीर्वाद, ( पुं. ) मन्त्रों की प्राप्ति ।  
 शुभेच्छा । आशीर्वाद ।  
 आशीविप, ( पु. ) अहीली दाढ़ वाला ।  
 सर्प । सर्प ।  
 आशुग, ( पुं. ) वायु । हवा । पवन । वायु ।  
 सूर्य । शीम चरणे वाला ।  
 आशुतोष, ( त्रि. ) शीम प्रसन्न होने वाला ।  
 महादेव । शिव ।  
 आशुशुक्षि, ( पुं. ) अग्नि । आग । पंख ।  
 वायु ।  
 आशु, ( अव्य. ) तेज । शीम ।  
 आशोकुरिन्, ( पु. ) पहाड़ । पर्वत ।  
 आशीच, ( न. ) वैदिक कर्म के अयोग्य  
 दशा । अशुद्धि । मूलक । “ दशाहं शव-  
 मांशोर्वं ब्राह्मणस्य विधीयते ” मनु ।  
 आश्वान, ( त्रि. ) क्रिश्चिन् एकत्र हुआ ।  
 मूला हुआ ।  
 आश्रम्, ( अव्य. ) शौच ।  
 आश्रम, ( पु. ) ब्रह्मचर्यादि चार आश्रम,  
 अर्थात् धनरथा । सुनियों के रहने का  
 स्थान । कुटी । मठ । विद्यार्थियों के रहने  
 की जगह । तपोवन । विन्दु का नाम ।  
 आश्रय, ( पु. ) आसना । समीप । समीचीन ।  
 आधार । धर । प्रबल । बलवान् राजु का  
 सहारा लेना । सन्धि आदि छ. में एक गुण ।  
 आश्रयाश, ( पु. ) जो अपने आश्रय की  
 ला डाले । अर्थात् अग्नि, आग ।  
 आश्रय, ( पु. ) नदी । गला । दोंप । धन-  
 राश । आकाशवाती ।  
 आश्रित, ( त्रि. ) शरणगत । शरण में आ  
 पड़ने वाला । अधीन । आश्रित पर रहने  
 वाला । आकर । भृत्य । नीचर । अनुयायी  
 रहने वाला ।  
 आश्रिः, ( स्त्री. ) वक्षस्य की धार । तह  
 की पड़ ।

आश्र, ( त्रि. ) छुटना । प्रतिज्ञा करना ।  
 पंचन देना । स्वीकार करना । स्वीचना ।  
 जपना ।  
 आश्रुत, ( त्रि. ) छुना । प्रतिज्ञान । स्वीकृत ।  
 आश्रित्, ( त्रि. ) आश्रित्व करना । गले  
 लगाना । चिपकना ।  
 आश्लेष, ( पु. ) एक ओर से उदा हुआ ।  
 ( १ ) नवोत्पन्न ।  
 आश्र, ( न. ) घोड़ों का समूह । घोड़ों का  
 रथ या गाड़ी ।  
 आश्वयुज, ( पु. ) महीना जिसमें अश्विनी  
 नक्षत्रमूल पूर्णिमा हो, अर्थात् अश्विन  
 या कार का मास ।  
 आश्वलायन, ( पु. ) एक सूत्रकार । निरुका  
 ग्रन्थ आश्वलायन सूत्रों के नाम से  
 प्रसिद्ध है ।  
 आश्वत्थ, ( पुं. ) आश्वत्थी । मयभीत  
 का भय दूर करने के लिये दाढ़त बंधना ।  
 आश्विन, ( पु. ) आश्विन । कार का मास ।  
 आश्विनेय, ( पु. ) देवनाभों के चिकित्सक  
 नकुल और सहदेव । घोड़े की एक दिन की  
 मञ्जिल । सूर्यपत्नी सत्या के पुत्र । अश्विनी  
 कुमार ।  
 आश्वीन, ( पु. ) घोड़े की एक दिन की  
 मञ्जिल ।  
 आषाढ़, ( पु. ) वर्षा ऋतु का प्रथम मास ।  
 आषाढ़ मास । पलारा वृद्ध का दण्ड जो  
 सन्यासियों के पास रहता है । गाम्भ को  
 यज्ञोपवीत सस्कार में ब्रह्मचर्य का चिह्न  
 दिया जाता है ।  
 आस, ( त्रि. ) बैठना । लेटना । आराम  
 करना ।  
 अस, ( अव्य. ) स्मरण । दूर करना । कोप ।  
 सन्ताप । गर्व से चुपकना ।  
 आसक्त, ( त्रि. ) कैला हुआ । अनुरक्त ।  
 निरत । सब धन्धा छोड़कर एक में अन्त-  
 रक्त होना । निरन्तर । निरन्त ।

आसङ्ग, ( न. ) अभिनिवेश । एक वाउ वा इउ । भोग की अभिलाषा । बौरे काम करने वा अभिमान । बचाने । रद्द ।  
 आसक्ति, ( स्त्री. ) सहर्ष । मेल । लाभ । सहयोग । न्यायशास्त्र में दो धन्य वांग्य । दोनों पदार्थों को दिना परक बोलना ।  
 आसन, ( न. ) उपरोशन । बैठना । ( स. ) शीघी । हाथी का स्तम्भ । राजाओं के घर : दुपों में से एक, रात्रु । आसन जाना । औरक का पेड़ ।  
 आसन्न, ( वि. ) समीपस्थ । उपरिषद । निवृत्त का ।  
 आसप, ( पुं. ) हर प्रकार की मशिया । धरतः इष्ट रह ।  
 आसादन, ( न. ) रात देना । आक्रमण करना । मिलना । सम्भृत जाना । पाना । पूषं बलना ।  
 आसार, ( पु. ) धमायम आसना । मूलत धार वशी । फैलना । सेनाओं का चारों ओर फैलना । निज का बल ।  
 आसुति, ( स्त्री. ) मय निजायना । पता । उद्येजन ।  
 आसुट, ( पुं. ) बल्ल मन्वन्धी । दैत्य । यज्ञ न करने वाला । आठ प्रकार के विराहों में से एक प्रकार का विराह, जिसमें वर कया पिता वा उसके सम्बन्धियों को धन दे का, बहू भेजा दे ।  
 आसुतिः, ( पुं. ) करिष के एक गिन्य का नाम ।  
 आसेप, ( कि. ) आम्बाध करना । प्रसन्नता में मग्न होना ।  
 आसेचन, ( वि. ) दिवहार । सींचना । जहाँ मन न लगे । बहून हार दरी ।  
 आसेध, ( पुं. ) राजासा से आचन जाने का विशेष । बरी ।  
 आसेया, ( स्त्री. ) अभिषाया हरिन सिर्षी कार्य की कारः

कार्य को वारवार करना । वारंवार शब्दे प्रकर सेवा करना ।  
 आसकन्दन, ( न. ) धनादर करना । आक्रमण करना । चढ़ना । गाली देना । धोके की भाष । युद्ध ।  
 आस्तर, ( पु. ) रिक्षिता । हाथी की पीठ की झूल ।  
 आस्तिक, ( वि. ) जो परलोक को मानता हो । जो वेदशास्त्र और ईश्वर को माने । पतिव्रत । सत्ता । एक मुनि का नाम, देखी आस्तिक शब्द ।  
 आस्तिक, ( पुं. ) अज्ञान आदि के पुत्र का नाम जिसने जन्ममेव का सर्वज्ञ बन्ध करवा कर जागों की रक्षा की थी । आस्तिक आदि ।  
 आस्तिकी, ( वि. ) पैला हुआ । विस्तीर्ण ।  
 आस्था, ( स्त्री. ) स्थान । आदर । आशा । सहाय । विश्वास । भोग । दिवनि । यज्ञ ।  
 आस्थान, ( न. ) जहाँ बैठने दे । सभा । सहाय । चढ़ना । यज्ञ । विधाय स्थान ।  
 आस्थित, ( वि. ) निश्चित क्रिया । टहना । रहा । चढ़ा । पहुँचा । मान गया । बड़े यज्ञ से निभी काम में सलम्य होना । गिरा हुआ । फैला हुआ ।  
 आस्पद, ( न. ) स्थान । जगह । आभार । प्रतिष्ठा । बद्ध । स्थान । कृप । काम । प्रभुत्व । बरपन । बसाव । छान से दसों स्थान ।  
 आस्पर्षी, ( स्त्री. ) प्रतिशब्दा । ईर्ष्या । बराबरी । होकारोरी ।  
 आस्पतालन, ( न. ) रगटना । प्रसन्नता । चम्पना । रवाना । पदाहना । गर्व । अभिमान ।  
 आस्पुजित्, ( पुं. ) युक्त मह का नाम ।  
 आस्फोट, ( पु. ) पटा का पेड़ । एक मारना या टोंकना । बलवानों का बलवान पर टाल टोंकना । टाल



धीर काम मोक्ष का उपदेश प्राचीन कथानकों से युक्त हो । पुरातत्त्वान्त का प्रसंगिक । सरहृत्त में पुराने इतिहास ग्रन्थ को ही है । अर्थात् महाभारत धीर वाल्मीकीय रामायण ।

इत्थम्. (अन्व.) इस तरह । इस प्रकार । ऐंम् ।

इत्थशालः, (पुं.) ज्योतिष में वर्षफल के तीसरे योग का नाम ।

इत्थ्वर, (वि.) निष्ठुर-कर्म करने वाला । कूर कर्म । नीच । पथिक । बयोही ।

इत्थ्वरी, (स्त्री.) अभिसारिका । अपने प्रणयी द्वारा निश्चित स्थान पर अपने प्रणयी से जो मिलने जाय । व्यभिचारिणी । कुलटा स्त्री ।

इत्थ, (वि.) प्राप्य । पहुँचने के योग्य । जाने योग्य ।

इद्, (कि.) ऐश्वर्य होना ।

इदम्, (वि.) किसी ऐसी वस्तु को बतलाने वाला । जो करने वाले के समीप हो । यह । यही ।

इदानीम्, (अन्व.) सम्प्रति । अब । इस समय । अभी ।

इद्ध, (न.) धृ । धाम । धान्य । इति । प्रसाध । अर्चयते । वृद्ध । निर्देश । साक ।

इध्म, (न.) मन्दिर् । मन्दिता । काष्ठ । लकड़ी ।

इधः, (पुं.) योग्य । इद्ध । वपसाव । सपत्नी । प्रजापति । सूर्य । प्रभु । धृतिगोत्र । राध ।

इध्मनि, (वि.) पहुँचने का वह करना । जाने की चेष्टा करना ।

इन्दिश, (स्त्री.) लक्ष्मी । वसन्ता । धन की किराणी देवी । तिष्ठ की स्त्री ।

इन्दिश्वर, (न.) लक्ष्मी का पिता । श्री-लक्ष्मी । श्रीगणेश्वर । इन्दिश्वर ।

इध्नु, (पुं.) अन्तः । अन्तःस्थ स्वन । इध्नुस्व । इध्नु । अन्तः में स्वन । के ही हो करने वाला ।

इन्दुकलिका, (स्त्री.) केतकी । निवाही केवड़े का फूल ।

इन्दुकान्त, (पुं.) चन्द्रकान्तमणि । यह माघ चन्द्रमा के सामने विपलनी है ।

इन्दुजनक, (पुं.) चाँद को पैदा करने वाला समुद्र । अतिशक्ति । (इसके नेत्र से भी चन्द्रकी उत्पत्ति किसी कल्प में होती है) ।

इन्दुजा, (स्त्री.) चन्द्र से निकली नर्मदा नदी । चोदनी ।

इन्दुपुत्र, (पुं.) चन्द्रपुत्र अर्थात् बुध ।

इन्दुभृन्, (पुं.) शिव । शङ्कर । महादेव ।

इन्दुमती, (स्त्री.) शृंगिमा । रागा अन्न की स्त्री ।

इन्दुरहा, (न.) मुक्ता । मोती ।

इन्दुलेखा, (स्त्री.) । चाँद की कला । सोमलता । अमृतलता ।

इन्दुवासर, (स.) चन्द्रमा का वार । सोमवार ।

इन्द्र, (पुं.) देवताओं का स्वामी । परमेश्वर । अथवा नश्वर । इन्द्रग सूर्यों में से एक । षोडश की संख्या ।

इन्द्रक, (न.) समामान । कपेटी घर ।

इन्द्रकील, (पुं.) मंदर पर्वत ।

इन्द्रगोत्र, (पुं.) पद्मनाभग । अर्थात् लाले का गोत्र ।

इन्द्रजालिक, (वि.) मदायी । आरुण । अतिपा ।

इन्द्रजिन्, (पुं.) इन्द्र की जीनेवाला । मेघनाद । रावण का पुत्र ।

इन्द्रधनुर्, (न.) सूर्य की क्षिति जो पश्चाच्छा बादलों पर पड़ कर विविध रङ्ग भाष्य करती है ।

इन्द्रनील, (पुं.) मन्थन मणि । नक्षत्र ।

इन्द्रनेत्र, (न.) एक इन्द्र की निजनी ।

इन्द्रपर्वत, (पुं.) मंदर पर्वत ।

इन्द्रपुंगवित्, (पुं.) इन्द्रगि ।

इन्द्रवज्र, (न.) दिव्य वज्र ।

इन्द्रभेषज, सोड । शुद्धी ।  
 इन्द्रवंशा, ( स्त्री. ) जिसके प्रति पाद में  
 बारह अक्षर हों—वह वंश ।  
 इन्द्रयज्ञा, ( स्त्री. ) ग्यारह अक्षरों के पाद  
 वाला अक्षरविशेष ।  
 इन्द्रशत्रु, ( पु. ) वृषाक्षर ।  
 इन्द्राणी, ( स्त्री ) राणी । सिन्धुवार वृक्ष ।  
 बही इलायची । बौद्धाचार्याओं में से  
 प्रथम माता । लता विशेष ।  
 इन्द्रायुध, ( न. ) वज्र । इन्द्र धनुष ।  
 इन्द्रिय, ( न. ) ईश्वर प्रणीत ज्ञान और  
 कर्म के साधन अर्थात् दृश्य और अज्ञान  
 मातृ अ्यादि ।  
 इन्द्रियार्थ, ( पु. ) इन्द्रियों के विषय ।  
 यथा—शब्द, रस, रूप, रस, ध्वनि  
 आदि ।  
 इन्द्रियायतन, ( न. ) शरीर ।  
 इन्ध, ( कि. ) जलना । चमकना । आग  
 वा जलना ।  
 इन्धन, ( न. ) लकड़ी । इन्धन ।  
 इभ, ( पु. ) हाथी । निर्भीक । शक्ति । नीकर ।  
 अधीनरथ । भाड की घोड़ी ।  
 इभकण्ठा, ( स्त्री. ) बही घाँस । मज  
 निपली ।  
 इभविमित्तिका, ( स्त्री. ) कनकपत्र विशेष  
 जिसके सेवन से हाथी भी भी जाय ।  
 भाड । मिसरा । दुर्ग ।  
 इभपालक, ( पु. ) इन्द्रियक । शीतलान ।  
 महाद्वार ।  
 इभपोटा, ( स्त्री. ) डूबा इन्द्रिय ।  
 इभपोषा, ( पु. ) हाथी का बच्चा ।  
 इभमाबल, ( पु. ) देर । केतली ।  
 इभया, ( स्त्री. ) इन्द्राणी ।  
 इभय, ( कि. ) बरा धरती । अन्धकार । अज्ञान ।  
 इभया, ( स्त्री. ) इन्द्रिय । इन्द्राणी ।  
 इभ्यक, ( पु. ) धनी ।  
 इभ्यु, ( कि. ) इन्द्राणी । इन्द्राणी ।

इयत्ता, ( स्त्री. ) मीमा । माप । गिनती ।  
 इरम्मद, ( पु. ) बिनली । पत्राग्नि । समुद्र  
 की धारा । बड़वानल ।  
 इरा, ( स्त्री ) धरती । भूमि । वाणी । धरा ।  
 मय । जल । यथा । कल्प की स्त्री ।  
 इरायती, ( स्त्री. ) एक नदी का नाम । यह  
 नदी पञ्जान में है और इसका प्रसिद्ध  
 नाम रावी है । दुर्ग ।  
 इरिण, ( न. ) उत्तर भूमि । आश्रयणःपु  
 पुनः ।  
 इरेश, ( पु. ) शक्य । इक्ष्वकि । रागा ।  
 विष्णु ।  
 इर्याद-सु, ( स्त्री. ) बर्देयी । धालू ।  
 इरु, ( कि. ) धीना । केकना ।  
 इरुयिला, ( स्त्री. ) बुदेरननदी । पुलक्य  
 की स्त्री । माता का नाम इरुयिला होने से  
 बुदेर का नाम ऐलरिल है ।  
 इरुा, ( स्त्री. ) भूमि । पृथिवी । गौ । बाली  
 जम्बूद्वीप के नव बंधों में से एक । वैवरयन  
 मनु की कन्या । बुध की स्त्री ।  
 इरुाचून, ( न. ) जम्बूद्वीप के नव बंधों में से  
 एक । चार सीमा वाला देश । जम्बू के  
 नव देशों में से एक ।  
 इरुी, ( स्त्री. ) इरेश राक्ष । सुरी । बरकलिक ।  
 इरुीविलः, ( पु. ) एक ईश्वर जिसे इन्द्र ने  
 पारतप दिया था ।  
 इरुवल, ( पु. ) अग्नि अक्षय । एक प्रकार  
 का अक्षय । एक ईश्वर जो अक्षय्य दान  
 दान करता था ।  
 इरु, ( कि. ) केकना । ( कर्म. ) देना । देना ।  
 म गो । कावरी । देना । अक्षय्यपूर ।  
 इरु, ( कि. ) अक्षय । अक्षय्यपूर । अक्षय्य ।  
 अक्षय्य । अक्षय्य करना । अक्षय्य । अक्षय्य ।  
 इरु, ( पु. ) अक्षय्य दान । जिस अक्षय्य में  
 अक्षय्य की देना करने वाले अक्षय्य करते हैं ।  
 इरु, ( पु. ) अक्षय्य । अक्षय्य । अक्षय्य की  
 अक्षय्य ।

इपुधिः, ( पु. ) तरकस । बाप रखने का स्थान ।

इष्ट, ( -वि. ) आदर किया गया । पूज्य । अभिज्ञान । आहा गया । मिय । यज्ञादि कर्म । देही का पेड़ । ( पु. ) सरकार ( न. ) चाद । भर्मे कार्य ।

इष्टका, ( स्त्री. ) मिट्टी आदि का बना हुआ । एक प्रकार का मिट्टी का राखड़ । वर्षात् इष्ट । सारित ।

इष्टा, ( स्त्री. ) शमी वृक्ष ।

इष्टापूर्व, ( न. ) अभिज्ञान तत्र । सत्य । दक्ष । दान । वेदगन्ना । आदि य । वैरवदेव । पञ्चनदि कर्म । वारणी । कुषा । तापान । देशानुप । अन्नदान । यादिका शोभा आदि एते की पूर्ति ।

इष्टि, ( स्त्री. ) यज्ञ । दसौं पीर्यमाण यज्ञभेद । अभिज्ञान । इष्ट्या । चाद ।

इष्ट्यागम, ( पु. ) यज्ञ ।

इष्ट, ( अन्. ) बही । इस समय । इस देश में । इस जगत् में । अर ।

इष्टानः, ( पु. ) वेदि देश का नाम ।

इष्टामुक्, ( अन्. ) बही बही । इस लोक की वस्तुओं में ।

इष्टि

ई, ( स्त्री. ) लक्ष्मी तथा कामदेव का नाम । अन्. -काद । सीता । सीक । सीध । अन्. -कथा । इण । इव । पुत्रपत्न्या ।

ई, ( कि. ) अन्. । अन्. -कथा । ईश्वर । इष्टा कथा । ईश्वर । ईश्वर । ईश्वर । ईश्वर ।

ईश्वर, ( कि. ) देवता । ईश्वर । अन्. -कथा । ईश्वर ।

ईश्वर, ( पु. ) अन्. । ईश्वर । अन्. -कथा ।

ईश्वरिणी, ( कि. ) अन्. के अन्. -कथा । ईश्वर । अन्. -कथा । ईश्वर । अन्. -कथा ।

सामुद्रक जानने वाला । सद्युनीया । सद्युन उठाने वाला । ज्योतिषी ।

ईशा, ( स्त्री ) दर्शन । देखना ।

ईश्व, ( कि. ) डोलना । झूठना । दितना ।

ईजू ( कि. ) जाना । भर्सेना करना । दोषारोप करना ।

ईद, ( कि. ) स्तुति करना । सराहना ।

ईडा, ( स्त्री. ) स्तुति । प्रशंसा । सराहना ।

ईएमन्, ( पुं. ) निम्नता कोई स्वामी या प्रभु हो ।

ईति, ( स्त्री. ) उपम हुआ । ऐती सम्बन्धी अः प्रकार के उपमन यथा—१ अति-वृष्टि । २ अनावृष्टि । ३ मकड़ी । ४ मूरे । ५ तोता । और ६ राधाओं का दीव । याग करना । कष्ट ।

ईदश्, ( वि. ) इसके समान । ऐमा । इसके बराबर । इसके सररा ।

ईष्टित, ( वि. ) योगित । आहा हुआ । इष्ट ।

ईद, ( कि. ) जाना ।

ईमं, ( न. ) मय । पाद । फोड़ा । जलम ।

ईर्ष्य, ( कि. ) आह करना । होठ करना ।

ईर्ष्या, ( स्त्री. ) गद । दुमरे की बहनी को दल का जलना । वै ।

ईला, ( स्त्री. ) वृषिणी । वापी । गी । स्तुति ।

ईलिः—स्त्री, ( स्त्री. ) इतिवार । स्तुति । अन्. -कथा ।

ईयन्, ( अन्. ) इयना लम्बा । ऐमा मङ्कटार ।

ईश्व, ( कि. ) शालन काय । शक्तिपारु ऐमा । अन्. के समान बहिन काय । परावर्ती देव ।

ईश्वर, ( पु. ) अन्. । अन्. -कथा । अन्. -कथा । अन्. -कथा । अन्. -कथा । अन्. -कथा ।

ईश्वर, ( स्त्री ) अन्. -कथा । अन्. -कथा ।

ईश्वर, ( उं. ) महादेव । कामदेव । पितृत्व  
 भावना । परमेस्वर । पातञ्जल के मतानुसार  
 केस कर्मनिवासाशयों से अत्युत्तम उच्च  
 विराट् । परिष्ठा । स्वामी । लक्ष्मणदेव ।

ईश, ( उं. ) स्वामी । मानिक । महादेव ।  
 परमेस्वर ।

ईश्वर, ( अम्य. ) अश्व । घोड़ा । कुक्क ।

ईश्वरकर, ( उं. ) शेषनाथ, घोड़े से यम का  
 प्रयास से शिष्ट हो जाने वाला ।

ईश्वरुष्ण, ( उं. ) श्वशुर । कुक्क कुक्क गर्भ ।  
 मृशुष्ण ।

ईषा, ( श्री. ) इषदपक । इल की नोक । इल  
 की कात ।

ईषिका, ( श्री. ) हाथी की शौर की प्रवली ।  
 विचकार की दूँधी । तीर । अल ।

ईष्ट, ( कि. ) अभिलाषा करना । चाहना ।  
 वस्तु पाने के लिये प्रयत्नशील होना ।

ईडा, ( श्री. ) बिडा । उषोग । मयक । धाम्ना ।

ईदित, ( नि. ) ईडा हुआ । सोमा हुआ ।  
 मार्भित ( स. ) अभिलाषा चाहना  
 किया हुआ ।

उ

उ, हिन्दी वर्णमाला का चौदहवाँ अक्षर ।

उ, ( कि. ) शब्द करता । कोलाहल मचाना ।  
 धोमना । गरजना । मीमना । हल्लास  
 करना ।

उ, ( सं. ) शिशु का नाम । मय का नाम । बर  
 का शिष्य । सम्भोजन का शब्द । शेष । दूषा ।  
 अत्रुष्णा । अत्रा । विमय । हैरानी ।

उकानहः, ( म. ) लाल और पीले रंग का  
 रोग ।

उकुल, ( उं. ) लयल । लहरकीप ।

उक, ( नि. ) अक्षर । बहा । बहा । बचन ।  
 बहना । एक अक्षर के अक्षरों के लिए ।

उक्रे, ( श्री. ) बहना । बचन ।

उक्य, ( न. ) नव प्रकार के सामवेद का एक  
 भाग । सामवेद का प्रधान अक्ष । महा-  
 मत्स्य यह । प्राय । कथन । वाक्य ।  
 शोच । प्रशाना ।

उक्रे, ( कि. ) भिन्नना । सीचना । भिगोना ।  
 नम करना । उकेलना । डीलना । साक  
 करना ।

उकृत, ( उं. ) तीव्र अक्षरों की पड़ना  
 हुआ बोल । बहा बोल ।

उकृत, ( पु. ) बहा । रोम । मय । अग्नि ।  
 अक्षरभोगि ।

उकृत, ( उं. ) तेज । भयानक । उँका ।  
 बहा । समीप । मन्द ।

उक्रे, ( कि. ) जाना । हिलना । डीलना ।

उक्रे, ( पु. ) पाकना । किसी वस्तु को  
 उकालने का पात्र । बरली । भगोना ।  
 तलला । बेदी । शीत का अक्ष ।

उक्रे, ( नि. ) भयानक । मित्र । बनेला ।  
 बली । इद । तीक्ष्ण । तेज । मज्ज ।  
 अत्रिय विशु और श्रम माण के पूर्व से  
 उत्पन्न मन्त्रान । बाहु की कुर्ति भाण्ड  
 करने वाले शिष्य । विर शिष्य । अक्ष  
 सपुत्र ।

उक्रेक्रेक्रे, ( उं. ) बोल । अक्षरक अक्षर  
 बोलना का अक्ष ।

उक्रेक्रेक्रे, ( नि. ) तेज मचाना ।  
 बग्गा । बनेली । अक्षरक अक्ष । अक्षर  
 शिष्य ।

उक्रेक्रेक्रे, ( नि. ) अक्षर अक्षर बहा  
 तेज हो । अक्षरक । अक्ष ।

उक्रेक्रेक्रे, ( उं. ) शिष्य का अक्ष । अक्ष  
 ही अक्ष को अक्ष अक्षरक अक्ष बला ।

उक्रेक्रेक्रे, ( उं. ) अक्ष का अक्ष । अक्ष अक्षरक  
 का अक्ष अक्ष अक्ष अक्ष अक्ष अक्ष  
 अक्षरक का अक्ष ।

उक्रे, ( कि. ) अक्ष का अक्ष । अक्ष  
 अक्षरक, ( नि. ) अक्ष । अक्षरक



पाने की चिन्ता । हिरिरा । दूरा । विक्रम ।  
 किसी शिय वस्तु को पाने की इच्छा ।  
 उत्कर, ( पु. ) धानादि का एक प्रकार ।  
 फैलाना । हाथ पँव फैलाना । धाम का  
 विस्तार । टीला ।  
 उत्कर्ष, ( न. ) कान खेदना ।  
 उत्कर्ष, ( पुं. ) अधिराज । अत्यधिक । बहुत  
 अधिक । उत्तम ।  
 उत्कल, ( पु. ) उड़ीसा प्रदेश । शिकारी ।  
 भारवाहक । बौक होने वाला । मारुपों  
 की एक जाति ।  
 उत्कलिका, ( स्त्री. ) उत्कल । स्त्री । लहर ।  
 उत्कार, ( पुं. ) धानों की एक प्रकार ।  
 धार उत्तर उजाड़ना । फैलना ।  
 उत्कार, ( पु. ) उड़ना की तरह घुमाना ।  
 उत्करीर्ण; ( वि. ) फैलाया गया । फैला गया ।  
 . बेधा गया । गड़ा गया । अतिरिक्त ।  
 उत्करीरित, ( न. ) सुना हुआ ।  
 उत्कुर्य, ( उ. ) उँ । भीड़हर । केरों में  
 उत्तम होने वाले बोंडे ।  
 उत्कुर्य, ( पु. ) पण्डित ।  
 उत्कूर्द्धन, ( न. ) कलाह । झगडा ।  
 उत्कूल, ( वि. ) किनारे तक भरा हुआ ।  
 उत्कृति, ( स्त्री. ) एक मन्द विशेष ।  
 उत्कृष्ट, ( उ. ) भेद्यतर ।  
 उत्कृतेच, ( पु. ) शैल । रिहायत ।  
 उत्कर्म, ( पु. ) उल्लस रूप । निरा । नियम-  
 . विरुद्ध । उल्लसना ।  
 उत्करोश, ( पु. ) दून । विसाह । डुरी पशी ।  
 उत्कृति, ( उ. ) उल्लस । बँक । तुलान ।  
 उत्कृत्, ( वि. ) उल्लसित । उल्लस हुआ ।  
 उत्कृत्, ( पुं. ) कान में पहने का पहना ।  
 कर्ण । शिरोधार्य । हार ।  
 ) सन्त । उठा हुआ । गरम ।  
 ) हुआ । गुना पाठ ।  
 ) । अत्यन्त ।

उत्तमाङ्ग, ( न ) मस्तक । तब से धपटा पह ।  
 उत्तमर्ग, ( कि. ) उदरना । पचनना । गेहना । भ-  
 रोता देना । वृत्ता से इदना । आराम करना ।  
 उत्तर, ( न. ) जातक । उत्तर नाम की दिशा ।  
 उर्दीची । शिरादान के पुत्र का नाम ।  
 पीछे । योग्य । ऊँचा । अर्थात् । अन्तिम ।  
 उत्तरकोशला, ( स्त्री. ) अयोध्या नगरी ।  
 उत्तरकाय, ( पु. ) शरीर का उपरी भाग ।  
 उत्तरङ्ग, ( पु. ) उधी लहरी वाला । दर्पिते  
 के ऊपर की लकड़ी ।  
 उत्तरच्छुद्, ( पु. ) टकना । निर्विघ्ने की  
 चार । शैली ।  
 उत्तरमामांसा, ( स्त्री. ) अगला दिवार ।  
 कैसल की बाग । वेदान्त दर्शन ।  
 उत्तरा, ( स्त्री. ) सवित्रीकरण के अनन्तर  
 की क्रियाएं । उत्तर दिशा । काल । देश ।  
 राता परीशु की माता ।  
 उत्तरान्, ( अन्व. ) उत्तर दिशा । उत्तर की  
 घोर । उत्तर काल ।  
 उत्तराधिकारिन्, ( वि. ) एक स्वामिकारी  
 के अनन्तर जो द्वारा स्वामिकारी हो  
 सक्ता है, वह उत्तराधिकारी कहलाता  
 है । पीछे का अधिकारी । वारिस ।  
 उत्तराभास, ( पु. ) इष्ट उत्तर । पुगनान ।  
 उत्तरायण, ( न. ) उत्तरी मार्ग । वह समय  
 जब सूर्य उत्तर की घोर भुजने है । मकर  
 मकरिन् में से कर मिथुन तक का महीने ।  
 मकर समय का दिन ।  
 उत्तराय, ( न. ) उत्तर का रूप ।  
 दुपडा । कडा । गुणा ।  
 उत्तरेण, ( अन्व. ) उत्तर । उत्तर की घोर ।  
 उत्तान, ( वि. ) शिवादि । उत्तर की  
 घोर मुँह किने हुए ।  
 उत्तानशय, ( वि. ) उत्तर की मुँह कर के सोने  
 वाला । शोण बधा । शिशु ।  
 उत्ताप, ( पु. ) उष्णता । गरमी । दू ल ।  
 म उत्तर ।

उद्दाम, ( न. ) गुला हुआ । युजी । समुद्र की धारा ।

उद्दामन, ( वि. ) बन्धनाहित । गुला हुआ । स्वतंत्र । वरुण का नाम ।

उद्दिष्ट, ( वि. ) उपदिष्ट । चाहा गया । अन्दराश्र में प्रस्ताव के विशेष ज्ञान का साधन ।

उद्दीपन, ( न. ) प्रकाशन । रोशनी । मङ्काना । उत्तेजित ।

उद्देश, ( पुं. ) अत्रुसन्धान । दूँदना । खोजना । इच्छा । चाह । निराण । लिये । सञ्चय । वस्तु का नाम लेना । निमित्त । लक्ष ।

उद्द्राय, ( पु. ) भागना । दौड़ना ।

उद्योत, ( पुं. ) प्रकाश । धूप ।

उद्भूत, ( पुं. ) राजाओं का पहलवान । बोलने में बड़ा चञ्चल । अनविचारे बोलने वाला । अविनीत । अनसिरता । अद्भुति । उठा हुआ । अतिनिष्ठुर । उत्तेजनपूर्वक ।

उद्धरण, छुटकारा । वमन । उन्मथ होना । उलाड़ना ।

उद्धर्ष, ( न, पु ) उत्सव । आनन्द । पर्व । तीन त्योहार । शरदोत्सव ।

उद्धर्षण, ( न. ) रोमांच । शरीर के रोमों का लडा होना ।

उद्दय, ( पु. ) यज्ञाग्नि । शहीद के प्रिय यादव विशेष । उत्सव ।

उद्धार, ( पु. ) जो उठाया जावे । जिसे शोभन करना पड़े । ऋण । छुटकारा । सम्पदा । सींच कर बाहर निकालना ।

उद्भूत, ( वि. ) उठाया गया । छुड़ाया गया । पृथक् किया गया । रखा किया गया । प्रतिलिपि करना । सींच लेना ।

उद्बन्धन, ( न. ) धपने गले में रस्मी बाँधा । चौकी लगाना ।

उद्वाह, ( घ. ) बौढ़ उठाये हुए ।

उद्बुद्ध, ( वि. ) विकसित । तिला हुआ । जागा हुआ ।

उद्बोध, ( पुं. ) थोड़ी समझ । पहचान । स्मरण ।

उद्भट, ( पु. ) अमाधारण प्रथ से बाहर का श्लोक । फुटकल । सूर्य । प्रसिद्ध ।

उद्भव, ( पु. ) उत्पत्ति । जन्म । निकलना । पैदा होना ।

उद्भिज्ज, ( वि. ) अंडुर । मृमि फाइ कर उत्पन्न हुआ हुआ । बनसति । स्थान ।

उद्भिद्, ( वि. ) वृष्ट । मारी । लता । यज्ञ ।

उद्भूत, ( वि. ) उन्मथ । प्रकट हुआ । प्रत्यक्ष जिसे हम देख सकें ।

उद्भेद, ( पु. ) पुष्टारा । देह पर रोमों का लडा होना । जन्म । वपनि ।

उद्भ्रम, ( पु. ) अज्ञेय । व्याकुलता । परावृष्ट । भूल । चिन्ता । भ्रमना ।

उद्भ्रमण, ( न. ) उब्धता ।

उद्भ्रान्त, ( न. ) तलवार घुमाना । निकलना ।

उद्यत्, ( वि. ) तयार हुआ । ऊँचा किया गया । मन्थ का अन्धाव ।

उद्यम, ( पु. ) उद्योग । हिम्मत । कोशिश । तयारी ।

उद्यान, ( न. ) जाना । सैर करना । उपवन । बगीचा । आराध ।

उद्योग, ( पु. ) यत्न । उपाय । श्रेय । उन्माह ।

उद्भ्रिक्त, ( वि. ) अधिक । बढ़ा हुआ ।

उद्भेक, ( पु. ) बाढ़ । उपक्रम । आरम्भ । नीम का पेड़ ।

उद्भन्, ( स्त्री. ) उच्चा । उँचाई ।

उद्भर्तन, ( न. ) उबटना । उबटन लगाना । चन्दन लगाना । पितना । उल्ललना ।

उद्भ्रान्त, ( पु. ) वमन करना । बाहर निकालना ।

उद्भासन, मारना । विकर्षन । विदा करना । धोड़ना ।

उद्भाह, ( पु. ) निगाह । परिपश्य ।

उद्वाह, ( वि. ) मुना उपर धिरे हुए ।

उद्दिग्ध, ( वि. ) निरल । पवनाया इषा ।  
उद्देग मुक्त ।

उद्द्यूत्त, ( वि. ) दुर्गत, दुःखायाम् ।

उद्देग, ( पुं. ) विमोह मे इती होना ।  
निरक्षल । शीघ्र जाने वाला ।

उद्देह, ( वि. ) मर्त्यात्त भङ्ग करने वाला ।

उद्देहन, ( न. ) पैर हाथ का बन्धन । दरपानि ।  
पगडी । खुला हुआ । मुक्त ।

उद्द, ( वि. ) गीला करना ।

उद्दुद, ( पुं. ) मूला । पूरा ।

उद्भ, ( वि. ) पार्श्व । गीला ।

उद्भति, ( भी. ) उदय । बढती । वृद्धि ।  
गदह की छी ।

उद्भज, ( वि. ) बडा हुआ । भली प्रकार  
बंध हुआ ।

उद्भजन, ( न. ) भीषा तथा करना ।

उद्भमिन्, ( वि. ) उडाया गया । उडाया गया ।

उद्भन्, ( न. ) ऊँची नोक वाला ।

उद्भिद्, ( वि. ) खिला हुआ । निद्रास्थ ।  
निद्रा में जाने का एक शैलविशेष ।

उद्भन्ध, ( पुं. ) पागल । भ्रष्ट । छत्रपुत्र  
का पैर । महीवीरिन ।

उद्भन्ध, ( वि. ) पागल । मित्रो मरता चदा  
हो । मादक द्रव्य ।

उद्भन्धत्, ( वि. ) बरहाया हुआ । निगका  
भन की जाती है ।

उद्भन्ध, ( पुं. ) बर बरना । बार बारना ।  
हवा करना ।

उद्भन्ध, ( पुं. ) धातु का हुआ बल का  
बनेले चक्रको को बिलो का जन्म का  
व हा । जन्मा । उप उप करना । विरता  
करना ।

उद्भन्ध, ( पुं. ) धान्यजन । विहीन ।

उद्भन्ध, ( न. ) शीघ्र । शीघ्र धान्य कापी ।

उद्भन्धित, ( वि. ) कल्पित । विरता हुआ ।

उद्भन्धित, ( न. ) लक्ष्मी । उदये ।  
उदये ।

उद्भन्ध, ( वि. ) ऊँचे हुए बाधा । किरी  
बाध में लया हुआ ।

उद्भन्धन, ( न. ) मरते उलाह बाधना । मरुत  
मरु का बाधना ।

उद्भन्ध, ( पुं. ) गेव बाधि का लोचना । छोटा  
मा प्रकाश ।

उद्भन्धन, ( न. ) मोलाता । मुक्त करना । दरपन  
करना ।

उद्भन्धन, ( न. ) मोह हाथना ।

उप, ( अव्य. ) सामीप्य । अधिक । सापेक्ष ।  
आत्म । मूर्त ।

उपकण्ठ, ( वि. ) निरुत् । मनेके लकीर । मोह  
का निरवादा । पाहे की उपलभने की जन्म ।

उपकण्ठ, ( न. ) सामधी । साधन ।

उपकण्ठ, ( पुं. ) हुआ । अनुकूलता । हाहा  
पना । पैलाये हुए दुःखार्थि ।

उपकूल, ( न. ) विनाये पर उपल हुआ ।

उपकाम, ( पुं. ) आत्म । उदये । उदये ।  
भागना । बन् ।

उपकौश, ( पुं. ) निद्रा । लम्बने एक  
कोल । बोलना । विहका । बोलना ।

उपकौश, ( पुं. ) कना । निरुत् । निरुत् ।

उपकश्य, ( पुं. ) कनकी । कपी ।

उपकश्य, ( पुं. ) मूषण ।

उपकर्त, ( वि. ) कर्तृत् । कर्ता । कर्तृत् ।  
जाना गया ।

उपकर्म, ( पुं. ) कर्तृत् । कर्तृत् ।  
कर्तृत् करना ।

उपकर्ति, ( भी. ) कर्ता । कर्तृत् । कर्तृत्  
कर ।

उपकर्त, ( वि. ) कर्तृत् । कर्तृत् ।

उपकर्त, ( न. ) कर्तृत् । कर्तृत् । कर्तृत् ।

उपकर्त, ( पुं. ) कर्तृत् । कर्तृत् । कर्तृत् ।  
कर्तृत् ।

उपकर्त, ( न. ) कर्तृत् । कर्तृत् । कर्तृत् ।  
कर्तृत् ।



उपश्लेष, ( पुं. ) एक शब्द की विभक्ति ।  
 आचार और अधिप का एक शब्द विभक्ति ।  
 उपसृम्भक, ( न. ) मूँड । सम्भ्रा । मूनी । डेक ।  
 अधिकता । रोक ।  
 उपसंग्रह, ( पुं. ) घेर घूना । छुट कर  
 नमस्कार करना । पौडागन ।  
 उपसंयम, ( पुं. ) उपसंहार । सीधना । समाप्त  
 करना । पूरा करना । रोकना । बर्षना ।  
 जगत् का नारा ।  
 उपसंषयान, ( न. ) धोती । पहिने का वस्त्र ।  
 उपसंहार, ( पुं. ) अन्तिमभाग । समाप्ति । इकट्ठा  
 करना । सीधना ।  
 उपसस्ति, ( स्त्री. ) सेवा । विभक्ति ।  
 पूजा ।  
 उपसर्ग, ( पुं. ) रोग का विकार । उपश्रुत ।  
 शुभाशुभ की सूचना देने वाला । महाभूत  
 विकाररूप उत्पन्न । व्याकरण का एक  
 शब्द विशेष ।  
 उपसर्जन, ( न. ) अग्रधान । शीघ्र ।  
 विशेषण । छोड़ना । प्रतिनिधि । एक के  
 स्थान पर काम करने वाला ।  
 उपसृष्ट, ( न. ) मिला हुआ । दबाया हुआ ।  
 मैथुन । भोग ।  
 उपसेक, ( पुं. ) सींच कर मुलायम करना ।  
 उपस्कर, ( पुं. ) मसाला । सामान । सामग्री ।  
 भूषण । निन्दा । कलङ्क । दोष ।  
 उपस्थ, ( पुं. ) धी की योनि । पुरुष का लिङ्ग ।  
 दोनों का नाम ।  
 उपस्थातृ, ( वि. ) सेवक । नौकर । पुरोहित ।  
 भेद । पहुँच गया ।  
 उपस्थान, ( न. ) निरुद्ध होता । नमस्कार ।  
 प्रार्थना । प्राप्ति । बहुत लोग ।  
 उपस्पर्श, ( पुं. ) छूना । स्नान । आचमन ।  
 उपस्पर्शनी, ( न. ) छूना । विधि से आचमन  
 करना ।  
 उपसृष्ट, ( वि. ) स्नान किया हुआ । आचमन  
 किया हुआ ।

उपहमिनाता, ( स्त्री. ) पापान ।  
 उपद्रु, ( पुं. ) दुःख । दुःख । दुःख । निन्दन ।  
 विन्द ।  
 उपहार, ( पुं. ) भेंट । नत्तर । दूस्मर ।  
 उपहास, ( पुं. ) हास्य । उड़ा ।  
 उपहर, ( न. ) उतर ।  
 उपाकरण, ( न ) मनेऊ पड़न कर वेद पढ़ना ।  
 मातृपी पुर्विमा का वैदिक कर्म मरकर  
 कर चुकने पर यह में पुनुरन्त । प्रत्यय ।  
 उपालयान, ( न ) प्राचीन स्नान ।  
 उपागम, ( पुं. ) सीकार । मान लेना । पहुँ-  
 चना । निरुद्ध आना ।  
 उपाङ्ग, ( न. ) अङ्ग के समान, मुख्य का  
 साहाय्य ।  
 उपास, ( वि. ) प्राप्त । लिया गया । मद  
 प्रकृत न हुआ हाथी ।  
 उपादान, ( न ) पकड़ना । लेना । कार्य के  
 साथ मिला हुआ कारण ।  
 उपादेय, ( वि ) उत्कृष्ट । उत्तम । लेने  
 योग्य । मुख्य । मनोहर ।  
 उपाधि, ( पुं. ) पदवी । धर्म की चिन्ता ।  
 धन । चिह्न । नाम । कुटुम्ब के भरण  
 पोषण की चिन्ता से उत्पन्न धराहट ।  
 उपाध्याय, ( पुं. ) अध्यापक । जीविदा के  
 लिये वेद अध्याय वेदाङ्ग को पढ़ाने वाला ।  
 उपानह, ( स्त्री. ) ऋते ।  
 उपान्त, ( पुं. ) निरुद्ध । समीप । प्रान्त ।  
 सिरा । अँस की कोर ।  
 उपाय, ( पुं. ) उपगम । साधन । उद्योग ।  
 शत्रु को बरा में करने के चार उपाय—ध्या  
 साम, दाम, दण्ड और भेद ।  
 उपाजन, ( कि. ) पैदा करना ।  
 उपालम्भ, ( पुं ) निन्दापूर्वक इष्ट वचन ।  
 दोष । उलझना ।  
 उपासक, ( वि. ) उपासना करने वाला ।  
 सेवक । भक्त ।  
 उपास्ति, ( स्त्री. ) उपासना । देवता की सेवा ।

उपेक्षक, ( वि. ) उदासीन । प्रतीकार होने  
 के लिये उपन न होने वाला ।  
 उपेक्षा, ( स्त्री. ) त्याग । उदासीनता ।  
 उपेन्द्र, ( पुं. ) विन्दु । वापन ।  
 उपेन्द्रयज्ञा, ( स्त्री. ) अपारह अथवा के पाद  
 वाला एक सन्त विशेष ।  
 उपोद्, ( पुं. ) विशदित । समीची ।  
 उपोद्घोषित, ( पुं. ) आरम्भ । किन्ता जिसमें  
 प्रकृति की शक्ति हो ।  
 उपोपपत्, ( न. ) उपपाठ । मन । कक्षाका ।  
 उपस, ( स्त्री. ) बोधा हुआ धान्य । बीज वाला हुआ ।  
 उप्यू, ( कि. ) पैरना । कोपल होना ।  
 उपस, ( सि. डि. ) हो । यह समाप्त में समय  
 शब्द बन जाता है ।  
 उपसय, ( सि. डि. ) दोनों ।  
 उपसयतर, ( अन्व. ) दोनों ओर ।  
 उपसयत्र, ( अन्व. ) दोनों जगह ।  
 उपसयथा, ( अन्व. ) दोनों प्रकार ।  
 उप्यू, ( अन्व. ) गेह । कोष । स्वीकृति । धरन ।  
 उमा, ( स्त्री. ) पार्वती । शिव की पत्नी । इल्दी  
 बलनी । कौर्नि । यश । शक्ति । सौन्दर्य ।  
 शान्ति । धृत् ।  
 उमाधव, ( पुं. ) महादेव । उमाकाण्ड ।  
 उमेरा ।  
 उमासुत, ( पुं. ) उमापुत्र । वार्तिनेय ।  
 मयपति ।  
 उम्न, ( कि. ) भरना । पूर्ण करना ।  
 उर, ( कि. ) माना ।  
 उरग, ( पुं. ) छाती के बल चलने वाला  
 अर्थात् हाथ ।  
 उरगाशन, ( पुं. ) सर्वभक्षी । गरुड ।  
 उरल, ( पुं. ) मेघ । भेज ।  
 उरल, ( पुं. ) बादल । मेघ । बहुत घूमने  
 वाला ।  
 उरली, ( अन्व. ) अहोकार । स्वीकार ।  
 उरल्लुङ्ग, ( पुं. ) कण । छाती टुकने वाली  
 वस्तु ।

उरर, ( न. ) छाती । वयस्थल ।  
 उरसिज, ( पुं. ) छाती पर उगने वाला । कुब ।  
 रान । छाती के बाल ।  
 उथा, ( स्त्री ) भेज ।  
 उथक्रम, ( पुं. ) बड़ी शक्ति वाला । विन्दु ।  
 उथ, ( न. ) बोधा बोधा ।  
 उरुक, उलुक, ( पुं. ) उलू । पुष्प ।  
 उरुगम्, ( पुं. ) बोधी नाक वाला ।  
 उरोज, ( पुं. ) रान । कुब । वृषी । छाती  
 के बाल ।  
 उरुनाभ, ( पुं ) मकड़ी । शरीर के भीतर  
 आते वाली ।  
 उरुर्गा, ( स्त्री. ) भेज के बाल । ऊन ।  
 उरु, ( कि. ) माना ।  
 उरुवा, ( स्त्री. ) उपजाऊ । सत्पूर्ये भूमि ।  
 उरुशरी, ( स्त्री. ) निम चलना । उरुड  
 अभिलाष । एक अक्षर का नाम ।  
 उरुविया, ( अन्व. ) दूर । अन्तर पर ।  
 उरुवी, ( स्त्री. ) भूमि । पृथिवी ।  
 उल, ( कि. ) देना ।  
 उलप, ( पुं. ) बेल । लना ।  
 उल्लखल, ( न. ) उगली । उरल ।  
 लल ।  
 उलका, ( स्त्री. ) रेत के भास्कर में आकार  
 से गिरा हुआ ठेक का समूह । टूट कर  
 गिरता हुआ तारा ।  
 उलकामुखी, ( स्त्री. ) गहड़नी । गीदहनी ।  
 उलमुक, ( न. ) अक्षर ।  
 उलसकन, ( न. ) भङ्ग करना । मधुप्रीदा तोड़ना ।  
 उल्लाप, ( पुं. ) कटाहना । गालिथी ।  
 उल्लास, ( पुं. ) मङ्गल । अथवा । मङ्गलना ।  
 उल्लिखित, ( वि. ) ऊपर लिखा हुआ ।  
 एरा हुआ । निश्चारी किया हुआ ।  
 उल्लेख, ( पुं. ) उदाहरण । बोलना । लिखना ।  
 उल्लोच, ( पुं. ) अन्व या प्रकर । चौदनी ।  
 उल्लोल, ( पुं. ) बड़ी लहर । बड़ी लहर ।  
 उल्य, ( न. ) मनीसुष ।



अनुर्वाह, ( पुं. ) रात्रि नामक जीव जो हाथी का राउ है । इसके आठ पाखें होते हैं ।

अनुर्वाह, ( पुं. ) ऊँचा ↓ दरवाजा या गमने जैसा लीपा लीन रस्ता वाला टीका । तिलक जिते बंधन लोग धारण करते हैं और धार्मिक प्रधान किह मानते हैं ।

अनुर्वेता, ( पुं. ) जितका बरिय ऊपर रहता हो । नीचे न गिरता हो । अत्यन्त महाबाही जैसे महादेव । सनकादि । स्याली । भीष्म पितामह ।

अनुर्वेता, ( पुं. ) महादेव ।

अनुर्वेता, ( पुं. ) शरंग ।

अनुर्वेता, ( पुं. ) तरङ्ग । लहर । प्रवाहा । वेग । पीसा । चाह । भूष आदि ल. उर्ध्वार्थ है ।

अनुर्वेता, ( स्त्री. ) अशुद्धी ।

अनुर्वेता, ( पुं. ) लघुप ।

अनुर्वेता, ( स्त्री. ) लक्ष्मण जी की पत्नी का नाम ।

अनुर्वेता, ( स्त्री. ) रात्रि । रात ।

अनुर्वेता, ( पुं. ) प्रभाव । चन्दन । लारी नदी ।

अनुर्वेता, ( वि. ) परिष. पीपलापूल । जीवा । मय । लीला ।

अनुर्वेता, ( वि. ) ऊगा दुग्धि । जितये कीर्तनीत कल्पन हो ।

अनुर्वेता, ( पुं. ) भीष्म । मारी ।

अनुर्वेता, ( वि. ) निरर्थ करता ।

अनुर्वेता, ( पुं. ) तर्क विरुद्ध । अनुमान । कथा हार । दूरे हुए शब्दों को लाना वा वाक्य पूरा करना । शेष ।

अनुर्वेता, ( पुं. ) दुर्दिनार । लीन ।

अनुर्वेता, ( स्त्री. ) देवा । देव ।

अनुर्वेता, ( स्त्री. ) कल्पार । शेष । कल्प दे एत काहरी को जीव कर कर्षण करना ।

अनु

अनुर्वेता, ( वि. ) कल्प । कल्प दे

अनुर्वेता, ( वि. ) दिला करना । मानना । प्रामि होना ।

अनुर्वेता, ( न. ) बन । सोना । चर्मशास्त्रकार श्वरूप धन । बर्षों को बटने योग्य धन ।

अनुर्वेता, ( पुं. ) शिव । गणपति । संकादि शक्ति ।

अनुर्वेता, ( पुं. ) शिव । गणपति । संकादि शक्ति ।

अनुर्वेता, ( स्त्री. ) महारोग । शैल-विपत्ती ।

अनुर्वेता, ( पुं. ) जाम्बवान । शंभु ।

अनुर्वेता, ( पुं. ) वेद जितमे प्रधान विषय देवताओं की स्तुति है अथवा जितमे परमात्मा की स्तुति का वर्तन है । भारत की सबसे पुरानी धर्मपुस्तक ।

अनुर्वेता, ( न. ) ताकत । वीरता । श्रेष्ठ ।

अनुर्वेता, ( न. ) तुषानी ।

अनुर्वेता, ( वि. ) स्तुति करना । प्रशंसा करना ।

अनुर्वेता, ( स्त्री. ) एक । शीत । अन्वेद का मय । स्तुति । पूजन । देवों की उपा ( दान ) ।

अनुर्वेता, ( वि. ) शोध करना । दुर्धित होना दे एत हो जाना ।

अनुर्वेता, ( वि. ) जाग कर कदापि ।

अनुर्वेता, ( न. ) चयन । अशुकीला ।

अनुर्वेता, ( न. ) कर्षण । धन । एक माक ।

अनुर्वेता, ( वि. ) शरत् । शीता ।

अनुर्वेता, ( वि. ) लोहो । दुर्धो शरत् ।

अनुर्वेता, ( न. ) कर्षण । देवा । अल । दूरे । दूरे को दुर्धो । देव । अदि कीर्तनीते के लेश से बचकम दन वाता । देव का कल्पन रूप लक्षणोदित वाक्य काश्चयेव कर्म-कर्म ।

अनुर्वेता, ( न. ) शंभु । कल्पित ।

अनुर्वेता, ( न. ) शरत् । अन्वेद । अन्वेदो दे के एक ।

अनुर्वेता, ( पुं. ) एक के देव । एत कर्षण ।

अनुर्वेता, ( वि. ) कल्प ।



## लृ

लृ, नागरी वर्णमाला का नवौं अक्षर । अल्पव  
में इसका वर्ण होता है । देवता और  
देवों की माता । पृथिवी । पत्नी ।

## लृ

लृ, नागरी वर्णमाला का दसवाँ अक्षर ।  
लृ, (अल्प.) देवताओं की माता । देवमी ।  
महादेव ( उ. ) देवों की माता ( स्त्री. )  
विष्णु ( पु. ) सत्त्व का कोई भी शब्द  
जो या ए से आरम्भ नहीं होता ।

## ए

ए, नागरी वर्णमाला का ग्यारहवाँ अक्षर ।  
ए, ( अल्प. ) दया । स्मरण करना । वृत्ता  
करना । पुस्ताना । ( पु. ) विष्णु ।  
एक, ( वि. ) सत्त्वा एक । मुख्य । केवल ।  
और । सत्त्वा । एक ही । समान । घोषा ।  
एकक, ( वि. ) अक्षराद्य । अकेला ।  
एकचक्र, ( न. ) एक पहिये वाला चक्र का  
रथ । एक पुरी का नाम । जहाँ रह कर  
पाण्डवों ने बकासुर को मारा था । बक-  
पती राजा ।  
एकचर, ( वि. ) अकेला घूमने वाला । सौंप ।  
एकजाति, ( पु. ) जिसका एक ही वार जन्म  
होता है । शत्रु ।  
एकजातीय, ( वि. ) एक प्रकार का । एक  
जाति का । बराबर ।  
एकतम, ( वि. ) अनेकों में एक ।  
एकतर, ( वि. ) दो से बीच एक । दोयें से एक ।  
एकतर, ( अल्प. ) एक और से ।  
एकतान, ( वि. ) ब्रह्मा करना । भरोसा  
करना । एक पर विरवात करने वाला ।  
एक ही और ध्यान वाला । एक ही और  
ध्यान लगाने वाला ।  
एकत, ( अल्प. ) एक प्रवाह । एक स्थान पर ।  
एक अग्रह में ।

एकत, ( न. ) अभेद । एका । बराबर ।  
सामुच्च्य मुक्ति । स्पष्ट और जीव की अभेद  
दशा ।

एकदण्डिन, ( पु. ) एकमान दण्ड को  
धारण करने वाला । शिखा यज्ञोपवीतादि  
रहित । सन्ध्यासी ।

एकदन्त, ( उ. ) एक दाँत वाला । गणेश ।

एकदा, ( अल्प. ) एक बार । किसी समय ।

एकदह, ( वि. ) एक नेत्रवाला । शाना ।  
काक । अभिषेक मान वाला । शिव ।

एकधरा, ( अल्प. ) एक प्रकार का ।

एकपक्षी, ( स्त्री. ) पक्षिमता । सखी औरत ।

एकपदी, ( स्त्री. ) छोटा रास्ता । पगडड़ी ।

एकपदे, ( अल्प. ) सहसा । अकस्मान् ।

अचानक । एक ही नेत्र ।

एकपिङ्ग, ( पु. ) पीली एक आँसु वाला  
कुंजर ।

एकभङ्गप्रत, ( पु. न. ) चाथा दिन खाँदने  
पर भोजन करने वाला और फिर रात्र में  
न खाने वाला ।

एकयष्टिका, ( स्त्री. ) एकलरी । एक लरकी ।

एकराज, ( उ. ) सार्वभौम । अक्षरती ।  
बारह मण्डल का अधिपति ।

एकविंशति, ( स्त्री. ) बीस । सन्ध्या  
विशेष । २१ ।

एकर्यार, ( उ. ) बसा वीर । एक प्रकार  
का वृक्ष ।

एकाशक, ( पुं. ) एक सार वाले । तथा ।  
घोषा । राक्षस आदि ।

एकशेष, ( पु. ) द्रव्य समाप्त का एक भेद  
जिसमें एक ही बच रहै ।

एकश्रुति, ( स्त्री. ) आठेगाम्य में बहिन  
उदान, अनुदान और स्मृति का विभाग  
किये विना बोलना ।

एकसर्ग, ( वि. ) एक और मन वाला ।  
एकाग्रचित्त ।

एककिन्, ( वि. ) अकेला । अमरुथ ।



देकागिनिक, (वि.) न कवने वाला । शिशु ।  
 द । अन्वयिषयी ।  
 देकादिण, (वि.) एक दिन में होी कला ।  
 एक दिन का ।  
 देवय, (न.) समंद । मेल । एकत्र ।  
 देवय, (त.) गले का रस । दूध ।  
 देवयाक, (पु.) इक्षुपुत्रसप्तभूष । पूर्व-  
 वार्ता तथा ।  
 देवुद, (न.) इक्षु का वृष का वल (संज्ञा) ।  
 इक्षु का वल ।  
 देविदागिनिक, (वि.) इतिहासमन्त्रयो ।  
 देविदास्य, (न.) इतिहासी ।  
 देदुपय, (पु.) मुख्य विषय । सोर ।  
 देन्दय, (पु.) बाद-सम्बन्धी घुलितरा नयन ।  
 देन्द्रजाल, (न.) जादू । दंडबध ।  
 देन्द्रि, (पु.) बाक । बीया ।  
 देन्द्रिय, (पु. न.) विषय भोग ।  
 देवयण, (पु.) इन्द्र के हाथी का नाम ।  
 देवयल, (पु.) एक गणे का नाम । इन्द्र-  
 धनु । इन्द्र म विष्णु इन्द्र का हाथी ।  
 देवेणु, (न.) गधा नाम । पहाड़ा नाम ।  
 देवेय, (न.) कलसम्भूत । घंटीरा ।  
 देल, (पु.) इला का वेग । पुष का पुत्र ।  
 राजा पुरुवरा ।  
 देलय, (पु.) शोर । बीजादल । इला दला ।  
 देलविल, (पु.) कुंवर । रत्नविला का पुत्र ।  
 देय, (पु.) यहादेव जी का । शिव जी का ।  
 देयान-रि, (न. सं.) शिवका शिव देवता  
 है । उनर और पूरे की देवता ।  
 देयय, (न.) शक्ति । सामर्थ्य ।  
 देययर्थ्य, (न.) शिवन । आठ प्रकार की  
 विद्वनियों ।  
 देयमस, (अन्व.) कर्ममान कर्म ।  
 देयीक, (पु.) नरकुल का बना हुआ ।  
 देयिक, (पु.) रि का बना हुआ ।  
 देयलीकिक, (वि.) इस लोक में होी कला ।  
 इस लोक का ।

देयिक, (न.) इस लोक का ।

घो

घो, नागरी वर्णमाला का तेरदशौं अक्षर ।  
 (अन्व.) शरण्य । सम्बोधन । दया । मुष्णना ।  
 घो, (ग.) गन्ना । जलपत्रि ।  
 घोक, (पु.) पत्नी । वृत्त । इन्द्र ।  
 घोकर, (न.) पर । सुत ।  
 घोकोदरी, (स्त्री.) वैशाखी । अँ । सीत ।  
 घोवु, (कि.) सुष्णना । सजाना । इडाना ।  
 सामर्थ्य रखना ।  
 घोष, (पु.) पानी की धार । शीम नाचना ।  
 गाना । बजाना ।  
 घोह्व, (पु.) घो । अक्षर ।  
 घोज, (कि.) बस करना । सोर करना ।  
 (सं.) उना ।  
 घोजम्, (न.) दक्षिण । अक्षर । प्रायवत् ।  
 सामर्थ्य । शक्ति । अथोत्रिय शास्त्रानुसार  
 १ ही, २ही, ३ही, ७ ही आदि  
 विषयसिद्धि । धनुषद्वय करने वाली घोषधि ।  
 घोजिष्ठ, (वि.) बहुत तेज वाला । कति  
 बल वाला । बहा बली ।  
 घोणु, (कि.) निष्कलना । इडाना ।  
 घोल, (वि.) अन्वयार्थ । बुधा हुआ ।  
 घोतु, (वि.) नाने जाने के शून । विहाल ।  
 विहाल ।  
 घोदन, (पु.) भाव । गीला अन्न ।  
 घोम्, (अन्व.) प्रपन्न । घोकार । प्रथम का  
 स्वीकार करना । ही कहना । घोह्वार  
 वाचक मन्त्र । आरम्भ । स्वीकार । इडाना ।  
 महत्त्व । अन्न । जलने योग्य । निष्कलना ।  
 घोमन, (पु.) हृत्ता । गहायता ।  
 घोष, (कि.) दाह । जलाना ।  
 घोषधि, (स्त्री.) दाह की धारण्य करने  
 वाली । वृष जो कभी क पकने तक ही  
 रहने दे । धान । अँ । दूसरे । अन्वयो  
 कलपति ।





शौचं, (पुं.) उनी ।  
 शौच्येदेहिक, (नि.) भाडादि कर्म । वेन-  
 कर्म । मरने के बाद मंगलकार से लगा कर  
 मङ्गल भाद पर्यन्त की जाने वाली क्रिया ।  
 दशागाथीपि ।  
 शौच्यं, (पुं.) उर्ध्व की भीलाह । वाङ्मयस्य ।  
 पदाथी नामक । पृथिवी का ।  
 शौच्यशेष, (पुं.) उर्ध्वरी से उत्पन्न ।  
 शौलक, (न.) शत्रुओं का समूह ।  
 शौलक्य, (पुं.) वैदिक दर्शाकार कपार  
 हति ।  
 शौमानस, (न.) शुक से कही हुई तान-  
 नीति ।  
 शौशीर, (न.) शीत की कपड़ी । शम्पा शीत  
 पीठ । शयन । निरत । आसन ।  
 शौच्य-श्री, (न. श्री.) दर्शा । सिद्ध की हुई  
 दया ।  
 शौच्य, (पुं.) शतःपाल का ।  
 शौष्ट, (पुं.) ऊँट से उत्पन्न दूध ।  
 शौष्टक, (पुं.) ऊँटों का गिरोह ।  
 शौष्ट्य, (नि.) होठों की लक्ष्यता से  
 उच्चारित अक्षर ।  
 शौच्य, (न.) गरम । गर्मी । धूप ।  
 शयन ।  
 शौच्य, (न.) सत्कार । उच्चार ।

घ

घ, अक्षरों में प्रथम अक्षर । पाँचों वर्णों में  
 प्रथम अक्षर ।  
 घ, (पुं. न.) कीन । बया । जल । मल ।  
 वायु । आत्मा । वम । शय प्रजापति ।  
 सूर्य । धनि । शिष्यु । काल । राजा ।  
 भोर । शीत । धन । धन । प्रकाश । शब्द ।  
 धन । शिर । रोग ।  
 घंस्, (पुं.) उमतेन वा पुन राजा कंत ।  
 तेन बहाने वाली वायु । नीला धनु ।  
 - सोने व कपड़ी वर वर दूध मरिच-

पाल के लिये बरतन । कटोरा । घाड़क के  
 नाम से प्रसिद्ध होल ।  
 घंस्का, (न.) नेत्र रोग के लिये हिराकत  
 नामक एक विशेष औषधि । जल का  
 छार । कीर्तित ।  
 घंस्कार, (पुं.) कठोरा । बरतन बनाने वाली  
 एक जाति ।  
 घंस्जित्, (पुं.) भीष्मपु ।  
 घंस्कारति, (पुं.) भीष्मपु ।  
 घण्ट, (नि.) वादना । जाना ।  
 घण्टरुध, (पुं.) पूर्ववरी एक राजा ।  
 जिसकी सन्तान ने बैल की दुधों पर बैठ  
 कर शत्रु विजय करने के कारण घण्टरुध  
 उपाधि धारण की थी । इत्यादि का  
 योग । इसी दुष में भीष्मावतार  
 हुआ था ।  
 घण्ट, (नि.) इतना ।  
 घण्टु, (धी.) आना आदि राजविह ।  
 प्रधान । परत की बोरी । बैल के कन्धे  
 का मास ।  
 घण्टुघण्ट, (पुं.) बैल । दुध वाला । परत ।  
 कर्म ।  
 घण्टुघण्टी, (धी.) बैल राजा की कन्धा  
 रैनी, जिसकी सान से कर राजा मन्ना  
 से होने गया भीर लौट कर बलदेव भी की  
 श्याही । कर्म ।  
 घण्टुघट, (न.) धूरक । शूधा । रोन ।  
 घण्टुघ, (धी.) शिरा । शोभा । कन्धे के  
 दूधों की माला । शास्त्र । शक्तिविन्द ।  
 पदाथ की बोरी । दुधमिषेन ।  
 घण्टुघण्ट, (पुं.) शिष्यमव ।  
 घण्टोत्त, (पुं.) शयमव । मनकपूर ।  
 शीतलबीनी ।  
 घण्ट, (पुं.) शिवी के हाथों के पीके का  
 आंचल । लता । लथीन का भाग । राजा  
 का अन्तःपुर । मुखाथों का मूल । कन्ध ।  
 कर्षण । शूधी बंधने का रण । काबी ।

पाप । वन । घर की दीवार । बाँच निकलने का रोग । तड़ागी । तड़ । परत ।

कक्षोत्था, ( स्त्री. ) नागरमोषा ।

कक्ष्या, ( स्त्री. ) हाथी बाँधने का चमके का रस्ता । राजभामाद का बड़ा कमरा । बनावरी । साहस । ( स्त्री. ) उन्तरीय वस्त्र । ज्वर का कपड़ा । तराजू ।

कक्ष्, ( कि. ) किया करना । चलना ।

कक्ष्, ( पु. ) काक नामक एक पक्षी, इसी पक्षी के पंखों से बाणों के पुद्ग बनाये जाते हैं । मुथिठर का बड़ नाम जो उन्होंने निगडनगर में पहुँचने पर रख रखा था ।

कक्षुट, ( पुं. ) कृषक । वर्म ।

कक्षुण्, ( ग. ) विवाह के समय भी पुत्र दानों के हाथ में बोधा जाने वाला सात गेड़ों का गूँथ । कर्षण्य । हाथ का भूषण । कर्मा । कक्षी ।

कक्षुत, ( न. ) कपी । बालों को साफ करने वाली ।

कक्षुनिष्ठा, ( स्त्री. ) नागवधा । कपी ।

कक्षुर्ता, ( स्त्री. ) कपी ।

कक्षुश्च, ( पुं. ) शीत । शाल ।

कक्षुमुख, ( पुं. ) सशनी । मक्षी । कक्षुपक्षी के रूप में ।

कक्षुम, ( पुं. ) दूधियों का निष्ठर । सशनी ।

कक्षुममावित्, ( पुं. ) अश्विनीय की मन्त्र का । इत् । इत् ।

कक्षु, ( पुं. ) कक्षु-एक प्रकार का कर्मा ।

कक्षु, ( कि. ) कक्षु कर्मा । कौशला । शी कर्मा ।

कक्षु ( पुं. ) कक्षु । कक्षुपक्षी का पुत्र । कक्षु कर्मा । इत् । कक्षु कर्मा । इत् ।

कक्षु ( कि. ) कक्षु कर्मा । कक्षु कर्मा ।

कक्षु ( कि. ) कक्षु कर्मा । कक्षु कर्मा ।

कक्षित्, ( अव्य. ) हर्ष । मखल । इत् प्रश्न ।

कक्षु, ( पुं. ) स्थान जहाँ पानी ही पानी हो । तट । साल । कक्षुता । पुष्पागुदम । केसर का पेड़ । बाजनी ।

कक्षुप, ( पुं. ) कूर्म । कक्षुता । कुरेर का धनागार । मदिरा निकासने की कला । वृषविरोध । मत्स्युद ।

कक्षुदुर, ( नि. ) लम्पट । व्यभिचारी । व्यभिचारिणी स्त्री ।

कक्षु, ( न. ) कमल । पत्र ।

कक्षुल, ( न. ) अन्न । कामल । बाण । मन्वी विरोध ।

कक्षुलरोचक, ( पुं. ) शीत । दीपक की बैठकी । कक्षुत को चमकाने काटा ।

कक्षुक, ( पुं. ) लोहे का वर्म । केपुडी । बोली । अक्षिया । कुर्ता ।

कक्षुकिन्, ( पुं. ) स्त्रीशिरस । दरवान । सांघ । मार । नो । वर्मपारी । लवणा-रथक । कक्षु नामक सुनि । अक्षुता पक्षुने जाता ।

कक्षुक, ( पुं. ) मीना । कोषप ।

कक्षुार, ( पुं. ) गृध्रे । बड़ा । उदर । पेट ।

कक्षु, ( कि. ) कक्षा । बामना । इतिगवध स्वय । कक्षु । कौशु । पक्षी । छेदों की लक्षी । कक्षुता । कौशु । मक्षुता । कक्षु । कक्षु का मास ।

कक्षुक, ( स्त्री. ) मेवा । पौत्र का मावनाय । मेवा । हाथीशिर । कक्षुता । कक्षुपक्षी । कक्षु का नामक पुत्र । सुनि ।

कक्षुट, ( पुं. ) शिवनी का नाम ।

कक्षुपुन, ( स्त्री. ) कक्षुपुन ।

कक्षु, ( पुं. ) मक्षु । विष्णु । मक्षुपक्षी । कक्षु । कक्षुपुन । कक्षुपुन । कक्षुपुन । कक्षुपुन ।

कक्षुमक्षु, ( पुं. ) कक्षु के हाथों के कक्षु का नाम । कक्षुपुन का नाम । कक्षुपुन ।

कटाघन, (न.) दृष्ट निगरी बटरी भारी  
कटी है। मग।  
कटाट, (ड.) भिन का बधा। परा। परका।  
कटी। मगर। मरक।  
कटि, (भ.) कपा। पुनर।  
कटिक, (न.) कटीक। कविह।  
कटिज्ञ, (पु.) कोला।  
कटिम्ब, (न.) कटिमी। केलका। कोट।  
कट्ट, (न.) कटता। कोला। दुग्ध। कट्टी  
लगा। कपक। केलकट्ट। कटोला। नील।  
कट्टकन्द, (ड.) कट्टा कट्टाका। कोला।  
कट्टक। कट्टक।  
कट्टकट्टक, (ड.) कट्टक।  
कट्टकाल, (ड.) कट्ट कट्टक काला।  
कोला। कट्टक। कट्टक।  
कट्टकान्ति, (ड.) कट्टकोट्ट। कोला  
कोला। कट्टक। कट्टक।  
कट्टकान्ति, (ड.) कट्टका का वेद।  
कट्टकान्ति, (न.) कट्टी कोला। कट्टक,  
कोला। कट्टी।  
कट्टकला, (भ.) कट्टी। कट्टकोट्ट।  
कट्टक, (न.) कट्ट। कट्टक। कट्टी।  
कट्टकान्ति, (ड.) कट्टक। कट्टक काला।  
कट्टकोट्टा, (भ.) कट्टक। कट्टक कोला  
कोला।  
कट्टक, (न.) कट्टा। कट्टक। कट्टी।  
कट्ट, (भ.) कट्टे का से काद कट्टा।  
कट्टिक, (ड.) कट्ट। कट्टक। कट्टे। कट्टा  
कट्टा। (भ.) कट्टी।  
कट्टिकी, (भ.) कट्टिका।  
कट्टेक, (भ.) कट्टिक। कट्टे। कट्टे कट्टा।  
कट्ट, (भ.) कट्टा। कट्टा। कट्टा कट्टा।  
कट्टा। कट्टक। कट्टा। कट्टा।  
कट्ट, (ड.) कट्टा।  
कट्टकट्ट, (न.) कट्टा। कट्टा।  
कट्टकट्टक, (भ.) कट्टा कट्टे काट्टे कट्टे  
कट्टे।

कट्टक, (ड.) कट्टा कट्टा। कट्टा।  
कट्ट, (भ.) कट्टा कोला।  
कट्ट, (भ.) कट्टा। (ड.) कट्टा कट्टिका।  
कट्टा। कट्टा। कट्टा कोला। कट्टा का  
कोला।  
कट्टकट्टक, (न.) कट्टा कोला।  
कट्टकट्ट, (ड.) कट्टी कट्टिका। कट्टक  
कट्टे, कट्टे कट्टेक कट्टे कोला कट्टे  
कोला।  
कट्टिक, (ड.) कट्टा। कट्टिक। कट्टे  
कट्टे। कट्टा।  
कट्टिक, (ड.) कट्टा। कट्टे।  
कट्टेक, (ड.) कट्टे का वेद। कट्टे।  
कट्टे।  
कट्टक, (ड.) कट्टे कोला। कट्टा।  
कट्टा। कट्टे। कट्टे। कट्टे।  
कट्टे। कट्टे। कट्टे।  
कट्टकट्टक, (ड.) कट्टे कट्टे।  
कट्टकट्टकान्ति, (ड.) कट्टे कट्टे कोला  
कोला।  
कट्टकट्टिक, (भ.) कट्टे कट्टे कट्टे।  
कट्टे।  
कट्टकट्टिक, (ड.) कट्टे कट्टे। कट्टे  
कट्टे। कट्टे। कट्टे। कट्टे।  
कट्टकट्टककट्टा, (भ.) कट्टे कट्टे।  
कट्टे। कट्टे। कट्टे।  
कट्टकट्टा, (ड.) कट्टे। कट्टे। कट्टे।  
कट्टे। कट्टे। कट्टे।  
कट्टकट्ट, (ड.) कट्टे। कट्टे। कट्टे।  
कट्टे। कट्टे। कट्टे।  
कट्टकट्टक, (ड.) कट्टे। कट्टे। कट्टे।  
कट्टे। कट्टे। कट्टे।  
कट्टकट्टा, (ड.) कट्टे। कट्टे। कट्टे।  
कट्टे। कट्टे। कट्टे।  
कट्टकट्टक, (भ.) कट्टे। कट्टे। कट्टे।

कर्मो, ( पुं. न. ) मिर कं: इती । सोमही ।  
 कर्मो, ( कि. ) ईवना । ( पु. ) चाग ।  
 चिन्ता । घोडा । दाँप । शिखा । केकडा ।  
 कर्मो वेद । कर्मो । मेघ से चौपी  
 राती । घना ।  
 कर्मो, ( पु. ) केकडा । चौपी राती ।  
 मन्वन्तो वृत् । एक प्रकार का मेष ।  
 कर्मो-टो, ( स्त्री. ) ककरी ।  
 कर्मो, ( पु. ) मरलीशो ।  
 कर्मो-भूः, ( स्त्री. ) बेर । उगाव । कायेदार  
 देव ।  
 कर्मो, ( पु. ) कमा । रड । इती । सोमही  
 के टूटे इति । अपने की रासियों । तस्मा ।  
 कर्मो, ( पु. ) काज । रागे । तीव्र हुआ ।  
 मका । लह । कर्मो । ताइमी । निर्देय ।  
 कर्मो, ( न. ) दक्षिणदिशि भोजन का  
 वापं ।  
 कर्मो, ( पु. ) एक प्रकार का बहुमुख  
 रस ।  
 कर्मो, ( पु. ) एक प्रकार का उभ मर्ग  
 ( कर्मो देवो इति से विष बढ़ा है ।  
 मका । मेघ का रूप ।  
 कर्मो, ( पु. ) कर्म । एक मन्वन्तो ।  
 कर्मो, ( पु. ) इती ।  
 कर्मो, ( कि. ) एक देव । एक देव । एक देव  
 कर्मो ।  
 कर्मो ( कि. ) कर्मो । कर्मो कर्मो ।  
 कर्मो ।  
 कर्मो ( पु. ) कर्मो । कर्मो कर्मो ।  
 कर्मो कर्मो ।  
 कर्मो ( कि. ) कर्मो कर्मो ।  
 कर्मो ( न. ) कर्मो कर्मो ।  
 कर्मो ( पु. ) कर्मो कर्मो ।  
 कर्मो ( कि. ) कर्मो कर्मो ।  
 कर्मो ( पु. ) कर्मो कर्मो ।  
 कर्मो ( कि. ) कर्मो कर्मो ।

कर्मोफलः, ( पुं. ) एक प्रकार की मन्वन्तो ।  
 कर्मोवेध, ( पुं. ) कर्मोवेध । संश  
 विरोध ।  
 कर्मो, ( पु. ) रामेरा से से कर भो  
 तरु का देव । काग्य की एक सी।  
 राम का नाम ।  
 कर्मो-शी, ( पु. ) एक प्रकार का तीव  
 चोरी चादि विषा के विषा मन्वन्तो  
 मान का नाम ।  
 कर्मोका, ( स्त्री. ) मन्वन्तो मन्वन्तो ।  
 की मूँड़ की नोक । कर्मोभय । पर्व  
 कोष । लसानी । कुट्टिनी ।  
 कर्मोकार, ( पु. ) कर्मो का पुत्र । क  
 का पेश ।  
 कर्मो, ( कि. ) विभिन्न होना । इति मन्वन्तो  
 इति ।  
 कर्मो, ( पु. ) वेद । पुत्र । पौर काज ।  
 कर्मो, ( न. ) कर्मो । मूर्ति से मूर्ति निकल  
 का व्यापार । वापना ।  
 कर्मो, ( स्त्री. ) कर्मो । कर्मो । कर्मो  
 मूर्ति ।  
 कर्मो, ( कि. ) कर्मो मूर्ति ।  
 " इति सेना न कर्मो  
 कर्मो मन्वन्तो मन्वन्तो ।"  
 कर्मो । कर्मो । कर्मो । कर्मो । कर्मो ।  
 मन्वन्तो मन्वन्तो । मन्वन्तो मन्वन्तो ।  
 कर्मो नाम है । कर्मो  
 कर्मो, ( पु. ) कर्मो कर्मो  
 कर्मो, ( पु. ) कर्मो । कर्मो कर्मो ।  
 कर्मो, ( स्त्री. ) कर्मो कर्मो । कर्मो ।  
 कर्मो, ( कि. ) ( वेद कर्मो ) मन्वन्तो  
 मन्वन्तो कर्मो । ( कर्मो की मूर्ति ) क  
 कर्मो कर्मो  
 कर्मो-कर्मो, ( पु. ) कर्मो कर्मो ।  
 कर्मो, ( पु. ) कर्मो कर्मो । कर्मो कर्मो  
 कर्मो । कर्मो कर्मो कर्मो कर्मो  
 कर्मो

कर्ममक, (स.) कलविशेष । सर्वविशेष ।  
कर्मपेट, (पु. न.) विपदा । कपडे की  
धडी । रुमाख । देवथा रह का कपडा ।  
उपरला ।

कर्मसंन्यासिन्, (पु.) विधानपूर्वक वेद-  
निरित कर्मों को त्यागने वाला । सन्कासी ।  
पत्नी ।

कर्मण, (पु.) एक प्रकार का राक्ष ।

कर्मसिद्धि, (स्त्री.) दृष्ट धनित  
उपलब्धि या प्राप्ति ।

कर्मपट, (पु.) कपडा । तपरा । कपार ।  
अंगविशेष । मेरुपट्ट । पीठ की डही ।

कर्मार्थ, (पु.) कारीगर । छुटार  
विशेष । एक प्रकार का बंस ।

कर्मोत्स, (पुं. न.) कपडा ।

कर्मिष्ठ, (नि.) क्रियाशुशल । क  
सलभ । काम करने में पट्ट या पुर ।

कर्मूर, (स) कूर । सुगन्धद्रव्य ।

कर्मोद्दिष्ट, (न.) वे शक्तिशाली जिनसे  
सिद्ध हो पथा-हाथ, पैर, नाक, व  
आदि ।

कर्मर, (स.) दर्पण । शीशा । बड़ा ।

कर्म, (कि.) जाना । बोलना । समीप  
होना ।

कर्म-कर्मूर, (पु.) विलोदार । भूय ।  
(म.) पार । धूर श्रेण । धूरे का पीछा ।  
जल के भीतर उत्पन्न चावल । सादी के  
बावल । सोना । जल । इतल ।

कर्म, (कि.) अभिमान करना । समझ करना  
कर्म, (स.) श्रेण । इच्छा । एक प्रकार क  
मृग ।

कर्म, (न.) काम ।

कर्मेट, (पु.) दो सौ मामों में प्रधान स्थान,  
जहाँ बाजार या फेड लगती हो । डुर ।  
नगर । पहाक का उत्तर या टापुरन ।

कर्मकार, (पुं.) मजदूर । नौकर ।

कर्मेट, (पु.) राक्षस । पाप । शक्तिशाली ।  
शोना । (१) दुर्गों का नाम । शक्ति । एक  
राक्षसी । शोना की मातृ ।

कर्मकाण्ड, (पु.) क्रियाकर्म । वेद  
या वह भाग जो कर्म का प्रतिपादन  
करता है ।

कर्म, (कि.) रहना । आकर्मण्य करना ।  
जानना ।

कर्मकार, (पु.) कोई सा काम करने वाला ।  
कारीगर । यह शब्द विशेष कर वेदा  
में काम करने वालों के लिये प्रयोग है ।

कर्म, (पु.) दण । शलह माथ का एक  
माप । होला ।

कर्मेट, (पु.) कार्य करने में पुश्ल ।  
क्रियाशुशल । काम करने में पट्ट ।

कर्मक, (पु.) रहने वाला । निवास ।  
बर्हीदी ।

कर्मैय, (पुं.) काम में योग्य । काम में  
पुत्र । पट्ट । मजदूरी ।

कर्मक, (पु.) रहने वाला । निवास ।  
बर्हीदी ।

कर्मैय, (पुं.) काम में योग्य । काम में  
पुत्र । पट्ट । मजदूरी ।

कर्मक, (पु.) रहने वाला । निवास ।  
बर्हीदी ।

कर्मैय, (पुं.) काम में योग्य । काम में  
पुत्र । पट्ट । मजदूरी ।

कर्मक, (पु.) रहने वाला । निवास ।  
बर्हीदी ।

कर्मैय, (पुं.) काम में योग्य । काम में  
पुत्र । पट्ट । मजदूरी ।

कर्मक, (पु.) रहने वाला । निवास ।  
बर्हीदी ।

कर्मैय, (पुं.) काम में योग्य । काम में  
पुत्र । पट्ट । मजदूरी ।

कर्मक, (पु.) रहने वाला । निवास ।  
बर्हीदी ।

कर्मैय, (पुं.) काम में योग्य । काम में  
पुत्र । पट्ट । मजदूरी ।

कर्मक, (पु.) रहने वाला । निवास ।  
बर्हीदी ।

कर्मैय, (पुं.) काम में योग्य । काम में  
पुत्र । पट्ट । मजदूरी ।

फल, ( पुं. ) मयूर और अथवा । भीमी,  
 कोपल, चानन्ददादिनी ( घासात ) ।  
 अथवा । सात वृक्ष ।  
 फलकण्ड, ( पुं. ) कोकिल । इत । पागावन ।  
 कबूर । मयूर कण्ड काटा ।  
 फलकल, ( पुं. ) होरी । कोलाहल । हला  
 दुग । दुपयगाया ।  
 फलघोष, ( पुं. ) मीठे कण्ड बाणा । कोरल ।  
 फलकू, ( पुं. ) दाय । धन्वा । विह । अथवा ।  
 होर । कुटे । लोहे की जहू । काँडे ।  
 फलज, ( पुं. ) पत्नी । पिरेने असा से मारा  
 हुआ दिवस का कोई अन्य अनु । नमान् ।  
 लक्ष्मण । दम करने भर का भाग ।  
 फलज, ( पुं. ) गजा ।  
 फलज, ( न. ) पूर । भाषा । पत्नी । भी ।  
 फलघोष, ( पुं ) चोरी ।  
 फलघोषि, ( पुं. ) मयूर भीया शब्द ।  
 कबूर । मीठ । कोरल ।  
 फलज, ( पुं. ) देव का भाग । विह । एक  
 काम का सर्व । पक्षपा । गिरना । समय  
 मरना । अथवा ।  
 फलज, ( पुं. ) हारी का असा जो पाँच वीं  
 का ही पुरा है । कपूरे का देव ।  
 फलज, ( पुं. ) अथवा, जो मीठे अथवा मीठे  
 मीठे कोर दिग्गज अथवा मीठे मीठे  
 है केरल । अथवा अथवा । अथवा । अथवा ।  
 फलज, ( पुं. ) मीठे अथवा का वृक्ष ।  
 फलज, ( पुं. ) मयूर की दे अथवा विहृषणा  
 का ।  
 फलज, ( पुं. ) अथवा । अथवा । अथवा ।  
 फलज, ( पुं. ) अथवा । अथवा । अथवा ।  
 फलज, ( पुं. ) अथवा । अथवा । अथवा ।  
 फलज, ( पुं. ) अथवा । अथवा । अथवा ।  
 फलज, ( पुं. ) अथवा । अथवा । अथवा ।

तलवार रखने की मियान । अथवा । अथवा ।  
 मार्ग ।  
 फलहंस, ( पुं. ) राजहंस । परमात्मा । स  
 तम । राजा ।  
 फलहा, ( स्त्री. ) किसी वस्तु का एक छो  
 घटा । अथवा अथवा का सोलहवाँ भाग  
 राशि के तीसरे भाग का साठवाँ अथवा  
 चतुर्थे भाग । अथवा । अथवा । अथवा ।  
 गौका । गिनती । मरीचि की छी ।  
 भीत होती है-गाना, बनाना अथवा ।  
 फलाद्, ( पुं. ) अथवा होने वाला । सुनार ।  
 फलानिधि, ( पुं. ) अथवा ।  
 फलानुनादिन्, ( पुं. ) भीत । गौरवा अथवा  
 फलाप, ( पुं. ) समूह । मोर की पूँच । अथवा  
 भेतना । अथवा । अथवा । एक गौर  
 आकारणीशेष ।  
 फलापक, ( पुं. ) जिसमें बार श्लोक  
 एक ही अर्थ हो ।  
 फलापिन्, ( पुं. ) अथवा जिसको शान्ता अथवा  
 के सपान हो-भीत । कोरल ।  
 फलाभृत्, ( पुं. ) अथवा । अथवा । अथवा  
 अथवा अथवा ।  
 फलापन्, ( पुं. ) अथवा अथवा । अथवा  
 अथवा । अथवा अथवा ।  
 फलापिक, ( पुं. ) अथवा ।  
 फलाहक, ( पुं. ) अथवा । अथवा अथवा  
 अथवा अथवा अथवा अथवा ।  
 फलि, ( पुं. ) अथवा । अथवा अथवा  
 अथवा अथवा अथवा अथवा । अथवा  
 अथवा अथवा अथवा अथवा । अथवा  
 अथवा अथवा अथवा अथवा । अथवा  
 फलि अथवा, ( पुं. ) अथवा अथवा । अथवा  
 अथवा अथवा । अथवा अथवा ।  
 फलि, ( पुं. ) अथवा अथवा । अथवा  
 अथवा अथवा अथवा अथवा । अथवा  
 अथवा अथवा अथवा अथवा । अथवा  
 अथवा अथवा अथवा अथवा । अथवा

कालित, ( वि. ) प्राप्त । शांत । कवित ।  
 विवाह हुआ । कौशा गया ।  
 कालिन्द, ( पु. ) पूर्व । विभीषण वृष ।  
 कालिन्दकन्या, ( स्त्री. ) यमुना । जमुना ।  
 कालिल, ( वि. ) सपन बन । मिश्रित ।  
 गहन ।  
 कालुष, ( पु. स्त्री. ) मरिच । नेला । दाप ।  
 फास ।  
 कालेयद, ( न. ) शरीर । देह ।  
 कालक, ( पु. न. ) विभीषण । वेद । विद्या ।  
 कान का मैल । डेट । कोट । मैल । घाघ ।  
 पालक । पी तेल खादि का अक्षरिण अक्षर ।  
 कालिक, ( पु. ) विष्णु भगवान् का होने वाला  
 दसवीं अक्षर । अक्षरिण अक्षर ।  
 कालिन्द, ( पु. ) भगवान् का दसवीं अक्षर  
 जो कलि के अक्षर में सम्भल नामक  
 नगर में होता ।  
 कल्प, ( पु. ) वेदाह का भेद । बंधायन हून  
 अनुष्ठेय क्रम विधान । स्वरूप में कर्मो-  
 नुष्ठान पद्धति । मन्ना का दिन । प्रलय ।  
 कल्पवृक्ष । ग्यायत्राक्ष । विषय ।  
 कल्पक, ( पु. ) नारी । कल्पना करने वाला ।  
 काने वाला । नउथा ।  
 कल्पतरु, ( पु. ) मन्दन जालन का एक वृक्ष,  
 जो मर्याने वाले की इन्द्रानुरूप कल  
 देता है । कल्पवृक्ष ।  
 कल्पन, ( न. ) कल्पना । रचना ।  
 कल्पना, ( स्त्री. ) रचना । उपाय । मन्ना ।  
 मीना । अनुविधिभेद ।  
 कल्पामृत, ( पु. ) कल्प का अक्षर । प्रलय ।  
 नारा ।  
 कल्पाम, ( पु. ) राधक । विषय । काला  
 रङ्ग । काला धोला रङ्ग ।  
 कल्पामकण्ठ, ( पु. ) काने वाले काला ।  
 शिखरी ।  
 कल्प, ( न. ) सवेत । भित्ता । प्रायः कान ।  
 प्रभा । शब्द । कौशा हुआ दिन । लक्षणा ।

शोकादि । कुर । सुती जन । बहुरा धीर  
 युवा । शिखाभेद । सुलसवाद ।  
 कल्या, ( स्त्री. ) इतिभवे । हरे । कथा ।  
 कल्पजग्धि, ( स्त्री. ) कलेरा । कलेउ ।  
 शतःकाल का भोजन ।  
 कल्याण, ( न. ) देव । सुवर्ष । सोना ।  
 महल । पुरा ।  
 कल्याणष्ट, ( वि. ) लाभकारी । राज्यानु-  
 स्तार कार्य करने वाला ।  
 कल्ल, ( कि. ) कृमना । चिरलाना । कल्प  
 करना । [ पु. ] कथि । कथि ।  
 कल्लोल, ( पु. ) कथो शब्द । हर्ष । पुरा ।  
 री । “ वायुः कल्लोलल्लोलम् । ”  
 कल्लोलिनी, ( स्त्री. ) नदी ।  
 कल्लहार, ( पु. ) शब्द कमल । कानों में  
 उगने वाले वेद का शब्द वृक्ष ।  
 कल, ( वि. ) प्रसन्न करना । बंधन करना ।  
 सहजित करना । विनिष करना ।  
 कलक, ( पु. ) सुवर्ण ।  
 कलक, ( पु. ) कर्म । कौशिकी नाम । विद-  
 यप्रकार । सुवर्ण । भीष्मकदि पर लिख  
 कर शरीर पर धारण किया हुआ वप ।  
 कलकी, ( पु. ) पालक ( मन्ना वा या  
 धीर वा ) ।  
 कलका, ( पु. ) कलका के लिये जल ।  
 कलानु, ( पु. ) कल्पने । पुरा काम ।  
 कल्पनम्, ( पु. ) जल । कानि ।  
 कल, ( पु. ) लक्षण । नीत । अक्षर ।  
 कलकी, ( स्त्री. ) सुवर्ण सुवर्ण ।  
 कलकी, ( पु. ) कौशिकी । कल्पना ।  
 कलकी, ( पु. ) “ क ” से ले कर “ ह ” तक  
 धीर अक्षर ।  
 कल्ल, ( पु. ) प्राप्त । परमभेद । कौश  
 कल्लिकार, ( स्त्री. ) धीर । काल वा कल पर  
 कौशिकी का कथा ।  
 कल्लित, ( वि. ) लाधा हुआ । निष्क  
 हुआ । कलना हुआ । कौशिकी कल्प



कचप-कचप, ( पु. ) किशोरों के घुलने का चरचराहट का शब्द । डाल ।

कचसः, ( पु. ) गर्म । कचव । कटीली भाड़ी ।

कघाट, ( न. ) कपाट । किवाड़ । हवा रोकने के लिये काठ के टुकड़े ।

कचार, ( पुं. ) कमल । पत्र ।

कचारि, ( न. ) स्थायी । धृद और तिरस्कार के योग्य शत्रु ।

कचि, ( पुं. ) शुक । कविता रचने वाला । भास्कर । काव्यकर्ता । मन्ना । धागे पीछे का हाल जानने वाला । सूक्ष्म अर्थ देखने वाला । लगाम । परिउत ।

कचिका, ( स्त्री. ) लगाम ।

कविता, ( स्त्री. ) पद्यरचना ।

“ सुकविता यचरित राम्येन किं । ”

कचेल, ( न. ) कमल । पत्र ।

कचोष्ण, ( न. ) गुनगुना । कुछ कुछ गर्म ।

कच्य, ( न. ) पितरों के लिये तयार किया हुआ धन ।

कच, ( कि. ) शब्द करना ।

कच-शा, ( स्त्री. ) कोड़ा । चातुक । मुल । गुण । रस्ती ।

कचस, ( न. ) जल । पानी ।

कचिकः, ( पु. ) श्योला ।

कचिपु, ( पु. ) भक्त । अल । कपडा । लाट । विस्तर ।

“ स्यां जिगी कि कचिपो- प्रवासी । ”

कचेश, ( पु.न. ) पीठ की हड्डी । मेकदण्ड । मकदण्ड । जल में उलम मूलभेद ।

कचमल, ( न. ) मूष्यो । मोड़ । पाप । पेल ।

कचमीर, ( पु. ) कचमीर नामक एक देश जो भारतवर्ष के उत्तर पश्चिम में है ।

कचमीरज, ( पुं ) कुसुम । केसर । इसे कचमीरजमा और कचमीरजमा भी कहते हैं ।

कचय, ( पु. ) एक मुनि का नाम । जो

दिति और चदिनि के पति श्रीर देवना त देवों के पिता हैं । एक प्रकार का मुग् कचप । मछली ।

कच, ( कि. ) मचना । मारना । सगेटना । खोचा मारना । जाँच करना । कमीटी सोने की मजना ।

कचण, ( पुं.न. ) कच्चा घिसना । खुजलाना

कचाक, ( पुं. ) अग्नि । सूर्य ।

कचाय, ( पुं. ) श्योनाक वृक्ष । राग क्रोध । कसैला । रसविशेष । लाल पीला मिश्रित रस । कादा । गोंद । मेल इस्ती । मूर्खता । सांसारिक पदार्थों पर अतुराग । नारा । कलिमुग ।

कचायित, ( वि. ) रङ्गा हुआ । लजोही कसैले रङ्ग का किया हुआ । गेदभा रङ्ग हुआ ।

कचिका, ( स्त्री. ) पथी । विडिया ।

कचिका, ( स्त्री. ) पथी विशेष ।

कचे ( शे ) रुफा, ( स्त्री. ) पीठ की हड्डी । मेकदण्ड ।

कचकप-, ( पु. ) एक प्रकार का जहरीला कीड़ा ।

कच, ( न. ) पीड़ा । दुःख । चिन्तित । उपद्रवी ।

कच, ( कि. ) क्षिप्तना । चलना । समीप जाना । नष्ट करना ।

कच, ( पुं. ) कसौटी । पत्थर जिस पर खरे खोटे सोने की परीक्षा की जाती है ।

कचन, ( स्त्री. ) एक निराली मकली ।

कचिपुः, ( सं. ) आहार । भात ।

कचेशः, ( पु. ) एक प्रकार की वाम । सुपरी के खाने का प्यारा जलकन्द । ( केशरु ) ।

कचमीर, ( स्त्री. ) गारी के बग की लकड़ी जिस पर बग रखा जाता है ।

कचमीर, ( पु.न. ) दीन । दाशा ।

कचनुरिका, ( स्त्री. ) कचुरी । गुरक । गुणमद । गुणनाभि ।

- कदाहः, ( ड. ) भेला ।  
 कदाः, ( ड. ) एक प्रकार का वेन ।  
 कांशे, ( ड. ) प्याला । कटीया । बेला ।  
 कांसीर्यं, ( न. ) कांसा । सफेद तोबा ।  
 कांस्य, ( न. ) पीना का पात्र । तोबा और  
 राधा के मेल से बना हुआ धातुविशेष ।  
 कांस्यकं, ( न. ) पीतल ।  
 कांस्यकार, ( ड. ) कसेग । धातु के बरतन  
 बनाने वाला ।  
 काक, ( ड. ) कौंधा । लकड़ । लहवा ।  
 काकाचिश्वा, ( झी. ) गुला । रत्ती ।  
 काकच्छद्, ( ड. ) लज्जन रसग । ममोला ।  
 काकतालोय, ( न. ) ग्यापविशेष । कौए  
 के जाते ही बल का घबानक मारना ।  
 काकतिन्दुक, ( ड. ) वृषला ।  
 काकपद, ( ड. ) कौंधों के पद । लकड़ा  
 की दोनों कनपुटिया के बालों को काक  
 पद कहते हैं । पदं ।  
 " काकपधामेत्ययाचितः "   
 पुष्ट, ( ड. ) बोरल ।  
 काक, ( ड. ) उल्फू । पुग ।  
 का, ( झी. ) गूधम मधुर शब्द ।  
 का, मधुर धीमा शब्द ।  
 का, ( ड. ) बोरल ।  
 कागोलकम्याय, ( ड. ) बौए की  
 ही बाल का बिडु दोनों ओर बला  
 है, रत्ती तरह का उमदतम्बधा  
 ( झी. ) एक मारी का कौंधाई  
 बीम बीरी । एक दमरी ।  
 का " भी काबिदी ही के कर्बे में  
 ( ड. ) हार । लठे का दस्ता ।  
 ऊरी बाल ।  
 का, ( झी. ) कदा कौंधा । कौए  
 का काली लता । एक प्रकार  
 काकु, ( ली ) बनीलि । मय, क्रोध, शी  
 के उद्रेग में स्तर की बदलीकल ।  
 कुनकुनाइट । निहा ।  
 काकुनस्थ, ( ड. ) ककुन्य की लगान ।  
 सूर्यवरी राताओं का नाम ।  
 " काकुन्यमालोक्यतां श्रुयाणात् "   
 श्वाकु राता । रामचन्द्र ।  
 काकुद, ( न. ) तातु । निहा का चामय  
 स्थान । तनुया ।  
 काकोष्ट, ( ड. ) निर्भारी । नीम । नीम  
 की निर्भारी बीजों को बरी दिव है ।  
 काकोदर, ( ड. ) लौप । लपे ।  
 काकोल, ( ड. ) पदाही काक । हौप ।  
 एक प्रकार का घुथा । गरुभेद ।  
 विभेद । ( झी. ) कदरगधा ।  
 कायसी ।  
 काक्ष, ( कि. ) बाहना ।  
 काक्ष, ( कि. ) बुरी बाल वाला ।  
 भेका । ऐकताना । कमकैतियो से देलना ।  
 काक्षी, ( झी. ) एक प्रकार की लणधियुक्त  
 द्रव्य । दुहटि बाला ।  
 काक्षीय, ( ड. ) लीजम का वेद ।  
 काक्षशा, ( झी. ) लम्बा । बह ।  
 काक्षोक्त, ( ड. ) बडगा ।  
 काक्षः, ( ड. ) एक प्रकार की दण्ड । बड  
 लोमविशेष । रंग और एक इतर के  
 लार से उदय एक दरबे । मोंम । लय ।  
 निदी ।  
 काक्षलघण, ( न. ) बालानेन । शोण ।  
 काक्षित, ( कि. ) बोंके पर लगी हुई मधु ।  
 काक्षज, ( ड. न. ) एक बूट । कम्पा । लण्ड-  
 केर । उदुमर । पतता । लोण । लोण ।  
 कम्प ।  
 काक्षमक, ( ड. ) बौदिल्य का वेद । बरे  
 विशेष । ककण्य का रंग । हारण्ड ।  
 काक्षमाल, ( ड. ) बौदिल्य बूट । ककण्य  
 बूट ।

काश्चि-ञ्चि, ( स्त्री. ) कश्चिनी । इकलता  
हार । पुँवचो । रती । दक्षिण की एक  
पुरी का नाम जिनकी गणना सप्त  
पुरियों में है ।

काटः, ( पुं. ) कूट । कुष्मा ।

काटुकं, ( न. ) सारायन । कटुता ।

काठ, ( पुं. ) चट्टान । पत्थर ।

काठिन्यं, ( न. ) कठोरता । कठिनता ।

“ काठिन्यमनुहस्तनम् ”

निम्बुता । काठिन्यां ।

काण, ( पुं. ) काना । कर्णिका ।

काणुकः, ( पुं. ) काक । पुर्णा । इसमेंद ।

बना जो ताज हुए पर लटकता हुआ  
कोल्हा बनानी है ।

काणोयः-रः, ( पुं. ) कानी बों का पुत्र ।

काणोर्मा, ( स्त्री. ) दुग्धकारिणी अथवा विश्वा-

मनोर्मा बों । आनेरादिना बों ।

काण्ड, ( पुं. ) काणाय । शाखा । इत्यम् ।

इतके अर्धे का गुच्छा । तीर । अथमर ।

बरा । मणियों का मण्ड । निर्वन शशा ।

अथर्व का पुत्र । अथ । बाह का दण्ड

का हुआ । मणोरोग । काण्डूना ।

दंता । पुत्र । पत्नी ।

काण्डकदुह, ( पुं. ) कौशा ।

काण्डकान, ( पुं. ) काण्ड बनाने वाला ।

कान् ।

काण्डगोष्य, ( पुं. ) काण्ड का शयन ।

काण्डगण्डः, ( पुं. ) कान् । कान् ।

काण्डगुह्यः, ( वि. ) काण्ड । मितिक ।

कौश का का कान् । काण्ड गुह्य का कौश

कान् का कौश गुह्य का कौश । कौशकान् ।

कान् । कान् कान् कान् कान् कान् ।

काण्डगुह्य ( पुं. ) कान् ।

काण्डगुह्यः, ( पुं. ) कान् गुह्य का कान् ।

काण्डगुह्यः, ( पुं. ) कान् गुह्य का कान् ।

काण्डगुह्यः ( पुं. ) कान् गुह्य का कान् ।

काण्डगुह्यः ( पुं. ) कान् गुह्य का कान् ।

काण्डोलः, ( पुं. ) कान् । नरक की डोहरी ।

काण्डोलु, ( पुं. ) कान् । तालमसाना ।

काण्ड, ( पुं. ) कान् का शिष्य या विद्यार्थी ।

यज्ञपेद की एक शाखाविशेष । कान्

का पुत्र ।

काण्ड, ( वि. ) निरकृत करना । अपमानित

करना ।

“ यन्मपैश्वर्यमतेन युवः सति काण्डः । ”

काण्ड, ( न. ) एक व्याकरण ग्रन्थ का

नाम ।

काण्ड, ( वि. ) कान् । मीन । इराक ।

दुःखी । शोकान्वित । कान् हुआ । काण्डो-

नित । पश्चात् हुआ । बेवत । पानी

पर बहुत तेरे वाला और न होने

वाला । एक प्रकार की बड़ी मन्त्री ।

नाव । बेवत ।

काण्ड, ( न. ) पुरी यात । पुत्र पुत्र ।

सारायनिका ।

काण्डायन, ( पुं. ) काण्डायन सूत्र नामक

धर्मशास्त्र के निर्माता एक क्षत्रिय ।

वसुधे नामक व्याकरण के कर्तिक के

बनाने वाले ।

काण्डायनी, ( स्त्री. ) कान्धे या पुत्र

विद्या ( जो कान्धे वध भाग्य किये हो ) ।

काण्डायन की पत्नी का नाम । पत्नी

की का नाम ।

काण्ड, ( पुं. ) कान् । कान् ।

काण्डायिक, ( पुं. ) कान् कान् के पुत्र

कान् कान् । कान् कान् का ।

काण्डिक, ( पुं. ) कान् कान् कान् कान् ।

कान् कान् ।

काण्डिक, ( पुं. ) कान् कान् । कान् ।

कान् कान् । कान् कान् का पुत्र ।

काण्डिक, ( पुं. ) कान् ।

काण्डिकनी, ( स्त्री. ) कान् कान् । कान् कान् की

पत्नी । “ मन्त्री कान् कान् कान् कान् ”

कान् कान् ।

कादम्परी, ( स्त्री. ) नसीनी मादक वस्तु जो  
 वस्त्र के वृत्त से निकाली जाती है ।  
 छाया । मदिता । हाथों के मसहस्रवत् का  
 पद । विषा की अधिष्ठात्री देवा रासवती  
 का नाम । केशविषा । बर्षों का जल  
 जो गर्दों में एकत्र होता है । साधिका ।

कादाचिरक, ( वि. ) कभी कभी होने वाला ।  
 काद्मेय, ( पुं. ) वस्त्र की धी कट्टू की  
 सन्तान । काशिय नाम मिश्रणी श्रीहृष्य से  
 बनाया था । सर्व ।

कानक, ( पुं. ) धनहला । अथवाण बीज ।  
 कामन, ( म. ) वन । पर । मला का ध्रुव ।

कामनाग्नि, ( पुं. ) शशी वृक्ष । वन की धाम ।  
 कामनिष्ठिक, ( न. ) मनुषिया । सर्वसे छोटी  
 हाथ की अङ्गुली ।

कामिनिष्ठिनयःश्री, ( पु. ) सबसे छोटे पुत्र  
 की सन्तान या धीलाह ।

कामीन, ( पुं. ) पक्षिपाहिता की का पुत्र ।  
 कान्त का नाम । कर्ष का नाम ।

काम्य, ( पुं. ) श्याम । शिव । पति । काम्या ।  
 कान्त का पु. । एक प्रकार का लोहा । अन्त  
 अथवा गुण्यकात्तयधि । कातिकेय की  
 कृष्ण का नाम । कैकर । मगोहर । विपद  
 वृत्त । गारी ।

काम्यतौट, ( पुं. ) अदाकात्त । पुम्बर  
 पत्त । लोहा ।

काम्यता, ( स्त्री. ) कैदली । पत्नी । विदर  
 लता । बरी लोहाकी । एक प्रकार की  
 कान्तकात्त । कुपि । कुपिनी ।

काम्यताद, ( पुं. ) कवन की देवा वन । पुत्री  
 कर्षी । कैद । लुम्बक । लम्बक के लम्बे ।  
 कैद । कैदिएर । कवनव । कवनव ।

काम्यि, ( स्त्री. ) लम्बक । कनीरुता ।  
 कदक । लोहा । अदिलय । कात्त । लोहा ।  
 पुत्री का नाम ।

काम्यिदा, ( स्त्री. ) लोहा से कनी ।  
 विदरकी लता ।

काम्य्य, ( न. ) कनी का पुत्रे से शी  
 गै वस्तु । मिठाई कादि ।

काम्य्यिक, ( वि. ) हथारी । मिठाई के करने  
 वाला ।

काम्य्यिणीक, ( वि. ) अथ से पदार्थ ।  
 का से माया हुआ ।

काम्य्यपुच्छः, ( म. ) बर देग जो वस्तु  
 छाया की कान्या पुच्छी होती थी । देव  
 भेद । कर्षीज । काम्य्यिनिधि । कर्षीजिने  
 कर्ष्य ।

कायटिक, ( वि. ) कपटी । कनी । पुत्र ।  
 कायपुत्र । पर्यट्ट । विदरकी ।

कायथ, ( पुं. ) ब्रह्म काई । विदर पत्त ।

कापाल कापालिक, ( पुं. ) मोरही कान्य से  
 होकियो की कान्यका के कान्यसे  
 एक कान्यकापारिणय, का कान्य से कान्यकी  
 अथवा पत्त लोहे की । कान्ये से कान्य  
 अथवा पत्त का लोहे से है । एक प्रकार  
 की कान्य । कान्यकारी ।

कापालिक, ( पुं. ) विदर की का कान्य ।

कापाली, ( स्त्री. ) लोहा की कान्य । का  
 कान्यकी ।

कापिक, ( पुं. ) कान्य के अथ । कान्य  
 का कान्य से कान्यका कान्ये कान्य ।

कापिल, ( पुं. ) कान्य । कान्य । कान्य ।  
 कान्य कान्य कान्य की कान्ये कान्य ।  
 कान्य कान्य का कान्य ।

कापिल, ( म. ) कान्य । कान्य ।

कापुच्छ, ( पुं. ) का कान्यकी कान्य  
 कान्य ।

कापोल, ( म. ) कान्ये का कान्य ।  
 कान्य । कान्य के कान्य कान्य ।

काकल, ( म. ) कान्ये का कान्य ।

काक, ( म. ) कान्ये का कान्य । कान्य  
 कान्य है । कान्य कान्य । कान्ये कान्य ।  
 कान्ये का कान्य कान्य ।



कासग्री, ( स्त्री. ) कण्टकारी । कण्टकारी ।  
 कासरः, ( पुं. ) भैसा ।  
 कासारः, ( पुं. ) कालान्तर । रद । शरीर ।  
 कास्तिका, ( स्त्री. ) सौती ।  
 कासीस, ( न. ) हीराकण । एक प्रकार की  
 धातु । कौडीस ।  
 कास्य, ( स्त्री. ) पचसाह्य का बीज । अमक ।  
 पुष्टि । रोग ।  
 काहल, ( न. ) पुष्पा । दुर्मीया दुष्पा । उपरवी ।  
 नडा । विरुद्ध । बहून । सुर्मा । कौभा ।  
 नगाडा । माना विशेष ।  
 काहोति, ( पुं. ) शिशु जी का नाम ।  
 काियन्, ( अन्व. ) रीत । दुष्प । नीच ।  
 काियन्ती, ( स्त्री. ) जनप्रति । लोकवादा ।  
 कािया, ( अन्व. ) विकल्प । अथवा । या । वा ।  
 काियाय, ( पुं. ) धान की भास । हीर ।  
 बहुपत्नी ।  
 काियुक, ( पुं. ) बृहत्तम में छन्द सात  
 पुत्र लगते हैं, पर उन पुत्रों में मरक नहीं  
 होती । पञ्जात पुत्र । टॉक के दूत ।  
 " विष्णोना न शोभन्ते मिथेषा इव  
 विष्णुषा " ।  
 काकिः, ( पुं. ) नारियल का दूध । चाणक ।  
 पत्नी ।  
 काकिराः, ( पुं. ) एक प्रकार का बीजा ।  
 काकुरा, ( वि. ) नागर ।  
 काकुरी, ( स्त्री. ) कण्ठी । छोटी बट्टी ।  
 पुष्प ।  
 काकिन्, ( पुं. ) कोरक । भीत । भीता ।  
 कादेव ।  
 काकुरी, ( पुं. ) अशोक दूध । तोता ।  
 लम्बायी । काकुर । कादेव ।  
 काकुर, ( अन्व. ) काकुर । लडक । बृहत्तम  
 की ।  
 काकुर, ( अन्व. ) भीता । कर्तृ ।  
 काकुर, ( पुं. ) वेतर । बृहत् की पुत्री । लम्बा  
 देव ।

किक, ( वि. ) समीप जाना । करना ।  
 किकिः, ( पुं. ) सुपर ।  
 किकिमः, ( पुं. ) राटमण ।  
 किकिमः, ( पुं. ) एक प्रकार की बोट ।  
 किकि, ( न. ) छोटे की जड़ या मूल ।  
 किकि, ( पुं. ) मास की गोट । दूध । शिशु ।  
 लकड़ी का बीजा ।  
 किकियन्, ( पुं. ) घोडा ।  
 किकि, ( वि. ) स देह करना ।  
 किकिय, ( पुं. ) खारी । टण । नीच । धरुण ।  
 अन्त या सनकी कादमी ।  
 किकियन्, ( पुं. ) घोडा ।  
 किकियन्, ( पुं. ) आठ पौंदा का बीजा । मकरी ।  
 बृहत् छोटे शरीर वाला ।  
 किकियन्, ( अन्व. ) लेकिन । पर । परन्तु ।  
 किकिय, ( पुं. ) देवताओं का शरीर, मिलकर  
 एक छोटे जैसा और शरीर मनुष्य जैसा  
 होता है ।  
 किकिय, ( पुं. ) कियो का शरीर । सुदेव ।  
 धन का दाता ।  
 किकिय, ( अन्व. ) मरन । विष्णु । शदान ।  
 सादर । क्या ।  
 किकिया, ( स्त्री. ) पैर की अंगुली लम्बा ।  
 किकि, ( अन्व. ) क्या । विष्णु । निन्दा ।  
 किकि, ( अन्व. ) लम्बापना । सदेह । विष्णु ।  
 किकिय, ( अन्व. ) मरन । विष्णु । स देह ।  
 विकल्प । किकिय । किकि क्या ।  
 किकिय, ( वि. ) टण । बृहत् ।  
 किकिय, ( पुं. ) देवताओं का शरीर । किकिय  
 और देवताओं के बीच । किकिय का किकि  
 शरीर का एक बर । बृहत् कादमी ।  
 किकिय, किकिय का किकिय का ।  
 किकिय, ( वि. ) किकि ।  
 किकिया, ( पुं. ) लम्बापना का बीजा ।  
 किकि, ( पुं. ) टण । टण ।  
 किकि, ( पुं. ) किकि । किकि ।  
 किकिय, ( अन्व. ) किकिय । किकिय

किरणमालिन्, (पु.) सूर्य ।  
 किरात, (पु.) छोटे शरीर वाला । भील ।  
 बनेला पुत्र । सारस । शिव जी का नाम ।  
 किरातार्जुनीय, (न.) भारवि रचित एक  
 उच्च काव्य का नाम जिसमें अर्जुन और  
 भीलरूपधारी शिव जी के युद्ध का वर्णन  
 किया गया है ।  
 किरातिः, (स्त्री.) गह्रां । दुर्गा का नाम ।  
 भिक्षुनी । मोरखल या चौरी लेने वाली स्त्री ।  
 कुटनी । आराधना ।  
 किरिः, (पु.) छुर ।  
 किरिटिः, (पुं.) छुहारे के वृक्ष का फल ।  
 किरोटः, (पुं.) छुट्ट । पगड़ी । मुकुट के  
 नीचे की टोपी ।  
 किरोटिन्, (पु.) छुट्टधारी । अर्जुन ।  
 किर्मिः या किर्मि, (स्त्री.) बड़ा कमरा ।  
 इमारत । सोने या लोहे की प्रतिमा ।  
 पत्तारा वृक्ष ।  
 किर्मिर, (पु.) राक्षसविशेष, जिसे भीम ने  
 मारा था । रहिरहा । नारही का वृक्ष ।  
 किर्याणी, (पुं.) बनेला शूद्र ।  
 किल्, (कि.) सहेद होना । जन्म जाना ।  
 रोचना । अनुसृत करना । केंचना ।  
 भेचना ।  
 किल, (अभ्य.) निश्चय । पत्रानाम । अनिद्ध ।  
 सत्य । कारण । युद्ध ।  
 किलकिञ्चिन्, (न.) शिबो का विजानभेद ।  
 किलकिला, (स्त्री.) क्लिष्टकारी । प्रसन्नता  
 का बोध ।  
 किलाट, (पु.) जमा हुआ दूध ।  
 किलाटक, (पु.) पके हुए दूध का पिण्ड ।  
 दूध का विशाल । मजदूर । माता । लोधा ।  
 किलाटिन्, (पु.) बँस ।  
 किलाम, (पु.) कोरी । कोद का सहेद  
 बहना ।  
 किलिजम्, (स्त्री.) बगई । दूरी लक्ष्मी का  
 दण्ड ।

किलिमं, (न.) अशीर का वृक्ष ।  
 किलियन्, (पुं.) घोडा ।  
 किलियर्पं, (न.) अमराध । पार । रोग ।  
 धर्म और अधर्म का फल । अनिट । सत्तर ।  
 किशलय, (पु. न.) पत्तल । पत्र । पत्ता ।  
 किशोरः, (पु.) हाथी का बच्चा । नालक,  
 जिसकी अवस्था पाँच वर्ष से अधिक और  
 पन्द्रह वर्ष से कम हो । दस वर्ष से १५ वर्ष  
 तक की उम्र वाला किशोरवस्था का बच्चा  
 जाना है । सूर्य ।  
 किष्कू, (कि.) मारना ।  
 किष्किन्धन्धेय, (पुं.) थोड़ा देश का एक  
 पहाड़ । वहाँ की युद्धा ।  
 किष्कु, (पु. स्त्री.) बारह अङ्गुल का माप ।  
 बाँह । हाथ का परिमाण ।  
 किसल-किसलय, (पुं. न.) नवपत्र ।  
 कोमल पत्र । अङ्कुर ।  
 कीकट, (पुं. न.) दीन । दरिद्र । घोडा । विहार  
 देश का नाम । “ कोक्यु गया पुपरा ” ।  
 कीकस, (पु.) कड़ा । दड़ । हड्डी ।  
 कीकिः, (पु.) नीलकण्ठ ।  
 कीचकः, (पुं.) पोला नौस । नौस की, इस  
 के लगने से सनसनाहट या लड्डलहाहट ।  
 जानिविशेष । विराट राजा का साजा और  
 और उनकी सेना का प्रधान सेनापति  
 केकय देश का राजा ।  
 कीचकजित्, (पु.) भीमसेन ।  
 कीज, (पु.) अरभुन । निलम्ब ।  
 कीट, (कि.) रहना । बाँधना ।  
 कीट, (पु.) कड़ा । दड़ । कीड़ा ।  
 कीटम्, (पु.) कीड़ों की विनाश करनेवाला ।  
 मन्थक ।  
 कीटजा, (स्त्री.) कीड़ों से निवृत्ती हुई ।  
 साध ।  
 कीटमणि, (पु.) लोहा । लड्डू ।  
 कीटार, (वि.) किश प्रहार । कमे । पैना ?  
 कीर्नं, (न.) माण ।





कुम्भटि, कुम्भटिका, कुम्भट्टी, ( सी. )  
 कुहासा । नीहार । पाला । कुहर ।  
 कुञ्चन, ( न. ) कुटिलता । अनादर । नेत्ररोग ।  
 कुञ्चि, ( पुं. ) कुटिल होना । आठ मूठ कानाम ।  
 कुञ्चिक, ( पुं. ) काला जीरा । मर्चा का भेद ।  
 कुञ्जी । तासी । भौंस की शाखा । रती ।  
 कुञ्चित, ( न. ) सिकुड़ा हुआ । तगर का फूल ।  
 कुञ्ज, ( पुं. ) हाथी । ठोंड़ी । खताघों से आम्हा-  
 दित और बीच में खुला हुआ स्थान ।  
 खतागृह । खतावितान । हार्थादौत ।  
 कुञ्जर, ( पुं. ) हाथी ।  
 कुञ्जरच्छाया, ( पु. ) योगविशेष जो त्रयो-  
 दशी के दिन मघा नक्षत्र के होने पर  
 होता है ।  
 कुञ्जराशन, ( पु. ) नक्षत्र का वृष ।  
 कुट, ( कि. ) तिरछा होना । कुटिल होना ।  
 कुट, ( पुं. ) धक्का । दुर्ग । गद । हथौथा ।  
 वृष । पर । पर्वत ।  
 कुटक, ( पु. ) बिना बौंस का इल । ( : )  
 लग्ना जिसमें भयानी की रस्मी खपेटी  
 जाती है ।  
 कुटङ्क, ( पुं. ) घत । क्षपर ।  
 कुटङ्कः, ( पुं. ) छोटा पर । भोपड़ी । कुटी ।  
 कुटपः, ( पुं. ) कुम्भ । तालविशेष । पर के समीप  
 का नाप । शक्ति । तपस्वी । कमल ।  
 कुटरः, ( पुं. ) देलो कुटक ।  
 कुटयः, ( पु. ) मुर्गा । खीमा ।  
 कुटल, ( न. ) घत । क्षपर ।  
 कुटिः, ( उ. ) शरीर । वृष । कुटी । भोपड़ी ।  
 कुवार ।  
 कुटिम्, ( न. ) भोपड़ी । कुटी ।  
 कुटिल, ( वि. ) टेढ़ा । धोलेकाठ ।  
 कुटिलिका, ( श्री. ) बुरके बुरके जैसे  
 शिफटी बननी शिकर की ओर जाता है,  
 मन्त्र । कुटार की मन्त्री ।  
 कुटी, ( श्री. ) कुपार । भोपड़ी । हवा ।  
 कर्ण । कुटी ।

कुटुङ्कः, ( पुं. ) बेलों अथवा खताघों से  
 आम्हादित गृह या कुटी । किसी वृष पर  
 बड़ी हुई बेल । खता । क्षपर । घत ।  
 भोपड़ी । खती ।  
 कुटुनी, ( सी. ) कुटनी । वह दुराचारी  
 खों जो अन्य बियों को बुरके बुरके व्यभि-  
 चार के लिये अन्य पुरुषों के पास पहुँचावे ।  
 कुटुम्ब, ( न. ) गृहरथी । पोष्यवर्ग । नाते-  
 दार । सन्तान ।  
 कुट्ट, ( कि. ) काटना । विभक्त करना ।  
 पीसना । दोषारोपण करना । जलाना ।  
 नदाना ।  
 कुट्टक, ( पु. ) अङ्गभेज जिसका वर्णन खीला-  
 वती में दिया हुआ है ।  
 कुट्टनी, ( सी. ) देलो कुट्टनी ।  
 कुट्टमित, ( न. ) मित्र के साथ मिलने की  
 इच्छा रहते हुए भी, न मानने के लिये  
 हाथ हिलाना । विलासभेद ।  
 कुट्टमल, ( पुं. न. ) खिलने पर धारें हुई  
 कली । नरकविशेष ।  
 कुट्टारः, ( पु. ) पहाड़ । सम्भोग विद्या ।  
 ऊनी कमल । अकेलापन ।  
 कुट्टिम, ( पु. ) छोटे पत्तों से जका हुआ ।  
 रत्नों की खान । अनादर । कुटी ।  
 कुट्टिहारिका, ( श्री. ) हाथी । टहलनी ।  
 कुट्टीरः, ( पु. ) पहाड़ी ।  
 कुट्टीरकं, ( न. ) भोपड़ी ।  
 कुट्ट, ( कि. ) पचाना । आहार्य करना ।  
 सुधाना ।  
 कुठः, ( उ. ) वृष ।  
 कुठानुः, ( पु. ) विविध विरोध ।  
 कुठानुः-का, ( पु. श्री. ) कुठारी ।  
 कुठारः-री, ( पु. श्री. ) एक प्रकार की  
 कुठारी । वृष ।  
 कुठारः, ( पु. ) धानर । वेद । राम  
 बनाने का नाम ।  
 कुठिः, ( पुं. ) वृष । पहाड़ ।

कुठेरः, (पु.) अग्नि ।  
 कुठेरः, (पु.) पद्मा वा चौरी से उत्पन्न हुआ ।  
 कुठः, (कि.) जलाना । पकवाना । बचाना ।  
 खाना । बालक होना ।  
 कुङ्कुमः, (पु.) कुङ्कुम । लतागुह ।  
 कुङ्कुप-थ, (पु.) एक पात्र । सेर का  
 चौविचर्य भाग ।  
 कुङ्कुमल, (पु. न.) शिलाने के समय को  
 प्राप्त हुई कृती । नरकविरोध ।  
 कुङ्किः, (स.) शरीर । देह ।  
 कुङ्किका, (स्त्री.) कर्दमी या पपरीटी ।  
 कुङ्की, (स्त्री.) कुटी । श्लेषकी ।  
 कुङ्क्यं, (न.) दीवार । कीदृश । व्यसन ।  
 कुण्ड, (कि.) सहाय देना । सहायता देना ।  
 शब्द करना । सहाय देना । भावार्थित करना ।  
 भाग्यव्य देना । नमस्कार करना ।  
 कुण्डकः, (पु.) किसी जीवजन्तु का हाथ  
 का जन्मा बन्धा ।  
 कुण्डप, (पु.) माण्डरित । मृत शरीर । धुरदा ।  
 दुर्गन्धकः । भासा ।  
 कुण्डर, (पु.) विल्लाना हुआ ।  
 कुण्डिः, (पु.) निसहरी । कोडा जो हाथ के  
 उखली के मात्तुनों के किनारे होना है ।  
 कुण्डक, (पु.) मोटा । बर्बात ।  
 कुण्ड, (पु.) मीथरा । हीला । मूर्ख । मन्द-  
 बुद्धि । निर्बल ।  
 कुण्डकः, (पु.) मूर्ख ।  
 कुण्ड, (कि.) जलाना । खाना । देर  
 लगाना । रक्षा करना ।  
 कुण्डलिक, (पु.) बेश देने वाला । सर्वे । सौंद ।  
 कुण्डलिनी, (स्त्री.) तांत्रिक शक्तिविरोध ।  
 सौमिन ।  
 कुण्डिका, (स्त्री.) पक्षा । कपटलु ।  
 कुण्डिन, (पु.) शिव जो का नाम । सर्व-  
 सङ्कर । शोभा । सुनिविरोध ।  
 कुण्डिन, (न.) रिदभो की राजधानी का  
 नाम । सुनिविरोध ।

कुण्डिर-कुण्डिर, (पु.) इद । मङ्गल  
 मनुष्य ।  
 कुतपः, (पु.) सूर्य । अग्नि । माण्ड ।  
 अनिधि । गी । भासा । दीहित । खाना ।  
 निपातो कर्मल । कुरातृप । दिन के दोपहर  
 को पिछली पडी से तीसरे पहर की पहली  
 पडी तक का समय ।  
 कुतम्, (धम्य.) प्रश्न । कहाँसे । कबसे ।  
 कहाँ । किस स्थान पर । क्यों । किस  
 कारण से । कैसे ।  
 कुतुर्क, (न.) शब्दा । अविज्ञाप । कीदृक ।  
 कुतुप, (पु.) मोटा हाथमके का कुप्पा ।  
 पी रखने का बरतन । दिन का भाठवाँ  
 घड़ने ।  
 कुतुहल, (न.) अद्भुत । विलक्षण । अद्भुत ।  
 कुत, (अन्व.) कहाँ । कब ।  
 कुन्त, (कि.) शोभा देना । निन्दा करना ।  
 कुन्ता, (स्त्री.) निन्दा । परिवाद ।  
 कुन्तित, (न.) निन्दित । निन्दा किया हुआ ।  
 कुरा कहा गया । कमीना । कुद ।  
 कुण्ड, (कि.) सक्ता । दुर्गन्ध निवृत्तना ।  
 कट्टी लगाना ।  
 कुण्ड, (पु. स्त्री.) शोभा की शूल । (१) कुरा  
 तृष ।  
 कुन्दारः-खः-लकाः, (पु. न.) शोभितार इव ।  
 कचनार का रेश । काकानासा । कुदापी ।  
 धारे का पक्षा ।  
 कुन्दरुः-वाः, (पु.) शोभितार का घर । मङ्गल  
 जिसमें किसी वस्तु का हावने वाला  
 रहता है ।  
 कुण्ड, (पु.) पक्षा । पर्वत ।  
 कुनकाः, (पु.) बाधा । शोभा ।  
 कुन्दरः, (पु.) नरों का रोग जिसमें नरों  
 का रेश बदल जाता है । कुन्दर रोग काटा  
 मनुष्य ।  
 कुनालिका, (स्त्री.) कोरल ।  
 कुन्तः, (पु.) प्रथम नामी शब्द । भासा । एक

कुलतन्तु, ( पुं. ) बस की चलाने वाला ।  
 कुलतिथि, ( स्त्री. ) चौप। घटमी । झारसी ।  
 कुदुरंगी । वह तिथि जिस दिन कुलदेवता  
 की विशेष पूजा की जाने का नियम हो ।  
 कुलधर्म, ( पुं. ) बधायश्रम में आम्नाय से  
 प्रचलित धर्म । कुशाचार । रीति ।  
 कुलपति, ( पुं. ) १०००० बाघों का धम  
 बस दे का रिषा पढ़ाने वाला छुनि । पराने  
 का छानेवा । सेनापति ।  
 कुलपर्यन्त, ( पुं. ) सात बड़े २ पर्यंत ।  
 कुलपित्र, ( पुं. ) पुत्रोदित ।  
 कुलाट, ( पुं. ) एक प्रकार की छोटी मक्खनी ।  
 कुलाय, ( पुं. ) वेगना । शरीर । बसतिशेष ।  
 कुलाविकार, ( स्त्री. ) पशुमाला । विविधा-  
 गण्यः ।  
 कुलाय, ( पुं. ) कुहर । उष्ण पत्नी ।  
 कुलाह, ( पुं. ) इसके पीछे रंग का कर्णा  
 मंडी बना बौधः ।  
 कुलाहक, ( पुं. ) गिरिजिह ।  
 कुलिक, ( पुं. ) एक नाम । एक भाग । एक योग ।  
 कुलिका, ( पुं. ) रीति विविधा । ( पि. )  
 कुं दिव काल ।  
 कुलिकी, ( स्त्री. ) काजमिनी ।  
 कुलिकार, ( पुं. न. ) बस । एक मक्खनी ।  
 कुलिकारज, ( पुं. ) धूल का गण ।  
 कुलिकारमज, ( पुं. ) गणपति ।  
 कुली, ( स्त्री. ) मालक । बसि काली ।  
 कुलीन ( पि. ) मालक । बसिगण ।  
 कुलीन्य, ( न. ) बस ।  
 कुलीन, ( पुं. ) बसिगण मज का कुलीन ।  
 बसिगण के बस ।  
 कुलीन, ( न. ) बस का बस ।  
 कुलीन्य मज ( पुं. ) मजपुत्रि बस दिव  
 मजपुत्र का बस मजपुत्र । बस का मजपुत्र  
 का बस मजपुत्र का बस मजपुत्र ।  
 कुलीन्य ( पुं. ) बसिगण । बस का  
 मजपुत्र का बस मजपुत्र

कुलक, ( पुं. ) एक रोग । पैरों के डण्ड (पे) ।  
 कुलमल, ( न. ) पाप ।  
 कुलमाय, ( पुं. ) धुने उड़द । लगनी ।  
 कुल्य, ( न. ) हरी) एक प्रकार की धम की  
 मान । मूय । मांस । मान्य पुत्र ।  
 कुल्या, ( स्त्री. ) नहर । धूमि नदी ।  
 कुल्यय, ( न. ) रेत कमल । कोंफोरेडी ।  
 नीला कमल । पूनीमण्डल ।  
 कुयलयादित्य, ( न. ) एक राजा ।  
 कुयलयानन्द, ( न. ) अथवा दक्षिण रीति  
 एक बलद्वार मण्य ।  
 कुयलयापीड, ( न. ) कंग का हाथी, जिसे  
 भीकृष्ण ने मारा ।  
 कुयार, ( पुं. ) बसि मानवीन । बसहाइ ।  
 कुयिन्द, ( पुं. ) बसाहा । कडा बसो  
 वाला ।  
 कुयियाह, ( पुं. ) निन्दनीय ब्याह । बसो  
 ब्याह ।  
 कुयुक्ति, ( स्त्री. ) बसि मजि । बस  
 जीविका ।  
 कुयुर्षी, ( स्त्री. ) मक्खनी रतने की छोटी ।  
 कुयु, ( पुं. न. ) बसतिशेष । मजपुत्र के  
 बसे पुत्र । बसतिशेष । मजपुत्र । बसि ।  
 मजपुत्रा ।  
 कुयुध्यज, ( पुं. ) बस का बस के छोटे बसि ।  
 कुयुध, ( पुं. ) मानमान । बसाणा ।  
 कुयुध, ( न. ) बसमाय । मजपुत्र । ( पि. )  
 बसु ।  
 कुयुधयल, ( न. ) बसि मज ।  
 कुयुधयली, ( स्त्री. ) बसि मजु ।  
 कुयुधयल, ( पुं. ) मज का बस पुत्रा ।  
 कुयुली, ( पुं. ) बसपुत्र । ( स्त्री. ) बस  
 बसा का पुत्र ।  
 कुयु, ( स्त्री. ) बसमाय । बसि ।  
 कुयुध, ( पुं. ) बसि मजपुत्र । बस का बस  
 का मजपुत्र । बस का बस मजपुत्र ( पि. )  
 मजपुत्र पुत्र मजपुत्र ।

कुशास्त्रि, ( पुं. ) दुःखी का शत्रु ।  
 कुशासनी, ( स्त्री. ) रामचन्द्र के पुत्र कुशा की  
 राजमाता ।  
 कुशिक, ( पुं. ) अमरुति घृनि के पिता ।  
 निरामित के पिता । काही । बड़ेका ।  
 सर्वप्रथम ।  
 कुशिक्य, ( वि. ) कुशा शिष्य ।  
 कुशी, ( पुं. ) वार्ष्णेयिक घृनि । ( स्त्री. ) हल  
 की पाल । लोहविकार ।  
 कुशीद, ( न. ) लाल चन्दन । ग्यास । सुद ।  
 कुशीलघ, ( पुं. ) वार्ष्णेयिक घृनि । रामचन्द्र  
 के पुत्र लख कुशा । चारण । माट । पाचक ।  
 माचने गाने की घृनि बाले, कविक ।  
 ( वि. ) बुरे शील वाला ।  
 कुशुल, ( पुं. ) धान की भूमी की भाग । अन्न  
 भरणे की कोठार ।  
 कुशुलाय, ( न. ) वमल । शरणा पशु ।  
 बनेर का वृक्ष ।  
 कुशुलक, ( पुं. ) बदर । अग्नि । सुपे । ( वि. )  
 पर शक्तारी ।  
 कुशीद, ( न. ) ग्यास । सुद ।  
 कुशु-कुशु, ( न. ) कीद का रोग । एक प्रकार  
 का शिब ।  
 कुशुक्नु, ( पुं. ) शिवला का भाग ।  
 कुशुगन्धिनी, ( स्त्री. ) अरुणगन्धा । अतलग ।  
 कुशुदि, ( पुं. ) बन्धा । शील । पाचक ।  
 कुशी, ( वि. ) कीद ।  
 कुशुलक, ( पुं. ) कुशुला । शिब का एक  
 वृक्ष ।  
 कुशुलार्द्ध, ( स्त्री. ) अरुणगन्धा । एक अर्ध ।  
 कुशुला । एक वृक्ष का अर्ध ।  
 कुशुल, ( पुं. ) शरणा । बगी हुई बानी ।  
 कुशुलादी, ( स्त्री. ) शिव की लक्ष्मी ।  
 कुशीद, ( न. ) सुद । ग्यास ।  
 कुशुल, ( न. ) कुशुल । वृक्ष । किलो का रस ।  
 केरुके । कुशुल ।  
 कुशुलकायुक्, ( पुं. ) अरुण ।

कुशुमपुत्र, ( न. ) परमा । विहार की पुरानी  
 राजधानी ।  
 कुशुमशर, ( पुं. ) वामदेव ।  
 कुशुमाकर, ( पुं. ) वामदेव शत्रु ।  
 कुशुमाञ्जलि, ( पुं. ) दुःखान्ति ।  
 कुशुमाधिप, ( पुं. ) दूतों का राजा दुःखान  
 भवता चम्पे का पुत्र ।  
 कुशुमात्र, ( पुं. ) चंद्र ।  
 कुशुमानय, ( न. ) शहर । दूतों के लक्ष्य मन्त्र ।  
 कुशुमेषु, ( पुं. ) वामदेव ।  
 कुशुमोच्चय, ( पुं. ) दूतों का उच्चा । दूतों  
 का डेर ।  
 कुशुम्भ, ( न. ) वृद्ध दूतों वाला वृक्ष । कुशुम्भ  
 वा वृक्ष । अमरुतलु । शोभा ।  
 कुशुम्भ, ( स्त्री. ) टगी । दुःखता । अदृष्टीता ।  
 कुशुम्भ, ( पुं. ) शिबु । शरणा ।  
 कुशुम्भरी, ( स्त्री. ) अग्निवा ।  
 कुशु, ( पुं. ) कुशुल । अरुणगन्धा । ( अमर. )  
 न. कुशुल ' वृक्ष ' के अर्थ में ।  
 कुशुक, ( न. ) अरुणगन्धा । अग्नि । अमर ।  
 कुशुला । ( वि. ) दूत ।  
 कुशुकचयन, ( पुं. ) दूत ।  
 कुशुक, ( पुं. ) शालविशेष ।  
 कुशुल, ( पुं. ) दूता । शीब । ( न. ) मिट्टी  
 का एक प्रकार का बर्तन । कीद का अर्थ ।  
 ( वि. ) दुःखी करने वाला ।  
 कुशुल, ( पुं. ) अरुणगन्धा । अमर । शिब ।  
 शिव ।  
 कुशुल, ( स्त्री. ) कुशुला । कुशुल ।  
 कुशु, ( स्त्री. ) अरुणगन्धा शिब । शीब का  
 अर्थ ।  
 कुशुलक, ( पुं. ) कुशुल ।  
 कुशुलिका, ( स्त्री. ) अरुणगन्धा का एक  
 प्रकार ।  
 कु, ( वि. ) दुःख का अर्थ ।  
 कुशुल, ( पुं. ) अरुणगन्धा का अर्थ ।  
 अमरुतलु का अर्थ । शिब । अरुणगन्धा ।

कोटवी, ( स्त्री. ) चण्डिका । नंगी स्त्री ।  
 कोटि, ( स्त्री. ) धनुष का अग्रभाग । इषि-  
 यारों की नोक । एक करीब की संख्या ।  
 कोटिर, ( पुं. ) न्यौला । इन्द्र । वीरवहूटी ।  
 कोटिशः, ( अ. ) करीबों । अग्रभागमान भी ।  
 किञ्चित् भी ।  
 कोटीश, ( वि. ) करीबपती ।  
 कोण, ( पुं. ) कोना । सारंगी नजाने की  
 कमान सी लकड़ी । छाठी । मगल ग्रह ।  
 लग्न से नवम और पंचम स्थान ।  
 शनैश्चर ।  
 कोणकुण, ( पुं. ) खटमल ।  
 कोदण्ड, ( पुं. ) भौंड । ( न. ) धनुष ।  
 कोद्रघ, ( पुं. ) कोदों नाम का अश्व ।  
 कोप, ( पुं. ) क्रोध । रित्त ।  
 कोपन, ( वि. ) क्रोधी ।  
 कोमल, ( न. ) जल । ( वि. ) नरम ।  
 कोयष्टि, ( पु. ) जल पर उड़ने वाला पक्षी ।  
 कोरफ, ( पुं. न. ) कली । कमल की डधी ।  
 कोल, ( पु. ) छपर । चीता । शनैश्चर ।  
 गोद । डोंगी । भील । भिर्च । बेर का  
 फल ।  
 कोला, ( स्त्री. ) पीपल नाम की औषध ।  
 राजा हरष की राजधानी ।  
 कोलापुर, ( न. ) कोल्हापुर दक्षिण दिशा में  
 प्रसिद्ध लक्ष्मी देवी का स्थान ।  
 कोलाधिपत्यंसी, ( पु. ) एक पहाड़ी श्लेष्य  
 जाति ।  
 कोलाहल, ( पु. ) शोरशुद्ध । कलकल । हौरा ।  
 कोविद्, ( पुं. ) परिष्कृत । विवेकी ।  
 कोविदार, ( पु. ) साय कचण्डर ।  
 कोश, ( पु. ) खजाना । तबक की स्थान ।  
 मन्थन का स्थान । अरुच्योत् । जगद्वल ।  
 कष्टी । कुनारान्न । शब्दसमूह मन्थ । सुसं-  
 नन्द ।  
 कोशाल, ( पु. ) अरुच्योत् प्रदेश ।  
 कोशलिङ्ग, ( न. ) पुन । वि० १११ ।

कोशातकी, ( स्त्री. ) तुरई ।  
 कोष, ( पु. न. ) कोश शब्द देलौ ।  
 कोष्ठ, ( पुं. ) कोठरी । ब्योड़ी । अश्व मरने की  
 कोठार । पेट । कोठा ।  
 कोष्ण, ( न. ) गुनगुना ।  
 कोसल, ( पु. ) कोशल शब्द देलौ ।  
 कोहल, ( पुं. ) एक प्रकार का बाना । नाव्य  
 शास्त्र के आचार्य एक मुनि । मय ।  
 कौकटिक, ( पुं. ) पाखण्डी । संन्यासी ।  
 कौक्षेयक, ( पुं. ) तबोर ।  
 कौटल्य, ( पुं. ) वात्स्यायन मुनि का एक नाम,  
 जिन्हें चाणक्य कहते हैं ।  
 कौटिल्य, ( पु. ) चाणक्य मुनि । ( न. )  
 कुटिलता ।  
 कौण्ण, ( पुं. ) राक्षस ।  
 कौण्डिन्य, ( पु. ) एक मुनि ।  
 कौतुक, ( न. ) अपूर्व वस्तु या कार्य देखने-  
 छानने का चाव । तमारा । उत्सव ।  
 कौतूहल, ( न. ) कौतुक । चाव ।  
 कौन्तेय, ( पु. ) कुन्ती के पुत्र पाण्डव । अर्जुन ।  
 कौपीन, ( न. ) लैंगोटी । गुप्त अंग । पाप ।  
 कौमार, ( न. ) जन्म से पाँच वर्ष तक की  
 धरमशा । कुशोरपान । लङ्कपन ।  
 कौमारिकेय, ( पु. ) कुशोरी स्त्री का लङ्कण ।  
 कौमारी, ( स्त्री. ) देवीशिरा ।  
 कौमुद, ( पु. ) कार्तिक का महीना ।  
 कौमुदी, ( स्त्री. ) बौदनी । व्याकरण का एक  
 ग्रन्थ ।  
 कौमुदीकी, ( स्त्री. ) विष्णु की गदा ।  
 कौरव, ( पुं. ) राजा कुरु की सन्तति । दुर्योधन  
 आदिक ।  
 कौरव्य, ( पु. ) कौरव ।  
 कौल, ( वि. ) दुर्योधन । प्रान्तदानी । मद्रकानी ।  
 तानिक ।  
 कौलटिनेय, } तनी भँस मोंगेने बापी स्त्री  
 कौलंटय, } का लङ्का । स्थितिकारिणी  
 कौलंटेय, } स्त्री का लङ्का ।

कौलिक, ( पु. ) अलाहा । कुलाचार । ( वि. )  
 राक्षि का उपासक । पास्तमी ।  
 कौलीन, ( न. ) निन्दा । लोकापवाद । श्रुय ।  
 दिवाने योग्य । कुर्म । कुलीनता । सर्प,  
 पशु और पक्षियों का कुल । माणियों का  
 अन्ध ।  
 कौलीन्य, ( न. ) कुलीनता ।  
 कौवेरी, ( स्त्री. ) कुवेर की पुरी । उन्नरदिरा ।  
 कुवेर की ।  
 कौशल, ( न. ) काम करने की चतुराई ।  
 भलाई । माहृत्य ।  
 कौशल्य, ( स्त्री. ) महाराजा दरारथ की पत्नी ।  
 श्रीरामचन्द्र जी की माता ।  
 कौशाम्बी, ( स्त्री. ) काम राजा की नगरी ।  
 कौशिक, ( पु. ) विरवाभिन मुनि । न्यौला ।  
 छोर को पकड़ने वाला । मराठी । मूल ।  
 इन्द्र । उल्लू पक्षी । खसारी ।  
 कौशिकी, ( स्त्री. ) दुर्गा । एक नदी । नाव्य  
 राजा की एक स्त्री ।  
 कौशीतकी, ( स्त्री. ) एक उपनिषद् । अथर्व  
 मुनि की स्त्री ।  
 कौशेय, ( वि. ) रोहमी कथा ।  
 कौमुम्भ, ( न. ) कुम्भ का रंग कथा ।  
 कौस्तुभ, ( वि. ) मायावी ।  
 कौस्तुभ, ( पु. ) समुद्र से निकली हुई  
 श्रीविष्णु के हृदय का मूल्य एक  
 माषि ।  
 ककच, ( पु. ) धारा । गौडदा हृद  
 विशेष ।  
 ककचच्छुद्, ( पु. ) कर्षिका ।  
 ककचपात्, ( पु. ) गिरगिट ।  
 ककर, ( पुं. ) कटील का हृद । घरेव ।  
 ककु, ( पुं. ) यज्ञ । सकल । छुनिविशेष ।  
 कर्षि । विष्णु ।  
 ककुक्षि, ( पु. ) अक्षर । नादिक । शिब ।  
 ककुभुज, ( पु. ) देवता ।  
 ककुटाज, ( पु. ) राजगृह यज्ञ । अथर्ववेद यज्ञ ।

कथन, ( न. ) मारना ।  
 कन्दन, ( न. ) रोना ।  
 कम्, ( पु. ) तरीका । गिलमिला । नियम ।  
 इमला । पैर रखना । टक ।  
 कम्पशः, ( भ. ) कम से ।  
 कम्पागत, ( वि. ) कम से आया हुआ ।  
 गिलसिलेदार । कम कम से ।  
 कम्पुक, ( पुं. ) सुपारी । लोथ का पेड़ ।  
 कपास का बल ।  
 कम्पेल, ( पुं. ) ऊँट ।  
 कम्प, ( पु. ) खरीदना । मोल लेना ।  
 कम्पधिकम्प, ( पुं. ) ननिम । खरीद-  
 करोष्ठन ।  
 कम्पय, ( न. ) मांस ।  
 कम्प्याद, ( पु. ) राधन । विद्र । रोह ।  
 ( वि. ) मास खाने वाला ।  
 कम्पित, ( वि. ) दुर्वल ।  
 कम्पित, ( स्त्री. ) दुर्वलता ।  
 कम्पन्त, ( पु. ) घोडा । ( वि. ) दबाया हुआ ।  
 लोपा हुआ । विरा हुआ ।  
 कम्पन्तदर्शी, ( वि. ) भीती बानों को जानने  
 वाला । बरि ।  
 कम्पन्ति, ( स्त्री. ) बढ़ाई करना । आक्रमण ।  
 आकारामोत्कर्ष में दुर्ष के चलने की पुण्य  
 देदी मोल देना ।  
 कम्पि, ( पुं. ) कीडा । मृग्य जीव । लाल ।  
 रोयविशेष ।  
 कम्पिमाणु, ( न. ) किया जा रहा ।  
 कम्पिया, ( स्त्री. ) करना । पूरा करना ।  
 काबोलम्भ । वेडा । मृदकस्तकार ।  
 कम्पियाफल, ( न. ) कर्म का बल ।  
 कम्पियायोग, ( पु. ) कर्मयोग ।  
 कम्पिनक, ( न. ) गिरनीना ।  
 कम्पि, ( स्त्री. ) रोह । अनादर ।  
 कम्पिपस्कार, ( न. ) लेल की लामधी ।  
 कम्पि, ( वि. ) खरीदा हुआ । मोल लिया गया ।  
 कम्प, ( पुं. स्त्री. ) नीच पक्षी ।

क्षुब्ध, ( वि. ) खका ।  
 क्षुब्ध, ( न. ) शब्द करना । पुलाना । रोना ।  
 क्षुब्ध, ( वि. ) कठिन । घोर । गर्म । लाल  
 कर्नर । मान पक्षी । कक पक्षी । पाप-  
 मूह ।  
 क्षुरकमर्मा, ( वि ) कर-निष्ठर काम करने वाला ।  
 क्षेता, ( वि. ) खरीदार ।  
 क्षेय, ( वि. ) खरादने की चीस ।  
 क्षोड, ( पुं. ) रक्षक । शनिमूह । ( स्त्री. )  
 गोद ।  
 क्षोडादधि, ( पुं. ) कछुआ ।  
 क्षोष, ( पुं. ) प्रस्ता ।  
 क्षोषन, ( वि. ) क्षोषी ।  
 क्षोय, ( पुं. ) एक कोस । सुहर्ष ।  
 क्षोय, ( पुं. ) सियार ।  
 क्षौद्र, ( पुं. ) कुरर पक्षी । एक पर्वत । एक  
 देव । एक द्वीप ।  
 क्षौशदारण, ( पुं. ) कार्तिकेय । इन्द्र ।  
 क्षौशादन, ( न. ) कमल की कंधी । पीपल ।  
 क्षम के बीज ।  
 क्षम, ( पुं. ) गलानि करना । आयास ।  
 परिधम ।  
 क्षान्त, ( वि. ) बका हुआ । सुरभाया हुआ ।  
 क्षान्ति, ( स्त्री. ) बकापट । सुरभा जाना ।  
 क्षिप्र, ( वि. ) लीला ।  
 क्षिप्र, ( वि. ) केरा की मात्र । कठिन ।  
 क्षिप्रि, ( स्त्री. ) केरा । सेवा ।  
 क्षिप्र, ( पुं. ) ननुमक । दिग्वा । पराक्रम-  
 शील । कपूर ।  
 क्षुब्ध, ( न. ) कठिन । कठिन । निर्दिष्ट ।  
 क्षुब्ध, ( पुं. ) पर्वत । क्षिप्रान्न । कष्ट ।  
 क्षुब्ध । कष्ट ।  
 क्षुब्ध, ( पुं. ) कष्ट । क्षुब्ध ।  
 क्षुब्ध, ( पुं. ) पुन । ( वि. ) केरा विदने  
 कष्ट ।  
 क्षुब्ध, ( न. ) कष्टान्न । क्षुब्ध न होने ।  
 क्षुब्ध । कष्टान्न ।

क्ष, ( व. ) कर्ष ।  
 क्षचित्, } ( व. ) कर्ष ।  
 क्षचन, }  
 क्षण, ( पुं. ) बीषा का शब्द । हर एक शब्द ।  
 क्षणित, ( वि. ) पकाया गया ।  
 क्षणिता, ( स्त्री. ) कढ़ी ।  
 क्षाथ, ( पुं. ) काढ़ा । बहुत पकाई गई वस्तु ।  
 क्षण, ( पुं. ) पर्व । उत्सव । अवसर । मण्य ।  
 पक्षी । सहजा । दिन ।  
 क्षणद, ( पुं. ) ज्योतिषी । पानी ।  
 क्षणदा, ( स्त्री. ) राशि ।  
 क्षणप्रभा, ( स्त्री. ) निजशी ।  
 क्षणभंगुर, ( वि. ) दिन भर में नष्ट हो जाने  
 वाला ।  
 क्षणिक, ( वि. ) दम भर का ।  
 क्षणिकबुद्धि, ( वि. ) निसकी बुद्धि दिन २  
 भर पर बदला करती है ।  
 क्षत, ( न. ) घाव । ( वि. ) क्षणित । नष्ट ।  
 क्षतघ्न, ( पुं. ) कुकरोधा । घाव को पूरने वाला ।  
 मरहम ।  
 क्षतज, ( न. ) बधिर । पीन ।  
 क्षति, ( स्त्री. ) पक्षी । हानि ।  
 क्षत्ता, ( पुं. ) रक्ष से अशिया में उत्पन्न ।  
 गालास । तारपी । क्षत्तियु । निद्र ।  
 नका । मलपक्षी । अताची ।  
 क्षत्र, ( पुं. ) क्षत्रिय । ( न. ) तगर । शरीर ।  
 क्षत्रिय जाति के कर्म ।  
 क्षत्रबन्धु, ( पुं. ) अथम क्षत्रिय । अपने कर्म  
 न करने वाला क्षत्रिय ।  
 क्षत्रविद्या, ( स्त्री. ) बहुरीद । पुरोहिता ।  
 क्षत्रिय, ( पुं. ) क्षत्रिय कर्म ।  
 क्षत्रिया, } ( स्त्री. ) क्षत्रिय जाति की स्त्री ।  
 क्षत्रियानी, }  
 क्षत्रिया, ( स्त्री. ) क्षत्रिय की स्त्री ।  
 क्षत्रिय, ( वि. ) क्षत्र करने योग्य ।  
 क्षत्रिया, ( वि. ) क्षत्र करने क्षत्रिया ।  
 क्षत्रिय, ( वि. ) निर्दिष्ट ।  
 क्षत्रिय, ( पुं. ) क्षत्रिय । क्षत्रिया ।





धुलक, (त्रि.) नीच । पोहा । दु रित । दुष्ट ।  
 क्षेत्र, (न.) शरीर । सेत । स्त्री । तीर्थस्थान ।  
 मेघ आदि राशियाँ ।  
 क्षेत्रज्ञ, (पुं.) अपनी स्त्री में दूसरे से उत्पन्न  
 कराया गया पुत्र । (त्रि.) जो सेत में  
 अपना हो ।  
 क्षेत्रज्ञ, (पुं.) जीवात्मा । (त्रि.) निपुण ।  
 किसान ।  
 क्षेत्रपाल, (पुं.) भैरव । (त्रि.) सेत की  
 रक्षकाली करने वाला ।  
 क्षेत्राजीव, (पुं.) किसान ।  
 क्षेत्रिय, (पुं.) घसाप्य रोग । परस्त्रीगामी  
 पुत्र ।  
 क्षेत्रेष्ठ, (पुं.) लघार ।  
 क्षेत्र, (पुं.) भाषण । निन्दा । बहकार ।  
 विलम्ब । फेंकना । बिताना ।  
 क्षेत्रफ, (त्रि.) फेंकने वाला । विलम्ब करने  
 वाला । घमण्डी । गुन्ना । (न.) पुरतकों  
 में ऊपर से मिलाया गया पाठ ।  
 क्षेत्रण, (न.) श्रेण्या । शोभा नामक यन्त्र,  
 जिसमें रत्न कर ककदूर तक फेंके जाते हैं ।  
 फेंकना । बिताना ।  
 क्षेत्र, (न.) कल्याण । मोक्ष ।  
 क्षेत्रकारी, (स्त्री.) कल्याण करने वाली ।  
 भवानी ।  
 क्षेत्रेन्द्र, (पुं.) कश्मीर का एक माती परिष्कृत  
 मन्थकार ।  
 क्षेत्रिय, (न.) लप्ती । (त्रि.) दूध में पकाया  
 गया ।  
 क्षेत्रोड, (पुं.) हाथी बाँधने की कमीर ।  
 क्षेत्री, (स्त्री.) पृथ्वी । जमीन ।  
 क्षेत्रीमाचीर, (उ.) समुद्र ।  
 क्षेत्रोद, (उ.) धूप । सूर्य । सांदिनोद ।  
 क्षेत्रोम, (पुं.) वित की बचलता । धनहाट ।  
 क्षेत्रोद्, (न.) राहद । पानी (पुं.) धूप ।  
 यन्त्रों का वृक्ष । एक वर्षमकर जाति ।  
 क्षेत्रोज, (न.) मोम ।

क्षीम, (पुं. न.) रेखायी कपड़ा । सन का  
 कपड़ा ।  
 क्षीर, (न.) इनामत् ।  
 क्षीरिक, (पुं.) नारि ।  
 क्ष्युत, (त्रि.) सान भरा हुआ । पैना ।  
 श्मा, (स्त्री.) पृथ्वी । धाती ।  
 श्मातल, (न.) पृथ्वीतल ।  
 श्मापति, (पुं.) राजा ।  
 श्मामृत, (पुं.) पहाड़ । राजा ।  
 श्वेक, (पुं.) विष । अश्रुओं की प्पति । कल-  
 भेद । पुष्पभेद । (त्रि.) दुर्लभ । कुटिल ।  
 श्वेकन, (न.) त्याग करना । छोड़ना ।  
 सिहनाद ।  
 श्वेलिका, (स्त्री.) कीड़ा । सेत ।

ख

ख, (न.) भाकारा । शय्य । स्वर्ग । शत्रिय ।  
 सूर्य । पुर । शरीर । बिन्दु । मेघ । छल ।  
 लान से दराम राशि । धनरत्न ।  
 खग, (पुं.) सूर्य आदि मद् । पक्षी । वायु ।  
 देवता । वायु । राक्षस । (त्रि.) भाकारा  
 में चलने वाला ।  
 खगपति, (पुं.) गन्ध ।  
 खगासन, (पुं.) विन्ध्य । उदपाचय ।  
 खगेन्द्र, (पुं.) गन्ध ।  
 खगोल, (उ.) भाकारामण्डल ।  
 खचर, (उ.) लग राक्षस देतो ।  
 खचित, (त्रि.) न्यास । बैधा हुआ । मिला  
 हुआ ।  
 खज, (पुं.) कलबी । विमवा । भवानी ।  
 खजिका, (स्त्री.) लान । सुमती ।  
 खज्योति, (उ.) उगर् ।  
 खज्ज, (पुं.) सैगवा ।  
 खज्जन, (पुं.) लहरिया पक्षी ।  
 खज्जरीट, (पुं.) लज्जन ।  
 खट, (पुं.) अन्धा हुआ । कर्क । इष्ट ।  
 पात । टॉपी ।

खटवा, ( स्त्री. ) लकिया मिठी । कान का वेद । पात ।  
 खटिक, ( पु. ) खटिक । विहीमार ।  
 खटिका, ( स्त्री. ) खोटी साट । लची ।  
 खट्टा, ( स्त्री. ) पत्तंग । साट । मधान ।  
 खट्टाङ्ग, ( पुं. ) एक सर्ववशी राजा, जिसने अपनी भाग्य्य दो बही शेष जान कर स्वर्ग से वर माँग आयोप्या में था सर्ववशी हो वर मुक्त हुआ । मनुष्य की इच्छियों का दाँषा । शिद । एक राज ।  
 खट्टाङ्गधारी, ( पु. ) शिव ।  
 खट्टाङ्ग, ( वि. ) साट पर चढ़ा हुआ । निषिद्ध कार्य करने वाला ।  
 खट्टिका, ( स्त्री. ) लकरी ।  
 खट्टी, ( स्त्री. ) लकिया ।  
 खट्ट, ( न. ) लोहा । ( पु. ) गैरा । लोहा ।  
 खट्टपिधान, ( न. ) ग्यान ।  
 खट्ट, ( पु. ) टुकड़ा । लौह । न्यूनक । रत्न का ऐव ।  
 खट्टपर्या, ( पु. ) शम्भुकन्द ।  
 खट्टताल, ( पु. ) एक प्रकार की ताल ।  
 खट्टधारा, ( स्त्री. ) कुँबी ।  
 खट्टन, ( न. ) लोहना । टुकड़े २ करना । काट काटना ।  
 खट्टपरशु, ( पु. ) शिव ।  
 खट्टित, ( वि. ) लोहा गया । काटा गया ।  
 खट्टिता, ( स्त्री. ) वह स्त्री, जिसका पति रात भर अन्य स्त्री के वहाँ रहे ।  
 खट्टमाल, ( पु. ) मेघ । पुष्पी ।  
 खट्टिर, ( पुं. ) सिर । काया । इन्द्र । चन्द्र ।  
 खट्टिका, ( स्त्री. ) लाल ।  
 खट्टी, ( पुं. ) उगद । पूर्व ।  
 खट्ट, ( पु. ) हवाई । बन्दूक ।  
 खट्टक, ( पु. ) मूला । संध लगाने वाला । बी । ( वि. ) पुष्पी को लोदने वाला ।  
 खट्टन, ( न. ) लोहना ।

खनयित्री, ( स्त्री. ) कुदर । कावशा ।  
 खनि, ( स्त्री. ) खान ।  
 खनित्र, ( न. ) कुदर । लोदने का औजार ।  
 खनित्र, ( पुं. ) शीत ।  
 खमण, ( पुं. ) पूर्व ।  
 खर, ( पुं. ) गधा । जनस्थान-निवासी राक्षस । कामदेव । भीष्म । तीक्ष्ण । वह घर, जिसका द्वार पश्चिम मुख हो ।  
 खरदूपण, ( पु. ) धतूरा । खर बीर दूपण नाम के राक्षस । ( वि. ) उम दोष वाला ।  
 खरध्वंसी, ( पु. ) रामचन्द्र ।  
 खरी, ( स्त्री. ) गयी ।  
 खर, ( पु. ) गपक । शिव । घोडा । हौत । श्रेय बर्ष । कामदेव । मूर्ति । कर ।  
 खर्जन, ( न. ) सुनझाना ।  
 खर्जू, ( स्त्री. ) खनतल्ला जीवा । लखर का पेड़ । सुनली ।  
 खर्जून, ( पु. ) मदार । धतूरा ।  
 खर्जूर, ( पु. ) बिन्दू । लखर का फल । खड़ी ।  
 खर्जूरी, ( स्त्री. ) बनलखर ।  
 खर्पट, ( पुं. ) बोर । धूर्त । लखर । ( न. ) एक धनु ।  
 खर्प, ( पुं. ) बीना । कुबवा । एक गिषि । लक्ष्मणोदि सख्या ।  
 खर्पट, ( पुं. न. ) बलना । पद्मा के पास का माम । वह माम जिसके पास शहर हो नदी तथा पर्वत भी वहाँ हो । मंत्री लगने वाला माम । बार सौ गौव के बीच को जगह ।  
 खर्पशाखः, ( वि. ) छोटा । टेंगना । छोटी बात के वृष ।  
 खल, बलना । रिहना ।  
 खल, धान कूटने का स्थान । भोसरी । कपि । पुष्पी । निष्ठ का पूर्व । नीच । अधम । निर्दय । बेरहम ।  
 " सर्पः कर. ललः कर. सर्पाश्वापरः ललः । सर्पाश्वापरः सर्प. ललः केन निर्वाच्ये ॥ "



खा, ( स्त्री. ) लक्ष्मिणा मिथी । वान का  
 वेद । पात ।  
 खेक, ( पु. ) खटिक । विहीमार ।  
 खेका, ( स्त्री. ) छोटी खाट । रत्नी ।  
 खे, ( स्त्री. ) पत्तैंग । खाट । मखान ।  
 खेह, ( पुं. ) एक सूर्यवरी रात्रा, जिसने  
 अपनी भाग्यव्य दो बही शेष जान कर  
 स्वर्ग से बर माँग व्ययोप्या में था सर्वव्यापी  
 हो बर मुक्त हुआ । मनुष्य की इच्छियों का  
 दोषा । रोद । एक राक्ष ।  
 खेहधारी, ( पु. ) शिव ।  
 खेहद, ( वि. ) खाट पर बसा हुआ ।  
 निरिद्ध कार्य करने वाला ।  
 खेहिका, ( स्त्री. ) खिचकी ।  
 खेही, ( स्त्री. ) लक्ष्मिणा ।  
 खेह, ( न. ) लोहा । ( पुं. ) गैका । लोका ।  
 खेहिधान, ( न. ) ग्यान ।  
 खेह, ( पु. ) टुकड़ा । लोह । नयुक्त ।  
 खल का ऐव ।  
 खेहर्ण, ( पुं. ) शबरकन्द ।  
 खेहाल, ( पु. ) एक प्रकार की ताल ।  
 खेहारा, ( स्त्री. ) कैची ।  
 खेहन, ( न. ) लोहना । टुकड़े २ करना ।  
 बोट बालना ।  
 खेपरशु, ( पुं. ) शिव ।  
 खेहत्त, ( वि. ) लोहा गया । काया गया ।  
 खेहता, ( स्त्री. ) बह स्त्री, जिसका पति  
 लप भर अन्य स्त्री के बहों रहे ।  
 खेहाल, ( पुं. ) मेघ । धुंधी ।  
 खेह, ( पुं. ) सिर । कला । हस्त । चन्द्र ।  
 खेहिका, ( स्त्री. ) लाल ।  
 खेह, ( पु. ) डगडू । सूर्य ।  
 खेह, ( पु. ) इबार्द । मनुक ।  
 खेह, ( पु. ) मूला । संध लगाने वाला ।  
 खेह । ( वि. ) पुष्पी को लोदने वाला ।  
 खेहन, ( न. ) लोदना ।

खनयित्री, ( स्त्री. ) कुदर । कुवरा ।  
 खनि, ( स्त्री. ) लान ।  
 खनित्र, ( न. ) कुदर । लोदने का औजार ।  
 खनान्ति, ( पुं. ) बीर ।  
 खमणि, ( पुं. ) पूर्ण ।  
 खर, ( पुं. ) गधा । जनस्थान-निवासी राक्षस ।  
 कामदेव । कौषा । ताक्ष्य । वह बर,  
 निरुभा द्वार परिचम मुक्त हो ।  
 खरदूपण, ( पु. ) धुरा । तर धीर दूपण  
 नाम के राक्षस । ( वि. ) उम दोष वाला ।  
 खरध्वंसी, ( पु. ) रामचन्द्र ।  
 खरी, ( स्त्री. ) गधी ।  
 खर, ( पु. ) वमक । शिव । घोडा । दौत ।  
 श्रेय बर्ष । कामदेव । मूर्त । क्रूर ।  
 खर्जन, ( न. ) गुनलाना ।  
 खर्जू, ( स्त्री. ) लनलक्ष्मणी का । लखर का  
 वेक । गुनली ।  
 खर्जून, ( पु. ) मदार । धुरा ।  
 खर्जूद, ( पु. ) निम्बू । लखर का फल । बौदी ।  
 खर्जूरी, ( स्त्री. ) वनलखर ।  
 खर्पट, ( पुं. ) बोर । धूर्त । लप्पर । ( न. )  
 एक धानु ।  
 खर्ष, ( पु. ) बाना । कुवरा । एक निधि ।  
 सहस्रकोटि सख्या ।  
 खर्षट, ( पु. न. ) बलना । पहाड के पास  
 का ग्राम । वह ग्राम जिसके पास राहर हो  
 नदी तथा पर्वत भी बहों हो । मंत्री लगने  
 वाला ग्राम । चार सौ गौव के बीच की  
 जगह ।  
 खर्षशाख, ( वि. ) छोटा । टेंगना । छोटी  
 बाल के बूब ।  
 खल, बलना । हिलना ।  
 खल, धान बूटने का स्थान । खोली । काँची ।  
 पूर्णा । तिल का पूर्ण । नीच । अपभ ।  
 निर्दय । बेरहम ।  
 “ सर्गः क्रूरः खलः क्रूरः सर्पाश्चरणाः खलः ।  
 मन्वीचधिराः सर्वः खलः वेन निवार्यते ॥ ”

खर्बा, ( स्त्री. ) छोटे बंगों की शी । बानी ।  
नाड़ी स्त्रीविशेष ।  
खर्बुरा, ( स्त्री. ) तररी वृष ।  
खर्बूजम्, ( न. ) खर्बूजा । प्रसिद्ध लग्नद्रव्य ।  
खलपूः, ( वि. ) जगह का साफ करने वाला ।  
फर्तास । झट्टू देने वाला ।  
खलः, ( पुं. ) खर्बू । तमाल का पेड़ । परूर ।  
भूमी । स्थान । पीसी हुई गीली मुन्दी ।  
खलसा, ( स्त्री. ) दुष्टता । आकाशवेत्ता ।  
खलतिः, ( पुं. ) खट्टा । गजा ।  
खलु, ( अव्य. ) निश्चय । खूना । बचन के  
शोभा करने वाला । विशेष इच्छा । निषेध  
करना । शब्द को पूरा करने वाला । कारण ।  
खर्मम्, ( न. ) पुत्रार्थ । देशमी वस्त्र ।  
खलमूर्तिः, ( पुं. ) पारा । दुष्टमूर्त ।  
खलकपोत, ( पुं. ) धान छोटने की जगह ।  
यथा कवृत्तर एक ही बार था कर एकट्टे गिरते  
हैं तथा विशेषणों का एक स्थल में भन्व्य  
होना इसी तरह एक न्यायभेद ।  
खल्या, ( स्त्री. ) खलों का जो समुदाय । धान  
छोटने का समुदाय । स्थान ।  
खल्ल, ( पुं. ) एक तरह का कपड़ा । काम ।  
गदा । चातक पक्षी । पपीहा । मसा ।  
द्वार । मलने का पात्र । खल । खोस ।  
खयाप्प, ( न. ) रात्रि को बहने वाला आकारा  
से । खोस । नरक ।  
खश, ( पुं. ) हिमालय के पास का देश । देश  
विशेषभेद । पतित । क्षत्रियभेद ।  
खसखस, ( पु. ) पोस्ते का बीच वृषभेद ।  
जिसका दूध खट्टीम है ।  
खजिक, ( पु. ) लावा । खील । जो तनिक  
वायु लगने से उड़ने लगते हैं ।  
खटि, ( पुं. स्त्री. ) रथी । उर्दा ले जाने की वस्तु ।  
खांड्य, ( पु. ) इन्द्रवरुण । देहली शहर ।  
नगर के पास का वन ।  
खलाधारा, ( स्त्री. ) तेल पीने वाली । तिल-  
बटा भाग है ।

खलिः, ( पु. ) भेज का कोट । लगी जो नीचावों  
की गिनती जाती है ।  
खलिनः, ( पुं. न. ) कश्चित्नाम । घोड़े चान्ने देव ।  
खात, ( न. ) गदा । तथैवा आदि ।  
" पूर्णं क्षातादि कर्म न इति स्मृतिः " ।  
खातक, ( पुं. ) परिला । खोई । शयी ।  
कर्नदार ।  
खातू, ( कि. ) खाना ।  
खादक, ( पुं. ) कर्नदार । खाने वाला । ( वि. )  
खादिका स्त्री ।  
खादिर, ( वि. ) खैर । खैर की लकड़ी का  
बना हुआ यज्ञभूमादि ।  
खारी, ( स्त्री. ) घनान के नाप का प्रमाण ।  
तील अर्धान् १२ मन ३२ खैर जो होता है ।  
खारीक, ( वि. ) खारी । १६ क्षोण परिमाण ।  
धान के बोंने का क्षेत्र ।  
खाकार, ( पु. ) गददे का बोलना । जो दूर से  
शब्द के समान मालूम हो ।  
खिट्, ( कि. ) मयभीत होना ।  
खिट्, ( कि. ) दीन होना ।  
खिन्न, ( वि. ) दुःख में पड़ा हुआ । आलसी ।  
खेदपुस्त ।  
खिल, ( कि. ) किनकियों को उगना । दाना २  
लेना ।  
खिल, ( वि. ) हल नहीं चला हुआ खेत  
आदि । भोड़े में उत्त् । प्रथम न कहे गये  
का परिशिष्ट अत्रा वर्णन ।  
खु, ( कि. ) शब्द । आवाज करना ।  
खुम्, ( कि. ) खोचना ।  
खुम्, ( कि. ) फाड़ना । टुकड़े २ करना ।  
खुर, ( पु. ) पशु के छुर । नख । नखला ( भाषा में )  
गन्धद्रव्य २ नहमी । नाई का शस्त्र नख  
काटने वाला । छुरा बार बनाने का । पल्लव  
का पाया इत्यादि ।  
खुरण्यस्, ( वि. ) जिसकी नाक छुर के समान  
हो । चिपड़ी नाक वाला या चौड़ी नाक  
वाला ।

सुरालिक, ( पु. ) जो सुरों की कतारों से  
बनकरा है । नाऊ के राम रखने का स्थान ।  
सरोह । दुग्धी । नाराचास । नाप ।  
ताकिया ।

सुई, ( कि. ) तालना ।

खेचर, ( पु. ) जो आकार में निचरी ।  
रिच नी । सूर्यादि ग्रह । विद्याधर । पुत्राभेद  
( बी. ) सेवरी मुन योगशास्त्र में ।

खलिनो, ( बी. ) तालदूनी । दुलों का समूह ।  
धानों के ताल ।

खलिपञ्चनः, ( पु. ) दंत के संयोजन ।  
मांसनाभिघोदतो जायते तान्वेदतः ।  
खलिर्धनसहोऽसौ जाते कृत्वा प्रशास्यति ॥

खलिशः, ( पु. ) खलियामात्र इति गीर्भशा  
प्रसिद्ध मन्त्र । कर्णवी के शेष को भी  
बढ़ने है ।

खलीकारः, ( पु. ) कपकरी । मोह करना ।

खल्लः, ( पु. ) निन्दा करने वाला ।

खलीनः, ( पु. न. ) पीछे के घुल में जो  
विप जाते । लगाम ।

खलु, ( अ. ) वाक्य के लगाने में । पूछना ।  
शांति में । कहने की शक्ति में । मान में ।  
बर्तन में । पदों की शक्ति में । वाक्यरूप  
में । विनयी करने में । निश्चय में ।

खलुक, ( पु. ) अन्धकार ।

खलुरूपः, ( पु. ) इन्द्रियों के आतिभेद ।

खलुविका, ( बी. ) शब्दावधार करने की  
आह ।

खलेवाली, ( बी. ) बंदों के बांधने का साध  
इसा काष्ठ अर्थात् मूंडा बंदों का ।

खलेशः, खलेशयः, ( पु. ) इष्ट आराधक ।

खल्या, ( बी. ) दुहा बी । तलों का समूह ।

खल्लः, ( पु. ) कर्णों को भेदने यज्ञा ।  
निष्ठ । अमहा । परीहा । दस घोड़ों  
का पाव । अल । महक " विरही के  
बागवानी " ।

खली, ( बी. ) कली बरग हाथ पों की ।

श्रावः ईमे की शिथारी में हीनी है उसकी दवा  
घुट सेधानमक चूक निल का तेल पका कर  
मालिश करना रहता हुआ अधिक गर्म  
नहीं मलता ।

खल्ल्याटः, ( पु. ) इन्द्रलुमरीग । बार अका  
हुया सिर ।

खल्लिका, ( बी. ) पिसान बगैर भूजने का  
वरतन । कर्णवी । नमला ।

खल्लरी, ( बी. ) आकारानेल ।

खल्लो, ( बी. ) अमरनेल जो पेशे पर ही  
रहती है । इसका गुण वैद्यनिषेध में ऐसा  
लिखा है—

खल्लो मारिषी तिला विषिल्लाधपामयापहा ।  
दुरराश्रिन्करी ह्या पित्तश्लेष्माननाशिनी ॥

खल्लि, ( न. ) आकार का जल ।

खल्ला, ( बी. ) तालपत्री । घुल नाम घुलधि  
पदार्थ । कश्यप आदि की बी । दध प्रभाषि  
की कथा । कथ खल्ल की माता ।

खल्ल्यासः, ( पुं. ) वायु । हवा ।

खल्लपः, ( पु. ) क्रोध । बन् से करना ।

खल्लकन्दः, ( पु. ) धीरकपुत्री का पुत्र ।

खल्लमः, ( पुं. ) बीजमन्त्रावली । बुन ।

खल्लम्भया, ( बी. ) घुल जातिविशेष ।

खल्ला, ( बी. ) शहसों की माता ।

खल्लामजः, ( पुं. ) शर्णी का पुत्र ।

खल्लमः, ( पु. ) निम्बिलि का देश ।

खल्लरसः, ( पुं. ) वीरों का दान ।

खल्लरसः, ( पु. ) अमीन ।

खल्लनी, ( बी. ) इमीन ।

खल्लपटिक, ( पु. ) अन्धकारमयि । सुर्वे  
काप्रपयि ।

खल्लरसः, ( पुं. ) लगाम का दान  
प्रमाण वैद्यनिषेधः । उल्ल अ—

खल्लरसः खल्लरसोऽसुखकाले खल्लरसः ।

खल्लरसः खल्लरसः खल्लरसः खल्लरसः ॥

खल्लरसः खल्लरसः खल्लरसः खल्लरसः ॥

खल्लरसः खल्लरसः खल्लरसः खल्लरसः ॥



रूपः, (वि.) लारी परिमाण कम  
की जो लोह करने वाला । रक्षोहर ।  
कपाही ।

रीयापः, (वि.) बोरा । पैला ।  
रुद्रः, (पुं.) गन्धे के जाती शम्भ ।  
रुद्रः, (पुं.) सामर्थ्य योग व्योतिप्रसास  
में है । यथा—

योगे विभे तामिन्द्रमने  
सामर्थ्यमर्द्धं विभे शरी चेंद्र ।  
लार्थुजेयम्, (न.) लार्थुने का बनना है इसे  
रसाज का भद्र माना है । यथा—

मधुरपथिनि मन्वे शर्द्धं सभियोग्य  
शुभि निरक्षितरररर प्रविषेत् सार्थुनेयम् ।  
कविशुलेनमैर्वामित नाभिकर्षे—  
निगमितु अत्राग्नि स्थापयत्येन नूनम् ॥  
रसाज सार्थुनेयदेद विष्टभि कचिकारकम् ।  
इय च कश्चद कश्च वित्तन मूकशुद्रम् ॥

खिलिः, (धा.) खोलरी । स्वार की छोटी  
जाति होती है लोमकी कही जाती है ।  
खिलितः, (पुं.) लोमकी । लटकाइ शिव जी  
का शस्त्र एक प्रकार का है । शीवेर  
अर्थात् हाथेरे भा० ।

खिलितः, (पुं.) खरमा । कुपुलकः ।  
खिलमानः, (वि.) खेदसहित । दीनता—  
महित । उपश्रयमहित ।

खिलः, (पुं.) शीमी । दरिद्री । चकारं से पुक्त ।  
खिलः, (बी.) आसली । खेदयुक्त । हीना—  
बस्था वाला जो है ।

खिलहिटी, (वि.) धर का वृष । बिबिही ।  
अपारण्य ।

खिलम्, (वि.) हर से जोड़ी हुई लयान ।  
बन । घना । साक्षी । कम् । परिदे न  
कहा गया से बाकी जो कहा जाय ।  
भीष्म । शिष्यकल्पारिक ।

खिलीकृतः, (वि.) कठिन हृदि ।  
खुलाहः, (पुं.) काले रंग का घोडा ।  
खुलाहकः, (पुं.) देवता का वेद ।

खुरली, (घी.) तीर चलाना शिलना ।  
अभ्यास करना ।

खुराका, (पुं.) पशु को कहते है ।

खुरालकः, (पुं.) खोदे का बाप ।

खुरालिकाः, (पुं.) नारि वा मंभोह । बाप ।

खुरासानः, (पुं.) देशविशेष । गुणमान  
देश है । यथा—  
दिव्यीरु समारम्य महेरान्त महेरशरि ।  
सुरामानाभिधो देशो म्भेधमार्गपरायण ॥

खुलम्, (न.) नल नाम का लुगधर्म्य ।  
नीच में । अल्प ।

खुलकः, (पुं.) नीच । खल । घोडा ।

खुलमः, (पुं.) मार्ग । शरणा ।

खेखीरकः, (पुं.) शब्द शरित लाठी या  
बही ।

खेगमनः, (पुं.) बालकट नाम का पशु ।

खेचर, (पुं.) आकारा में विचरने वाला ।  
शिव । दूर्धादि मह । विद्यापर । सुप्र  
विशेष ।

खेह, (कि.) लाना । भोजन करना ।

खेट, (पुं.) जो आकारा में बूधे । दूर्धादि  
मह । कक । भ्रामनेद । धृगया । (पुं.)  
नीच ।

खेटक, (पुं.) दाह । कलक ।

खेज, (कि.) जाना । शिलना ।

खेलन, (न.) खेल । क्रीडा ।

खेला, (बी.) खेल । क्रीडा ।

खेल्, (कि.) सेवा करना ।

खेसट, (पुं.) लहर । करपत्र ।

खोह, (वि.) बाल का रचना ।

खोटि-टी, (बी.) बगुआ की ।

खोह, (कि.) बाल का रचना ।

खोड, (वि.) लहर । लहरा । पशु ।

खोट-स, (वि.) लहर । लहरा । लना ।

ख्यात, (वि.) प्रसिद्ध । कहा गया । कवि ।

ख्या, (कि.) करना ।

ख्याति, (घी.) प्रमाण । शक्ति । शक्ति ।



ख्यापक, ( वि. ) प्रकाश करने वाला ।  
प्रसिद्ध करने वाला ।

**ग**

ग, ( वि. ) तीसरा व्यञ्जन । कर्ग का तीसरा  
अक्षर । यह केवल समास में पक्षे आता  
है । जो, जाता है । जाने वाला । दिखना ।  
होना । ठहरना । रहना । गन्धर्व । गणपति  
का नाम । छन्दशास्त्र में गुरु अक्षर के  
लिये चिह्न । ( पु. ) गीत ।

गगन, ( न. ) आकाश । शस्य । स्वर्ग ।

गगनध्वज, ( पु. ) मेघ । सूर्य ।

गगनेचर, ( पु. ) सूर्यादि ग्रह । नक्षत्र ।  
तारा । पक्षी । देवता । राशिचक्र ।

गग्घ, ( कि. ) हँसना । चिढ़ाना ।

गङ्गा, ( स्त्री. ) जाङ्घी । विषयगा । भागीरथी ।  
दुर्गा । देवी ।

गङ्गाज, ( पु. ) गङ्गा का पुत्र । भीष्म ।  
कार्तिकेय ।

गङ्गाधर, ( पु. ) शिव । समुद्र ।

गङ्गापुत्र, ( पु. ) भीष्म । कार्तिकेय । दोगला ।  
वर्षसङ्कर । पाटिया ।

गङ्गासागर, ( पु. ) वह पवित्र तीर्थस्थान  
जहाँ पर गङ्गा सागर में मिलती है ।

गङ्गोत्त, ( पु. ) रत्नविशेष । गोमेद ।

गच्छ, ( पु. ) वृक्ष । पेड़ । गणित में अङ्क-  
भेद ।

गञ्ज, ( कि. ) मद से शब्द करना । मग्न  
होना । दहकना । गरजना ।

गज, ( पु. ) हाथी । गिनतीविशेष । छोट ।  
मनुष्य के ३० अङ्गुल तर्क का परिमाण ।  
एक देव जो महादेव द्वारा मारा गया था ।

गजकूर्माशुन्, ( पु. ) गरुड का नाम ।

गजगामिनी, ( स्त्री. ) गज के समान भूम  
कर चलने वाली स्त्री ।

गजच्छाया, ( स्त्री. ) आदर करने का समय  
रिग्वेद । पूर्वप्रदण का समय । कृष्ण के

आरुण्य में हरन नक्षत्र लग जाने के बाद  
का समय ।

संहिकेयो यदा मारुं प्रमते पर्वसन्धिषु ।

गजच्छाया तु सा प्रोक्ता गार्ह्यं तत्र प्रकल्पयेत् ॥

गजता, ( स्त्री. ) हाथियों का समूह । हाथी-  
पन । मस्ती ।

गजदन्त, ( पु. ) हाथीदंत । गणेश जी  
का नाम ।

गजपुट, ( पुं. ) हाथ भर का गङ्गा ।

गजप्रिया, ( स्त्री. ) राजकी नामक वृक्ष ।

गजवन्धिनी, ( स्त्री. ) हाथी बाँधने का घर ।

गजाजीव, ( पु. ) महाव्रत । हाथी पालने  
वाला । हस्तिपालक ।

गजारि, ( पु. ) सिंह ।

गजानन, ( पुं. ) गणेश जी का नाम ।

गजाह्वय, हस्तिनापुर का नाम ।

गज, ( पुं. ) भाण्डागार । कान । गीराला ।  
नीचों का घर । मदिराघार । कलारी-  
( स्त्री. ) दुकान । हाट । मण्डी ।  
बाजार ।

गङ्, ( कि. ) सींचना । नाहर निकालना ।  
रस निकालना ।

गङ्, ( पु. ) मधुखीविशेष । विष्णु । अष्ट-  
नाव । तीर्थ । व्यवधान । अन्तर । नीच  
में पड़ गया । देशभेद ।

गङ्, ( पु. ) दण्डा । कामचोर । दैल ।

गङ्, ( पु. ) मामवर्द्धक रोग । गजगण्ड ।  
कुनडा । बर्ली ।

गङ्गुलि-लि-का, ( स्त्री. ) भेड़ों की पालि ।

गण, ( कि. ) गिनना ।

गण, ( पु. ) शिव जी का अनुचर ।  
छन्द्या । गिनती । सैन्यसेन्याविशेष जिसमें  
१३२ पैदल, ८२ घोड़े, २७ एण और २७  
हाथी होते हैं । धानुषों का समूह । तारा ।  
अन्दीमन्य का शब्दविशेष । गणेश जी  
का नाम ।

गणक, ( पुं. ) दीक्ष । त्रयोविधी । गिनने वाला ।

गणेशोत्सव, (श्री.) देवमूर्ति । यथा—१२  
 भाद्रपद, १० विरहोत्सव, ११ वृष, ४६ वायु,  
 १२ माघ, ११ वृष, ३६ पुष्य, ३७  
 १४ भाद्रपद, २२० महाशिवरात्रि ।  
 भाद्रपदविश्वनाथपुत्राभाषणानिः ।  
 महाशिवरात्रिपुत्राभाषणानिः ।  
 गणेशोत्सव, (पु.) गणेश । शिव । गणेश का  
 शक्ति । शिवरात्रि ।  
 गणेशोत्सव, (पु.) शक्ति का उत्सव । महाराज ।  
 शिवरात्रि ।  
 गणेशोत्सव, (वि.) शक्ति के लिये दिया हुआ  
 उत्सव ।  
 गणेशोत्सव, (श्री.) वह श्री शिवके शक्ति  
 शक्ति हो । शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (न.) शक्ति ।  
 गणेश, (वि.) शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (पु.) शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (पु.) शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (पु.) शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (वि.) शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (श्री.) एक शक्ति शक्ति  
 शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेशोत्सव, (न.) शक्ति । शक्ति ।  
 गणेशोत्सव, (श्री.) शक्ति का शक्ति । शक्ति ।  
 गणेशोत्सव, (पु.) शक्ति का शक्ति । शक्ति ।  
 गणेशोत्सव, (पु.) शक्ति का शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (पु.) शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (वि.) शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।

गणेशोत्सव, (न.) शक्ति का शक्ति । शक्ति ।  
 शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेशोत्सव, (श्री.) शक्ति का शक्ति । शक्ति ।  
 शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (श्री.) शक्ति का शक्ति । शक्ति ।  
 शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (पु.) शक्ति का शक्ति । शक्ति ।  
 शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (पु.) शक्ति का शक्ति । शक्ति ।  
 शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (वि.) शक्ति का शक्ति । शक्ति ।  
 शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (श्री.) शक्ति का शक्ति । शक्ति ।  
 शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (पु.) शक्ति का शक्ति । शक्ति ।  
 शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (वि.) शक्ति का शक्ति । शक्ति ।  
 शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (श्री.) शक्ति का शक्ति । शक्ति ।  
 शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (पु.) शक्ति का शक्ति । शक्ति ।  
 शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।  
 गणेश, (वि.) शक्ति का शक्ति । शक्ति ।  
 शक्ति का शक्ति । शक्ति । शक्ति ।



गन्धमुखा, ( की. ) मधुर ।  
 गन्धमृग, ( पुं. ) कस्तूरी मृग ।  
 गन्धराज, ( न. ) शन्दन । शृंगुप । वृष  
 शिरो ।  
 गन्धर्ष, ( पुं. ) मूलभेद । घोषा । शर्ष के  
 शर्ष ।  
 गन्धर्वलोक, ( पुं. ) दुषलोक के ऊपर और  
 त्रिलोक के लोक के नीचे का लोक ।  
 गन्धर्ववेद, ( पुं. ) शायोद का उपवेद ।  
 शहीजीवा ।  
 गन्धर्वगी, ( स्त्री ) श्यातेज की माता ।  
 पुरिरी । वसु और वसु की नगरी ।  
 मरु ।  
 गन्धर्वकर्म, ( न. ) शरणीनी । गन्धर्व  
 शिष्य के शर्ष ।  
 गन्धर्वद, ( पुं. ) वसु । नामक ।  
 गन्धर्वदाह, ( पुं. ) दाह । नाशिका ।  
 गन्धर्वजा, ( स्त्री. ) गैरी का भाग ।  
 गन्धर्वजा, ( पुं. ) वातव शिरो की  
 शर्ष ।  
 गन्धर्वज, ( पुं. ) शन्दन का वृष ।  
 गन्धर्वमोक्ष, ( न. ) शृंगुप का वृष ।  
 गन्धर्व, ( स्त्री. ) शर्ष की शर्षी ।  
 गन्धर्वशिरः, ( पुं. ) शर्षी । गन्धर्व शर्षी  
 के वर का शर्षी का शर्ष ।  
 गन्धर्वशिरः, ( पुं. ) शन्दन वृष । गन्धर्व  
 वृष ।  
 गन्धर्वशिरः, ( पुं. ) शन्दन । शिष्य । शिष्य ।  
 गन्धर्वशिरः, ( स्त्री. ) शर्ष ।  
 गन्धर्वशिरः, ( स्त्री. ) शर्ष ।  
 गन्धर्वशिरः, ( पुं. ) शिष्य । शर्ष ।  
 गन्धर्वशिरः, ( पुं. ) शर्ष । शर्ष ।  
 गन्धर्वशिरः, ( पुं. ) शर्ष । शिष्य । शिष्य ।  
 गन्धर्वशिरः, ( पुं. ) शर्ष । शर्ष ।  
 गन्धर्वशिरः, ( पुं. ) शर्ष । शर्ष ।  
 गन्धर्वशिरः, ( पुं. ) शर्ष । शर्ष ।  
 गन्धर्वशिरः, ( पुं. ) शर्ष । शर्ष ।  
 गन्धर्वशिरः, ( पुं. ) शर्ष । शर्ष ।

गमक, ( रि. ) बोधक । समझीये  
 प्रमाण । ज्ञाने बाजा ।  
 गम्भीर, ( रि. ) नीचे का स्थान ।  
 गहरा । जम्भीर । कम्प । श्मे  
 मंत्रशिरः ।  
 गम्भीरवेदि, ( पुं. ) विरकाय से शि  
 शर्षी ।  
 गाय, ( पुं. ) एक देव का नाम । एक व  
 राना शिरो ।  
 गाय, ( स्त्री. ) तीर्थेश्वर जो मगध देश में  
 शर्ष, ( कि. ) शिवायना । शीतना । पुकार  
 बुलावा ( पुं. ) शिरो । शिरो । शीतना का  
 शर्ष, ( न. ) शिरो । शिरो का मूल ।  
 गतिमन्, ( पुं. ) गीता । शर्षी ।  
 गतिष्ठ, ( रि. ) बहुत बरा ।  
 गदह, ( पुं. ) शिवाय के शर्ष से उत्पन्न । शर्ष  
 पुत्र । शिष्य । शर्षी का शर्षी शिरो ।  
 गदहशर्ष, ( पुं. ) शिष्य ।  
 गदहशर्ष, ( न. ) शिवाय का शर्षी से  
 एक ।  
 गदह, ( पुं. ) शर्ष । शर्ष ।  
 गदहशर्ष, ( पुं. ) शर्ष । शर्ष । शर्ष  
 शर्षी ।  
 शर्षी, ( पुं. ) शर्ष का शर्ष । शिरो । शर्षी  
 शर्षी शर्षी के शर्षी शर्षी ।  
 शर्षी, ( स्त्री. ) शर्ष । शर्ष । शर्ष  
 शिरो । ( पुं. ) शर्ष । शर्ष । शर्षी ।  
 शर्षी, ( कि. ) शर्ष शर्ष का शर्ष शर्ष ।  
 शर्षी, ( न. ) शर्ष ।  
 शर्षी, ( न. ) शर्ष का शर्ष । शर्ष शर्ष ।  
 शर्षी, ( पुं. ) शर्ष । शर्षी का शर्ष शर्ष ।  
 शर्षी, ( रि. ) शर्ष शर्ष ।  
 शर्षी, ( पुं. ) शर्ष । शर्ष । शिरो । शर्षी ।  
 शर्षी, ( स्त्री. ) शर्षी ।  
 शर्षी, ( पुं. ) शर्ष । शर्ष । शर्षी ।

गर्द, ( कि. ) ताम्र करने की इच्छा करना ।  
 गर्द, ( पु. ) नदी काढ़ । अतिराय खुदा ।  
 हृद्यविशेष ।  
 गर्जन, ( वि. ) लोभी ।  
 गर्भ, ( कि. ) जाना । गर्भि ।  
 गर्भ, ( पुं. ) मांसरिपण । बुद्धि । बधा ।  
 मातृक में सन्धि का भेद । अणु । आग ।  
 उदर । महा आदि नदियों के पाल का  
 स्थान ।  
 गर्भक, ( पु. ) केशों के बीच की माला ।  
 गर्भगृह, ( न. ) पर के बीच का बौटा ।  
 गर्भाराय ।  
 गर्भेन्द्र, ( पु. ) हृद्यविशेष ।  
 गर्भेयती, ( स्त्री. ) गर्भ वाली स्त्री ।  
 गर्भेय्याय, ( पु. ) प्रयुक्तिबाल उपरिपण होने  
 के पक्ष ही किसी वारण से गर्भेय  
 बालक का बाहर गिरना ।  
 गर्भाधान, ( न. ) गर्भ का उद्घाटन । सोलह  
 सरकारों में से एक सरकारविशेष ।  
 गर्भाशय, ( न. ) गर्भ की थाली ।  
 गर्भिणी, ( स्त्री. ) गर्भवती स्त्री ।  
 गर्भ, ( कि. ) अभिमान करना ।  
 गर्भ, ( पु. ) सम्यक् । अभिमान । अहङ्कार ।  
 गर्घाट, ( पुं. ) श्रीकीदार । दरबान । दर-  
 वाण ।  
 गर्ह, ( कि. ) निन्दा करना ।  
 गर्ह, ( पु. ) निन्दा के बोध । शीघ्र ।  
 अरोध ।  
 गर्हावादिन्, ( पुं. ) निन्दा वाक्य बोधने  
 वाला ।  
 गह, ( कि. ) लाला ।  
 गह, ( पु. ) बट्ट (दण्ड) वाजा । बन्दी ।  
 पुना ।  
 गहजज्जल, ( पुं ) ली के लने के लिये  
 लकड़ा हुआ बकरा ।  
 गहगह, ( पुं. ) शिल्पविशेष ।  
 गहगह, ( पुं. ) गह

का शेर । कृष्यपथ की धरी, ७मी,  
 ८मी, ११मी, १२मी आदि दिन गहगह  
 करे जाते हैं । ऐसा दिवस निम्नमें अन्व-  
 यन आरम्भ हो किन्तु अगले दिन ही अन्व-  
 ध्याय हो जाय । अपने आप निर्माई  
 विपत्ति । गहगही की बटनी ।  
 गहगहननी, ( स्त्री. ) बकरी । जिनके गर्भ में  
 घन हों ।  
 गहगहनत, ( पुं. ) अर्धचन्द्र । गहगहना ।  
 गहगहिया ।  
 गहगित, ( वि. ) विपत्ति हुआ । पतिव्रत ।  
 गहगया, ( स्त्री. ) गलों का सन्दूर ।  
 गहग, ( पु. ) गाल । गण्ड । बपोख ।  
 गहगवा, ( पुं. ) पानपाण । शराब का  
 प्याला ।  
 गहगव, ( पु. ) शानविशेष ।  
 गहगल, ( पु. ) बनेला मैला ।  
 गहगाहर, ( पु. ) अगोला । गिरनी ।  
 गहगेष्ट, ( वि. ) शोकना । ईदना ।  
 गहगेष्टार, ( स्त्री. ) अन्वेषण । स्तन ।  
 गहग्य, ( पु. ) भी सम्भवी । दूध । दही ।  
 मक्खन । गोबर । गोदूध । दाल ।  
 गहग्युक्ति, ( स्त्री. ) कोरापुत्र । दो बेटे ।  
 जिस स्थान पर कोई मिठे ।  
 गह, ( कि. ) गादा रोना । अतिना के उद्वेग  
 करना ।  
 गहन, ( न. ) जल । गहर । दुःख ।  
 दुर्गम ।  
 गहगह, ( पुं. ) निडुङ्ग । टुप्पा । बर । टेल ।  
 पल्लव । अतिव स्थान ।  
 गह, ( कि. ) जन्मा । स्तुति करना ।  
 गहगह्य, ( पु. ) शीघ्र । गहगुण । शीघ्र ।  
 दण्ड ।  
 गहगह, ( पु. ) अतिराय । दण्ड । अन्व । शीघ्र ।  
 गहगह्य, ( न. ) शेरना । लक्ष्मी ।  
 गहगह, ( पु. ) अति बल ।  
 गहगह्य, ( पु. ) अति

गात्र, ( कि. ) शिथिल पचना । ढीला पचना ।  
 गात्र, ( न. ) देह । शरीर । हाथी के आगे की जहा ।  
 गाथा, ( स्त्री. ) प्राकृत । देसी भाषा में रचा हुआ श्लोक अथवा गीत ।  
 गाधू, ( कि. ) ठहरना । शुषना । पाने की इच्छा करना ।  
 गाध, ( पुं. ) स्थान । लिप्सा । छुड़ छुड़ गहरा ।  
 गाधि, ( पु. ) कन्नौज का चन्द्रवरी एक राणा । विश्वामित्र के पिता का नाम ।  
 गाधिज, ( पुं. ) विश्वामित्र ।  
 गांधेय, ( पु. ) विश्वामित्र ।  
 गान, ( न. ) गीत । ध्वनि । सुर ।  
 गान्दिनी, ( स्त्री. ) गङ्गा । वादववरा में अकर की जननी ।  
 गान्धर्व, ( पु. ) गन्धर्वसम्बन्धी ।—विवाह, विवाह जो वर कन्या की इच्छानुसार हुआ हो ।—वेद, सामवेद का एक उपवेद । सप्ततिसाक्ष ।  
 गान्धार, ( पु. ) रागविशेष । कन्धार देश में उत्पन्न । ( न. ) गन्धक ।  
 गान्धारराज, ( पुं. ) दुर्योधन का नाना सुनल, उसका पुत्र रावुनि, दुर्योधन का मामा ।  
 गान्धारी, ( स्त्री. ) दुर्योधन की माता । पुत्रराष्ट्र की स्त्री ।  
 गान्धिक, ( पुं. ) गन्धी । इत्र, तेल नेचने वाला ।  
 गायत्री, ( स्त्री. ) जो गाने हुए की बचावे । वेद का मन्त्रविशेष । छः वा आठ अक्षरों के पाद का छन्द ।  
 गायन, ( पि. ) गानोपभोवी । गान द्वारा पेट पाचने वाला ।  
 गारुड, ( न. ) गरुडमणि । विष्णु का मन्त्र । स्वयं ।  
 गारुडिक, ( पुं ) शिरोर ।

गारुडमन्त्र, ( न. ) त्रिमया देवता गरुड हो मरकतमणि ।  
 गार्हपत्य, ( पु. ) एक प्रकार के यज्ञ का धर्मि ।  
 गार्हस्थ्य, ( पु. ) गृहस्थों का अनुष्ठेय कर्म । गृहस्थों का धर्म ।  
 गालव, ( पु ) लोच का पेड़ । एक मुनि का नाम ।  
 गालि, ( पु. ) शाय । निन्दा । घुरा बचन ।  
 गाह, ( कि. ) विज्ञान । मली भौति देसना ।  
 गिर-रा, ( स्त्री. ) वाक्य । वचन । वाणी ।  
 गिरि, ( पु. ) पहाड़ । पर्वत । दमनामी गुसाई सन्यासियों में से एक की उपाधि । ( स्त्री. ) बालमूषिका ।  
 गिरिज, ( न. ) वादल । छोटा । शिलानीव । गौरी । पार्वती ।  
 गिरिदुर्ग, ( न. ) पहाड़ी गढ़ ।  
 गिरिभिद्, ( पु. ) इन्द्र ।  
 गिरिशि, ( पु. ) पर्वत पर सोने वाला । शिव ।  
 गिरिसुत, ( पु. ) पर्वत का पुत्र । मैनाक नामक पहाड़ । ( स्त्री. ) पार्वती ।  
 गिरीश, ( पु. ) महादेव । शिव ।  
 गिलित, ( पु. ) छाया हुआ ।  
 गीत, ( न. ) गाना ।  
 गीता, ( स्त्री. ) गुरु.धीर शिष्य की बलपना से उपदेश के रूप में दी हुई शिक्षा ।  
 गीति, ( स्त्री. ) गाना । आर्था छन्द विशेष ।  
 गीर्ण, ( स्त्री. ) छाना । स्तुति । बहार ।  
 गीर्ण, ( पु. ) वाणी ही जिसका शर है । देव ।  
 गीष्पति, ( पुं. ) वाणियों का स्वामी । देव-गुरु बृहस्पति ।  
 गु, ( कि. ) शब्द करना । मल का छोड़ना ।  
 गुग्गुल, ( पु. ) गन्धद्रव्य । यह धूनी देने के काम में लाया जाता है । लम्बे सुगन्धना ।

- शुद्ध, ( पुं. ) शुद्ध । रावण । बालम लक्ष्मियों का हार । सोर का पर । मोंतियों का हार ।
- शुद्ध, ( पुं. ) हाथ बृद्ध । शका प्रवेक पला शुद्ध जैसा होगा है ।
- शुद्धमूल, ( सं. ) शिवा । करणा । समनी । शानिदमनी । वेला । दास ।
- शुद्ध, ( कि. ) शानात करना । शत्रुता । शत्रुता ।
- शुद्ध, ( स्त्री. ) लनाविशेष । मारभेद । नगाहा । मंडी और भीमी शानात । कलाती । शी ।
- शुद्धी, ( स्त्री. ) शोधी । बडी । मूर्ति ।
- शुद्ध, ( कि. ) लवेटना ।
- शुद्ध, ( कि. ) लवेटना । तीव्रता । शीकता ।
- शुद्ध, ( पुं ) शील । शशी का कन्दा । शुद्ध ।
- शुद्धपद्म, ( सं. ) मंडी माल बाणा । दासजीनी ।
- शुद्धपद्म, ( पुं. ) मयूक । महुष्य ।
- शुद्धकोश, ( पुं. ) नींद को पश में करो बाळा । शिन । मर्दन ।
- शुद्धी, ( स्त्री. ) शिलोय । शुद्ध ।
- शुद्ध, ( पुं. ) शेषा । मय्या । पत्रव शिकने की रत्नी । शत्रु । दुहत्या । दूर्ता पात ।
- शुद्धक, ( पुं. ) वह शक्ति नितके शाय शुद्ध जाऊ है ।
- शुद्धवृद्धक, ( पुं. ) मस्तूल ।
- शुद्धित, ( य. ) शोधित । पुरित ।
- शुद्धित, ( पुं. ) मन्त्र ।
- शुद्धीभूतम्यद्भव, ( न. ) चलहार में बदा हुआ मध्यम काय ।
- शुद्धिक, ( पुं. ) शिमे हुए चारुल कादि ।
- शुद्ध, ( कि. ) शिलता ।
- शुद्ध, ( न. ) शुद्ध । मलमर ।
- शुद्धकील, ( पुं. ) शकानीर शेष ।
- शुद्ध, ( कि. ) शीकता । लवेटना ।
- शुद्ध, ( कि. ) निन्दा करना । बचाना । मबराना ।
- शुद्ध, ( य. ) शक्ति । शिवाया हुआ । वैश्य की संज्ञा ।
- शुद्धि, ( स्त्री. ) कितो राजा का जिन नगर । दूतों का नगर । तथा । पहरा । कर्दीशुद्ध । पृथिवी का मद्रा । मिला बालने का स्थान । पप ।
- शुद्ध, ( कि. ) मन्त्र । शीतना ।
- शुद्ध, ( पुं ) बाहु का मूषण । बाहु । जोरान । बादी ।
- शुद्धिफल, ( य. ) शुद्धा हुआ ।
- शुद्ध, ( कि. ) मानना । जाना । यत्न करना । कष्ट देना । हानि पहुँचाना ।
- शुद्ध, ( पुं. ) जो शत्रुता को दूर कर, धर्मोपदेश करता है । शिवा । वेद पशने वाणा शायार्थ । शाय पशने वाळा । सम्यदाय बलाने वाळा । बुद्धशक्ति । शुद्धशारा । दो माया । शीर्षरथ वाळा वर्ष । शिन्दु और शित्तर्षवाणा एकमात्र । शोषा शाय । बलशान् । भावी । पूजने योग्य । माननीय । पदा ।
- शुद्धतल्पग, ( पुं ) शुद्ध की शेष पर जाने वाळा । शीतनी मानाके पात जाने वाळा ।
- शुद्धजं, ( पुं. ) शुद्धराज देरा ।
- शुद्धिशी, ( स्त्री. ) मनेपनी स्त्री ।
- शुद्धी, ( स्त्री. ) मनेपनी । बडी स्त्री । चारर योग्य स्त्री ।
- शुद्धक, ( पुं. ) पावो की शीत । पहरा । शिद्धा ।
- शुद्धम, ( पुं. ) मथान पुरुषों से शुद्ध रूपों का दल नितमें ६ शर्पा, ६ रथ, २७ घोड़े, ४२ पैदल हो । शीतविशेष । भावी । निली का योग ।
- शुद्धमूल, ( न. ) चरकर ।
- शुद्धमवशी, ( स्त्री. ) शोमलता ।
- शुद्धक, ( पुं. ) शरीर । शरीरक ।
- शुद्ध, ( कि. ) शरय करना । शिवा ।
- शुद्ध, ( पुं. ) शक्तिरूप । शोका । शुद्धेश्वर के शिवादी का राजा और श्रीमत्पद श्री का शिवा । मद्रा । शिन्दु । शिद्धशुद्धी शेष ।
- शुद्धाशय, ( पुं. ) मजान । शिद्ध । इदय ।

शुद्ध, ( वि. ) पतयत् । परमात्मा । एकान्त ।  
मग । विह । ( न. ) रक्ष्य । विमाने के  
शोक ।

शुद्धक, ( उं. ) इय निमका विद्या हुआ हो ।  
देवनेमिस्तोत्र । कुवेर के धन को बचाने  
वाले ।

शु. ( कि. ) मल त्यागना ।

शुद्ध, ( वि. ) द्या । विद्या हुआ । इका हुआ ।  
मृत । एकान्त ।

शुद्धज, ( उं. ) विद्या कर देना हुआ । बारह  
प्रकार के पुत्रों में से एक ।

शुद्धाद्, ( उं. ) ली । ली ।

शुद्धानुकर, ( उं. ) मातृग । भेरिया ।

शुद्धानुकर, ( उं. ) काक ।

शुद्धाद्, ( उं. ) कर्णर । कवुषा ।

शुद्ध, ( उं. न. ) विद्या । मय ।

शुद्ध, ( कि. ) उद्योग करना । मायना । माया ।

शुद्ध, ( कि. ) ली । ली ।

शुद्ध, ( कि. ) मय । मय ।

शुद्ध, ( उं. ) काक । तीर्थे वसु का माय ।

शुद्ध ( वि. ) ली । ली । मायय विद्याना ।

शुद्ध ( उं. ) ली । ली ।

शुद्ध ( उं. ) ली । ली । ली ।

शुद्धाद्, ( उं. ) ली । ली । ली ।

शुद्ध ( कि. ) ली । ली । ली ।

शुद्ध ( कि. ) ली । ली । ली ।

शुद्ध ( कि. ) ली । ली । ली ।

शुद्ध ( कि. ) ली । ली । ली ।

शुद्ध ( कि. ) ली । ली । ली ।

शुद्ध ( कि. ) ली । ली । ली ।

शुद्ध ( कि. ) ली । ली । ली ।

शुद्ध ( कि. ) ली । ली । ली ।

शुद्ध ( कि. ) ली । ली । ली ।

शुद्ध ( कि. ) ली । ली । ली ।

शुद्ध ( कि. ) ली । ली । ली ।

शुद्ध ( कि. ) ली । ली । ली ।

शुद्धमयि, ( उं. ) प्रदीप । दीपक । दीप ।

शुद्धमृग, ( उं. ) कुत्ता ।

शुद्धमेधिन, ( उं. ) धरत्य ।

शुद्धमेधीय, ( उं. ) शुद्धियों के धर्म ।

शुद्धयात्रु, ( वि. ) लेने वाला ।

शुद्धस्थ, ( उं. ) पर में रहने वाला । शरी ।

शुद्धीय आश्रय वाला ।

शुद्धागत, ( उं. ) अग्निधि । आगम्युक्त ।

पाहुना ।

शुद्धायमहली, ( स्त्री. ) देहली । देही ।

देही । देहली ।

शुद्धिणी, ( स्त्री. ) पर वाली । पत्नी । पर-

सम्बन्धी कार्य में चतुरा स्त्री ।

शुद्धिन्, ( उं. ) धरत्य ।

शुद्धीत, ( वि. ) ली । ली । माय । माया हुआ ।

पकका गया ।

शुद्धनिर्दिन्, ( उं. ) पर में लीने करने वाला

और शुद्धि में पीठ दिलाने वाला ।

शोक । शोक ।

शुद्धा, ( उं. ) पर में किया हुआ । मयु । मयी ।

मयसा । देहिनिर्दिन् कर्मों के मयों

को बनाने वाला मयनिर्दिन् । मयनीत ।

मय का ।

शु. ( कि. ) मय । मय । मय ।

मय । मय । मय ।

शुद्धानुकर, ( उं. ) ली । ली ।

शुद्ध, ( वि. ) मय । मय । मय ।

शुद्ध, ( न. ) मय ।

शुद्ध, ( कि. ) मय ।

शुद्धिन्, ( न. ) मय । मय ।

शुद्ध, ( उं. ) मय । मय । मय । मय ।

मय । मय । मय । मय ।

मय । मय । मय । मय ।

मय । मय । मय । मय ।

मय । मय । मय । मय ।

मय । मय । मय । मय ।

मय । मय । मय । मय ।

शुद्धाद्, ( उं. ) ली । ली । ली ।

गोकील, (पुं.) मूल्य । इल ।  
 गोकुल, (नं.) वह स्थान जहाँ गीषों का  
 सङ्घटन हो । गोकुल । गीशाला । यमुना  
 के समीप मन्द गोप का निवासस्थान ।  
 गोम, (पुं.) बसाई । यतिविधि ।  
 गोमर, (पुं.) गीषों के बचने की शक्ति ।  
 बरगाह । इन्द्रियों के निषेध । जन्मसाक्षि  
 से उस उस स्थान में सुर्यादि ग्रहों  
 का जाना ।  
 गोमिहा, (स्त्री.) लज्जाविरोध ।  
 गोपी, (स्त्री.) पुराना पात्र । आवरण पात्र ।  
 एक प्रकार का भाग ।  
 गोतम, (पुं.) मन्त्र का पुत्र । धृतिविरोध ।  
 गोत्र, (पुं.) पृथिवी को बचाने वाला । पर्यंत ।  
 वन । क्षेत्र । घर । बंग । नाम । रास्ता ।  
 आना । मानिसमूह । मनुकविनशापिकृष्णादि  
 श्रीकौंस आदिपुरुष ।  
 गोमभिद्र, (पुं.) पहाड़ों को ढोने वाला ।  
 इन्द्र ।  
 गोमर, (स्त्री.) पहाड़ों वाली । धरती । धरा ।  
 गीषों का देश ।  
 गोमर, (नं.) इतिहास । गी के दौनों के  
 स्थान व्यवहृत वाला । गी का दौन ।  
 गोदाङ्गु, (नं.) लाहल । इल । बुदास ।  
 गोदावरी, (स्त्री.) दक्षिण भारत की एक  
 नदी जिसके तट पर बसे हुए धृन्व्य नगरों  
 में से एक मानिक है ।  
 गोधा, (स्त्री.) भुजा को बचाने के लिये  
 बमके का पत्रा जिसे धनुषधारी भुजा पर  
 बाँधते हैं ।  
 गोधूम, (पुं.) वनक । देह । एक प्रकार  
 का भाग ।  
 गोधूमि, (पुं.) लोहा धूमि से दीकों के  
 बाँधे को देना । दुर्योधन का हृदय ।  
 लोभ ।  
 गोमदीय, (पुं.) लोहर्षे ईत के लोह  
 उपर धुआ । लोहाधुआ लोहर्षे धुआ ।

गोमन्, (पुं.) जिसकी नामा गी के समान  
 है । एक प्रकार का रस ।  
 गोपति, (पुं.) गीषों का पति । देव ।  
 सायक । शिव । पृथिवीपति । श्रीकृष्ण ।  
 सूर्य । इन्द्र । श्वरम नाम भीषण ।  
 गोपद, (स्त्री.) श्यामा लता ।  
 गोपानसरी, (स्त्री.) लज्जा । परदा बचने  
 के लिये दीवार पर गयी हुई लकड़ी ।  
 गोपाल, (पुं.) गोप । बहीर । राजा । मन्द  
 राजा का पुत्र ।  
 गोपुट, (नं.) पुण्ड्र । शहर का द्वार ।  
 गोप्य, (पुं.) रक्षा के योग्य । कियाने योग्य ।  
 (पुं.) गोपीसमूह ।  
 गोमती, (स्त्री.) नदीविरोध । शेर का भ्रम  
 विशेष ।  
 गोमय, (पुं. नं.) गोबर । गी जैला ।  
 गोमामु, (पुं.) श्यामल । लोह । शिव ।  
 गन्धर्व ।  
 गोमिन्, (वि.) गीषों का स्वामी । लोह ।  
 गोमुत्त, (पुं.) यथविद्येय । मक । लोहका ।  
 शिखाधर । एक प्रकार का राजा । शिरम ।  
 जयमाला की गोपुली । टणी । लोह की ।  
 गोमूषिका, (स्त्री.) लज्जाविरोध । कांभ  
 की रचनाविरोध । शक्ति से अत्यन्त की  
 एक रीति ।  
 गोमिह, (पुं.) नदीविरोध । जनपद । लोह  
 भेद । टणु ।  
 गोमिध, (पुं.) यथविद्येय जिलमें पट्ट के  
 स्थान पर ही रहती जाती है ।  
 गोपीबन्ना, (स्त्री.) इन्द्र की री के राजक  
 हुई हो । गी के राजा के निषेध दके  
 लोहा का बन्धन ।  
 गोस, (पुं.) धरती को के लोह । लोहा का  
 देश । लोह के लोहे का लोह के लोहा  
 पुष्प । पुष्प । लोहा । लोहा । लोहा ।  
 एक लोहा का लोहा का लोहा लोहा ।  
 लोहा । लोहा का लोहा ।







घटिका, ( स्त्री. ) साठ पल का समय । घड़ी ।  
 नितम्ब । घृतक । पानी का छोटा बड़ा या  
 बोलची । एड़ी ।  
 घटी, ( स्त्री. ) एक छोटा बरतन । जलघड़ी ।  
 घटीयंत्र, ( न. ) रूप में से जल निकालने  
 का यंत्र । गिरी । उद्घाटन । खोलना ।  
 घट्ट, ( कि. ) हिलना ।  
 घट्ट, ( पुं. ) घाट । महत्त्व उगाहने का  
 स्थान ।  
 घट्टित, ( वि. ) निर्मित । बना हुआ । रंगा  
 गया । हिलाया गया । पोटा गया ।  
 घण, ( कि. ) दौंसि । चमकना ।  
 घण्ट, ( कि. ) बोलना । चमकना ।  
 घण्टा, ( स्त्री. ) घण्टी । घड़ियाल । घनि-  
 बला । नागबला ।  
 घण्टापथ, ( पुं. ) नगर का मुख्य मार्ग ।  
 घण्टिका, ( स्त्री. ) छोटी घण्टी । छोटी  
 घण्टी के आकार की होने के कारण तालु-  
 वर्तिनी जीम ।  
 घन, ( पुं. ) मेघ । बादल । मोघा । प्रवाह ।  
 दृढ़ । कठिन । फैलाव । शरीर । छोटे  
 का मुदगर । कक । अन्नक । समान  
 जाति के तीन अर्थों का आपस में गुणन ।  
 गादा । महा दुष्ठा । राजा । मध्यम नाव ।  
 सोहा ।  
 घनकफ, ( पु. ) छोटे ।  
 घननाभि, ( पुं. ) पुच्छ ।  
 घनपद्मी, ( स्त्री. ) आकारा अर्धार् बादलों  
 का पथ ।  
 घनरस, ( पु. ) बादलों का रस अर्धार् अन्न ।  
 दूर ।  
 घनघर्षी, ( स्त्री. ) विरली या बादलों की  
 देव ।  
 घनसाह, ( पु. ) दूर । पाग । जय । एक  
 प्रकार का दूध ।  
 घनागम, ( पुं. ) वर्षाऋतु ।  
 घनापन्न, ( पुं. ) दूध । बालक बादल । मग

हस्ती । एक दूसरे का परस्पर धकियाना ।  
 निरन्तर ।

घनात्यय, ( पुं. ) वह समय जब बादल धिप  
 जाँय अर्धार् शरत्काल ।  
 घनामय, ( पुं. ) खजूर का पेड़ ।  
 घनोपल, ( पु. ) धोला । बिल ।  
 घम्बू, ( कि. ) जाना । हिलना ।  
 घरट्ट, ( पुं. ) जौदा । चबी ।  
 घर्घर, ( पु. ) नद । झार । एक प्रकार का  
 स्वर ।  
 घर्घरिका, ( स्त्री. ) छोटी घण्टी । एक मात्रा ।  
 मुने हुए धान । एक नद ।  
 घर्षू, ( कि. ) जाना ।  
 घर्म, ( पु. ) पसीना । धूप । गरमी ।  
 घर्षणी, ( स्त्री. ) हल्दी ।  
 घस्, ( कि. ) खाना ।  
 घस्मर, ( वि. ) खाने वाला । खान ।  
 घस्त्र, ( पु. ) दिन । मारने वाला ।  
 घाण्टिक, ( पु. ) बरदा बनाने वाला ।  
 धुरा ।  
 घात, ( पु. ) प्रहार । थोटा मारना । गुणना ।  
 गुना करना । अन्न को पूर्ण करना ।  
 तीर ।  
 घातिन्, ( वि. ) मारने वाला । धातक ।  
 घातुक, ( वि. ) मार । मारने वाला । हिला  
 करने वाला ।  
 घाट, ( पुं. ) तेचन । हीबना । धिक्कना ।  
 घातिक, ( पु. ) पी का बना साधविशेष ।  
 घास, ( पुं. ) गी आदि के खाने योग्य  
 भाग ।  
 घु, ( कि. ) शब्द करना ।  
 घुट, ( कि. ) खोलना । पीछे हटना ।  
 घुट, ( पुं. ) परबन्धित । घुटना । एड़ी ।  
 घुग्गु, ( कि. ) घमना । खेना ।  
 घुण, ( पुं. ) डन । लकड़ी खाने वाला कीड़ा ।  
 घुर, ( वि. ) शब्द करना । बहा शब्द  
 करना । घुरीना ।

- पुपुंर, ( पुं. ) शब्द का शब्द ।  
 पुर, ( कि. ) प्रयोग करना । प्रकट करना ।  
 पुपुण, ( न. ) बेमर । पुष्टम ।  
 पूव, ( पुं. ) उत्तम । देवक ।  
 पूर, ( कि. ) मातृता । पुराना पकना ।  
 पूरं, ( कि. ) पूषता ।  
 पू, ( कि. ) भीषता ।  
 पूण, ( कि. ) चमकना ।  
 पूरा, ( श्री. ) काश्यप । दया । निष्ठा । पितृ ।  
 पूषि, ( पुं. ) तरङ्ग । लहर । किरन । पूर्व ।  
 पूत, ( न. ) चमक । पी । पानी ।  
 पूतकुमारी, ( श्री. ) श्रीकृष्णार । शिषीकन्द ।  
 भाषाविशेष ।  
 पूताधी, ( श्री. ) अन्तराविशेष । शब्द ।  
 पी वाली । चमकने वाली ।  
 पूर, ( कि. ) रणना ।  
 पूषि, ( पुं. ) बराह । सुपर ।  
 पूषक, ( पुं. ) भरव । घोषा ।  
 पूषकादि, ( पुं. ) भैला ।  
 पूषा, ( श्री. ) घोड़े के नशुने । नाक ।  
 पूषिन्, ( पुं. ) लम्बी नाक वाला । सुपर ।  
 पूष, ( पुं. ) शिष । अधिविशेष । शिष ।  
 सुपर । भवानक । दुर्गम ।  
 पूषदासन, ( पुं. ) भवानक शब्द वाला ।  
 शिषार । गीदक ।  
 पूषल, ( पुं. न. ) मछा । लम्बी ।  
 पूष, ( पुं. ) अशियों या गोरों का गोंब ।  
 बादलों की गर्जन । छात्राविशेष । व्याकरण  
 में साधनपत्र का एक भेद ।  
 पूषणा, ( श्री. ) बौद्ध । दिदंग ।  
 पू, ( कि. ) कथ लेना । सूचना ।  
 पूषणपण्य, ( पुं. ) सुगन्धि ।  
 पूषण्य, ( नि. ) सूषने योग्य ।

ॐ

क, इस अक्षर से आरम्भ होने वाला कोई शब्द नहीं है ।

क, ( पुं. ) विरवेष्वा । भोगविष्वा । शिष भी का नाम ।

क, ( कि. ) शब्द करना ।

ख

ख, ( अण. ) खौर । पादपूर्व । ( पुं. ) खज्जमा । शिष का नाम । कण्ठ्या । खौर । ( इ. ) शूरा । इष्ट ।

खक्, ( कि. ) चमकना । प्रथम होना । हृत्त होना ।

खकास्, ( कि. ) चमकना ।

खकित, ( न. ) मय । बर । बरा हुआ । रीतन हुआ । विरिमत । एक शब्द जिसके अनेक पाद में लोडह अक्षर होते हैं ।

खकोर, ( पुं. ) एक पत्नी ।

खक, ( कि. ) पीकित होना । कष्ट उठाना ।

खक, ( न. ) चकना पत्नी । पहिया । शैतिक । शन । एक प्रकार का पातयक । चाक । जिससे कुम्हार वातन बनाता है । एक प्रकार का अन्न । भैर । काम्यरचना विशेष । कोलू । सपुह । गोंब । पुरतक का भाग । नदी का शब्द ।

खकक, ( पुं. ) जिसकी पहिया घूबने जैसा शब्द निकलना हो । एक दोष । एक प्रकार का तर्क ।

खकभर, ( पुं. ) विपु । गर्व । शाना ।

खकधारा, ( श्री. ) पहिये का चमनाग ।

खकपाणि, ( पुं. ) विपु ।

खकपाद्, ( पुं. ) रथ । गापी ।

खकबन्धु, ( पुं. ) सुर्व ।

खकभेदिनी, ( श्री. ) रात्र ।

खकस्रम, ( इ. ) रीतने की बही ।

खकपतिन्, ( इ. ) महाशानाधिराज । राजाओं का अधीश्वर । आलस्यरात्र सूषण्य का शामी । सुभ्य ।

खकधाक, ( पुं. ) स्वनाम प्रसिद्ध पत्नी ।

खकबाह, ( पुं. ) लोकात्मक ।

चक्रवृत्ति, ( स्त्री. ) गूरा २१ गूरा । शक्ति का चक्र ।

चक्रव्यूह, ( पुं. ) वृद्धके में शत्रु से लड़ने के लिये विभिन्न दिशि से सेना तैयार करना ।

चक्रवा, ( स्त्री. ) नागपत्नी । काकशाभिनी ।

चक्रवाह, ( पुं. ) रथ । गाड़ी । इम ।

चक्रिन्, ( पुं. ) विष्णु । सति । चक्रवा । कुम्हार । पुष्पगर्भोर । सूचक । तेषी । चक्रवाती । चतुर्विंशति । चक्र वाचा ।

चक्रविष्णु, ( पुं. ) सदा पूजने वाला । गणा । राजा विशेष ।

चक्षु, ( कि. ) कड़ना । खींकना । विचारना ।

चक्षुण्, ( न. ) कड़ना । खोलना । भूल बहाने वाली एक प्रकार की चटनी ।

चक्षुस्, ( न. ) देतना । चोंच । प्रकाश ।

चक्षुःधवस्, ( पुं. ) ऐसा जीव जो चालों ही से छुनता हो अर्थात् सोंप ।

चक्षुष्य, ( पुं. ) सरमा । बानस ।

चक्षुःक्रमण, ( न. ) बहुत घूमना । बार बार घूमना ।

चक्षुरी, ( स्त्री. ) धोरी ।

चक्षुल, ( पुं. ) विषयी । वायु । अचल । धरिपर । कामुक ।

चक्ष्वा, ( स्त्री. ) चमई । चौकी । पास की छड़िया ।

चक्षु, ( पुं. ) पत्रियों की चोंच ।

चक्ष्, ( कि. ) मारना । तोड़ना । फोड़ना । टाकना ।

चक्षक, ( पुं. ) विद्धिया ।

चक्षकाशिरस्, ( पुं. ) पिप्पलीमूल । मद्य ।

चक्षु, ( पुं. ) शिष्यवचन । शक्तियों का एक शासन । उदर । पेट ।

चक्षुल, ( वि. ) अचल । कुत्ताला । विहली ।

चक्ष, ( कि. ) क्रोध करना ।

चक्षु, ( कि. ) नाग । चक्रवा । चक्रवाच । चक्रवा ।

चक्षु, ( पुं. ) चने । कुम्भेद । एक प्रकार का नाम जिसके चूरा में चक्रवा नाम दिया था ।

चक्षु, ( पुं. ) इमली का रस । यमरा । देविगिरि । तीक्ष्ण । नेत्र ।

चक्षुर्वाणु, ( पुं. ) धूप । दिनकर । प्रकाश ।

चक्षुर्वाणुक, ( पुं. न. ) कुर्ण । धोकोट ।

चक्षुर्वाणु, ( पुं. ) सूर्यवर्ण जिनका नाम माधव रित्त और शूरा नामा दान हो जातिगिरि ।

चक्षुर्वा, ( स्त्री. ) दुर्गा देवी । क्रोध वाली सगरानी में बरही देवी की कथा होने से उस पुष्पकवा नाम ही चक्षुर्वा पड़ गया है ।

चक्षु, ( कि. ) मींगना । जाना ।

चक्षु शाला, ( स्त्री. ) चौतरही । चार तरफ का मकान ।

चक्षु, ( वि. ) चार की गिनती । चार संख्यावाला ।

चक्षु, ( पुं. ) हाथीमाना । काम में कुशल । दक्ष । धौलें के सामने । चालाक ।

चक्षु, ( न. ) जिसके चार अङ्ग हों । हाथी, घोड़ा, गाड़ी, पैदल इन चार अङ्गों से सुसज्जित सेना ।

चक्षु, ( वि. ) चतुष्कोण । चौकोना । चार कोने वाला । व्योमिष में लम्ब से चौथा तथा आठवाँ स्थान ।

चक्षुरानन, ( पुं. ) चार सुस्त वाला । ब्रह्मा । चतुर्भुज ।

चक्षुर्थ, ( वि. ) चौथा ।

चक्षुर्धाश, चौथा भाग । चार भागों में से एक ।

चक्षुर्धी, ( स्त्री. ) चौथी विधि ।

चक्षुर्दन्त, ( पुं. ) चार दाँत वाला । इन्द्र का देवत नामक हाथी ।

चतुर्वेद्यान, ( गि. ) चौदह ।  
 चतुर्वर्षी, ( अन्व. ) चार प्रवार से ।  
 चतुर्वेद, ( न. ) धर्म, धर्म, काम, मोक्ष-चार  
 कल्याण ।  
 चतुर्भुज, ( पु. ) चार हाथ वाला । विष्णु ।  
 चतुर्भुजा, ( न ) लय, वेग, द्वार और  
 किरण चारो दुग ।  
 चतुर्वर्ग, ( पु. ) चार प्रवार का पुरुषार्थ  
 धर्म, धर्म, काम, मोक्ष ।  
 चतुर्विंशति, ( स्त्री. ) चौंसठ ।  
 चतुर्विध, ( पु. ) चारों वेदों का ज्ञानने  
 वाला ।  
 चतुर्विध शरीर, ( न. ) जरायुज, धरमज,  
 खेदज और उद्भिद-ये चार प्रवार के  
 शरीर है ।  
 चतुर्व्यूह, ( पु. ) उत्पत्ति आदि कार्य के  
 लिये चार विभाग वाला बर्षार्थ  
 कण्डेन, सङ्घर्ष, मद्यम और धनिवद  
 रूप विष्णु ।  
 चतुष्प, ( न. ) चार शर्मों वाला चर ।  
 चतुष्टय, ( वि. ) चार दिशों वाला ।  
 चतुष्पथ, ( पुं. ) चौदहा । चार सामनों  
 वाला ।  
 चतुष्पद, ( पुं. ) चौपाया । चार पैर वाला  
 एक कण्डे ।  
 चतुष्पदी, ( स्त्री. ) चार पाँव वाली । चार  
 धारों का श्लोक जिनमें ३२ अक्षर  
 होते हैं ।  
 चतुर्विंशत्य, ( वि. ) चौंसठ ।  
 चतुष्टय, ( न. ) एक के लिये शुद्ध पुर्विरी ।  
 भोगन । चार ।  
 चतुर्विंशत्य, ( स्त्री. ) चौंसठ ।  
 चतुर्वाल, ( पुं. ) शीघ्रगुण । द्रव ।  
 चतु, ( कि. ) मंगला । प्रसन्न होना । चतुर्धना ।  
 चतु, ( कि. ) मारना । शब्द करना ।  
 चतन, ( अन्व. ) चतुर्वर्ष । जो कुल भी ।  
 चतुष्, ( कि. ) चतुर्वर्ष ।

चन्दन, ( पु. न. ) चन्दन । एक मात्र ।  
 एक वृक्ष ।  
 चन्दनधेनु, ( स्त्री. ) चन्दन लगी नी । ऐसी गौ  
 उभे कर्त्ते हैं जो राधा और सन्तानवती  
 श्री द्वारा मृत्यु के ध्यानर स्वर्गप्रति  
 की वादना से दी जाती है ।  
 चन्द्र, ( पु. ) कूर । हाँग । पानी । छदर ।  
 काला रत्न । मोर का चोंद । बही इलायची ।  
 चन्द्रमा । मृगशिर नक्षत्र ।  
 चन्द्रक, ( पु. ) सकेद विर्ष । मत्तलीविशेष ।  
 चन्द्रकला, ( स्त्री. ) चन्द्र का सोटाहवाँ धरा ।  
 भीम देश का वायविशेष ।  
 चन्द्रकान्त, ( पु. ) मणिविशेष । कमल ।  
 चन्दन । रात । चोंदनी । चन्द्र की री ।  
 चन्द्रकान्ति, ( न. ) चोंदी । चन्द्रमा की  
 चमक ।  
 चन्द्रकिन्, ( पु ) मयूर । मोर ।  
 चन्द्रगुप्त, ( पुं. ) मगध देश का एक राजा  
 विशेष । विजयन ।  
 चन्द्रवाला, ( स्त्री. ) बही इलायची ।  
 चन्द्रनागा, ( स्त्री. ) कारभीर देश की एक  
 नदी का नाम ।  
 चन्द्रमण्डल, ( न. ) चोंद का गोल आकार ।  
 चन्द्रमरु, ( पु. ) चन्द्रमा । चोंद ।  
 चन्द्रमौलि, ( पुं. ) शिव । शङ्कर ।  
 चन्द्रयज्ञरी, ( स्त्री ) होमलगा ।  
 चन्द्रमत, ( न. ) चात्रायण नामक मत ।  
 चन्द्रशाला, ( स्त्री. ) प्रासादपरिषद छह ।  
 चन्द्रशेखर, ( पुं. ) शिव जी । पूर्व देश का  
 एक पर्वत ।  
 चन्द्रसम्पद, ( पुं. ) दुध । नन्देरा नदी । बही  
 इलायची ।  
 चन्द्रदास, ( पुं. ) लख । कृपा । ( स्त्री. )  
 दुर्घा । विशेष ।  
 चन्द्रा, ( स्त्री. ) एला । चन्द्रायन । चन्द्रोषा ।  
 चन्द्रापीड, ( पुं. ) शिव । शङ्करापीड राजा  
 का पुत्र ।









विद्याभार, (पुं.) बुद्धि पर धामा की पर-  
दाई । जं.ब ।  
चिन्ता, (स्त्री.) संस्कार को जागरूक करने  
वाली । देखते हुए बदर्ये का फिर स्मरण  
दिखाने वाली ।  
चिन्तामणि, (पुं.) विचारते ही अभिलषित  
वस्तु को प्रदान करने वाली मणि । ब्रह्मा ।  
बुद्धदेव ।  
चिन्मय, (पुं.) चैतन्यरूप ईश्वर । परब्रह्म ।  
चिपिट, (पुं.) भोजनविरोध । चपटी  
नाक वाला ।  
चिरम्, (अप्य.) दीर्घ । बहुत दिनों से ।  
चिरक्रिय, (त्रि.) दीर्घगुणी । दिग्बन्ध ।  
पालमी ।  
चिरजीविन्, (पुं.) दीर्घकाल तक जीने  
वाला । काक । सेंपल का वृक्ष ।  
मार्कण्डेय ऋषि । चरुचामा । बलि ।  
इन्द्रान् । व्यास । विभीषण । कृपाचार्ये ।  
पशुपति ।  
चिरण्टी, (स्त्री.) तिन.लय में बहुत दिनों  
तक रहने वाली पुत्री ।  
चिरञ्ज, (शु.) चिरन्तन । पुराता । पुरातन ।  
चिरन्तन, (शु.) पुराता । पुरातन ।  
चिरायुम्, (पुं.) नहीं उम्र वाला । देवता ।  
चिर्मंटी, (स्त्री.) बकरी । सीता । तर ।  
चिह्न, (कि.) टीका पचना ।  
चिह्न, (पुं.) चीज नामक पत्नी । पीकिन  
नेत्र वाला ।  
चिह्नम, (पुं.) चौर ।  
चिह्नक, (न.) ठोड़ी । सुषुम्न वृक्ष ।  
चिह्न, (न.) सम्बन्ध । लक्षण । अम्ता ।  
पताम ।  
चीन, (पुं.) देशविशेष । हिन्दुविशेष ।  
मंजान बयविशेष ।  
चीरकार, (पुं.) चीरना । विहाता ।  
चीर, (कि.) भ्रष्टाचार करना । बर्बाद करना ।  
चीर, (न.) वेगवहाक । कपड़े का टुकड़ा ।

चीर, (त्रि.) कुत । किया हुआ । एकत्र  
किया । सीता हुआ । काटा गया ।  
चीर, (कि.) सेना । टोकरा । चमकना ।  
चीर, (न.) कछनी जिसे कछीर पढ़नेते  
है । सन्धासिधियों की बीरीनादि बन्ध ।  
चुम्, (कि.) बस देना । उपवीकित करना ।  
चुद्, (कि.) कम होना ।  
चुद्, (कि.) धाटना ।  
चुत्, (कि.) बढ़ना । पूना । टपकना ।  
चुत्, (न.) गुमदेरा । मलमल ।  
चुद्, (कि.) प्रेरणा करना । प्रेरना ।  
केंचना ।  
चुम्, (कि.) धीरे धीरे चलना ।  
चुम्, (कि.) घूमना । घूमन करना ।  
चुम्बक, (पुं.) अघरघान्तमणि । धूर्त ।  
ठग । घूमने वाला ।  
चुम्, (कि.) पुराना ।  
चुम्, (स्त्री.) चोरी ।  
चुम्, (कि.) उठना । ऊँचा होना । बढ़ना ।  
इन्की पारना ।  
चुम्बक, (पुं.) निविह । पद्म । एक प्रकार का  
बर्तन । हाथी । इन्ने योग्य जल ।  
चुम्ब, (पुं.) सजल नयन वाला ।  
चुम्बि, (स्त्री.) पल्लवा ।  
चुम्बा, (स्त्री.) मोरशिखा ।  
चुम्बामणि, (पुं.) शिर की मणि ।  
चुम्बाल, (पुं.) बड़ीला । छोटीगाला । नागर-  
मोषा ।  
चुम्ब, (कि.) सफोबना । सङ्कीर्ण करना ।  
चुम्ब, (पुं.) गुमा हुआ । धाम । घर का भार ।  
चुम्बक । घुम् । मोनि ।  
चुम्ब, (कि.) पीसना ।  
चुम्ब, (पुं.) पूना । रिस्ती बड़ी बन्ध ।  
चुम्बक, (पुं.) पूना । मटविशेष । बन्धो-  
विशेष ।  
चुम्बकुन्तल, (पुं.) शिर के पीछे बड़े बाल ।  
सफेदार बाल ।

छोटिन्, ( पुं. ) महत्त्वा । धीमर ।  
छोलाग, ( पु. ) घना ।  
छुपु, ( कि. ) जाना ।

ज

ज, ( पु. ) समाप्त के अन्त में आता है और तब इसका अर्थ होता है—“ उससे या इससे अलग हुआ । ” जैसे “ पड़न ” । बना हुआ । सम्बन्धी । विनयी । पिता । जन्म । विष । कान्ति । विन्दु । शिष्य । मोग । गति । वेग । गण्य ।

जघ्, ( कि. ) खाना ।  
जगद्यजु, ( पु. ) सूर्य । भारद्वाज ।  
जगत्, ( पुं. ) लोका । वायु ।  
जगत्प्राण, ( पुं. ) वायु । पवन ।  
जगत्साक्षिन्, ( पु. ) सूर्य । चन्द्र । पृथिवी । वायु । पय ।

जगती, ( स्त्री. ) पार्वी । भुवन । जन । लोका । जम्बुद्वीप । एक मन्द जिनका बारह अक्षर आता पाद हो ।

जगदाधार, ( पु. ) वायु । जगत् का सहाय ।  
जगदात्री, ( स्त्री. ) जगत् की माँ । जगदम्बा । लक्ष्मी जी । दुर्गा ।

जगद्योनि, ( पुं. ) जगत् की उत्पत्ति करने वाला । हिरण्यगर्भ । कुम्भार । विष्णु । शिव । पृथिवी ।

जगन्नाथ, ( पु. ) जगत् के स्वामी । विष्णु । विष्णु का क्षेत्र । लक्ष्मणों के महापुराण विनया वीर का भोग्य । यथा —

“ तिनका बैसी यथ जगन्नाथम्भु भोग्यः ” ।

जग्घ, ( वि. ) लक्ष्य हुआ । मुक्त ।  
जगिष्य, ( स्त्री. ) पुरुष बैठ कर भोजन करना । भोजन । भोजन ।

जग्घद, ( व. ) खीन । बर ।  
जग्घ्य, ( वि. ) खाने । खीन । खाने निश्चय । छत्र । पूजा का मुद्राङ्क ।  
जग्घ्यज, ( पु. ) छत्र । खीन । खाने खीन ।

जङ्गम, ( वि. ) चलने की शक्ति वाला । विज्ञानितसम्प्रदायकेयुक्त जटन कहलाते हैं ।  
जङ्गल, ( न. ) वन । वेदङ्क । अनेका । ( पु. ) माल ।  
जङ्गा, ( स्त्री. ) जाह । शुद्ध और जल के बीच का देश ।

जङ्गाकरिक, ( वि. ) जाकिरा । घर । दूर । दौड़ने वाला ।

जङ्गाल, ( वि. ) बड़ी वेग वाली जहाजवाला । दौड़ना । कई एक पशु ।

जङ्ग, ( कि. ) लड़ना ।  
जङ्, ( कि. ) लड़ना । एकत्र होना ।

जटा, ( स्त्री. ) जटा । शेर के अयाज । वृद्धि की जड़ । जटामाती । वेद का पाठविशेष । लता । शतपथी ।

जटाजूट, ( पुं. ) जटाओं का समुदाय ।  
जटामांस्ती, ( स्त्री. ) सुगन्धिसम्प्रविशेष ।

जटायु, ( पुं. ) बड़ी आयु वाला । पक्षी-विशेष । दूगण । जटोर ।

जटाल, ( पु. ) बट । दूगण । कूर । ( स्त्री ) जटामाती । जटापात्रा ( वि. ) ।

जटिन्, ( पु. ) पात्रर का वृद्ध । जटा वाला ।  
जटिल, ( पुं. ) जटा वाला । निह । कर्मचारी ।

जटामाती । पितामी । बध । दमन वृद्ध ( पु. ) उग्रभक्त मानने वाला ।

जटर, ( न ) वेद । कुश्चि । बड़ा हुआ लता कठिन ।

जह, ( वि. ) धरणा वृत्त न जानने वाला । मूक । बुद्धिहीन । मूर्ख । गण और हीना ।

जहु, ( न. ) क्षान्त ।  
जहु, ( न. ) क्लृप्त । बधन । गने के नीचे की हो इष्टियाँ ।

जहु, ( कि. ) उग्रता होना ।  
जह, ( पुं. ) भोग । मरी लक्षणय भोग । नीच खेला । खीन । महाभोग में उपर का लोका ।

जहक, ( पुं. ) गिरा । बग । विविधत्ववर्गी का एक लक्षण । बगण । हेतु । लक्षण के गिरा ।

जनकामुता, ( स्त्री. ) शीघ्र । भीरुपद्म  
की धर्मपत्नी ।

जनता, ( स्त्री. ) भीष्म । बहुत जन ।

जननि, ( स्त्री. ) माता । माँ । धर्मपथ । हाथ  
का रख । मर्मोष्ठ । अग्रमांसी ।

जमपद्, ( पुं. ) देरा । नगर ।

जनमेजय, ( पुं. ) राजा परीक्षित के पुत्र । यज्ञ  
का रथ ।

जनयितृ, ( पुं. ) उत्पादक । पिता । माता ।

जनस्तोक, ( पुं. ) जगत्प्रियेण । यह लोक  
को महालोक के ऊपर है ।

जनधृति, ( स्त्री. ) लोकन्याय । किं-  
दन्ती । अकृपाह ।

जनस्थान, ( न. ) दण्डकान्त के समान एक  
स्थान । जहाँ एक वृष्य की सीरी थी ।  
सोनों के रहने का स्थान ।

जनार्दन, ( पुं. ) शिशु । नारायण ।

जनाध्यय, ( पुं. ) मन्थन । पर। कुटी । भ्रंशरी ।

जनिनी, ( स्त्री. ) उत्पत्ति । माता । माँ ।  
रज्जु । बहू । आधा । धर्मपथविशेष । अनुका ।

जनुम्, ( न. ) उत्पत्ति ।

जनु-म्, ( स्त्री. ) उत्पत्ति ।

जन्तु, ( पुं. ) माघ बाजा । घोषा के कारण  
शरीर में धामप्रतिमान करने वाला जीव ।

जन्तुम, ( पुं. ) बाघविक्रम । हाथ । जीतों को  
मारने वाला ।

जन्तुफल, ( स. ) उदुम्बर । दूत ।

जन्तुला, ( स्त्री. ) झड़ी । बहुत बीजा वाली ।

जन्मन्, ( न. ) उत्पत्ति । अपूर्व शरीरवादि का  
सम्बन्ध । जन्मलभ । जन्मनयन ।

जन्मान्तर, ( न. ) दूसरा जन्म । देहान्तर ।

जन्माष्टमी, ( स्त्री. ) श्रीकृष्ण के जन्म की  
दिधि । भादों मास की कृष्णाष्टमी ।

जन्मी, ( पुं. ) माघपाती । जीव ।

जन्म्य, ( वि. ) उत्पन्न हुए । उत्पन्न होने योग्य ।  
पिता । अघाती । बदनामी । प्रीति । पुत्र ।

शरीर । नयी विराहिता स्त्री के जाति भाई ।  
माँ की छोटी ली ।

जप्, ( कि. ) मन ही मन उच्चारण करना ।

जप, ( पुं. ) वेद के मन्त्रों को बार बार उच्चारण  
करना ।

जपा, ( स्त्री. ) वृषभिशेख के पुत्र ।

जभ, ( कि. ) मंथन करना । जम्झार लेना ।

जम्, ( कि. ) मध्य करना । खाना ।

जमदग्नि, ( पुं. ) परशुराम का पिता । मनि-  
विशेष ।

जम्पती, ( पुं. ) श्री धीर वृषभ का मोक्ष ।  
दम्पती ।

जम्बाल, ( पुं. ) बंधक । सितार । केरमी ।  
केरवा ।

जम्बालिनी, ( स्त्री. ) नदी जिसमें  
जम्बाल ही ।

जम्बु-म्बु, ( स्त्री. ) जामुन का फल ।

जम्बुक, ( पुं. ) जामुन का पेड़ । गीदक ।  
श्याल ।

जम्बुद्वीप, ( पुं. ) समुद्रों में से एक ।

जम्बुक, ( पुं. ) श्याल । नीच । बन्ध ।  
जामुन । दात ।

जम्भ, ( पुं. ) एक दीप । दंत । घन । छोटी ।  
तर्कस । ( कि. ) खाना । जम्झार लेना ।

जम्भमेदिनू, ( पुं. ) इन्द्र ।

जम्भला, ( स्त्री. ) एक राक्षसी । बहने हैं,  
एक नाम लेने से मर और मर के पूर्व  
जम्झारै का खाना गंध हो जाता है ।

“समुद्ररथोत्तरे तीरे जम्भला नाम राक्षसी”

जय, ( पुं. ) जीत । नारायण का आराधक ।  
पुष्पिष्ठर का कल्पित नाम जो उन्होंने  
ब्रह्मा वास के समय रखा था । देवी ( स्त्री. )

जयद्वारा, ( स्त्री. ) विजयवाद्य । विजय-  
गृह्य वादना ।

जयद्रथ, ( पुं. ) विशुदेस का राजा । दुर्वा-  
धन का बहूनी । अभिमन्यु का मारने  
वाला । यह बहूनी द्वारा मार गया था ।

जयन्त, ( पुं. ) इन्द्र के पुत्र का नाम जिसने काक बनें कर सीता जी के चोंच से पात्र किया था । चन्द्रमा । शिप । अज्ञात वास्त में भीम का नाम ।

जयन्ती, ( स्त्री. ) दुर्गा । ऋषडा । इन्द्र की कन्या का नाम । बुदाया । वृश्चिरोप । भगवान् श्रीरामचन्द्र श्रीहृद्द आदि के जन्मोत्सव का दिन ।

जयपत्र, ( न. ) विनययुक्त पत्र । धरमपत्र के घोड़े के माथे पर जो पत्र बाँधा जाता था उसे जयपत्र कहते थे ।

जयपाल, ( पुं ) वृश्चिरोप । ब्रह्मा । विष्णु । रामा । जमालगोटे का पेड़ ।

जया, ( स्त्री. ) हृद्द । जयन्ती । दुर्गा । मोंग । ऋषडी । नील दुर्गा । शान्ता वृश्च । ज्योतिष में त्रयोदशी, षष्टमी और तृतीया जया तिथि कही जाती हैं ।

जय्य, ( वि. ) जीतने योग्य । जो जीता जा सके ।

जरट, ( वि. ) कटोर । कषा । कर्करा ।

जरत्, ( वि. ) वृद्ध । वृद्ध । पुराना ।

जरत्काट, ( पुं. ) मनगादेरी का पत्ति । एक मुनिविशेष । मनगादेरी ( स्त्री. ) ।

जरद्वय, ( पुं ) वृद्ध वैन । पञ्चमन का एक शीघ ।

जरन्त, ( पुं. ) मेला । वृद्ध । पुराना । दीला ।

जरा, ( स्त्री. ) वृद्धा ।

जरायुज, ( वि. ) वे शरीर जो मास से पुत्र उत्पन्न हैं । वर-ययुज, मृग, अदि ।

जरामन्त्र, ( पुं. ) मन्त्र देव का प्रसिद्ध वज्रवात् तथा कहा जाता है जब वह उत्पन्न हुआ था, तब इसके शरीर के दो भाग हुए वृश्चिरोप के । विष्णु जय नाम की शक्ति ने उन दोनों को एक कर दिया, तबसे इन्द्रा तब जरायु । वर ।

जर्वे-हं, ( वि. ) वृद्ध । वृद्ध । वृद्ध । वृद्ध ।

जर्जर, ( पुं. ) वृद्ध । अतिशय वृद्ध । बहुत से पुराना । इन्द्र का ऋषडा । शकपना ।

जर्भू, ( कि. ) निन्दा करना ।

जल, ( कि. ) झोंकना । तेज होना ।

जल, ( वि. ) जड़ । मूर्त । पेट । ऋषडा । गन्धद्रव्य । लम्न से चौथा घर । पूर्वार्ध नद्यत्र । पाँच तत्त्वों में से एक तत्व जल भी है ।

जलाकण्टक, ( पुं. ) सिंहाहा । गरु । सत्तार ।

जलकपि, ( पुं. ) पक्षियाल । शिशुमार ।

जलकरङ्क, ( पुं. ) नारियल । बादल । कमल का फूल । राक्ष । लहर ।

जलकाक, ( पुं. ) पानी का शीघा । पान-कीर्ती ।

जलकुन्तल, ( पुं. ) सिंहाहा । पात । शीघाल ।

जलचर, ( पुं. ) जल में रहने वाले जीवजन्तु ।

जलज, ( पुं. ) निवार । पक्षपी । कमल । राक्ष । या पानी में उत्पन्न हुई कोई भी वस्तु ।

जलद, ( पुं. ) बादल । कूर । जल देने वाला ।

जगदागम, ( पुं ) तर्क । वस्तु ।

जलधर, ( पुं ) बादल । कूर । सपुर । पानी रखने वाला ।

जलधि, ( पुं. ) समुद्र । पार । संस्था विशेष ।

जलधिमा, ( स्त्री. ) पक्षपी ।

जलनिधि, ( पुं. ) समुद्र । पार ।

जलदुन्दुद, ( न. ) बुधवृद्धा ।

जलमाने, ( पुं. ) योगी । शानी ।

जलमुष्, ( पुं. ) पेट । ऋषडा ।

जलयंत्र, ( न ) बुधवृद्धा । शानी की वस्तु ।

जलयन्त्र, ( पुं. ) पानी में उत्पन्न हुए वस्तु ।

जलयन्त्र, ( पुं. ) शीघ । ऋषडा । वस्तु ।

जलशायिन्, (पुं.) निष्पु । नारायण ।  
जलशुक्ति, (स्त्री.) जलनेत्र । घोषा ।  
शौर ।

जलदस्तिन्, (पुं.) मगर । मरु ।  
जलदास, (पुं.) केन । भाग । सगुनकेन ।  
जलाधार, (पुं.) तापान । सपुन । सिधासा ।  
उशीर । चन्दन ।

जलापर्ष, (पुं.) धैर ।  
जलान, (स्त्री.) जोक ।  
जेष्य, (पुं.) इम । वनक आदि जल में  
विचरने वाले जीव ।

जलेन्धन, (पुं.) सपुत्री आग । पाहसानल ।  
जलेह्यट, (पुं.) वरप । सपुव ।  
जलोच्छ्वास, (पुं.) बहुत पानी का चारों  
धोर बहना ।

जलोद्द, (पुं.) उदरामय रोग । बहु बँपारी  
भित्ते कारण पैट में पानी भर जाया  
और पैट बड़ जाया है ।

जलोत्कार, (स्त्री.) जोक ।  
जलोत्का, (स्त्री.) जोक ।  
जलर, (स्त्री.) कोलना । बहना । बचना ।  
जलर, (पुं.) दूधरे की बाग का बाग बर,  
बपनी बाग बनने वाला बचन । बाग ।  
रुप ।

जलोपाक, (स्त्री.) बड़े बड़े बचन कहने  
वाला । बकपारी । बनी । बाकात । बहुत  
कोनने वाला ।

जलय, (पुं.) वेग । हैम ।  
जलय, (पुं.) वेगवाप रोग । रोगविरोध ।  
जलविरोध ।

जलविवा, (स्त्री.) बाल । कल्प ।  
जलय, (स्त्री.) बर । " जल " वः  
" दपगु " से होय है ।

जल, (पुं.) बर । केंद्र ।  
जल, (स्त्री.) बपना । पुनरुप ।  
जलपारी, (स्त्री.) लक्ष्मी । विने  
बपना करी केंद्र है ।

जहु, (पुं.) चन्द्रवशीय एक राजा । जे  
की पी गया था ।

जद्मनमया, (स्त्री.) ग्ना ।  
जागर, (पुं.) जिगजुमव । कीद का  
धाना । जागना । बरप ।

जागरिण, (स्त्री.) जागा हुआ ।  
जागरक, (स्त्री.) जागना । जग हुआ ।  
जागर्य, (स्त्री.) जागना ।  
जाग्य, (स्त्री.) जागना ।

जाग्रत, (स्त्री.) जागा हुआ ।  
जाहल, (पुं.) बरिष्ठतरी । निर्दिष्ट देश ।  
शिवन आदि ५पुः कुम्भेग वा रोगवली  
देश, या उग देश के होने वाले ।

जाह्रिक, (स्त्री.) पारक । इलकया । उट ।  
पाहा ।

जात, (स्त्री.) सपुः । ५५४ । सपुट । जय ।  
बन्धा । प्रारण ।

जातक, (स्त्री.) उपम करी का टुकड़ा  
आप बनाने का । सपुः का एक  
भाग । एक भाग का सपुः ।

जातकप, (स्त्री.) एका । एकाका । एकाई ।  
जातवेद, (पुं.) बरिष्ठ । जय । विप ।  
विपक हुआ ।

जाति, (स्त्री.) जय । बरु । केंद्र ।  
रोग । सपुः । सपुः । सपुः ।  
सपुः । सपुः । सपुः ।

जातिमाहल, (पुं.) वेदक का जे केंद्र  
निष्पु बरिष्ठतरी । सपुः । सपुः ।  
सपुः । सपुः । सपुः ।

जातिवमर, (स्त्री.) पारि । सपुः । सपुः ।  
सपुः । सपुः । सपुः ।

जातिवम, (स्त्री.) सपुः ।  
जातिव, (स्त्री.) सपुः ।  
जातु, (स्त्री.) सपुः ।

जातुपक, (पुं.) सपुः । सपुः ।  
सपुः । सपुः । सपुः ।

जातुप, ( नि. ) लाल का पदार्थ ।  
 जातूकर्ण, ( पु. ) शिवा । मुनिविराज ।  
 जातेधि, ( मी. ) उत्तम दुष्ट के सरकारार्थ  
 किया गया एक यज्ञ । सरकारभेद ।  
 जातोक्ष, ( पु. ) युवा । सौंड़ ।  
 जात्य, ( नि. ) कुलीन । श्रेष्ठ । सुन्दर ।  
 जात्यन्ध, ( नि. ) प्रसाचक्ष । जन्म का  
 अन्धा ।  
 जात्युत्तर, ( न. ) झूठा जवान । असत्  
 उत्तर ।  
 जानकी, ( स्त्री. ) जनक की कन्या । सीता ।  
 जानपद, ( वि. ) देश का । देश से आया हुआ ।  
 जानु, ( पु. न. ) घुटना ।  
 जामदग्न्य, ( पु. ) जमदग्नि का पुत्र ।  
 परशुराम ।  
 जामातृ, ( पु. ) जमाई । स्वामी । त्रिय ।  
 लड़की का पति ।  
 जामि, ( स्त्री. ) भगिनी । बहिन । नहू ।  
 कुलक्षी ।  
 जाम्बवत, ( पु. ) जाम्बवान् । शीशु के राजा ।  
 जाम्बवती, ( स्त्री. ) श्रीकृष्ण की भार्या ।  
 जाम्बवान् की कन्या । सपौ को बरा में  
 करने वाली ।  
 जाम्बूनद, ( न. ) सोना । धतूरा । जम्बूनद  
 में उत्पन्न ।  
 जाया, ( स्त्री. ) स्त्री । बीरन । सभा से  
 साजसों पर ।  
 जायु, ( पु. ) दगा । शीघ्र । मूठी ।  
 जार, ( पु. ) उपपत्ति । नार । यार ।  
 जारज, ( नि. ) उपपत्ति से उत्पन्न सन्तान ।  
 वृषभ । मोक्षक ।  
 जाल, ( पु. ) मत्सी पकड़ने का जाल ।  
 कदम का पैर । भरीसा । निद्र । करेव ।  
 टगरी । धूर्तता । दम्भ । एतुह । मोक्षकण्ड ।  
 नवीन कल्पियों का सपूह ।  
 जालिक, ( पु. ) कदा ईशाने वाला ।  
 धन । मज्ज । मङ्गी । मङ्गक ।

जालम, ( नि. ) पामर । नीच । मूर्ख । क्रूर ।  
 बेगम । आवला ।  
 जावाल, ( पु. ) जवाल श्रृषि की सन्तान ।  
 जाह्वयी, ( स्त्री. ) गद्दा । भार्गवयी ।  
 जि, ( कि. ) जीतना ।  
 जिगीषा, ( स्त्री. ) जय करने की इच्छा ।  
 प्रवर्ण । उत्तम ।  
 जिज्ञासु, ( पु. ) ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा  
 करने वाला । सुवृद्ध ।  
 जित, ( न. ) जय । जीत । पराजित ।  
 बरीष्ठन ।  
 जितकाशिन, ( वि. ) जयी । विजयी ।  
 जीतने वाला ।  
 जितात्मन्, ( वि. ) जिसने मन अपना  
 इन्द्रियों को अपने बरा में कर लिया है ।  
 चित्तन्द्रिय ।  
 जितेन्द्रिय, ( नि. ) देहो मितात्मन् ।  
 जिन्वर, ( वि. ) जयशील । जीतने वाला ।  
 जिन, ( पु. ) सत्कार को जीतने वाला । बुद्ध ।  
 विष्णु । जैनियों के पूज्यविशेष ।  
 जिप्, ( कि. ) सींचना ।  
 जिप्पु, ( पु. ) अर्धेन । इन्द्र । विष्णु । सूर्य ।  
 सष्टवह । जीतने वाला ।  
 जिह्वा, ( नि. ) कुटिल । तिरछा । मन्द ।  
 मूर्ख । तगर का वृष ।  
 जिह्वाग, ( पु. ) जो देवा ही कर चलना है ।  
 सपं । सौंप । मदन का वृष । कुटिल ।  
 जिह्वा, ( स्त्री. ) रसना । जीम ।  
 जिह्वामूलीय, ( पु. ) अथर, जो जिह्वा की  
 जड़ से उधारित किये जाने है ।  
 जिह्वारद, ( पु. ) दन्तहीन । जीव ही से  
 चानने वाला पशु ।  
 जीन, ( नि. ) हृद । पूजा ।  
 जीमूत, ( पुं. ) देव । मोषा । पर्वत । देव-  
 ताड वृष । इन्द्र ।  
 जीर, ( पु. ) जीरा । सड़ । शोषा ।  
 जीर्णोत्तर, ( पु. ) सत्कार । माम्भन ।

जाय, ( कि. ) प्रायः प्राप्त करना । जीव ।  
 जाय, ( पुं. ) प्राची । जीवन का उपाय ।  
 जयविरोध ।  
 जायघन, ( पुं. ) हिरण्यगर्भ ।  
 जायजीय, ( पुं. ) जीवों को शिकाने वाला ।  
 बकोर विदिया ।  
 जायन, ( म. ) बुद्धि । जीविका । जल । रक्षा ।  
 मताना ।  
 जायन्ती, ( स्त्री. ) हर्ष । दुःख । जीवात्मक ।  
 शाक ।  
 जायन्मुक्त, ( वि. ) जीवों को सत्ता को  
 छोड़ने वाला । आत्मा का हाथों से करने  
 वाला ।  
 जायस्थान, ( न. ) जीव का स्थान । मर्म-  
 स्थान ।  
 जाया, ( स्त्री. ) रीति । पूजिनी । बधा ।  
 जल ।  
 जायातु, ( पुं. ) धन । जीवन । सुदों को  
 जीवित करने वाली जीविका ।  
 जायान्मन्, ( पुं. ) देहात्मिक जीव ।  
 जायिका, ( स्त्री. ) जीवन का उपाय । बुद्धि ।  
 शोधी । आजीविका ।  
 जायितेश, ( पुं. ) धन । चन्द्रमा । सुद ।  
 रिय । स्थायी ।  
 जायिवाधि, ( पुं. ) जीव की उपाधि । रक्षण,  
 आत्म, प्रगुति अवरण ।  
 ज्ञ, ( कि. ) ज्ञान से विज्ञान ।  
 ज्ञ, ( कि. ) त्यागना । सोचना ।  
 ज्ञानुत्सा, ( स्त्री. ) निन्दा करना ।  
 ज्ञानिका, ( स्त्री. ) शिक्षा । ज्ञेय हुए ज्ञान ।  
 ज्ञान, ( कि. ) बोधना । ज्ञान ।  
 ज्ञान, ( कि. ) समझना ।  
 ज्ञान, ( कि. ) गति । ज्ञान ।  
 ज्ञान, ( कि. ) प्रसन्न होना ।  
 ज्ञान, ( न. ) अज्ञा । लेखन ।  
 ज्ञान ( स्त्री. ) ज्ञान का मार्गदर्शन ।

जाति, ( स्त्री. ) वेग । वेधी से चलना ।  
 ज्ञान, ( कि. ) ज्ञान होना ।  
 ज्ञानि, ( स्त्री. ) स्वर । तप । सुराज ।  
 ज्ञान, ( कि. ) मारना ।  
 ज्ञान, ( कि. ) मूर्ख होना । जगुर्हारी होना ।  
 ज्ञान, ( पुं. ) जगुर्हारी ।  
 ज्ञानकारण, ( न. ) जगुर्दल में छुटती केशाने  
 वाला धन ।  
 ज्ञ, ( कि. ) बुद्ध होना ।  
 ज्ञान, ( न. ) भोजन । खाना ।  
 ज्ञान, ( वि. ) जीवने योग्य ।  
 ज्ञ, ( कि. ) धन होना । नारा होना ।  
 ज्ञान, ( वि. ) विजयी । जीवने वाला । पाता ।  
 जीवण । द्वार ।  
 ज्ञान, ( पुं. ) धर्म का उपायक । जेनी ।  
 ज्ञानिनि, ( पुं. ) आत्मशिक्षण एक युनि  
 विशेष, जितने वेद पर मीमांसा के रूप  
 में हैं ।  
 ज्ञानात्मक, ( पुं. ) चन्द्रमा । जीवण । कर ।  
 बरी उद्यम वाला ।  
 ज्ञानम्, ( चन्द्र. ) सुख । प्रसन्न । नरार ।  
 ज्ञानात् । जीवना ।  
 ज्ञाना, ( स्त्री. ) नारी । स्त्री । चन्द्रमा ।  
 ज्ञानित्, ( स्त्री. ) नारी । स्त्री ।  
 ज्ञानिका, ( स्त्री. ) कालियों का दुःख ।  
 स्त्री ।  
 ज्ञान, ( कि. ) प्रसन्न करना ।  
 ज्ञानित, ( वि. ) ज्ञानादा गया । मारा गया ।  
 ज्ञानि, ( स्त्री. ) बुद्धि । ज्ञानना । सूचना ।  
 ज्ञान, ( कि. ) बोध होना । ज्ञानना ।  
 ज्ञानि, ( पुं. ) विद्या के बरा में ज्ञान ।  
 ज्ञानि । विराट् ।  
 ज्ञान, ( न. ) ज्ञानवादी । बोध ।  
 ज्ञानयोग, ( पुं. ) विद्याविरोध  
 प्रथि का उपाय ।  
 ज्ञानवापी, ( स्त्री. )



ज्ञानापोह, (पु.) विस्मरण । भूतना ।  
 ज्ञान का जात्रा रहना ।  
 ज्ञानाम्यास, (पुं.) ज्ञान का अभ्यास ।  
 ज्ञानिन्, (त्रि.) तत्त्वज्ञानी । जानने वाला ।  
 यथार्थ वाद को जानने वाला ।  
 ज्ञानेन्द्रिय, (न.) ज्ञान की इन्द्रिय ।  
 यथा-ज्ञान, यौत, नाक, जीभ, धन्तः-  
 करण, मन ।  
 ज्या, (कि.) बूढ़ा होना ।  
 ज्या, (स्त्री.) रीड़ा । धनुष बजाने की झोरी ।  
 ज्यानि, (स्त्री.) भीषण । बुझापा । पुरा-  
 तनत । हानि । नदी ।  
 ज्यापर, (त्रि.) बहुत बुद्धि ।  
 ज्यात्, (कि.) बमकना ।  
 ज्येष्ठ, (त्रि.) बड़ा । सब की अपेक्षा बड़ा ।  
 अमन । बहुत अपेक्षा । (स्त्री.) गह्रा ।  
 अज्यपती । अज्ञानवादी मध्यम ।  
 ज्येष्ठतात, (पु.) जिसे ते बड़ा काका या चाचा ।  
 ज्येष्ठाधम, (पु.) गृहस्थाधम ।  
 ज्येष्ठी, (पुं.) जेठ मान । ज्येष्ठा नामक  
 चन्द्रमास ।  
 ज्येष्ठ्य, (न.) ज्येष्ठ्य । बहुरूप ।  
 ज्योत्, (अन.) अह । शीत । धरत ।  
 ज्योतिर्विद्व, (पु.) प्रकाश की ज्योति बमकने  
 वाला । लोचन ।  
 ज्योतिर्विद्व, (पु.) ज्योति विद्या जानने  
 वाला । बहुरूप ।  
 ज्योतिर्विद्व, (न.) ज्योतिर्विद्व ज्योति-  
 बहुरूप । ज्योतिर्विद्व बहुरूप का ज्योतिर्विद्व ।  
 ज्योतिर्विद्व, (न.) अह की ज्योति बहुरूप  
 का ज्योतिर्विद्व का ज्योतिर्विद्व का ज्योतिर्विद्व  
 करने वाला ज्योतिर्विद्व ।  
 ज्योतिर्विद्व, (न.) ज्योतिर्विद्व की ज्योतिर्विद्व, ज्योतिर्विद्व  
 ज्योतिर्विद्व का ज्योतिर्विद्व । ज्योतिर्विद्व । बहुरूप ।  
 ज्योतिर्विद्व, (पु.) ज्योतिर्विद्व ज्योतिर्विद्व  
 ज्योतिर्विद्व ज्योतिर्विद्व ज्योतिर्विद्व ज्योतिर्विद्व  
 ज्योतिर्विद्व ज्योतिर्विद्व ज्योतिर्विद्व ज्योतिर्विद्व

ज्योतिष्मत्, (पुं.) सूर्य । प्रथमीन का एक  
 पदाह । मातृकाहनी लता । राशि ।  
 ज्योतिष वाला । धित की एक बुनि  
 विशेष ।  
 ज्योतिस्, (पुं.) सूर्य । अग्नि । मेरी का  
 शाक । आंस की पुत्रणी । पदार्थ ।  
 नक्षत्र । प्रकारा ६ स्वयं प्रकाशमान ।  
 चैतन्य ।  
 ज्योत्स्ना, (स्त्री.) कौमुदी । चाँदनी ।  
 चन्द्रमा की किरन । चाँदनी रात ।  
 ज्योतिषक, (पुं.) दैवज्ञ । गणक ।  
 ज्योतिषी ।  
 जि, (कि.) दधाना । तिरस्कार करना ।  
 जी, (कि.) बूढ़ा होना ।  
 ज्यर, (कि.) रोमी होना ।  
 ज्यर, (पु.) ताप । बुलार ।  
 ज्यरम्, (पु.) ताप दूर करने वाला । शिपीय ।  
 बिरासता ।  
 ज्यरापहा, (स्त्री.) निरन्तरण । अन्तारासक ।  
 बुलार दूर करने वाला ।  
 ज्यरित, (त्रि.) अन्तर्वृत्त ।  
 ज्यन्, (कि.) बमकना । बमना ।  
 ज्यन्त, (पुं.) बहि । भाग । बुनि ।  
 बमकना । दाह । बमना ।  
 ज्यन्ताशमन्, (पुं.) सूर्यकाशमपि ।  
 ज्यलित, (त्रि.) दाह । जला हुआ । उज्ज्वल ।  
 बमकना ।  
 ज्यल, (पुं.) भाग की बिरास ।  
 ज्यलजिह्व, (पुं.) भाग ।  
 ज्यलामुष्ठी, (स्त्री.) बुनी का बहन ।  
 ज्यलामुष्ठी, (पुं.) जिह्व भाग । भाग ।  
 ज्यलित्, (त्रि.) जिह्व की का भाग ।  
 बमना हुआ । बमकना हुआ ।  
 मं ।  
 म, (पुं.) मन्मथन । बुलार । दाह ।  
 मन्मथन । मन्मथन । मन्मथन ।  
 मन्मथन । मन्मथन । मन्मथन ।



दुग्धक, (पुं.) लोहा । शयन । दूध । निर्देव ।  
करी ।

टेटे-टेटक, (पुं.) देस । तिगकी रति  
गिणी है ।

टोर, (पुं.) लोहा । मल्ल ।

डुल, (किं.) गवनीमें बड़ मना ।

## ठ

ठ, (पुं.) रा । चन्द्र अपका मूर्ध्मं मृदुत्वं ।  
धृत् । मध्य । परिवर्णान् । मूर्ति । देव ।  
शिव जी का नाम ।

ठफुर, (पुं.) देवनिमा । ठापुर । प्रतिष्ठा-  
पुत्रक एक उपाधि । बाल्यवर्ती के  
प्रपकार का नाम ।

ठार, (पुं.) पाला । बरक ।

ठालिनी, (स्त्री.) पटका । कदरकन्द ।

## ड

ड, (पुं.) शम्भुविशेष । एक प्रकार का दोष  
या मृदुत्वं । वाक्वाग्नि । सपुत्र की आग ।  
भय । शिव । चाप पक्षी ।

डकारी, (सं.) चाण्डाल का नाम । वीर ।  
सारही या तम्बूरा ।

डपू, (किं.) एकत्र करना । इकठा करना ।

डम्, (किं.) शब्द करना । बजाना ।

डम, (पुं.) डोम । नीच जाति ।

डमर, (पुं.) विप्लव । गदर । लड़ाई । राजु  
को भावभाही और सलकार से डराना । डर  
कर भाग निकलना ।

डमरु, (पुं.) एक प्रकार का नाम जो शिव  
जी को बड़ा शिव है । कापालिक सम्प्रदाय  
के शैवियों का वाद्ययंत्र ।

डम्बू, (किं.) फेंकना । भेजना । देतना ।  
घाहा देना ।

डम्बर, (पुं.) प्रतिद्व । (सं.) राभा । समृद्ध ।  
दित्वावट । समानता । चरझार ।

डम्बू, (किं.) एकत्र करना ।

डलक-डलक, (ग.) रलिया । डला ।

डगिन्ध, (पुं.) मन्त्री का शिव ।

डाकिनी, (स्त्री.) बाली देवी की  
मदारी ।

डांहुनि, (स्त्री.) पपटे का नाद । क  
क शब्द ।

डामर, (पुं.) शिव नाम का शिव प्रति  
संभव है । (पुं.) मयलक । चारक  
नद दरय । कोडादन । सर्वमन्दर ज  
रिण ।

डादल, (पुं.) देशविशेष के अधिपति

डाहुक, (पुं.) जगदुक्त ।

डिकरी, (स्त्री.) पुत्री ।

डिङ्कर, (पुं.) नीक । गुण्य । धूर्त । डग  
नीच पुत्र । मोटा आदमी । धरदार ।

डिगिडम, (पुं.) धोया दोष । इयविशेष ।

डिगिडर, (पुं.) सपुत्रकेन ।

डित्य, (पुं.) काठ का बना हाथी । सुस्वरूप ।  
रयामरुपे वाला । शिखर । सगूर्य शासो  
के रहस्य को जानने वाला ।

डिगू, (किं.) एकत्र करना । फेंकना । डालना ।  
भेजना । निर्देश करना ।

डिबू, (किं.) प्रेरणा करना । चलाना ।

डिम्, (किं.) मारना । चोटिल करना ।  
धायल करना ।

डिम, (पुं.) दम प्रकार के दरय कागों  
अर्थात् नाटकों में से एक ।

डिम्ब, (पुं.) बच्चा । निरुव । डर कर पीकार  
करना । धरडा । गोला । गेंद । गोलाकार  
पुष्प । तिही ।

डिम्बिका, (स्त्री.) दुभरिता स्त्री ।

डिम्भ, (पुं.) शिशु । बच्चा । बलहा । मूर्त ।  
मूद ।

डी, (किं.) उठना । आकार में गर्मन करना ।

डीन, (ग.) परिधियों का उकाल ।

डुण्डुभ-भ, (पुं.) सर्वविशेष जो विविध  
नहीं होता ।

डुण्डुल, (पुं.) धोयी जाति का उत्सू ।



तटिनी, ( स्त्री. ) नदी ।  
 तडाग, ( पुं. ) तालाब । शिरम फँसाने का  
 कन्दा ।  
 तडित्, ( स्त्री. ) निजली । दामिनी ।  
 तडित्त्वत्, ( पु. ) बादल ।  
 तण्डक, ( पु. ) माग । बहुसमासयुक्त वाक्य ।  
 मायावी ।  
 तण्डुल, ( पुं. ) चावल ।  
 तम्, ( अन्व. ) हेतु । इस लिये । इस कारण ।  
 तत, ( न. ) बाधु । दवा । बीणा । पिरा  
 हुआ । फैला हुआ ।  
 ततस्त्य, ( वि. ) वहाँ का । वहाँ होने वाला ।  
 तति, ( स्त्री. ) श्रेणी । पक्ति । पतीर । समूल ।  
 फैलाव ।  
 तत्काल, ( पुं. ) उसी समय । वर्तमान काल ।  
 हो रहा समय ।  
 तत्कालधो, ( वि. ) गिर पर धार्य थापति  
 को निवारण करने की बुद्धि ।  
 तत्क्रियः, ( वि. ) अवनतिक्रम काम करने  
 वाले ।  
 तत्क्षण, ( पु. ) उसी समय । क्षण ।  
 तत्प, ( न. ) सञ्चार । निष्कर्ष । यथार्थरूप ।  
 परमात्मा । ब्रह्मव । नाचना । बजाना ।  
 गाना । विष्णु । वस्तु । साक्ष्य के मतानुसार  
 पचास पदार्थ ।  
 तत्पट, ( वि. ) नद्वय । निवार । समझ ।  
 तत्परायण, ( वि. ) तदागत । उसीमें  
 लगा हुआ ।  
 तत्पुण्य, ( पु. ) परमात्मा । समाप्तविशेष ।  
 तत्प, ( अन्व. ) उस समय । उस जगह ।  
 वहाँ ।  
 तत्पथ, ( अन्व. ) वहाँ होने का । वहाँ की  
 वस्तु ।  
 तत्पथम्, ( वि. ) पुण्य । पूजा के योग्य ।  
 तत्पथ, ( अन्व. ) तत्पथ । वेने ही । निरूपण ।  
 तत्पथ, ( अन्व. ) जैसा कि ।  
 तत्पथि, ( अन्व. ) तत्पथ । उदाहरण ।

तथ्य, ( न. ) सत्य ।  
 तद्, ( वि. ) पहिले कहा हुआ ।  
 तदा, ( अन्व. ) उस समय । तब ।  
 तदारम्भ, ( वि. ) उस रूप वाला ।  
 तदानीम्, ( अन्व. ) तब । उस समय ।  
 तद्गत, ( वि. ) तत्पर । किसी कार्य में ल  
 हुआ ।  
 तद्गुण, ( पु. ) अर्थात्कारभेद ।  
 तद्गुण, ( वि. ) कृपण । मूम ।  
 तद्दित, ( पु. ) उसके लिये हितकर । नाम  
 आगे लगने वाले प्रत्यय ।  
 तद्दत्, ( अन्व. ) उसके समान ।  
 तन्, ( कि. ) कैलना । विस्तृत होना ।  
 तनय, ( पु. ) पुत्र । बेटी । लता ।  
 बेल । सूत । निर्माकन्द ।  
 तनिमन्, ( पु. ) छुट्टाई । मिहानि । कोम-  
 लता ।  
 तनु, ( स्त्री. ) शरीर । देव । मूर्ति- । आकार ।  
 ( पु. ) धोका । बिरला । लडा । मिहानि  
 तनुञ्छाया, ( पु. ) शरीर की परछाई या  
 शोभा । धोकी छाया वाला । बरु का  
 पेड़ ।  
 तनुच, ( न. ) कवच ।  
 तनुमग्धा, ( स्त्री. ) नासिका । नाक ।  
 तनुभृत्, ( पु. ) जीव । शरीर को धरना ।  
 मानने वाला ।  
 तनुधाट, ( न. ) कवच । सजाह ।  
 तनुम्, ( न. ) शरीर । देह । काया ।  
 तनुनयम्, ( पु. ) धनि । भाग ।  
 तनुकह, ( न. ) रोम । रीरे । चिड़ियों के पर,  
 जो शरीर पर उगे ।  
 तनु, ( कि. ) तिष्ठाना ।  
 तनु, ( पुं. ) भाद । सन्तान । मूल । तान ।  
 तनुनाम, ( पु. ) मक्की ।  
 तनुनिर्घात, ( पु. ) तान कृष ।  
 तनुपर्यन्त, ( न. ) वसुधैव कुटुम्बकम्  
 करने का परे । भारती पूरिया । मनुके ।

तन्तुर, ( न. ) तौ बाला । मृषाण ।  
 तन्तुषाय, ( पु. ) टलाहा । कोरी ।  
 तन्तुषाय, ( पु. ) टलाहा । कोरी । कपडा  
 रिनने बाणा ।  
 तन्तुषिप्रद, ( श्री. ) देला ।  
 तन्तुशाला, ( श्री. ) गूढ रिनने का घर ।  
 तन्तुस्मृत, ( वि. ) सिला हुआ कपडा ।  
 तंत्र, ( न. ) सिद्धांत । निर्णय । शोध ।  
 कुनरा । प्रधान । बडा । टलाहा । कोरी ।  
 परिप्लव । पराधीन होकर काम करने वाला ।  
 हेतु । अर्थसिद्धकारी । तौ । स्वभाव  
 विन्ता । परिजन । नीकर । प्रकथः शोध ।  
 धन । घर । बौने का उपकरण । कुल ।  
 वेद की शाखाविशेष । शास्त्रविशेष ।  
 शिव जी कथित शास्त्रविशेष ।  
 तंत्रक, ( न. ) नया कपडा ।  
 तंत्रापाय, ( पु. ) टलाहा । कोरी ।  
 तंत्रिका, ( श्री. ) दुर्ब । गिलोय ।  
 तंत्री, ( श्री. ) बीजाविशेष । गिलोय ।  
 शरीर की नाडी । रसी । नदी । पुत्री ।  
 तन्त्रा, ( श्री. ) उषा । नीद ।  
 तन्त्रालु, ( वि. ) बहुत सोने वाला ।  
 तन्मय, ( वि. ) उसीमें निश्चित चित्त वाला ।  
 उसीमें लगा हुआ ।  
 तन्मात्र, ( वि. ) वही । उसी प्रकार का ।  
 तन्वी, ( श्री. ) बेलविशेष । कुराही ।  
 कामल प्रकृति की स्त्री । पत्नी बटि वाली  
 स्त्री । बन्धविशेष ।  
 तपू, ( कि. ) जलाना । तपाना ।  
 तपती, ( श्री. ) सूर्य की स्त्री, जिसका नाम  
 साया है । एक नदी ( तपती ) सूर्य-  
 सनथा, जिसके योग से बुक तापय बोले  
 जाते हैं ।  
 तपन, ( पु. ) ताप । सूर्य । भिलाने का वेद ।  
 नरकविशेष । गर्मी की शत्रु । मदार का  
 पेड़ । सूर्यकान्तमणि ।  
 तपनतनय, ( पु. ) यम । यमुना । शमी ।

तपनी, ( श्री. ) गोरारी ।  
 तपनीय, ( न. ) सोना । तपने योग्य ।  
 तपसू, ( पु. ) माघ मास । गिरिश शत्रु ।  
 जनलोक के ऊपर का लोक । धामोचन ।  
 अपने धाम का शास्त्रविदित कर्माहुष्ठान ।  
 चांद्रायण आदि मनःस्मन से नवम गृह ।  
 तपस्य, ( पु. ) काठ मास । कुन्द का पुष्प ।  
 तप में सलग्न ।  
 तपस्या, ( श्री. ) तप । प्रवर्द्धा ।  
 तपस्विन्, ( वि. ) तापस । तपस्वी । तप  
 करने वाला । दीन । विधिवा ।  
 तपस्विनी, ( श्री. ) तप करने वाली । दीना ।  
 दुःखिनी । जामासी ।  
 तपारयय, ( पु. ) वर्षाकाल । बसहाला ।  
 तपोधन, ( पु. ) तपस्वी । तपन नामक  
 वृक्षविशेष ।  
 तपोवन, ( न. ) तपस्वीयों के तपने का वन ।  
 तीर्थविशेष ।  
 तप्तकुम्भ, ( पु. ) नरभेद ।  
 तप्तकृच्छ्र, ( न. ) मद्रविशेष ।  
 तप्त, ( कि. ) पक जाना । बट उठाना ।  
 तप्त, ( पु. ) तपोवण । राहु । तमाल का  
 वृक्ष ।  
 तप्तर, ( न. ) अन्धकार । शोक । पाप ।  
 कार्यकार्य का विचार न करना । वृष  
 विशेष । राहु ।  
 तप्तस्विनी, ( श्री. ) रात ।  
 तमाल, ( पु. ) वृक्ष । तिलक, वक्ष्य वृक्ष ।  
 लह ।  
 तमि, ( श्री. ) अंधेरे वाली । रात ।  
 तमिष्ठ, ( न. ) अन्धकार । अंधेरा । कोप ।  
 दुःसा । अज्ञान । अंधकारयुक्त रजनी ।  
 तमिष्ठपक्ष, ( पु. ) अंधेरा पक्ष ।  
 तमोम, ( पु. ) सूर्य । अग्नि । अन्ध । कुम्भ ।  
 विष्णु । शिव ।  
 तमोज्योतिर्, ( पु. ) टाट । तपीन ।  
 तमोपट, ( पु. ) कान । पूर्ण । अन्ध । अण

सरक्षु, ( पुं. ) भेड़िया । मार्ग रोहने वाला ।  
 सरक्ष, ( पुं. ) लहर ।  
 सरक्षिणी, ( स्त्री. ) सरक्ष नामी । नदी ।  
 सरक्षित, ( वि. ) लहते वाला । अचल ।  
 सरण, ( पुं. ) बोझ । स्वर्ग । ( कि. ) । तरना  
 सरणि, ( पुं. ) गर्भ । बोझ । अक्षुब्ध ।  
 किरन । तर्का । गौका । सिमीकन्द ।  
 सरतम, ( वि. ) न्यून, अधिक भाव वाला । गर्भ ।  
 सरपण्य, ( न. ) नदी की उतराई । पास जाने  
 का महत्त्व ।  
 सरल, ( पुं. ) हार । अक्षय । कामी । विंगार ।  
 चमकीला । पनीला । मय । लसती ।  
 सरवति, ( पुं. ) तलवार । शत्रु की गति को  
 रोकने वाली ।  
 सरस, ( न. ) जल । वेग ।  
 सरसा, ( अन्य ) झर । अति शीघ्र ।  
 सरस्विन्, ( पुं. ) इवा । गदक । शीमगामी  
 वीर ।  
 सरिरी, ( स्त्री. ) नाव । पिठारी । पलड़ा ।  
 सरु-प-खण्ड, ( पुं. ) वृक्षसमूह या वृक्षों के  
 टुकड़े ।  
 सरुण, ( पुं. ) अण्डा का पेट । जीरा । पुष्प  
 विशेष । गया । पुत्रा । फिर से उदित ।  
 गर्भ । कोमल । सयः । मुपती नारी ।  
 सरुणज्वर, ( पुं. ) सात दिन चढ़ा रहने  
 वाला ज्वर । तुरन्त चढ़ा हुआ ज्वर । मूत्र  
 चढ़ा हुआ बुखार ।  
 सरुविलासिनी, ( स्त्री. ) नवमल्लिका ।  
 सर्क, ( पुं. ) आकांक्षा । विनर्क । विचार ।  
 सम्भावना ।  
 सर्क, ( कि. ) चमकना ।  
 सर्कु, ( पुं. ) यत्रविशेष । नेत्रना । कातने का  
 साधन ।  
 सर्ज, ( कि. ) झिड़कना ।  
 सर्जनी, ( स्त्री. ) धड़के के पास की उइली ।  
 सर्य, ( पुं. ) कम । शिप । सरयु नदी शिशु ।  
 गौ का हाल का स्थाना चढ़ा ।

सर्द, ( वि. ) मरना ।  
 सर्द, ( स्त्री. ) लकड़ी की कली ।  
 सर्पण, ( न. ) प्रमत्त करना । शिष्टवत्  
 शिष्या । नृम करना ।  
 सर्व, ( कि. ) जाना ।  
 सर्व, ( पुं. ) अभिज्ञान ।  
 सर्वि, ( अन्य. ) तो । तदा । उग्र समय  
 सन्, ( कि. ) शिर होना । पूरा कर  
 प्रतिज्ञा पूर्ण करना ।  
 सल, ( पु. न. ) स्वल्प । निचला भाग  
 अथवा । ताल का कूड़ा । तलवार की छुरि  
 आधार और स्तम्भ ।  
 सलग्रहार, ( पुं. ) मन्त्र मारना । चक्र  
 मारना ।  
 सलगतल, ( न. ) पाँचवों पाताल छोड़ ।  
 सलित, ( न. ) धुना मात ।  
 सलुन, ( पुं ) वायु । पुरा । पडा । ( पुं )  
 पुरती ची ।  
 सल्प, ( पुं. ) साट । सेन । दाण ।  
 सल्लज, ( पुं. ) प्रसन्न । बहुत अच्छा ।  
 सल, ( वि. ) छोटा किया गया ।  
 सल, ( पुं. ) बर्तन । विरचक्रमां जातिविशेष  
 सल, ( कि. ) समाना । ऊपर फेंकना ।  
 सलकर, ( पुं. ) चौर । दमनक पैदल ।  
 सलच्छिद्य, ( न. ) निर्दिष्ट स्वभाव वाला  
 सलस्य, ( न. ) उदासीन होना । पात होना  
 सलडका, ( स्त्री. ) राक्षसीविशेष ।  
 रामचन्द्र जी द्वारा मारी गयी थी ।  
 सलडनी, ( स्त्री. ) चाबुक । इण्टर ।  
 सलण्डय, ( न. ) पुरुष का नाच । पासविशेष  
 जोर से नाचना ।  
 सलण्डवप्रिय, ( पुं. ) शिव ।  
 सलत, ( न. ) पिता । पुत्रा दया । करने योग्य  
 काका । चाचा । पूजने योग्य ।  
 सलतपर्य, ( न. ) धाराप । निष्कर्ष । अभिज्ञान  
 सलदपर्य, ( न. ) उसके लिये ।  
 सलदात्म्य, ( न. ) अभेद । एक ही रूप वाला

साधक, ( वि. ) उत प्रकार का । उत जैसा ।  
 साम, ( पु. ) एक भाग । कमल का बीरा ।  
 उचलार । फेलाव । विनार ।  
 सांख्यिक, ( वि. ) तपसाय को जानने वाला ।  
 मन्वादी ।  
 साय, ( पु. ) गणन । गर्मी । शोक । कठिन ।  
 हार ।  
 सायन, ( म. ) तप करने वाला । दमनक वृक्ष ।  
 सायनतप, ( पु. ) हट्टी का पेड़ ।  
 सायन्ध, ( पु. ) तप दूर करने वाला पेड़ ।  
 तपस्य वृक्ष ।  
 सायी, ( स्त्री. ) विषय पर्यन्त को एक नदी  
 जिसका वर्तमान प्रसिद्ध नाम सायनी है ।  
 सामरस, ( न. ) पत्र । कमल । सोना ।  
 भूरा । साद जिसके पाद में साद अक्षर  
 होते हैं ।  
 सामन्, ( पुं. ) लोह । उल्लू । नीच ।  
 अविद्यामय । साहू की सन्तान । राग ।  
 लक्ष्मणशी ।  
 सामिन्, ( पु. ) अंधेरे बाजा । नरकविशेष ।  
 राक्षस । बन्धु को उहसा दिलाने वाला  
 अज्ञान ।  
 साम्बूल, ( न. ) नागवल्ली का पत्ता । पान ।  
 गुणक ।  
 साम्बूल चरक, ( पु. ) पान का बिलहर ।  
 साम्बूलिक, ( पु. ) पान बेषने वाला ।  
 तमोली ।  
 साध, ( न. ) लोहा । लाल रङ्ग ।  
 साधकर्णी, ( स्त्री. ) पश्चिम दिशा की इषिनी ।  
 एक नदी ।  
 साधकार, ( पु. ) कसेरा ।  
 साधकूट, ( न. ) तपसा ।  
 साधकूट, ( पु. ) हुरी । कुकूट ।  
 साधपट्ट, ( न. ) लोहे का पट्टा ।  
 साधपर्णी, ( स्त्री. ) नदीविशेष ।  
 साधपस्य, ( स्त्री. ) मनीष । लाल बेल  
 वाली ।

साधशील, ( पु. ) लाल चीक वाला ।  
 साधशिरान्, ( पु. ) कुकूट । हुरी ।  
 साधसाध, ( पुं. ) लोहे की भरम । लाल  
 अग्नि का सुरास ।  
 साधिक, ( पु. ) एक जाति ।  
 साम्, ( कि. ) पालन करना ।  
 साध, ( पु. ) देखा । सञ्चालन । बानर  
 विशेष । शुद्ध धोनी । मयक ( स्त्री ) । देवी  
 का मयक ( स्त्री ) । तपना । साध । पुतली ।  
 ऊँचा राक्षस । निम्न । महाविद्या विशेष ।  
 बृहस्पति की स्त्री ।  
 साधक, ( पु. ) ठारने वाला । मलाह ।  
 दैत्यविशेष । ठारा । पुतली ।  
 साधकशिर, ( पु. ) साधकाशुर को जीतने  
 वाला कार्तिकेय ।  
 साधकित, ( न. ) लोहें वाला । धाकारा ।  
 साधकम्य, ( न. ) मूलाधिक्य । मोहा बहुत ।  
 भेद । अन्तर ।  
 साधपति, ( पुं. ) ठारा का स्वामी । शिव ।  
 अन्तरमा । बृहस्पति । वाली । हुरीव ।  
 साधपथ, ( पुं. ) धाकारा ।  
 साधपीठ, ( पु. ) अन्तरमा । रत्नाविशेष ।  
 साधस्र, ( पु. ) कूट ।  
 साधिली, ( स्त्री. ) ठारने वाली । पारिती ।  
 हुरी महाविद्या ।  
 साधिक, ( पु. ) ठारकाशी । नैमिक  
 परिश्रत ।  
 साध्य, ( पुं. ) लोहें की धोसाध । गरुड ।  
 अक्षय । लोह । पोका । सोना । रथ ।  
 साध्यक, ( न. ) लोहा । हुरीव ।  
 साल, ( पु. ) वृक्षविशेष । हजताल । देहा  
 का सिद्धासन । राग का माय । लाली  
 बनाना । बसि का बना हुआ भाग । लह  
 की मूठ । साला ।  
 सालक, ( न. ) साला । हजताल ।  
 सालक्य, ( पुं. ) बलभद्र । बलराम ।  
 सालपथ, ( न. ) करनवृक्ष । कान का पुण्य ।



तालवृन्त, ( न. ) पद्म । नीलना ।  
 तालाङ्क, ( पु. ) बलमद्र । बलदेव ।  
 तालिक, ( पु. ) शपड । इथेली ।  
 तालु, ( न. ) पुत्र में जीम के ऊपर का भाग ।  
 तालुजिह्व, ( पु. ) तालु ही निमकी जिह्वा है । कुम्भीर । नक के जीम न होने पर भी वह तालु ही से जिह्वा का काम लेता है ।  
 तावन्, ( अन्व. ) तब तक । इतना । निश्चय । प्रसामा । भावय का भूषण । तब । इतना बड़ा ।  
 तिकू, ( कि. ) जाना ।  
 तिकू, ( पु. ) कमेला । लडा ।  
 तिग्म, ( न. ) तीक्ष्ण । तेज ।  
 तिग्मरश्मि, ( पुं. ) सूर्य । तेजस्वी ।  
 तिष्, ( कि. ) इनन करना ।  
 तिष्ठ, ( कि. ) धरना करना ।  
 तिष्ठ, ( पु. ) बलनी । लोटा ब्रह्मा ।  
 तितिक्षा, ( स्त्री. ) धमराशी देना । सदन-शक्ति ।  
 तितित्तु, ( वि. ) सदनशील । शीतादि सदन बनाना ।  
 तितित्त, ( पु. ) धनु । अर्ध । इन्द्रोप ।  
 तितित्तिरः, ( पु. ) नीर नामक वृक्ष ।  
 तित्त, ( पु. ) बाल । उम । लम्ब । बालधनु ।  
 तित्ति, ( पु. स्त्री. ) श उमान की मन्थना से निकले की तित्ति । पतङ्ग की मन्थना ।  
 तित्तिरः, ( पु. ) विमले अन्तका की तित्ति का अन्त होने है । अन्तःपङ्क । तित्ति ।  
 तित्तिरः, ( स्त्री. ) पङ्क । अन्तः ।  
 तित्तिरः, ( पु. ) अन्तः ।  
 तित्तिरः, ( पु. ) इन्द्रोप ।  
 तित्तिरः, ( स्त्री. ) पङ्क । अन्तः ।

तिन्दु-तिन्दुलः, तिन्दुक, ( पु. ) वृष विशेष । मापविशेष ।  
 तिप्, ( कि. ) बिड़कना । बूढ़े टपकाना । धानना । उकेलना । पुषाना । बषाना ।  
 तिम्, ( कि. ) भिगोना । नम करना ।  
 तिमि, ( पु. ) हेल जैसे शरीर की बरी मधली ।  
 तिमिज्जिल, ( पु. ) बड़ा भारी मूत्र जो तिमि को भी निगल जाता है ।  
 तिमिन, ( वि. ) गीला ।  
 तिमिर, ( न. ) अन्धकार । एक प्रकार का नेत्ररोग । लोहे का पूरा ।  
 तिमिरमय, ( पु. ) रात की उपाधि । मन्थ ।  
 तिरयति, ( कि. ) क्षिप्ताना । गुप्त रतना । बाधा देना । रोकना । जीना ।  
 तिग्शीन, ( वि. ) टेढ़ा हो गया ।  
 तिरस्, ( अन्व. ) अन्तर्धान । दिवना ।  
 तिरस्करणी, ( स्त्री. ) परदा । बनाना । परदा हो जान की विधा ।  
 तिरस्कार, ( पु. ) अनादर । अपमान ।  
 तिरोध्या, ( कि. ) अन्ध होना । बिगना । अन्तः । इतना ।  
 तिरोध्यान, ( न. ) अन्तः, विपना । परीक्षा । परका । परदा ।  
 तिरोधित, ( वि. ) लेशा हुआ । इला हुआ ।  
 तिरोगाथ, ( पु. ) शिवाय । इलाय ।  
 तिरपङ्क, ( अन्व. ) टेढ़ा । बड़ा हुआ । वीति-विशेष । पङ्क । वी, अन्तःपङ्क ।  
 तिष्, ( कि. ) अन्तः करना । विद्वाना ।  
 तिष्, ( पु. ) अन्तःपङ्क । अन्तःपङ्क । तित्ति ।  
 तिष्क, ( पु. ) तित्त का पुत्र । शीता विमले । अन्तःपङ्क । तित्ति । अन्तःपङ्क पर अन्तःपङ्क का पुत्र है ।  
 तिष्क, ( न. ) तित्ति की अन्तःपङ्क । तित्ति का पुत्र ।  
 तिष्क, ( पु. ) तित्त का पुत्र । तित्त की अन्तःपङ्क ।

तिराकालक, ( पु. ) शरीर पर तिलों जैसा  
 काला बिंदु । रोगविरोध ।  
 तिलतैल, ( न. ) तिलों का तेल ।  
 तिलित्त, ( पु. ) बड़ा रात । अजगर ।  
 तिलोज्जमा, ( स्त्री. ) अजगरविरोध ।  
 तिल्य, ( न. ) तिलों का लेप ।  
 तिष्ठद्, ( अन्व. ) गीलों के दूरे जाने का  
 दूसरी धन का समय, अथवा वेद अथवा  
 रात होते ।  
 तिष्य, ( पुं. ) पुत्र नष्ट । पौषमान । कलिपुत्र ।  
 भागवत् । पुत्रनष्ट के समय उपन ।  
 तिष्य-केतु, ( पु. ) शिव की उपाधि ।  
 तिष्यका, ( पु. ) पौष मान ।  
 तिष्यफला, ( स्त्री. ) कलिपुत्र में भी  
 त्रिफला कहें । आँसू ।  
 तीक्, ( कि. ) जाना । कोलना ।  
 तीक्ष्ण, ( न. ) पैना । गर्म । दुर्लभ । कठोर  
 प्रभावोत्पादक । हानिकारक । पैनी बुद्धि  
 का । अमुर । उगाड़ी । मक्तिमान् । प्रति-  
 बुल । मोड़कापी । योगी ।  
 तीक्ष्णकण्ठक, ( पुं. ) नेत्र बँटे वाला ।  
 अन्त । इन्द्री वृष । शीत ।  
 तीक्ष्णकन्द, ( पुं. ) पलायक ।  
 तीक्ष्णगन्धा, ( पु. ) नेत्र गन्ध वाला । बोधि  
 इलायची । जयन्ती ।  
 तीक्ष्णपुष्प, ( पुं. ) लीग । केतकी ।  
 तीक्ष्णशूक, ( पुं. ) जी ।  
 तीक्ष्णायस, ( न ) कोलाद । सोदे की खेतनी ।  
 सोदविरोध ।  
 तीम, ( कि. ) गीला करना ।  
 तीद, ( कि. ) पार होना । तैर जाना । पूरा  
 करना । ठे करना । ठीक ठीक करना ।  
 तीद, ( न. ) किनारा । तट । शय्य । तीता ।  
 जग्ना ।  
 तीद, ( पु. ) शिव ।  
 तीर्थ, ( कि. ) उत्तम । देव गया । पार हुआ ।  
 दबाया गया । स्नान किया हुआ ।

तीर्थ, ( न. ) मार्ग । पाद । जलस्थान ।  
 पवित्रस्थली । मन्दिर । नहर । चिन्मया ।  
 उपाय । प्रतिष्ठित । एव पूज्यम्यक्ति । दुःख ।  
 भोत । उदगमस्थान । पत्र । अमात्र ।  
 शिवा । उपदेश । हाथ के विरोध देना जो  
 देव अथवा पित्रुकार्य में पवित्र माने जाते  
 हैं । शिवों का रज । योगि । दर्शन ।  
 आगम । भाग । सरोवर ।  
 " शुचि मनो यद्यस्ति तीर्थेन किम् । "  
 तीर्थकर, ( पु ) शांभारदेश । हितोपदेश  
 करने वाले । गौतम । कपिल । कण्वादि ।  
 विनियों के गुरु तीर्थकर ।  
 तीर्थदेश, ( पुं. ) शिव ।  
 तीर्थराज, ( पु. ) तीर्थों के राजा । सुन्यतीर्थ ।  
 प्रयागराज ।  
 तीव्र, ( कि. ) मोटा होना । छट्ट होना ।  
 तीघर, ( पु. ) सपुत्र । शिकारी । वर्षमज्ज  
 जानिविरोध ।  
 तीघ्र, ( पु. ) शिव । लोहा । गरम । असीम ।  
 छट्ट । घातना ।  
 तीघ्रवेदना, ( स्त्री. ) अत्यन्त वेदना ।  
 तु, ( अन्व. ) किन्तु । परन्तु । पादपूर्तिकर ।  
 और । वही तो । इसको छोड़ कर । भी ।  
 तु, ( कि. ) अधिकार प्राप्त करना ।  
 छट्ट होना । प्राप्त करना । उल्लिखित  
 करना । परिपूर्ण करना । जाना ।  
 कोलना । बोधिल करना । भाषण करना ।  
 पारना ।  
 तुप्रथा, ( स्त्री ) जल । पानी । यह वैदिक  
 प्रयोगों में थाडा है ।  
 तुङ्ग, ( पु. ) ऊँचा । लम्बा । बड़ा । सुन्दर ।  
 रद । विषयी ( पुं. ) ऊँचाई । पर्वत ।  
 शिखर । बोधि । बुधम् । गीका । जाति-  
 यत्न का वृष । राशिर्दे ( अवेदिन भी ) ।  
 सिद्धासन । बुद्धिमान् । उदर । शिव की  
 उपाधि ।  
 तुङ्गबीज, ( पु. ) गरद । पाला ।

- तुङ्गमद्र, (पु.) मद्रवर्धित हापी । ( १ )  
 ( सी. ) दक्षिण भारत की एक नदी का नाम जो कृष्णा नदी में गिरती है ।
- तुङ्गमुल, (पुं.) गैडा ।
- तुङ्गशेखर, (पुं.) पहाड़ ।
- तुङ्गी, ( सी. ) रात्रि । इल्हा ।
- तुन्, (पुं. सी.) सन्तान । श्रीलाद । वैदिक प्रयोग ।
- तुन्ध, (पुं.) रीता । रहित । व्यर्थ । इल्हा ।  
 छोटा । त्याग । सुद्र । दीन । धमागा ।  
 ( न. ) भूमी रहित धान्य । तु
- तुन्धदु, (पु.) एण्ड वृध ।
- तुज, (कि.) मारना । पापल करना ।
- तुद्, (कि.) भगडा करना । भगडना ।  
 चोटिल करना ।
- तुदम, (पुं.) वृहा । पूँस ।
- तुटितुट, (पुं.) शिव का नाम ।
- तुइ, (कि.) तुप्य समझना । अपमान करना ।
- तुए, (कि.) टेदा करना । भुकाना । धोका देना । बलना । ऐठना ।
- तुएइ, (कि.) दबाना ।
- तुएड, (न.) पुस । चोंच । ( सुभर की ) पूँथनी ।
- तुएडका, ( सी. ) नाभि । इकी ।
- तुएडकेरी, ( सी. ) कपास का पीधा । ताहु की धूनन ।
- तुएडन, (पुं.) शिन जी के नादिया का नाम ।
- तुएडभ, (पुं.) बानूनी । बही नाभि वाला ।
- तुए, (कि.) प्रशला करना । दकना । थोट करना । फैलाना ।
- तुएथ, (पुं.) अग्नि । एक प्रकार का अन्नन । पथर । ( १ ) ( सी. ) छोटी इलायची । नील का पीधा ।

- सोत करना । पीना  
 अत्याचार करना ।
- तुन्ध, (पुं.) पेट । तों
- तुन्धकपी, ( सी. ) ना
- तुन्ध, (पुं.) वृध । पी
- तुन्धवोम, (पुं.) कडे
- तुम्, (कि.) मारना ।
- तुमुल, (पुं.) कलित  
 इथा । मम्भरिहा । री
- तुम्पू, (कि.) कट दे
- तुम्ब, (पुं.) कृष्णाए
- तुम्बर, (पुं.) म  
 विशेष । तमूरा ।
- तुद्, (कि.) शीघ्रता कर
- तुदकिन्, (पुं.) तुकी
- तुदकः, (पुं.) तुर्कदेश
- तुदग, (पुं.) घोडा ।
- तुदगरक्ष, (पुं.) सर्
- तुदर, (पुं.) घोडा ।
- तुरी, ( सी. ) उलाहे
- तुरीय, (पि.) चौथा  
 आत्मा की चतुर्थ द
- तुरीयधर्य, (पुं.) इ
- तुरुष्क, (पुं.) गन्ध
- तुर्य, (पि.) चौथा ।
- तुर्व, (कि.) मारना ।
- तुर्वसु, (पुं.) वसति
- तुल, (कि.) तोलना
- तुलसी, ( सी. ) वृद्ध  
 परम प्रिय है ।
- तुला, ( सी. ) तराख  
 पाथ । सातवीं राशि
- तुलाकोटि, ( सी. )  
 आम्भन । माणिसि
- तुलाधार, (पि.) इ





अणुः ( न. ) दैन । सीता ।  
 अणुटी, ( की. ) लोटा इलायची ।  
 अणुम्, ( न. ) गीता । दैन ।  
 अणु, ( न. की. ) तीनों का भाग । तीन भाग वाला । तीन सख्या वाला । वेदवयी । देववयी । इन्द्रविदनी की । अण्वी बुद्धि ।  
 अणीधर्म, ( पु. ) वेदवयी से विधान किया गया धर्म । वेदिक धर्म ।  
 अणोदशन, ( वि. ) तेरह । नवोदरी ।  
 अणु, ( कि. ) करना । भय लगाना ।  
 अणुरेणु, ( पु. ) सूर्य की किरण में व्याप्त परमाणु का सठवाँ अणु । सूर्य की की का भाग ।  
 अणुत, ( वि. ) नीव । डग डुप्पा । बकिन । ईशान । जल्दी । तरा ।  
 अणु, ( वि. ) बरफोक । भीव ।  
 आणुय, ( वि. ) तीन अणु का दैन का पाप ।  
 अि, ( वि. ) तीन ।  
 अिण, ( वि. ) तीस का तीसवाँ ।  
 अिक, ( न. ) तीन का सपुत्राय । पीठ की इड़ी के नीचे का अदेरा । अिकला । अिकड ( सौंड, मय, अिरण ) ।  
 अिकणुत्, ( पु. ) अिण्ट पर्यंत ।  
 अिकाल, ( न. ) दृष्ट । अिण्णत् । अनेमान ।  
 अिकालक, ( पु. ) नवोपित्री । शरंश । सब बुद्ध करने वाला ।  
 अिकूट, ( पु. ) सड़ा अिल परंत पर बनी हुई है वह दरंश पर्यंत ।  
 अिकोण, ( वि. ) अिणुन । एव से अरी की वीचकी अणुन ।  
 अिकर्त, ( पु. ) तीन अंडे । देशअिणेन । उस देश के रहने वाले ।  
 अिगुण, ( न. ) एक, एक और एक ।  
 अिगुणाहत, ( वि. ) अिदमा लंबा अका का जे ग अका लेंद अदि ।  
 अिगुणाहतक, ( वि. ) अिदमा, अिदमा, अिदमा ( न. ) अणु न । अणु न । अणु न ।

अिजटा, ( की. ) एक गधरी ।  
 अितय, ( न. ) तीन अणुओं का अणुह । तीन ।  
 अिदृष्ट, ( न. ) अणुनसिधो का अिद ।  
 अिदृष्टी, ( पु. ) अणुनसिधो ।  
 अिदृष्ट, ( पु. ) देवता ।  
 अिदृष्टाधिय, ( पु. ) अणुनसिधो । अिदृष्ट ।  
 अिदृष्टालय, ( पु. ) देवता के रहने का स्थान । अणु ।  
 अिदिय, ( पु. ) अणुनसिधो । अणुन ।  
 अिदोष, ( पु. ) अणुनसिधो की अणुनसिधो, अणुनसिधो अणुनसिधो तीनों में अणुनसिधो अणुनसिधो ।  
 अिधा, ( ध. ) तीन तरह । तीन अणुनसिधो ।  
 अिधामा, ( पु. ) अणुनसिधो । अणुनसिधो । अणुनसिधो ।  
 अिनयन, ( पु. ) अणुनसिधो ( वि. ) तीन अणुनसिधो । ( की. ) अणुनसिधो । अणुनसिधो ।  
 अिनैत्र, ( पु. ) अणुनसिधो ।  
 अिपधारा, ( की. ) अणुनसिधो । अणुनसिधो अणुनसिधो अणुनसिधो ।  
 अिपदी, ( की. ) अणुनसिधो । एक वेदिक अणुनसिधो । अणुनसिधो के अणुनसिधो अणुनसिधो । अणुनसिधो । अणुनसिधो ।  
 अिपर्ण, ( पु. ) अणुनसिधो । अणुनसिधो ।  
 अिप्राण, ( पु. ) अणुनसिधो । अणुनसिधो ।  
 अिपुट, ( पु. ) अणुनसिधो । अणुनसिधो । अणुनसिधो । अणुनसिधो । अणुनसिधो ।  
 अिपुण्ड, ( न. ) अणुनसिधो के अणुनसिधो अणुनसिधो । अणुनसिधो । अणुनसिधो ।  
 अिपुण्ड, ( पु. ) अणुनसिधो । अणुनसिधो के अणुनसिधो अणुनसिधो के अणुनसिधो अणुनसिधो के अणुनसिधो । अणुनसिधो । अणुनसिधो ।  
 अिपुण्डरीकी, ( की. ) अणुनसिधो ।  
 अिपुण्डरि, ( पु. ) अणुनसिधो ।  
 अिपुण्डर, ( पु. ) अणुनसिधो का अणुनसिधो ।

त्रिकरता, ( स्त्री. ) दण्ड, बदेश, शक्ति ।  
 त्रिभंगी, ( स्त्री. ) एक प्रकार का मातालय ।  
 त्रिभुज, ( न. ) तीन कोने वाला क्षेत्र ।  
 त्रिभुवन, ( न. ) स्वर्ग, पृथ्वी, पाताल—ये  
 तीनों लोक ।  
 त्रिमयु, ( न. ) धी, मिथी, राद ।  
 त्रिमार्गगा, ( स्त्री. ) गंगा । घाकरा, पृथ्वी  
 और पाताल तीनों रास्तों से जाने वाली ।  
 त्रिमूर्ति, ( पु. ) ब्रह्मा, विष्णु, शिव ।  
 त्रियामा, ( स्त्री. ) रात । हस्ती । नील ।  
 यमुना ।  
 त्रियुग, ( पु. ) पशुपत ।  
 त्रिगण, ( न. ) तीन राते ।  
 त्रिरक्त, ( न. ) तीन बार बह कर प्रतिशा  
 काल ।  
 त्रिरत्न, ( पुं. ) रात । ( वि. ) तीन  
 रत्न का भा ।  
 त्रिलोकी, ( स्त्री. ) तीनों लोक । त्रिभुवन ।  
 त्रिलोकेश, ( पुं. ) विष्णु । शिव । पूर्ण ।  
 त्रिलोकेश, ( पुं. ) शिव ।  
 त्रियुग, ( पुं. ) धर्म, धर्म, काम । सत्य, राज, तम ।  
 आयु, धर्म और ब्रह्मी ।  
 त्रिविध, ( पुं. ) ब्रह्मण्य का नाम से रूप  
 ब्रह्मण्य के त्रिविध । तीनों लोक नाम  
 कर भी एक पद कर इन से त्रिविध  
 रूप हुआ ।  
 त्रिविध, ( वि. ) तीन तरह का  
 त्रिविध, ( न. ) लय ।  
 त्रिविध, ( पुं. ) ब्रह्म, इन्द्र, अश्विन ।  
 त्रिविध, ( स्त्री. ) ब्रह्मण्य से त्रिविध यथा त्रिविध  
 का नाम का त्रिविध ।  
 त्रिविध, ( पुं. ) लय का नाम ।  
 त्रिविध, ( पुं. ) एक त्रिविध नाम । ( वि. )  
 लय, त्रिविध । त्रिविध ।  
 त्रिविध, ( पुं. ) एक त्रिविध । त्रिविध ।  
 त्रिविध, ( पुं. ) एक त्रिविध । ( वि. )  
 लय का नाम ।

त्रिशिरा, ( पुं. ) बुधरा । कुबेर । राक्षस  
 विशेष ।  
 त्रिशूल, ( न. ) तीन नोकों वाला अस्त्र ।  
 त्रिशूली, ( पुं. ) शिव ।  
 त्रिष्टुप्, ( स्त्री. ) एक वैदिक छंद ।  
 त्रिसन्ध्या ( स्त्री. ) सवेरे, दोपहर और रात ।  
 त्रिसयन, ( न. ) पिच्छल ।  
 त्रिहायणी, ( स्त्री. ) तीन बरस की गज ।  
 शीपरी ।  
 त्रुष्टि, ( स्त्री. ) लेरा । संराय । त्रिनी देर में  
 भांत भरकनी है उतना समय । कपी ।  
 शानि । गहरी ।  
 त्रुष्टि, ( वि. ) दूरा हुआ ।  
 त्रिता, ( स्त्री. ) सत्ययुग के बाद का ( दूसरा )  
 युग ।  
 त्रिधा, ( अ. ) तीन तरह । तीन रूप ।  
 त्रिगुण्य, ( न. ) समार । तीन ( सत्य, राज,  
 तम ) गुण ।  
 त्रिमासिक, ( वि. ) तीन महीने का ।  
 त्रिराशिक, ( न. ) गणित विशेष ।  
 त्रिलोक्य, ( न. ) त्रिलोकी ।  
 त्रियुगिक, ( वि. ) त्रिगुण । ब्रह्मण्य, अश्विन या  
 ब्रह्मण्य का ।  
 त्र्यक्ष, ( पुं. ) तीन नाम । शिव ।  
 त्र्यक्षर, ( पुं. ) ब्रह्मण्य ।  
 त्र्यक्षर, ( न. ) तीन अक्षर की मात्र ।  
 त्र्यक्षर, ( पुं. ) शिव । त्रिनेत्र । त्रिभोवन ।  
 त्र्यक्षरकामाक्षा, ( पुं. ) शिव का शिव ।  
 पुत्र ।  
 त्र्यक्षरकामाक्षा, ( पुं. ) वह दिन जिसमें तीन  
 शिवों का समीप हो जाय ।  
 त्र्यक्ष ( स्त्री. ) लय । लय ।  
 त्र्यक्षर, ( पुं. ) लय । नेत्रण्य । लय-  
 कीती । लय । ( वि. ) त्रिनेत्र के लय  
 का नाम । लय का नाम । लय । लय ।  
 त्र्यक्षरकामाक्षा, ( पुं. ) लय ।  
 त्र्यक्षर, ( स्त्री. ) लय । लय ।  
 त्र्यक्षर, ( वि. ) लय । लय ।

स्वच्छिन्न, ( वि. ) दुग्धारे ऐसा ।  
 स्वरा, ( स्त्री. ) जल्दी । दुर्गा । शीघ्रता ।  
 स्वष्टा, ( प्र. ) निश्चयार्थ । १२ आदित्यो में  
 से एक आदित्य । बर्द्ध । विना नक्षत्र ।  
 स्वच्छ, ( वि. ) शुद्धता ऐसा ।  
 स्वाम्, ( प्र. ) निश्चयार्थ का पुत्र । स्वाम्य ।  
 स्विय, ( स्त्री. ) शोभा । शक्ति । धकार ।  
 स्वियर्थापति, ( प्र. ) सुवर्द्ध ।  
 स्वयं, ( प्र. ) स्वकार की मूत्र । कर्म ।  
 स्वयंकर, ( वि. ) स्वकार पर करने या चलाने  
 में शत्रु ।

थ

थ, ( प्र. ) पदाथ । बचाने वाला । रोगभेद ।  
 भयविह । भयण । ( न. ) मंगल ।  
 साहस ।  
 थुत्कार, ( प्र. ) चुकी का शब्द ।  
 थुथु, ( थ. ) निन्दापूरक शब्द ।  
 थैथै, ( थ. ) नाथ के समान मुद्रण के बोल ।

द

द, ( प्र. ) यह समाप्त के पीछे आता है ।  
 देना । उत्पन्न करना । काटना । मर  
 करना । पुण्य करना । भेट । पदाथ ।  
 ( स्त्री. ) माथ्या । गयी । परधानप ।  
 दंष्ट, ( वि. ) बतना । बारना । दृष्ट  
 मानना ।  
 दंष्ट, ( प्र. ) बर्द्धनीयवती । बर्द्ध । द्रव भाग ।  
 दंष्ट ( दंष्ट्र का ) । दंष्ट्र । बरब । यह ।  
 दंष्ट्रम, ( म. ) बतना । दृष्ट धारणा । बरब  
 पड़ने हुए ।  
 दंष्ट्रित, ( वि. ) बरब पड़ने हुए ।  
 दंष्ट्रित, ( प्र. ) दंष्ट्रिकारक ।  
 दंष्ट्रा, ( स्त्री. ) दाह ।  
 दंष्ट्रिक, ( प्र. ) दंष्ट्र । दंष्ट्र । दृष्टा का  
 दाह करना ।  
 दंष्ट्रि, ( म. ) दंष्ट्र । दंष्ट्रि " दंष्ट्रि " ।

दक्ष, ( वि. ) उगता । बढ़ना । बढ़ना ।  
 श्रेष्ठिल करना ।  
 दक्ष, ( वि. ) निपुण । पट । कारेपुशल ।  
 " माथ्ये च दक्षायम् " ।  
 दक्षकन्या, ( स्त्री. ) श्रुती । दक्ष प्रजापति की  
 कन्या । अश्विनी आदि नक्षत्र ।  
 दक्षिण, ( प्र. ) नावदक्षिण । मध्य देग के  
 दक्षिण वाला देश । शरीर का दक्षिण  
 भाग । सरल । दूरे की इच्छानुसार चलने  
 वाली । उत्तर स्वभाव ।  
 दक्षिणतर, ( अम्य. ) दक्षिण दिशा का  
 देश ।  
 दक्षिणपूर्वा, ( स्त्री. ) अग्निदेव ।  
 दक्षिणमार्ग, ( प्र. ) विदुमार्ग । मार्ग जिससे  
 निरुलोक में जाय जाता है । तब का  
 विधानविशेष ।  
 दक्षिणरथ, ( प्र. ) स्वयं । नाविक ।  
 दक्षिणा, ( स्त्री. ) दयाकार की दिशा । दक्षिण  
 में बर्द्धनप्राप्ति के कर्म दिया जाने वाला  
 द्रव्य । दक्षिणी । श्रुति । दक्षिण प्रजापति  
 की कन्या ।  
 दक्षिणाग्नि, ( प्र. ) बर्द्धनीय अग्निभेद ।  
 दक्षिणाचार, ( प्र. ) आचारविशेष ।  
 दक्षिणात्, ( अम्य. ) दक्षिण से ।  
 दक्षिणापथ, ( प्र. ) कन्या । दक्षिण दिशा  
 का देश । दक्षिणी ओर का मार्ग ।  
 दक्षिणामूर्ति, ( प्र. ) शिव की दक्षिण  
 दिशि ।  
 दक्षिणाद्य, ( म. ) बर्द्धनीय के दक्षिण  
 शक्ति बर्द्धन कर सुवर्द्ध करने हेतु सुवर्द्ध का  
 ओर करण करना है, इसे दक्षिणाद्य  
 कहते हैं । इस करण से सुवर्द्ध व. अन्य  
 होते हैं ।  
 दक्षिणाकर्मा, ( वि. ) दक्षिणी का दक्षिण ।  
 दक्षिण, ( वि. ) दक्षिण के दक्ष ।  
 दक्ष, ( वि. ) दक्षिण दिशा । दक्षिण  
 दृष्टा ।



दम्, ( कि. ) मारना । विनष्ट करना ।  
 दण्ड, ( न. ) लाठी । डण्डा । घोडा । सेना ।  
 साठ पल का काष्ठविशेष । मृगि का मार  
 विशेष । सूर्य का अनुचर । राजाओं की  
 बीबी नीति ।  
 दण्डका, ( स्त्री. ) दण्डक वन के अन्तर्गत जन-  
 स्थान नामक स्थानविशेष ।  
 दण्डकारण्य, ( न. ) दण्डक नामक राजा  
 का देश जो शुक के शाप से वन हो गया  
 था । तीर्थविशेष ।  
 दण्डधर, ( पु. ) यमराज । राजा । कुम्हार ।  
 दण्डनायक, ( पु. ) कोतवाल । सिपाही ।  
 दण्डनीति, ( स्त्री. ) नीतिविशेष । कौनदारी  
 की धार्मिक ।  
 दण्डपारुष्य, ( न. ) स्मृतिव्यति भङ्गारह  
 प्रकार के भङ्गों में से एक । राजाओं का  
 दुर्व्यसनविशेष ।  
 दण्डयत्, ( पु. ) दण्ड से जाने वाला । नदी  
 सेना वाला । दण्ड की तरह सतर लडा  
 होने वाला । पसर कर प्रणाम करने  
 वाला ।  
 दण्डादण्ड, ( शब्. ) लाठमलाठी ।  
 दण्डाहत, ( न. ) माठा । तक । ब्राह्म ।  
 दण्डन्, ( पुं. ) राजा । यमराज । दारपाल ।  
 सूर्य के पास निचरने वाला । सन्यासी ।  
 धर्मि आश्रम वाला । कविविशेष ।  
 दण्ड, ( वि. ) दिया गया । रखा गया ।  
 छोडा गया । नारह प्रकार के पुत्रों में से  
 एक । वैश्य की उपाधिविशेष । दत्तात्रेयी  
 नामक भगवद्देवताविशेष ।  
 दण्डप्रदानिक, ( न. ) दी हुई वस्तु को पुनः  
 ले लेने का भङ्गना । नारदकथित व्यव-  
 हारभेद ।  
 दण्डमन्, ( पु. ) पुत्रविशेष ।  
 दण्डिम, ( वि. ) दत्तक पुत्र । गोद आया  
 लवका ।  
 दण्ड, ( कि. ) देना । धारण बंधाना ।

दण्ड, ( पुं. ) दाद रोग । कण्ठ्या ।  
 दण्डम, ( पुं. ) दाद को दूर करने वाली  
 दवा ।  
 दण्डग, ( वि. ) दाद का रोगी ।  
 दण्ड, ( पुं. ) दाद ।  
 दण्ड, ( कि. ) देना । धारण करना ।  
 दधि, ( न. ) दही । एक प्रकार का दूध  
 का निष्कार ।  
 दधिकूर्चिका, ( स्त्री. ) गर्म दूध में लडा  
 दही काण्ड को एक पदार्थ नैयारा किया  
 जाता है ।  
 दधिसार, ( पुं. ) दही का सार । मन्थन ।  
 दधीचि, ( पुं. ) अर्धमृगि का भीतम पुत्र ।  
 पुनि जिसकी हड्डी से वृष दैत्य के मारने  
 को बन्ना बनाया गया था ।  
 दण्ड, ( स्त्री. ) करयवपत्नी । दण्ड प्रजापति की  
 कन्या । दानव माता । राक्षसमाता ।  
 दैत्यमाता ।  
 दण्डज, ( पुं. ) अष्ट । दैत्य ।  
 दण्डन्त, ( पुं. ) दाँत ।  
 दण्डक, ( वि. ) दाँतों में लगा हुआ ।  
 नागदन्त ।  
 दण्डकाष्ठ, ( न. ) दन्तवन । सुखारी । दन्त-  
 धावन ।  
 दण्डच्छुद, ( पुं. ) होंठ ।  
 दण्डधावन, ( पुं. ) सखिर और बकुल का  
 पेड़ । दलौन । दन्तवन ।  
 दण्डपत्रक, ( न. ) दाँत की तरह जिसके  
 सफेद पत्र हों । कुन्दपुष्प । कुन्द का फूल ।  
 दण्डपत्रक, ( पुं. ) बड़े बड़े दाँतों वाला । श्रीकृष्ण  
 जी का विशेषी राजाविशेष ।  
 दण्डपीजक, ( पुं. ) अनार । दाडिम ।  
 दण्डालिका, ( स्त्री. ) लगाम ।  
 दण्डायल, ( पुं. ) हाथी ।  
 दण्डित्, ( पुं. ) दाँतों वाला । हाथी ।  
 दण्डुर, ( वि. ) ऊँचे दाँत वाला । नीची  
 ऊँची जगह ।

; (वि.) दौनों की सहायता से बोले जाने वाले अक्षर । दौनों के लिये द्विगुण ।  
 दूक, (पुं.) सौं ।  
 ; (कि.) चोटिल करना । बलना । भीला देना ।  
 (घ.) षोडश । षोडश । (पु.) सप्तदश ।  
 (कि.) अधीन करना । अपने वश में करना ।  
 (पु.) बाहिर की वृत्तियों का रोकना दम कहलाता है । बुरे कामों से मन को रोकना । रोकना ।  
 रोष, (पु.) शिशुपाय का पिता । अश्वत्थामा एक राजा ।  
 दमयन्ती, (स्त्री.) नल राजा की पत्नी । दमघोष की लकड़ी । भरमलिका ।  
 दमित, (वि.) रोकने वाला । सहने वाला । ईन्द्रियों की वृत्तियों को अपने वश में करने वाला ।  
 दमु मू, (पु.) अभि । शुकाचार्य ।  
 दम्पती, (स्त्री.) पति पत्नी । जीवा ।  
 दम्भ, (पुं.) कपट । बल । धूर्तता । पाप । अभिमान । दम्भ ।  
 दम्भोलि, (स्त्री.) दम्भ नाम अक्ष । एक प्रकार का इक्षियार । षोडश की बटलायक सुखाविशेष ।  
 दम्भ्य, (पुं.) दम्भक । बोझा उठाने योग्य । दम्भ्या । बल । दम्भ करने योग्य ।  
 दम्, (कि.) जाना । जानना । देना । पालन करना ।  
 दया, (स्त्री.) कृपा । बिही को दूधो देल कर उसका दुःख दूर करने की कृपा ।  
 दयालु, (वि.) दया वाला । कृपापु ।  
 दयित, (पुं.) कृपे । प्यासा ।  
 दय, (अव्य.) दाने । दान । दान ।

दरकाण्डिका, (स्त्री.) शनावरी ।  
 दरदु, (स्त्री.) अलसपात । दर । पहाड़ । राधा । हृदय । श्लेष्मजानिभेद । लस जाति ।  
 दरिद्र, (पुं.) निर्धन । धनरहित । दीन ।  
 दरिद्रा, (कि.) बुरी दशा को प्राप्त होना । घटीय होना ।  
 दरुंर, (पुं.) बादल । वैशक । राजा विशेष । पहाड़ । मिट्टी का पात्रविशेष । एक प्रकार के बादल ।  
 दर्दु, (स्त्री.) रोगभेद । एक प्रकार की बीमारी ।  
 दर्प, (पुं.) पहाड़ । गर्व । अभिमान । समरथ । असात्व । दिन विशेष । जल ।  
 दर्पक, (पुं.) अभिमान उत्पन्न करने वाला । वाग्देव ।  
 दर्पण, (पुं.) पहाड़ । आदरी । आर्षणा । एक पर्वत का नाम ।  
 दर्भ, (पुं.) बुरा आदि जः प्रकार की घास ।  
 दर्भर, (स.) मित्र का समत ।  
 दर्ब, (पुं.) दिग्ग । शैतान । लर्ब का जन ।  
 दर्बर, (पुं) शैव का चौबीस । पुण्डित का कचलर । डारवाल ।  
 दर्बरीक, (पुं.) इन्द्र की कपटि । एक प्रकार का राजा । बाबु । पवन ।  
 दर्बिक-का, (स्त्री.) कन्दी । कन्दका । बंधक ।  
 दर्बी-बिं, (स्त्री.) कन्दी । कन्दका । लं का देला हुआ पत्र ।  
 दर्बीकर, (पुं) लं । लर्ब ।  
 दर्श, (पुं.) असात्व । दिग्ग । असात्व ।  
 " दर्शपूर्वकालात् दर्शेण " इति  
 देलना । ईशने दलना ।  
 दर्शक, (पुं.) कहे हुए को बोलना का दर्शक करने वाला ।

- दर्शन, ( न. ) शक्ति । स्वप्न । बुद्धि । धर्म ।  
शीशा । शास्त्रविशेष ।
- दर्शनीय, ( वि. ) देखने योग्य । मनोहर ।
- दर्शयित्, ( वि. ) द्वाखाल । दरवान ।
- दल, ( कि. ) फूट जाना । बीच से फट जाना ।  
द्वार होना ।
- दल, ( न. ) टुकड़ा । मियान । पत्ता ।  
बादल । तमाल वृक्ष । धाधा । अन्न की  
धार । सेना का भाग । मिलावट ।
- दलप, ( पु. ) धन्न । सुवर्ण ।
- दल्म, ( पु. ) परिषा । धल । जाल । कण्ट ।
- दल्मि, ( पुं. ) इन्द्र की उपाधि । वज्र ।
- दलिक, ( पु. ) लकड़ी का टुकड़ा । राहतीर ।  
तस्ला ।
- दलित, ( वि. ) तोड़ा गया । टूटा हुआ ।  
तडा हुआ । कुचला हुआ । कंधा हुआ ।  
प्रकटित । प्रकट ।
- द्व, ( कि. ) जाना ।
- द्व, ( पुं. ) वन । जहल । वन की भाग ।  
गर्मी । उर । पीड़ा ।
- द्वधु, ( पु. ) गर्मी । अग्नि । पीड़ा ।  
विन्ना । कष्ट । शक्ति की गूहन ।
- द्वधग्नि, ( पु. ) वन की भाग । दावानल ।
- द्वधियु, ( वि. ) बहुत दूर ।
- द्वध, ( कि. ) समकना । समना । काटना ।
- द्वधक, ( न. ) दम की लकड़ा ।
- द्वधकण्ड, ( पु. ) रावण । दशकण्ड वाला ।
- द्वधन्, ( पु. ) दमो का समूह ।
- द्वधधा, ( अज्य. ) दम प्रकार का ।
- द्वधन्, ( पु. ) दाँव । शिपर । कवच । ( कि. )  
कमना । दाँव से काटना ।
- द्वधधर्म, ( न. ) दम प्रकार के सत्कार ।
- द्वधधुजा, ( श्री. ) दुर्गा देवी ।
- द्वधध, ( वि. ) दमती ।
- द्वधधित्, ( वि. ) बहुत दूर ।
- द्वधधी, ( श्री. ) दमती विधि । कावेरि की  
दक्षिण तीर । बहुत दूरी उर ।
- दशमीस्थ, ( वि. ) अति वृद्ध । बहुत बड़ा ।  
स्मृतिहीन ।
- दशमूल, ( न. ) दम प्रकार की जड़ों का  
बना काड़ा या बूर्ण ।
- दशरथ, ( पु. ) जिसका रथ दमों दिशाओं  
में घूम फिर आया हो । मूर्धेश्वरी एक  
राना जिनके प्रसिद्ध पुत्र श्रीरावचन्द्र जी थे ।
- दशहरा, ( श्री. ) जो दस जन्म के अति  
पापों को नष्ट करे । गङ्गा का जन्मदिन ।  
जेठ मास की शुक्ल दशमी । विनया  
दशमी कुम्भार और चित्र के शुक्र पक्ष की  
दशमी ।
- दशा, ( श्री. ) अवस्था । शौचल । जतनी ।  
बाधावस्था । वृद्धावस्था । ज्योतिष में  
ग्रह और योगिनी की दशा ।
- दशाकार्य, ( पु. ) दीना । शौचल ।
- दशार्ण, ( पु. ) देशविशेष । एक नदी का  
नाम ।
- दशार्ह, ( पुं. ) राजा यदु का देश । उस देश  
के रहने वाले ।
- दशाघतार, ( पु. ) दम अतए कांठा ।  
निष्णु ।
- दशाश्व, ( पु. ) दस घोड़ों के रथ वाणा ।  
चक्रपा ।
- दशाश्वमेधिक, ( पु. ) जहाँ मन्ना ने दस  
अश्वमे । यज्ञ किये हैं । कारी वा प्रवास  
में स्थानविशेष ।
- दशाह, ( पु. ) दस दिन । दसही दिन ।
- दशोभयन, ( पु. ) दीपक, विभाव ।
- दष्ट, ( वि. ) काटा गया । कटा गया ।
- दक्षु, ( पु. ) शौर । शत्रु । बड़ा महर्षि ।
- दक्ष, ( पु. ) गथा । अश्विनीकुमार ।
- दक्ष, ( पु. ) अश्वि । बरेषा । कपुतर ।
- दक्ष, ( पु. ) मन्ना । अर्द्धी भोजना गथाने की  
विधा । अर्द्ध । मन्म । दक्ष ।
- दक्ष, ( पु. ) दावानल । दक्ष के शीश का  
अभि ।

दा. ( कि. ) दान ।  
 दाक, ( पु. ) दानपाल । दाना ।  
 दाशाघरी, ( स्त्री. ) स्त्री । शिव की स्त्री ।  
 दाशाघ्य, ( पु. ) पित्र ।  
 दाशिणाथ, ( वि. ) दक्षिण । दक्षिण  
 दिशा वा । नाथिपण ।  
 दाशिण्य, ( न. ) अत्रुलता ।  
 दाशी, ( स्त्री. ) व्याकरणाचार्य पाणिनि की  
 माता ।

दाश्य, ( न. ) दयता । निपुणता ।  
 दाघ, ( पु. ) घाम । उष्णता ।  
 दाङ्क, ( पु. ) दण्ड ।  
 दाङ्गिम, ( पु. ) अनाद । शलाघर्षी ।  
 दाङ्गिम्य, ( पु. ) अनाद ।

दाङ्गा, ( स्त्री. ) दान । अभिलाषा । समृद्धि ।  
 दाण्डा, ( स्त्री. ) पटेशकी वा लेल ।  
 दात, ( वि. ) दन्त । शुद्ध । साक ।  
 दाता, ( वि. ) दानी । देने वाला ।  
 दाल्यूद, ( पु. ) धानक । जलकाय । मेष ।  
 दाम, ( न. ) उल्हाड़ी । चारी ।  
 दान, ( न. ) हाथी का मदनल । पातन ।  
 देना । सगाई ।

दानक, ( न. ) निन्दित दान ।  
 दानपति, ( पु. ) अक्षर । सदा देने वाला ।  
 दानय, ( पु. ) अक्षर ।

दानयारि, ( पु. ) देवता लोग । इन्द्र । विष्णु ।  
 दानशील, ( वि. ) सामाजिक दानी ।  
 दानशील्य, ( वि. ) दानकर । उदार ।  
 दान्त, ( वि. ) निवेश्य ।  
 दापित, ( वि. ) दिलाया गया । दक्षिण ।  
 करा किया गया ।

दाम, ( स्त्री. न. ) रस्सी । माला । लक्ष ।  
 दामिनी, ( स्त्री. ) निजली ।  
 दामोदर, ( पु. ) श्रीकृष्ण ।  
 दाम्भिक, ( वि. ) फालगुनी ।  
 दाम्य, ( पु. ) देहेन । बाप दादे की सम्पत्ति ।  
 विरासा । बेटने की जायदाद ।

दायभाग, ( पु. ) बाप दादे की सम्पत्ति  
 विरासा बेट ।

दायाद, ( पु. ) पुत्र । सगेव । सम्बन्धी ।  
 दारक, ( पु. ) बालक । पुत्र । शर ।  
 दारकर्म, ( न. ) विवाह ।  
 दारण, ( न. ) धारणा ।  
 दारद, ( पु. ) शिव । पारा । इगि । समुद्र ।  
 दार, ( नित्य पुं. ) स्त्री । भाषी ।  
 दारिका, ( स्त्री. ) बालिका ।  
 दारिद्र्य, ( न. ) दरिद्रता । पारीनी ।  
 दारी, ( स्त्री. ) बेवोई ।  
 दारु, ( न. ) धातल । लकड़ी । देवदारु ।  
 कारीगर ।

दायक, ( पु. ) शून्य का सारथी ।  
 दारका, ( स्त्री. ) अठुलती ।  
 दायण, ( वि. ) मदानक । पौर ।  
 दायसाट, ( न. ) अन्दन । लकड़ी के भीतर  
 का सार पूर्व । डुरादा ।  
 दायसिता, ( स्त्री. ) दालधीनी ।  
 दार्डुर, ( न. ) दक्षिणावर्त शाल ।  
 दार्यट, ( न. ) लछाई करने का स्थान ।  
 कषरुटे ।

दायण्ड, ( पु. ) मूर ।  
 दार्याघाट, ( पु. ) अठकोरा पथी ।  
 दार्या, ( स्त्री. ) लकड़ी की ।  
 दाल, ( पु. ) कोरी । मधुनिरोध ।  
 दाल्भ्य, ( पु. ) एक धुनि ।

दाय, ( पु. ) जंगल की भाग । वन ।  
 दायानल, ( पुं. ) दान । वन में लगी हुई  
 भाग । दवाक ।

दाय, ( पु. ) धातल । मन्त्राह ।  
 दायरथ-धि, ( पुं. ) दाररथ के पुत्र  
 भीरामचन्द्र, सप्तमण, भरत और शत्रुघ्न ।  
 दायार्ह, ( पु. ) श्रीकृष्ण । विष्णु ।  
 दायर्या, ( स्त्री. ) वेदग्यात की माता ।  
 दायोरक, ( पु. ) मालवा देश ।  
 दाय, ( पु. ) दान ।



द्विच्य, ( न. ) लज्ज । शब्द । क्रम ।  
 ( प. ) पण । जन । ( रि. ) अद्भुत ।  
 अलौकिक । मनोहर । सुन्दर ।  
 द्विच्यवती, ( स्त्री. ) अन्तरा । सुन्दर स्त्री ।  
 दिव्या, ( स्त्री. ) शोभा । सत्कार । माला ।  
 मञ्जु । सु । सु ।  
 दिशा, ( स्त्री. ) पूर्वे आदि चार दिशाएँ ।  
 दिष्ट, ( न. ) भाग्य । मभय ।  
 दिष्टान्त, ( प. ) मरण ।  
 दिष्ट्या, ( घ. ) हर्ष । मंगल । बड़े  
 भाग्य से ।  
 दिष्णु, ( रि. ) दाता ।  
 दीक्षा, ( स्त्री. ) नियम । मन्त्र लेना ।  
 संस्कार ।  
 दीक्षाशुक्र, ( पु. ) मन्त्रोपदेश करने वाला  
 शुक्र ।  
 दीक्षित, ( रि. ) दीक्षा ले चुका ।  
 दीक्षिति, ( स्त्री. ) निष्ण ।  
 दीन, ( रि. ) दुर्गति को प्राप्त । दरिद्र । बरा  
 हुआ । शोचनीय ।  
 दीनाद, ( प. ) सोने का मटना । सोने का  
 शिवा ( मोहर ) । बर रनी सोना ।  
 दीप, ( पु. ) दीया । विद्या ।  
 दीपक, ( पु. ) दीया । एक राग । वाद्य का  
 एक चर्चलकार । वाज्य पर्वी । कुंडुम ।  
 एक लम्ब ।  
 दीपकूपी, ( स्त्री. ) पत्नी ।  
 दीपध्वज, ( पुं. ) बानल ।  
 दीपन, ( पु. ) प्यान । तगर की जड़ ।  
 केसर । मेथी ।  
 दीपमालिका, ( स्त्री. ) दीपादी । दीपों को  
 माला ।  
 दीम, ( पु. ) मिह । मीठ । ( न. ) धातु ।  
 हीम । ( रि. ) प्रशस्त ।  
 दीपमिह, ( स्त्री. ) स्पर्शी ।  
 दीपमूर्च्छन, ( पु. ) किलार ।  
 दीपमग्नि, ( पुं. ) अगस्त्य मुनि ।

दीप्ति, ( स्त्री. ) प्रभा । शान्ति । चमक ।  
 दीप्यमान, ( रि. ) प्रकाशमान । चमक रहा ।  
 दीप्यमान, ( रि. ) दिया जा रहा ।  
 दीर्घ, ( पु. ) ऊँट । दो माता का प्यार ।  
 ( रि. ) लम्बा ।  
 दीर्घकण्ठक, ( पुं. ) बबूल ।  
 दीर्घकण्ठ, ( पु. ) बगला ।  
 दीर्घकन्द, ( पु. ) मूली ।  
 दीर्घकेश, ( पु. ) भाग्य । शिव ।  
 दीर्घमन्थि, ( पु. ) ईश । यन्त्र ।  
 दीर्घजिह्व, ( पु. ) सर्प ।  
 दीर्घतल, ( पुं. ) ताक का दृष्ट ।  
 दीर्घदर्शी, ( पु. ) परिष्कृत । दूरदर्शी । दूर-  
 चक्षुः । विद्व । भाग्य ।  
 दीर्घनाद, ( पु. ) शर ।  
 दीर्घनिद्रा, ( स्त्री. ) मरण ।  
 दीर्घपल्लव, ( पुं. ) लन का पेड़ ।  
 दीर्घपादप, ( पु. ) लंबा पेड़ । लन का  
 पेड़ । श्यामी का पेड़ ।  
 दीर्घफल, ( स्त्री. ) काली दास ।  
 दीर्घरागा, ( स्त्री. ) इल्दी ।  
 दीर्घस्तत्र, ( न. ) पल्लिरोष । बहुत दिनों  
 से होने वाला यज्ञ ।  
 दीर्घसूत्र, { ( पु. ) शिलंग । किसी काम  
 दीर्घसूत्री, } में बहुत देर लगने वाला ।  
 दीर्घसु, ( पुं. ) मार्कण्डेय ऋषि । ( रि. )  
 विरजोती । बड़ी उमर वाला ।  
 दीर्घिका, ( स्त्री. ) शारली ।  
 दीर्घिमा, ( स्त्री. ) लम्बा ।  
 दीर्घी, ( रि. ) बड़ा हुआ । बग हुआ ।  
 दुःख, ( न. ) पीड़ा । बड़ । लक्ष्मी ।  
 दुःखमाम, ( पु. ) समार ।  
 दुःखमय, ( न. ) आनन्दविह्वल । आनन्दी  
 निक सी। आनन्दिक सञ्जक मीन ।  
 दुःखायमान, ( न. ) दुःख का यज्ञ ।  
 दुःखित, { ( रि. ) दुःख । दुःख का हुआ ।  
 दुःखी, }

दुःशकुन, (न.) अशकुन ।  
 दुःशासन, (पुं.) इर्योवन का बोटा भाई ।  
 धनगह्व का सङ्का ।  
 दुःशील, (वि.) बुरे स्वभाव का । बन्ध-  
 नियाज ।  
 दुःसह, (वि.) अशुभ ।  
 दुःसाक्षा, (वि.) बुरा गवाह । बुरा  
 गवाह ।  
 दुःसार्धी, (पुं.) द्वारपात्र ।  
 दुःसाध्य, (वि.) कष्टसाध्य । कठिनार्थ से  
 होने कला ।  
 दुःस्थ, } (वि.) दुर्गति में पड़ा  
 दुःस्थित, } दुःखा । दीन । मूर्ख ।  
 दुःस्पर्श, (वि.) जो छुना न जा सके ।  
 दुःकूल, (न.) महीन कपड़ा । रोखी बस्त्र ।  
 दुग्दा । चिकना बस्त्र ।  
 दुग्ध, (न.) दूध । अमृत । (वि.) इहा  
 गया ।  
 दुग्धेरुन, (पुं.) दूध का फेना । म्हाग ।  
 दुग्धिष्ठा, (स्त्री.) दूधी नाम की घास ।  
 दुन्दुभि, (पुं.) नगाडा । एक राक्षस । विष ।  
 (स्त्री.) पोंते ।  
 दुग्धक, (पुं.) दुग्धा भेडा ।  
 दुर्, (घ.) निषेध । दुष्ट । दुःख । निन्दा ।  
 दुर्लभ, (पुं.) कष्ट के पोंते ।  
 दुर्लभिक्रम, } (वि.) इतर । जिसे नोषना  
 दुर्लभ्यय, } या पार जाना कठिन हो ।  
 दुर्लभ्य, (न.) दुर्भाग्य । बदकिस्मती ।  
 दुर्लभगम, (वि.) दुर्लभ से जो मिल सके ।  
 दुर्लभ, (वि.) बुरे काम वाली युवा, मय-  
 पान, गिहार आदि की आदतें । दुर्लभ ।  
 बचई ।  
 दुर्लभह, (पुं.) बुरा इष्ट । व्यर्थ इष्ट ।  
 दुर्लभाप, (पुं.) दुष्ट आचार । बुरा चपन ।  
 दुर्लभा, (वि.) नीच । दुष्ट ।  
 दुर्लभ्य, (वि.) दुर्लभ्य । जिस पर इपडा  
 न जा सके ।

दुर्लभ, (वि.) दुर्लभ ।  
 दुर्लभ, (वि.) जिसे न  
 कठिन हो ।  
 दुर्लभ, (वि.) दुर्लभ । दुर्लभ ।  
 दुर्लभ, (न.) गल ।  
 दुर्लभ, (न.) गल । गल ।  
 दुर्लभ, (वि.) बुरी कठिनता से न  
 जा सके ।  
 दुर्लभ, (न.) दुर्लभ । बँस ।  
 दुर्लभ, (न.) गड । कोटा । दुर्लभ ।  
 दुर्लभ, (वि.) दुर्लभ ।  
 दुर्लभ, (स्त्री.) दुर्लभ । दुर्लभ ।  
 दुर्लभ, (पुं.) बद्रू ।  
 दुर्लभ, (वि.) नहीं जाना कठिन हो ।  
 दुर्लभ, (स्त्री.) देवी ।  
 दुर्लभ्य, (पुं.) सेवारी ।  
 दुर्लभ, (वि.) जिसे न  
 कठिन हो ।  
 दुर्लभ, (वि.) दुष्ट । बुरा कान्ति ।  
 दुर्लभ, (वि.) जिसे नोषना  
 दुर्लभ, (वि.) जो कठिन प्रश्न हैं ।  
 दुर्लभ, (न.) सङ्कट । कष्ट ।  
 दुर्लभ, (पुं.) बुरे कष्ट से निर्यात  
 वाला ।  
 दुर्लभ, (पुं.) ऊपरी । ऊपरी ।  
 दुर्लभ, (न.) बदली का दिन ।  
 दुर्लभ, (पुं.) विन्दु । (वि.) जिसे  
 करना या पकड़ लेना कठिन हो ।  
 दुर्लभ, (वि.) जिसका निरकार न हो  
 जो पकड़ा न जा सके ।  
 दुर्लभ, (न.) बदनामी ।  
 दुर्लभ, (वि.) दुर्लभ । कष्ट ।  
 दुर्लभ, (वि.) अभावा ।  
 दुर्लभ, (न.) अभावा ।  
 दुर्लभ, (न.) अभावा ।  
 दुर्लभ, (वि.) दुष्ट कठिनता । दुर्लभ ।  
 दुर्लभ, (वि.) दुर्लभ ।

दुर्मर्षण, ( वि. ) बहू रत्ने वाला । न सह सकने वाला ।

दुर्मुख, ( पु. ) घोर । बानर । एक दैत्य । ( वि. ) बुरे मुख वाला । अधिप बचन बोलने वाला ।

दुर्मोघा, ( वि. ) बुद्धि बाला ।

दुर्बोधन, ( पु. ) भ्रष्टाष्ट का बड़ा लड़का ।

दुर्लभ, ( वि. ) दुर्लभ ।

दुर्घण, ( न. ) धात्री । शिरोन । ( वि. ) बुरे रंग वाला । मँला ।

दुर्घाक्, ( गी. ) दुष्ट घापी ।

दुर्घाच्य, ( न. ) गाली आदि न कहने की बातें ।

दुर्घाद, ( पु. ) बदनामी । निन्दा ।

दुर्घामा, ( पु. ) अधिभिषेक ।

दुर्घिनेय, ( वि. ) जो न जाना जा सके ।

दुर्घिध, ( वि. ) दरिद्र । नीच । दुर्भ ।

दुर्घिनीत, ( वि. ) दीड ।

दुर्घिभाच्य, ( वि. ) कथकथ । अधिन्धीय ।

दुर्घुल, ( वि. ) दुर्जन । दुष्ट ।

दुर्हृद्, ( वि. ) दुष्ट हृदय वाला ।

दुर्ल, ( कि. ) उग्र केंचना । लुकाता ।

दुर्लि-ली, ( गी. ) कपटी । माया कथकथ । धुनिरिषेक ।

दुर्धर्मन्, ( पुं. ) बुरे बमड़े वाला । महापात्रक से उत्पन्न चिह्न वाला ।

दुर्धयपन, ( पु. ) इन्द्र । अयन आदि के बंध से एक बार इन्द्र को बधुन होना पड़ा था ।

दुर्ध, ( कि. ) बरत जाना । बर करना ।

दुर्धक, ( न. ) कठिनता में बरने योग्य । आकार ।

दुर्धकर्मन्, ( न. ) पाप । पापी । बुरा बध । बुरे काम करने वाला ।

दुर्धत, ( न. ) पाप । पापी ।

दुर्ध, ( वि. ) नीच । अधम । दुर्जन । बंड । दुर्ल । ( १ ) ( गी. ) धनिवारी की गी ।

दुष्य-(धम) न्त, ( पुं. ) बदबरी एक राजा । भरत राजा का पिता । शत्रुतला का पति ।

दुःष्यम, ( पु. ) बुरा । दूला ।

दुम्, ( उप. ) इसे मत्ता और क्रियाओं के पहले लगाने से उनका अर्थ बुरा, दुष्ट, दुष्ट, नीच, कठिन, कठोर आदि हो जाता करते हैं ।

दुस्तर, ( वि. ) कठिनता में पार होने योग्य ।

दुद्, ( कि. ) दुटना । निर्घोचना । बध करना । मारना ।

दुद्विष्ट, ( गी. ) बेटी । लड़की ।

दुः ( कि. ) दुःखी होना । बध करना ।

दुन, ( पु. ) सिंदूर से जाने वाला ।

दुति-ली, ( गी. ) बुद्धी ।

दुन्य, ( न. ) दुनयना ।

दुन, ( वि. ) मया हुआ । तथा हुआ । दुःखित ।

दुर, ( वि. ) दूर । अगोचर । शीघ्र से बरे ।

दूरसा, ( वि. ) दूर तक फैला हुआ ।

दूर्य, ( पु. ) कथा ।

दूर्यशान, ( पु. ) दूर से देखने वाला । गीध ।

दूरदर्शन, ( पु. ) पवित्र । दूर से देखने वाला ।

दूर्या, ( गी. ) एक प्रकार की गाम जो घोड़ों की मिलाई जाती है । बहुत फैलने वाली । गधेशर्मा की पूजा की प्रधान चार नियमामयी । शत्रुघ्नि करने वाला पात ।

दूर्यण, ( पु. न. ) एक राधन जो रावण की घोड़ी का बंधा था और जनरथान की घोड़ी पर जो रक्षा था । हाथिकारक । दोष ।

दूरिका, ( गी. ) शीघ्र का बंधन ।

दूरित, ( वि. ) बुरा । दोषपूर्ण । निन्दित ।

दूर्य, ( न. ) तन् । बर । दुष्ट देने योग्य । ( गी. ) हाथी की मत्ता बंधी ।

दुः ( कि. ) मारना । आदर करना ।

दुःखन्, ( न. ) दुःख ।





देवशीप, ( ३ ) देव ।  
 देवदेव, ( ३ ) महादेव । शङ्कर ।  
 देवदत्त, ( ३ ) पाँगा । पारा का रत्न चमक ।  
 श्रुति । स्वयंभूत । कृपा । जीने की  
 वादना ।  
 देवदत्त, ( श्री. ) देवताओं की मदी । यज्ञ ।  
 देवदत्ति, ( ३ ) इन्द्र । देवताओं का स्वामी ।  
 देवदत्त, ( ३ ) उदार का सम्मान । साधारण ।  
 देवपुराणम्, ( ३ ) देवताओं का उल्लेख ।  
 कृतम् । देवदत्त ।  
 देवभवन, ( न. ) मन्दिर । देवों का स्थान ।  
 देवभूय, ( न. ) देवत्व । देवतापुत्र्य ।  
 देवमति, ( ३ ) शिव । श्रीशुभमति ।  
 देवयान, ( न. ) देवत्व । अग्निगति मार्ग ।  
 ( १ ) शुक्लाचार्य की कथा ।  
 देवयात्रा, ( श्री. ) यात्रा गण ।  
 देवयु, ( ३ ) पवित्र ।  
 देवयानि, ( ३ ) देवताओं के घर से उड़ने  
 विराट् आदि की योनियों प्रधान हैं ।  
 जेत-विदाहर, अन्तः, यज्ञ, रात्रि,  
 सन्ध्या, विषय, विराट्, युष्क और मित्र ।  
 देवय, ( ३ ) पति का छोटा भाई ।  
 देवराज, ( ३ ) इन्द्र ।  
 देवराज, ( ३ ) अभिमन्युपुत्र । परीक्षित ।  
 देवार्थि, ( ३ ) नामदादि मुनि । देवताओं के  
 श्रमि ।  
 देवल, ( ३ ) एक मुनि । पुत्रादी । जिसकी  
 जीविष्ठा देवयन्त्र से चलती है ।  
 देवलोक, ( ३ ) स्वर्ग ।  
 देवचक्रिका, ( ३ ) निरवकर्मों ।  
 देवमत, ( ३ ) भौत ।  
 देवस्नान्, ( धर्म. ) देवताओं के अर्पण ।  
 देवसायुज्य, ( न. ) देव के साथ मेल ।  
 देव के साथ एकात्म होने की योग्यता ।  
 देवसेना, ( श्री. ) इन्द्रकन्या । वार्तिक्य  
 की श्री पत्नी । सोलह मानाओं में से एक ।  
 इत्यादि देवताओं की सेना ।

देवसेनापति, ( ३ ) वार्तिक्य । इन्द्रकन्या ।  
 सायुज्य ।  
 देवस्य, ( न. ) देवताओं का धन ।  
 देवदत्ति, ( श्री. ) स्वायम्भुव मनु की  
 कन्या । बर्द्धम मुनि की स्त्री । अपिल  
 भयान्त्री की माता ।  
 देवामीय, ( नि. ) देवता की प्रतिमा के रूप  
 से जीने वाला ।  
 देवाम्मन्, ( ३ ) पीपल का वृक्ष । देवता  
 जैला ।  
 देवानामिय, ( ३ ) देवताओं का प्यार ।  
 बकरा । मूर्ति ।  
 देवापि, ( ३ ) अन्धकारीय एक राजा ।  
 देवार्ह, ( न. ) देवताओं के योग्य । सद्देवी  
 लता ।  
 देवालय, ( ३ ) स्वर्ग । देवमन्दिर ।  
 देविका, ( श्री. ) नदीविशेष ।  
 देवी, ( श्री. ) दुर्गा । मातृशक्तियों की उपाधि ।  
 देव, ( ३ ) देव । पति का छोटा भाई ।  
 देवेश, ( न. ) महादेव । देवदेव । विश्व ।  
 देवेश, ( ३ ) शत्रुघ्न । बनबीनपूरक ।  
 देवैतन्, ( न. ) देवराज ।  
 देवोपान, ( न. ) वैश्वानर । विश्वक । शिष्य-  
 काल और नन्दन-ने चार देवोपान हैं ।  
 देव्यायतन, ( न. ) दुर्गा देवी का मन्दिर ।  
 देश, ( ३ ) भूयस्त्रय का कोई विभाग ।  
 भाग । स्थान ।  
 देशान्तर, ( न. ) अथ देश । और देश ।  
 देशिक, ( ३ ) पयिक । बड़ी । उग्र ।  
 उपेंद्रा देने वाला ।  
 देशिनी, ( श्री. ) तर्कनी । अश्रु के पास वाली  
 भयुक्ती ।  
 देश्य, ( न. ) प्रथम सम्पत्ति । पूर्ण पत्र ।  
 देह, ( ३ ) शरीर । मनु । नदन ।  
 देहधारक, ( ३ ) हारी ।  
 देहभृत्, ( ३ ) जीवन्त्या । शरीर का  
 रक्षक ।

देहयात्रा, ( स्त्री. ) घानीविका । शरीर की  
 रथा का साधन । भोजन । मरण ।  
 देहली, ( स्त्री. ) ज्योती । पर का प्रवेश-  
 स्थान । मर्यादा ।  
 देहसार, ( पुं. ) मग्ना ।  
 देहात्मयादिन्, ( पुं. ) धातुक । नास्तिक ।  
 देहिन्, ( वि. ) शरीर वाला । प्राणी ।  
 जीव ।  
 दैप्, ( कि. ) साक करना ।  
 दैतेय, ( पुं. ) अक्षर । दैत्य ।  
 दैत्यगुरु, ( पु. ) शुक्राचार्य । दैत्यों का  
 गुरु ।  
 दैत्यनिग्रहन्, ( पुं. ) शिशु । दैत्यों के  
 बधकर्ता ।  
 दैत्यमेवञ्ज, ( पु. ) गुण्य । पृथिवी ।  
 भूमि ।  
 दैव्या, ( स्त्री. ) उमा । देव की धर्मि ।  
 दैव्यारि, ( पुं. ) देवों के शत्रु । शिशु ।  
 दैन, ( न. ) दीनान । कायरान ।  
 दैनन्दिन, ( वि. ) प्रतिदिन होने वाला ।  
 दैनन्दिनप्रलय, ( पु. ) रथे हुए सगुण  
 पदार्थों का हवन ।  
 दैन्य, ( न. ) दीनता । कायरता ।  
 दैव, ( न. ) भाग्य । देहात्मवन्धी ।  
 दैव्य, ( पु. ) मन्वन् । स्वर्गिणी । मृत-  
 मन्वन् का जन्मने वाला । भाग्य का  
 हवन ।  
 दैव्य, ( पु. ) देवगुरु ।  
 दैव्यन्त्र, ( वि. ) भाग्यहीन ।  
 दैव्यर, ( वि. ) भाग्य पर निर्भर । कायर ।  
 बन्धन ।  
 दैव्यवर्ण, ( स्त्री. ) कनकवर्ण ।  
 दैव्यन्, ( कन्. ) दैव्य । कनकवर्ण । दैव्य-  
 रथका ह्वे ।  
 दैव्यर, ( न. ) देहात्मवन्धी । शिशु ।  
 शिशुगुरु ।  
 दैव्य, ( स्त्री. ) देव्य की कनकवर्ण ।

दैव्योदासी, ( पु. ) दिव्योदास का सन्तान ।  
 प्रतर्दन राजा ।  
 दैव्य, ( न. ) भाग्य । देवता का ।  
 दैशिक, ( वि. ) देश का । शिरोप  
 सम्बन्ध ।  
 दैष्टिक, ( वि. ) भाग्यधीनतावादी ।  
 दैष्टिक, ( पु. ) शरीरसम्बन्धी ।  
 दो, ( कि. ) वेद करना । काटना ।  
 दोःशिक्षर, ( न. ) कथा । मुद्रा ।  
 दोमष्ट, ( पुं. ) दुर्दया । अहीर । बज्रा । शोभे  
 वाला ।  
 दोर्दण्ड, ( पु. ) मुनदण्ड ।  
 दोर्मूल, ( न. ) कथ । बजल ।  
 दोल, ( पु. ) दोलयाग । जोली ।  
 दोलायमान, ( वि. ) झुलता हुआ ।  
 दोष, ( पुं. ) पाप । वैयक में पाप, मित्र  
 और कथ के तीन दोष होते हैं । अत्राप  
 में समादि विगाहो जाने शब्द । व्याप में  
 राग, द्वेष, मोह ।  
 दोषप्राहिन्, ( वि. ) दोष देराने वाला ।  
 दोषक, ( वि. ) परेष्टन । विक्रमक ।  
 दोषत्रय, ( न. ) तीन दोष-राग, मित्र,  
 कथ ।  
 दोषन्, ( घ. ) विगाहा हुआ ।  
 दोषगु, ( न. ) शक्ति । अन्धता ।  
 दोषा, ( स्त्री. ) पाप ।  
 दोषाकर, ( पुं. ) पापवा । दोष का  
 सन्त ।  
 दोषकटक, ( वि. ) केवल दोष ही की देवो  
 वाला । नीच । लज ।  
 दोष-वा, ( पुं. ) मुना । मनु ।  
 दोष, ( पुं. ) पाप । दुर्दया । अहीर का बर्तन  
 ( कि. ) दैव्य ।  
 दोषर, ( पुं. ) पापवा । मने का लक्षण ।  
 दोषद्विती, ( स्त्री. ) कनकवर्ण । दोषर का स्त्री ।  
 दोषनी, ( स्त्री. ) दुर्दया का पुत्र । दुर्दये का  
 पुत्र ।

दोहा, ( धी. ) मण्य वद विशेष त्रिगुण प्रयोग प्रय भाषा की कविता में हुआ कर्ता है ।

दोह्य, ( न. ) दूतपना । दूत या वाप ।

दोहाग्न्य, ( न. ) सुदोह । सभयता ।

दोहाग्न्य, ( न. ) दोहता । सुदोहा । सुदोहि में जाना ।

दोहाग्न्य, ( न. ) दोहाग्न्य । दुहता ।

दोहाग्न्य, ( न. ) सुभाषणपता । मद् भजन ।

दोहाग्न्य, ( न. ) उदासी । बिनात्रय परमादृष्ट । मया परामर्श ।

दोहाग्न्य, ( न. ) यवता । दूत प्रति ने रहना ।

दोहाग्न्य, ( न. ) दोहाग्न्य । दोहाग्न्य का रूप ।

दोहाग्न्य, ( वि. ) दोही जति का जीव ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) मयता । जो कर्म द्वारा पैदा करने वाला । पूर्ण । यमता ।

दोहाग्न्य, ( न. ) दोहा । कर्ता या पुत्र ।

दोहाग्न्य, ( न. ) दोहाग्न्य । दोहाग्न्य ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) कर्ता । पूर्ण । मयता ।

दोहाग्न्य, ( वि. ) दोहाग्न्य ।

दोहाग्न्य, ( धी. ) कर्ता । कर्ता । यमता ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) पूर्ण मयता या दूत ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) दूत । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( धी. ) कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) दूत या कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( न. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( धी. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( धी. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( न. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( न. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( न. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( न. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( धी. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( न. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( न. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( वि. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( धी. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( न. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( धी. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( धी. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( धी. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( प्र. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( धी. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( धी. ) कर्ता । कर्ता ।

दोहाग्न्य, ( धी. ) कर्ता । कर्ता ।

- द्रुत, (पुं.) तेज। भट। भागा हुआ।  
 द्रुपद, (पुं.) चन्द्रासीय एक राजा जो द्रौपदी का पिता था। सभ्या।  
 द्रुम, (पुं.) पेड़। पाणिनात। कुबेर।  
 द्रुह, (कि.) घरा चीतना। द्रोह करना।  
 द्रुहिण, (पुं.) जगत्पटा। प्रका।  
 द्रुफ, (कि.) राप्द करना। उन्माहित करना।  
 द्रै, (कि.) सोना।  
 द्रोण, (पुं.) पाण्डव राजकुमारों के गुरु। द्रोणाचार्य। काक विशेष। विश्व। बादल विशेष। एक वृक्ष। भीतीस सेर की तेल विशेष। आठ सौ गत सभ्या तालाव विशेष। कुँडा। नौद।  
 द्रोणि, (स्त्री.) एक देरा। एक नदी। नील का वृक्ष। एक पहाड़।  
 द्रोह, (पुं.) घरा चीतना। वैर।  
 द्रोण्यायन, (पुं.) द्रोणाचार्य की श्रीलाद। अश्वत्यामा।  
 द्रौपदी, (स्त्री.) द्रुपदराज की कन्या। पाण्डवों की धर्मपत्नी।  
 द्रुह, (पुं.) रहस्य। कलह। जोडा। विवाद। रोगविशेष। समासविशेष। शोक। हर्ष। शीत। उष्ण।  
 द्रुहचर, (पुं.) जो साथ साथ जोडा हो कर बिचरे। चकना चकई।  
 द्रुय, (न.) दो की सख्या।  
 द्वाः-द्वास्थ, (पुं.) दरवान। द्वारपाल।  
 द्वाचत्वारिंशत्, (स्त्री.) २२।  
 द्वादश, (त्रि.) बारह।  
 द्वादशकर, (पुं.) कार्तिकेय और वृहस्पति।  
 द्वादशनेत्र, (पुं.) कार्तिकेय।  
 द्वादशानुल, (पुं.) विलास का नाप।  
 द्वादशात्मन, (पुं.) सूर्य। मदार का पेड़।  
 द्वापर, (पुं.) तराय। युग विशेष जो सत्य और वेदा के पीछे आता है।

- द्वामुष्पायण, (पुं.) गीतय मुनि।  
 द्वार, (स्त्री.) द्वार। उपाय। बर्मा।  
 द्वारका, (स्त्री.) द्वारवासी। मानपुरीके वे एक। श्रीकृष्ण की बर्मा राजकी।  
 द्वारकेश, (पुं.) श्रीकृष्ण। द्वारकावासी।  
 द्वारक, (त्रि.) द्वारवासी।  
 द्वारयंत्र, (न.) ताला।  
 द्वारायनी, (स्त्री.) द्वारका।  
 द्वारिन्, (त्रि.) द्वारपाल। दरवान।  
 द्वाविंशति, (स्त्री.) बारह।  
 द्वि, (त्रि.) दो।  
 द्विक, (पुं.) काक। कीथा। दो सभ्या वाला।  
 द्विककुन्, (पुं.) ऊँट।  
 द्विगु, (पुं.) मन्मथावाचक शब्द होने वाले वाला समाम। दो गौंओं का स्वामी।  
 द्विगुण, (त्रि.) दुगुना।  
 द्विज, (पुं.) सस्कार और जन्म से दो बार जन्मा। ब्राह्मण, श्रिय और वैश्य। त्रैवर्णिक। दौत। अष्टज जीव। दुग्ध का एक वृक्ष। सस्कारित ब्राह्मण।  
 द्विजदेव, (पुं.) ब्राह्मण। श्रिय। चद्रा।  
 द्विजन्मन्, (पुं.) देलो द्विज।  
 द्विजबन्धु, (पुं.) कर्म से रहित जन्मान से जीने वाले ब्राह्मणादि प्रथम तीन वर्ग।  
 द्विजराज, (पुं.) द्विजों का राजा। चक्र। अन्त। गरुड़।  
 द्विजवर, (पुं.) उच्च विष। ब्राह्मण।  
 द्विजाति, (पुं.) देलो द्विजन्मा।  
 द्विजिह्व, (पुं.) दो जीब वाला। सर्पविशेष। लल। पुगल। चोर। भूँडा।  
 द्विजेन्द्र, (पुं.) ब्राह्मण्येष्ठ। कर्मिष्ठ ब्राह्मण।  
 द्विनय, (त्रि.) दो की सख्या वाला।  
 द्वितीय, (त्रि.) दूसरा।  
 द्वितीयाकृत, (त्रि.) दुबारा जोडा हुआ लेख।

हिंदन्, ( वि. ) दो रोन वाला । बोहा ।  
 रैन खादि ।  
 हिंदैय, ( पु. ) विराटा नामी नद्य ।  
 हिधा, ( अम्य. ) दो प्रहार ।  
 हिध, ( पु. ) हाथी । बुँद भीर गैर से पीने  
 वाला ।  
 हिधद्, ( पु. ) मनुष्य । देरना । पत्नी । रायण ।  
 राति । ही परे वाला ।  
 हिधद्दा, ( वि. ) चापेरीय धत्र विशेष ।  
 हिमालूक, ( पु. ) गणेश । जरासन्ध ।  
 हिमुख, ( पु. ) दो मुख वाला । राजसर्प ।  
 कुबसेद । पुण्डरीक ।  
 हिन्द, ( पु. ) दो दौनों वाला । हाथी ।  
 हिन्दागमन, ( न. ) गौना । विवाह के  
 पदचार हुमी कर हुलहिन का घर  
 जाना ।  
 हिन्दक, ( वि. ) दुहाया हुआ ।  
 हिन्दुवा, ( धी. ) दो बार की विवाही धी ।  
 हिन्देफ, ( पु. ) भीरा ।  
 हिन्धवन, ( न. ) दो बहन ।  
 हिशफ, ( पु. ) गी बकी या ने जानवर  
 जिनके घुर कटे हुए हैं ।  
 हिशम्, ( अम्य. ) दो बार जो देना या  
 कर्ना ।  
 हिष्, ( धी. ) बँर बनना ।  
 हिषत्, ( पु. ) रात्र । देरी ।  
 हिषन्तप, ( पु. ) रात्र को तराने वाला ।  
 हिष्ठ, ( वि. ) दो के बीच का । नयोवादि  
 पदार्थ ।  
 हिष्, ( अम्य. ) दो बार । दुहा ।  
 हिस्वसति, ( धी. ) रहस्य ।  
 हिदल्य, ( वि. ) दुवारा जोश हुआ लेन ।  
 हिहायनी, ( धी. ) दो बर्ष की गी ।  
 हिहृष्या, ( धी. ) पर्ववती ।  
 हीप, ( न. ) पानी से चारों ओर घिरा स्थल ।  
 दाप । पीने का बमडा । बाप । दुहा ।  
 हीपिन, ( पु. ) भीता ।

हीपिनी, ( धी. ) नदी ।  
 ह, ( कि ) मरण करना । रोचना । हाँकना ।  
 हँधा, ( अम्य. ) दो प्रहार से ।  
 ह्येप, ( पु. ) बँर । विशेष ।  
 ह्येपण, ( वि. ) पैग । रात्रु ।  
 ह्येप्य, ( वि. ) रात्रु । देरी ।  
 ह्युणिक, ( वि. ) सुदखीर । ग्यान हाँके  
 वाला ।  
 ह्यन, ( न. ) दो प्रकार के भेद वाला ।  
 ह्यनयन, ( न. ) बनविशेष ।  
 ह्यनयादिन् ( वि. ) जीव धीरे ईश्वर में भेद  
 मानने वाले ।  
 ह्यध, ( पु. ) दो प्रकार ।  
 ह्यप, ( पु. ) भीता का बमडा । पीने के  
 बमडे से टका हुआ रथ ।  
 ह्येपायन, ( पु. ) ग्यासदेव । ग्याम । पुण्य  
 कर्ना । या जिसकी जन्मभूमि दीप हो ।  
 ह्येमानुर, ( पु. ) जिनकी दो पागमें ही ।  
 गणेश । जरासन्ध ।  
 ह्येपुक, ( न. ) दो प्रमाणोंसे उपेक्ष पदार्थ ।  
 ह्येष्ट, ( स. ) तँदा । तीमा ।  
 ह्येमुष्यायण, ( पु. ) एक प्रकार का गोद  
 दिया हुआ पुत्र ।

ध

ध, ( पु. ) धर्म । कुनेर । मज्जा । धन ।  
 धम्, ( वि. ) नारा करना ।  
 धट, ( पु. ) तुला । लकड़ी । तराष्ट ।  
 धटक, ( पु. ) धर कती की एक तील ।  
 धण, ( वि. ) ज्वनि करना । शब्द करना ।  
 धण्ट, ( पु. ) धरना ।  
 धन्, ( कि. ) धानों को उतार करना । शब्द  
 करना ।  
 धन, ( न. ) लगवि । हीलप । लूट का मात्र ।  
 धनज्य, ( पु. ) धन को जोड़ने वाला । अर्धन ।  
 धदि । हाथी । रातर को उठ करने वाला ।  
 दाप । बुधविशेष ।

धाराधर, ( पु. ) बादल । मेह ।  
 धारावाहिन, ( वि. ) निरन्तर बिरने वाला ।  
 धारामम्पात, ( पु. ) महावृष्टिभूमला सर वर्षा ।  
 धारिका, ( स्त्री. ) राक्षसी । भुक्तिया ।  
 धारिणी, ( स्त्री. ) भूमि । मिम्बन का पत्र ।  
 धारिन्, ( पु. ) धूल का पेट । आठ. देने वाला ।  
 धार्तराष्ट्र, ( पुं. ) एक सौ । एक हस्त ।  
 धृतराष्ट्र की सन्तान । दुर्योधन आदि ।  
 धार्मिक, ( वि. ) धर्मशील । धर्मात्मा ।  
 धर्मी ।  
 धात्र, ( कि. ) भागना । जहरी चटना ।  
 धावक, ( पु. ) दौड़ने वाला । दूत । घोषी ।  
 धावन, ( न. ) साफ करना । शोध जाना ।  
 धाष्ट्य, ( न. ) दिखाई । निर्लेखनता ।  
 धि, ( कि. ) पकड़ना । रखना । सन्तुष्ट करना ।  
 धिक्, ( अन्व. ) झिझकना । निन्दा ।  
 धिक्कार, ( पुं. ) तिरस्कार । निरादर ।  
 धिक्कृत, ( वि. ) झिझका गया । निन्द्य ।  
 तिरस्कृत ।  
 धिक्, ( कि. ) जगना । रहना ।  
 धिग्दण्ड, ( पुं. ) सानत मलामत ।  
 धियंघा, ( पु. ) चतुर ।  
 धिपण, ( पुं. ) देवयुध । वृहस्पति ।  
 धिपणा, ( स्त्री. ) बुद्धि । तसला ।  
 धिप्य, ( न. ) जगह । पर । शक्ति । तारा ।  
 धाग । ( पु. ) युक्त । ऊँचे पद के योग्य  
 ( वि. ) ।  
 धी, ( स्त्री. ) बुद्धि । समझ ।  
 धीन्द्रियम्, ( न. ) शील, बान आदि ज्ञाने-  
 त्रिय ।  
 धीमत्, ( पुं. ) प्रतापत् । वृहस्पति । बुद्धि  
 वाला । परिष्कृत ।  
 धीति, ( स्त्री. ) पीना । शूलना । अनुभव ।  
 भक्ति ।  
 धीर, ( कि. ) अपमान करना ।  
 धीर, ( वि. ) धीरज वाला । नम्र । मल वाला

तथा परिष्कृत । राता बनि । बुद्धि से  
 प्रेम्ने जाना । बुद्धिगामी । परमेस्वर ।  
 केसर । एक नायिका । प्रतिष्ठित प्रजा ।  
 धीमेदात्त, ( पुं. ) एक नायक । धीर धीर  
 शान्त पुरुष ।  
 धीवर, ( पुं. ) देवर्त । मन्त्री पकड़ने  
 वाला ।  
 धीशक्ति, ( स्त्री. ) शुभपा आदि षाड उष ।  
 धीसाधिय, ( पु. ) मरी । अमान्य ।  
 धु, ( कि. ) कौपना ।  
 धुंक्ष, ( कि. ) जगाना । रहना ।  
 धुन, ( वि. ) छोटा गया । कौन गया ।  
 त्यक्त । कश्चिन ।  
 धुनिनी, ( स्त्री. ) नद्यनी । नदी ।  
 धुन्धुमान, ( पु. ) वृहदरन राता का पुत्र ।  
 नरिवहूडी । इन्द्रगोप कीडा ।  
 धुरन्ता, ( स्त्री. ) चिन्दा । रथ को धुरी ।  
 धुरन्धर, ( वि. ) दोम्भ देने वाला । मुख्य ।  
 शैल ।  
 धुरीण, ( वि. ) श्रेष्ठ । अच्छा ।  
 धुर्य, ( वि. ) भार उठाने वाला । अच्छा ।  
 सर्वोत्तम । प्रथम । मुख्य ।  
 धुर्व, ( कि. ) मारना ।  
 धुविन्न, ( न. ) यज्ञादि में अग्नि का  
 सुलगाना ।  
 धुवन, ( स. ) बधस्थान । हिलना ।  
 धू, ( कि. ) कौपना ।  
 धूत, ( वि. ) कौप गया । छोड़ा गया । त्यक्त ।  
 झिझका गया ।  
 धूप, ( कि. ) चमकना । तपना ।  
 धूप, ( पुं. ) एक प्रकार का पूर्ण जिसे जलाने  
 से लगभग युक्त धुर्धा निकलता है । इसके  
 पचाह, दराह, वांश्याह आदि कई भेद हैं ।  
 यन्तुभेद से नामभेद है ।  
 धूपित, ( वि. ) पका हुआ । सन्तप्त । धूप  
 दिया हुआ ।  
 धूम, ( पुं. ) धुर्धा ।





निःसत्त्व, ( वि. ) धीरज रहित । कमजोर ।  
 निःसम्पात, ( पुं. ) आधीरात ।  
 निःसरण, ( न. ) घर का द्वार । मरना ।  
 बुझना ।  
 निःसार, ( पुं. ) सारशून्य । केले का पेड़ ।  
 निःसारण, ( न. ) घर से निकलने का  
 रास्ता ।  
 निःस्नेहा, ( स्त्री. ) प्रेमरहित । अतसी का  
 वृक्ष ।  
 निःस्य, ( पुं. ) निर्धन । गरीब ।  
 निकट, ( न. ) समीप । पास ।  
 निकर, ( पुं. ) समूह । सार । धन ।  
 निकप-स, ( पुं. ) कसौटी । शिखी । सान ।  
 निकर्षण, ( न. ) यात्रे स्थानों के बाहिर  
 घूमने फिरने का स्थान ।  
 निकषा, ( अग्र्य. ) निकट । मध्य । राशियों  
 की माता ।  
 निकषोपल, ( न. ) सान । शिखी ।  
 कसौटी ।  
 निकाम, ( न. ) हलायुसार । बहुत । घर ।  
 परमात्मा ।  
 निकाय, ( न. ) निवास । एक धर्म वालों का  
 समुदाय ।  
 निकाय्य, ( न. ) घर ।  
 निकार, ( स. ) तिरस्कार । अपमान ।  
 अपचार । झोटना । कुटना ।  
 निकाश, ( पुं. ) दृष्टि । दरज ।  
 निकुञ्ज, ( न. ) उपवन । लता आदि से  
 ढका हुआ स्थान ।  
 निकुञ्ज, ( पुं. ) कुम्भकण्ठे का पुत्र । दन्ती  
 पेड़ ।  
 निकुञ्जमाला, ( स्त्री. ) लता में स्थापित एक  
 देवी-पिरेण ।  
 निकुञ्ज, ( न. ) लघुदाय । मनुष्य ।  
 कर्मिण्य । बहुपत्नी ।  
 निरुत्त, ( वि. ) निरुत्त । कर्मिण्य । मूर्ख ।  
 २१४ ।

निरुत्ति, ( स्त्री. ) धूर्तता । तिरस्कार ।  
 अपमान । निर्धनता ।  
 निरुत्त, ( वि. ) जाति और आचार से  
 निन्दित । नीच । अधम ।  
 निकेतन, ( न. ) घर ।  
 निकोच, ( पुं. ) सिङ्घन ।  
 निकमण, ( स. ) कुचलना ।  
 निक-का-ण, ( पुं. ) क्रीडा का शब्द ।  
 निक्षिप्त, ( वि. ) केंका गया । स्थापित ।  
 निक्षेप, ( पुं. ) घरोहर । ठीक करने के लिये  
 शिल्पी के हाथ में सौंपी गयी वस्तु ।  
 निखनन, ( न. ) लोद कर गाचना ।  
 निखर्च, ( पुं. ) बीना । दस हजार करोड़ ।  
 दस सत्रे संख्या ।  
 निखात, ( वि. ) गदा । लोदा हुआ ।  
 निखिल, ( वि. ) सम्पूर्ण । सकल ।  
 निगड, ( पुं. ) झुझला । सक्ती । हपकरी ।  
 बेरी ।  
 निगडित, ( वि. ) बंधा हुआ ।  
 निगद, ( पुं. ) भाषण । निहा कर पाठ  
 करना ।  
 निगम, ( पुं. ) निरुचय । प्रतिज्ञा । वेद ।  
 व्याय शब्द के पय अक्षरों में से  
 अंतिम अक्षर । व्यापार । वेद की शाला ।  
 हाट । मार्ग ।  
 निगमन, ( न. ) व्याय शब्द का अक्षर  
 विशेष ।  
 निगा-र, ( पुं. ) भोजन । आहार ।  
 निगाध, ( पुं. ) घोड़े के गले का स्थान ।  
 निगु, ( पुं. ) मन । मल । निग । मूत्र  
 विशेष । विषय ।  
 निगुहीन, ( वि. ) रोना हुआ । पीड़ित ।  
 निरुत्त हुआ ।  
 निगम्यत, ( न. ) भाषण । वद ।  
 निगद, ( पुं. ) निरुत्तना । लीला । वपन ।  
 बीज । मरना । मूर्खि में बुझना । मूर्ख ।  
 निगम्य ।

निम्नदुःखान, ( न. ) रोक्ने का स्थान ।  
 शीतम बन्धन चोदरा पदार्थों में से अन्तिम  
 पदार्थ ।

निम्नाह, ( पु. ) शाप । बह्वचन ।

निघ, ( पु. ) गेद । कुश । कुल । निजना  
 ऊँचा उतना ही चौड़ा । पाप । ~

निघण्टु, ( पु. ) अर्धं सहितं शब्दसंग्रहः ।  
 विशेष कर के वैदिक शब्दों का संग्रह ।  
 निम्ने वारक मुनि ने निघण्टु में किया है ।  
 वैदिक का कोरा जिसमें हर एक वस्तु के  
 नाम और गुण-दोष हैं ।

निघण्ट, ( पं. ) भोजन । आहार ।

निग्र, ( वि. ) अधनि । दुष्ठा गया ।  
 “ निगुपान्यनिग्र- ” लीलावती ।

निग्रय, ( पुं ) बन्ना हुआ । डेर । समूह ।

निच्चाय, ( पु. ) शरीरकृत । समूह ।

निचित, ( वि. ) पूर्णित । भरा हुआ । फैला  
 हुआ । सङ्घीर्ण । निहा हुआ । रथा हुआ ।

निचोला, ( पुं. ) रोली का परदा । डपटा ।  
 चादर ।

निज, ( न. ) अपना ।

निटल, ( न. ) कपाल । माथा ।

निण्य, ( न. ) दिया हुआ । शुभ । रहस्यमय ।

नितम्ब, ( पु. ) कटिदेश । पूरुष । कन्या ।  
 तट । किनारा । कमर ।

नितम्बिनी, ( स्त्री. ) स्त्री ।

नितरां, ( अण्य. ) सर्वत्र । अतिशय ।  
 विशेष कर के ।

नितल, ( न. ) बहूत नीचा । पाताल विशेष ।

नितान्त, ( न. ) एकांत । असाधारण ।  
 अतिशय । बहुत । सपन ।

नित्य, ( न. ) निरन्तर । अनन्त । अपर ।  
 अन्त रहित । ( पु. ) समूह ।

नित्यकर्म, ( न. ) सन्ध्यावन्दनादि प्रति-  
 दिन करने योग्य कर्म ।

नित्यदा, ( अण्य. ) सदा । सर्वत्र । रोजरोज ।

नित्यनिमित्तक कर्म । कोई कर्म जो निती

विशेष उद्देश्य की पूर्ति के लिये निरन्तर  
 किया जाय । कोई सामयिक कृत्य जो  
 समय पर सर्वत्र किया जाय ।

नित्यमुक्त, ( पु. ) परमात्मा । और शेष  
 विश्ववशेन आदि पुरिण्ड मिन्हें वेदों में  
 “ तद्विष्णोः परमं पदं ब्रह्मसदा परमं तन्नि मृत्युः ”  
 अर्थात् ब्रह्म है ।

नित्ययज्ञ, ( पु. ) बलि-वैश्वदेव । अग्नि-  
 होमादि ।

नित्यसस्यस्य, ( वि. ) धैर्यवान् ।

नित्यसमाप्त, ( पु. ) समाप्तविशेष ।

नित्यानध्याय, ( पुं. ) वेद न पढ़ने का  
 निश्चित दिन । प्रतिपदा आदि ।

नित्याभियुक्त, ( वि. ) केवल शरीर की  
 रक्षा करने वाला । योगाभ्यास में निरत ।

निदर्शन, ( न. ) उदाहरण । यथोत्तर ।

निदाघ, ( पु. ) गरम । पसीना । गर्मों को शत्रु ।

निदाघकर, ( पु. ) सूर्य ।

निदान, ( न. ) आधिकार्य । शुद्धि । मूल के  
 की रसी । अवसान । रोग निर्णय करने वाला ।

रोग का मूल कारण और सामान्य लक्षण  
 तथा परिणामनिदर्शक ग्रन्थ विशेष ।

नेत्रे-“ निदाने माधुन- प्रोक्तः । ”  
 माधुननिदान ग्रन्थ । तथा और भी

वैद्यक के ग्रन्थविशेष । रोग का कारण  
 तथा फल की वाचना ।

निदिग्ध, ( वि. ) उपचित । बड़ा हुआ ।  
 ठेक मला गया ।

निदिध्यासन, ( न. ) ध्यान विशेष ।  
 विचारो दृष्ट कर्म में निमग्न होना ।

निदेश, ( पु. ) शासन । आज्ञा । बधन ।  
 पात । बर्जन ।

निद्रा, ( स्त्री. ) नींद ।

निधन, ( पुं. ) मरण । नाश । कुल ।  
 लान से आठवों स्थान ।

निधान, ( न. ) आवण । भण्डार ।  
 कार्यान्तः ।

निधि, ( पुं. ) धन । यह धन जिसका कोई पाने वाला या स्वामी नहीं । अथलम्ब । जैसे " दयानिधिः " । " वारिधिः " ।  
 निर्घाश, ( पुं. ) कुबेर ।  
 निघुघन, ( न. ) एरत । कीड़ा । संयोग । मेघन ।  
 निन्द, ( पुं. ) ध्वनि । शब्द । रण या तिननाद, ( पुं. ) गान्धी का शब्द ।  
 निन्दा, ( स्त्री. ) दुर्गा । अपवाद । दोष ।  
 निन्दक, ( पुं. ) निन्दा करने वाला ।  
 निन्द्य, ( पुं. ) निन्दा करने योग्य । पुण ।  
 निपत्या, ( स्त्री. ) पुष्पभूमि ।  
 निपात, ( पुं. ) मरण । व्याकरण में अ, प्र आदि अनीय-वाचक अक्षर ।  
 निपात, ( न. ) कुर्र का शब्द । दुर्भी ।  
 निर्पाशित, ( रि. ) निर्घोषा गया ।  
 निपुण, ( रि. ) प्रवीण । चतुर ।  
 निपुण्य, ( पुं. ) छिमी वस्तु का छिमी नियत समय पर देने की प्रीति । मन्द या प्रवृत्तवन्त । मृत्योपरिणत । कथन । अ.म का पेश । अनाइ रोम निगमै मश्रूय इक जो है ।  
 निपुण्यन, ( न. ) देह । नाँना । सीमा का ऊपर भाग ।  
 निम, ( पुं. ) बहाना । मट्टा । समान ।  
 निभृत्, ( रि. ) धृत् । निर्भन । एकात्म । अन्त-वृत् । रि. रि. । पी । निभृत् ।  
 निमज्जथु, ( पुं. ) आकाश । स्थान करना । इतना निदर रहना ।  
 निमज्जथ, ( न. ) इतना निदर रहना ।  
 निमेषण, ( न. ) इतना । अ. म ।  
 निमन्त्र, ( न. ) इतना । अ. म ।  
 निमि, ( पुं. ) इतना । अ. म ।  
 निमि, ( न. ) इतना । अ. म ।  
 इतना इतना इतना को अन्त-वृत् ।  
 इतना इतना ।

निमित्त कारण, ( न. ) व्यापक कारण विशेष । जो निमित्तपाप हो घडा, दीपक आदि का कुम्हार, सूत आदि निमित्त कारण है । मटी दान कारण ।  
 निमित्त, ( पुं. ) वह समय जिस निमित्त, ( पुं. ) धर्म का पलक रूप है ।  
 निमीलन, ( न. ) धर्म का अकार समेटना ।  
 निम्न, ( रि. ) गभीर । नीचा । यह गडा । टोल ।  
 निम्नगा, ( स्त्री. ) नदी । गहरी बहने वाली ।  
 निम्नोन्नत, ( रि. ) ऊँचा नीचा । दस धार उठा हुआ । अक्षय ।  
 निम्न्य, ( पुं. ) नाम का पेश ।  
 निम्नोच्चन, ( न. ) अक्षय ।  
 नियत, ( रि. ) निश्चित । पदा । नियत आचार वाला । नियम वाला । नियत काम ।  
 नियति, ( स्त्री. ) नियम । माय ।  
 नियन्तु, ( पुं. ) सारथि । गाड़ीचाल । नियत देने वाला ।  
 नियन्तु, ( रि. ) अक्षय । नडा हुआ अन्त-वृत्त वर में किया गया ।  
 नियम, ( पुं. ) प्रतिज्ञा । निश्चय । मा शीत । मन्त्रोप । अ. म । अक्षय । इतना में नियत लगाना ।  
 नियामक, ( रि. ) आकाश । अक्षय । अक्षय ।  
 नियुक्त, ( न. ) अक्षय ।  
 नियोग, ( पुं. ) अक्षय । अक्षय । अक्षय में लगाना ।  
 नियोग्य, ( रि. ) अक्षय । अक्षय ।  
 नियोग्य, ( रि. ) अक्षय । अक्षय ।  
 नियोग्य, ( न. ) अक्षय । अक्षय ।  
 ( इतना इतना इतना को अन्त-वृत् ।  
 इतना इतना ।

निर, ( अण्. ) निषेध । नहीं । निश्चय ।  
 नादिर ।  
 निरंश, ( वि. ) अंशरहित । पतित ।  
 निरग्नि, ( पुं. ) अग्निरहित । अग्नि द्वारा  
 किये जाने वाले वैदिक कर्मों से रहित ।  
 निरङ्कुश, ( वि. ) जो अङ्कुर से भी न माने ।  
 जो बरा में न हो । बन्धहीन ।  
 निरञ्जन, ( वि. ) निर्मल । परमेश्वर ।  
 निरतिशय, ( वि. ) परमोत्कृष्ट । सर्वोत्तम ।  
 निमने वह पर कोई न हो ।  
 निरन्वय, ( वि. ) नाराहित । न बकने  
 वाला । अभाषिक । अलक्षित ।  
 निरन्तर, ( वि. ) लगातार । निरिच्छ ।  
 शून्य ।  
 निरपत्रय, ( वि. ) निर्लेख्य ।  
 निरार्थ, ( वि. ) न बकने वाला । अवाच्य ।  
 निरर्थक, ( वि. ) व्यर्थ । निष्प्रयोजन ।  
 निरपग्रह, ( वि. ) वैशोक ।  
 निरपघ, ( वि. ) शोधरहित । अशुद्ध ।  
 निरपघय, ( पुं. ) आघातरहित ।  
 निरपघेय, ( वि. ) तप । साध ।  
 निरपशित, ( वि. ) चापशाल आदि जीव  
 वर्ण ।  
 निरस्य, ( न. ) परित्याग । छोड़ना ।  
 भागना । निकालना । निरस्य करण ।  
 निरस्य, ( वि. ) बुरा कथा । खोटिल विद्या  
 कथा । निरस्य ।  
 निराकल्प, ( न. ) निराकल्प । हटा करना ।  
 निराका करना ।  
 निराकल्पिण्य, ( वि. ) निराकल्प देने वाला ।  
 निराकृति, ( की. ) इच्छा । विरक्त ।  
 निरात्म, ( वि. ) जिस में विकला । देह  
 रहित । वन का कपट कीर हृद्य ।  
 निराह, ( न. ) देह का एक पक्ष शिथिल ।  
 बहा हुआ । निरपत्र विद्या हुआ ।  
 निराह, ( की. ) निरर्थक । अर्थहीन ।  
 निरर्थक ।

निरुवाचय, ( वि. ) अन्वृत्त शब्द ।  
 निरुद्ध, ( पुं. ) अतिरहित ।  
 निरुद्ध सहाय, ( की. ) रक्षितगुणा ।  
 सहाय ।  
 निरुद्धि, ( की. ) प्रतिदि । अन्वृत्ति ।  
 निरुपण, ( न. ) उपकरण के अन्वृत्त शब्द  
 का प्रयोग करने वाला विचार ।  
 निरुपित, ( वि. ) अर्थहीन । निरुक्त ।  
 अर्थहीन ।  
 निरोध, ( पुं. ) नाश । प्रलय । प्रतिरोध । रोष ।  
 निरोधन, ( न. ) बाधागार में बन्द कर के  
 रोषना । बन्द करना ।  
 निरुक्ति, ( पुं. ) दक्षिण की ओर परिचय दिया  
 का पक्ष । अलक्ष्य । नहीं अर्थहीन शब्द  
 अन्वृत्त ही । निरुपण ।  
 निरुण, ( पुं. ) अन्वृत्त शब्दों से शब्द ।  
 अन्वृत्त । अन्वृत्त अन्वृत्त शब्द ।  
 निरुणर्था, ( की. ) नाश । शून्य । अन्वृत्त  
 की ओर । अन्वृत्त । अन्वृत्त का देह ।  
 निरुण्य, ( पुं. ) अन्वृत्त शब्द । अन्वृत्त ।  
 निरुण्य । अन्वृत्त । अन्वृत्त । अन्वृत्त ।  
 निरुण्यक, ( पुं. ) निरुण्य । अन्वृत्त शब्द  
 न अन्वृत्त शब्द । अन्वृत्त ।  
 निरुण्य, ( पुं. ) दो परस्पर के अन्वृत्त से  
 अन्वृत्त शब्द । अन्वृत्त । अन्वृत्त ।  
 अन्वृत्त ।  
 निरुण्य, ( वि. ) निरुण्य । अन्वृत्त ।  
 निरुण्य, ( पुं. ) अन्वृत्त शब्द ।  
 निरुण्य, ( वि. ) निरुण्य । अन्वृत्त ।  
 निरुण्य, ( पुं. ) अन्वृत्त शब्द । अन्वृत्त से  
 अन्वृत्त ।  
 निरुण्य, ( की. ) अन्वृत्त । अन्वृत्त ।  
 निरुण्य, ( पुं. ) अन्वृत्त ।  
 निरुण्य, ( की. ) अन्वृत्त ।  
 निरुण्य, ( पुं. ) अन्वृत्त । अन्वृत्त ।  
 निरुण्य ।

निर्दिष्ट, ( वि. ) सभा । सशोभि । सम्कारित ।	निर्युद्ध, ( उ. ) कील । झार । गोंद । छुड़ । घोड़ी ।
निर्युद्धक, ( उ. ) घोड़ी । साह करने वाला ।	निर्युचन, ( न. ) धातु एवं प्रत्यय के नियम से अर्थ कहने वाली निर्युक्ति । अर्थ का निर्युक्ति ।
निर्द्वन्द्व, ( उ. ) अनिरादि ।	निर्युपण, ( न. ) बीज बोना । दान । मिश्राद ।
निर्दिष्ट, ( वि. ) उपरिष्ठ । बालाया हुआ । दरगाया हुआ । कहा हुआ । दिलावाया हुआ ।	निर्युतित, ( वि. ) निष्पादि । अन्त एक पहुँचाया हुआ ।
निर्देश, ( उ. ) शासन । आज्ञा । वेदन । “आनदेश प्रथिते निर्देश भूतको यथा” देश से बाहर हुआ ।	निर्युद्धण, ( न. ) कथा की समाप्ति । अन्त । नारा । नाटक की एक सधि ।
निर्धन, ( उ. ) धन से रहित । गरीब ।	निर्घाण, ( न. ) मोघ । छुड़कारा । निगारा । गजस्तान । कोषक । शासन । विभाग ।
निर्घोरण, ( न. ) वृक्षच्छाद । निश्चय जानना ।	निर्घाण, ( न. ) मोघ । छुड़कारा । निगारा । गजस्तान । कोषक । शासन । विभाग ।
निर्घोरित, ( वि. ) निश्चय किया हुआ ।	निर्घाण, ( १. ) लोकप्रचार । बदनामी । लोकनि रा ।
निर्घुण, ( वि. ) हठों से रहित । बेकिक ।	निर्घाणण, ( न. ) मार बालना । देना ।
निर्घण, ( उ. ) हठ । अर्थना । आग्रह । अविशेष ।	निर्घाणन, ( न. ) निष्कालना । देशनिष्काल देना । पालना । निरर्थक । खोजना ।
निर्घोष, ( वि. ) निष्पदव । बाधाशून्य । अज्ञान ।	निर्घाण, ( १ ) कार्यतन्मादन । निष्पत्ति । अन्त । नीविका ।
निर्घोष, ( उ. ) अज्ञान । अज्ञान बोना ।	निर्घिकद्वय, ( वि. ) जानने योग्य ज्ञान । अर्थनिरिक अनुभव कर ज्ञान ।
निर्घोष, ( न. ) अज्ञान । अविमान ।	निर्घिकान, ( १ ) विचार अथवा परिचय विज्ञान ।
निर्घोषक, ( अ. ) मन्त्री का अनाद । अज्ञान ।	निर्घीला, ( वि. ) एक प्रकार की लक्ष्मण शाक के मशानुष्ण अनाद । वेदान्त ।
निर्घोष, ( वि. ) अज्ञान ।	निर्घुमि, ( वि. ) सुविचार । अज्ञान से अज्ञान भाव अज्ञान ।
निर्घोष ( वि. ) अज्ञान ।	निर्घुम, ( वि. ) निष्पत्ति । अज्ञान ।
निर्घोष ( वि. ) अज्ञान ।	निर्घुम, ( उ. ) अज्ञान । अज्ञान । अज्ञान ।
निर्घोष ( वि. ) अज्ञान ।	निर्घुम ( उ. ) अज्ञान । अज्ञान । अज्ञान ।
निर्घोष ( वि. ) अज्ञान ।	निर्घुम ( वि. ) अज्ञान । अज्ञान । अज्ञान ।
निर्घोष ( वि. ) अज्ञान ।	निर्घोष, ( उ. ) अज्ञान के निष्कालन की विज्ञान । अज्ञान । अज्ञान । अज्ञान ।

सदुत्सोपासन । बोधना । इच्छानुसार लगाता ।	निश्चय, ( न ) तथ्याधीनत्व । तेज करना ।
निर्द्दिष्टि, ( पु ) रात्र को जलाने के लिये ले जाने वाला ।	निश्चय, ( न. ) पर ।
निर्द्दिष्ट, ( पु. ) शब्द ।	निश्चापति, ( उ. ) अश्वत्थ ।
निलय, ( पु. ) पर । आवासरूपान । रहने की जगह ।	निशीघ्र, ( पु. ) आशीतल । रात ।
नियमन, ( न. ) रिता आदि के नाम पर रिती कर्म का देना ।	निशीघ्रिनी, ( स्त्री ) रात ।
नियमन, ( न. ) इतना । सी बर्ण गज भूमि ।	निशुभ, ( पु. ) शुभ दैत्य का भाई । एक दैत्य । मरुता ।
नियमन, ( न. ) मानना ।	निश्चय, ( पु. ) तथ्यापरिहित मिद्वान्त । निश्चय । वक्ता ।
नियमति, ( स्त्री. ) गृह । पर ।	निश्चय, ( रि. ) स्थिर । पक्का । भूमि । ( स्त्री. ) शालग्राम ।
नियमन, ( पु. ) नाम । शीघ्र ।	निश्चास, ( उ. ) सीत ।
नियमन, ( न. ) बर । कपडा ।	निष्क, ( उ ) तर्कल ।
नियम, ( उ. ) मनुष्य । सन्त । अण्ड ।	निष्कन्त, ( रि. ) धनुषधारी ।
नियम, ( पु. ) वातादिग देस । कचब ।	नियमा, ( स्त्री. ) हाट । शतार । दूकान । छोटा लकीर । मयधी ।
नियमकचब, ( पुं. ) एक देव । महादेव का पुत्र ।	निष्कर, ( उ. ) शीघ्र । कामदेव ।
नियम, ( उ. ) निरुत्त के लिये दान ।	निष्क, ( पुं. ) कठिन । एक देस । निपाद स्तर ।
नियम, ( उ. ) पर । चामरा ।	निष्क, ( पुं. ) पीठा या गले का रत्न । आण्डाल । वर्षासूत्र विशेष ।
निष्क, ( रि. ) वन । मोटा ।	निष्कदिन, ( उ. ) परावत । इतिव ।
निष्क, ( न. ) कण्ड में बड़ा हुआ जनेऊ । काने पहने हुए ।	निष्क, ( रि. ) वृष । रोषा हुआ । इतना हुआ ।
निष्क, ( न. ) निरत । इमा हुआ । सीत गया । पुत्रप्राप ।	निष्क, ( उ. ) गर्भाधान ।
निष्क, ( स्त्री. ) उपपत्त । इतना । निरति ।	निष्क, ( कि. ) मानना ।
निष्क, ( न. ) सम्मानपूर्वक विनमि ।	निष्क, ( उ. ) सोलह मरिषी की सीत । १०० रत्नी मर सोना । सीने का बर्तन ।
निष्क, ( पुं. ) विन्यास । धरना । व्यापनी । विवाह । स्थान ।	निष्क, ( उं ) निष्क । निष्कय । तार । तार ।
निष्क, ( न ) पर । प्रीता । रत्न ।	निष्कल, ( रि. ) अश्वत्थ । जो हुनर में जानता हो । ( उ. ) अश्वत्थ ।
निष्क, ( स्त्री. ) रात । इन्दी ।	निष्कालित, ( रि. ) निकाला हुआ ।
निष्क, ( स्त्री. ) रात । इन्दी । मेष आदि रशि स्यूह ।	निष्कट, ( पुं. ) पर के पास का उपवन । तेज । अन्तःपुर । ( स्त्री. ) इलायची ।
निष्ककर, ( उ. ) अन्तर्मा । धूर्ता ।	निष्कृष्टि, ( रि. ) सविन । रोषा गया । साध लगाया गया ।
निष्कधर, ( पुं. ) राक्षस । बल्लू । साँव । विशाख । चक्रा । शीर । रात्र को निचरने वाला ।	

निष्कृति, ( स्त्री. ) हुटकारा । मृत्ति ।  
 निष्कृष्ट, ( वि. ) निकाला गया । लौबा गया ।  
 सागरा । निचोड़ ।  
 निष्क्रीयण, ( न. ) भीतर के दिस्तों या  
 चमों की बाहर निकालना ।  
 निष्कमण, ( न. ) बाहर निकलना । एक  
 वैदिक मन्त्रार ।  
 निष्कय, ( पुं. ) विक्री । तन्त्रवाद ।  
 निष्कान्त, ( वि. ) निरुद्धा ।  
 निष्किय, ( वि. ) बेकार । कुल न करने  
 कथा ।  
 निष्कष, ( पुं. ) रमा । घुम ।  
 निष्ठा, ( स्त्री. ) निरागम । दृष्टा । घ- ।  
 निष्ठावन, ( न. ) वृक्ष । सागर ।  
 निष्ठा, ( न. ) निष्ठा । बेइश्वर ।  
 निष्ठावन, ( वि. ) देशा गया । वृथा गया ।  
 निष्ठावन, ( वि. ) पापन । निष्ठा । महाया  
 वृथा ।  
 निष्ठावन, ( स्त्री. ) निरोग । समाधि ।  
 निष्ठावन, ( न. ) बीडा । नाव ।  
 निष्ठावन, ( वि. ) हृष्टे । मय्या । मिष्ट ।  
 निष्ठावन, ( वि. ) साधनी । वापुष्म ।  
 जाने कथ वृक्ष न करने कथा ।  
 निष्ठावन, ( न. ) मन्त्रान्न । पूर्ण कथा ।  
 निष्ठावन, ( वि. ) मन्त्रान्न । निष्ठावन ।  
 पूरा विधा कथा ।  
 निष्ठावन, ( वि. ) साधनी ।  
 निष्ठावन, ( वि. ) साधनी । मन्त्र ।  
 निष्ठावन, ( वि. ) साधनी । साधनी ।  
 निष्ठावन, ( वि. ) साधनी । साधनी ।  
 निष्ठावन, ( वि. ) साधनी । साधनी ।  
 निष्ठावन, ( वि. ) साधनी । साधनी ।  
 निष्ठावन, ( वि. ) साधनी । साधनी ।  
 निष्ठावन, ( वि. ) साधनी । साधनी ।  
 निष्ठावन, ( वि. ) साधनी । साधनी ।

निष्कृष्टार्थ, ( पुं. ) दोभाषिया ।  
 निस्तस्व, ( वि. ) तरारस्व । धार ।  
 निस्तरण, ( न. ) उपाय । निस्तर ।  
 तेना ।  
 निस्तल, ( वि. ) गोल । वे वेदे का ।  
 निस्तार, ( पुं. ) उच्चार । उच्चार । हुटकार ।  
 निस्तुपित, ( वि. ) त्यागा हुआ । सप्त-  
 हिन ।  
 निस्तोज, ( वि. ) तेन रहित ।  
 निस्तोद्, ( पुं. ) वीणा । म्यथा । दर्श ।  
 निस्त्रिय, ( पुं. ) लक्ष । लौबा ।  
 निस्त्रियुण, ( वि. ) निष्काम ।  
 निस्त्रेह, ( वि. ) कृता । नेपुणित ।  
 निस्त्रेह, ( पुं. ) पञ्चकन । द्विभवा ।  
 निस्त्रेह, ( वि. ) साधनी । की । पाव न  
 लाने कथा ।  
 निस्त्रेह, ( पुं. ) वृक्ष । वृथा ।  
 निस्त्रेह, ( पुं. ) पापन का मोड़ ।  
 निस्त्रेह, ( वि. ) कलाद्विष्ट । कलाप ।  
 निस्त्रेह । निस्त्रेह ।  
 निस्त्रेह, ( पुं. ) साधनी ।  
 निस्त्रेह, ( वि. ) निष्ठावन गया ।  
 निस्त्रेह, ( वि. ) निष्ठावन । वेद ।  
 निस्त्रेह, ( वि. ) निष्ठावन ।  
 निस्त्रेह, ( न. ) साधनी । साधनी ।  
 निस्त्रेह, ( वि. ) साधनी । साधनी ।  
 निस्त्रेह, ( वि. ) साधनी । साधनी ।  
 निस्त्रेह, ( वि. ) साधनी । साधनी ।  
 निस्त्रेह, ( वि. ) साधनी । साधनी ।  
 निस्त्रेह, ( वि. ) साधनी । साधनी ।  
 निस्त्रेह, ( वि. ) साधनी । साधनी ।  
 निस्त्रेह, ( वि. ) साधनी । साधनी ।  
 निस्त्रेह, ( वि. ) साधनी । साधनी ।  
 निस्त्रेह, ( वि. ) साधनी । साधनी ।

(अ.) नीचे । घोड़ा । छद्म ।  
 (पुं.) श्लोक । बोलना ।  
 (पुं.) पथी । विक्रिया । घोससे भे  
 दा होने वाला ।  
 (वि.) लाया गया । पहुँचाया गया ।  
 (स्त्री.) एक शाक । म्याय । उखिन  
 पत्रदार ।  
 गारुड, (न.) नीति के ग्रन्थ ।  
 ग, (वि.) नीति को जानने वाला ।  
 (पुं.) कदम्ब । नीला शर्योका ।  
 गहरिया ।  
 गान, (वि.) पहुँचाया जा रहा । लिया  
 जा रहा ।  
 (न.) जल । रस ।  
 ग, (न.) कमल । मोठी । जलजीव ।  
 (वि.) रज से रक्षित ।  
 ग, (पुं.) शकल । मोषा । (वि.)  
 गे दाँत वाला ।  
 गधि, } (पुं.) समुद्र ।  
 गधि, }  
 गन्ध, (वि.) गाढ़ा । बना । विद  
 रक्षित ।  
 ग, (वि.) कृता । रसहीन ।  
 गजजन, (न.) भारतीय उपमहादेश ।  
 गङ्गा, (पुं.) शैवसहित । आराम ।  
 ग, (पुं.) नीला । बानर विशेष । निधि  
 विशेष । चर्म विशेष । लाम्बन ।  
 कलक । नीलम मणि ।  
 गक, (न.) बाला नमक ।  
 गकण्ड, (पुं.) महादेव । एक पथी ।  
 परीक्षा । मोर ।  
 गालोहित, (पुं.) महादेव । काला भीर  
 लाल मिला हुआ रंग ।  
 गाम्बु, (पुं.) बलदाक्री । शनिश्चर ।  
 गणत । (न.) नीले रंग का कपड़ा ।  
 गलोत्पल, (न.) नीले रंग का कमल ।  
 गेघार, (पुं.) गृध्राय । तिणी के शकल ।

नीपी, (स्त्री.) रूनी । शियों के लड़के का  
 नाम ।  
 नीपुत्र, (पुं. स्त्री.) जनपद । देरा ।  
 नीशार, (पुं.) परा । कनात । तंबू ।  
 नीहार, (पुं.) कुहासा । कुहरा ।  
 नु, (अ.) तर्कणा । विकल्प । अपमान ।  
 अनुभव । प्रश्न । कारण । व्यतीत ।  
 नुति, (स्त्री.) स्तुति । पूजा ।  
 नुत्त, (वि.) प्रेरित ।  
 नुत्त, (वि.) भ्रम । प्रेरित । निस्त ।  
 नूतन, (वि.) नया ।  
 नूत, (वि.) नया ।  
 नूद, (पुं.) शकल का दारुण ।  
 नून, (वि.) समूचा ।  
 नूनम्, (अ.) निश्चय । तर्कणा । सम्य ।  
 कथेश । वचनवृत्ति ।  
 नूपुर, (पुं.) नेवर । निलिया ।  
 नू, (पुं.) पुष्प । मनुष्य ।  
 नृकरोटिका, (स्त्री.) मनुष्य की लोपडी ।  
 नृग, (पुं.) एक बड़े दानी राजा ।  
 नृति, (स्त्री.) नाचना ।  
 नृत्त, } (न.) ठाठ लय के साथ नाचना ।  
 नृत्य, }  
 नृप, (पुं.) राजा ।  
 नृपति, (पुं.) राजा । कुनेर ।  
 नृपयु, (पुं.) पशु की तरह विकल्पित  
 मनुष्य ।  
 नृपाध्य, (पुं.) राजपुत्र यक ।  
 नृशंस, (वि.) कुल । नीच । लूनी ।  
 नृत्ति, (पुं.) विष्ट का एक चतुर ।  
 मनुष्यों में शेर ।  
 नेत्रक, (पुं.) धोनी ।  
 नेत्रा, (वि.) शकल । कृतिपा । मणिक ।  
 नेत्र, (न.) महाती की रली । बदन । रव ।  
 नेत्रपुत्र, (पुं.) बलके ।  
 नेत्रवन्ध, (पुं.) अलादिनी का लेप ।  
 नेत्राम्बु, (न.) बंधू ।



नेदिष्ठ, ( वि. ) अत्यन्त निकटवर्ती ।  
 नेदीयान्, ( वि. ) नहुत ही नजदीकी ।  
 नेप, ( पुं. ) पुराहित ।  
 नेपथ्य, ( न. ) रंगभूमि । स्टेज । बैराभूता  
 बनाने का स्थान ।  
 नेपाल, ( पुं. ) नेपाल देस ।  
 नेम, ( पु. ) समय । अवधि । लण्ड । प्रकार ।  
 छल कपट । गदा ।  
 नेमि, ( स्त्री. ) गरीबी । पहिये की लकीर ।  
 जिनियों के एक देवता ।  
 नेमिश, ( न. ) नैमिशारण्य ( नौमत्तार ) क्षेत्र ।  
 नेमी, ( स्त्री. ) पहिये की लकीर । गरीबी ।  
 नेष्ट, ( वि. ) निविद्ध । अग्रिय । नापसन्द ।  
 नेकट्य, ( न. ) निकटता ।  
 नैकृतिक, ( वि. ) शुगलखोर ।  
 नैगम, ( पुं. ) उपनिषद् । मन्त्रविद्या ।  
 बनिया । व्यापारी ।  
 नैज, ( वि. ) अचना ।  
 नैत्य, ( न. ) नित्यता ।  
 नैपुरण्य, ( न. ) निपुणता । चातुरी ।  
 नैमित्तिक, ( वि. ) विशेष कारण से होने  
 वाला ( कर्म ) ।  
 नैमिष, ( न. ) नौमत्तार क्षेत्र । नैमिशारण्य ।  
 वायुपुराणोक्त वह स्थान, जहाँ ब्रह्मा का दिया  
 हुआ मानसचक्र आरों टूट कर गिर गया  
 और तपस्या आदि के लिये सर्वोत्तम स्थान  
 माना गया । " निमिःशार्धैरन्यस्मिन् । "  
 नैयायिक, ( वि. ) न्याय शास्त्र को पढ़ने या  
 जानने वाला ।  
 नैरन्तर्य, ( न. ) निरन्तरता । अत्यव्यथा ।  
 नैराश्य, ( न. ) नाउत्सिही । आशा न रहना ।  
 नैरक्त, ( पुं. ) निकलमन्वन्धी ।  
 नैर्घृत, ( पुं. ) राधत । पश्चिम दक्षिण दिशा  
 के स्तम्भी ।  
 नैर्गुण्य, ( न. ) निर्गुणता । शक्ति ।  
 नैर्व्यघ्र, ( न. ) निवेदन ( अर्थ ) करने की  
 लक्ष्मी । भद्रवार का भोग ।

नैश, ( वि. ) रात का ।  
 नैपथ्य, ( पुं. ) महाराज नथ । शीर्ष कीर्ति  
 का बनाया महाराज्य ।  
 नैष्कर्म्य, ( न. ) कर्म न करना । वेद  
 रहना ।  
 नैष्ठिक, ( पुं. ) बालकप्रचारी ।  
 नैसर्गिक, ( वि. ) स्वाभाविक । स्वभावतः  
 नो, ( अ. ) नहीं । अभाव । निषेध ।  
 नोचेत्, ( अ. ) नहीं-तो ।  
 नोदना, ( स्त्री. ) प्रेरणा ।  
 नो, ( स्त्री. ) नाव । नेडा ।  
 नौका, ( स्त्री. ) नाव ।  
 नौकादण्ड, ( पुं. ) डोंड ।  
 न्यकार, ( पु. ) अनादर । धिकार ।  
 न्यग्रोध, ( पुं. ) चर्द का पेड़ ।  
 न्यङ्क, ( पु. ) छुनिविशेष । बारहतिगा ।  
 न्यञ्जित, ( वि. ) शोभा ।  
 न्यस्त, ( वि. ) रक्ता गया । त्यक्त ।  
 न्यस्तदण्ड, ( पु. ) सन्धाती ।  
 न्यस्तशस्त्र, ( वि. ) त्यक्तशस्त्र । निहन्ता ।  
 न्याय, ( पु. ) उचित । इन्साफ़ । नीति ।  
 दरौन शास्त्रों में से एक दरौन शास्त्र ।  
 न्याय्य, ( वि. ) युक्तियुक्त । सुनासिब ।  
 न्यास, ( पु. ) धरोहर । अमानत । सन्धाती  
 रहना ।  
 न्युञ्ज, ( पुं. ) कुरानिर्मित सुवा । ( न. )  
 कर्मरत । ( वि. ) कुबचा । शोभा ।  
 न्यून, ( वि. ) कम । निन्दा योग्य ।

## प

प, पीना । पचाना । वायु । पत्ता । अण्ड ।  
 पक, ( वि. ) पका हुआ । रद ।  
 पकण्य, ( न. ) भील का घर । आण्डाल की  
 छोपड़ी ।  
 पक्ष, ( पुं. ) २५ दिन । पक्षपात । पक्ष  
 सहाय । तटक ।  
 पक्षक, ( पुं. ) लिङ्गी । पत्ता या कोट  
 दीवार ।

पक्षति, ( स्त्री. ) पक्षपाते की आत्मीय त्रिपि ।  
पक्षता । प्रतिपक्ष त्रिपि । पक्षियों के पतों  
की लक्ष् ।

पक्षपात, ( पुं. ) तरकराती । पक्ष का पिर  
जाना । पंख भङ्ग जाना ।

पक्षान्त, ( पुं. ) अनावम और दूनों का दिन ।  
त्रिमये पक्षवाहा समाप्त हो ।

पक्षिन्त, ( त्रि. ) सहायता देने वाला । कान्पां-  
यन सुनि ।

पक्षी, ( पुं. ) चिड़िया । तीर । पक्षपाते  
वाला । महीना ।

पक्षम, ( न. ) पक्ष ।

पक्ष्म, ( पुं. न. ) कौचक । पाप ।

पक्ष्मज, ( न. ) कमल । ( त्रि. ) जो कौचक  
में पैदा हो ।

पक्ष्मल, ( त्रि. ) पैला । कौचक वाला ।

पक्ष्मल, ( न. ) कमल । समस्त पक्षी ।

पक्ष्मि, ( स्त्री. ) पौनि । बतार । बेथी ।

पक्ष्मिपक्ष, ( पुं. ) धूर्त । चम्र छादपियों में  
न बैठने लायक । अनाचारी । त्रिमके  
साथ भोजन करने से अट्टना हो जाय ।

पक्ष्मिपायन, ( पुं. ) विशान् । शुष्ण । सदा-  
चारी त्रिमके साथ भोजन को बैठने वाले  
पवित्र हो जाय ।

पक्ष्मिपा, ( स्त्री. ) कनार की कतार । अतुकुम से ।

पक्ष्मि, ( त्रि. ) सैगक । ( पुं. ) शनैश्चर  
मह ।

पक्ष्मन, ( न. ) पक्ष्मना । अनादि का  
पक्ष्मना ।

पक्ष्म, ( पुं. ) लक्ष् ।

पक्ष्मक, ( न. ) पौच का समूह । धनिष्ठा के  
द्वन्द्वार्थ से देवकी तक पौच अक्षर ।

पक्ष्मकपाय, ( पुं. ) जामुन । सेमर । येर  
आदि पौच कहैली चलि ।

पक्ष्मकोष, ( पुं. ) अजमय । मायमय ।  
मनोमय । विज्ञानमय और ज्ञानन्दमय—ये  
शरीर के भीतरी पौच भाग ।

पक्ष्मकष्य, ( न. ) गी की पौच चलि—दूध,  
दही, घी, घेंसूच, गोबर । विवर्ण इसको  
पी कर अपनी देहशुद्धि मानते हैं ।

पक्ष्मचूडा, ( स्त्री. ) एक अयना ।

पक्ष्मजन, ( पुं. ) एक दैत्य । पौच छादमी ।  
पुत्र ।

पक्ष्मतर्य, ( न. ) पौच तार—गुणी, जल,  
तेज, वायु और आकाश ।

पक्ष्मपटी, ( स्त्री. ) दण्डकाव्य का एक  
स्थान । जहाँ वनवास में रामचन्द्र ने  
निवास किया था । सीतादण्ड का  
स्थान ।

पक्ष्मपाण, ( पुं. ) पौच नाथ वाला । कामदेव  
के पौच काण से हैं—

“अरविन्दमरोचन भूत च नवमलिषा ।  
नीलोत्पल च पद्मेने पञ्च राक्षस्य सायका-॥”  
अर्थात्—कमल, अशोक, आम, नदी  
मालती ( मयूयालती ) और नीले रंग का  
कमल ये पौच काण हैं ।

अथवा—

“उन्मादस्तोपनश्च सन्मनः शोणितस्तथा ।  
समोदनश्च कामरय पञ्च काण्डाः प्रशीर्विता ॥”  
अर्थात्—पागल कर देना । सन्मन कर देना ।  
कर्नन्वदृश्य करना । शरीर शुष्क देना और  
मोदिन ( आराक ) कर देना ये पौच  
काण हैं । कामदेव ।

पक्ष्मशास्त्र, ( पुं. ) पराशरा । इत्य ।

पक्ष्मसूता, ( स्त्री. ) बूझा, चली, पुहागी,  
लीपना और खलना—इनसे होने वाली  
जीसो की इत्या ।

पक्ष्मग्नि, ( पुं. ) चारों तरफ आग जला कर  
ऊपर से सूखे का ताप सहना । पौच आगे  
वपसी शरीर में दोतर के वरू तापते हैं ।

पक्ष्मज्ञ, ( न. ) त्रिमये त्रिपि, वार, नक्षत्र,  
योग और इत्या से पौच कष्ट हो । वषा ।  
त्रिपिषा । ( पुं. ) बहुरूप । ( त्रि. )  
पौच कष्ट वाला ।

पद्मपुराण, (न.) अठारह पुराणों में से एक ।  
 पद्मसम्बन्धी अलङ्कार-  
 विशेष ।  
 पद्मसन्धु, (पु.) सूर्य । भीरा ।  
 पद्मभू, (पुं.) पद्मोद्भव । ब्रह्मा ।  
 पद्मराग, (न.) माणिक्य । लाल ।  
 पद्मसाम्बन्धन, (पु.) सूर्य । ब्रह्मा । राजा ।  
 कुबेर ।  
 पद्मा, (स्त्री.) लक्ष्मी । लवङ्ग । मनसा देवी ।  
 कुसुम्भ का पुत्र ।  
 पद्मासन, (न.) बैठक भेद । आमन-  
 विशेष ।  
 पद्मिनी, (स्त्री.) कमलों का समूह । कमलों  
 वाला देश । स्त्रीविशेष ।  
 पद्मिन्, (पुं.) शशी । कमलों वाला ।  
 पद्मेशय, (पुं.) विश्व ।  
 पद्य, (न.) श्लोक । कविता । कवियों की  
 लन्दोबद्ध रचना ।  
 पन्, (क्रि.) स्तुति करना ।  
 पनस, (पु) कटहर । कोंडाल । कपटकी-  
 फल ।  
 पद्म, (त्रि.) मला हुआ । गिरा हुआ ।  
 पद्मग, (पु.) साँप । सर्प ।  
 पद्मगाशन, (पु.) गण्डक । साँप का लाने  
 वाला । सर्पभोगी ।  
 पद्मज्जा, (स्त्री.) पौत्र में बोधी गया । चर्म-  
 पादक । जूती ।  
 पद्मपा, (स्त्री.) दक्षिणी एक तालाव । पद्मा  
 सरोवर । जहाँ श्रीरामचन्द्र और सुमित्र की  
 भेट हुई थी । नदीविशेष ।  
 पद्य, (क्रि.) जाना ।  
 पयस, (न.) दूध । जल । पानी ।  
 पयस्य, (त्रि.) दुग्धविकार । दही, मलाई  
 इत्यादि । विज्ञा । अर्द्धवृत्तिका और इ-  
 त्थिनी स्त्री ।  
 पयस्यिनी, (स्त्री.) दूध वाली । गौ । नदी ।  
 काशीकी । बरक । जीवनी । लवि ।

पयोधर, (पुं.) भेष । स्त्री का मत्त-  
 नारियल ।  
 पयोधि, (पुं.) समुद्र ।  
 पयोमत, (न.) बारह दिन का व्रतविधि  
 जिसमें केवल दूध पिया जाता है ।  
 पर, (त्रि.) भिन्न । और । दूसरा । अद्वय  
 दूर । सर्वोत्तम । छुटकारा । केवल । (न.)  
 ब्रह्म । (पुं.) रात्रि ।  
 परःशत, (न.) सौ से अधिक ।  
 परःश्वस, (अन्य.) परसों का दिन ।  
 परःसहस्र, (न.) एक हजार से उत्तर  
 की गिन्ती ।  
 परकीय, (त्रि.) दूसरे का । ( । )  
 (स्त्री.) उपनायिका ।  
 परच्छन्द, (पुं.) दूसरे की इच्छा । प्रता-  
 धीन ।  
 परजात, (त्रि.) दूसरे से उत्पन्न ।  
 परतंत्र, (त्रि.) पराधीन । दूसरे के अधीन ।  
 परत्व, (न.) वैशेषिक मतानुसार सिद्ध  
 शुष्य विशेष एवं भेद ।  
 परपिण्डाद्, (त्रि.) पराधीनजीवी । दूसरे  
 के अन्न से जीने वाला ।  
 परपुष्ट, (पु) कोंडाल (स्त्री) वैश्या ।  
 परपूर्वा, (स्त्री) दूसरा पति करने  
 वाली स्त्री ।  
 परभाग, (पुं.) दूसरे का हिस्सा ।  
 परभृत्, (पुं.) काक । कीड़ा ।  
 परम्, (अन्य.) नियोग । भेष । केवल ।  
 अनन्तर ।  
 परम, (त्रि.) प्रधान । उत्कृष्ट । बड़ा ।  
 पहला । श्रेष्ठ ।  
 परमम्, (अन्य.) अज्ञान । स्वीकार करना ।  
 परमर्षि, (पुं.) गमनेवा । भेष सन्न ।  
 परमहंस, (पुं.) कुटीरक आदि सन्नामियों  
 में से एक प्रकार का सबसे ऊँचा अन्निय  
 भेदी का सम्प्रदायी ।  
 परमाणु, (पुं.) बहुत बिलीन अणु ।



पर्यङ्क, ( घ. ) बाँसे धोर ।  
 पर्यङ्क, ( पु. ) छाट । पलंग ।  
 पर्यटक, ( पु. ) घूमने वाला । यात्री ।  
 मन्दासी ।  
 पर्यटन, ( न. ) घूमना । फिरना । यात्रा  
 करना ।  
 पर्यन्त, ( पु. ) तक । तलक ।  
 पर्येष, ( पु. ) बहर । लौट पीट । घनाचार ।  
 पर्येषधारण, ( न. ) दंड निश्चय । दंड  
 विचार ।  
 पर्येषस्था, ( स्त्री. ) विधि ।  
 पर्यध, ( घ. ) धँसुथो से तर ।  
 पर्यङ्ग, ( वि. ) उपकायुक्त । अक्षरान्तर ।  
 विग हुआ । घात हुआ ।  
 पर्याप्त, ( न. ) पोंडे की काठी ।  
 पर्याप्त, ( न. ) पोंडे । काठी ।  
 पर्याप्त, ( पु. ) बारी बारी । निश्चिन्ता ।  
 पर्याप्तोपजन, ( न. ) अन्धा तरह देखना-  
 विचारना ।  
 पर्याप्तुल, ( वि. ) लीटा हुआ ।  
 पर्य.म. ( पु. ) विनाश ।  
 पर्युद्ध, ( न. ) विजयना ।  
 पर्युद्धान, ( न. ) विजयना ।  
 पर्युद्धान, ( न. ) अथ । कर्ब ।  
 पर्युद्धान, ( वि. ) निश्चिन्त । मोटा मया ।  
 हलका मया ।  
 पर्युद्धान, ( पु. ) निश्चिन्त । अथ । हलका ।  
 पर्युद्धान, ( वि. ) कर्ब ।  
 पर्युद्धान, ( स्त्री. ) अन्ध । अन्ध ।  
 पर्युद्ध ( पु. ) अथ ।  
 पर्युद्धान, ( वि. ) अथ ।  
 पर्युद्ध ( न. ) अन्ध । अन्ध । अन्ध ।  
 अन्ध ।  
 पर्युद्धान ( पु. ) अथ । अथ । अथ ।  
 अथ ।  
 पर्युद्ध ( पु. ) अथ । अथ ।  
 पर्युद्ध ( न. ) अथ । अथ ।

पर्युक्ता, ( स्त्री. ) पसली की हड्डी ।  
 पर्युद्ध, ( स्त्री. ) समा । धर्मोद्देशक विचारों  
 का समान ।  
 पल, ( न. ) एक छोटी तील । बहुत मूल्य  
 वाला । मेकड़ । मास ।  
 पल्ल, ( न. ) कीचड़ । मास ।  
 पलाण्डु, ( पु. ) पान ।  
 पलायन, ( न. ) भागना ।  
 पलाय, ( पु. न. ) पुष्पल । वीर ।  
 पलाश, ( न. ) पता । डोंक । हग ल ।  
 शकल ।  
 पलिकर्मी, ( स्त्री. ) बुद्धि । बचान में ही धर्म  
 धारण करने वाली स्त्री ।  
 पलित, ( न. ) बालों का पड़ना । बदन की  
 झुर्रियाँ ।  
 पल्यङ्क, ( पु. ) पलंग ।  
 पल्लव, ( पु. ) वृक्षों की कोरल । नई पत्तियाँ ।  
 मदार ।  
 पल्लि, ( स्त्री. ) लोटा गाँव । रोरा ।  
 पल्लव, ( पु. ) हडा । ( न. ) लकड़ बनाने ।  
 पल्लवामज, ( पु. ) हड्डान । अथ ।  
 भाग ।  
 पल्लवाम, ( पु. ) लोटा ।  
 पल्लवाम, ( पु. ) लोटा । हडा ।  
 पल्लि, ( पु. ) लकड़ । पल्लि का ' हड्डान ' ।  
 पल्लि, ( वि. ) लकड़ ।  
 पल्लि - स्त्री. हडा की बनी लोटा ।  
 पल्लु ( वि. ) लकड़ । लकड़ । लकड़ ।  
 हडा ।  
 पल्लु, ( पु. ) लकड़ ।  
 पल्लु, ( पु. ) लकड़ । लकड़ ।  
 पल्लु ( न. ) लकड़ ।  
 पल्लु ( पु. ) लकड़ । लकड़ ।  
 पल्लु ( पु. ) लकड़ । लकड़ ।  
 पल्लु ( पु. ) लकड़ । लकड़ ।  
 पल्लु ( पु. ) लकड़ । लकड़ ।

- पद्मपत्नी, ( स्त्री. ) मातीरिषे ।  
 पद्मप, ( पु. ) श्लेषी की एक जाति ।  
 पा. ( कि. ) पीना, रक्षा करना ।  
 पांशु, ( पु. ) भूषि । रात । पाप ।  
 पांशुल, ( वि. ) मर्दला । पापी ।  
 पाक, ( पु. ) पकना । एक द्वय ।  
 पाकशास्त्र, ( स्त्री. ) रसोत्पत्ति ।  
 पाकशास्त्र, ( पु. ) इन्द्र ।  
 पाक्षिक, ( वि. ) एक पक्ष का । एक पल-  
 वादे का ।  
 पाचक, ( पु. ) रसोत्पत्ति ।  
 पाचन, ( न. ) पचाने वाला । वृत्त बर्गरह ।  
 पाञ्चजन्य, ( पु. ) विष्णु का शङ्ख ।  
 पाञ्चाल, ( पु. ) पञ्जाब ।  
 पाटन्धर, ( पु. ) नगर ।  
 पाटल, ( पु. ) गुलाबी रंग ।  
 पाटलिपुत्र, ( पु. ) पटना शहर ।  
 पाटय, ( न. ) इतिहासी । तन्दुर्बन्नी ।  
 पाठ, ( पु. ) सबक । पढ़ना ।  
 पाठक, ( पु. ) पढ़ाने वाला । मास्टरों की  
 एक जाति ।  
 पाठशाला, ( स्त्री. ) पढ़ने की जगह । मद्रसी ।  
 मकूल ।  
 पाठोन, ( पु. ) पढ़ना मजली ।  
 पाणि, ( पु. ) हाथ ।  
 पाणिपृथ्वी, ( स्त्री. ) भार्या । ओढ़ ।  
 पाणिप्रहण, ( न. ) हाथ पकड़ना । विराह  
 सङ्घार ।  
 पाणिनि, ( पु. ) व्याकरण के आचार्य एक  
 प्रतिष्ठित मुनि ।  
 पाणिनीय, ( न. ) पाणिनिरचित -व्याकरण ।  
 पाण्डुरगर्भा, ( स्त्री. ) रसली ।  
 पाण्डुर, ( पु. ) राजा पाण्डु के लड़के  
 कुन्तिउत्पत्ति ।  
 पाण्डु, ( पु. ) चन्द्रवर्णी एक राजा । भीष्मा ।  
 पाण्डुर, ( पु. ) बीजा । कोंवर का रोग ।  
 पाण्ड्य, ( पु. ) एक देश ।  
 पात, ( पु. ) पतन । गिरना । रक्षित ।  
 पातक, ( न. ) पाप ।  
 पातञ्जल, ( न. ) पतञ्जलि कपिल योग-  
 शास्त्र ।  
 पाताल, ( न. ) वृद्धि के नीचे का लोक ।  
 पातुक, ( वि. ) गिरने वाला ।  
 पात्र, ( न. स्त्री. ) बर्तन । आहार । नाटक में  
 अभिनय करने वाला ।  
 पात्रीय, ( वि. ) वस्त्रोपकरण ।  
 पाथ, ( न. ) जल । अग्नि । सूर्य ।  
 पाथम्, ( न. ) जल । अन्न । शत्रु ।  
 आकार ।  
 पाथेय, ( वि. ) रास्ते में खाने के लिये  
 भोजन ।  
 पाद्, ( पु. ) चरण । पैर । अनुप्रास ।  
 वृत्त की नक्ष ।  
 पाद्कटक, ( पु. ) वृत्त । पौनिक । अर्धभन ।  
 पाद्दृच्छ, ( पु. ) एक प्रकार का मन्त्र ।  
 एक दिवस का उपवास ।  
 पाद्मप्रहण, ( न. ) पालागन ।  
 पाद्धारिन्, ( पु. ) पैरों धरने वाला ।  
 पैदल ।  
 पाद्मराय, ( न. ) शृंग । लहराई ।  
 पाद्म, ( पु. ) पेड़ । पौधा ।  
 पाद्मूल, ( न. ) पैर का तलवा ।  
 पाद्मिक, ( वि. ) पद्मिक । शोभा । पैदल ।  
 पाद्मज्ज, ( न. ) विविधा । पापजनक ।  
 अर्धभन ।  
 पाद्मना, ( न. ) श्लेष सूर्य ।  
 पाद्मका, ( स्त्री. ) शरीर । लहराई ।  
 पाथ, ( न. ) पैर धोने का जल ।  
 पान, ( न. ) पीना । शरण । पीने का बर्तन ।  
 रक्षा । नहर ।  
 पानगोष्ठी, ( स्त्री. ) शरापियों की मण्डली ।  
 पानभाजन, ( न. ) पानपात्र । मरिच पीने  
 का प्याला या गिलास ।  
 पानीय, ( न. ) जल । पीने योग्य ।

पिङ्गाक्ष, ( पु. ) शिव । सुदर्शन ।  
 पिचण्ड, ( पुं. ) उदर । पेट ।  
 पिचु, ( पुं. ) कर्पास । कुष्ठ विशेष ।  
 पिच्य, ( कि. ) काटना । छेद करना ।  
 पिच्छु, ( न. ) मोर की पूँछ और, बोधी ।  
 सितल का पेड़ । सुपारी । कोष । पक्ति ।  
 पिज्, ( कि. ) चमकना ।  
 पिज्ज, ( न. ) नल । काहूर । ( वि. ) विकल ।  
 ( स्त्री. ) इर्दी । अहिंसा ।  
 पिञ्जट, ( पुं. ) कौचक ।  
 पेञ्जर, ( न. ) इत्ताल । सोना । नामकेसर ।  
 पिञ्जडा । टटरी । घोडा विशेष । पीडा  
 और साल रह ।  
 पेद्, ( कि. ) इकट्ठा होना । शब्द करना ।  
 पेटक, ( पु. ) दलिया । पिशरी । फोडा ।  
 पेटु, ( कि. ) छट उठाना । मारना ।  
 पेटर, ( पु. ) बर्तन । मपानी । पाली ।  
 पेण्ड, ( वि. ) शरीर का एक भाग । पर  
 का एक भाग । भाद्र का एक अक्षर बन  
 बना सोनाकार सामान । हाथी का माथा ।  
 मदन पेड़ । पार्वतिय । सोडा ।  
 पेण्डखर्जूर, ( पु. ) वृक्ष विशेष ।  
 पेण्डयस, ( न. ) देव शोदा ।  
 पेण्डार, ( पु. ) बरखट । मोर । दूध ।  
 पेण्डरी, ( स्त्री. ) वेद । अक्ष की मूर्ति ।  
 विद्वी । अशोक वृक्ष । पर । पीडा ।  
 वेदी ।  
 पेण्डरीयूर, ( पु. ) वृक्ष ।  
 पेण्डाक, ( न. ) पिश्री का पूरा । रिंग ।  
 लव ।  
 पेण्डानह, ( पु. ) बकर । दुदा । मग्रा का नाम ।  
 पेण्ड, ( पु. ) पिता । बड़े लोग ।  
 पेण्डावन, ( न. ) शम्भुवन ।  
 पेण्डुलीधे, ( न. ) बकर । वेदी की चोड़ों  
 का अक्षर ।  
 पेण्डुलि, ( पु. ) बन्धन ।  
 पेण्डुलु, ( स्त्री. ) अक्षर । लव ।

पितृयज्ञ, ( पु. ) पितृर्पण ।  
 पितृयास, ( पु. ) पितरों के जाने का  
 मार्ग ।  
 पितृलोक, ( पु. ) चन्द्रलोक से ऊपर पितरों  
 के रहने योग्य लोक ।  
 पितृबन्धु, ( पु. ) पिता के मामा के लड़के ।  
 पितृव्य, ( पुं. ) चाचा । काका ।  
 पितृष्यन्त्रीय, ( पुं. स्त्री. ) पुथा का वेग  
 या वेदी ।  
 पितृसन्निभ, ( पु. ) जो पिता के समान हो ।  
 पिच, ( न. ) देहस्प धातु विशेष । गर्मी ।  
 पिच्छल, ( न. ) पीतल धातु । पित्त कात्रे  
 समान का ।  
 पिच्य, ( वि. ) मधु । मया नश्यत । अमा-  
 वारया ।  
 पितसन, ( पुं. ) पितने की इच्छा वाता ।  
 पिधान, ( न. ) परदा । ओढ़ना । पिशीरो ।  
 पिनर, ( वि. ) पढ़ना हुआ । बैठा हुआ ।  
 पिनाक, ( पुं. न. ) कमान । मूर्ति की  
 वगैः ।  
 पिनाकिन्, ( पुं ) महादेव ।  
 पिपासा, ( स्त्री. ) पीने की इच्छा । प्यास ।  
 पिपासु, ( वि. ) प्यासा ।  
 पिपीलिक, ( पु. ) चेटा ।  
 पिपल, ( न. ) पीपल का पेड़ । अक्ष ।  
 कपड़े का टुकड़ा । पपी ।  
 पिपाल, ( पु. ) वृक्ष विशेष ।  
 पिपल, ( कि. ) अनाम ।  
 पिपु, ( कि. ) सीपना ।  
 पिपु, ( कि. ) शिखा करना ।  
 पिपुङ्ग, ( पु. ) अमल की मूर्ति के लक्षण  
 रह वाता पिपा रह ।  
 पिपाच, ( पु. ) देहपेदिभेद ।  
 पिपिल, ( न. ) प्यास । अनामनी ।  
 पिपुल, ( न. ) अक्ष । पुतलपे । चेटा ।  
 नरद की पत्नी ।  
 पिपु, ( वि. ) पीपना ।  
 पिपु, ( न. ) अक्ष । अनामनी ।

पिष्टक, ( पु. न. ) चावल के चूरे का बना हुआ । पीठी ।

पिष्टप, ( पु. न. ) भुन । भगम् । सर्ग ।

पिष्टान, ( पु. ) केसर आदि मधुरत्व ।

पिम्, ( कि. ) आना । बचनना । तुल्यिष्य  
सागना । बल करना । मारना । देना ।

पिहित, ( वि. ) दिपा हुआ ।

पी, ( कि. ) पीना ।

पीठ, ( पु. न. ) पीठा । बेटी । बीबी ।

पीष्ट, ( कि. ) बध करना । प्रवेर करना ।

पीडन, ( न. ) दुःख । कष्ट । व्याकम्प ।

पीडा, ( श्री. ) प्यासा । दुःख ।

पीडित, ( वि. ) दुःखित ।

पीत, ( न. ) हल्दी के रङ्ग जैसा ।

पीतक, ( न. ) केसर । इरगल । पीतल ।

पीतयाम्बु, ( पु. ) भीकृष्ण ।

पीन, ( वि. ) रूख । मीय । बूझ ।  
सम्पन ।

पीनोष्नी, ( श्री ) नट्ट मोटे धन काजी बी ।

पीनस, ( पु. ) नासिका का रोग निशये नाक  
से कीड़े भागते हैं । नाक गल कर निक  
जाती है । सोती । उग्राम ।

पीष्ट, ( कि. ) मसप होना ।

पीयूष, ( न. ) अमृत । दूध ।

पील, ( कि. ) रोकना ।

पीलु, ( पु. ) हाथी । इडिथों का टुकड़ा ।  
पूज ।

पीप, ( कि. ) मीय होना ।

पीपन, ( वि. ) रूख । मीय । बच काला ।  
( पु. ) बापु ।

पीपद, ( वि. ) मुक्ती गी । रावपथा । अरु-  
गन्धा । रूख ।

पुंलिङ्ग, ( न. ) पुंन का लिङ्ग ।

पुंश्चली, ( श्री. ) अलती श्री । इरव-  
रिया श्री ।

पुंस्, ( कि. ) मलना ।

पुंसयन, ( न. ) गर्भ का मरभार विशेष । दूध ।

पुंस्य, ( पु. ) पुंसयन । यह विशेष ।  
शुक ।

पुंसस-श, ( उ. ) चायमख । अथम ।

पुंस, ( पु. ) नीर का मिरा । पूरा ।

पुंस्य, ( पुं. ) बंध । किसी शब्द के पीछे  
आने पर समझ धर्म उत्तम होना है जैसे  
नरपुंस्य ।

पुंस्य, ( कि. ) नापना । मापना ।

पुंस्य, ( न. ) पूँख । इम ।

पुंस, ( पु. ) राति । समूह । डेर ।

पुंस, ( कि. ) कमबन्ध । बुझना । मिलना ।

पुंस, ( न. ) जायकल । मिट्टी के प्याले ।  
देवता । होना ।

पुंसभेद, ( उ. ) नगर । बाजा । दात । इडा  
का नववहर ।

पुंसिका, ( श्री. ) इलायची ।

पुंसित, ( वि. ) गुंथा हुआ । सम्पुट दिग्ध  
हुंथा ।

पुंस, ( कि. ) अरमान करना ।

पुंस, ( कि. ) मलना । पीसना ।

पुंस, ( कि. ) धर्मधार्य करना ।

पुंसदरीक, ( पु. ) अभिघ्नोष्ण का दिग्धन ।  
भेदिया । विरु कमल का फूल ।  
दाई ।

पुंसदरीकाक्ष, ( पुं. ) कमल-जयन । भीविन्दु ।  
भीकृष्ण ।

पुंसद, ( पुं. ) एक मन्त्र का मन्त्र । माधवी  
सगा । विरु । दीव्य विशेष ।

पुंस्य, ( न. ) अन्धा काम । धर्म ।

पुंसयजन, ( पु. ) राधम ।

पुंसयजनेद्वय, ( पु. ) उर्वर ।

पुंस्यभूमि, ( श्री. ) चायान्त । दिग्ध और  
दिग्धता के मध्य की भूमि ।

पुंस्यश्लोक, ( वि. ) जिसका अग्नि उदय-  
दायक है । प्रसिद्ध । मुन्दपगन्धी ।

“पुंस्यश्लोकोनलोत्तमापुंस्यश्लोकीपुंस्यश्लोके ।

पुंस्यश्लोकावदेदीपुंस्यश्लोकोननाईन ॥”



- पुण्याह, ( न. ) पुण्य उपगाने वाला दिन ।  
' पवित्र दिन ।
- पुण्याहयाचन, ( न. ) वैदिक कर्म विशेष ।
- पुच्छिका, ( स्त्री ) छोटी मक्खली ।
- पुष्प, ( पुं. ) बेड़ा । लनय ।
- पुष्पक, ( पुं. ) कृत्रिम पुत्र । भूर्त्त । शरभ ।  
पहाड़ विशेष ।
- पुत्रदा, ( स्त्री. ) वध्या । कर्बंदी । लम्पण-  
कन्द ।
- पुत्रिकापुत्र, ( पुं. ) पुत्र के अभाव में पुत्र  
के स्थान में स्वीकृत लड़की । लड़की  
का लड़का ।
- पुत्रेष्टि, ( स्त्री. ) पुत्र के लिये यज्ञ ।
- पुत्र्य, ( किं. ) मारना । हानि पहुँचाना ।
- पुद्गल, ( पुं. ) परमाणु । शरीर । आत्मा ।  
शिखी का एक नाम ।
- पुनःपुनः, ( अन्त्य. ) धीरे धीरे । बार बार ।
- पुनःपुना, ( पुं. ) एक नदी ।
- पुनःसंस्कार, ( पुं. ) दुर्गा बार सरकार ।
- पुनर, ( अन्त्य ) भेद । फिर । अधिकार ।
- पुनरुत्थयदाभास, ( पुं. ) अलङ्कार विशेष ।
- पुनर्नव, ( पुं. ) नव । नौ ।
- पुनर्भू, ( स्त्री. ) दुबारा ग्याही हुई । फिर  
वेदा हुआ ।
- पुनर्वसु, ( पुं. ) विन्दु । शिव । अश्विनी में  
मानकी मध्यम ।
- पुत्राग, ( पुं. ) वृद्ध विशेष । रवेन कमल ।  
सायकन । धेड़ मनुष्य ।
- पुत्राग नरक, ( पुं. ) नरकविशेष ।
- पुमान्, ( पुं. ) पुत्र ।
- पुष्कोट, ( न. ) गढ़ी ।
- पुट, ( अ. ) धागे ।
- पुटसर, ( वि. ) धागे जूने वाला ।
- पुट, ( न. ) नगर । शहर ।
- पुटत्रय, ( पुं. ) त्रय ।
- पुटत्रय, ( पुं. ) मूर्तिमय एक मन्त्र । शिव ।  
१-१ । ( वि. ) पुट के त्रयने कल्प ।
- पुरतः, ( अ. ) आगे ।
- पुरन्दर, ( पुं. ) इन्द्र । चौर ।
- पुरहार, ( न. ) नगर का सरदार छापक ।
- पुरन्धि, ( स्त्री. ) उमाह ।
- पुरन्धि, ( स्त्री. ) दाढ़े । बहुत परिवार  
वाली स्त्री ।
- पुरश्चरन्, ( न. ) किसी कार्य की सिद्धि  
के लिए नियमित देवपूजा । प्रयोग ।
- पुरस्कार, ( पुं. ) पूजा । इनाम । धागे  
बाना ।
- पुरस्मृत, ( वि. ) धागे चिया गया । इनाम  
की प्राम ।
- पुरस्तात्, ( अ. ) आगे ।
- पुरा, ( अ. ) पहले ।
- पुराकथा, ( स्त्री. ) पुरानी कथा ।
- पुराण, ( वि. ) पुराना । ( न. ) व्यासविन  
अष्टाह प्रथम ।
- पुराणपुष्प, ( पुं. ) विन्दु । ( वि. ) पुन  
आदर्धी ।
- पुरातन, ( वि. ) पुराना ।
- पुराधिप, ( पुं. ) शहर का शासक ।
- पुराचिन्, ( पुं. ) पुरानी चीजें जानने वाला ।  
इतिहासज्ञ
- पुराचूच, ( न. ) शानेइम । १३६/१३ ।
- पुरी, ( स्त्री. ) नगरी ।
- पुरीतन, ( स्त्री. ) धात । नारी ।
- पुरीय, ( न ) विश्व । धैर्य ।
- पुर, ( पुं. ) अश्वग का एक रत्ता । एक  
द्वय । एक नदी । मर्म । ( वि. )  
बहुत ।
- पुरय, ( पुं. ) गीत । पद ।
- पुरयकार, ( पुं. ) संयन । शिष्यन ।  
उत्तम ।
- पुरयसिद्ध, ( पुं. ) अंश पुत्रन । १६६/६  
थादमी ।
- पुरयार्थ, ( पुं. ) शक्ति । धर्म, अर्थ, धर्म  
का धर्म ।



का भरण । एक प्रकार की रोटी । नाक  
 के द्वारा साँस को धीरे धीरे सींचना ।  
 वृक्ष विशेष । गन्ध विशेष ।  
 एक, ( पु. ) एक प्रकार का नींबू । प्रेन के  
 शरीर को पूरा बनाने वाला । दसवाँ पिण्ड ।  
 अणु, ( पु. ) नर । आदमी ।  
 अणु, ( वि. ) भरा हुआ ।  
 अणुपात्र, ( न. ) भरा हुआ बर्तन । हर्ष का  
 काल । यज्ञ में २५६ सुद्धी चावलों से भरा  
 एक पात्र विशेष ।  
 मास, ( पुं. ) पूर्णिमा के दिन करने  
 योग्य यज्ञ विशेष ।  
 मासा, ( स्त्री ) पूर्वमासी ।  
 मास, ( न. ) तालाब । कूप । भरना । समय ।  
 टका हुआ । पूरित ।  
 मर्च, ( कि. ) बसना । बुलाना ।  
 मर्च, ( वि. ) प्रथम । समस्त । सारा ।  
 ज्येष्ठ भाई ।  
 मर्च+देव, ( पुं. ) अक्षर । दैत्य । अच्चा  
 देवता ।  
 मश, ( पुं. ) पुरधिया देस ।  
 मश, ( पु. ) पहिला पद्य ।  
 मश, ( न. ) पहिला पद्य ।  
 मर्चत, ( पुं. ) उदयाचल ।  
 मालगुनी, ( स्त्री ) अश्विनी से म्यारहवाँ  
 नक्षत्र ।  
 मालगुनी, ( पु. स्त्री. ) अश्विनी से  
 १५ वाँ नक्षत्र ।  
 मालगुनी, ( पु. ) अभिनय ( नाटक ) में  
 पहला अभिनय ।  
 मालगुनी, ( न. ) रोग का निदान ।  
 मालगुनी, ( पु. ) मुरई । वादी ।  
 मालगुनी-पाड़ा, ( स्त्री. ) अश्विनी से  
 दसवाँ नक्षत्र ।  
 मालगुनी, ( पु. ) पहला भाग दिन ।  
 मालगुनी, ( अन्व. ) पहिला दिन ।  
 मालगुनी, ( कि. ) इकट्ठा करना ।

पूष, ( कि. ) बड़ाना ।  
 पूषन्, ( पुं. ) गुरु ।  
 पू, ( कि. ) काम करना । प्रसन्न होना ।  
 पालन करना ।  
 पूञ्, ( कि. ) जोड़ना । मिलना । छून ।  
 इकट्ठा होना ।  
 पूच्छ्या, ( स्त्री. ) प्रश्न । भविष्य के विषय में  
 प्रश्न ।  
 पूतना, ( स्त्री. ) विशेष संख्या वाली सेना ।  
 पूथ, ( कि. ) कैकना । कैकाना ।  
 पूथक्, ( अन्व. ) भिन्न । विना । नानारूप  
 वाला ।  
 पूथकृजन, ( पु. ) नीच । मूर्ख । पामर ।  
 पूथग्विध, ( वि. ) नानारूप । नाना  
 प्रकार ।  
 पूथा, ( स्त्री ) कुन्ती ।  
 पूथिवी, } ( स्त्री. ) धरा । भूमि ।  
 पूथ्वी, }  
 पूथिवोपति, ( पु. ) भूपति । राजा ।  
 पूथु, ( पु ) मोटा । राजा विशेष ।  
 पूथुक, ( न. ) विद्वान् । ( पु. ) नाटक ।  
 पूथुल, ( वि. ) स्थूल । मोटा ।  
 पूथुदर, ( पु. ) धौदिल । बड़े पैठ वाला ।  
 मेदा ।  
 पूथ्वी, ( स्त्री. ) धरती । भूमि । बड़ी इला-  
 कची । जीरा ।  
 पूदाहु, ( पु ) माँष । बीछी । भेड़िया ।  
 हाथी । विषक वृक्ष ।  
 पूथि, ( वि. ) बीना । पनला । कमसौर ।  
 मोटा । भीकृष्ण को माँ देवकी ।  
 पूथिगर्भ, ( पु. ) भीकृष्ण ।  
 पूथ, ( कि. ) सींचना ।  
 पूथत्, ( न. ) विट्ट । दाग । सींचने  
 वाला ।  
 पूथत, ( पु. ) विद्यादार शिर । पून्द ।  
 पूथम्क, ( पुं. ) माण्ड । तीर ।  
 पूथदश्य, ( पु. ) वायु । हवा ।



पोषण, ( न ) पोषण । पोष ।  
 पोषयित्नु, ( पु. ) कंडल ।  
 पोष्यवर्ग, ( पु. ) वे कुटुम्बी मिनस पालन  
 पोषण करना कर्तव्य है यथा माता,  
 पिता, गुरु, स्त्री, सन्तान, अतिथि आदि ।  
 पौड्र, ( पुं. ) एक देश का नाम । उम देश  
 के निवासी । ईत विशेष । भीम के शत्रु  
 का नाम ।  
 पौड्रक, ( पु. ) एक प्रकार के पौड़े । वर्षसङ्कर  
 विशेष ।  
 पौनत्रं, ( न. ) एक प्रकार का मार ।  
 पौत्तिक, ( न. ) पीले रङ का मधु ।  
 शहद ।  
 पौत्र, ( पु. ) नाती । पुत्र का पुत्र ।  
 पौनःपुनिक, ( न. ) बारम्बार । दुहराया  
 गया ।  
 पौनर्भव, ( पु. ) दुबारा न्याही हुई स्त्री में  
 उपपन्न । बारह प्रकार के पुत्रों में से एक ।  
 पौर, ( न. ) नगरसम्बन्धी । नगरवासी ।  
 पौरव, ( पु ) पुत्र नामी चन्द्रवर्तीय राजा  
 का पुत्र ।  
 पौरस्त्य, ( नि. ) पूर्वी । पहला । आगे का ।  
 पौराणिक, ( पु. ) पुराणज्ञ । पुराण जानने  
 वाला ।  
 पौरुष, ( न. ) विक्रम । धीरता । उद्यम ।  
 पौरोगम्य, ( पु. ) राजा के रसोपहार का  
 प्रथम ।  
 पौरुषमास, ( पु. ) पूर्णिमा को किया गया  
 एक प्रकार का यज्ञ ।  
 पौरुषिक, ( यु. ) पहला । पैतृक । पुराना ।  
 पौलस्त्य, ( पु ) रावण आदि ।  
 पौलि, ( पु. ) एक प्रकार की रोटी ।  
 पौलोमी, ( स्त्री ) शची । इन्द्राणी ।  
 पौष, ( पु. ) पूष मरुता ।  
 प्य, ( कि. ) बड़ा ।  
 प्र, ( सं. ) आरम्भ । गति काये और से ।  
 प्रवृत्त । उचित । प्रसिद्धि । व्यवहार ।

प्रकट, ( नि. ) स्पष्ट । प्रकाश ।  
 प्रकम्पन, ( पु. ) हवा । वायु । नरक विंग ।  
 बहुत काँपने काता ।  
 प्रकर, ( पु. ) समूह । अत्रिहार ।  
 प्रकरण, ( न. ) प्रस्ताव । प्रसङ्ग । द्रव्य  
 काव्य विशेष । ग्रन्थ-सन्धि ।  
 प्रकर्ष, ( पु. ) उत्कर्ष । बढनी । बढाई ।  
 उत्तमता ।  
 प्रकाण्ड, ( पु. ) वृक्ष का वह भाग जो  
 उसकी जड़ से शाखा पर्यन्त होता है ।  
 प्रशस्त । शब्दा ।  
 प्रकाम, ( नि. ) बहुत ही । इच्छानुसार ।  
 ( अर्थ. ) मन की प्रवृत्तता प्रकट करना ।  
 प्रकार, ( पु. ) नाट्य । भेद ।  
 प्रकाश, ( पु. ) चमक । उजियाला ।  
 विकास ।  
 प्रकाशात्मन्, ( पु. ) सूर्य । परमात्मा ।  
 प्रकीर्ण, ( न. ) विवर्ण । टुथा । चामर ।  
 भिन्न भिन्न भागिया का एकत्र ।  
 प्रकृत, ( नि. ) प्रारम्भ । प्रारम्भ किया हुआ ।  
 प्रकृति, ( स्त्री. ) मन्भाव । चिद्र । अज्ञान ।  
 मित्र । स्वामी । पुरवर्ती । दुर्ग । बन् ।  
 काशीगर । शक्ति । स्त्री । परमात्मा ।  
 जीव । वृक्ष । गण । भाता । धातु ।  
 प्रकृष्ट, ( नि. ) यवान । उत्तम ।  
 प्रकीष्ट, ( पु ) पथिव्य का अन्न । महन ।  
 कम्पना ।  
 प्रकम्प, ( पु. ) कम्प । मिलमिला । उपकम्प ।  
 प्रक्रिया, ( स्त्री. ) गति । भाति । राजविही  
 का लेना । उद्यम पदवी । किसी मन्थ का  
 अणाय । जैसे " उगादि प्रक्रिया " ।  
 अघिहार विगेष । किसी मन्थ का उपोद्घात  
 का अणाय । शब्द बनाने के निदम ।  
 प्रक-काष्ठ, ( पु. ) वीणा का शब्द ।  
 प्रक्षेडन, ( पु. ) छोड़े का तीर ।  
 प्रखर, ( नि. ) बहा पीना । पीने का मान ।  
 मुर्गी । कुत्ता । हाथ ।



प्रदेश, (पुं.) एक देश । दीवाल ।  
 प्रदेश-शि+नी, (स्त्री.) तर्जनी अङ्गुली ।  
 प्रद्युम्न, (पुं.) कामदेव । श्रीकृष्ण के ज्येष्ठ पुत्र का नाम । भगवान् के प्रधान चार ग्यूसों में से एक ।  
 प्रद्रव, (पुं.) शयना ।  
 प्रघन, (न.) मुद्ग । लहसुं ।  
 प्रधान, (न.) मुख्य । परमात्मा । परास्त । यही ।  
 प्रधि, (पुं.) पहिया । घुटा ।  
 प्रपञ्च, (पुं.) संसार । उल्लापन । एकट्टा । उगना ।  
 प्रपञ्च्या, (स्त्री.) हरीतकी । हरे ।  
 प्रपद, (न.) पौत्र के प्रागे का माग ।  
 प्रपन्न, (त्रि.) शरबाग्न ।  
 प्रपा, (स्त्री.) पीतला । पीतला ।  
 प्रपात, (पुं.) भरना । कुल । किनारा । आभय-दान ।  
 प्रपितामह, (पुं.) बाका का पिता । महा ।  
 प्रपीत्र, (पुं.) पीन का देश । पत्नी ।  
 प्रपुल्ल, (त्रि.) सिका हुआ ।  
 प्रपन्ध, (पुं.) छद्म । मन्थादि की रचना ।  
 प्रवाल, (न.) नवा पत्ता । शाल रङ्ग । भूंगा । कीन का दण्ड ।  
 प्रवोच, (पुं.) चर्चा समझ । ज्ञान ।  
 प्रवोधन, (न.) शयना । वेदना । उपमना ।  
 प्रवोधनी, (स्त्री.) कर्तिक शुद्धा ११ । अरुणि कधी बरतु ।  
 प्रवेत्रन, (न.) वपु । हवा ।  
 प्रवेत्र, (पुं.) नैव का वेद ।  
 प्रवह, (पुं.) उपादक । वध । जम ।  
 प्रजा, (पुं.) वपक । रीति ।  
 प्रभाकर, (पुं.) सूर्य । शीतल टाल के लिये कहे ।  
 प्रभात, (न.) शेर ।

प्रभाय, (पुं.) रामाओं का कोप और दण्ड से उत्पन्न तेज । सामर्थ्य ।  
 प्रभास, (पुं.) एक तीर्थ "प्रभासदेवनिर्गम कथा श्रीमद्भागवत में है" ।  
 प्रभिन्न, (पुं.) मल्ल हाथी । अन्तर वाला ।  
 प्रभु, (पुं.) विशु । पारा । शक्त । स्वामी ।  
 प्रभूत, (पुं.) प्रभु । बहुत उँचा ।  
 प्रभृति, (अन्य.) तब से ले कर ।  
 प्रमथ, (पुं.) शिव का एक प्रतुचर । घोडा । (स्त्री.) हरे ।  
 प्रमथन, (न.) वध । केरा देना ।  
 प्रमथाधिप, (पुं.) शिव । प्रमथादि गणों का स्वामी ।  
 प्रमद्वधन, (न.) रामा का शिवालय ।  
 प्रमदा, (स्त्री.) सुन्दरी स्त्री ।  
 प्रमनस, (त्रि.) निरुत्का मन बहुत घुटा होता है ।  
 प्रमा, (स्त्री.) यथार्थ ज्ञान ।  
 प्रमाण, (न.) यथार्थ । शाल । हेतु । प्रमाता ।  
 प्रमातामह, (पुं.) नाने का पिता ।  
 प्रमाद, (पुं.) अनशयता । असावधानी । सागरवाही ।  
 प्रमापण, (न.) मानना ।  
 प्रमिति, (स्त्री.) यथा । यथार्थ ज्ञान ।  
 प्रमील, (त्रि.) मर गया । यथार्थ मारा हुआ पशु ।  
 प्रमीला, (स्त्री.) लम्बा ।  
 प्रमुख, (त्रि.) मान्य । शत्रु । हाथी । यन्त्र । पारम्भ ।  
 प्रमुदित, (त्रि.) प्रमन ।  
 प्रमेह, (पुं.) एक प्रकार का रोग ।  
 प्रमेद, (पुं.) हरे ।  
 प्रयन, (त्रि.) वीर । लम्बा । दुःख ।  
 प्रयत्न, (पुं.) शिष्ट वेद । यत्न । यत्न ।





भोर फैलना । किसी विषय जग घादि का फैलना ।

प्रसघ, ( पुं. ) गर्भमोचन । उत्पाते । फल ।

प्रसधित्री, ( स्त्री. ) जननी । माता । जन्मा ।

प्रसध्य, ( नि. ) विरुद्ध । विपरीत ।

प्रसहा, ( अच्य. ) दृष्टात् । जोरारपी ।

प्रसहाचौर, ( पु. ) धाफा मारने वाला । चोर ।

प्रसाद, ( पुं. ) धनुप्रद । सहाई । देवताओं की नैवेद्य लगाया हुआ ।

प्रसादना, ( स्त्री. ) सेवा । प्रसन्न करने की सहायता करना ।

प्रसाधक, ( वि. ) समाने वाला । पूरा करने वाला ।

प्रसाधन, ( न. ) समारण । वेष्ट । भेष्ट ।

प्रसाधित, ( वि. ) पूरा किया गया । संपूर्ण रूप किया गया ।

प्रसाध्य, ( न. ) फैलान । विस्तारकरण ।

प्रसादिन्, ( वि. ) फैलाने वाला ।

प्रसित, ( वि. ) आशुत । उडा हुआ ।

प्रसिति, ( स्त्री. ) राणी ।

प्रसिद्ध, ( वि. ) व्यापक । वृत्त ।

प्रसु, ( स्त्री. ) जननी । जन्मा । जन्मा । लज्जा । देही ।

प्रसूनि, ( स्त्री. ) वेष्ट । मत्ता । भीकार । सन्तान की उत्पत्ति ।

प्रसूनिष्ठा, ( स्त्री. ) मत्ता । सन्तान की मत्ता ।

प्रसूनिष्ठ, ( न. ) मत्ता का नाम । मत्ता का नाम ।

प्रसून, ( न. ) मत्ता । मत्ता । मत्ता ।

प्रसूय, ( पुं. ) मत्ता । मत्ता ।

प्रसूयक, ( पुं. ) मत्ता । मत्ता ।

प्रसूयक, ( पुं. ) मत्ता । मत्ता ।

प्रसूयक, ( पुं. ) मत्ता । मत्ता ।

प्रसूयक, ( पुं. ) मत्ता । मत्ता ।

प्रस्तावेना, ( स्त्री. ) उत्पादिष्ठा । प्रारम्भ का कथन ।

प्रस्तुत, ( वि. ) प्रामाणिक । उपस्थित । उपा । बहुत स्तुति किया गया ।

प्रस्थ, ( पुं. ) एक सेर की वज्र । पहाड़ । फैलाव ।

प्रस्थान, ( न. ) जयेशु की रथयात्रा । यात्रा । जाना । चल देना ।

प्रस्फोटन, ( न. ) चोट लगाना । खिलाना । फोड़ना ।

प्रस्रवण, ( न. ) भरना । पलीना । टपकना । एक पर्वत का नाम ।

प्रस्राव, ( पुं. ) मूत्र । पेशाब । बहना ।

प्रहर, ( पुं. ) पहर । दिन का भागों हिस्सा ।

प्रहरण, ( न. ) चोट लगाना । अग्र । सानूक ( गाड़ी का ) पुद्ग । प्रहार । बरीभूत करना ।

प्रहरणन, ( न. ) प्रहार । एक प्रहार का नाटक ।

प्रहरणती, ( स्त्री. ) लता । वासन्ती ।

प्रहर्षिणी, ( स्त्री. ) हन्ती । मारक अर्थात् के पाद का नाम ।

प्रहर्षण, ( पुं. ) मत्ता । मत्ता । मत्ता । मत्ता ।

प्रहर्षि, ( पुं. ) मत्ता । मत्ता । मत्ता । मत्ता ।

प्रहर्षित, ( वि. ) मत्ता हुआ । मत्ता हुआ ।

प्रहर्षिका, ( स्त्री. ) मत्ता । मत्ता ।

प्रह्लाद, ( पुं. ) मत्ता । मत्ता । मत्ता । मत्ता ।

प्रह्लाद, ( पुं. ) मत्ता । मत्ता । मत्ता । मत्ता ।

प्रह्लाद, ( पुं. ) मत्ता । मत्ता ।

प्रह्लाद, ( पुं. ) मत्ता । मत्ता ।

प्रह्लाद, ( पुं. ) मत्ता । मत्ता ।

प्रह्लाद, ( पुं. ) मत्ता । मत्ता ।

प्राकृत, ( वि. ) नीच । स्वभाविक । निर्गर्ही  
हूँ बीही जो नाइको में प्रायः काम में लारी  
मानी है ।

प्राकृतप्रलय, ( पुं. ) प्रकृति का लय जिसमें  
हो । ब्रह्मा के दिन की समप्ति में होने वाला  
द्वन्द्वदिन प्रलय ।

प्राकृत, ( वि. ) पहिले का ।

प्रागभाष, ( पुं. ) भविष्यद् भाष ।

प्रागभार, ( पुं. ) भारी बोझ । उर्ध्व ।  
बहुलता । परंत्त का शिखर ।

प्राग्रहर, ( वि. ) जो सब से आगे किया  
जाय ।

प्राग्रय, ( वि. ) श्रेष्ठ । वेक । बहुत आगे  
हुआ ।

प्राग्र्येय, ( पुं. ) हवनशाला से पूर्व की ओर  
सकमानादि के रहने का घर ।

प्राग्रह, ( पुं. ) सन्नादि में अग्नि पर पी का  
प्राह ।

प्राग्रुण, ( पुं. ) अग्निवि । महिषान ।

प्राग्रस्य, ( न. ) आंगन । अग्रुण । दाता ।  
बैसा । वाचस्पति शिरोध ।

प्राच्य, ( वि. ) पहिला समय और देस । पूर्व  
दिशा ।

प्राचीन, ( वि. ) पुराना वा पूर्व दिशा  
का ।

प्राचीनयर्हिस्त, ( पुं. ) एक । एक नाम ।

प्राचीनार्वाक, ( न. ) काष्ठ आदि कर्मों में  
सहोपनीय का कहिने कथे पर लेना ।

प्राचीर, ( न. ) दीवार । महावीर ।  
अकार ।

प्राचोत्तर, ( पुं. ) प्राचीनयर्हि नाम का पुत्र ।  
वसुधुव ।

प्राप्य, ( पुं. ) पूर्व का । शरावती नदी के पूर्व  
और दक्षिण भाग का देस ।

प्राप्तापराय, ( पुं. ) अन्त अकार के शिखरों में  
से एक अकार का शिखर । काष्ठ दिन  
शरावती एक अन्त । अन्तर्गत का अन्त अन्तर्गत ।

प्राज्ञ, ( पुं. ) परिश्रम । बुद्धिमत् । अन्त ।

प्राज्य, ( न. ) बहुत ।

प्राजल, ( वि. ) रात्रिवादी । साध । सखा ।

प्राज्यधिक, ( पुं. ) पुत्रिक । न्यायवादी ।

प्राय, ( पुं. ) शरीर का वायु शिरोध । वाज्य  
वा औरतरस । वायु । अन्त ।

प्रायुनाथ, ( पुं. ) पति । प्रायों का स्वामी ।

प्राणमयकोष, ( पुं. ) बर्द्धिभ्य शरीर का भी  
प्राण अर्थात् प्राण, अमान, अमान, अदन  
और अमान ।

प्राणायाम, ( पुं. ) योग की निश्च विशेष ।

प्राणाय, ( न. ) शीघ्र । योग्य । उपपुत्र ।

प्राणियत, ( न. ) बानी लगा कर दुर्गा,  
शेना आदि की लहाना ।

प्राणिक, ( पुं. ) नीच । अन्त

प्राणिलय, ( न. ) अन्त । अन्त ।

प्रातःकृत्य, ( न. ) हरेके करने योग्य कर्म ।  
पूजा अनुष्ठानादि ।

प्रातःसन्ध्या, ( स्त्री. ) हरेके करने योग्य  
सन्ध्या ।

प्रातर, ( अन्त. ) सवेस । तीन बरी दिन अन्ते  
तक ।

प्रातराय, ( पुं. ) सखा । अन्त  
अन्तका ।

प्रातिक, ( स्त्री. ) अन्त ।

प्रातियधिक, ( पुं. ) शरीरक अन्त ।

प्रातिभाष्य, ( न. ) अग्नि होका ।

प्रातिक्रियक, ( न. ) अन्त अन्त अन्त का  
अन्तर्गत अन्त ।

प्रातिहारिक, ( वि. ) अन्त अन्त ।  
अन्त ।

प्राथमिक, ( वि. ) प्रथम ।

प्राथुर्भाव, ( पुं. ) अन्त । अन्त अन्त

प्रादेश, ( पुं. ) अन्त अन्त अन्त अन्त  
अन्त । एक अन्त अन्त

प्रादेशक, ( न. ) अन्त अन्त ।

प्राय, ( पुं. ) अन्त अन्त अन्त अन्त



संहीयत्, ( वि. ) पत्रिशय । बहुत ही ।  
 सङ्कर, ( वि ) भयानक । विमयी ।  
 संकुल, ( प्र. ) दृष्ट विशेष । धीमत्सिरी ।  
 संकेतकन, ( धी. ) छोटी जानि का साहस ।  
 इसा के मोके से सुनी वृत्त की जाती ।  
 सकोट, ( प्र. ) इन । साहस ।  
 सङ्क, ( प्र. ) बालक । लोका ।  
 सङ्कथा, ( धी. ) सोही । अशिवनी । दासी ।  
 सोही ।  
 सङ्कवाग्नि, ( प्र. ) मयती धाम ।  
 सङ्कपातुम, ( प्र. ) अशिरात्रिपात । सं ही  
 का वधा । बलेहा ।  
 सङ्क-लिङ्ग, ( न. ) भवती का बंदा ।  
 सङ्क, ( कि. ) शब्द काना ।  
 सङ्किकुपथ, ( प्र. ) हाट । मयती ।  
 सङ्किभाष, ( प्र. ) व्यापार ।  
 सङ्किस, ( प्र ) व्यापार ।  
 सङ्क, ( अ. ) दुःख । शीघ्र । दया । हर्ष ।  
 म-नेप ।  
 सङ्क, ( कि ) बोलना ।  
 सङ्क+द्वय, ( धी. ) { देवदेव । काना ।  
 सङ्क+द्वय, ( न. ) { देवदेव । काना ।  
 सङ्क+द्वयिकाभम, ( प्र. न. ) देव के नाम  
 काना एक आभम । हिमालय परीत का  
 तीर्थ विशेष । श्रीवदीनाथ । उदार । दया  
 का प्रधान तीर्थ ।  
 सङ्कमुष्टि, ( वि. ) दुःख । कल्पना । लक्ष-  
 णवर्ष ।  
 सङ्कसिद्ध, ( प्र. ) सिद्ध । बंद सोही काना ।  
 सङ्क, ( वि. ) काना । इनका बन्दा ।  
 सङ्किस, ( वि. ) ब्रह्मा ।  
 सङ्क, ( धी. ) बनी । बन्दी । बन्दी ।  
 सङ्करी, ( धी. ) कानाका बन्दी ।  
 सङ्क, ( वि. ) काने सोही ।  
 सङ्कभूमि, ( धी. ) काने का कान । सोही  
 काने का कान । काने का कान ।  
 सङ्क, ( न. ) काने का काने का काने ।

सङ्क, ( वि. ) काना ।  
 सङ्क, ( वि. ) काना ।  
 सङ्क, ( प्र. ) देव । शीघ्र । अर्थ ।  
 सङ्कक, ( प्र. ) विनिमय । विनिमय । दुः  
 कानु । अर्थ । काने की ।  
 सङ्कन, ( न. ) काना । काना । काना ।  
 सङ्कमन्त्रकन, ( प्र. ) काना । काना ।  
 सङ्कमन्त्रकन, ( न. ) काना ।  
 सङ्क, ( प्र ) सिद्ध । मने । हा । काना का  
 दुःख आदि । दुःख वृत्त विशेष ।  
 सङ्कमुत्ता, ( धी. ) मनेका । विनिमय ।  
 सङ्कमुत्ता, ( न. ) दुःख । काने का । विनि-  
 मय । काना । काना । काना । काना ।  
 सोही । काना । काना । काना । काना ।  
 काना । काना ।  
 सङ्क, ( प्र. ) विनिमय । काना । काना ।  
 धी । काना ।  
 सङ्क, ( कि. ) काना ।  
 सङ्करी, ( धी ) दुःख का कान ।  
 सङ्क, ( वि. ) काना का कान । काना ।  
 काना । काना । काना । काना । काना ।  
 काना । काना । काना । काना । काना ।  
 सङ्कधातु, ( प्र ) काना । काना । काना ।  
 काना । काना ।  
 सङ्कवाहन, ( प्र ) काना का कान । काना ।  
 काना । काना ।  
 सङ्क, ( वि. ) काना ।  
 सङ्क, ( प्र. ) काना का कान ।  
 सङ्कसोही, ( धी. ) काना ।  
 सङ्क, ( प्र. प्र. धी. ) काना का कान ।  
 काना । काना । काना । काना । काना ।  
 काना । काना । काना ।  
 सङ्क ( प्र ) काना का कान ।  
 सङ्क, ( वि. ) काना ।





भर, ( पुं. ) घतिराय । बहुत । पालन करने वाला ।  
 भरख, ( न. ) घोषण । मसदूरी । परुषना ।  
 ( स्त्री. ) घोष लता ।  
 भरखयभुज्, ( वि. ) मसदूर । वैतनिक कर्मचारी ।  
 भरख, ( पुं. ) जडभरत नामके पुत्रि विशेष । नाव्यराष्ट्र और अलङ्कारराष्ट्र के निर्माता । भील । दरवी । खेत । लडाहा । राम के भाई निनख जन्म कैकेयी के गर्भ से हुआ था । नट । दुग्धभूतयुग भरत । एक बहू राजा निनके कारण यह वर्ष भारतवर्ष कहा जाता है ।  
 भरतखरखड, ( न. ) जम्बूद्वीप के नव टुकड़ों में से एक, जिसे भरत ने प्रतिष्ठा किया । भारतवर्ष ।  
 भरतखर्य, ( न. ) भारतवर्ष । भारतखरखड ।  
 भरतखमज, ( पु. ) भरत के बड़े भाई भीमखमज ।  
 भरतखज, ( पु. ) पुत्रि विशेष । पशुभेद ।  
 भार्ग, ( पु. ) शिव । अथवा । राजा पदार्थ ।  
 तेज । सुवर्णखर्य ईरानीय तेज ।  
 प्रकाश ।  
 भार्ग, ( पु. ) मन्त्रिक । पति । राजा ।  
 राजा ।  
 भार्गुदाखक, ( पु. ) राजा का पुत्र ।  
 भार्गुदखरि, ( पु. ) त्रिकुमारिण्य का बहा  
 कर्तुः एक राजा ।  
 भार्गु, ( वि. ) निरुपना । निरुपना करना ।  
 भार्गु, ( न. ) निरुपना यज्ञ अथवा ।  
 भार्गु, ( वि. ) अथवा ।  
 भार्गु, ( न. ) अथवा । अथवा । अथवा ।  
 भार्गु, ( वि. ) अथवा ।  
 भार्गु, ( वि. ) अथवा ।  
 भार्गु, ( वि. ) अथवा ।  
 भार्गु, ( वि. ) अथवा ।  
 भार्गु, ( वि. ) अथवा ।  
 भार्गु, ( वि. ) अथवा ।

भङ्ग, ( पुं. ) रीख । भालू । अस विशेष ।  
 भव, ( पु. ) जन्म । उत्पत्ति ।  
 भवत्, ( वि. ) आप ।  
 भवदखर, ( वि. ) आपके समान ।  
 भवानी, ( स्त्री. ) पार्वती । दुर्गा ।  
 भवितख्य, ( न. ) आर्य होने वाला ।  
 भवितख्यता, ( स्त्री. ) भाव्य । शब्द ।  
 होनहार ।  
 भवितख्य, ( वि. ) होनहार । भवितख्यता ।  
 भवितख्य, ( पु. ) जाने वाला समय ।  
 भव्य, ( वि. ) सुन्दर । होनहार । मङ्गल ।  
 शुभ । सत्य । योग्य ।  
 भव्य, ( वि. ) भौकना ।  
 भव्य, ( पुं. ) कुत्ता ।  
 भव्य, ( वि. ) अथवा ।  
 भव्य, ( स्त्री. ) कुकनी । धौकनी । मसक ।  
 भव्य, ( न. ) खेग विशेष जिसे  
 कारण बहुत सा खेग पर भी मृत बनी है  
 खनी है ।  
 भव्य, ( न. ) शिवनी की निपूरी ।  
 भव्य, ( अथवा. ) पूरी तरह अथवा पर  
 अथवा ।  
 भार्गु, ( वि. ) अथवा ।  
 भार्गु, ( स्त्री. ) अथवा । प्रकाश ।  
 भार्गु, ( पु. ) नीट । अथवा । आही खपी ।  
 एक देस । भाव्य । खरि का तीगाँ  
 भाग ।  
 भार्गु, ( न. ) राजा का खर ।  
 भाव्य ।  
 भार्गु, ( वि. ) अथवा । अथवा ।  
 एक अथवा । अथवा ।  
 अथवा ।  
 भार्गु, ( अथवा. ) एक एक भाग का खर ।  
 भार्गु, ( वि. ) अथवा । अथवा ।  
 भार्गु, ( वि. ) अथवा ।  
 भार्गु, ( वि. ) अथवा ।  
 भार्गु, ( वि. ) अथवा ।

भागीरथी, ( स्त्री. ) सरस्वती ।  
 भागुरि, ( पुं. ) धर्मशास्त्र और व्याकरण का  
 बनाने वाला एक मुनि विशेष ।  
 भाग्य, ( न. ) भाग्य । हिमेश्वर ।  
 भागीनि, ( न. ) भोग का लेन ।  
 भाग्य, ( कि. ) पृथक् करना ।  
 भाजन, ( न. ) पात्र । बर्तन । योग्य ।  
 भागा ।  
 भाज्य, ( वि. ) बाँधने योग्य ।  
 भाटक, ( न. ) भाता । किराया ।  
 भाष, ( पुं. ) दृश्य वाच्य विशेष ।  
 भाषण, ( न. ) पात्र । बर्तन । भाषण । पूज्यो  
 नक्षत्र । नदी के दोनों दलों का बीच ।  
 भाषणारिन्, ( पुं. ) भयगरी ।  
 भाषिण्युद्ध, ( पुं. ) भार्य ।  
 भाति, ( स्त्री. ) बचक । मनोहरता ।  
 भाद्र, ( पुं. ) चैत्र से दश मास । पूर्व और  
 उत्तर भाद्रपद नक्षत्र ।  
 भाद्रमास्य, ( पुं. ) सती का पुत्र ।  
 भाद्र, ( पुं. ) भाद्र का वीथ । सूर्य । किरण ।  
 राशी । राग ।  
 भाद्रमन्त्र, ( पुं. ) मूर्ति ।  
 भाद्रमती, ( स्त्री. ) रागा क्रियात्मक की  
 रागी ।  
 भाद्र, ( कि. ) बाँध करना ।  
 भाद्र, ( पुं. ) सूर्य । रोप वाली स्त्री ।  
 भाद्रिणी, ( स्त्री. ) भीमात्र । विशेष कर वह  
 स्त्री जो रोप करती है ।  
 भाद्र, ( पुं. ) शोभा । भाद्र हुआर सोते की ताल ।  
 भाद्र, ( न. ) वेदव्यास रचित इतिहास का  
 महाग्रन्थ ।  
 भाद्रती, ( स्त्री. ) सरस्वती । पत्नी विशेष ।  
 बलद्वार की एक प्रकार की शक्ति । समुद्र  
 भागा ।  
 भाद्रहाज, ( पुं. ) महाजनयोगी । शोभाधार्य ।  
 चतुर्थ मुनि । पत्नी विशेष । चतुर्हस्तियुव ।  
 बनेला कथान ।

भारथष्टि, ( स्त्री. ) शोक उठाने का इच्छा ।  
 ग्रीही ।  
 भारथ्युद्ध, ( पुं. ) शोक उठाने वाला ।  
 भारथि, ( पुं. ) किराणादेवीय कल्प का  
 रचयिता ब्रह्मि ।  
 भारथक, ( पुं. ) शोक उठाने वाला ।  
 मधुर ।  
 भारथि, ( पुं. ) शुभाचार्य । परशुराम ।  
 तीरदात्र । हाथी । वेद की एक विद्या  
 विशेष । ( स्त्री. ) पार्वती । लक्ष्मी ।  
 दूत ।  
 भारथी, ( स्त्री. ) विधिवृत्त विवाही पत्नी  
 स्त्री । पत्नी ।  
 भास, ( न. ) ललाट । मरुतक । माया ।  
 भासदर्शन, ( न. ) सिन्दूर ।  
 भासनेत्र, ( पुं. ) शिवजी । भिन्नके परतक  
 में जेब हो ।  
 भासाङ्ग, ( पुं. ) एक प्रकार का राग ।  
 धन विशेष । लएगती । रोहू मल्लपी ।  
 महापुरुष के चिह्न वाला । शिव । बटुभा ।  
 भाषणार्थ मनुष्य ।  
 भासु-सुम्भक, ( पुं. ) रीह ।  
 भाष, ( पुं. ) पत्नीना । कल्प । लार्थ ।  
 सिद्ध वा किया रूपी धातु का धर्य ।  
 अनुशास । आशय । अरिपल । द्रा ।  
 परिधिपति ।  
 भाषक, ( पुं. ) मन का विचार । पदार्थ की  
 सोचने वाला । उत्तरादक ।  
 भाषक, ( पुं. ) धारण ।  
 भाषणा, ( न. ) चिन्ता । ध्यान । धर्म-  
 लोचना । विभिन्ना शास्त्र में द्वातर्यों का  
 संस्कार विशेष ।  
 भाषणोद्धक, ( पुं. ) शरीर की चेतना । धन  
 का सूर्य होना ।  
 भाषानुगा, ( स्त्री. ) भाषा । टीका ।  
 भाषण के पीछे जाने वाली ।





भुजग, ( पुं. ) सौं । चारलेवा मद्य ।  
 भुजगान्मक, ( पुं. ) गवह । सर्पहन्ता ।  
 भुजगाशन, ( पुं. ) गवह । सर्पमद्यक ।  
 भुजह, ( पुं. ) सौं । जार । चारलेवा  
 मद्य ।  
 भुजङ्गप्रयात, ( न. ) एक छन्द जिसके  
 प्रत्येक पार में १२ अक्षर होते हैं ।  
 भुजङ्गम, ( पुं. ) सर्प । सौं ।  
 भुजाशिरम्, ( पुं. ) कथा ।  
 भुजान्तर, ( न. ) कौत । बुधि । मोद ।  
 भुजिष्य, ( पुं. ) दास । गेग । स्वयम् । हाथ  
 वा शेर । ( श्री. ) दासी । बेरवा ।  
 भुवन, ( न. ) जगत् । दुनिया । लौक ।  
 आकार । १४ की संख्या ।  
 भुवनकोष, ( पुं. ) मूलोत् । ज्योतिष का  
 एक मन्त्र ।  
 भुपर, ( अन्व. ) आकाशस्वरूप दूसरा  
 लोक ।  
 भू, ( कि. ) पाग । साक करना । होना ।  
 भूकेश, ( पुं. ) बह का वेद । तिहार ।  
 शंखाल ।  
 भूगोष्ठ, ( पुं. ) पृथिवीमण्डल ।  
 भूज्याया, ( श्री. ) पृथिवी की आया ।  
 भूजम्बू, ( श्री. ) गेहूँ । फल विशेष ।  
 भूत, ( वि. ) उचित । पृथिवी । तेज । बल ।  
 वायु । आकार । यथायें । विराज आदि ।  
 रूप रस गन्ध आदि विशेष शुद्ध बाले  
 पदार्थ । कुमार । योगियों के राजा ।  
 कृष्णपथ । सरदा । सप । कृष्णा  
 १४ स्त्री ।  
 भूतम, ( पुं. ) भोजन । लहमन । उंट ।  
 ( श्री. ) मुलसी ।  
 भूतधनुर्वेदी, ( श्री. ) यमधनुर्वेदी, यह  
 आश्विन कृष्ण और कार्तिक मास की  
 कृष्ण तथा शुक्ल की चतुर्वेदी है, इन  
 चतुर्वेदियों में यमराज की दण्डदान किया  
 जाता है ।

भूतधारी, ( श्री. ) पृथिवी ।  
 भूतनाथ, ( पुं. ) भैरव । महादेव ।  
 भूतनाशन, ( न. ) ब्रह्म । सरतो ।  
 भूतपक्ष, ( पुं. ) कृष्णपथ ।  
 भूतभावन, ( पुं. ) विष्णु । नङ्क भैरव ।  
 भूतयज्ञ, ( पुं. ) बीजा आदि जीवों के शिष्य  
 यमदान । यमराजों में से पुराण के  
 करने योग्य पक्षिशेष बलि-वैश्वदेव ।  
 भूतल, ( न. ) पृथ्वी ।  
 भूतशुद्धि, ( श्री. ) शरीर का सरकार जो  
 मंत्र द्वारा किया जाता है ।  
 भूतहर, ( पुं. ) शत्रुघ्न ।  
 भूतात्मज, ( पुं. ) परमात्मा । विष्णु । नङ्क  
 भैरव ।  
 भूतायास, ( पुं. ) विष्णु । बड़े का  
 वेद ।  
 भूति, ( श्री. ) सम्यक्ति । जानि । अग्निमा  
 आदि आठ प्रकार की सिद्धियों ।  
 भूदार, ( पुं. ) सूअर ।  
 भूदेय, ( पुं. ) काम्य ।  
 भूधर, ( पुं. ) पदाक ।  
 भूप, ( पुं. ) नदी । राजा ।  
 भूपाल, ( पुं. ) राजा । कृति ।  
 भूभुज, ( पुं. ) नृपाल । राजा ।  
 भूभृत्, ( पुं. ) पदाक । राजा ।  
 भूमन्, ( पुं. ) शत्रु ।  
 भूमि-मी, ( श्री. ) पृथिवी । निहा । एक की  
 संख्या ।  
 भूमिका, ( श्री. ) रचना । शिष्यी । उपो  
 द्याय । चलने का भेष । मन की चरवा ।  
 शीरी । कला । कर्ता ।  
 भूमिज, ( पुं. ) भूमि का पुत्र । महलपद ।  
 नरक देव, इसका नाम भीषाण है ।  
 भूमिहृद, ( पुं. ) हृद ।  
 भूमिष्ठ, ( पुं. ) भुजा हुआ ।  
 भूमिरूप, ( पुं. ) वैश्व । भुजा हुआ । पक्षी  
 पर रखा हुआ ।

भूमिन्द्र, ( पु. ) वृष । राजा ।  
 भूयस्, ( ध्वज. ) किर । बहुत ही ।  
 भूयिष्ठ, ( नि. ) बहुत ही ।  
 भूय, ( पुं. ) नीचे के सप्त लोकों में एक ।  
 ब्रह्मा का मानसिक पुत्र ।  
 भूरि, ( पु. ) विष्णु । शिव । इन्द्र । ( न. )  
 सोना । ( नि. ) मयूर ।  
 भूरिगम, ( पुं. ) गथा ।  
 भूरिमाय, ( पुं. ) शृगाल । गौदक ।  
 भूरिशस्, ( ध्वज. ) बहुत बार ।  
 भूरिध्रुवस्, ( पुं. ) चन्द्रवशी राजा सोमदत्त  
 का पुत्र । राजा विशेष ।  
 भूर्ज, ( पु. ) भोजन का वृक्ष ।  
 भूर्जपत्र, ( पुं. ) भोजन ।  
 भूप, ( कि. ) सजाना ।  
 भूपल, ( न. ) अलङ्कार । गहन्य ।  
 भूपा, ( स्त्री. ) सजानट ।  
 भूपित, ( नि. ) सजा हुआ ।  
 भूप्य, ( नि. ) होनहार ।  
 भू, ( कि. ) धारण करना । पालना ।  
 भूकुंख-श, ( पु. ) भौ का इशाया । स्त्री का  
 भेज धारण करने वाला नट ।  
 भूकुटि-टी, ( स्त्री. ) भौ का चढ़ान उतार ।  
 भौ का त्रिकोण ।  
 भूगु, ( पु. ) घृनि विशेष । जिन्होंने ब्रह्मा,  
 विष्णु और शिव तीनों में बड़े की परीक्षा  
 करने के लिये जा कर विष्णु की लाज  
 मारी थी । वह बिह “ भूगुजता ” गदा  
 के लिये हो गया । शूर । शुक भद्र ।  
 पाण्ड की भीती । जयशक्ति । ऊंचा  
 बरान । भद्रवर्गीय ।  
 भूगुजता, ( स्त्री. ) विष्णु के चरित्र में  
 स्रग् के लान करने का निम्न बिह जो  
 मृत्यु में मर जाता है ।  
 भूगुजित, ( पु. ) सदाशिव । परशुराम ।  
 भूगुजित, ( पु. ) परशुराम । शुकर्षा ।

भृङ्ग, ( पुं. ) जार । भीता । चपरक ।  
 पक्षी विशेष ।  
 भृङ्गटि-टि, ( पुं. ) शिवजी का गण  
 विशेष ।  
 भृङ्गाभीष्ट, ( पु. ) भौरे का पिय । धाम का  
 वेड ।  
 भृङ्गि, ( पुं. ) शिवजी का गण ।  
 भृङ्ग ( कि. ) भूजना ।  
 भृत्क, ( नि. ) मजदूर ।  
 भृति, ( स्त्री. ) भरण । पोषण । मजदूरी ।  
 मूल्य ।  
 भृतिभुज, ( नि. ) मजदूर । नौकर ।  
 भृत्य, ( पु. ) दास । नौकर ।  
 भृ-घ्न+मि, ( पु. ) भँवर । वायुभेद ।  
 भृश, ( कि. ) नीचे गिरना ।  
 भृश, ( न. ) बहुत । अधिक ।  
 भृष्ट, ( नि. ) मुना हुआ ।  
 भृ, ( कि. ) भूजना । फिटकना । पालना ।  
 भेक, ( पु. ) मँडक । भेषा । शक्ति विशेष ।  
 भेद, ( पु. ) उदा करना । काटना ।  
 भेदक, ( नि. ) विदारक । काटने वाला ।  
 भेदन, ( नि. ) हूँय । धमलताम । विदारण ।  
 भेदित, ( नि. ) विदारित । काटा हुआ ।  
 भेद्य, ( नि. ) विदार्ये । काटने योग्य ।  
 भेरि स्त्री, ( स्त्री. ) बधा नगाधा या  
 रंग ।  
 भेल, ( पु. ) बेषा । ( पु. ) भीत । धम ।  
 चमन । लम्बा । तीन ।  
 भेलक, ( पु. ) नाग । बेषा ।  
 भेषू, ( कि. ) धरम । भय साना ।  
 भेषज, ( न. ) धीपथ ।  
 भेषजाङ्ग, ( न. ) चट्टान ।  
 भेष, ( न. ) भीत ।  
 भेषधर्या, ( स्त्री. ) भीत भोगना ।  
 भेषी, ( स्त्री. ) भेषजुद्धा । शरी । धमन ही ।  
 भैरय, ( न. ) भय । भवानक । रंग विशेष ।  
 शूर । धमभेद ।

शैवज्य, ( न. ) शैवी ।  
 भो, ( अन्व. ) सम्बोधन । हे । श्रे ।  
 भोग, ( पु. ) धन इत्यादि वा सुख ।  
 लोभ वा क्रम । धन । पोषण ।  
 आहार ।  
 भोगदेह, ( पुं. ) प्रेतदेह ।  
 भोगभूमि, ( स्त्री. ) भारतवासी ।  
 भोगवती, ( स्त्री. ) पातालवती ।  
 भोगिन्, ( पुं. ) लोभ । शान्ता । भार्गव । भोग  
 का सुविधा । भोगने वाला ।  
 भोगिष्यन्, ( पुं. ) चन्दन ।  
 भोगीन्द्र, ( पुं. ) धनन्त देव । वाद्यक ।  
 भोग्य, ( न. ) धन । धान्य । भोगने  
 योग्य ।  
 भोज, ( पु. ) भोजन ।  
 भोजन, ( न. ) आहार । विष्णु का  
 नाम ।  
 भोज्य, ( वि. ) खाने योग्य पदार्थ ।  
 भोज्य, ( पु. ) भोजन । देश विशेष ।  
 भौतिक, ( वि. ) भौतिक ।  
 भाम, ( वि. ) महात्मन् । मरकताम्बी देव ।  
 पानी । प्रकाश । चन्द्रिणी । ( स्त्री )  
 सीता ।  
 भौमरत्न, ( न. ) देवता । प्रवाल ।  
 भौमिक, ( वि. ) भौमिक ।  
 भौमिक, ( वि. ) धरती ।  
 भ्यम्, ( कि. ) बरना ।  
 भ्रम, ( कि. ) शन्द करना ।  
 भ्रमुर-र, ( पुं. ) स्त्री का रूप रख कर नाचने  
 वाला नट ।  
 भ्रमुरि-टी, ( स्त्री. ) भ्रमुर । भौ चदाना ।  
 भ्रम, ( कि. ) चलना । घूमना ।  
 भ्रम, ( पु. ) मिथ्याज्ञान । पानी के निकाल  
 का रथा । पानी का धरना । कुन्द  
 फूल ।  
 भ्रमण, ( न. ) घूमना ।  
 भ्रमर, ( पुं. ) भौम ।

भ्रमरक, ( पु. ) पानी चलके वा  
 उल्लेख ।  
 भ्रम, ( कि. ) नचि दिरना ।  
 भ्रष्ट, ( वि. ) गिरा हुआ ।  
 भ्रस्त, ( कि. ) पकना । रूथना ।  
 भ्राज, ( कि. ) चमकना ।  
 भ्राजिष्यु, ( वि. ) चमकने वाला ।  
 भ्रातृ, ( पु. ) भाई । सहोदर ।  
 भ्रातृज, ( पु. ) भतीजा ।  
 भ्रातृव्य, ( पु. ) भतीजा । शत्रु ।  
 भ्रातृशय्यु, ( पुं. ) स्त्री का रथ भाई ।  
 जेठ ।  
 भ्रात्रीय, ( पुं. ) भाई वा । भतीजा ।  
 भ्रान्त, ( न. ) मिथ्या ज्ञान वाला । घूमने  
 वाला ।  
 भ्रान्ति, ( स्त्री. ) मिथ्या ज्ञान । भ्रमण ।  
 भ्रान्तिमत्, ( घ. ) घूमने वाला । घूमना ।  
 अर्थात् भ्रम ।  
 भ्रामक, ( पु. ) गीदड़ । घूमने वाला ।  
 भ्रामर, ( न. ) शहर । भौम सम्बन्धी ।  
 भ्राष्ट, ( न. ) धाकार । कदाही ।  
 भ्रुकुंठ, ( पु. ) स्त्री का रूप धर कर नाचने  
 वाला पुरुष ।  
 भ्रुकुंठि-टी, ( स्त्री. ) भ्रुकुंठ में भर कर भौ  
 चदाना ।  
 छ, ( स्त्री. ) भौ ।  
 छक्षेप, ( पुं. ) भौ का चदाना । कटाव  
 करना ।  
 छण, ( पुं. ) गर्भ । बालक ।  
 छणम्, ( वि. ) गर्भ की हत्या करने  
 वाला ।  
 छेज्, ( कि. ) चमकना ।  
 छेद, ( कि. ) पीना । चलना । उचित स्थान  
 से दिरना ।  
 छेद, ( कि. ) खाना ।  
 छेद, ( कि. ) चमकना ।

म

म, (पुं.) शत्रुना । शत्रु । मया । मम ।  
 समय । मनुश्रुत । शि । शिन्धु । मय  
 शिरो । मयम स्तर । प्रसक्त्या । जय ।  
 मंर, (शि.) उगना । वडना । देना ।  
 नौगना । चमकना ।  
 मरु, (कि.) सनाता । जाना ।  
 मकर, (पुं.) मकर । कानदेव के भएडे का  
 विर । हमरी शशि । एक मकर के जान  
 का आशुय । कुरे के नव कोषों में से  
 एक । मर शिरो ।  
 मकरभुगदम, (पुं.) कान का आशुय  
 शिखरी बनाने मयापान जेती होती है ।  
 मकरकेतव, (पुं.) कापदेव । मरणावन ।  
 मकरग, (पुं.) दूध का रस । कुन दूध ।  
 ली । कीर । भीत । काम का शिरो  
 दृश्य बना दूध ।  
 मसुर, (म.) मस । मसुर ।  
 मसुर, (पुं.) दौघ । चाँगा । बकुन  
 दूध । कुपान की मसुरी । दूध की  
 मसुरी ।  
 मसुर, (कि.) मसुरा ।  
 मसुर, (पुं.) एक मसुर का मसुरक कोष  
 के मसुर में दूध है ।  
 मसुर, (पुं.) मसुर मसुरी ३०  
 मसुर, (पुं.) मसुर ३०  
 मसुर (कि.) दूध का मसुर । मसुर  
 मसुर ।  
 मसुर, (पुं.) मसुर का मसुर ।  
 मसुर, (पुं.) मसुर । (कि.) मसुर ।  
 मसुर (म.) मसुर मसुरक मसुर ।  
 मसुर (पुं.) मसुर । (कि.) मसुर ।  
 मसुर (म.) मसुर  
 मसुर (पुं.) मसुरक

मगध, (पुं.) पान या दोष को  
 बाला । एक देश शिरो ।  
 मगधेश्वर, (पुं.) मगध देश का  
 जगतेश्वर ।  
 मगधोज्ञया, (की.) पीपन ।  
 मघ, (कि.) मघ करना । लगाना ।  
 मघयत्, (पुं.) मघ ।  
 मघयन्, (पुं.) मघ ।  
 मघा, (की.) शशिवती से दमर्षी नर  
 महु, (कि.) बलना । लगाना ।  
 महिल, (पुं.) मन की भाग ।  
 महुर, (पुं.) दौघ ।  
 महशाण, (न.) देवी का करव ।  
 मंशु, } (अश्व.) पुन-त । मशुता ।  
 महु, }  
 महु, (पुं.) मरी ।  
 महु, (कि.) मयन ।  
 महु, (पुं.) मस का मिया । जगत  
 एक भाग ।  
 महुल, (कि.) एक महु । बलाग । पु  
 पुगा । पुन ।  
 महुलक्याया, (पुं.) महुल ।  
 महुलपाटक, (पुं.) महुलपाट करी म  
 महुलपदा (की.) महुल ।  
 महुल्य (पुं.) महुल । महुल । महुल ।  
 महुल्यक, (पुं.) महुल की महुल ।  
 महुली (की.) महुल । महुल ।  
 महु (पुं.) महुल ।  
 महु, (कि.) महुल करना । महुल  
 महुल्यक महुल । महुल करना  
 महुल्य ।  
 महुल्यिका, (की.) महुल्यक महुल  
 महुल्यक के महुल महुल्य है महुली  
 महुल्य के महुल महुल्य महुल्य  
 महुल्य महुल्यक । महुल्य । महुल्य  
 महुल्य



मण्डप, (पुं. न.) देवादिगृह । थोड़े दिनों के लिये सजा किया गया मण्डवा । लीमा । निकुञ्ज । देवगृह ।

मण्डल, (न.) गोल आकार का । चार सौ योजन का एक देश । वृत्त । नलाघात । बारह राजाओं का समूह । गोल । चौक यथा गृहमण्डल, सर्वतोभद्र मण्डल । कुत्ता । सोंप ।

मण्डलनृत्य, (न.) धक बाँध कर नाचना ।

मण्डलार्धाश, (पुं.) मण्डलेश्वर । चार सौ योजन पर्यन्त भूमि का स्वामी ।

मण्डलिनू, (पुं.) कुहरियादार सोंप । विद्या । बड़ का पेड़ ।

मण्डित, (वि.) भ्रूणित ।

मण्डूक, (पुं.) मेंढक । घुनि विशेष ।

मण्डूर, (न.) लोहे का मेल ।

मत, (वि.) सम्मत । माना गया । सात । पूजा गया । (न.) आशय । पूजा ।

मतङ्ग, (पुं.) मेघ । बादल । एक घुनि ।

मतङ्गज, (पुं.) गज । हाथी ।

मतङ्गिका, (स्त्री.) प्रशस्त । भला ।

मत्ति, (स्त्री.) शोण । इन्धन । चाड़ । रघुि ।

मत्तिप्रम, (पुं.) पुष्टि का फेर ।

मत्तिविघ्नम, (पुं.) उन्मादरोग । पागलपन ।

मत्क, (पुं.) सप्तमश । मेरा ।

मत्कुण्ड, (पुं.) सप्तमश ।

मत्पुण्डि, (पुं.) मीन ।

मत्त, (पुं.) दुर्भेद । मद्रपुल । प्रथम ।

मत्तकाशिनरी, } (स्त्री.) उत्तम योगिनी ।

मत्तकाशिनरी, } मद्र स्त्री । साधारण स्त्री ।

मत्तमयूत, (पुं.) कदम्ब । एक प्रकार का खट ।

मत्तपारण, (पुं.) मत्त । हाथी ।

मत्त, (वि.) दूत कदम्ब की पत्तियाँ ।

मत्तन, (पुं.) शैर्ष्य । कोष । (स्त्री.) मन्वरी ।

मत्स्य, (पुं.) मछली ।

मत्स्यधानी, (स्त्री.) मछली का पाव ।

मत्स्यसूडी, } (स्त्री.) निना ।

मत्स्यशिडका, } हुई लायक । रात ।

मत्स्यरङ्ग, (पुं.) मछली का एक प्रपञ्च ।

मत्स्यराज, (पुं.) रोहित मछली का नाम ।

मत्स्यवेधन, (न.) मछली कैशाने का पानकीरी ।

मत्स्योद्दरी, (स्त्री.) मत्स्यगन्धा । वैकी माता । कारी में एक विशेष ।

मथ, (वि.) बिलोना । मथारना ।

मथन, (न.) मारना । केरा देना । बिलोना ।

मथित, (वि.) इत । मारा गया । बिलोना का माटा ।

मथुरा, } (स्त्री.) श्रीकृष्ण की जन्मभूमि ।

मथुरा, } प्राचीन राजाओं द्वारा की राजधानी ।

मथू, (वि.) अभिमान करना । होना ।

मथू, (पुं.) हाथी के गाल का पापी । पापी ।

मथू, (पुं.) हाथी के गाल का पापी । पापी ।

मथू, (पुं.) हाथी के गाल का पापी । पापी ।

मथू, (पुं.) हाथी के गाल का पापी । पापी ।

मथू, (पुं.) हाथी के गाल का पापी । पापी ।

मदयित्नु, ( पु. ) कामदेव । मेघ ।  
 बलवार । ( वि. ) मादक । ( न )  
 मदिता ।  
 मदालापिन्, ( पुं. ) शेरल ।  
 मदिता, ( स्त्री. ) शगव । छाल कच्चा ।  
 मदीककट, ( पुं ) मत गज । ( स्त्री. ) शगव ।  
 ( वि. ) मग्न ।  
 मदीकधम, ( पुं. ) मत । ( स्त्री. ) नाती ।  
 मदीकधन, ( वि. ) मत ।  
 मदीक्यु, ( पु. ) एक प्रकार का सोप । मीका ।  
 जन्तु विशेष । दोगडा । क्यूला ।  
 मघ, ( न. ) मदिता ।  
 मद्र, ( पु. ) देश विशेष । प्रमथना ।  
 मद्रन्, ( थ. ) नशीला । मादक(पुं.) शिर ।  
 मधव्य, ( पुं. ) वैशाख मास ।  
 मधु, ( न. ) शहद । पुत्रवय । शराव ।  
 मल । चीनी । पिठाई । सोम रस । एक  
 द्रव्य । शिव मास । बलवत् शत्रु । अशोक  
 वृक्ष । पुष्पवृक्षी ।  
 मधु-अर्धला, ( स्त्री. ) शहद का घना ।  
 मधु-आधार, ( न. ) सोम ।  
 मधुआध्र, ( पु. ) आम विशेष ।  
 मधुकर, ( पुं. ) शेर ।  
 मधुशीत, ( पुं. ) लहर का वेह ।  
 मधुज, ( न. ) सोम । मधु द्रव्य । मेद के  
 उपजी ।  
 मधुजिन्, ( पुं. ) शिष्ट ।  
 मधुत्रय, ( न. ) शहद, शी चीर मिश्री ।  
 मधुय, ( पुं ) शेर ।  
 मधुपर्क, ( न. ) दही, शी, चीनी, शहद  
 चीर मिश्री । बर्तने के पत्र से बना शहद  
 चीर दही ।  
 मधुपुरी, ( स्त्री. ) मद्य ।  
 मधुमहिषा, ( स्त्री. ) शहद की मक्खनी ।  
 मधुमद्, ( वि. ) शिष्टी विशेष ।  
 वेद की शीर मद्य । शिष्टी एक  
 द्रव्य ।

मधुयष्टि, ( स्त्री. ) मृगवृक्षी ।  
 मधुय, ( पुं. ) मीठा । मनोहर । ( वि. ) शिव ।  
 ( पु. ) छाल गला । छह । धन ।  
 नीरा ।  
 मधुयन्, ( पुं. ) गला । पानी ।  
 मधुयन्धवा, ( स्त्री. ) शिष्टलक्षण ।  
 मधुलिष्ट, ( पु. ) धमर ।  
 मधुयन्, ( न. ) मधुग धेर में एक स्थान  
 विशेष । शिष्टिवा नदी में स्थित का  
 कगीवा ।  
 मधुपाद, ( पुं. ) कायदेव मद्ययन् ।  
 मधुपर्वाज, ( पुं. ) धनार ।  
 मधुशेखर, ( पुं. न. ) शीम ।  
 मधुगन्ध, ( पुं. ) कामदेव ।  
 मधुगन्धम, ( पुं. ) शीम । शीम ।  
 विशेष । पशुकी का शक ।  
 मधुगन्धद, ( पुं. ) शीम । शीम का दान ।  
 मधुहन, ( पुं. ) शिष्ट । गलाय ।  
 मधुच्छिष्ट, ( न. ) शीम ।  
 मधुपत्र, ( पुं. न. ) मधुग नदी ।  
 मध्य, ( पुं. ) शीम । कपूर । शेर । शीम की  
 क्यूली ।  
 मध्यगन्ध, ( पुं. ) काम का पुन शीम  
 वेह ।  
 मध्यगन्ध, ( न. ) शीम । शीम की शीम  
 शीम में ।  
 मध्यदेश, ( पुं. ) कपूर । शिष्टी शीम  
 शिष्टीय का शीम । देश विशेष ।  
 मध्यन्दिन, ( न. ) कपूर । देश ।  
 एक नाम की शराव ।  
 मध्यपरलोपिन्, ( पुं. ) शीम का  
 शक विशेष ।  
 मध्यम, ( वि. ) शीम का ।  
 मध्यमक, ( पुं. ) शीम का ।  
 मध्यमिषा, ( स्त्री. ) शहद का मधुपर्क  
 की मक्खनी को मध्यम शीम ।  
 मध्यमशरद्वय, ( पुं. ) कपूर ।



मध्यमभृतक, ( पुं. ) विमान । नीची  
या कर लेनी करने वाला ।

मध्यमलोक, ( पुं. ) पृथिवी ।

मध्यमसंप्रह, ( पुं. ) साधारण भ्रमण,  
निसका कारण यह ही कि पराई स्त्री के  
बाह माता पिताई आदि भेजना ।

“ प्रेषणं मन्धमास्थानां भूभूरण्यसप्तमान् ।

प्रजोभन चागपानैकेभ्यमः समद्वरमृत ॥ ”

तीन प्रकार के दूतों में से दूसरे प्रकार  
का दूत ।

मध्यमसाहस, ( पुं. ) गौच पण का दूत ।  
जोर से कोई कार्य करना । दूसरे के बर्गों  
की फेंकना या फाटना ।

मध्यमा, ( स्त्री. ) शत्रु वाली स्त्री । बीच की  
आली । कपड़ की बण्डी । दृश्योद्भवा  
एक प्रकार की नाथी ।

मध्यमाह्वरण, ( न. ) प्रसिद्ध अन्यक्त मान  
को बतलाने वाली गणना ।

मध्यरात्र, ( पुं. ) निशाच । आधी रात ।

मध्यवर्तिन्, ( वि. ) मध्यस्थ । विचवनिषा ।

मध्यस्थ, ( पुं. ) बीच में पड़ने वाला ।

मध्या, ( स्त्री. ) नायिका विशेष । मध्यमा  
अङ्गुली । छन्द निसका पाद तीरा अक्षर  
वाला होता है ।

मध्याह्न, ( पुं. ) दोपहर । दिन का बीच ।

मध्वक, ( पुं. ) मधुमयिका ।

मध्वासच, ( पुं. ) मदिरा । शराब ।

मध्विजा, ( स. ) नशाशा कोई आसन ।  
मदिरा ।

मन्, ( कि. ) पूना करना । अभिमान करना ।  
जानना । विचारना । अनुमान करना ।  
मान करना ।

मनःशिला, ( स्त्री. ) लाल रङ्ग की एक  
धातु । मनसिल ।

मनस, ( न. ) मनसिल । मन ।

मनसा, ( स्त्री. ) आस्तीक मुनि की माता ।  
जन्काइ की पत्नी ।

मनसिज, ( पुं. ) कामदेव ।

मनसिगुण्य, ( पुं. ) कामदेव ।

मनस्कार, ( पुं. ) मन का दृष्टान्तु होता ।

मनम्नाय, ( पुं. ) परकनाय । मन की  
पीडा । मानसिक दुःख ।

मनस्विन्, ( वि. ) आये मन का । धीरे ।  
पण्डित । दृढ़ पित वाला ।

मनाक्, ( अन्व. ) घोडा । धीरे ।  
घोडा सा ।

मनाका, ( स्त्री. ) इषिनी ।

मनायी-यी, ( स्त्री. ) मनु की स्त्री ।

मनित, ( वि ) जाना हुआ ।

मनीक, ( न. ) शील का कीचड़ ।

मनीषा, ( स्त्री. ) बुद्धि । इन्द्रा । चाई ।  
समझ । वैदिक मृत या गीत ।

मनीषिका, ( स्त्री. ) समझ । बुद्धि ।

मनीषित्, ( पुं. ) चाहा हुआ । अभिलषित ।

मनीषिन्, ( पुं ) पण्डित । बुद्धि वाला ।

मनु, ( स्त्री. ) एक उन्नापति । मानव शासक के  
निर्माण । तथा से उत्पन्न ।

मनु+अन्तर ( मन्वन्तर ), ( न. ) मनु की  
आयु का ७२ चौथुगी । ब्रह्म के दिन  
का चौदहवा हिस्सा ।

मनुज, ( पुं. ) मनुज । मन से उत्पन्न ।

मनुजा, ( स्त्री. ) स्त्री ।

मनुज्येष्ठ, ( पुं. न. ) तलवार ।

मनुधेष्ठ, ( पुं. ) तिस्रु का नाम ।

मनुसंहिता, ( स्त्री ) मानवधर्मशास्त्र ।

मनुष्य, ( पुं. ) आदमी । नर । मनुष्य  
जाति ।

मनुष्यधर्मने, ( पुं. ) कुवेर । धन के राजा ।

मनुष्यस, ( पुं. ) शक्तिपिस्तकार ।

मनुष्यलोक, ( पुं. ) विनाशशाल देव-  
धारियों का लोक । पृथिवी ।

मनुष्यविश, ( पुं. ) मानव जाति ।

मनुष्यशोणित, ( न. ) मनुष्य का रक्त ।

मनुष्यसभा, ( स्त्री. ) नरों की सम्मेलनी ।

मनुष्यता, } ( सं. ) आश्रमिणा ।  
 मनुष्यत्व, } इत्यादिपण ।  
 मनोवृत्ति, ( पुं. ) आविष्कारकर्ता । प्रबन्धक ।  
 मनोजय, ( वि. ) मन के समान वेग वाला ।  
 बड़े वेग वाला । ( स्त्री. ) आग की  
 जीभ ।  
 मनोजयवृद्धि, ( पुं. ) कामवृद्धि वृष ।  
 मनोम, ( वि. ) मनोहर । सुन्दर । मनमिल ।  
 ( स्त्री. ) मदिता ।  
 मनोभय, ( पुं. ) कामदेव ।  
 मनोरथ, ( पुं. ) इच्छा । अभिजात ।  
 मनोरम, ( वि. ) मनोहर । सुन्दर । ( स्त्री. )  
 गोरोचना ।  
 मनोहर, ( वि. ) मनोम । कविर । सुन्दर ।  
 ( पुं. ) बुद्ध का वृष । ( न. ) सोना ।  
 मञ्ज, ( कि. ) पौडना ।  
 मन्त्रु, ( पुं. ) बाराण । मन्त्रुष । प्रजापति ।  
 मंत्र, ( पुं. ) परमेश । वेद का भाग विशेष  
 आचार्य । देवता की सिद्धि के लिये वाक्य  
 समूह विशेष ।  
 मंत्रजिह्व, ( पुं. ) अग्नि ।  
 मंत्रदातृ, ( पुं. ) इन्द्र ।  
 मंत्रिन्, ( पुं. ) अमान्य । कवि । दीक्षान ।  
 मन्त्र्य, ( कि. ) विनीत । शिक्षक ।  
 मन्त्र्य, ( पुं. ) मन्त्री । सूर्य । आक का वृष ।  
 आँस का कीचर । किरण ।  
 मन्धज, ( न. ) नवनीद । मन्थरा ।  
 मन्धन, ( पुं. ) मन्थनी । रई ।  
 मन्धर, ( वि. ) भीमा । मन्द । मूर्ख । सुख ।  
 देहा । कोप । सुषक । वेरा । भीम ।  
 ताता नवनीद । मन्थनी । कवाण्ट ।  
 ( पुं. ) पल । ( स्त्री. ) कैंकेरी की दाम्नी  
 मन्थरा ।  
 मन्धर, ( पुं. ) भीरी का पत्र ।  
 मन्धान, ( पुं. ) मन्थनी । गिण ।  
 मन्धिन्, ( कि. ) विनीत काजा । सौमवज्ज  
 का रत्न । नैन विशेष ।

मन्धशैल, ( पुं. ) मन्दार नामक पर्वत ।  
 मन्द, ( वि. ) दुस्त । मूर्ख । अभागा ।  
 रोगी । मोहा । स्वतन्त्र । सुखा । नीच ।  
 शनिमह । हाथी विशेष । यम । प्रलय ।  
 सूर्यस्तकमण ।  
 मन्द्वा, ( वि. ) धीरे २ जाना । सुख ।  
 मन्दरता, ( स्त्री. ) मन्दपना । आलस्य ।  
 जडता ।  
 मन्दर, ( पुं. ) इस नाम का एक पर्वत ।  
 मन्दार का पेड़ । रत्न । द्वार विशेष ।  
 दण्ड । ( वि. ) बहुव । मन्द ।  
 मन्दाकिनी, ( स्त्री. ) स्वर्गवती । आकाश-  
 वती ।  
 मन्दाप्रान्ता, ( स्त्री. ) मन्द जिनके प्रत्येक  
 चरण में २७ अक्षर होते हैं ।  
 मन्दाक्ष, ( न. ) लडा । कम टटि ।  
 मन्दाग्नि, ( पुं. ) पावन शक्ति की क्षीणता ।  
 अनपच योग । भीमी घाँव ।  
 मन्दि, ( न. ) घर । विशेष कर देव-  
 स्थान । सुर । शिशिर । समुद्र । सुरने के  
 पीछे का भाग ।  
 मन्दिस्वयम्, ( पुं. ) विचर्या ।  
 मन्दिस्वयिः, ( पुं. ) शिव का नाम ।  
 मन्दिरा, ( स्त्री. ) पुष्पाक्ष । अलपल ।  
 मन्दुरा, ( स्त्री. ) पुष्पाक्ष । अलपल ।  
 चर्च ।  
 मन्दोदरी, ( स्त्री. ) यम राजन की कन्दा ।  
 रावण की पत्नी ।  
 मन्मोघ्य, ( न. ) मोहा हरण । सुन्दर ।  
 मन्द्र, ( पुं. ) नीचा । गहरा । पीला । लव-  
 लाहाट ( शब्द ) । प्रसन्न । हर्षमद ।  
 प्रसार । भीमा शब्द । एक प्रकार का  
 होज । हाथी विशेष ।  
 मन्धातृ, ( पुं. ) बुद्धिगन्तु वृष । मञ्ज ।  
 मन्मथ, ( पुं. ) कामदेव । कैला का वेद ।  
 मन्धु, ( पुं. ) दीनता । कायरपन । दह ।  
 क्षीर । अहङ्कार ।

- मनु, ( पुं. ) शोध । शोक । दुःख । दुःखरथा ।  
 नीचता । बलि । उगाह । अभिमान ।  
 शिर । अग्नि ।
- मन्वन्तर, ( न. ) तपनग आदि ७१ बौद्ध-  
 कियों । ३११४४=०० बौों का समय ।
- मम, ( कि. ) जाना ।
- मम, ( अन्व. ) मेरा ।
- ममता, ( स्त्री. ) मेरापन । स्नेह ।
- ममापताल, ( पुं. ) शानेन्द्रिय ।
- ममू, ( कि. ) जाना ।
- मम्मट, ( पुं. ) काश्यपवशात् मन्व के  
 रचयिता ।
- मय, ( कि. ) जाना ।
- मय, ( पु. ) एक देव । उँट । सखर ।
- मयट, ( पुं. ) भौंपत्नी ।
- मयष्टक, } ( पुं. ) एक प्रकार की सेम  
 मयुष्टक, } या धीमी ।
- मयस, ( न. ) हर्ष । सन्तोष ।
- मयु, ( पु. ) किरन । हिरन । नारदसिंहा ।
- मयूख, ( पुं. ) चमक । किरन । शिखा ।  
 शोभा ।
- मयूखिन, ( वि. ) चमकीला । मङ्कदार ।
- मयूर, ( पु. ) मोरपक्षी । पुण्य विशेष ।  
 सूर्यशतक काव्य के निर्माता का नाम ।  
 सम्य भाषक यन्त्र विशेष ।
- मयूरकेतु, } ( पु. ) कार्तिकेय का नाम ।  
 मयूररथ, }
- मयूरारि, ( पु. ) गिरगट । कृकलात ।
- मर, ( पुं. ) वैदिक प्रयोग में धाना है, इतना  
 अर्थ है—मृत्यु । पृथिवी ।
- मरक, ( पु. ) महाभारी । छुपाछूत की बांमारी ।
- मरकत, ( न. ) पत्ता । हरे रङ्ग की मणि ।  
 इसके धारण करने से छुपाछूत या  
 महाभारी का भय नहीं रहता ।
- मरण, ( न. ) मरना । मृत्यु ।
- मरणशील, ( वि. ) मरने वाला । मरने के  
 स्वभाव वाला ।
- मरत, ( पुं. ) पृथु ।
- मरन्द, } ( पुं. ) मरन्द । पुष्पफल ।  
 मरन्दक, }
- मरार, ( पुं. ) अनाज की मनी ।
- मराल, ( पुं. ) गजईम । कज्ज । काररग ।  
 गोश । बादन । नीच । अनार का वन ।  
 निघना ।
- मरिचि, } ( पुं. ) एक पुनि । किण्व ।  
 मरीचि, } कृष्ण । गुम । अना के दंत  
 मानिक पुणों में से एक स्मृतिभार का  
 नाम । भीष्म का नाम ।
- मरीचिका, ( स्त्री. ) मृगवृष्या ।
- मरीमृज, ( वि. ) बार बार रगने वाला ।
- मरु, ( पुं. ) पर्वत । रेगस्थान । मारवाड़ देश ।
- मरुक, ( पुं. ) मोर ।
- मरुण्डा, ( स्त्री. ) बड़े मांसे वाली स्त्री ।
- मरुत्, ( पु. ) वायु ।
- मरुत्त, ( पु. ) चन्द्रवशी एक राजा ।
- मरुत्पथ, ( पुं. ) आकारा ।
- मरुत्पाल, ( पु. ) इन्द्र । देवराज ।
- मरुत्वत्, ( पु. ) ईन्द्र ।
- मरुत्सख, ( पु. ) इन्द्र । विषक वृष ।
- मरुदान्दोल, ( न. ) पत्ता ।
- मरुदिष्ट, ( पु. ) दुग्धल ।
- मरुभू, ( पु. ) मारवाड़ देश । जलरहित  
 देश ।
- मरुल, ( पुं. ) एक प्रकार की बतक ।
- मरुव, ( पु. ) राहु । पौधा विशेष ।
- मरुवक, } ( पु. ) व्याघ्र । राहु । सारत ।  
 मरुयक, }
- मरुक, ( पु. ) मोरपक्षी ।
- मरीलि, } ( पु. ) समुद्र का एक जीव ।  
 मरीलिक, } मकर । नक । मगर ।
- मरु, ( कि. ) जाना ।
- मरुक, ( पु. ) मकड़ी । मक्का ।
- मरुकट, ( पु. ) बदर । मकड़ी । सारत । विष  
 विशेष ।

मर्कटीजाल, ( न. ) बंद राम में एक चक्र विशेष जिससे लघु धीर युध का विचार किया जाता है ।  
 मर्कर, ( पु. ) मृद्वयान वृद्ध । भाएक । ( स्त्री. ) बॉक स्त्री ।  
 मर्करा, ( स्त्री. ) बनेन । टुका । बन्पा स्त्री ।  
 मर्क्य, ( कि. ) लेना । ग्राह करना । बजाना । जाना । दराना । थोटा लगाना । भय में दातना ।  
 मर्क्य, ( पुं. ) धोदी । दुदा भजन कराने वाला ।  
 मर्क्य, ( कि. ) पकड़ना ।  
 मर्क्य, ( पुं. ) मनुष्य । पृथिवी । मरणाशील ।  
 मर्क्य, ( वि. ) मरणाशील । मनुष्य ।  
 मर्क्यलोक, ( पु. ) वह लोक जिसमें मरणाशील देहधारी रहते हैं । मनुष्यलोक ।  
 मर्दल, ( पु. ) एक प्रकार का ढोल ।  
 मर्द, ( न. ) गिता हुआ । कुटा हुआ । पूर्व किया हुआ ।  
 मर्दन, ( न. ) पूरा करना । पीसना । मलना ।  
 मर्दित, ( वि. ) पूर्णित ।  
 मर्द, ( कि. ) जाना । मरना ।  
 मर्मक, ( पुं. ) तपस । रहरवेत ।  
 मर्मन्, ( न. ) बॉमल । सन्धिस्थान । शार । भेद । तात्पर्य ।  
 मर्मन्, ( पु. ) मर्ममर् रान्द । ( स्त्री. ) हलदी ।  
 मर्मरी, ( स्त्री. ) मसी ।  
 मर्मरीक, ( पुं. ) शरीर मनुष्य । रीटा मनुष्य ।  
 मर्मरूपशी, ( वि. ) मर्मरीक ।  
 मर्म, ( वि. ) मरणाशील ।  
 मर्म्य, ( भव्य. ) शीघा । हट । ( पुं. ) मनुष्य ।  
 मर्म्यदा, ( स्त्री. ) शीघा । हट ।  
 मर्म, ( कि. ) अधिकार करना । पकड़ना ।  
 मर्म, ( पुं. ) मेल । पार । गिरा । बोट । काँ । पत्नीना । कफ । कूर । शूर्य ।

मलम, ( पु. ) शाल्मलीकन्द ।  
 मलद्रापिन्, ( पुं. ) जगलगोदा ।  
 मलमार, ( पुं. ) शीद का माण । अधिक महीना ।  
 मलय, ( पु. ) मन्दनवन । पर्वत विशेष के निकट का स्थान । नगरीयों में से एक । शंभुभेद का एक पुत्र ।  
 मलयज, ( न. ) बन्दन । मलय देश का पवन ।  
 मलाका, ( स्त्री. ) दुली । इथिनी । कामागुरा स्त्री ।  
 मलि, ( स्त्री. ) अधिकार । विशाल ।  
 मलिक, ( पुं. ) राम्य । अधिकारि ।  
 मलिन, ( वि. ) मिला । दूषित । मया हुआ । दागरीला । हडाना ।  
 मलिम्लुच, ( पुं. ) बॉडू । बोर । राक्षस । मन्धर । पवन । शनि । पञ्चमहायज्ञ नित्य न करने वाला माण्डव । विषक वृध । शीघर । बर्ष ।  
 मलिष्ठा, ( स्त्री. ) राजवला स्त्री ।  
 मलीमार, ( पुं. ) मिला । अधिकारि । बाला । वृध । पापी । शीघा ।  
 मल्ल, ( कि. ) पकड़ना ।  
 मल्ल, ( पुं. ) पदलवान । प्याला । मण्डपल । बर्षेसुर विशेष । देश विशेष ।  
 मल्लक, ( पुं. ) बीरट ( दीपक रखने की ) ।  
 मल्लभू, ( स्त्री. ) बलारा ।  
 मल्लयुद्ध, ( न. ) शूरवी ।  
 मल्लार, ( पुं. ) धः शरीर में से एक राग ।  
 मलि, } ( स्त्री. ) बालुडी की देल ।  
 मली, }  
 मल्लिनाथ, ( पुं. ) एक गिम्न । सुगोप आदि मन्त्रों के अधिकारिकार ।  
 मल्लिका, ( स्त्री. ) एक प्रकार का हल । जिसकी बॉक पीली होती है । दाग बाल । बालुडी ।  
 मल्लिकर, ( पुं. ) बोर ।  
 मल्लु, ( पुं. ) शीघ ।

मल्लर, ( पुं. ) लोहे की जैह ।  
 मय्, } ( कि. ) बाँवना । जकड़ना ।  
 मय्य, }  
 मय्य, ( कि. ) क्रोध करना । मिनमिनाना ।  
 मय्य, } ( पुं. ) मय्यर । मय्यर का शब्द ।  
 मय्यक, } क्रोध ।  
 मय्यकिन्, ( पुं. ) उदुम्बर का पेड़ ।  
 मय्यहरी, ( स्त्री. ) मय्यहरी ।  
 मय्यी, } ( स्त्री. ) स्याही ।  
 मय्यी, }  
 मय्युन, ( पुं. ) कुत्ता ।  
 मय्य, ( कि. ) मार बालना । मारना करना ।  
 मय्य, ( कि. ) तीखना । मापना । रूप  
 बदलना ।  
 मय्य, ( पुं. ) माप या तील विशेष ।  
 मय्यरा, ( स्त्री. ) मय्यर ।  
 मय्यार, } ( पुं. ) रस विशेष । पत्ता ।  
 मय्यारक, }  
 मय्यि, ( स्त्री. पुं. ) स्याही ।  
 मय्यिधान, ( न. ) दवात ।  
 मय्यिपण्य, ( पुं. ) सुती । बावू । लेतक ।  
 मय्यिप्रय्य, ( स्त्री. ) लेतनी । स्याही की  
 बोट ।  
 मय्यिक, ( पुं. ) सोप का रिल ।  
 मय्यिन, ( वि. ) चपले प्रकार पिता दृष्टा ।  
 मय्यीना, ( स्त्री ) यलसी ।  
 मय्यूर, ( पुं. ) मयूर की दान्य । तक्रिया ।  
 मय्यूर, ( पुं. ) तक्रिया । इन्द्र की पत्नी का  
 चापूष विशेष ।  
 मय्यूरिका, ( स्त्री. ) बेचक का रोग । कुटनी ।  
 मय्यरी ।  
 मय्यूरी, ( स्त्री. ) बड़ी मात्रा या बेचक ।  
 मय्यूर्य, ( वि. ) विचरना । क्रमण । नम ।  
 मय्यूर्य ।  
 मय्यूर्य, ( कि. ) जना । गिर ।  
 मय्यूर्य, ( पुं. ) बँड । पंजा बँड । जना ।  
 जना ।

मय्यूरिन, ( पुं. ) सन्यासी । चन्द्रमा ।  
 मय्यूर्य, ( कि. ) नहाना । डूबकी मारना ।  
 डूबना ।  
 मय्यन, } ( न. ) माया ।  
 मय्यनक, }  
 मय्यनकस्नेह, ( पुं. ) भेजा । मय्यन ।  
 मय्यस्ति, ( स्त्री. ) नापना । तीलना ।  
 मय्यस्तिष्क, ( न. ) मय्यन । भेजा ।  
 मय्यस्तमूलक, ( न. ) गरदन । गला ।  
 मय्यस्तु, ( न. ) लटी मलार । दही का  
 पानी ।  
 मय्यह, ( कि. ) मार करना । पूजा करना । चप-  
 कना । बदना ।  
 मय्यह, ( पुं. ) उत्सव । तेज । यज्ञ । मैला ।  
 मय्यहक, ( पुं. ) प्रसिद्ध पुत्र । कथन ।  
 विष्णु ।  
 मय्यहक, ( पुं. ) दूर तक फैली हुई गन्ध ।  
 मय्यहत, ( वि. ) विपुल । बहा । बूना ।  
 मय्यहती, ( स्त्री. ) नारद बाबा की वीणा ।  
 मय्यहत्तरय, ( न. ) बहा तथा । मुद्रि ।  
 मय्यहर्लोक, ( पुं. ) मूष्मादि ऊपर के सात  
 लोकों में से एक ।  
 मय्यहर्षि, ( पुं. ) वेदव्यास आदि बड़े ऋषि ।  
 मय्यहम्, ( न. ) तेज । यज्ञ । उत्सव ।  
 मय्यहा, ( स्त्री. ) गी । बहा ।  
 मय्यहाकाय, ( पुं. ) बड़े शरीर वाला ।  
 शिशुनी का नदी । हाणी । मय्यहा शरीर  
 वाला ।  
 मय्यहाकार्तिकी, ( स्त्री. ) रोहिणी नद्य का  
 कर्तविक की पूर्णिमा ।  
 मय्यहाकाल, ( पुं. ) शिशुनी । एक दिन ।  
 भेग्य विशेष ।  
 मय्यहाकाशय, ( न. ) अष्ट से अधिक सगे वाला  
 काय ।  
 मय्यहाकुल, ( न. ) बहा कुल । जिनमें  
 दम कीटी तक देर का बदना पतना चला  
 आता हो ।

महागन्ध, ( न. ) इरिचन्दन ! ( श्री. )  
नागवला ।

महागुह्य, ( पुं. ) माना । विगा ।  
आचार्य । दान की गयी कथा का प्रति ।

महाधीय, ( पु. ) ऊँट ।

महाह्न, ( पु. ) ऊँट । गोधुव ।

महाकन्दाय, ( पु. ) बर बृक्ष ।

महाजन, ( पु. ) वेद के शास्त्रों में विश्वास  
करने वाला उग्र । आरिचक । मेघ पुत्र ।

महाज्यैष्टी, ( श्री. ) विशेष लक्षण वाली जेठ  
मास की पूर्णिमा ।

महालय, ( पुं. ) कदम्ब का पेड़ । बड़ा धनी ।

महातल, ( न. ) नीचे के लोगों में से  
पौत्रों का ताल ।

महाताप, ( श्री. ) जिनमें की देवी ।

महातीक्ष्ण, ( श्री. ) भिलास । बहुत तेज ।

महातेजस्, ( पुं. ) पात । अतिदेवरी ।  
कारिकेय । अग्नि ।

महातमन्, ( रि. ) बड़े धाराय वाला ।

महादान, ( न. ) बड़ा दान ।

महादेव, ( पु. ) शिव ।

महाद्रुम, ( पु. ) धरकण वृक्ष ।

महाघन, ( पुं. ) धूप ।

महाघान्तु, ( पु. ) सोना ।

महानदी, ( श्री. ) गङ्गा ।

महानन्द, ( पु. ) मोक्ष । माघ हस्ता ऋषी ।  
हरा । अगिराय आनन्द । एक नदी ।

महामन्दि, ( पु. ) कठिपुग का अन्तिम  
भारतवर्षीय नदी ।

महानयमी, ( श्री. ) आरिचन मास की  
हुला नयमी ।

महानस, ( न. ) पाकरधान । रसोर्धर ।

महानाटक, ( न. ) हनुमनाटक । नाटक  
विशेष ।

महानाद, ( पु. ) बड़े शब्द वाला । हाथी ।  
सिंह । बादल । ऊँट ।

महानिद्रा, ( श्री. ) बड़ी नींद । मापु । नींद ।

महानिशा, ( श्री. ) रात्रि के मध्यभाग के  
दो महर ।

महानुभाय, ( पु. ) महाराय । बड़े विचार  
वाला ।

महापथ, ( पुं. ) बड़ा मार्ग । पकी सड़क ।  
हिमालय के उत्तर स्वर्ग जाने का मार्ग ।

महापद्म, ( पुं. ) नाग विशेष । दुबेर का  
भयानक । एक गना ।

महापातक, ( न. ) ब्रह्महत्या, हारापान,  
शोरी, दुर्बिनासमान और इन चारों के  
संघ मेल ररना—ये महापातक हैं ।

महापुराण, ( न. ) सृष्टि आदि दस लक्षण  
शुक्र व्यास रचित पुराण ।

महापुरण्य, ( पु. ) धृष्टकेतु । नारायण ।

महामलय, ( पु. ) प्रया के आशुष्य की  
समाप्ति में जब वे धरने रहे सब पदार्थों  
को विलीन करते हैं । घोर प्रलय ।

महामस्ताद, ( पु. ) जगन्नाथनी का प्रसाद ।

महामाण, ( पु. ) श्रेष्ठ नामक एक काक ।  
अप्येधाय का नामयत्न विशेष ।

महाफल, ( पु. ) देव । ( श्री. ) इन्द्र-  
वाक्यी ।

महाफल, ( पु. ) बड़े बल वाला । बापु ।  
बुद्ध । सीता ।

महामारत, ( पुं. न. ) सत्कृत का वेदव्यास  
रचित इतिहास का बड़ा ग्रन्थ । इसमें  
१ लघु श्लोक हैं । इसका दूसरा नाम

पञ्च वेद भी हैं ।

महामिता, ( श्री. ) सुर्पुर । लज्जानु लजा ।  
बहुत बरी हुई ।

महामूल, ( न. ) पौष तन्त्र—पृथिवी, जल,  
तेज, वायु और आकाश ।

महामनस्, ( रि. ) उदार । महाराय ।

महामात्र, ( रि. ) बहुत बड़ा । प्रधानमात्र ।  
“मन्वे कर्मणि भूतार्थानिते माने परिश्रदे ।  
मात्राच महती यथा महामात्रास्तु ते स्मृताः॥”  
हाथियों की आला देने वाला । महाकर ।

महामहाचारणी, ( स्त्री. ) शनिवार ।  
शातभिषा नक्षत्र । शुभ योग सहित चंद्र की  
कृप्या १३३१ ।

महामाया, ( स्त्री. ) दुर्गा ।

महामाय, ( पुं. ) उदं । राजमाय ।

महामृग, ( पुं. ) बड़ा पशु । हाथी । शरभ ।

महानृत्युञ्जय, ( पुं. ) शिव का एक प्रकार  
का वैशोक शौं जू सः नौजपुत " व्यम्बकं  
यनामहे० " मन्त्र ।

महाभेद, ( पुं. स्त्री. ) शीघ्र विरोध ।

महामोह, ( पुं. ) अज्ञान विरोध ।

महायज्ञ, ( पुं. ) बड़ा यज्ञ ।

महारथ, ( पुं. ) शिव । बड़ा योद्धा ।

महारस्त्र, ( पुं. ) गणा । पारा । कात्री ।

महाराज, ( पुं. ) राजों के राजा । जैनियों  
के शुक विरोध । हाथ की उकली का  
नख ।

महाराजिक, ( पुं. ) विष्णु का नाम ।  
पर जब यह बहूनचनान्त होता है  
तब उन देवताओं का अर्घ्य देना है  
जिनकी संख्या २२० या २३६ बतलाई  
जाती है ।

महाराज्ञी, ( स्त्री. ) महारानी । पञ्चरानी ।  
दुर्गा का नाम ।

महाराशि, ( स्त्री. ) महाहन्त्र । अर्द्धराशि  
के पक्ष की दो पक्षी । दोषी, दीवली  
की दो रातें ।

महाराष्ट्र, ( पुं. ) मरुदों का देश । मरु  
रिपणी । बीती विरोध ।

महायोग, ( पुं. ) मिरगी आदि आठ योग ।

महावीर्य, ( पुं. ) बड़ा तरक विरोध ।

महाघं, ( वि. ) बड़े मृन्म कृप्या । मरुणा ।

महागंज, ( पुं. ) महागणपत ।

महाहाथ, ( पुं. ) विष्णुव । पञ्चमाया । विहार ।

महालक्ष्मी, ( स्त्री. ) बड़ी लक्ष्मी । अगस्त्य  
पुत्र का पुत्र है । की शक्ति का भेद ।  
मन्त्रों में । जगत्पति । इत्यादि ।

महाबराह, ( पुं. ) विष्णु का अन्तर्गत विरोध ।

महाबरोह, ( पुं. ) बड़ बृध । ताड़ वृध ।

महावाक्य, ( न. ) वेदवाक्य । बड़ व  
वाक्यों के स्वरूप में एक वाक्य ।

महाविद्या, ( स्त्री. ) दस महाविद्या ।

महाविपुव, ( न. ) सूर्य की भेष लगी  
रिपि ।

महावीचि, ( पुं. ) एक तरक ।

महावीर, ( पुं. ) बड़ा बहादुर । गुरु ।

इनुमात् । सिद्ध । यज्ञानि । वज्र । विद्या ।

गोडा । वोकिल । धनुर्धारी ।

महावीर्य्य, ( पुं. ) बड़े वैर्य्य वाला ।

वाराहीकन्द । परमात्मा ।

महाव्याधि, ( पुं. ) बड़ा रोग । कोढ़ आदि ।

महाव्याहृति, ( स्त्री. ) वैदिक मन्त्र विरोध ।

महावण, ( न. ) बड़ा कोडा ।

महाव्रत, ( न. ) बाराह पूर्ण का व्रत विरोध ।

महाशक्त, ( पुं. ) बड़ा शक्त । तांत्रिक मार्ग  
विरोध जो मनुष्यों की तोपड़ी से बनती  
है । कान घोर आँसु के बीच की हड्डी ।

महाशठ, ( पुं. ) धूसर । बड़ा धूर्त ।

महाशय, ( वि. ) बड़े आराध वाला । महा-  
नुभाष । उदार ।

महाशुद्ध, ( पुं. ) आभार । नाति विरोध ।

महाप्रमशान, ( न. ) काशी । बड़ा मन्त्रण ।

महाष्टमी, ( स्त्री. ) आश्विन के शुभ । १०  
अष्टमी ।

महासन्तपन, ( न. ) रात दिन में समाध  
हानि वाला मन्त्र ।

महासेन, ( पुं. ) बड़ी सेना के पति ।  
कारिण्डेय ।

महि, ( स्त्री. ) पृथिवी । मापना देश  
मर्ही, ( स्त्री. ) भी एक नदी ।

महिना, ( स्त्री. ) रिपि । बड़े ।

महित, ( वि. ) प्रीति । दुःख ।

महित्यक, ( पुं. ) पहा । मृगा ।

महितान्, ( पुं. ) मन्त्रण । बर्गा ।







मात्रा, ( स्त्री. ) माप विरोध । कुट । पल ।  
 चट्ट । धरा । धन । नागरी वर्षमासा के  
 वर्षों के दिन जो अक्षरों के ऊपर नीचे  
 अक्षर अक्षर लगाये जाते हैं । क्रम में  
 पढ़ने की जाती । रस ।  
 मात्सर्य्य, ( न. ) ईर्ष्या ।  
 मात्स्विक, ( पु. ) दबली पकड़ने वाला ।  
 धीमे । मन्द ।  
 माघ, ( पु. ) वर्षा । मार्ग । ( कि. )  
 मिला । नष्ट करना । धारना ।  
 माघुर, ( वि. ) मधुर में जलक । मधुर में  
 चाया हुआ ।  
 माद, ( पुं. ) नशा । दर्द । हर्ष ।  
 मादक, ( वि. ) नशीला । नशा उत्पन्न करने  
 वाला । पनीहा ।  
 मादक, ( न. ) शीत । कामदेव । मदन वृक्ष ।  
 ( स्त्री. ) भोग ।  
 मादक, } ( कि. ) दो ममान ।  
 मादकी, }  
 माद्री, ( स्त्री. ) मद्रेशसम्भूत परदारान  
 की दूती स्त्री ।  
 माधव, ( पुं. ) नारायण । लक्ष्मीपति ।  
 बल्लभ ऋषि । वैराग्य भास । मनुष्य का  
 पैर । ( स्त्री. ) वातनी लता । इन्द्र ।  
 पाशुराम । मादक । सायन के राणी धीरे  
 आवेद के टीकाकार ।  
 माधवक, ( पु. ) मधु विरोध जो मधु से  
 बनाई जाती है ।  
 माधविकार, ( स्त्री. ) एक लता ।  
 माध्वी, ( स्त्री. ) एक प्रकार की मदिता ।  
 वातनी लता । वृद्धी ।  
 माधुद, ( न. ) माधुनी का उभ ।  
 माधु, ( वि. ) शीतक ।  
 माध्वन्दिन, ( न. ) दिन का मध्य भाग ।  
 मधुर्द की एक शाखा ।  
 माध्याह्निक, ( वि. ) दोपहर सम्बन्धी ।  
 माध, ( पुं. ) मध्य के अक्षरवादी ।

मान्, ( कि. ) विचार करना । पूज्य करना ।  
 मान्, ( न. ) सम्मान । प्रतिष्ठा । अभिमान ।  
 ( मन्त्रे भाग में ) कोष । माप । हाथ ।  
 तीक्ष्ण । प्रपण । शून्य का अक्ष ।  
 मानप्रथि, ( पु. ) अन्वय । पूज्य शूक ।  
 मानरन्धा, ( स्त्री. ) एक प्रकार का लम्ब-  
 दूषक वन ।  
 माननीय, ( पु. ) मान के योग्य । प्रतिष्ठित ।  
 मानःशिल, ( न. ) मनसिल का ।  
 मानय, ( पुं. ) मनुष्य । मनु के बराबर ।  
 मानयधर्मशास्त्र, ( न. ) मनु का बनाया  
 धर्मशास्त्र ।  
 मानस, ( न. ) मन । मनसोत्तर ।  
 मानसप्रत, ( न. ) धर्मिष्ठा, सत्य चादि  
 मन, चोरी न करना, अक्षयधर्म धारण,  
 शास्त्रधन करना—ये मानस व्रत कहलाते हैं ।  
 मानसिक, ( न. ) मन सम्बन्धी ।  
 मानसौक्य, ( पु. ) हँस ।  
 मानिका, ( स्त्री. ) मदिता विरोध । तीक्ष्ण विरोध ।  
 मानिर्ना, ( स्त्री. ) मान करने वाली स्त्री ।  
 क्लो वाला वृक्ष ।  
 मानुष, ( पु. ) धार्मी । मानव ।  
 मानुषी, ( स्त्री. ) स्त्री । नारी ।  
 मानुष्य, ( न. ) मनुष्यत्व । धार्मीपन ।  
 मानोहक, ( न. ) सुदरता ।  
 मान्द्रिक, ( पुं. ) मन्त्र जानने वाला ।  
 मान्द्र, ( कि. ) चोटिल करना ।  
 मान्द्र्य्य, ( न. ) सुदनी । यकाण्ड । निर्बलता ।  
 मान्द्र, ( पु. ) वृष विरोध ।  
 मान्द्र, ( न. ) नक्षत्रना । सुश्री । भीमारी । न्यूनता ।  
 मान्धातु, ( पु. ) धर्मवरी एक राजा का  
 नाम । यह पुत्रनारक का पुत्र था और अपने  
 काय के प्रेड से उत्कृष्ट हुआ का । प्रेड से  
 उसके निकलते ही ऋषियों ने कहा था—  
 "कं एष धरपति ।" इस पर हृद ने मन्त्र  
 ही कर कहा— "मा धरपति ।" तब ही से  
 इसका नाम मान्धातु या मान्धाता पड़ा ।

- मान्य, ( पुं. ) पूज्य ।  
 मापत्य, ( पुं. ) कामदेव ।  
 माम, ( सर्व. ) मुझे । मेरा ( सम्बोधन में )  
 चाचा ।  
 मामक, } ( वि. ) मेरा । स्वर्था । लालची ।  
 मामिका, }  
 माय, ( पु. ) बानीगर । राक्षस ।  
 माया, ( स्त्री. ) अज्ञान विरोध । भ्रम ।  
 कृपा । दम्भ । लक्ष्मी । बुद्धदेव की  
 माता । ईश्वर की उपाधि ।  
 मायाकृत, ( पुं. ) मदारी । बानीगर ।  
 मायादेवीसुत, ( पुं. ) बुद्धदेव ।  
 मायाविन्, ( वि. ) ऐन्द्रजालिक । मदारी ।  
 मायिक, ( वि. ) मदारी । कपटी । धली ।  
 मायु, ( पुं. ) सूर्य । देहस्थ पित्त । रोग विरोध ।  
 मायूर, ( न. ) मोर सम्बन्धी । मोरों का झुण्ड ।  
 मायु, ( पुं. ) मरण । मौत ।  
 मारक, ( पुं. ) मारण । महामारी । कामदेव ।  
 घातक । बान पत्नी ।  
 मारकस्थान, ( पुं. ) बधस्थल । जमकण्डली  
 में लग्न से सातथों और दूतरा स्थान ।  
 मारि, ( स्त्री. ) महामारी ।  
 मारीच, ( पुं. ) ताड़का राक्षसी का वेद्य । एक  
 शश्वस त्रिते रामचन्द्र ने विश्रामिध के यज्ञ  
 में चार ही योजन फेंका था । त्रिमने माया  
 मृग बन कर सीता का दण्ड मगया था ।  
 मारुतारामज, ( पुं. ) कायु का पुत्र । दृष्टान्त  
 और भ्रममेत ।  
 मार्कण्ड, ( पुं. ) एक ऋषि । मूर्खत्व की लक्षण  
 में मर्दव १४ ही वर्ण के रहते हैं ।  
 मार्ग, ( वि. ) दूत । साह करना ।  
 मार्गण, ( न. ) बन्देव । होना । मानन ।  
 प्रदूष ।  
 मार्गेश्वर, } ( पुं. ) ब्रह्मदेव ।  
 मार्गेश्वरि, }  
 मार्ग, ( वि. ) मार्ग ।  
 मार्ग, ( पुं. ) देव ।
- मार्ज, ( कि. ) बुहारना । बयेरना । धोना ।  
 पोंजना । साफ करना ।  
 मार्जन, ( न. ) पोंज कर साफ करना ।  
 मार्जनी, ( स्त्री. ) बुहारी । झाड़ू ।  
 मार्जार, } ( पुं. ) बिलार । मोर ।  
 मार्जाल, }  
 मार्जारी, ( स्त्री. ) बिली ।  
 मार्जारीय, ( पुं. ) बिली । शूद्र । कार-  
 शोधन ।  
 मार्जित, ( पुं. ) साफ किया हुआ । सजाया  
 हुआ ।  
 मार्जिता, ( स्त्री. ) एक प्रकार की चट्टी,  
 जो दही में चीनी तथा अन्य मसालों के  
 मिश्रण से बनायी जाती है ।  
 मार्तण्ड, ( पुं. ) सूर्य । चर्क वृक्ष । सूर्य ।  
 बारह की संख्या । मरे अण्डे में  
 उत्पन्न ।  
 मार्तिक, ( पुं. ) मिट्टी का बना । देता ।  
 पके का टुकना ।  
 मार्त्य, ( वि. ) मरणशील ।  
 मार्दङ्ग, ( पुं. ) डोलखी । डोल बनाने वाला ।  
 नगर विशेष ।  
 मार्दङ्गक, ( पुं. ) डोल बनाने वाला ।  
 मार्दय, ( न. ) कामलता । कोमल वा दयालु  
 हृदय कला ।  
 मार्दिक, ( न. ) शम्भु । मरिच ।  
 मार्मिक, ( न. ) मय मान बनाना ।  
 मार्ष्टि ( भा. ) मर । मर्ना ।  
 मार्म, ( पुं. ) बर्तन के एक नगर का  
 नाम । जहमी लोगों की शक्ति । विष्णु ।  
 मार्मक, ( पुं. ) नीम का पेड़ । भ्रम क मपी ।  
 का बन । नन्दिय की लकड़ी का बना  
 पात्र ।  
 मार्मकीश, ( पुं. ) शम्भु विशेष ।  
 मार्मि, } ( स्त्री. ) बनेनी । बनी ।  
 मार्मिनी, } कामलतावृक्ष । ( वि. ) बौद्ध ।  
 मार्मिनीरज, ( पुं. ) बुहारना ।

मासतीपत्री, ( स्त्री. ) जातिरी ।  
 मासतीफल, ( न. ) जायफल ।  
 मालय, ( पुं. ) } मलय पर्वत का । अन्तः ।  
 मालयी, ( स्त्री. ) }  
 मालय, ( पुं. ) एक देश जिस पर लक्ष्मीजी की  
 पूजा ही ( मायाः लक्ष्म्यस्मिन् ) इतिशक्ति  
 कथित मालवा मात । तय विशेष ।  
 ( बहुवचन में ) मालवा प्राप्त करी ।  
 मालयिका, ( स्त्री. ) लोरी ।  
 मालवरी, ( सं. ) मीठाली का पेड़ ।  
 माला, ( स्त्री. ) हार । मनसा । प्रथा ।  
 होती । धम ।  
 मालाकार, ( पुं. ) माली ।  
 मालादीपक, ( म. ) अलङ्कार में अर्थात्प्रकाश  
 विशेष ।  
 मालिक, ( पुं. ) माली । रखने । रखाया ।  
 पत्नी विशेष ।  
 मालिका, ( स्त्री. ) माली की बेटी । घरदान  
 का गहना । अलसी । पुत्री । राजमन ।  
 छाग । पत्नी विशेष । नदी विशेष । पुलों  
 की माता ।  
 मालिन, ( पुं. ) मालाकार । एक मन्द के  
 पार का-का छद्म । मीठी । अन्त नगरी ।  
 आकाशमश । कल्प के आत्मन के  
 निवृत्त की एक नदी । कथितरिता वृक्ष ।  
 मासेय, ( वि. ) माला की रचना में अनुप  
 माली ।  
 माहय, ( न. ) पुण । पूज । दावे पर चलने  
 की उपमाला ।  
 माहयवल्, ( वि. ) माला काया । वेदुल्ल  
 कीर एक ही करे की बीया का पदार्थ ।  
 छत्रेण राक्षस का वेद्य । राक्षस का कर्षी ।  
 एक राक्षस ।  
 माहियथे, ( न. ) देहपत्र । देव ।  
 माह्यु, ( स्त्री. ) लक्ष्मीदेव । स्त्री ।  
 माह्यु, ( पुं. ) देव की देवे का देव ।  
 माह्येया, ( स्त्री. ) बही लक्ष्मी ।

मास, ( पुं. ) वर्षतद्वर जाति विशेष ।  
 मास्यी, ( स्त्री. ) दुग्धी के जोड़ ।  
 मास्यिष्क, ( वि. ) विशेष करने वाला ।  
 माय, ( पुं. ) माया ( तीक्ष्ण का ) दुर्ग । उर्दे  
 की दात । प्रांगण ।  
 मायक, ( पुं. ) बली । सेम । माया  
 ( तीक्ष्ण ) ।  
 मायवर्त्मक, ( पुं. ) तुल्य ।  
 मायिक, ( घ. ) } दाया पर ।  
 मायिकी, ( स्त्री. ) }  
 मायीय, ( न. ) उर्दे का लेप ।  
 माय, ( पुं. ) अन्तः । तीक्ष्ण का लक्ष्य ।  
 माय, । महीना ।  
 मायन, ( न. ) सोपत्तरी लण ।  
 मायन, ( पुं. ) आनन्द का उबला हुआ पानी ।  
 मायक ।  
 मायल, ( पुं. ) वर्ष ।  
 मायान्त, ( पुं. ) मही का अन्त ।  
 मायिक, ( वि. ) महीने का ।  
 मायुरी, ( स्त्री. ) माली ।  
 मायूर, ( न. ) } मायूर की दात का ।  
 मायुरी, ( स्त्री. ) }  
 मायम, ( आद्य. ) हयना । ईश्वर ।  
 माह, ( वि. ) अन्तः कायना ।  
 माह, ( स्त्री. ) ती ।  
 माहाकुल, ( वि. ) बड़े पुत्र काट ।  
 माहाकुली, ( स्त्री. ) दुर्गा की स्त्री ।  
 माहायय, ( न. ) महीना ।  
 माहिय, ( न. ) मैन का पुत्र ।  
 माहिय्य, ( पुं. ) मन्द । महीना ।  
 माहिय्य, ( पुं. ) मन्द का मन्द विशेष । दुर्ग  
 रित् । एक के स्त्री । स्त्री ।  
 माहिय, ( पुं. ) दुर्गा की लक्ष्मी । मन्द  
 मन्द । माहिय्य । स्त्री ।  
 माहिय्य, ( वि. ) मैन लक्ष्मी । मिन  
 दुर्गा ।  
 माहियरी, ( स्त्री. ) दुर्गा की

मि, (कि.) केंचना ।  
 मिञ्ज, (कि.) रोचना । चिहाना ।  
 मिन्, (सी.) सम्पा ।  
 मित, (वि.) पतिमेव । माना इषा ।  
 निर्दिष्ट । सीमापन्न ।  
 मितज्ञमे, (पुं.) धीरे धीरे चलना । शपी ।  
 मितद्, (पुं.) सपुत्र ।  
 मितम्पच, (पुं.) सून ।  
 मिति, (सी.) ज्ञान । मात्र । ममाप्य । सारथ्य ।  
 सक्तर ।  
 मित्र, (न.) सहृद । दोस्त ।  
 मित्रविन्द, (पुं.) शक्ति ।  
 मित्रता, } (स.) मित्री । दोस्ती ।  
 मित्राण्य, }  
 मित्रयु, (पुं.) मित्रसह्य ।  
 मित्र, (कि.) मित्रता । माला । समझना ।  
 बालना । पढ़ना ।  
 मिषिण्, (अन्.) अकेडे । आपस में ।  
 मिषिक्षा, (सी.) शिक्षण । शान्त जनककी पुत्री ।  
 मिषुन, (न.) भी पूष का जोवा । मेघ से  
 उत्पत्ती होती । शिव के अर्ध मिथुन ।  
 मिष्या, (अन्.) अमन्य । मूड ।  
 मिष्यार्थाष्ट, (सी.) मूष ।  
 मिष्यानिगमन, (न.) शोषण सा कर  
 कर्त्तव्य करना वा मूढता ।  
 मिष्यानिर्वाण, (पुं.) मूडी करवाण ।  
 मिष्यानिर्वाणन, (न.) मूडा कपट ।  
 मिष्यानिर्वाण, (पुं.) मूडा करवाण ।  
 मिष्यामि, (सी.) अमन्य । मूष ।  
 मिद्, (कि.) मीरु करना ।  
 मिद्, (वि.) मिदना ।  
 मिर्कम्प, (पुं.) मूर्खता ।  
 मिर्कम्पच, (पुं.) मूर्ख विदित ।  
 मिर्कमिर्कच, (पुं.) मिर्क का अम ।  
 मिद्, (वि.) मीरु करना ।  
 मिड (कि.) मिदना । इकी मिदना । मूढ  
 मूर्ख । मूर्ख । मूर्ख ।

मिभ्रज्यवहार, (पुं.) अपितविदाकी किरा मिद्रो  
 मिपू, (कि.) दूतों को बोवा दिग्गमे की  
 अभिताया । शीत मारना । नम करना ।  
 मिय, (न.) खर्जी । खन । कण्ट ।  
 मिषिका, (सी.) मजामाही ।  
 मिष्ट, (वि.) मीठा ।  
 मिह, (कि.) लोचना । प्रयात वा वेत्त  
 करना । धीरे निकालना ।  
 मिहिका, (सी.) वाला । बडे ।  
 मिहिर, (पुं.) सूर्य । आह का वेत । दूध ।  
 वेव । अन्नमा । वायु ।  
 मिहिराण, (पुं.) शिव ।  
 मी, (कि.) मारना । कम करना । बरनना ।  
 मङ्ग करना । सोना । मडकना । काना ।  
 जलना । मरना । नष्ट होना ।  
 मीठ, (वि.) मूडा इषा ।  
 मीदुधम, (पुं.) शिव । सूर्य । शेर ।  
 मीन, (पुं.) मयथी । वादशी शक्ति ।  
 मीनकेतन, (पुं.) कामदेव ।  
 मीनसम्प, (पुं.) सपुत्री ।  
 मीनाण्डा, (सी.) मिथी । परिहृता शक्ति ।  
 मयथी करवाण ।  
 मीम, (कि.) शब्द करण ।  
 मीमांसक, (पुं.) मीमाणा लक्ष के द्वारा  
 बनना उनके वही करने । परिपुत्र ।  
 मिदारी । निर्दिष्टकर्त्ता ।  
 मीमाणा, (सी.) मीमिषा । अज्ञानान ।  
 अज्ञानान्ति । अज्ञानान्ति से ले एक शक्ति  
 का नाम । यह शक्ति दो भागों में विभक्त  
 है एक पूर्वमीमाणा है, जिसके बनने  
 के लक्ष्य मिदारी है । इस भाग में कर्त्त का  
 प्रतिबन्ध किया गया है । दूसरे भाग का  
 नाम अन्तमीमाणा है । इसके अन्तर्गत  
 अज्ञानान्ति है । इसी अज्ञानान्ति का  
 अन्तर्गत है । शिव । मीमाणा ।  
 मीम, (पुं.) मीम । मीमाणा । मीम । मीम ।  
 मीम । मीम ।

मील, ( कि. ) पक्षी को बन्द करना ।  
 सुभोजना । मिलना ।  
 मीलन, ( न. ) सञ्जोचना । बन्द करना ।  
 मीलित, ( वि. ) अन्तलिता । सञ्चित ।  
 पक्षर विरोध ।  
 मीय, ( कि. ) जाना । मोटा होना ।  
 मीयद, ( वि. ) अहिद्वन्द्व । माय । सेना-  
 पति ।  
 मीया, ( बी. ) परन ।  
 मु, ( पु. ) शिष्ट । चिता । मृत रह ।  
 मुकुट, ( पुं. ) शिरोवृष । ताज ।  
 मुकु, ( पुं. ) हुटकाप । उत्सर्ग । त्याग ।  
 मोक्ष ।  
 मुकुन्द, ( पु. ) मोक्षदाता । विष्णु । पाता ।  
 बहुमुख्य रत्न विशेष । कुंजर की मूत्र  
 निषिद्धि में से एक । एक प्रकार का  
 दौल ।  
 मुकुम्, ( अन्व. ) मोक्ष । निर्विकल्पक  
 समाधि ।  
 मुकुट, ( पुं. ) शीशा । दर्पण । बहुल वृष ।  
 कुंजर वा कुंज । मालती का पेड़ ।  
 बली ।  
 मुकुल, ( पुं. न. ) अश्लिषी बली । आम्बा ।  
 शरीर ।  
 मुकुल, } ( पुं. ) एक प्रकार की लेप का  
 मुकुलक, } बीबी ।  
 मुक्त, ( वि. ) हुटकाप प्राप्त । आनन्दपुनः ।  
 मुक्तसङ्ग, ( वि. ) परित्राणक । संन्यासी ।  
 मुक्ताहस्त, ( वि. ) बदार । बहुदानयोग ।  
 मुक्ता, ( बी. ) मोती ।  
 मुक्तामय, ( बी. ) हीरा ।  
 मुक्ताफल, ( न. ) मोती । कण्ट । हीराफल ।  
 मोरदेश हृत् प्रत्य विशेष, शिष्ये भीक  
 का विशेष वर्णन है ।  
 मुक्ताचली, ( बी. ) मोतियों की बाला ।  
 हल नाम का व्यापारक मन्त्र ।  
 मुक्ताचोट, ( पुं. बी. ) हीरा ।

मुक्ति, ( बी. ) हुटकाप । मोक्ष ।  
 मुक्तिक्षेत्र, ( न. ) बारी धाम ।  
 मुक्त्या, ( अन्व. ) हुटकाप पाकर । परित्रिक ।  
 दौक कर ।  
 मुख, ( न. ) घेह । घृणन । पृथक् । मायने  
 या भागे का भाग । तीर वा अग्रभाग ।  
 झार । उदोत्पात्र । भाग । प्रधान ।  
 मुखज, ( पु. ) विप ।  
 मुखनिरीक्षण, ( वि. ) घेह की ओर देखने  
 वाला । आत्मनी । पुराणपरी ।  
 मुखपूरण, ( न. ) अन्नोक्त कर जल ।  
 मुखभूषण, ( न. ) पान । दीहा ।  
 मुखर, ( वि. ) बह । भागने वाला । बाधा ।  
 बहुत शब्द बोलने वाला । अग्रशब्द  
 बोलने वाला । अत्रियवादी । वाक । उद्ग ।  
 मुखरित, ( वि. ) शब्द बोलने वाला ।  
 मुखलाङ्गल, ( पुं. ) छत्र ।  
 मुखपल्लव, ( पु. ) अन्तर का पेड़ ।  
 मुखपात, ( पु. ) गन्ध वृष । बाधुर ।  
 मुखपासन, ( पुं. ) हल की टण्डिपुष्प  
 बोलने वाला ।  
 मुखप्यादान, ( पु. ) हल लोहना । दूतना ।  
 कर्तार ।  
 मुखरोधन, ( न. ) दाहनी नी ।  
 मुखध्याय, ( पु. ) स्तार ।  
 मुखरग्नि, ( पुं. ) शक्य । दाहानल ।  
 मुख्य, ( वि. ) प्रधान । अग्रज ।  
 मुख्य, ( वि. ) मूर । हादा । लीला । अक  
 रक । छत्र ।  
 मुख्या, ( बी. ) अत्रिवा धेद ।  
 मुख्य, ( कि. ) टण्डना । बोलना ।  
 मुखमुन्द, } ( पुं. ) दुष्प बल दुष्प  
 मुखमुन्द, } विशेष । टण्डना टण्डना के  
 मुखमुन्द, } दुष्प वा नय ।  
 मुखमुन्दमन्त्रादक, ( पुं ) अत्रिवा ।  
 मुखित, ( वि. ) उदर । ( पु. ) देव विंश ।  
 मेकी । पवन ।

मुचिलिन्द, ( पुं. ) एक प्रकार का पुष्प ।  
 मुचुयी, ( स्त्री. ) बीमती ।  
 मुञ्ज, } ( कि. ) साक करना । बनाना ।  
 मुञ्ज, } शब्द करना ।  
 मुञ्ज, ( पुं. ) मूज । जिसमें मात्स्यों के लिये  
 मेलला बनायी जाती है । मेलला । धार  
 नगरी के एक राजा का नाम । जो भीम  
 के चाचा थे ।  
 मुञ्जाट, } ( पुं. ) एक प्रकार का पीथा ।  
 मुञ्जाटक, }  
 मुञ्जर, ( न. ) कमल की जड़ ।  
 मुद्, ( कि. ) तोपना । पीसना । दबाना ।  
 मुद्, ( कि. ) बालों का काटना, या  
 मचाना ।  
 मुद्ग, ( पुं. न. ) परतक । एक द्रव्य । नारि ।  
 राजागण हीन वृक्ष ।  
 मुद्गक, ( पुं. ) नारि ।  
 मुद्गकान्त, ( पुं. ) नाटियल ।  
 मुद्गक, ( पुं. ) नारि ।  
 मुद्ग, ( कि. ) ध्वज धारण । प्रविष्टा  
 करना ।  
 मुद्ग, ( न. ) मोती ।  
 मुद्ग, ( कि. ) प्रथम होना ।  
 मुद्ग, } ( स्त्री. ) हरे ।  
 मुद्ग, }  
 मुद्ग, ( पुं. ) बदन । कानुक । बामी ।  
 पण ।  
 मुद्गी, ( स्त्री. ) पत्नी । रस ।  
 मुद्ग, ( पुं. ) रस । पत्नी विशेष । नयनक ।  
 मुद्ग, ( न. ) मात्स्यी वेद । मुद्ग । स्त्री ।  
 मुद्गक, ( पुं. ) एक स्त्री का नाम । एक  
 प्रकार का वन । वन ।  
 मुद्ग ( पुं. ) स्त्री का केत विशेष ।  
 मुद्ग ( स्त्री. ) स्त्री । स्त्री । स्त्री । स्त्री ।  
 स्त्री । स्त्री । स्त्री । स्त्री । स्त्री ।  
 स्त्री । स्त्री । स्त्री । स्त्री । स्त्री ।  
 स्त्री । स्त्री । स्त्री । स्त्री । स्त्री ।

मुद्रालिपि, ( स्त्री. ) हाथ के बज । से  
 प्रकार की लिखावटों में से एक ।  
 मुद्रिका, ( स्त्री. ) चण्डी । मोहर । सार ।  
 मुद्रित, ( वि. ) चिह्नित । बना हुआ ।  
 बंद ।  
 मुधा, ( धन्य. ) मिथ्या । झूठ । ना ।  
 वृथा ।  
 मुनि, ( पुं. ) परित पुत्र । स्त्री । हाथ  
 गिन्ती ।  
 मुनिभेषज, ( न. ) हरे । भद्र । पुत्र  
 साना ।  
 मुनीन्द्र, ( पुं. ) शक्तिभेद । संस्र डी  
 भक्त । शिर ।  
 मुन्ध, ( कि. ) जाना ।  
 मुन्धा, ( स्त्री. ) शरीर के त्वि ( न  
 कल ) भाग में प्रयुक्त होने वाला एक  
 विशेष मूत्र । दसों मूत्र ।  
 मुन्ध, ( न. ) नासर । कद ।  
 मुमुक्षा, ( स्त्री. ) मोह की कल्पना ।  
 मुमुक्षु, ( वि. ) मोह की इच्छा वाला ।  
 मुमुक्षान, ( पुं. ) बाधन ।  
 मुमुक्षु, ( पुं. ) धोर ।  
 मुमुक्षु, ( वि. ) धारणमुद्र ।  
 मुर, ( कि. ) धेर लेना । पैसा लेना ।  
 मुर, ( पुं. ) देव विशेष । देव । बरत ।  
 मुरज, ( पुं. ) मुरज । कुयोगी ।  
 मुररिपु, ( पुं. ) शिशु । मुररि ।  
 मुरला, ( स्त्री. ) केत देव की एक स्त्री  
 नाम ।  
 मुरली, ( स्त्री. ) बनी । देव ।  
 मुरलीधर, ( पुं. ) श्रीराम । मुरली ।  
 मुरली, ( कि. ) मुरली देव ।  
 मुरली, ( पुं. ) मुरली । मुरली ।  
 मुरली, } ( स्त्री. ) मुरली ।  
 मुरली, }  
 मुरलीधर, ( पुं. ) मुरली







मृतकल्प, ( वि. ) मृतप्राय ।  
 मृतपरासा, ( श्री. ) मरी हुई सम्मान वाली  
 श्री ।  
 मृतसखीघनी, ( श्री. ) एक वृद्धी ।  
 काविक विद्या विद्या ।  
 मृतस्नात, ( वि. ) मरने पर नहाने वाला ।  
 मृतएड, ( पु. ) मूर्ध्नि ।  
 मृतालक, ( न. ) एक प्रकार की मिट्टी ।  
 मृति, ( श्री. ) माँड ।  
 मृत्तिका, ( श्री. ) मिट्टी ।  
 मृत्यु, ( पु. ) मरण । भीड । संम ।  
 कामदेव ।  
 मृत्युनाशक, ( पुं. ) मीन को मारने  
 वाला ।  
 मृत्युञ्जय, ( पु. ) गण ।  
 मृत्स्ना, ( श्री. ) बहुत सख मिट्टी । पूष ।  
 मृत्, ( कि. ) गूँथ करना ।  
 मृत्, } ( श्री. ) मृत्तिका ।  
 मृत्, }  
 मृत्कृत्, } ( पुं. ) हरे रङ का कर्ण या  
 मृत्कृत्, } कर्ण ।  
 मृत्क, ( पु. ) एक प्रकार की टोलक ।  
 मृत्काकर, ( पु. ) वक्र । कुलिया ।  
 मृदु, ( वि. ) कोमल । निर्बल । मीथरा ।  
 धीमा । शान्तिप्रद ।  
 मृदुत्वञ्च, ( पुं. ) भोजन ।  
 मृदुल, ( न. ) जग । ( वि. ) कोमल ।

मृयोद्य, ( न. ) मिथ्या कथन ।  
 मृष्ट, ( न. ) शोषित । विधि ।  
 मृष्टेयक, ( वि. ) स्वामी । उदार ।  
 मृ, ( कि. ) बंध करना ।  
 मे, ( कि. ) बदलना । विनिमय ।  
 मेक, ( पु. ) बध्ना ।  
 मेकल, } ( पु. ) पर्वत विशेष ।  
 मेखल, } बकला ।  
 मेकल+अद्रिजा, } ( श्री. ) नर्मदा नदी ।  
 मेकलकन्यका, } [मेकलकी जगह "मेखल"  
 मेकलकन्या, } भी होता है ] ।  
 मेराला, ( श्री. ) कमारवेधी । करपनी । प्रथम  
 तीन वर्षों के परने का कटिघ्न । तलवार  
 का परतला । घोड़े का तय । नर्मदा ।  
 होमकृत् ।  
 मेरालाल, ( पु. ) शिव ।  
 मेखलिन, ( पु. ) शिव । प्रज्वारी ।  
 मेघ, ( पु. ) बादल । मोथा । छय विज्ञ  
 राशु विरोध । रोग भेद ।  
 मेघजीवन, ( पुं. ) वायु कृत् ।  
 मेघज्योतिस्, ( न. ) दिनट ।  
 मेघनाद, ( पु. ) बध्ना । तय कृत्  
 मेघवर्तन ।  
 मेघयोनि, ( श्री. )  
 मेघवर्तन, ( पु. )  
 मेघवर्ति, ( पु. )  
 मेघवाहक, ( पु. )

मेठ, ( पु. ) मेडा । महात ।  
 मेठि, } ( पु. ) सम्भा । हँटा ।  
 मेथि, }  
 मेद्द, } ( पुं. ) मेदा । लिङ्ग ।  
 मेद्दक, }  
 मेथिका, } ( स्त्री. ) तृण विशेष । मेथी ।  
 मेथिनी, }  
 मेद, ( कि. ) मोटा । अलग्नुपा । सर्वरूपी  
 दानव विशेष ।  
 मेदस्त, ( न. ) चर्वी ।  
 मेदस्सुत्, ( पु. ) मांस ।  
 मेदिनी, ( स्त्री. ) पृथिवी ।  
 मेदुर, ( वि. ) मोटा । विक्रान्त । पना ।  
 मेघ, ( वि. ) देसी मेरु ।  
 मेघ, ( पुं. ) बलि, यथा-नरमेघ, अश्वमेघ ।  
 यज्ञगुह्य । बलि । मांस का रस ।  
 मेघज्ञ, ( पु. ) विष्णु ।  
 मेघा, ( स्त्री. ) धारणावती बुद्धि । सरस्वती का  
 रूप विशेष । बलि । शक्ति । सामर्थ्य । याग ।  
 मेघाविन्, ( पुं. ) बर्षा बुद्धि वाला । जिनकी  
 धारणा शक्ति बहुत अच्छी हो । तोता ।  
 बर्षा विशेष ।  
 मेघातिथि, ( पु. ) अक्षयिणी का तिथि ।  
 मनुस्मृति का एक टीकाकार ।  
 मेघिर, ( वि. ) अच्छी बुद्धि वाला ।  
 मेघिष्ठ, ( वि. ) बर्षा बुद्धिमान ।  
 मेघ्य, ( वि. ) जाग । साँदर । नी । केतकी ।  
 राश्ट्रणी । ( स्त्री. ) रोचना । शमी ।  
 मेनद्या, ( स्त्री. ) एक अक्षर का नाम ।  
 जिसके गर्भ से मङ्गलरा का जन्म हुआ  
 था । रिमाज की स्त्री ।  
 मेनद्यामन्त्रा, ( स्त्री. ) शक्ति ।  
 मेना, ( स्त्री. ) रिमाजवादी । नदी विशेष ।  
 जिसके गर्भ से इन्द्र का जन्म हुआ ।  
 मेकाद, ( पु. ) मे । विन्दी । बरग ।  
 मेन्दिष्टा, } ( स्त्री. ) मेदी ।  
 मेन्धी, }

मेय, ( वि. ) मापने योग्य । जानने योग्य ।  
 शेष ।  
 मेरक, ( पुं. ) विष्णु के एक शत्रु का नाम ।  
 छाल से ढका आसन ।  
 मेर, ( पुं. ) एक शास्त्र कल्पित परंतु जिसके  
 चारों ओर समस्त नक्षत्र धूसा करते हैं और  
 जो कई एक द्वीपों का मध्य भाग सम्भ्रा  
 जाता है । कहा जाता है यह स्वर्ग  
 और रतों का बना है । जपमाला के  
 ऊपर का दाना ।  
 मेरक, ( पुं. ) गन्ध द्रव्य ।  
 मेरसावर्णि, ( पु. ) ग्यारहवें मनु का नाम ।  
 मेराक, ( वि. ) विवाह । सङ्ग ।  
 मेला, ( स्त्री. ) स्याही । नील का वेद । सुर्मा ।  
 मिलाना ।  
 मैलान्धु, ( पुं. ) दवात ।  
 मेन्, ( कि. ) पूजा करना । सेवा करना ।  
 मेय, ( पुं. ) मेडा । भेड । पहिली शरी ।  
 अतिविश्रमक का बारहवाँ भाग ।  
 मेया, ( स्त्री. ) छोटी इलायची ।  
 मेयागड, ( पु. ) इन्द्र ।  
 मेयिका, } ( स्त्री. ) मेदी ।  
 मेयी, }  
 मेह, ( पुं. ) पेशाब । प्रसिद्ध का रोग । सुगन्ध  
 रोग । मेडा । बरग ।  
 मेहरी, ( स्त्री. ) इलरी ।  
 मेहम, ( न. ) मृगशर्षा । विह ।  
 मैत्र, ( न. ) मित्र का । मित्र का दिया हुआ ।  
 मित्रभाव से । वर्णमंडल जाति विशेष ।  
 वृद्ध । मित्र । मित्र देवता । अरुण ।  
 मैत्रायण्य, } ( पुं. ) वैश्वदेव । अगस्त्य ।  
 मैत्रायण्य, } शशि ।  
 मैत्री, ( स्त्री. ) मित्रता । स्नेही ।  
 मैत्रेय, ( वि. ) मित्र का । मित्र का दिया हुआ ।  
 ( १. ) मनु का शिष्य ।  
 मैत्रेयिका, ( स्त्री. ) मित्रता ।  
 मैत्र्य, ( न. ) स्नेही । मैत्री ।

मेधिल, ( पुं. ) मिथिला का एक राजा ।  
मिथिला राज्यवासी ।

मेधिली, ( स्त्री. ) सौजा ।

मेथुन, ( न. ) जोश । विवाह द्वारा मिलन ।  
भोगसम्बन्धी । विवाह । सम्बन्ध । अन्यापान ।

मेधायक, ( न. ) बुद्धि ।

मेनाक, ( पुं. ) हिमालय के घोरत से मेनका  
के गर्भ से उत्पन्न पहाड़ । केवल इसीके  
पर रह गये हैं । इसीने इतना बड़ा लड्डू  
जात्रे समय आविश्य करना चाहा था ।

मेनाकह्वर, ( स्त्री. ) पार्वती ।

मेनाल, ( पुं. ) मजली मारने वाला । धरि ।

मेन्द्र, ( पुं. ) एक दैव जो कृष्य द्वारा मारा  
गया था ।

मेरेय, ( पुं. ) मदिरा भेद ।

मैलिन्द, ( पुं. ) मनुष्यविकार ।

मोक, ( न. ) पशु का अलग किया हुआ चर्म ।

मोक्ष, ( कि. ) छटना । तोलना । बँकना ।  
अलग करना ।

मोक्ष, ( पुं. ) छति ।

मोक्षद्वार, ( पुं. न. ) मूर्ति ।

मोक्षपुरी, ( स्त्री. ) मोक्ष देने वाली पुरी  
काशी । बारी । मोक्ष देने वाली सात  
पुरियाँ हैं ।

- " अथोपर मधुरा माया बारी काशी अरविभार ।  
पुरी द्वारावती चैव संधिता मोक्षद्वारिका ॥ "

मोक्ष, ( वि. ) निर्विकार । त्यक्त ।

मोक्षोत्ति, ( पुं. ) बाबा । पेट ।

मोक्ष, ( पुं. ) बेल का पेड़ । शोभाजन वृक्ष ।

मोक्षक, ( पुं. ) मोक्ष । देवायसम्पन्न । बेल का  
पेड़ । हराजन । वृक्ष ।

मोक्षक, ( न. ) कुशा के बने और आम्र के  
काय के पत्र ।

मोक्षयित, ( न. ) अत्रुत्पन्न विष से  
मिलने के लिये भी की आँसूना विरोध ।

मोक्ष, ( पुं. ) दगा चल दिष्ट । हों के  
रखने की विधि ।

मोक्ष, ( पुं. ) हर्ष । प्रसन्नता ।

मोक्षक, ( पुं. ) लहू । प्रथम करने वाला ।  
ह्वार ।

मोक्षिनी, ( स्त्री. ) अत्रमोक्ष । अत्रवतन ।  
मक्षिका । अत्रुगी । मदिता ।

मोक्ष, ( पुं. ) पेशी । गधे की जड़ । अत्रोत्त  
वृक्ष का फूल ।

मोक्ष, ( पुं. ) चोर । चोरी । चोहू । चोरी की  
वस्तु ।

मोक्षक, ( पुं. ) चोर । चोहू ।

मोक्षण, ( न. ) लूटना । शृगाण । काटना ।  
पारना ।

मोक्ष, ( पुं. ) मूर्च्छा । अज्ञान । इ.स ।  
हारी में आमाभिमान ।

मोक्ष, ( पुं. ) मोक्षोत्तम । वाग्देव का एक  
हीर ।

मोक्षिक, ( स्त्री. ) राजा का पचाहरी  
हाल । अत्रमोक्षी की राशि ।

मोक्षिनी, ( स्त्री. ) एक अज्ञान का नाम ।  
बड़ी छद्मि थी । शिष्य ने तिन की  
का रूप अत्रमोक्ष के लिये धारण किया  
या उसका नाम । अथोत्तम का पुत्र ।

मोक्षि, ( पुं. ) एक अज्ञान का नाम ।  
बड़ी छद्मि थी । शिष्य ने तिन की  
का रूप अत्रमोक्ष के लिये धारण किया  
या उसका नाम । अथोत्तम का पुत्र ।

मोक्षि, ( पुं. ) एक अज्ञान का नाम ।  
बड़ी छद्मि थी । शिष्य ने तिन की  
का रूप अत्रमोक्ष के लिये धारण किया  
या उसका नाम । अथोत्तम का पुत्र ।

मोक्षि, ( पुं. ) एक अज्ञान का नाम ।  
बड़ी छद्मि थी । शिष्य ने तिन की  
का रूप अत्रमोक्ष के लिये धारण किया  
या उसका नाम । अथोत्तम का पुत्र ।

मोक्षि, ( पुं. ) एक अज्ञान का नाम ।  
बड़ी छद्मि थी । शिष्य ने तिन की  
का रूप अत्रमोक्ष के लिये धारण किया  
या उसका नाम । अथोत्तम का पुत्र ।

मोक्षि, ( पुं. ) एक अज्ञान का नाम ।  
बड़ी छद्मि थी । शिष्य ने तिन की  
का रूप अत्रमोक्ष के लिये धारण किया  
या उसका नाम । अथोत्तम का पुत्र ।

मोक्षि, ( पुं. ) एक अज्ञान का नाम ।  
बड़ी छद्मि थी । शिष्य ने तिन की  
का रूप अत्रमोक्ष के लिये धारण किया  
या उसका नाम । अथोत्तम का पुत्र ।

मोक्षि, ( पुं. ) एक अज्ञान का नाम ।  
बड़ी छद्मि थी । शिष्य ने तिन की  
का रूप अत्रमोक्ष के लिये धारण किया  
या उसका नाम । अथोत्तम का पुत्र ।

मोक्षि, ( पुं. ) एक अज्ञान का नाम ।  
बड़ी छद्मि थी । शिष्य ने तिन की  
का रूप अत्रमोक्ष के लिये धारण किया  
या उसका नाम । अथोत्तम का पुत्र ।

मोक्षि, ( पुं. ) एक अज्ञान का नाम ।  
बड़ी छद्मि थी । शिष्य ने तिन की  
का रूप अत्रमोक्ष के लिये धारण किया  
या उसका नाम । अथोत्तम का पुत्र ।

मौढ्य, ( न. ) गहापन । सिर के बालों का गुण्डन ।  
 मौढ्य, ( न. ) लङ्कपन । मूढ़ता ।  
 मौद्गलि, ( पुं. ) काका ।  
 मौद्गल्य, ( पुं. ) मुद्गलपुत्रि की एक सन्तान । एक मुनि विशेष ।  
 मौद्गीन, ( न. ) मूँग उगाने योग्य एक क्षेत्र ।  
 मौन, ( न. ) उपवास । स्मृति का वचन है कि नीचे लिखे काम उपवास करे अर्थात् इन कामों को करते समय बात पीत न करे या नीले नहीं ।  
 १ उच्चार । २ मीथुन । ३ प्रधाव । ४ इन्तधावन । ५ स्नान, मोनन ।  
 मौनिन्, ( पुं. ) मौनी । मुनि ।  
 मौरजिक, ( वि. ) दोल वाला । मूढ़ बनाने वाला ।  
 मौर्ष्य, ( न. ) मूर्खता । जड़ता ।  
 मौर्षी, ( स्त्री. ) मूर्खनाशी बेल से बनी । धनुष का रोदा । अत्रशुद्धी ।  
 मौल, ( वि. ) पुतना । पहले का । सदा-शोद्ध ।  
 मौलि, ( पुं. स्त्री. ) बोटी । घुड़ । अशोक का पेड़ । मूँषि ।  
 मौपल, ( न. ) मूमलों वाला । महाभारत का पर्व विशेष जिसमें मूमल द्वारा एक कुल का नारा बर्षन किया गया है ।  
 मौष्टन, ( पुं. ) व्योमिरी ।  
 म्वा, ( कि. ) काश्मिर मन ही मन करना । वाद करना ।  
 म्वात, ( वि. ) इराया इषा । वाद किया इषा । काश्मिर किया इषा ।  
 म्वाद, ( कि. ) मज्जा । इच्छा करना । मारना । अर्थात् वाद । निम्नता । अस्वात् का से बोधना ।  
 म्वात, ( पुं. ) लम्ब । टोंग ।  
 म्वातन, ( न. ) देव मज्जा । पृथ्व

म्वाद, ( कि. ) चूर्ण करना । कुचल  
 म्वादिमन्, ( पुं. ) कोमलता । नि  
 म्वादिष्ठ, ( वि. ) घात कोमल ।  
 म्वाच्, ( कि. ) जाना ।  
 म्वाञ्, ( कि. ) जाना ।  
 म्वाद, { ( कि. ) पगलाना ।  
 म्वाद, { ( कि. ) पगलाना ।  
 म्वादिमाण, ( वि. ) मृतकल्प । मृ  
 म्वात्, ( कि. ) काटना या  
 करना ।  
 म्वाति, ( स्त्री. ) कुम्हलाना । मृत्  
 म्वात्, ( न. ) अस्पष्ट । जड़पी ।  
 इषा ।  
 म्वाच्, { ( कि. ) जाना ।  
 म्वाञ्, { ( कि. ) जाना ।  
 म्वात्, { ( कि. ) अस्पष्ट या  
 म्वात्, { बोधना ।  
 म्वात्, ( पुं. ) अनाय । नीच और  
 जानि विशेष । धामर  
 तांवा ।  
 म्वात्कम्, ( पुं. ) लहसन । प्या  
 म्वात्कम्, ( स्त्री. ) गोभास स  
 जानि ।  
 म्वात्कम्, ( न. ) तांवा ।  
 म्वाद, { ( कि. ) पगलाना ।  
 म्वाद, { ( कि. ) पगलाना ।  
 म्वात्, ( कि. ) पूजा । सेवा करना ।  
 म्वात्, ( कि. ) पृथ्वाना ।  
 य  
 य, ( पुं. ) ज्ञाने वाचा । गादी । हाथ ।  
 लन । बीति । श्री । शोक । नि  
 काय । पक्ष विशेष । यय का ।  
 यन्, { ( न. ) हरिनी कोप क  
 यन्, { निवह ।  
 यन्, ( कि. ) पूजा करना । लभना ।  
 यन्, ( पुं. ) देवदेवि विशेष भी  
 वदना है । इव देवदेव





रमति, ( प्र. ) कामदे । प्रेमिक । स्वर्ग ।  
समय । बरक ।

रमल, ( न. ) एक प्रकार का शोभि. शास ।

रमा, ( श्री. ) शशी । सीमाय । धन । दीधि ।

रमाकान्त, }  
रमानाथ, } ( प्र. ) विष्णु ।  
रमापति, }  
रमामिय, }

रमामियम्, ( क. ) कामज ।

रमावेष्ट, ( प्र. ) शशीन ।

रम्, ( कि. ) गीर्षो का ( सम्भवा )  
शब्द जाना ।

रम्म, ( प्र. ) गीर्षो का शब्द । गणन ।  
आधार । लक्ष्मी । शीत । भूषि । दीप  
रितेव ।

रम्मा, ( श्री. ) बेला । गीरी । मल्लूर की  
झी का नाम । यह शब्द स्वर्ग की एक  
अक्षरों से शब्दों में लक्ष्मी का  
समझी जाती है । देखा । एक प्रकार के  
शोध ।

रम्प, ( रि. ) प्रसन्नकारक । सुन्दर । विश्व ।  
मातृश्री के भी करी में से एक । शब्द  
का पैर । बरक । पदोत्पत्त ।

रम्पुष्प, ( प्र. ) शशीनी वृक्ष ।

रम्पधी, ( प्र. ) विष्णु ।

रम्पा, ( श्री. ) राय ।

रम्, ( कि. ) जाना ।

रम्, ( प्र. ) नदी की धार । देव । कल्याण ।

रमि, ( प्र. न. ) नन्द । शशी ( विश्व  
प्रदीप ) ।

रमिष्ट, ( प्र. ) शरीर । कर्म । प्रकृत ।

रमिक, ( प्र. ) शब्द । शब्द । शिव ।

रम्, ( कि. ) जाना ।

रम्, ( प्र. ) शीत । शिव । शिव ।  
रमिषो को रोटी । कल्याण । शब्द  
का शब्द । शब्द का शब्द ।

रम्प, ( प्र. ) शरीर । शरीर । शब्द । शब्द ।  
शब्द । शब्द । शब्द । शब्द ।

रम्पक, ( प्र. ) शीत का शब्द । शब्द  
करने का शब्द ।

रमि, ( प्र. ) शब्द । शब्द । शब्द । शब्द  
की शब्द ।

रमिकान्त, ( प्र. ) शब्द । शब्द ।

रमिज, } ( प्र. ) शब्द । शब्द ।  
रमितनय, } शब्द । शब्द । शब्द ।  
रमिपुष्प, } शब्द ।  
रमितानु, } शब्द ।

रमितेव, ( प्र. ) विष्णु ।

रमितिय, ( न. ) शब्द । शब्द । शब्द ।

रमितेव, ( न. ) शब्द ।

रमितेव, ( प्र. ) विष्णु । शिव ।

रमितेव, } ( न. ) शब्द ।

रमितेव, ( श्री. ) शब्द का एक शब्द ।  
शब्द शब्द पर जाना ।

रमितेव, ( प्र. ) शब्द । शब्द ।

रमितेव, } ( श्री. ) शब्द । शब्द । शब्द ।  
रमितेव, } शब्द । शब्द ।

रमितेव, ( प्र. ) शब्द । शब्द । शब्द ।  
शब्द । शब्द । शब्द । शब्द ।

रमितेव, ( प्र. ) शब्द । शब्द । शब्द ।

रमितेव, ( प्र. ) शब्द ।

रमितेव, ( कि. ) शब्द । शब्द । शब्द ।

रमितेव, ( प्र. ) शब्द । शब्द । शब्द ।

रमितेव, ( प्र. ) शब्द । शब्द । शब्द ।

रमितेव, ( प्र. ) शब्द । शब्द । शब्द ।



रसरूपद, ( न. ) धारा आदि विधों के योग से  
 बनाया विष विहोष ।  
 रसम, ( पुं. ) छद्मनाम ।  
 रसज, ( न. ) रक्त । लोह । ( पुं. ) युव ।  
 मयक्रीड ।  
 रसज्ञा, ( स्त्री. ) जिज्ञा ।  
 रसतेजस्, ( न. ) रक्त । जोड़ ।  
 रसन, ( न. ) स्वाद । धनि ।  
 रसना, ( स्त्री. ) जिह्वा । रस्ती ।  
 रसरज, ( पुं. ) धारा ।  
 रसवती, ( स्त्री. ) पाकरधान । रसोर्वधर ।  
 रसशोधन, ( न. ) छद्मनाम ।  
 रसा, ( स्त्री. ) पृथिवी । दास ।  
 रसातल, ( न. ) भूमि के नीचे का छाववाँ  
 परदा ।  
 रसाभास, ( पुं. ) जो यथार्थ न हो पर रस  
 जैसा जान पड़े ।  
 रसायन, ( न. ) माटा । कटि । विष भेद ।  
 दवाइ ।  
 रसायनफला, ( स्त्री. ) हरे ।  
 रसाल, ( न. ) आम का वृक्ष । दूर्वा । द्राक्षा ।  
 रंस । गेहूँ ।  
 रसाला, ( स्त्री. ) जिह्वा । दही जिसमें  
 शरिर तथा अन्य मसाले मिले हों । दूर्वा ।  
 द्राक्षा ।  
 रसालसा, ( स्त्री. ) नस ।  
 रसास्यादिन्, ( पुं. ) मोत ।  
 रसिक, ( वि. ) रसादिषु । सुन्दर । हँसोष ।  
 विपरी । ( पुं. ) सुन्दरता का धर ।  
 हाथी । घोडा । सरस पक्षी ।  
 रसिष्ठा, ( स्त्री. ) गधे का रस । जिज्ञा ।  
 धी के लहने का नारा या कपकपद ।  
 रसेन्द्र, ( पुं. ) वरा ।  
 रसोत्तम, ( पुं. ) वेग । दूर ।  
 रस्य, ( न. ) रस । वान । रसदर ।  
 रसज, ( न. ) वानु । वदार्थ ।  
 रंद्, ( वि. ) रस ।

रंद्स्, ( न. ) वेग । जोर ।  
 रद्, ( वि. ) धोकरना । त्यागना ।  
 रद्दण, ( न. ) त्याग । वियोग ।  
 रद्दस्, ( न. ) एकान्तता । वैराग्य । रस ।  
 रद्दस्य, ( वि. ) विपाने योग्य । यु । यु ।  
 रद्दाट, ( पुं. ) सचिव । भूत ।  
 रद्दित, ( वि. ) वर्जित ।  
 रा, ( वि. ) देना ।  
 राक्षा, ( स्त्री. ) पूर्णिमा । श्रावण की कृत्तिका  
 देवी । राक्ष की हुई रजस्रजा लक्ष्मी ।  
 सान । सर तथा शर्यपता की मन्त्र ।  
 राक्षस, ( पुं. ) विराजव । नन्द के दोषे का  
 नाम ।  
 राक्षसी, ( स्त्री. ) विराजिनी । लक्ष्मी ।  
 बाढ़ । हाथी का दाँव ।  
 राक्षसेन्द्र, ( पुं. ) राक्षस ।  
 राक्षा, ( स्त्री. ) लाल ।  
 रास्, ( वि. ) सूचना । सजाना । देखना ।  
 योग्य होना । पर्याप्त होना ।  
 राग, ( पुं. ) रचना । लाल रङ्ग । लक्ष्मी ।  
 नेम । अत्रुणा । जकण्टा । उनेवना ।  
 धनन्द । कोष । सुन्दरता । गीने का  
 राग । शोक । लालच । जर्जापता ।  
 पात बनाने की एक प्रक्रिया । राग ।  
 र्ग्यं । चन्द्रमा ।  
 रागाङ्गी, ( स्त्री. ) मनीष ।  
 रागिणी, ( स्त्री. ) गीत का अङ्ग । अङ्ग  
 करनेवाली स्त्री । कोषपुला । पाहनेवाली ।  
 राग्, ( वि. ) समर्थ होना ।  
 राघ, ( पुं. ) योग्य धरना कर्त्तव्य पूर्व  
 पुत्र ।  
 राघय, ( पुं. ) रघु की सजान, विरोध का  
 धर्मपुत्र । गरी काठि की एक मन्त्री ।  
 सपुत्र ।  
 राङ्गल, ( पुं. ) कौर ।  
 राङ्गय, ( न. ) शिव के रोम का बना पशु  
 शिरोष ।

राज्य, ( कि. ) चमकना ।  
 राज्य, } ( पुं. ) राजा । नगपति । अथवा भेषी  
 राज, } या भाति में वृत्तम् ।  
 राज्यक, ( न. ) राजाओं का समूह । चमकने  
 वाला । ( पुं. ) बौद्ध राजा ।  
 राज्यकल्प, ( पुं. ) नृपकुल्य । राजा के  
 समान ।  
 राजकीय, ( वि. ) राजा का ।  
 राजकुमार, ( पुं. ) राजपुत्र । राजा का  
 लड़का ।  
 राजगिरि, ( पुं. ) मगध देश का एक  
 पर्वत ।  
 राजघ, ( वि. ) देव । राजा का भाजे  
 काका ।  
 राजजम्बु, ( श्री. ) विप्लवच्छ ।  
 राजजदमन्, } ( पुं. ) योग विशेष ।  
 राजधरमन्, }  
 राजतद, ( पुं. ) कनेर का पेड़ ।  
 राजताल, ( पुं. ) व्याकृष्ट ।  
 राजदन्त, ( पुं. ) ऊपर की पंक्ति के बीच  
 वाले दो दाँत ।  
 राजदेशीय, ( पुं. ) राजा के मूलन ।  
 राजधर्म, ( पुं. ) प्रजापालनादि कर्म ।  
 राजधानी, ( श्री. ) महानगरी । जहाँ  
 राजा का निवास हो ।  
 राजन्, ( पुं. ) शूर । राजा । चन्द्रमा ।  
 पवित्र । धर्म । यज्ञ । इन्द्र । जब यह  
 शब्द किसी शब्द के पहिले या पीले आता  
 है, तब यह भेदक का वाचक होता है ।  
 राजपारा: श्रुतिराज ।  
 राजनीति, ( श्री. ) जिसमें राजा या राज्य  
 सम्बन्धी वास्तविकता आदि का रहस्य  
 वर्णन हो । राजाओं और राजपुत्रों का  
 व्यवहारयोग शास्त्र । अथवा अन्य जैसे  
 " कामन्दक स्मृति " आदि ।  
 राजग्य, ( पुं. ) धर्म । राजपुत्र । क्षत्रि ।  
 क्षीरिण का पेड़ ।

राजन्यक, ( न. ) अथवा या राजाओं का  
 समूह ।  
 राजघर, ( वि. ) छन्दर राजा वाला  
 देश ।  
 राजन्यत्, ( वि. ) धार्मिक राजा वाला  
 देश ।  
 राजपथ, ( पुं. ) बड़ा राजमार्ग ।  
 राजपुत्र, ( पुं. ) राजा का पुत्र । पुत्र । मद्र ।  
 दोपला । राजपुत्र । धर्मिय का पुत्र ।  
 राजभूय, ( न. ) राजा का असाधारण  
 धर्म ।  
 राजभोग्य, ( न. ) छात्री । राजाओं के  
 भोगने योग्य वस्तु ।  
 राजराज, ( पुं. ) सम्राट् । चन्द्रमा ।  
 राजर्षि, ( पुं. ) धर्मिय श्रुति ।  
 राजधर्म्य, ( वि. ) एक जाति विशेष ।  
 राजधर्मन्, ( न. ) राजा के करने योग्य  
 काम ।  
 राजधीजिन्, ( वि. ) राजा के घर में  
 उत्पन्न ।  
 राजशाक, ( पुं. ) कपूर का शाक ।  
 राजर, ( वि. ) रज्जुगुण की प्रेरणा से प्रसिद्धि  
 के लिये किया गया कर्म ।  
 राजसभा, ( श्री. न. ) शूर की सभा । राज-  
 दरवार ।  
 राजसूय, ( पुं. ) यज्ञ विशेष । जो पृथ्वी के  
 सब राजाओं को जीत लेने का सोचक है ।  
 राजस्य, ( न. ) राजा का घर ।  
 राजदंस, ( पुं. ) कण्डंस । जिसके पैर लाल  
 हो पर उरु के हो ।  
 राजादन, ( न. ) लीला । वेद ।  
 राजाध, ( पुं. ) अथ विशेष । बड़ा नाम ।  
 राजधाम ।  
 राजादल, ( पुं. ) सहा देव ।  
 राजादी, ( न. ) जम्बू । जापान ।  
 राजि, } ( श्री. ) कठार । धंति । देवा ।  
 राजी, } सकेद सरथी ।

रोहिण्य, ( न. ) रोहिणी नक्षत्र में उत्पन्न ।  
विष्णु । वट । रोहितक । भूतृष्य आदि  
वृक्षों के नाम ।

रोहिणिका, ( पुं. ) लाल मुल वाली स्त्री ।  
गले की सूजन ।

रोहिणी, ( स्त्री. ) लाल रङ्ग की गौ । दध  
की कन्या । नक्षत्र विशेष । नलराम की  
जननी और बृहदेव की भार्या । प्रथम नार  
हुई शत्रुमती लङ्की । विनली । गले की  
सूजन । मनीष । इरं ।

रोहिणीपति, ( पुं. ) वासुदेव । चन्द्रमा ।

रोहिणीव्रत, ( न. ) जन्माष्टमी । श्रीकृष्ण-  
जयन्ती ।

रोहित, ( पुं. ) सूर्य । रोहू मछली । ( स्त्री. )  
लाल घोड़ा । हिरनी ।

रोहित, ( वि. ) लाल । लाल रङ्ग का ।  
( पुं. ) लाल रङ्ग । लोमड़ी । मृग विशेष ।  
लाल घोड़ा । हरिश्चन्द्र के पुत्र का नाम ।  
मछली । ( न. ) लोहू । केसर । इन्द्र-  
धनुष ।

रोहिताश्व, ( पु. ) अग्नि ।

रोहित्, ( वि. ) लम्बा । निकला हुआ । बड़ा  
हुआ । ( पु. ) रोहितक । वट । अश्वत्थ  
आदि वृक्ष ।

रोहिण्य, ( पु. ) एक प्रकार की मछली ।  
एक प्रकार का हिरन ।

रोहम, ( वि. ) } सुन्दरता ।

रोहमी, ( स्त्री. ) }

रोह्य, ( न. ) कठोर । कड़ा । कुर्यात् ।  
निवृत्तन ।

रोचनिक, ( वि. ) } उच्च कुल पीला ।

रोचनिका, ( स्त्री. ) }

रोच्य, ( पु. ) निरुत्त वृष का कपड़ा । निरुत्त  
वृष की लङ्की का कपड़ा रखने वाला  
सदस्य ।

रोह, } ( वि. ) बतारदार करना ।

रोह, }

रोह, ( न. ) श्राद्ध रसों में से एक । रस देव  
का । शुभैल । सूर्योत्थाप । भयानक । तिर-  
जनक । ( पुं. ) रस का पूजने वाला ।

गर्मी । क्रोध । व्यसन । यम । नडा ।

रोहकर्मन्, ( वि. ) भयानक काम को  
वाला । साहसी । अविचारी ।

रोहदशन, ( वि. ) भयंकर रूप वाला ।  
क्रूरप ।

रोधिर, ( वि. ) खूनी । रधिर से उत्पन्न ।

रोप्य, ( वि. ) चाँदी । चाँदी का बना  
चाँदी जैला । ( न. ) चाँदी ।

रोम, ( न. ) सौंभर नोन ।

रोरव, ( पुं. ) नरक विशेष । जहन्नी । ( वि. )  
रुव के चर्म का बना । भयानक । रौ-  
मान । छली ।

रोहिण्य, ( वि. ) रोहिणी नक्षत्र में उत्पन्न ।  
( पुं. ) चन्दन का वृक्ष । वट का वृक्ष ।  
अग्नि ।

रोहिण्य, ( पु. ) बलडा । नलराम । पुत्र प्रा-  
शान मद्र । ( न. ) मरकत मणि ।

रोहिण्य, ( पुं. ) मृग विशेष । वृष विशेष  
लता । ह्वी पास विशेष । मछली भेद ।

### ल

ल, ( पुं. ) इन्द्र । अन्दराक्ष में भाउ गण  
में से एक गण । व्याकरण में लप  
विभाग के लिये पाणिनि ने दस लप  
माने हैं, जैसे- लट्, लिट्, लृट्, लृट्,  
लेट्, लोट्, लष्, लिष्, लृष्, लृष्  
लृष् ।

लह, ( वि. ) शाद लेना । चरना । घाना ।

लक, ( पु. ) माथा । बनेले भावों की लप  
लकष, } ( पु. ) वृष विशेष । मदार  
लुकष, } वेद या उत्था कल ।

लकुट, ( पु. ) मर्षी । लङ्की ।

लकक, ( पुं. ) लाल । विपदा । ल-  
कक ।

लक्ष्मिका, ( स्त्री. ) शिवाकली । विष्णुया ।  
 लक्ष्, ( कि. ) देवता । पहिचानना । बिह करना ।  
 लक्ष, ( न. ) एक लक्ष । बिह । रितावट ।  
 लक्ष, तीर का बिह ।  
 लक्षक, ( वि. ) बिह । लक्षणा से चर्च को  
 बजाने वाला ।  
 लक्षण, ( न. ) बिह । पहिचान । लक्ष्य  
 का नाम । परिमाणा ।  
 लक्षित, ( वि. ) अनुमान किया गया । जाना  
 हुआ ।  
 लक्ष्मन्, ( न. ) बिह या दाग या लाम्बन  
 जो सदा के लिये हो जाय । सारस पक्षी ।  
 प्रधान ।  
 लक्ष्मण, ( पुं. ) दराराय के पुत्र का नाम ।  
 हृमिचानन्दन । सीमिधि । ( १ ) एक  
 धीरपति जिसको नव वर्ष्या को चतुर्थे  
 दिन नाक में भरने से गर्भाधार होता है ।  
 लक्ष्मी, ( स्त्री. ) सिन्दुरनी । हस्ती । शोभा ।  
 धन । मोदी । वृष विशेष । सुन्दरता ।  
 चन्द्र को ग्यारहवीं कला ।  
 लक्ष्मीकान्त, ( पुं. ) सिन्दु । राजा ।  
 लक्ष्मीकण्ठ, ( न. ) लाल कमल का फूल ।  
 लक्ष्मीनाथ, } ( पुं. ) सिन्दु । राजा ।  
 लक्ष्मीपति, }  
 लक्ष्मीपुत्र, ( पुं. ) घोषा । बुरा चीर लक्ष  
 का नाम । चामेरक ।  
 लक्ष्मीपुष्प, ( पुं. ) माषिक ।  
 लक्ष्मीपूजन, ( न. ) } लक्ष्मी के पूजन  
 लक्ष्मीपूजा, ( स्त्री. ) } का समय चर्मा  
 चर्माको समारथ की रात । दीपमालिका ।  
 दीवाली ।  
 लक्ष्मीकला, ( पुं. ) दिव्यकला । देव ।  
 नारियल ।  
 लक्ष्मीरत्न, ( पुं. ) सिन्दु ।  
 लक्ष्मीवत्, ( पुं. ) शोभा वाला । करार का  
 देव । भाग्यवान् । धनी ।  
 लक्ष्मीवसति, ( स्त्री. ) लाल कमल ।

लक्ष्मीधार, ( पुं. ) युवधार ।  
 लक्ष्मीघेट, ( पुं. ) तारपीन ।  
 लक्ष्मीसहज, } ( पुं. ) लक्ष्मी का प्यारा ।  
 लक्ष्मीसहोदर, } चामरा । शत्रु का घोडा ।  
 बघैःभवत् । पाषाण्य राक्ष । समुद्रमन्थन  
 के समय निकलने वाले, कौतुभ भाषि ।  
 पाणिजत वृष । धन्वन्तरि । ऐरावत हाथी ।  
 ( १ ) मदिरा । सुधा ( भ्रमृत ) । कामधेनु ।  
 लक्ष्य, ( न. ) उद्देश्य । अनुमान योग्य ।  
 जानने योग्य । निराना लगाने योग्य ।  
 लक्ष्यभेद, ( पुं. ) निराना मानना । उद्देश्य  
 में भेद । मतभेद ।  
 लक्ष्यघेध, ( पुं. ) निराना मानना । उद्देश्य  
 की सिद्धि ।  
 लक्ष्यधीधि, ( स्त्री. ) ब्रह्मलोक का मार्ग ।  
 देव कर चलने के योग्य मार्ग जैसे बग्गी-  
 नारायण का रास्ता आदि ।  
 लक्ष्यहन्, ( पुं. ) तीर । उद्देश्यव्रट ।  
 ने परवाह ।  
 लक्ष्, } ( कि. ) जाना ।  
 लक्ष्, }  
 लक्ष्, ( कि. ) चिपकना । लगना । मिलना ।  
 घुना । शेकना । चलना । पाना ।  
 लगित, ( वि. ) लगा हुआ । मिला हुआ ।  
 प्राप्त ।  
 लग्न, ( न. ) देवादि राशियों का उदय ।  
 ( वि. ) लखित । लगा हुआ । खुदियाज  
 करने बला । कामिन ।  
 लग्नक, ( पुं. ) कामिनी । समानता । प्रतिन् ।  
 लग्निका, ( स्त्री. ) नगिका का पशुद रूप ।  
 चट्टारकरा स्त्री ।  
 लग्न, ( वि. ) प्यारा । सुन्दर ।  
 लग्न, } ( पुं. ) घड़ी । बरका । बुरदी ।  
 लग्न, }  
 लग्न, }  
 लघु, ( कि. ) बुरा न लगना । मर्दाद लोप  
 कर जाना ।

लघट, ( पुं. ) हवा । पतन ।  
 लघिमन्, ( पु. ) हल्कापन । ईश्वर का एक  
 प्रकार का ऐश्वर्य । तापव ।  
 लघिम्र, ( वि. ) अत्यन्त हल्का ।  
 लघु, ( वि. ) हल्का । छोटा । छोटा ।  
 अविभक्त । नीच । निर्बल । अधभागा ।  
 चपल । तेज । सहज । ( छन्द में )  
 लघु । कौमल । अत्रकृत । एक ।  
 अवरथा में छोटा । ( पुं. ) इन्द्र, पुण्य  
 और अश्विनी नक्षत्रों के नाम ।  
 लघ्नी, ( स्त्री. ) बड़ी कौमल प्रकृति स्त्री ।  
 गाँधी । लघु शब्द का स्वीमाचक अर्थ ।  
 लङ्गा, ( स्त्री. ) कुबेर की प्रधान राजधानी;  
 निम्नको राज्या ने हठ से धोत लिया था,  
 और जहाँ राज्या मारा गया था । रणजी ।  
 वेरया । बाली । शास्ता । अन्न विशेष ।  
 लङ्गाधिप, } ( पुं. ) कुबेर । राज्या ।  
 लङ्गाधिपति, } विभीषण ।  
 लङ्गास्थायिन्, ( पु. ) लङ्गा में रहने वाले ।  
 लङ्गादाहिन्, ( पुं. ) हवमात् ।  
 लङ्गेण, } ( पु. ) राज्या और उसका भाई  
 लङ्गेश्वर, } विभीषण ।  
 लङ्गनी, ( स्त्री. ) लंगान ।  
 लङ्ग, ( कि. ) जाना । लङ्गाना ।  
 लङ्ग, ( पु. ) लैंगकापन । सम्मिलनी । श्रेयिक ।  
 श्रेणी ।  
 लङ्गक, ( पु. ) श्रेणी । जार ।  
 लङ्गल, ( न. ) हल ।  
 लङ्गल, ( न. ) द्वैत ।  
 लङ्ग, ( कि. ) उदरलगा । कनाह मार कर  
 जाना । मृदना । मृदना । अर पार होना ।  
 कनाह रहना । हलना । कम जाना ।  
 पदकना ।  
 लङ्गन, ( न. ) निराहार । उरारण । छोटा ।  
 कनाह । उदरलगा । मृदना ।  
 लङ्ग, ( वि. ) विह्वलना ।

लज्ज, ( कि. ) शर्मिन्दा होना । कर्त्तव्य  
 करना । दोषारोपण करना । पदकना ।  
 हकना । धिमाना ।  
 लज्ज, ( कि. ) लजित होना ।  
 लज्जका, ( स्त्री. ) ननले कफाम का पेय ।  
 लज्जरी, ( स्त्री. ) एक प्रकार का छोटा  
 पीथा ।  
 लज्जा, ( स्त्री. ) शर्म । लज्ज । लज्जकी देव ।  
 लज्जालु, ( स्त्री. ) शर्मिला । लनीला ।  
 लज्जारील, ( वि. ) लनीला । लज्जने  
 वाला ।  
 लज्जित, ( पुं. ) शर्मित । शर्मका हुआ ।  
 लज्जया हुआ ।  
 लज्ज, ( कि. ) दोष लगाना । धूतना । पाप  
 करना । मार चलाना । देना । नोचना ।  
 दक होना । रहना । चमकना । दक  
 होना ।  
 लज्जा, ( स्त्री. ) पात । व्यभिचारी ।  
 लक्ष्मी । निद्रा ।  
 लज्जिका, ( स्त्री. ) लक्ष्मी । वेरया ।  
 लज्ज, ( कि. ) लक्षकपल करना । धुलना ।  
 चिल्लाना । रोना ।  
 लज्ज, पाणिनि का व्यवहृत वर्तमान लकार के  
 लिये शब्द विशेष ।  
 लज्ज, ( पु. ) मूर्त । दोष । चोर । कष्ट ।  
 लज्जपण, ( पु. ) दातचीनी ।  
 लज्ज, ( पु. ) नदमार । गुणज ।  
 लज्ज, ( पु. ) मोटा । नाचने वाला कण्ठ ।  
 राग विशेष । एक जाति का नाम । लक्ष्मी  
 विशेष । गौरीना । बाबा । लज्ज ।  
 अश्ली स्त्री ।  
 लज्ज, ( कि. ) लज्जना । चेंदना । उपायना ।  
 निद्रा को चेंदना । देव काह करना ।  
 पापपाना ।  
 लज्ज, ( वि. ) लज्ज ।  
 लज्ज, } ( पुं. ) लज्ज । लज्ज । निरज  
 लज्जक, } विद्व ।

संस्कृत, ( कि. ) ऊपर उड़ाना । सोलना ।  
 संस्कृत, ( न. ) शिक्षा । पाठ्यपुस्तक ।  
 संस्कृत, ( पु. ) संस्कृत नदी ।  
 संस्कृत, ( श्री. ) वेद । शास्त्र । विद्वान् ।  
 माधुरी । सुन्दर । आनन्द की रसमयी ।  
 माला का बेल । श्री. ) पूर्वा भाग ।  
 संस्कृत, ( पु. ) इस शब्द का ।  
 संस्कृतज्ञ, } ( पुं. ) सर्व । ज्ञान ।  
 संस्कृतज्ञान, }  
 संस्कृतज्ञ, ( पुं. ) काल का वेद । काल रूप ।  
 नारिकेल का वेद ।  
 संस्कृतज्ञान, ( पु. ) धरतृणा । तरतृणा ।  
 संस्कृतार्थ, ( पु. ) विधु ।  
 संस्कृतभयन, ( न. ) संस्कृतभयन ।  
 संस्कृतमणि, ( पु. ) मूला ।  
 संस्कृतपट्टि, ( श्री. ) मन्त्री ।  
 संस्कृतपुत्र, ( पु. ) नारिकेल का वेद ।  
 संस्कृतपेट, ( पु. ) एक प्रकार के मैथुन की  
 विधि ।  
 संस्कृतपेटन, } ( नं. ) एक प्रकार से छाड़ी  
 संस्कृतपेटितक, } से लगाना ।  
 संस्कृतिका, ( श्री. ) छोटी वेद ।  
 संस्कृतिका, ( श्री. ) एक प्रकार की छोटी  
 द्विपक्षी ।  
 संस्कृत, ( कि. ) सोलना । मानकीर्तन करना ।  
 सुखलाना । काना घुँसी करना । कराहना ।  
 संस्कृत, ( न. ) सुत । मानकीर्तन ।  
 संस्कृत, ( नि. ) कविता । कहा गया ।  
 संस्कृत, ( कि. ) पकड़ना । सहारा देना ।  
 संस्कृत, ( नि. ) प्राप्त । पाया ।  
 संस्कृतयर्थ, ( पुं. ) पवित्रता । चतुर ।  
 संस्कृत, ( कि. ) पाना । रसना । खेना ।  
 पकड़ना । मिलना । फिर से पाना ।  
 उगाहना । जानना । सीखना ।  
 संस्कृत, ( पु. ) जात । प्रेमी । विपरी ।  
 संस्कृत, ( पुं. ) विपरी । व्यभिचारी ।  
 संस्कृत ।

संस्कृत, ( पुं. ) नाचने वाला । सुन्दर । सुँस ।  
 संस्कृतदिन के विभुज भादि धेन । ( नि. )  
 संस्कृत । सुन्दर दुःख ।  
 संस्कृतकर्ण, ( पु. ) कर्ण । हाथी । राशत ।  
 शान । सुन्दर दृष्ट । यथा ।  
 संस्कृतकेश, ( नि. ) लम्बे बालों वाला । ( पु. )  
 पुत्र का भागन ।  
 संस्कृतयीजा, ( श्री. ) मन्दिर । लहर में  
 उत्पन्न । लम्बे बाल वाली ।  
 संस्कृतोदर, ( पु. ) मण्डेश जी । बड़े पेट वाला ।  
 बहुत खाने वाला ।  
 संस्कृत, ( कि. ) जात ।  
 संस्कृत, ( पुं. ) विनाश । मीत । शाल ।  
 ईश्वर ।  
 संस्कृतपुत्री, ( श्री. ) नाटक की एक पात्री ।  
 नदी । नाचने वाली श्री ।  
 संस्कृत, ( कि. ) जाना ।  
 संस्कृत, ( कि. ) बाहना । लेलना । धरधरना ।  
 संस्कृत, ( नि. ) लिखनी । इच्छा करने वाला ।  
 संस्कृतज्ञिद्ध, ( पु. ) दिख रही जीम वाला ।  
 पुत्र । ऊँट । हिमक जन्तु ।  
 संस्कृतनिका, ( श्री. ) लम्बी गले की माला ।  
 विपक्षी या विरिद्धि ।  
 संस्कृतना, ( पु. ) महिला । श्री । मारी ।  
 संस्कृतनाम्रिय, ( पुं. ) बदमन रूप । शिरीष का  
 प्यास ।  
 संस्कृतक, ( पुं. ) लिह । दुःख विह ।  
 संस्कृत, ( न. ) माया । कपाल ।  
 संस्कृतान्तप, ( पु. ) मूर्ख ।  
 संस्कृतटिका, ( श्री. ) माने का भूषण ।  
 संस्कृत, ( नि. ) सुन्दर । प्यारी ।  
 मनोहारिणी । माने की सुन्दरता बढ़ाने के  
 लिये इतिस चिह्न विशेष । ( न. ) माने  
 का आभूषण । सर्वोत्तम कीर्ति चतु । 'सुन्दर ।  
 प्यारी । पवित्र । रसमयी । सुन्दर । सुन्दर ।  
 सुन्दर । हीं दर्श । मीन । ( पु. ) घोड़ा ।  
 संस्कृत, ( न. ) सुन्दर । बाहर दुःख ।

सलिता, ( स्त्री. ) स्त्री । कस्तूरी । दुर्गा का एक रूप ।

सलितापञ्चमी, ( स्त्री. ) चारिखतशुका पंचमी ।

सामिनासप्तमी, ( स्त्री. ) भाद्रशुका सप्तमी ।

साव, ( पुं. ) वेदन । लेस । भीरामचन्द्र के एक पुत्र का नाम । परिषाद्य विशेष । श्री श्री वृं के बंज । हानि । लौग । सुग्नी ।

सावगू, ( न. ) लीय का वेद या कृत ।

सावह्वरिका, ( स्त्री. ) लीय । लीय की वन. श्री श्री श्री श्री श्री दे ।

सावह्वर, ( न. ) लीय ।

सावण, ( वि. ) नवमी, १ । अथा । ए र ।

( १. ) नवमी रसा । सात्री फानी का लः । एक सावण का नाम जिसे सावण के नाम का । नवक विगेष । ( न. ) नवक । नव । सावणी नवक ।

सावणभार, ( पु. ) सावण विगेष ।

सावणो, ( स्त्री. ) एक प्रकार की देव ।

सावण्य, ( पु. ) सावण्य करने का अर्थ ।

सावण्य, ( वि. ) सावण्य ।

सावण्य, ( न. ) सावण्य ।

सावण्य, ( पु. ) सावण्य ।

सावण्य, ( पु. ) सावण्य ।

सावण्य, ( पु. ) सावण्य ।

सावण्य, ( पु. ) सावण्य ।

सावण्य, ( पु. ) सावण्य ।

सावण्य, ( पु. ) सावण्य ।

सावण्य, ( पु. ) सावण्य ।

सावण्य, ( पु. ) सावण्य ।

सावण्य, ( पु. ) सावण्य ।

सावण्य, ( पु. ) सावण्य ।

सावण्य, ( पु. ) सावण्य ।

सावण्य, ( स्त्री. ) सावण्य । सावण्य । सावण्य ।

सा, ( कि. ) पञ्चना ।

साकुटिक, ( वि. ) सावण्य । सावण्य । ( पु. ) श्रीश्रीश्री ।

साक्षकी, ( स्त्री. ) साक्षिका ।

साक्षणिक, ( वि. ) साक्षणिक । साक्षणिक ।

साक्षण्य, ( वि. ) साक्षण्य । साक्षण्य । जानने वाला ।

साक्ष्य, ( स्त्री. ) साक्ष्य ।

साक्ष्यरत्न, ( पु. ) साक्ष्य कारण । साक्ष्यरत्न । साक्ष्यरत्न ।

साक्ष्य, ( कि. ) साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य ।

साक्ष्य, ( कि. ) साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य ।

साक्ष्य, ( न. ) साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य ।

साक्ष्य, ( न. ) साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य ।

साक्ष्य, ( पु. ) साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य ।

साक्ष्य, ( स्त्री. ) साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य ।

साक्ष्य, ( पु. ) साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य ।

साक्ष्य, ( स्त्री. ) साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य ।

साक्ष्य, ( पु. ) साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य ।

साक्ष्य, ( वि. ) साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य ।

साक्ष्य, ( न. ) साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य ।

साक्ष्य, ( पु. ) साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य । साक्ष्य ।

साह, ( पु. ) देरा विरोध । पुताने छटे रूपके ।  
 लहनों जेमी भाषा । विहार पुस्तक ।  
 साहानुभास, ( पु. ) बलशर में शब्द  
 सम्बन्धी । अनुभास ।  
 साम, ( पुं. ) नका । स्थान ।  
 सालन, ( न. ) प्रेन के साथ चलना । साह  
 सहायता ।  
 सालसा, ( बी. ) चादना । गर्म वाली स्त्री  
 की चादना । गर्मचिह्न ।  
 साला, ( धी. ) धार ।  
 सालाटिक, ( पु. ) घबने मालिक के भाग्य  
 पर जाने वाला । काम न कर मरने वाला ।  
 भाग्यार्थीन ।  
 सालित्य, ( न. ) सौन्दर्य ।  
 साय, ( पुं. ) एक प्रकार का पत्नी ।  
 सायण, ( न. ) नवमीन ।  
 सावणिक, ( न. ) नयक बचने वाला ।  
 नमक ।  
 सायण्य, ( न. ) सलंगन । सौन्दर्य विरोध ।  
 सासिका, ( बी. ) नाचन वाली ।  
 साह्य, ( न. ) भाजा । गण । गीत ।  
 साह्य, ( पु. ) मन्दार का पेड़ ।  
 साह्य, ( धी. ) बुर का प्रणय । भाग  
 साह्य, ( धी. ) विरोध । साह्य जो चक्कर सियों के  
 बालों में रूँ की जाति की छोटी छोटी  
 पद गती है ।  
 साह्य, ( कि. ) लिखना ।  
 साह्यन, ( न. ) सेतन । लिखि । सेत ।  
 साह्यत, ( न. ) लिखा हुआ । एक छवि का  
 नाम ।  
 साह्य, ( कि. ) जाना ।  
 साह्य, ( पु. ) पुस्तक का प्रधान विद ।  
 पुस्तक, बी और नपुंसक का । बदरहा  
 विद । सामान्य विद । अनुदान लिखि  
 का कारण । प्रकट । शब्द में लिखा शब्द में  
 दर्शक धर्म । बदरहाशन का समर्थ ।  
 शिपमी की मूर्ति । स्थान ।

साह्यचर्चिनी, ( स्त्री. ) अणायारी ।  
 साह्यचुक्ति, ( पु. ) रूपी या दामिक  
 सन्धारी ।  
 साह्यिन्, ( वि. ) लिख वाला ।  
 साह्य, ( कि. ) लिखना ।  
 साह्यि, ( धी. ) सेत ।  
 साह्यि, ( धी. ) सेत ।  
 साह्यिकर, ( पु. ) सेतक । लिखने वाला ।  
 साह्यिकार, ( पु. ) सेतक । लिखने वाला ।  
 साह्य, ( वि. ) लिखा हुआ । सना हुआ । एक  
 कला । विविधिन ( तैर का अमभाग ) ।  
 साया हुआ । मिला हुआ ।  
 साह्यक, ( पु. ) विर में सुभ्य शिर ।  
 साह्यसा, ( धी. ) चाहा । साम की चादना ।  
 साह्यक, ( पु. ) बुर विरोध । गथा ।  
 साह्य, ( कि. ) चाटना । चराना ।  
 साह्य, ( कि. ) बुराना । मिलना । टिपलना ।  
 साह्य, ( धी. ) चाया गया । बराना गया ।  
 साह्य, ( वि. ) हुआ हुआ । निदान । सुगा  
 हुआ ।  
 साह्य, ( धी. ) काल । भोग विलास ।  
 साह्यपती, ( धी. ) भरकगचार्य की पत्नी ।  
 उत्तर्ण बनाफ चतुर्गणित का एक प्रश्न ।  
 न्यायशास्त्र का एक प्रश्न, जिसमें प्रतिद्व  
 पक्षों का प्रतिपान किया गया है ।  
 पुण्य प्रतिद्व । बराना विरोध ।  
 साह्यपान, ( न. ) देवताओं का एक वन ।  
 सुहायित, ( वि. ) दान । दिया हुआ ।  
 सुहा हुआ ।  
 सुहायित, ( वि. ) नोक हुआ । टोटा गया ।  
 सुहा, ( कि. ) समझना । बट रहना । बोटना ।  
 भूमि पर टोटना । सुहा ।  
 सुहा, ( कि. ) सारना । सार कर दिया देना ।  
 दर्शन पर टोटना । सारना करना । सुहा  
 सेना ।  
 सुहा, ( न. ) बोटना । बर उतर बुदना ।  
 सुहायक, ( वि. ) साह्य ।  
 सुहायक, ( वि. ) साह्य ।







लौहिन, ( पुं. ) शिव का विशाल ।  
 लौहतिक, ( वि. ) ललोहा । कुछ कुछ लाल  
 रह का ।  
 लौहित्य, ( न. ) लाल रङ्ग । एक नदी ।  
 लपी, } ( कि. ) मिशना ।  
 लपी, }  
 लरी, ( कि. ) जाना ।

व

व, ( वि. ) वनवान् । ददः ( पुं. ) दत्त ।  
 वाह । वनव । समुद्र । आशाया । चीता ।  
 कनका । मान । राहु । वनव का आवास-  
 स्थान । कमल की जड़ । बह्याण ।  
 सातान ।  
 वंश, ( पुं. ) एक प्रकार का बाँस । कुल ।  
 जाति । बौद्धी । समुद्र । मेरुदण्ड । सात  
 वृष । दम हाथ का माप । गणा ।  
 वंशकूर्मरोचना, ( स्त्री. ) वंशलोचन ।  
 वंशज, ( न. ) वृषीन ।  
 वंशधर, ( वि. ) वृष जलाने वाला । सत्वान ।  
 वंशशर्करा, ( स्त्री. ) नालादि । वंशलोचन ।  
 वंशशर्करा, ( न. ) एक लज्जितके  
 प्रयेक पाद में बगइ अथवा होने है ।  
 वंशाम्, ( न. ) वृष में सब से बड़ा या  
 बड़िया । वंश में वृष ।  
 वंशोपम, ( पुं. ) श्रीकृष्ण ।  
 वंश्य, ( वि. ) वृषीन ।  
 वट, ( वि. ) देव देना । विद्या देना ।  
 वट ( वट ), ( पुं. ) वटका । वृषाणा वृष । वृष ।  
 वटवृक्ष मे नीम वृक्ष का भाग मया का ।  
 वट निवृत्ति की विद्या विज्ञान । इस  
 वृक्षका वृक्ष के वृक्ष के वृक्ष के भाग का ।  
 वटवृक्ष ( वटवृक्ष ) ( न. ) वटवृक्षका  
 वृक्ष । वटवृक्ष वट वटवृक्ष ।  
 वटवृक्ष ( वटवृक्ष ), ( पुं. ) वटवृक्ष का ।  
 वटवृक्ष ( वटवृक्ष ), } ( पुं. ) वटवृक्ष ।  
 वटवृक्ष ( वटवृक्ष ), }  
 वटवृक्ष ।

वकुल ( वकुल ), ( पुं. ) एक वृष मालकी  
 वक्रव्य, ( न. ) कथन । ( वि. ) निन्दित ।  
 दीन । दुष्ट ।  
 वक्र, ( वि. ) उचित । वक्रवादी ।  
 वक्र, ( न. ) मुल । वक्र विरोध । वक्र विरो  
 वक्रासय, ( पुं. ) अधर रस ।  
 वक्र, ( न. ) नदी का घुमाव । रानैरवर ।  
 महल । रुद्र । त्रिपुर देव । तिरवा जाला ।  
 ( वि. ) तिरवा ।  
 वक्राङ्ग, ( पुं. ) हस्त । ( वि. ) कुटिल का  
 बाला । ( वि. ) कुटिल । देवा ।  
 वक्रिम, ( न. ) देवान ।  
 वक्रतुण्ड, ( पुं. ) गणेश जी ।  
 वक्रोक्ति, ( स्त्री. ) अलङ्कार विरोध । कर्तव्य ।  
 वक्र ।  
 वक्ष, ( वि. ) कोप करना ।  
 वक्षर, ( न. ) छाती ।  
 वक्षस्थल, } ( न. ) छाती छाती ।  
 वक्षस्थल, }  
 वक्षी, ( स्त्री. ) वक्षरा ।  
 वक्षोज, ( पुं. ) रत्न ।  
 वक्षोक्त, ( पुं. ) रत्न ।  
 वक्ष, ( कि. ) जाना ।  
 वक्ष, ( पुं. ) रत्न ।  
 वक्ष, ( कि. ) जाना ।  
 वक्ष, ( पुं. ) नदी की सीढ़ ।  
 वक्ष, ( पुं. ) कोप ।  
 वक्ष, ( पुं. ) वक्षी व वक्ष ।  
 वक्ष, ( न. ) वृष ।  
 वक्ष, ( पुं. ) वक्ष की वक्ष ।  
 वक्ष, ( वि. ) जाना ।  
 वक्ष, ( पुं. ) वक्ष व वक्ष । वक्ष व वक्ष ।  
 वक्ष, ( न. ) वक्ष । ( पुं. ) वक्ष । वक्ष  
 वक्ष ।  
 वक्ष, ( न. ) वक्ष वि वक्ष ।  
 वक्ष, ( न. ) वक्ष ।  
 वक्ष, ( पुं. ) वक्ष वक्ष ।

यद्वादि, ( पु. ) इच्छाल ।  
 यथ, ( कि. ) इच्छना ।  
 यथन, ( न. ) वाक्य । संख्यावाची । सांठ ।  
 उपदेश ।  
 यथनप्रादिन्, ( वि. ) वरीभूत ।  
 यथनीय, ( वि. ) निन्दा योग्य । लोकापवाद ।  
 यथनदिघट, ( वि. ) अपनी बात को पालने  
 वाला । आहावाची । बरा में आया हुआ ।  
 यथस्तु, ( न. ) वाक्य । वचन ।  
 यथसांपत्ति, ( पुं. ) देवशुभ । वृत्तपति ।  
 यथस्वर, ( वि. ) आहावाची बरा में उत्तरण ।  
 यथा, ( श्री. ) परार्थ विरोध ।  
 यत्, ( कि. ) गति ।  
 यत्न, ( पुं. न. ) श्रम का घन विरोध ।  
 यत्नचर्मन्, ( पुं. ) गौका ।  
 यत्नदन्त, ( पुं. ) छन्द । मूला ।  
 यत्नघर, ( पुं. ) घर ।  
 यत्ननिघोष, ( पुं. ) गर्जन ।  
 यत्नपाणि, ( पु. ) घर ।  
 यत्नपुट, ( न. ) धीमध वाचन पात्र । दवा  
 पत्रों का कौन ।  
 यत्नमय, ( वि. ) वक्र स्वरूप ।  
 यत्निन्, ( पुं. ) घर ।  
 यत्नक, ( पुं. ) गौदक । लक्ष्मी । दयावान । मूर्त ।  
 यत्नन, ( न. ) दण्डना । क्षयना । केंडा लेना ।  
 यत्नजुल, ( पुं. ) अशोक का पेड़ । मैत्र ।  
 यथी । ( वि. ) देना ।  
 यद्, ( कि. ) घेरना । हिरसा करना । इच्छना ।  
 चोरी करना ।  
 यट, ( पुं. ) एक वृक्ष । सन की रस्ती ।  
 यटक, ( पुं. ) बघ । पकोड़ी । घुंगीय ।  
 कपोली ।  
 यटो, ( श्री. ) गौली । टिकिया ।  
 यटु, ( पुं. ) शालक । मद्रवाची ।  
 यटुक, ( पुं. ) एक देवता । भैरव ।  
 यट्ट, ( कि. ) बड़ी होना ।  
 यट्टर, ( पुं. ) मूर्त । वर्षसह विरोध । राट ।

यह, ( कि. ) बोटना ।  
 यहमि, } ( श्री. ) अम्ना । घर की बोटी ।  
 यहमी, } महल के शिखर का घर ।  
 यह, ( वि. ) बघा । धेड़ । अम्ना ।  
 यहटक, ( पुं. ) विमानक । हिरसा करने वाला ।  
 यह, ( अम्प. ) शास्त्र्य । समानता ।  
 यह, ( अम्प. ) कष्ट । दया । सुरी । विस्मय ।  
 अम्पत्य ।  
 यतंस, ( पु. ) अक्षल में अयतत शब्द है ।  
 अक्षर का लोप होने से आभूत्य । बोटी ।  
 इत अक्षर का गहना । वर्षेपूल ।  
 यतएड, ( पुं. ) एक मुनि का नाम ।  
 यतोका, ( श्री. ) सन्तान रहित स्त्री ।  
 यत्तर, ( न. ) यथ स्थल । वातर । वर्षा ।  
 ( पु. ) बधना । पुत्र । निय । बघा ।  
 यत्सफ, ( न. ) इन्द्रजी । ( पु. ) बधना । देतो  
 कल शब्द ।  
 यत्सत्तर, ( पु. श्री. ) दोग बधना । छोटा  
 शास्त्र ।  
 यत्सनाम, ( पुं. ) एक विध । बचनाय ।  
 सर्व के काटने पर भी के साथ पिलाने से  
 संप्रविष नष्ट होता है ।  
 यत्सपत्तन, ( न. ) वीराम्बो नाम नगरी ।  
 यत्सपाल, ( पुं. ) भीष्म । गाल । बधनों  
 का स्थक ।  
 यत्सर, ( पुं. ) वर्ष । साल ।  
 यत्सराज, ( पुं. ) चन्द्रवर्षी एक राजा ।  
 बडिया दिगन्ता बधना ।  
 यत्सराजन्तक, ( पुं. ) वर्षसमाप्ति का महीना ।  
 चान्द्रन नाम ।  
 यत्सल, ( वि. ) रीढ़ दुक । मेथी । दवायु ।  
 यत्तिन्, ( पुं. ) लडकन । पुत्रावस्था ।  
 यत्तीय, ( पुं. ) गौमानक । परसाल ।  
 यट्ट, ( कि. ) बोलना । इच्छना ।  
 यट्टन, ( न. ) घेरना । पुत्र । वचन ।  
 यट्टन्य, } ( पुं. ) उदर पुत्र । वट्टन देने  
 यट्टन्य, } बाण ।

यदाम (यदाम), (पुं.) बादाम ।  
 यदायद, (पुं.) बहुत बोलने वाला ।  
 यदि, कृष्य पय । जैसे ज्येष्ठ यदि ।  
 यय, (त्रि.) कहने योग्य । कृष्य पय । निन्द्य ।  
 यय्, (कि.) मार डालना ।  
 यधस्तम्भ, (पुं.) फौसी का स्तम्भ ।  
 यंधरु, (पुं.) जहाद । फौसी लगाने वाला ।  
 याधित्र, (न.) कामदेव ।

यधु, } (स्त्री.) लकड़े की स्त्री । नइ ।  
 यधुका, }

यधू, (स्त्री.) दुहाइन । भाष्यो । नइ ।  
 यधूजन, (पुं.) सियों ।

यधुटी, } (स्त्री.) कम उम्र की स्त्री । नइ ।  
 यधुटी, }

यध्य, (त्रि.) मानने योग्य ।  
 यधिका, (पुं.) नपुसक । हिजडा ।  
 यध्य, (पुं.) जडा ।  
 यधु, (कि.) मान करना । उपहार करना ।  
 मांगना । सेवा करना ।

यध, (न.) जहल । जलखोव । निवास ।  
 जल । मेघ । प्रकारा । घर । काठ का  
 बनेन ।

यधकदली, (स्त्री.) काठकदली ।  
 यधचन्दन, (न.) वन या चन्दन ।  
 यधज, (न.) पय । मांसा ।  
 यधमाता, (स्त्री.) पेटो तक लम्बी यधमाता ।  
 यधमासिन्, (पुं.) भीकृष्य । बागडोचना ।  
 यधराश्री, (स्त्री.) केले का दूध ।  
 यधशासिन्, (पुं.) बागडोचना । शास्त्रज्ञी-  
 क्त ।

यधशोभन, (न.) पय । कपल ।  
 यधरुपनि, (पुं.) घरपय यदि दूध ।  
 यधानु, (पुं.) धान देग । वह देग जहा  
 धाने बड़े उगात हैं ।  
 यधानुज, (पुं.) धान्य वंश । धारी  
 देवा ।  
 यधिका, (स्त्री.) धारी स्त्री ।

यधिन, (पुं.) वानरवध धारण वंशों में  
 सोमवती ।

यनी, (स्त्री.) जहल ।  
 यनीयक, (पुं.) भित्ताटी ।  
 यनीचर, (पुं.) वन में घूमने वाला । वीर ।  
 जहली । वनमातुव । जलमय ।

यनीकल, (पुं.) कदा । रीठ ।  
 यञ्, (कि.) टंगना ।

यन्दन, (न.) प्रधान ।  
 यन्दनीय, (त्रि.) नमनीय । नमस्कार करने  
 योग्य । पूज्य । मान्य ।

यन्द्र, (पुं.) पुजारी ।

यन्द्राह, (त्रि.) नमस्कार करने का लक्षण  
 वाजा । देवा ।

यन्दि, } (स्त्री.) केरी । नमस्कार । (पुं.)  
 यन्दी, } भाट ।

यन्ध, (त्रि.) यन्दनीय । (स्त्री.) गोलोबला ।  
 यन्ध, (न.) दारचीनी । बागडोचना । (स्त्री.)  
 जय वा समूह ।

यधू, (कि.) बीज बोना ।  
 यधन, (न.) बीज की बुधई । दूध शाला ।

यधनी, (स्त्री.) नारी का घर ।

यधिल, (पुं.) पिता ।  
 यधु, (पुं.) शरीर ।

यधुन, (पुं.) देवता ।  
 यधुप, } (न.) सुन्दर । शरीर । कारकर्म ।  
 यधुस, } जल ।

यधु, (पुं.) पिता । किसान । बीज देने वाला ।

यध, (पुं. न.) मिट्टी की दीवाल । नदी की  
 रक्षा के लिये बहारदीवारों सेना । विभाग ।  
 संसा । प्राचीर । पहाड़ का चतुर । स्त्री ।  
 (पुं.) पिता । प्रतापति ।

यधि, (पुं.) वीर । समूह । दुर्गी ।

यधी, (स्त्री.) टीका ।  
 यध, (कि.) जाना ।

यध्, (कि.) यधन करना । डे करना ।  
 यधन, (न.) धरन । धरन । धरन । धरु  
 निष्पत्त ।

नीपा, ( स्त्री. ) मकली, जिसके घेठ में जाने से कं हो पाय ।

न, ( स्त्री. ) कै । अग्नि ।

मेल, ( पुं. ) कै की घपी ।

म, ( पुं. ) मील ।

म्मारघ, ( पुं. ) घोड़ी का बोध ।

घ, ( पुं. ) चीम । जाल चीम को घुपों पर खीले रह ना होता है, मोड़ के समान निर्दिष्ट होता है ।

घड़ी, ( स्त्री. ) चीठी ।

घ्यू, ( कि. ) जाल ।

घय, ( पुं. ) बडाहा । बोरी । बुजने वाला ।

घयन, ( न. ) घुमान । घुमाव ।

घयस्, ( पुं. ) उम । मुखारखा । घपी । काक । शक्ति । बलिदान का पदार्थ ।

घयस्थ, ( पुं. ) मित्र । सहयोगी ।

घयस्य, ( पुं. ) समान धरखा वाला ।

घयस्या, ( स्त्री. ) सली । सहेली ।

घयाक, ( पुं. ) लता । छोटी शाखा । वाली ।

घयुन, ( न. ) शान । रुद्धि । समझने की शक्ति । देवालय । ( पुं. ) नियम । आह्ला । रीति भंगि । सकार ।

घयोधस्त, ( पुं. ) तरण । घुम ।

घयोधा, ( रि. ) बली । ( स्त्री. ) बल । शक्ति ।

घयोदक, ( न. ) सीसा ।

घर, ( कि. ) बुजना । मींगना । पाने के लिये सोजना । बादना ।

घर, ( न. ) केशर । शम्भा । भोग । परदा । वेत । ( रि. ) शर्मिल । प्यार । श्रेष्ठ । ( पुं. ) दुग्ध । पार । जमार । दुग्धा । परदान । अनुमद । पति ।

घरट, ( न. ) बुन्द का पूल । बीजा विगन । हल । बरखा । अन्न विशेष ।

घररा, ( न. ) घुनाव । दबाव । घुलन । कना । मींगना । किसी घुना घुनानादि करने के लिये निवृत्त समक के लिये पछी काम में

लाने रहने का घुसीय करना । अलगाव । शोक । विषय । ( पुं. ) नगर का परकोटा । पुल । बरख वृद्ध । उट । घनुय की सनावट विशेष । इन्द्र ।

घरएमाला, ( स्त्री. ) जयपाल । साधिवर- रवीकार की सूचक माला । वरमाला ।

घरएसी, ( स्त्री. ) बारी । निरवनाप पाराएसी, } की पुत्री ।

घरएड, ( पुं. ) समूह । हुंहाली । बरघा । पात का डेर । मलली पकने की बली की ओर । हल्ला । जेन ।

घरएडानु, ( पुं. ) एरघ वृष ।

घरएया, ( स्त्री. ) चमके का तरमा । शर्षी धयका घोडा घोपने की चमके की रस्ती ।

घरएयघ, ( पुं. ) नीम का पेड़ ।

घरएद, ( रि. ) समीपदाना । प्रसम । ( स्त्री. ) कन्या । अरययथा । आदित्यमता । दुर्गा ।

घरदाचतुर्था, ( स्त्री. ) मापशुका चतुर्था ।

घरम्, ( पञ्च. ) घोडा । पाप । बहुर घण्टा देहतर ।

घरदधि, ( रि. ) चण्डी प्रीति काला । चाण्ड- यन घृति । विक्रमादिप की सभा के नव रत्न कवियों में से एक का नाम ।

घरहाण्य, ( रि. ) परदान पाये हुए । ( पुं. ) अणक वृष ।

घरघांसीनी, ( स्त्री. ) सुदरी घी । जाल । लक्ष्मी । दुर्गा । सरावडी । विष्णु लता । हरी ।

घराक, ( पुं. ) शिव । ( न. ) बुद्ध । ( रि. ) लोधा । शोष्य । देवाय ।

घराद, ( न. ) श्रेष्ठ वृष्य अङ्ग । मलक । माया । शरा । पति । घुसा । ( पुं. ) शर्षी । शिष्ट । चामेदर । ( स्त्री. ) दालचीनी । हरी । ( १ ) काने काई कामी भी ।

घरादिन्, ( पुं. ) चण्डे चण्डे काला । अण्ड- वेदत ।

घराट, ( पुं. ) बोरी । रण ।

घलकाल, ( न. ) विशका । घाल । दारुचीनी ।  
 घलिकल, ( पुं. ) कौट ।  
 घलकुट्ट, ( न. ) घाल ।  
 घलग्, ( कि. ) जाना । घूदना । गाचना ।  
 प्रमस होना । राना ।  
 घलगा, ( स्त्री. ) घोड़े की लगाम । रास ।  
 घलग्, ( पुं. ) बकरा । ( वि. ) घुंर । मधुर ।  
 मूल्यसात् । ( न. ) चन्दन । घन । पैसा ।  
 घलगुल, ( पुं. ) दीवती हुई सोमरी ।  
 घलम्, ( कि. ) भोजन करना ।  
 घलिमकि, ( पुं. ) दीमकों का बनाया मिट्टी का देर ।  
 घलमी, ( स्त्री. ) चीदी ।  
 घलमीक, ( पुं. न. ) ( दीमकों या चीमियों  
 का घर ) घोंटी मिट्टी की टिलिया । कीलपों  
 का रोग । घलमीकि ऋषि, जिन्होंने  
 रामायण की रचना की ।  
 घलयूल, ( कि. ) काट काटना । साक करना ।  
 घल, ( पुं. ) दो रती मर । फटकन । एक  
 मारा चाद ।  
 घलकी, ( स्त्री. ) चीन । सारही । तम्बू ।  
 घलम, ( पुं. ) व्याग । रामी । चण्डा भीषा ।  
 घलरि, } ( स्त्री. ) लता । मञ्जी । मेयी ।  
 घलरी, }  
 घलय, ( पुं. ) भागा । रमोपया । भीमसेन ।  
 घलि, } लता । वेव । पुषिरी ।  
 घली, }  
 घलनु, ( न. ) डक । मञ्जी । घेव । निवेन  
 रान । घर ।  
 घलनु, ( वि. ) पूरा भाग । होत । मञ्जी ।  
 बन्दर मुनि ।  
 घलरु, ( स्त्री. ) अंजना का वेद ।  
 घल, ( पुं. न. ) घाँस होना । मञ्जु ।  
 घलम्वद, ( वि. ) विरह-वशात् । अतिव ।  
 घलम्वद, ( स्त्री. ) वस । घल ।  
 घलम्व, ( वि. ) वस ।  
 घलम्वद्वि, ( वि. ) घाँस । घलम्व ।  
 घल, ( स्त्री. ) घाँस । घलम्व । घलम्वद्वि ।  
 घल, ( स्त्री. ) घाँस । घलम्व । घलम्वद्वि ।

घशित्व, ( न. ) स्थापनवा । ईसा न  
 ऐश्वर्य ।  
 घशित्, ( वि. ) स्थापित । जिनेन्द्र ।  
 घशित्, } ( पुं. ) इन्द्रियों को सर्व-  
 घशित्, } राने वाला । मुनि विरा ।  
 घशिकरण, ( न. ) जिसके द्वारा देवों को  
 में किया जाय, जो कभी बरा ही हो  
 हो सके । तांत्रिक विधान विशेष । १७१  
 चीन । गुरामम । प्राणिक ।  
 घश्य, ( न. ) बरा में धारा हुआ । लीन ।  
 घषट्, ( चण्ड. ) देवोदेश से पी की  
 देना वा खोजना ।  
 घषट्कार, ( पुं. ) यज्ञ विशेष ।  
 घषट्कृत, ( वि. ) रंग किया हुआ ।  
 घषक, ( कि. ) जाना ।  
 घषक्य, ( पुं. ) एक वर्ष का मवसा ।  
 घष, ( कि. ) टाँकना । रहना ।  
 घसन, ( न. ) कपडा । परदा । वृत्त ।  
 घसति, } ( स्त्री. ) वास । रहना । ल ।  
 घसती, } स्थान । पर ।  
 घसन्त, ( पुं. ) शत्रु विरोध जो कि  
 पेशाव में होती है । एक प्रकार का शत्रु  
 घेषक की बीमारी ।  
 घसन्ततिलक, ( न. ) ( १ पुं. ) लद गिनाव  
 शोध घस का होता है ।  
 घसन्तपूल, ( पुं ) कोकिल । शीत । घस  
 का वेद । गोंपरी शर ।  
 घसन्तारण, ( पुं. ) कामदेव । घसन्त का निर ।  
 घसा, ( स्त्री. ) घसी । वेव ।  
 घसु, ( न. ) घन । रण । घाँस । वन ।  
 घसु । नमक विशेष । ( वि. ) घस  
 घसी । घसा । देवताविरोध । रण देवता  
 की लपटा आड है—  
 "घसां घसे घुस लीन- अरुदेव-विरोध-  
 घसु-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-  
 आड की लपटा । घुस । विर । घसी  
 का लपटा । घसु विशेष । लीन-व-व-व-  
 ( स्त्री. ) देवता-विरोध । घसक-पुन-विरोध ।







घात

घातरायण, ( पुं. ) उमन । पागल । शिकमा मनुष्य । बरख । घात । सरल का पेड़ ।  
 घातल, ( वि. ) दुष्टानी । बाहु उगल करने वाला । ( पुं. ) बाण । शेर भेद ।  
 घातव्याधि, ( पुं. ) बार्ही की बीमारी ।  
 घातार, ( पुं. ) बाराण । कुलदार पेड़ ।  
 घातायि, ( पुं. ) दैत्य विशेष जो घगल्य मारा मारा गया था ।  
 घातापिसूदन, ( पुं. ) घगल्य छुनि ।  
 घातामोद, ( स्त्री. ) बरूनी ।  
 घातायन, ( न. ) भरोला । लिङ्गी । ( पुं. ) घोडा ।  
 घातायु, ( पुं. ) शिल ।  
 घातारि, ( पुं. ) एरण्ड का पेड़ । शान्दुली । शोभाशिका । यशनी । मारि । सुरी । विद्रह । शय्य जन्तु का शार ।  
 घाति, ( पुं. ) बाहु । हवा ।  
 घातिक, ( पुं. ) बार्ही की बीमारी ।  
 घातीय, ( न. ) बौली ।  
 घातुल, ( वि. ) वात उत्पन्न करने वाला । उन्मत्त । ( न. ) अन्धक । हवा का गौर ।  
 घादूल, ( वि. ) देली वायुज ।  
 घात्या, ( स्त्री. ) दुष्टान ।  
 घात्सक, ( न. ) बज्रों का समूह ।  
 घात्सल्य, ( न. ) स्नेह जो अपने से छोटी-छोटी पुत्रादि, में होता है ।  
 घात्सि, ( स्त्री. ) नाभय के औरग से उत्पन्न मृदा के गर्भ से उत्पन्न लक्ष्मी ।  
 घात्स्य, ( पुं. ) पत्त की सत्तान ।  
 घात्स्यायन, ( पुं. ) वाम सूत्र के रचयिता । ग्यायमूत्र के एक टीकाकार ।  
 घाद्, ( पुं. ) बाणचीन । वर्णन । बाद निशान । तर्कना । ग्याय का पारिभाषिक शब्द विशेष ।  
 घादन, ( न. ) बाने का शब्द ।  
 घादर, ( न. ) ग्री कपडा ।

घादरायण, ( पुं. ) वेदव्याम ।  
 घादाम ( घादाम ), ( न. ) फल विशेष ।  
 घादित्र, ( न. ) मृद्व आदि पाना ।  
 घादिन्, ( पुं. ) खोलने वाला । यक्ता । पारी । निषाद कर्ता ।  
 घाघ, ( न. ) हर प्रकार का बाणा ।  
 घाघ्, ( कि. ) निगाहना । तिमाना । बट देना । विरस करना ।  
 घाघ, ( पुं. ) टूट । रोक । रुकार । विप ।  
 घाघुष्य, } ( न. ) विवाह ।  
 घाघूष्य, }  
 घाघ्रीएस, ( पुं. ) गेंडा ।  
 घान, ( वि. ) सुला । नैला । ( न. ) मुझे कल ।  
 घानप्रस्थ, ( पुं. ) तीसरा घागम ।  
 घानर, ( पुं. ) बन्दर ।  
 घानरेन्द्र, ( पुं. ) सुमीर । माली ।  
 घानस्पत्य, ( पुं. ) घाम का पेड़ ।  
 घानायु, ( पुं. ) धरन देरा ।  
 घानायुज, ( पुं. ) धरनी घोड़े ।  
 घानीर, ( पुं. ) एक प्रकार के बैल ।  
 घानीरक, ( पुं. ) मूत्र ।  
 घान्त, ( वि. ) उगला हुआ ।  
 घाप, ( पुं. ) पुनाप । मुषदन । बीज आदि प लगाना ।  
 घाधि, ( स्त्री. ) बौली । बरा ।  
 घापी, } ( न. ) जिनमें जल वह पहुँचने की चद शर रीतिवों ही ।  
 घापीद, ( पुं. ) धातक । परीश ।  
 घाप्य, ( न. ) पुत्रोप की और । ( वि. ) बौली का ।  
 घाम, ( वि. ) ब.यां । उरटा । दुष्ट । मनोहर । छोटा । ( पुं. ) जीव शिव । कामदेव । सर्व । घानी । कर्म तथा मन्त्रादि । ( न. ) अधिकार ।  
 घामदेव, ( पुं. ) शनि विदेव । शिव





वामन, (त्रि.) बीना । छोटा । अल्प ।  
 घटाया हुआ । कम किया गया । भुक्तया  
 गया । (पुं.) विष्णु का पांचवा अवतार ।  
 दक्षिण दिक्पुत्र । काशिका वृत्ति के स्व-  
 पिता का नाम ।

वामनी, (स्त्री.) बौनी स्त्री । घोड़ी । योनि  
 का रोग विशेष ।

वामलूर, (पुं.) बल्मीक । बल्मी ।

वामलोचना, (स्त्री.) सुन्दर नेत्र वाली स्त्री ।

वामा, (स्त्री.) स्त्री । बड़ी प्यारी स्त्री । गौरी।  
 लक्ष्मी । सरस्वती ।

वामाचार, (पुं.) उल्टी चाल । तन्त्र का  
 आचार विशेष ।

वामो, (स्त्री.) घोड़ी । गभी । ; विनी । गौरिनी ।

वामोद, (स्त्री.) सुन्दर वन वाली स्त्री ।

वायवी, (स्त्री.) उत्तर पश्चिम दिशा ।

वायव्य, (त्रि.) पवन सम्बन्धी ।

वायस, (पुं.) पाक । तारपीन ।

वायसाराति, (पुं.) उल्लू ।

वायु, (पुं.) पवन । पवनदेव । प्राणवायु ।

वायुपुत्र, (पुं.) हनुमान् । भीमसेन ।

वायुभद्र, (पुं.) भद्र ।

वायुवर्त्मन, (न.) आकाश ।

वायुवाह, (पुं.) धूम्र । धूम ।

वायुवाहिनी, (स्त्री.) शरीर की नाडी विशेष ।

वायुस्रव, (पुं.) शक्ति । शाल ।

वाय्व्यास्यद, (न.) आकाश ।

वार, (न.) पत्नी । जप ।

वार, (पुं.) देवता । मन्त्र । भुक्त । निर्देह । ;

दिक्पुत्र नाम संस्कार घाटि । मन्त्र । कर्षी ।  
 अक्षर । डार । नदी का दृग्ग समो  
 कर्ण मन्त्र । गिर । पूर । (न.) मन्त्र ।  
 दक्षिण होने का कर्ण ।

वारक, (त्रि.) मन्त्र का प । न । कर्ण ।

देव की वाक् विशेष । घाटि का वि ।

वारक (न.) मन्त्र । निर्देह । पदक (पुं.)

६९१ । ६९६ ।

वारणवुशा, } (स्त्री.) केले का पेड़ ।  
 वारणवुसा, }

वारणवह्मभा, (स्त्री.) केला । इधिनी ।

वारमुख्या, (स्त्री.) वैश्या ।

वारंव्यार, (अव्य.) बेर बेर ।

वारयित्, (पुं.) पति । मातृक । (त्रि.)  
 हयाने वाला ।

वारयोपा, (स्त्री.) वैश्या । रयी ।

वारयाण, (पुं. न.) कवच ।

वाराङ्गना, (स्त्री.) रयी ।

वारणुसी, (स्त्री.) वारी ।

वाराह, (पुं.) शरर । वृष विरोध । (त्रि.)  
 शरर सम्बन्धी ।

वाराहकल्प, (पुं.) जिस कल्प के प्रारम्भ  
 में वाराह अवतार पहले हुआ हो । वर्षमान  
 कल्प में श्वेत वाराह अवतार हुआ था  
 इस लिये इसका नाम श्वेत वाराह  
 कल्प है ।

वाराहपुराण, (न.) अठारह पुराणों में से  
 एक ।

वाराही, (स्त्री.) सप्तविधा । भूमि । पृथिवी ।  
 शरर के रूप में विष्णु की शक्ति । माता  
 विशेष ।

वाराहीकन्द, (पुं.) एक मन्त्र का  
 कन्द ।

घाटि, (न.) पानी । रत्न । कर्ण ।  
 पदार्थ ।

घाटिचर, (पुं.) घाटि में बचने वाले जीव-  
 प्राणी मन्त्र ।

घाटिज, (न.) कर्ण । शीघ्र । निम्न ।  
 गौर हार्य । (पुं.) शर ।  
 घाट ।

घाटिच, (स्त्री.) घाटा । घाटि घाटि का  
 मन्त्र का घाटा के बचने का कर्ण ।

घाटिन्द, (न.) मन्त्र । पदक । घाटि (त्रि.)  
 घाटी देने वाला ।

घाटिनि, (पुं.) शर ।

घारिमलि, ( पु. ) मेघ । बादल ।  
 घारिवाशि, ( पु. ) सपुत्र ।  
 घारिचट्ट, ( न. ) कमल ।  
 घारिपाद, ( पुं. ) मेघ ।  
 घारिण, ( पुं. ) सिद्ध ।  
 घारीश, ( पु. ) सपुत्र । वक्रण ।  
 घारु, ( पुं. ) विजय कुशर ।  
 घारुट, ( पुं. ) अर्षी । टउरी । यान शिखर  
 द्वारा हारा जाता है ।  
 घारुण, ( वि. ) वक्रण सम्बन्धी । ( पुं. ) भारत-  
 वर्ष के नौ राशियों में से एक । ( न. ) नक्ष ।  
 घारुणि, ( पु. ) अगस्त्य । भृशु ।  
 घारुणी, ( स्त्री. ) पश्चिम दिशा । मदिरा  
 राजभिषज । दूर्वा घास । वरण पत्नी ।  
 घारुण्ड, ( पु. ) सारंगान ( न. ) शैल शीर  
 कान का मूल । नाश से धानी उलीचने  
 का घाव ।  
 घारुण्डो, ( स्त्री. ) द्वार की सीढ़ी ।  
 घारुणिक, ( पुं. ) लेलक । नाक ।  
 घारुणिका, ( स्त्री. ) नदी पत्नी ।  
 घारुण, ( वि. ) वक्रणवत् । हल्का । निर्बल ।  
 अक्षर । पेशे वादा । ( न. ) स्वारण्य ।  
 घारुण्य ।  
 घारुणिक, ( पुं. ) वैजय । भय ।  
 घारुणिवह, ( पुं. ) द्रु । जायम ।  
 घारुणिक, ( न. ) कृते स्वरूप में रथा  
 गया मन्थ विशेष । मय मन्थ ।  
 घारुणिक्य, ( न. ) पुत्राणा ।  
 घारुणि, ( पु. ) सपुत्र ।  
 घारुण्यि, ( पु. ) सूर्योर । श्वान खाने वाणा ।  
 घारुण्यिन्, ( वि. ) श्वान पर जाने वाला ।  
 घारुण्य्य, ( न. ) श्वय दान ।  
 घारुण्य्यस, ( पु. ) गेंस । जहती वक्रण  
 जिसके समाने जान होते हैं ।  
 घारुण्य, ( न. ) कवच पहिने हुए लोगों का  
 सपुत्र ।  
 घारुण्य, ( पुं. ) मेघ । बादल ।

घारुणिक, ( वि ) साक्षान । पहाड़ी । ( न. )  
 एक शोध विशेष ।  
 घारुणिला, ( स्त्री. ) नरक विशेष ।  
 घारुण्य, ( पु. ) कृष्ण । नक्ष के सारुणिक नाम ।  
 घारुण्य ( घारुण्य्य ) } ( पु. ) जगन्मथ ।  
 घारुण्य्यि ( घारुण्य्यि ) }  
 घारुणिक ( घारुणिक ), ( पुं. ) सुधीन का बड़ा भाई ।  
 घारुणिका ( घारुणिका ), ( स्त्री. ) देवी । चूर्ण । कपूर ।  
 घारुणिकाका, } ( स्त्री. ) कवची ।  
 घारुणिकाकी, }  
 घारुणिक, ( न. ) घाल का बना कपड़ा ।  
 घारुणिकी, ( पु. ) रामायण बनाने वाले  
 मुनि का नाम । इस नाम का एक चारुणिक ।  
 महाभारत में पाण्डवों के अशनमेघ की  
 साक्षात् घोषक शक्त इसी की पूजा और  
 भोजन होने पर बना था ।  
 घारुणिक, ( वि. ) बला । वादनी ।  
 घारुण्य, ( पु. ) तुलसी या उसी प्रकार का  
 तीव्र मन्थ वाला वृक्ष ।  
 घारुण्य, ( पुं. ) नाव । सोनी ।  
 घारुण्य, ( वि. ) पुत्रता । प्यार करना ।  
 होजना । मेरा करना ।  
 घारुण्य, ( वि. ) घूर्णना । गजना । चीरना ।  
 ( पशु परिवो की बोली ) घुलना ।  
 घारुण्य, ( न. ) परिवो की बोली । घुलाना ।  
 घुमना ।  
 घारुण्य, ( स्त्री. ) हयिनी । स्त्री ।  
 घारुण्य, } ( न. ) बलिष्ठमुनि का उपदेश  
 घारुण्य, } दिया हुआ योग विद्या  
 का मन्थ । योगशास्त्र ।  
 घारुण्य, ( न. ) पर । बाराहा । ( पु. ) दिन ।  
 घारुण्य, } ( पु. ) भाद्र । अशुभ । अध्याय ।  
 घारुण्य, }  
 घारुण्य, ( वि. ) सुगन्धित जल ।  
 घारुण्य, ( पु. ) पर । बल । राना । सुगन्ध ।  
 घारुण्य, ( पु. ) पूज । शेष । कृष्ण । दमे  
 की उत्तम शोध ।



घारिमसि, ( पु. ) मेघ । बादल ।  
 घारिराशि, ( पु. ) शम्भु ।  
 घारिद्वह, ( न. ) वसल ।  
 घारिघाह, ( पु. ) मेघ ।  
 घारिश, ( पु. ) सिन्धु ।  
 घारीश, ( पुं. ) समुद्र । वरुण ।  
 घास, ( पुं. ) विजय कुतर ।  
 घासट, ( पुं. ) अर्षी । टटरी । घान मिलकर  
 दुर्ग बना जाता है ।  
 घासण, ( वि. ) बहण सम्बन्धी । ( पु. ) भारत-  
 वर्ष के नौ तरफों में से एक । ( न. ) जल ।  
 घासणि, ( पु. ) अमृत्य । सुगु ।  
 घासणी, ( स्त्री. ) पश्चिम दिशा । मदिश  
 राजभिन्न । दुर्ग घास । बहण पत्नी ।  
 घासण्ड, ( पु. ) सर्पराज ( न. ) शूल और  
 काज का मूल । भाग से पानी उलीचने  
 का पात्र ।  
 घासण्डी, ( स्त्री. ) द्वार की सीढ़ी ।  
 घासिक, ( पुं. ) शैलक । मार्क ।  
 घासिका, ( स्त्री. ) शेर पक्षी ।  
 घासि, ( वि. ) उपद्रव । इत्का । निर्बल ।  
 अस्तर । पेशे वाला । ( न. ) स्थाप्य ।  
 घासु ।  
 घासार्क, ( पुं. ) बैंगन । मय ।  
 घासार्कवह, ( पु. ) दूत । जामुन ।  
 घासिक, ( न. ) शक्ति स्वरूप में रचा  
 गया मन्त्र विशेष । मय मन्त्र ।  
 घासिकय, ( न. ) पुत्राणा ।  
 घासिक, ( पुं. ) समुद्र ।  
 घासिकि, ( पु. ) सुदुखोर । श्वाज राने वाला ।  
 घासिकिन्, ( वि. ) श्वाज पर जाने वाला ।  
 घासिक्य, ( न. ) ऋषि दान ।  
 घासिकुस, ( पु. ) मेघ । जम्बी बरसा  
 मिलने सन्ने काज होने है ।  
 घासिक, ( न. ) कवच पहिने हुए लोगों का  
 समूह ।  
 घासिक, ( पुं. ) मेघ । बादल ।

घासिक, ( वि. ) सालाना । बरसोटी । ( न. )  
 एक भौषण विशेष ।  
 घासिला, ( स्त्री. ) तरक विशेष ।  
 घास्येय, ( पु. ) कुन्ब । नल के सारथिका नाम ।  
 घासिद्रथ ( घासिद्रथ ), } ( पु. ) जरासन्ध ।  
 घासिद्रथि ( घासिद्रथि ), }  
 घालि ( घालि ), ( पुं. ) सुधीर का बना भार ।  
 घालुका ( घालुका ), ( स्त्री. ) रेडी । पूर्ण । कपूर ।  
 घालुकाका, } ( स्त्री. ) ककड़ी ।  
 घालुकाकी, }  
 घालक, ( न. ) साल का बना कपड़ा ।  
 घाल्मीकि, ( पु. ) रामायण बनाने वाले  
 मुनि का नाम । इस नाम का एक चावडाल ।  
 महाभारत में पाण्डवों के अरुणध की  
 सहायता योद्धक शत इसी की पूजा और  
 भोजन होने पर बना था ।  
 घायक, ( वि. ) पत्नी । घायनी ।  
 घायय, ( पु. ) तुलसी या उसी प्रकार का  
 तीव्र मन्त्र वाला वृक्ष ।  
 घायुट, ( पुं. ) नाव । जौरी ।  
 घायुम्, ( कि. ) पुनना । प्यार करना ।  
 राजना । मेवा करना ।  
 घायु, ( कि. ) दुर्गता । गरजना । शीतल ।  
 ( पशु पक्षियों की बोली ) बुलना ।  
 घायित, ( न. ) पक्षियों की बोली । बुलाना ।  
 पुकारना ।  
 घायिना, ( स्त्री. ) इयिनी । स्त्री ।  
 घायिष्ठ, } ( न. ) बलिष्ठमुनि का उपदेश  
 घायिष्ठ, } दिया हुआ योग विद्या  
 का मन्त्र । योगप्रतिष्ठ ।  
 घाय, ( न. ) घर । आराह । ( पु. ) दिन ।  
 घाय्य, } ( पु. ) भाऊ । घायु । ठकिया ।  
 घाय्य, }  
 घाय, ( वि. ) सुगन्धित करना ।  
 घाय, ( पु. ) घर । बर । मना । दुग्ध ।  
 घायक, ( पु. ) वृज । शेष । अहम् । दमे  
 की उत्तम भौषणिक ।



धामन, (त्रि.) बीना । छोट्या । धल्प ।  
धयाया हुआ । कम किया गया । झुकाया  
गया । (पुं.) विश्नु का पांचवा अवतार ।  
दक्षिण दिग्भ्रर । काशिका वृत्ति के रच-  
यिता का नाम ।

धामनी, (स्त्री.) बीनी स्त्री । घोड़ी । योनि  
का रोग विशेष ।

धामलूर, (पु.) वर्ल्मीक । वर्ल्मी ।

धामलोचना, (स्त्री.) सुन्दर नेत्र वाली स्त्री ।

धामा, (स्त्री.) स्त्री । बड़ी प्यारी स्त्री । मीठी।  
तथमी । सरस्वती ।

धामाचार, (पु.) उल्टी चाल । तन्त्र का  
आचार विशेष ।

धामो, (स्त्री.) घोड़ी । गर्भी । शिनी । गौरवनी ।

धामोद, (स्त्री.) सुन्दर वस्त्र वाली स्त्री ।

धायर्था, (स्त्री.) उत्तर पश्चिम दिशा ।

धायव्य, (त्रि.) पवन सम्बन्धी ।

धायस, (पु.) काक । तारपीन ।

धायस्तारति, (पुं.) उल्लू ।

धायु, (पुं.) पवन । पवनदेव । प्राणराजु ।

धायुपुत्र, (पु.) दामात्र । भीमसेन ।

धायुमक्ष, (पु.) सर्प ।

धायुधर्मन, (न.) आशान ।

धायुधाह, (पु.) धूम । धूम ।

धायुधाहिनी, (स्त्री.) शरीर की गर्मी विशेष ।

धायुस्तम्भ, (पुं.) अग्नि । आग ।

धायुधाम्पद्, (न.) आकाश ।

धाट, (न.) पत्नी । जल ।

धाट, (पुं) इक्ष्वा । मूढ । भ्रुपत्र । शिरोह ।

दिग्म नाम संज्ञाए धादि । समथ । वाहि ।

धामर । डार । नदी का दूगल समने

काका मः । शिख । (न.) जपम ।

मदिल लपने का धाम ।

धारक, (त्रि.) धरने वाला । धरने वाला ।

होके की धार विशेष । धरने का धार

धारक, (न.) धरने । विशेष । धरक (पुं.)

धरक । धरक ।

धारणधुशा, } (स्त्री.) केलि का पेड़ ।  
धारणधुसा, }

धारणचक्षुभा, (स्त्री.) कला । हथिनी ।

धारमुस्या, (स्त्री.) वैश्या ।

धारंवार, (अव्य.) नर नर ।

धारयितृ, (पुं.) पति । भाविक । (त्रि.)  
हथाने वाला ।

धारयोषा, (स्त्री.) वैश्या । रघी ।

धारवाण, (पुं. न.) काष ।

धारारुणा, (स्त्री.) रघी ।

धारारुसी, (स्त्री.) काशी ।

धारारह, (पुं.) शरर । वृष विशेष । (त्रि.)  
शरर सम्बन्धी ।

धारारहकल्प, (पुं.) जिस कल्प के प्रारम्भ  
में धाराह अवतार पहले हुआ हो । वर्तमान  
कल्प में श्वेत धाराह अवतार हुआ था  
इस लिये इसका नाम श्वेत धाराह  
कल्प है ।

धारारहपुराण, (न.) धाराह पुराणों में से  
एक ।

धारारही, (स्त्री.) सुपरिया । धूमि । धूमिनी ।  
शरर के रूप में विश्नु की शक्ति । मात  
विशेष ।

धारारहीकन्द, (पुं.) एक प्रश्न का  
कन्द ।

धाटि, (न.) पानी । सम । कष ।  
पराप ।

धाटिचर, (पुं) धाटि में चलने वाले जीव-  
धारी जन्तु ।

धाटिज, (न.) कर्मण । धूमि । निम्ब ।  
धर धारण । (पुं.) धर ।  
धारण ।

धाटिन्ध, (स्त्री.) धारण । धूमि धारण ।  
धर धारण का कर्मण का धारण ।

धाटिद, (न.) धर । धारण । धारण । (त्रि.)  
धारण करने वाला ।

धाटिधरि, (पुं.) धर ।

घारिमलि, ( पु. ) मेष । बादल ।  
 घारिराशि, ( पु. ) सपुत्र ।  
 घारिरुढ, ( न. ) वृषज ।  
 घारियाष्ट, ( पु. ) मेष ।  
 घारिश, ( पु. ) शिष्ट ।  
 घारीश, ( पुं. ) सपुत्र । वरुण ।  
 घार, ( पु. ) विनय कुत्र ।  
 घारुठ, ( पुं. ) कर्षी । टठरी । घान शिखर  
 दुर्ग लाया जाता है ।  
 घारुण, ( वि. ) वरुण सम्बन्धी । ( पु. ) भारत-  
 कर्ष के नौ सपुत्रों में से एक । ( न. ) जल ।  
 घारुणिक, ( पु. ) अग्रगण्य । श्रेष्ठ ।  
 घारुणी, ( स्त्री. ) पश्चिम दिशा । सदिया  
 शक्तिभवन । दुर्गा घात । वरुण पत्नी ।  
 घारुण्य, ( पु. ) सर्पराज ( न. ) घात और  
 जान का मेल । नाद से पानी उल्लोचने  
 का घात ।  
 घारुण्यो, ( स्त्री. ) द्वार की सीढ़ी ।  
 घारुणिक, ( पुं. ) लेखक । शार्क ।  
 घारुणिक, ( स्त्री. ) चेर पत्नी ।  
 घारुण्य, ( वि. ) वरुणरत्न । दुक्का । निर्बल ।  
 घारुण्य, ( वि. ) पेशी बाला । ( न. ) स्वारण्य ।  
 घारुण्य ।  
 घारुण्य, ( पु. ) बैंगन । मय ।  
 घारुण्य, ( पुं. ) दूत । जायूम ।  
 घारुण्य, ( न. ) कृति स्वरूप में रचा  
 गया ग्रन्थ विशेष । गद्य ग्रन्थ ।  
 घारुण्य, ( न. ) पुत्राया ।  
 घारुण्य, ( पुं. ) सपुत्र ।  
 घारुण्य, ( पुं. ) मृदुशोर । श्वाज लाने वाला ।  
 घारुण्य, ( वि. ) श्वाज पर जाने वाला ।  
 घारुण्य, ( न. ) श्रेष्ठ दान ।  
 घारुण्य, ( पु. ) मेधा । जज्ञपी वरुण  
 शिखरके लाने जान होने हैं ।  
 घारुण्य, ( न. ) कर्ष पहिने हुए लोगों का  
 सपुत्र ।  
 घारुण्य, ( पु. ) मेष । बादल ।

घारुणिक, ( वि. ) साधना । बसोती । ( न. )  
 एक शोध विशेष ।  
 घारुण्य, ( स्त्री. ) नरक विशेष ।  
 घारुण्य, ( पु. ) कृष्ण । नल के शारथि का नाम ।  
 घारुण्य ( घारुण्य ), } ( पुं. ) नरगन्ध ।  
 घारुण्य ( घारुण्य ), }  
 घालि ( घालि ), ( पु. ) सुधीन का बसा भार ।  
 घालुका ( घालुका ), ( स्त्री. ) गेठी । पूर्ण । कपूर ।  
 घालुकाका, } ( स्त्री. ) कवरी ।  
 घालुकाकी, }  
 घालक, ( न. ) घाल का बना कपड़ा ।  
 घालुकी, ( पु. ) रामायण बनाने वाले  
 दुर्गा का नाम । इस नाम का एक काव्यकाल ।  
 महाभारत में पाण्डवों के अश्वमेध की  
 सङ्गता घोरक शरत इसी की पूजा और  
 भोजन होने पर बना था ।  
 घालुक, ( वि. ) बला । शालुनी ।  
 घाल्य, ( पु. ) तुलसी या उसी प्रकार का  
 तीव्र गन्ध वाला वृक्ष ।  
 घाल्य, ( पुं. ) नाव । बोंगी ।  
 घाल्य, ( कि. ) पुनना । प्यार करना ।  
 सोनना । सेवा करना ।  
 घाल्य, ( कि. ) दुर्गना । गानना । भीतना ।  
 ( पशु पक्षियों की बोली ) बुलाना ।  
 घाल्य, ( न. ) पक्षियों की बोली । बुलाना ।  
 पुकारना ।  
 घाल्य, ( स्त्री. ) इधनी । स्त्री ।  
 घाल्य, } ( न. ) कतिपयुनि का उपदेश  
 घाल्य, } दिया हुआ योग विद्या  
 का भाग । योगशास्त्र ।  
 घाल्य, ( न. ) पर । शोभा । ( पु. ) दिन ।  
 घाल्य, } ( पु. ) भाग । शोभा । तन्त्रिया ।  
 घाल्य, }  
 घाल्य, ( वि. ) अग्रिम करना ।  
 घाल्य, ( पु. ) पर । बध । रङ्गा । अग्र्य ।  
 घाल्य, ( पु. ) पूर । शो । अग्र्य । दमे  
 की उत्तम शोध ।







विज्ञान, ( न. ) विशेष ज्ञान । वेदान्त में कहा हुआ अविद्या की वृत्ति का भेद ।  
 विज्ञानमय कोष, ( पु. ) ज्ञान को दृष्टिपूर्वक रूप में देखना ।  
 विज्ञानिक, ( वि. ) विज्ञान जानने वाला ।  
 विज्ञ, ( कि. ) विज्ञान । शब्द करना ।  
 विष्ट, ( पु. ) दुष्प्रकार । आर । परि ( विशेष ) । पूरा । साक्षर । पूरा । साक्षर का रूप ।  
 विष्टक, ( न. ) कर्मों की कल्पना । कर्मों के बँटने की कल्पना ।  
 विष्टप, ( पु. न. ) शाखा । पक्ष । विस्तार । ( वि. ) विष्टपत्र ।  
 विष्टपिन, ( पु. ) दृष्ट । पक्ष ।  
 विष्टि, } ( स्त्री. ) पति चन्दन ।  
 विष्टी, }  
 विष्टवट, ( पुं. ) गोंध का पालतू वृक्ष ।  
 विष्टपति, ( पुं. ) अनाथ ।  
 विष्ट, ( कि. ) विज्ञान ।  
 विष्ट, ( न. ) लक्षण भेद । एक प्रकार का नोट ।  
 विष्टक, ( पु. न. ) इतिहासक एक शीघ्र । वायु विष्टक । ( वि. ) अक्षिप्त । जानने वाला ।  
 विष्टकर्म, ( न. ) निराकरण । अदुष्करण । ( स्त्री. ) हँसी ।  
 विष्टकाल ( विष्टकाल ), ( पुं. ) विज्ञान । नेत्र का मोला । नेत्र की शक्ति विशेष ।  
 विष्टकान, ( न. ) पक्षियों की एक प्रकार की गति ।  
 विष्टकाल, } ( पुं. ) दृष्ट ।  
 विष्टकाल, }  
 विष्टकराह, ( पुं. ) माय शब्द ।  
 विष्टक, ( पु. ) पक्षियों की कर्मों का कथा गादि ।

वितण्डा, ( स्त्री. ) एक प्रकार के वाद प्रति वाद का दृष्ट । शास्त्र की अल्पमता विधानों के लिये मन गन्त बातों से वाद विवाद करना । अथवा पूर्ववत् समर्थन करने के बिना ही परपक्ष को हट से दवाना । शूद्रा भगवा । स्वर्ण का भगवा । वचनाद ।  
 वितण्ड, ( वि. ) शूद्रा । अथवा ।  
 वितण्ड, ( स्त्री. ) अज्ञान की एक नदी ।  
 वितण्ड, ( न. ) दान । देना । वाँटना । मुक्त देना ।  
 वितर्क, ( पुं. ) ल-देह । तर्क । वाग की यथापेक्षा पर उदाहरण करना ।  
 वितर्क, ( स्त्री. ) वेदी ।  
 वितर्क, ( न. ) वातावरण विशेष ।  
 वितर्कित, ( पुं. स्त्री. ) नाशित । नष्ट । अक्षय का माय ।  
 वितर्क, ( न. पु. ) चन्द्रीता । शक्तिविद्या । शक्ति विशेष । अथवा । यज्ञ । फैलाव ।  
 वित्त, ( कि. ) त्यागना ।  
 वित्त, ( न. ) धन । ( वि. ) विचार । गया । जाना गया । पाया गया ।  
 वित्त, ( स्त्री. ) ज्ञान । लाभ । विचार ।  
 वित्तेश, ( पु. ) दुर्भर । धन का स्वामी ।  
 वित्त, ( कि. ) माल्य ।  
 वित्त, ( कि. ) लाभ होना । पाना । विचार करना । होना । जानना ।  
 वित्तेश, ( वि. ) नगरवासी । होशियार । शक्ति । अक्षर ।  
 वित्तेश, ( स्त्री. ) नायिका विशेष । अक्षर और चलनी स्त्री ।  
 वित्त, ( पु. ) पश्चिम । वेला । सुष मह ।  
 वित्त, ( पु. ) शैली । कृष्ण-व । लक्षण मनोरथ ।  
 वित्त, ( पु. स्त्री. ) वह देश जहाँ दर्भ न हों । शक्ति के विना शक्ति की शक्ति-शक्ति, जो हाथ में अक्षर नाम से

प्रतिद्वे द्वे । यह उर्वेन तिले मे द्वे  
स्विनर्वा इत्य के विद्व भी वहां के पाँच  
मे द्वे । वही वर्जित रूप में द्विविद्वन्तुर  
का भी वर्णिका मे इसी लीट कर  
बन्ना का । राजधानी धारा और  
कवयिता ।

विद्युत्, ( न. ) दो भाग किया हुआ पदार्थ ।

विद्युत्, ( स्त्री. ) बिजली ।

विद्युत्, ( व. ) पानी का प्रवाह । विद्युत् ।

विद्युत्, ( न. ) पानी उठाने का यंत्र ।

( १. ) पानी बरसा । ( २. ) पानी के नीचे  
का यंत्र ।

विद्युत्, ( न. ) कपड़ा । माता । ( व. )  
कोई चीज ।

विद्युत्, ( न. ) कपड़ों वाली वस्तु ।

विद्युत्, ( स्त्री. ) कपड़ों का यंत्र ।

विद्युत्, ( स्त्री. ) बंधन ।

विद्युत्, ( स्त्री. ) नदी । ( १. ) नदी के पानी  
का यंत्र ।

विद्युत्, ( न. ) पदार्थ । ( १. ) पैसा का  
यंत्र ।

विद्युत्, ( १. ) पानी का यंत्र ।

विद्युत्, ( १. ) यंत्र ।

विद्युत्, ( १. ) यंत्र ।

विद्युत्, ( १. ) यंत्र ।

विद्युत्, ( १. ) यंत्र ।

विद्युत्, ( १. ) यंत्र ।

विद्युत्, ( १. ) यंत्र ।

विद्यमान, ( व. ) वर्तमान काल । ( स्त्री. )  
मौजूद ।

विद्या, ( स्त्री. ) ज्ञान । मन्त्र विद्या ।

विद्यान्त, } ( स्त्री. ) विद्या में प्रतिद्व ।

विद्यान्त, }  
विद्यान्त, } ( व. ) विद्या द्वारा प्रतिद्वि  
प्राप्त ।

विद्यादान, ( न. ) पढ़ाना । पुस्तक का  
दान ।

विद्याधम, ( न. ) विद्या द्वारा उत्पन्न  
धर्म ( साधार्थ बड़े या विद्या  
रिणा कर ) ।

विद्याधर, ( व. ) देवता विद्या ।

विद्या, ( स्त्री. ) विद्वान् । सभा ।

विद्युत्, ( न. ) नीला धातु । रीत ।  
कोपण ।

विद्युत्, ( स्त्री. ) मन्त्र विद्या प्रवेश कर  
आइ आइ नामा होता है । विद्युत् की  
काल ।

विद्युत्, } ( व. ) पढ़ाना । पढ़ाना । पढ़ाना ।

विद्युत्, } ( व. ) पढ़ाना ।

विद्युत्, ( स्त्री. ) पढ़ाना ।

विद्युत्, ( स्त्री. ) पढ़ाना ।

विद्युत्, ( स्त्री. ) पढ़ाना ।

विद्युत्, ( स्त्री. ) पढ़ाना ।

विद्युत्, ( स्त्री. ) पढ़ाना ।

विद्युत्, ( स्त्री. ) पढ़ाना ।

विद्युत्, ( स्त्री. ) पढ़ाना ।

विधातु, ( प्र. ) प्रजापति । मन्त्रा । कामदेव । मरिच । ऋषि सुनि के पुत्र । कार्यकर्ता ।

विधान, ( न. ) विधि । प्रकार । कार्य वा निर्देश । गणमन्त्रपाठ ।

विधानस्त, ( पुं. ) शरिस्त । विधि जानने वाला । कार्यद्वारा । होशियार ।

विधायक, ( वि. ) विधानकर्ता । कार्य का व्यवस्थापक ।

विधि, ( पुं. ) मन्त्र । भाग्य । क्रम । प्रवर्तना रूप नियोग । विष्णु । कर्म । गणमन्त्रपाठ । वैद्य । नयी आज्ञा देना । व्याकरण का सूत्र विशेष । ध्यान ।

विधिस, ( वि. ) विधि को जानने वाला ।

विधिस्ता, ( स्त्री. ) करने की बाइ ।

विधिदेशक, ( पुं. ) दूर । उत्तराय ।

विधिषत्, ( भष्प. ) विधि के अनुष्ठार । यथाविधि ।

विष्णु, ( पुं. ) चन्द्रमा । विष्णु । मन्त्रा । राहु । कर्तृ । वायु ।

विष्णुत, ( वि. ) बोधा हुआ । त्यक्त ।

विष्णुनत, ( न. ) शिलाना । कैपाना । पट्ट-कारना ।

विष्णुनुद, ( पुं ) राहु । बादल ।

विष्णुर, ( वि. ) निश्चित । निश्चल । ( न. ) चलन होना ।

विष्णुवन, ( न. ) वनन ।

विष्णुत, ( वि. ) कम्पित । त्यक्त ।

विषेय, ( वि. ) करने योग्य । आशाकारी । समभाषा हुआ ।

विषेयत, ( पुं. ) गारा ।

विगत, ( वि. ) प्रकृत । भुजा हुआ । देहा । शिविन । गन्ध को भाता । करण की भी ।

विगतास्तु, ( पुं. ) अक्षय धर्म गन्ध ।

विनय, ( पुं. ) शिक्षा । प्रथाम । अन्तर । ( वि. ) निष्ठा । शिष्ट । निवेदिष ।

विनयप्रादिन्, ( वि. ) अधीन । आशा-कारी ।

विनयस्थ, ( वि. ) कहना मानने वाला ।

विनयान, ( न. ) विनाश । कुक्षेत्र ।

विना, ( भष्प. ) खैर । बर्नन ।

विनाहृत, ( वि. ) त्यक्त । शिष्ट ।

विनायक, ( पुं. ) गणेश । गन्ध । विष्णु । ( वि. ) दूर । विनयवाला । नम्र ।

विनाश, ( पुं. ) भ्रष्ट ।

विनाशोन्मुख, ( वि. ) नष्टभाव । विनाश के लिये उद्यत ।

विनाह, } ( पुं. ) दूरा का टकना ।  
वीनाह, }

विनिद्र, ( वि. ) जागा हुआ ।

विनिमय, ( पुं. ) बदला । बदलना । बन्धक । अमानत । एक वस्तु देकर दूसरी वस्तु लेना ।

विनियोग, ( पुं. ) काम में लगाना ।

विनीत, ( वि. ) विनय युक्त । दण्ड पाया हुआ । कैम गया । दूर किया हुआ । ( पुं. ) शिलाना हुआ । अक्षय । दृष्ट विशेष ।

विनेत, ( पुं. ) शिक्षक । राजा ।

विनेय, ( वि. ) शिलाने योग्य । पाने योग्य ।

विनोक्ति, ( स्त्री. ) अलङ्कार विशेष ।

विनोद, ( पुं. ) खेल । वीरुत्त । उत्तरक ।

विन्दु ( विन्दु ), ( पुं. ) बन्ध । विन्दी । पत्रसार । विद । ( वि. ) जाने वाला । जाने योग्य ।

विन्दुजात्र ( विन्दुजात ), ( न. ) हाथी की दूध पर का विन्दु के लगाने विद ।

विन्दुपत्र ( विन्दुपत्र ), ( पुं. ) भोजन ।

विन्दुसरत् ( विन्दुसरत् ), ( न. ) एक जातान जो कईपक्षि की उपस्थासे उत्पन्न होकर दवारि हो कर भी विष्णु ने चांगू बनाये उनका भर गया । " विन्दु सरत् " यह इतराज में सरस्वती नदी के किनारे विन्दुपत्र में अतिम धर्म काव्य है ।





विज्ञाप, ( वि. ) घंके की गति विशेष ।  
 दूता । चारों ओर से पानी का उमड़ना ।  
 विप्लुत, ( वि. ) झुकने में कंटा हुआ ।  
 निगडा हुआ । उपद्रुत ।  
 विफल, ( वि. ) निरर्थक । निष्फल ।  
 विफला, ( स्त्री. ) केतकी । केरवा ।  
 विषय, ( पु. ) एकत्र किये हुए भाषण  
 आदि ।  
 विषय, ( पुं. ) रोग विशेष ।  
 विसुध, ( पु. ) पवित्र । देवता ।  
 विभक्त, ( वि. ) बाँटा हुआ ।  
 विभक्ति, ( स्त्री. ) विभाग । व्याकरण में  
 छत्र त्रिष्टय ।  
 विभव, ( पुं. ) धन । मोक्ष । ऐश्वर्य । एक  
 वर्ष का नाम ।  
 विभा, ( स्त्री. ) किरण । शोभा । प्रकाश ।  
 विभाकर, ( पुं. ) गुरु । धर्मगुरु ।  
 विभाग, ( पु. ) भाग । हिस्सा । बटवारा ।  
 विभाज्य, ( वि. ) विभाग योग्य ।  
 विभाण्डक, ( पुं. ) पुत्र विशेष । शूद्र  
 आदि के पिता ।  
 विभात, ( न. ) प्रमाण ।  
 विभाष, ( पु. ) परिचित । विषय । उत्तेजन  
 देने वाला ।  
 विभावना, ( स्त्री. ) एक प्रकार का भलहार,  
 जिसमें कारण के बिना कार्य भी उत्पत्ति  
 प्रतीत होती है ।  
 विभाषरी, ( स्त्री. ) रात्रि । हल्दी । कुइनी ।  
 विभाषरु, ( पु. ) सूर्य । आक का वृक्ष । चाग ।  
 विषक वृक्ष ।  
 विभाषा, ( स्त्री. ) निषेध । विकल्प ।  
 विभिन्न, ( वि. ) अलग-अलग । अलग-अलग ।  
 विदलित । लिला हुआ ।  
 विभीतक, ( पुं. ) बड़े-बड़े का पैर । बहुत  
 बड़ा हुआ ।  
 विभीषण, ( पु. ) राक्षसों को बहुत बताने  
 वाला । राक्षस का छोटा भाई । नक्षत्र ।

विभीषिका, ( स्त्री. ) मय प्रदर्शन ।  
 विभु, ( पु. ) प्रभु । महादेव । बलवान् । मन्त्र ।  
 विभूति, ( स्त्री. ) भय । ताक । अथिमा  
 आदि घाट प्रकार का ऐश्वर्य ।  
 विभूषा, ( स्त्री. ) शोभा । भूषण । सजावट ।  
 विघ्न, ( पुं. ) शिष्टों के शत्रु का अर्थ  
 विशेष । बेटा विशेष । शोभा । सम्बन्ध ।  
 प्रमथ । शिष्टों का विनाश ।  
 विघ्नज, ( वि. ) भूषण ।  
 विमत, ( वि. ) बेटी । राज्ञु ।  
 विमनस, } ( वि. ) अशांत चित्त ।  
 विमनस्क, }  
 विमर्ह, ( पुं. ) मन्थना । बटना ।  
 विमर्शन, ( न. ) परामर्श । निर्वह । विचार ।  
 विमर्ष, ( पुं. ) विचार । नाटक का एक अङ्क ।  
 विमल, ( वि. ) स्वच्छ । साफ़ । निर्मल ।  
 विमास, ( स्त्री. ) सौतेली माता ।  
 विमासुज, ( पु. ) सौतेला भाई ।  
 विमान, ( पु. न. ) मार विशेष । अकर्मण्य  
 का एक घर । घोड़ा । देवताओं का यान ।  
 विमार्ग, ( पु. ) पुत्र रास्ता । कुपथ ।  
 निन्दितार्थ ।  
 विमुद्र, ( वि. ) लिला हुआ । विवशित ।  
 विम्व (विम्व), ( पु. न. ) दर्पण । परमाही ।  
 कमलजल । सूर्य आदि का मण्डल ।  
 विम्वका कण । कुँडूक ।  
 विम्व, ( न. ) आकार । आसमान ।  
 विम्वज्ञा, ( स्त्री. ) स्वर्गज्ञा । आकाश-  
 गज्ञा ।  
 विम्वत, ( वि. ) बट । डिट । बेराज ।  
 निर्लेख ।  
 विम्वोग, ( पु. ) निश्चय । निश्चिद ।  
 विम्वोगिन, ( पुं. ) अकर्मण्य । अकर्मण्य ।  
 विम्वक, ( वि. ) विरत । हटा हुआ ।  
 विम्वचिन्त, ( वि. ) बनावट । निर्मित ।  
 विम्वज्जन्तमस, ( वि. ) लक्ष्मण ।  
 विम्वज्ज, ( स्त्री. ) शत्रु रहित स्त्री ।

अकृत, ( वि. ) विभक्त । व्याख्या किया हुआ । मरी राकज किया गया ।  
 अकोश, } ( वि. ) कैना हुआ । सिपा  
 अकोष, } हुआ । प्रगुल ।  
 अक्षिप्, ( कि. ) उदासना । कैजाना ।  
 सोलना ।  
 आक्षोभ, ( पुं. ) हलचल । परराहट ।  
 आख्या, ( स्त्री. ) विस्तार से किसी विषय को सरल शब्दों में कहना । वर्णन । कथन ।  
 आख्यात, ( वि. ) वर्णित । कहा हुआ ।  
 व्याख्यान किया हुआ ।  
 आख्यान, ( न. ) वर्णन । वचन । किसी विषय को मली भाँति सुलासा कर के पाच लक्षण युक्त कहना । जैसे—“ पदच्छेदः पदापेक्षिर्विभक्तो वाक्यपोचनाः शब्देपरस्य समाधानं व्याख्यानं पञ्चलक्षणम् ॥ ”  
 आघटन, ( न. ) मथना । परस्पर रगड़ना ।  
 आघात, ( पुं. ) चोट । विघ्न । इकावट ।  
 अर्थ सम्बन्धी एक अलङ्कार ।  
 आघ्न, ( पुं. ) नाथ । लाल परगढ । करज का वृक्ष ।  
 आघ्रास्य, ( पुं. ) विह्वल । विज्ञा ।  
 आज, ( पु. ) नहाना । कपट ।  
 आजनिन्दा, ( स्त्री. ) कपट निन्दा ।  
 अर्थात्कार विरोध ।  
 आजस्तुति, ( स्त्री. ) अर्थात्कार विरोध ।  
 कपट युक्त मरासा ।  
 आजोक्ति, ( स्त्री. ) अर्थात्कार विरोध । कपट युक्त कहना ।  
 आङ्, ( पु. ) मांस खाने वाले जीव जैसे नाग बिछी आदि । सर्प । इन्द्र । ( वि. ) टग । सुषमा ।  
 आङ्, ( पुं. ) एक ग्रन्थकार । जिसने व्याकरण और कोष के एक एक ग्रन्थ रचे ।  
 आघ, ( पु. ) शिकारी । नहेलिया ।  
 आघर्मात, ( पु. ) ओ पारधी को देस कर बरे । दिग्ग । पशु आदि ।

व्याधि, ( पुं. ) रोग । बीमारी । काँट का रोग । उग्रज ।  
 व्याधित, ( वि. ) बीमार । उग्रज युक्त ।  
 व्याधुन, } ( वि. ) काँटा हुआ । शिवा हुआ ।  
 व्याधून, }  
 व्यान, ( पुं. ) प्राण वायु विंगेत ।  
 व्यापक, ( वि. ) फैला हुआ ।  
 व्यापन्न, ( वि. ) मरा हुआ । विपत्ति में फसा हुआ ।  
 व्यापाद, ( पु. ) हिंसा । वष । श्रोत्रचिन्तन ।  
 व्यापादन, ( न. ) मारना । दूसरे का उग चीजना ।  
 व्यापार, ( पुं. ) काम । काम होने योग्य काम । परिश्रम । वेष्टा । उद्योग ।  
 व्यापारिन्, ( वि. ) व्यापारी । उद्यमी ।  
 व्यापिन्, ( वि. ) फैला हुआ । ( पुं. ) विष्णु ।  
 व्यापृत, ( वि. ) व्यापार वाला ।  
 व्याप्त, ( वि. ) पूर्ण । पूरा । मरा हुआ ।  
 व्याप्ति, ( स्त्री. ) पूर्ति—व्यापकता ।  
 व्याप्य, ( वि. ) व्याप्त होने के लक्षण, जैसे— शमी की लकड़ी में आग इत्यादि ।  
 व्याम, ( पु. ) दोनों मुनाषों के बीच का माप विरोध ।  
 व्यायत, ( वि. ) लम्बा । चौड़ा । दूर । बहुज ।  
 ( न. ) लम्बाई । चौड़ाई ।  
 व्यायाम, ( पुं. ) श्रम । मेहनत । कसरत ।  
 व्यायोग, ( पु. ) एक प्रकार का काव्य ।  
 व्याल, ( वि. ) दुष्ट । बुरा । निन्दु । ( पु. ) दुष्ट या खूनी हाथी । सर्प । नाथ । चीता । राना । छलिया । उग्र । विष्णु का नाम ।  
 व्यालक, ( पुं. ) निगदेल हाथी ।  
 व्यालम्राह, ( पु. ) सपेरा । साँप पकड़ने वाला ।  
 व्यालरूप, ( पु. ) शिव ।  
 व्यालम्य, ( पु. ) परगढ वृद्ध विरोध ।  
 व्यास्तोल, ( वि. ) हिलने वाला । काँपने वाला । खुला हुआ । स्पष्ट ।

ध्यापकालन, ( न. ) ध्यान । बाधो ।  
 ध्यापहासो, ( श्री. ) परस्पर हँसना ।  
 ध्यापुष्ट, ( वि. ) वृत्त । पेट । गोल । निवृत्त ।  
 इत्याद्या । वक्र गद्या ।  
 ध्यापुष्पि, ( श्री. ) निराण्य । इत्यत्र । सीटना ।  
 ध्यास, ( पुं. ) भागों में विभक्त । श्री. धर्म, श्री. धर्म । वृत्त का ध्यास । समदर्शकों या विभाग कर्ता विशेष । सत्यवती वृत्त । द्वैपायन ध्यास ।  
 ध्यासक, ( वि. ) सत्यर । आसक्त ।  
 ध्यासक, ( पुं. ) आसक्ति ।  
 ध्यासिञ्ज, ( वि. ) निषिद्ध । रोका गया ।  
 ध्याहृत, ( वि. ) परराज्य हुआ । कथा हुआ ।  
 ध्याहार, ( पुं. ) धारण । उक्ति ।  
 ध्युग्राम, ( पुं. ) नाम विपरीत । उलट पुलट ।  
 ध्युत्थान, ( न. ) वैर खोपना । स्थापत्य बाण । प्रतिरोधन । दूत विशेष ।  
 ध्युत्पत्ति, ( श्री. ) उत्पत्ति । शब्दों के अर्थ जानने की शक्ति । पर परार्थ की ज्ञान शक्ति ।  
 ध्युत्पन्न, ( वि. ) परिश्रम । विद्या । बुद्धिमान् ।  
 ध्युद्धत, ( वि. ) केंद्र हुआ । निरस्कार किया हुआ ।  
 ध्युद्वात, ( पुं. ) निरादर करना ।  
 ध्युप, ( वि. ) त्यागना । छोड़ना ।  
 ध्युष्ट, ( वि. ) दण्ड । नञा हुआ ।  
 ध्युद्ध, ( वि. ) विशेष दृष्टि से लड़ी की गयी शैली । बीबा । कैला हुआ । परिभा हुआ । विशदित ।  
 ध्युत्त, ( वि. ) सीधा हुआ । पुढा हुआ ।  
 ध्युद्ध, ( पुं. ) लड़क । निषोक्त । साधु वृद्धे । शीघ्र । शैली ।  
 ध्यो, ( अण. ) स्नेह । नीम ।  
 ध्योकार, ( पुं. ) छुहार ।  
 ध्योमकेर, ( पुं. ) शिख । दहाइव ।  
 ध्योमकारिञ्ज, ( पुं. ) पक्षी । वैश्या । पर । सधर ।

ध्योमधूम, ( पुं. ) मेघ । बादल ।  
 ध्योमन्, ( न. ) आकार । पानी ।  
 ध्योमयान, ( न. ) उड़न शय्या । बैलून । आकारा गामी विमान ।  
 ध्योष, ( न. ) हीन कक्षी कस्तुर-वद्या, लोड, कक्षी विश्वे धीर पीतल । दिव्य ।  
 ध्यु, ( कि. ) जाना । चयना ।  
 ध्यु, ( पुं. ) सपू । सुपू । स्थलों के उद्देश्य का स्थान । श्री शाला । लड़क । बादल । पुण्यवेदिदानमसिद्ध श्रीरामो भाग वा सुपुत्र मरुत्त ।  
 ध्युनाथ, ( पुं. ) श्रीधुम् ।  
 ध्युमोहन, ( पुं. ) श्रीधुम् ।  
 ध्युमन्म, ( पुं. ) श्रीधुम् ।  
 ध्युमन्ना, ( श्री. ) मम व. लेखी श्री । गीरी ।  
 ध्युया, ( श्री. ) पर्यवेन करना । चुपना । दुःख श्री ध्या से दाना ।  
 ध्यु, ( कि. ) धार लगना । खेत लगना ।  
 ध्यु, ( पुं. न. ) धार । जलध । वृद्ध ।  
 ध्युति, ( वि. ) धारण । चेंचल ।  
 ध्यु, ( पुं. न. ) पुढर के लक्षण उपराल्पे निरम विशेष । दृष्टि ।  
 ध्युति, } ( श्री. ) लज्जा । वेप । वहाव ।  
 ध्युती, } वैलाव ।  
 ध्युति, ( पुं. ) दमन । मउ धारण करने वाला । दिवदी ।  
 ध्युत्, ( वि. ) कानन । धारण करना ।  
 ध्युचन, ( पुं. ) श्री । धारण की शैली का टीकी । ( न. ) कण्ठ । ध्याप । धारण ।  
 ध्याञ्ज, ( पुं. ) ध्यान । लुट ।  
 ध्याञ्जि, ( श्री. ) ध्याप । धारण ।  
 ध्यान, ( पुं. ) लुट । सुदर ( ध्यापिक ) का धारण ।  
 ध्यानी, ( वि. ) लुट । धारण की धारण करने वाला ।

भात्य, (पुं.) संस्कार शुद्ध दिन । नीष  
 मनुष्य । वर्षसत्र विशेष । अष्ट ।  
 "सावित्री पवित्रा मान्याः ॥"—मनुः ।  
 भात्यस्नोम, (पुं.) भात्य के करने योग्य  
 मन् । वेद में एक तन्त्र जो मन्त्रोद्गी के  
 लिये है ।  
 भा, (कि.) पुनना । जाना । डकना । पुना  
 जाना ।  
 भा, } (पुं.) लज्जा ।  
 भा, } (स्त्री.)  
 भादन, (न.) लजाना ।  
 भादित, (वि.) लजित ।  
 भा, (कि.) धारण करना । बध करना ।  
 भादि, (पुं.) धारण ।  
 भादिकान्जन, (न.) एक प्रकार की राग ।  
 भाद, (कि.) डकना । एकन करना । दे  
 नाला । डकना ।  
 भादेय, (त्रि.) धारण । धारण उपजने योग्य रोग ।  
 भा, (कि.) भाग । बधना । सहायता ।  
 भाग देना । पूरना ।  
 भा, (कि.) देणना ।

शु

शु, (पुं.) बढाने वाला । भाग करने वाला ।  
 शु, (वि.) (न.) प्रसन्नता ।  
 शु, (वि.) शुद्ध । समुद्रिशील ।  
 शु, (पुं.) शुद्ध बालना । शुद्ध का पत्र ।  
 शु के लिये का भेदे वाला सम भाग ।  
 शु, (न.) शुद्ध । शुद्ध ।  
 शु, (कि.) शुद्ध बालना । शुद्धना ।  
 शु, (पुं.) शुद्ध । शुद्ध । शुद्ध ।  
 शु, (पुं.) शुद्ध । शुद्ध । शुद्ध ।  
 शु, (पुं.) शुद्ध । शुद्ध । शुद्ध ।  
 शु, (पुं.) शुद्ध । शुद्ध । शुद्ध ।  
 शु, (पुं.) शुद्ध । शुद्ध । शुद्ध ।  
 शु, (पुं.) शुद्ध । शुद्ध । शुद्ध ।

शक, (पुं.) एक देस । एक जाति । एक  
 राजा जिसने अपना शक बलाया । उक्त  
 बलाया वर्ष । सुविधित, विक्रमदित्य और  
 शासितवाहुने इन तीनों राजाओं ने अपने  
 अपने शक बलाये थे ।  
 शकट, (पुं. न.) दण्डा । एक देस, जिसे  
 भीक्षुण्य ने मारा था ।  
 शकटहनू, (पुं.) भीक्षुण्य ।  
 शकहा, (पुं. न.) सपक । दिसा । घा ।  
 डकना । लजना । काँटा (मकड़ी का) ।  
 शकाः, (पुं.) बहुधन । देस विशेष ।  
 जाति विशेष ।  
 शकार, (पुं.) राजा की दिन प्यारी की  
 का भाई । अतृप्त प्रता । मर माता ।  
 यमिमा-नी ।  
 शकारि, (पुं.) शक का राजा । विक्रमादिप  
 राजा जिसने शक बद्ध कर अपना सार  
 बलाया था ।  
 शकुन, (न.) शकुन । पक्षी विशेष ।  
 मन्त्राणर । नीष । शुभ मूषक विद ।  
 शकुनस, (वि.) श्योषिणी ।  
 शकुन्त, (पुं.) पक्षी । एक प्रकार का बीजा ।  
 शकुन्तला, (स्त्री.) शकुन की स्त्री ।  
 शकुर, } (पुं.) शक । शकुर कथा का  
 शकुरि, } भाग वाला एक मन्त्र ।  
 शकुरी (स्त्री.) एक नदी । नीष की भी  
 भी । शकुरी ।  
 शक, (वि.) शक बालना । शकित । पनी ।  
 यमिमा । शकुन ।  
 शक्ति, (स्त्री.) शक्त्या । देवी । पत्नी विशेष ।  
 शक्ति, (स्त्री.) शक्त्या । देवी । पत्नी विशेष ।  
 शक्तिप्रद, (1.) शक्ति की बढाने वाली देवी का  
 नाम । देवी । शक्त्या । शक्ति ।  
 शक्तिप्रदक, (पुं.) शक्ति । शक्त्या की  
 शक्ति । शक्त्या ।  
 शक्तिप्रद, (पुं.) शक्ति । शक्त्या की  
 शक्ति । शक्त्या ।









धेल, ( वि. ) टीला । कमतोर । मन्द ।  
 मूर्त्ति । धीमा । सुन्द ।  
 नि, ( पु. ) सात्यकी का मामा । यदुवंशीय  
 एक क्षत्रिय ।  
 म, ( पु. ) तालानो नदी ।  
 माकन्द, ( पुं. ) कमल के फूल की  
 जड़ ।  
 मःफल, ( पु. ) नारियल ।  
 मःशूल, ( न. ) सिर की पीड़ा ।  
 मज्ज, ( पु. ) केरा । नाल ।  
 मस्त, ( न. ) मत्था । सिर । आगे ।  
 सिरा ।  
 मसिखह, ( पु. ) नाल । केरा ।  
 मस्क, ( न. ) टोपी । पगड़ी । घुरेठा ।  
 मख, ( न. ) पगड़ी । घुरेठा ।  
 मस्य, ( पुं. ) सिर पर उत्पन्न । नाल ।  
 मा, ( स्त्री. ) नाड़ी ।  
 माल, ( वि. ) नाबी वाला ।  
 मीप, ( पु. ) सिरस का पेड़ ।  
 मोगृह, ( न. ) अंतरी । छत्रा ।  
 मोघरा, ( स्त्री. ) मीवा । गर्दन ।  
 मोधि, ( स्त्री. ) मीवा । गर्दन ।  
 मोमणि, ( पु. ) चूड़ामणि ।  
 मोरुह, ( पु. ) केरा । नाल ।  
 मोवेष्ट, ( पु. ) पगड़ी । घुरेठा ।  
 मल, ( कि. ) एक एक दाना बीनना ।  
 मल, ( न. ) तेज में बेकाम पड़े धूल के दानों  
 को बीनना । फन्धर ।  
 मलाकुट्टक, ( पु. ) खैनी । पत्थर काटने  
 का औजार ।  
 मलाज्जतु, ( न. ) उपजतु विशेष । शिवा-  
 ज्ञान ।  
 मलाभेद्र, ( पु. ) मन्त्रशास्त्र की खैनी ।  
 मलाभार, ( न. ) भोग ।  
 मति, ( पु. ) भोजन का वेद । दरि की  
 लक्ष्मी ।  
 मसिन्द, ( पु. ) एक प्रकार की मन्थनी ।

शिली, ( स्त्री. ) दरि के नीचे की लकड़ी ।  
 एक प्रकार का कीट । लम्बे का उरती  
 माग । तीर । मादा मेंटक ।  
 शिलीन्ध्र, ( न. ) केले का फूल । एक  
 प्रकार की मछली । वृष विशेष ।  
 शोला ।  
 शिलीमुख, ( पुं. ) मधुमक्षिका । तीर ।  
 सुन्द । मूर्त्ति ।  
 शिलोच्चय, ( पु. ) पर्वत ।  
 शिलोच्छ्र, ( पु. ) खेत में पड़े हुए अनान के  
 दानों को बीनना ।  
 शिल्प, ( न. ) कारीगरी । श्रुत । आकार ।  
 सृष्टि ।  
 शिल्पकारिन्, ( वि. ) कारीगर ।  
 शिल्पशाला, ( स्त्री. ) कारीगरी का घर ।  
 शिल्पशास्त्र, ( न. ) शिल्प सिखाने वाला  
 शास्त्र या विद्या ।  
 शिल्पिन्, ( वि. ) कारीगर ।  
 शिव, ( न. ) महत्त्व । जल । संधानों ।  
 सहाया । ( पु. ) महादेव । मोघ ।  
 शुगल । वेद । पुण्डरीक का पेड़ । काष्ठ  
 धनुष । पारा । देवता । लिङ्ग । एक शुभ  
 योग । वेद । पारा ।  
 शिवक, ( पु. ) एक कील ।  
 शिवचतुर्वेदी, ( स्त्री. ) कालगुण कृष्य  
 १४ शां ।  
 शिवदृती, ( स्त्री. ) दुर्गा की मूर्ति विशेष ।  
 शिवदुम, ( पु. ) शिवनी का प्यारा पुत्र ।  
 शिवधानु, ( पु. ) पारा ।  
 शिवपुरी, ( स्त्री. ) शिवनी की नगी ।  
 उज्जैन और काशी प्रतिद्वन्द्व ।  
 शिवरात्रि, ( स्त्री. ) शिवनी की उपासना के  
 लिये रात्रि विशेष । कृष्य पत्र की  
 चतुर्वेदी ।  
 शिवलिङ्ग, ( न. ) शिव का आकार ।  
 शिवलोका, ( पु. ) कैलास ।  
 शिवपाहन, ( न. ) शिव । वेद ।

शिवपीठ, ( न. ) पत्थ ।  
 शिवशेखर, ( पु. ) शङ्कर । भूरा कण ।  
 शिवसुन्दरी, ( स्त्री. ) दुर्गा ।  
 शिखा, ( स्त्री. ) शरणी । शीरसी । शीभाय-  
 कनी स्त्री । शमी वृक्ष । चापला । दुर्गा ।  
 इन्दी ।  
 शिवानी, ( स्त्री. ) शरणी । जयश्री वृक्ष ।  
 दुर्गा ।  
 शिवालय, ( न. ) स्मरान या शिवजी का  
 मन्दिर ।  
 शिवालु, ( पु. ) र्ददक ।  
 शिवि, ( पु. ) हिम पशु । भोजवन का पेश ।  
 उशीर राजा का पुत्र ।  
 शिविका, ( स्त्री. ) सोली । पालकी ।  
 शिविर, ( न. ) छावनी ।  
 शिशिर, ( न. ) माघ और फाल्गुन के मास  
 की श्रुति ।  
 शिशु, ( पु. ) बालक । बच्चा । छात्र और  
 १६ वर्ष के भीतर उम्र का बालक ।  
 शिशु । बच्चा ।  
 शिशुन्व, ( न. ) बचन ।  
 शिशुपाल, ( पु. ) भेदि वेश का एक राजा ।  
 शिशुपालहनु, ( पु. ) शीकृष्ण ।  
 शिशुमार, ( पु. ) जल का जीव विशेष ।  
 बालमर्द, जिसमें बच्चे मर जाते हैं ।  
 शिश्न, ( न. ) लिह ।  
 शिशिवदान, ( वि. ) स्यारिष । परिष ।  
 बदबलन । पार्षी ।  
 शिश्र, ( कि. ) थोड़िल करना । थप करना ।  
 बचाना । पढ़वाना ।  
 शिश्र, ( वि. ) शान्त । वेद के बचनों पर  
 विश्राम करने वाला । बच्चा । दुग्धा ।  
 शिश्रित । शत्रु । बुद्धिमान् । प्रतिष्ठित ।  
 सुख्य । मन्त्र । सर्वोच्च । सम्मन ।  
 शिष्टाचार, ( पु. ) सम्मनों का आचार ।  
 शिष्टि, ( स्त्री. ) शरीर । अहा । सना ।  
 दरद ।

शिव्य, ( वि. ) क्षात्र । विद्यार्थी ।  
 शी, ( कि. ) लेटना । सोना । धाराम  
 करना ।  
 शी, ( स्त्री. ) धाराम । निद्रा । शान्ति ।  
 शीक, ( कि. ) छिड़कना । निगोना । धीरे  
 धीरे चलना । क्रोध करना । धार्य करना ।  
 सन्तोष करना । सोलना । शमकना ।  
 शीकर, ( पु. ) शीघ्र बढ़ना । पानी के कण ।  
 इका ।  
 शीम, ( वि. ) जरदी ।  
 शीमचेतन, ( पुं. ) जरदी जागने वाला ।  
 हुता ।  
 शीत, ( न. ) ठण्डा । पानी । बर्फ । ( वि. )  
 ठण्डा । शून्य ।  
 शीतक, ( पु. ) शीतकाल । सर्द । सुख  
 मनुष्य । शिशू । निश्चित मनुष्य ।  
 शीतकर, ( पु. ) चन्द्रमा । कूर ।  
 शीतकाल, ( पु. ) सर्द की श्रुति ।  
 शीतकृच्छ्र, ( पु. ) एक प्रकार का मन्त्र । इस  
 मन्त्र में तीन तीन दिनों तक ममरा । दही,  
 पी और दूध पी कर रहना पड़ता है ।  
 शीतशु, ( पु. ) चन्द्रमा । कूर ।  
 शीतमानु, ( पु. ) चन्द्रमा । कूर ।  
 शीतभीष्ट, ( स्त्री. ) मायत्री । ( वि. ) सर्द  
 से डर हुआ ।  
 शीतरश्मि, ( पु. ) चन्द्रमा । कूर ।  
 शीतल, ( वि. ) ठण्डा । ( पु. ) चन्द्रमा ।  
 कूर । तारपीन । चन्द्रक वृक्ष । मन  
 विशेष । ( न. ) ठण्डक । सर्द । सहेद  
 चन्दन । शीत । श्रुतिवा । कमल ।  
 शीतल, ( न. ) सहेद कमल ।  
 शीतला, ( स्त्री. ) एक देवी । बसन्त रोग ।  
 चक्र की शक्ति ।  
 शीता, } ( स्त्री. ) इल का फल । शीता । दुर्गा ।  
 शीता, }  
 शीतांगु, ( पु. ) चन्द्रमा । कूर ।

शीतार्त्त, ( वि. ) शीतपीडित ।  
 शीतालु, ( वि. ) शीतबाधायुक्त ।  
 शीत्कार, ( पुं. ) सिरों की सी सी आवाज ।  
 शिसकारी ।  
 शीत्य, { ( वि. ) हल चलाया हुआ ।  
 स्तीत्य, }  
 शीधु, ( पुं. न. ) मय विशेष ।  
 शीन, ( वि. ) गाढ़ा । घना । जमा हुआ ।  
 मूर्त्त । अन्नगर ।  
 शीम, ( कि. ) रोखी मारना । कहना ।  
 शीम्य, ( पुं. ) सौंफ । शिव ।  
 शीर, ( पुं. ) अन्नगर ।  
 शीर्ष, ( वि. ) कूरा । पतला । सुभ्रूया हुआ ।  
 सडा हुआ । भूना हुआ । सूता । फटा  
 हुआ । छोटा ।  
 शीर्षि, ( वि. ) हानिकारी ।  
 शीर्ष, ( न. ) सिर । माथा ।  
 शीर्षक, ( न. ) शिरस्त्राण । टोपी । पगड़ी ।  
 सिर । सिर की इट्टी । फैसला । ( पु. ) राहु ।  
 किसी विषय या खेस का नाम, जिससे  
 उसका स्वरूप ज्ञात हो जाय ।  
 शीर्षच्छेद्य, ( वि. ) मारने योग्य ।  
 शीर्षण्य, ( पुं. ) टोपी । पगड़ी । ( वि. )  
 बालों से उत्पन्न ।  
 शील, ( कि. ) विचारना । सोचना । मनन  
 करना । सेवा करना । पूजा करना ।  
 अभ्यास करना । पहनना । समाधि  
 लगाना ।  
 शील, ( न. ) स्वभाव । अच्छा आचरण ।  
 ( पुं. ) हाँप ।  
 शीलन, ( न. ) अभ्यास । बार बार करना ।  
 शीलित, ( वि. ) अभ्यस्त ।  
 शुक, ( कि. ) जाना ।  
 शुक, ( न. ) एक वेद । कण्ठाभ्यास के पुत्र ।  
 टीका । ( पु. ) शौनक वृष ।  
 शुकदेव, ( पु. ) एक महावीरणी धृति, जिन्होंने  
 राजा बलिदेव की भीमशक्ति के समक्ष  
 में हराया । अश्वत्थ ।

शुकनास, ( पु. ) खोनाक वृष । कान्दव  
 में तारापीड राजा का १ मन्थी ।  
 शुक, ( न. ) मांस । कात्री । पिण्ड  
 हुआ । मीठा पदार्थ जो समय पाकर  
 लडा हो गया हो । ( वि. ) निर्दय । दुर्जन ।  
 लडा । ( स्त्री. ) सीपी ।  
 शुकजि, ( न. ) मोठी ।  
 शुकिमत्, ( पु. ) पहाड़ ।  
 शुकिमती, ( स्त्री. ) एक नदी ।  
 शुक, ( न. ) वीर्य । विन्दु । नेत्र रोग विशेष ।  
 एक मह । दैत्यशुक । अग्नि । विषक वृष ।  
 जेठ का मास । चौबीसवाँ योग ।  
 शुकभुज्ज, ( स्त्री. ) मयूरी ।  
 शुकला, ( स्त्री. ) उच्छा वृष ।  
 शुकशिष्य, ( पुं. ) असुर । दैत्य ।  
 शुकिय, ( वि. ) यजुर्वेद का २६वाँ शान्ति  
 अध्याय । ( न. ) ।  
 शुक, ( न. ) चाँदी । मन्सून । एक प्रकार  
 का रोग । ( पु. ) चिदा रत्न । ( वि. )  
 चिदा रत्न वाला । साक ।  
 शुककर्मन्, ( वि. ) अच्छा काम करने वाला ।  
 पवित्र । साक । ( वि. ) शुभचरित्र ।  
 शुकपक्ष, ( पुं. ) उनियाला पक्ष । सकेद  
 पक्ष ।  
 शुक्यायस, ( पुं. ) बगला । रवेन्द्र काक ।  
 शुक्यापाङ्ग, ( पु. ) मयूर ।  
 शुकिमन्, ( पुं. ) सकेदी ।  
 शुक्रोपला, ( स्त्री. ) सकेद पित्ती । सकेद  
 पत्थर ।  
 शुक, ( पुं. ) वट वृष ।  
 शुच, ( स्त्री. ) शोक । विन्ता ।  
 शुच, ( कि. ) अच्छे से करना ।  
 शुचि, ( पु. ) पाग । विषक वृष । जेठ का  
 महीना । वेद वाला । भीम शत्रु । अश्व  
 चरित्र । सकेद रत्न ।  
 शुचिदुग्, ( पु. ) अरुण वृष ।

शुभद, ( पु. ) गृह ( हाथी को ) । शताव  
 शाना । ( श्री. ) बेरपा । कुटनी ।  
 शुभङ्गाद, ( पु. ) बगाल । हाथी ।  
 शुभ, ( न. ) मेषक सवय ।  
 शुभपत्नी, ( श्री. ) शिष्या ।  
 शुभान्त, ( पुं. ) राजा का सहाय ।  
 धनपुर ।  
 शुभापह्वति, ( श्री. ) अर्धमन्वन्थी अक्षर  
 विशेष ।  
 शुद्धि, ( श्री. ) सफाई । दुर्ग । देवी ।  
 शुद्धोदनि, ( पु. ) पुत्र का पिता ।  
 शुध्, ( कि. ) साक होना । धराना ।  
 शुन्, ( कि. ) जाना ।  
 शुन, ( पुं. ) कुत्ता ।  
 शुन शेष, ( पुं. ) विश्वामित्र का अर्धपुत्र ।  
 अजीमर्ने के भारस से उत्पन्न ।  
 शुनक, ( पु. ) धुनि विशेष । कुत्ता ।  
 पिता ।  
 शुनाशीर, } ( पु. ) एक । उत्सू ।  
 शुनासीर, }  
 शुनी, ( श्री. ) कुत्रिमा ।  
 शुन्ध, ( कि. ) साक करना ।  
 शुम्भ, ( कि. ) अमकना । अमकाना ।  
 शुभ, ( न. ) महल । मत्तारै ( वि. ) । मत्तारै  
 वाला ।  
 शुभेयु, ( वि. ) शुभाचिन । मत्तारै वाला ।  
 शुभमह, ( पुं. ) साधुमह । अण्डा मह ।  
 शुभङ्कर, ( वि. ) महलकारक ।  
 शुभद, ( पु. ) पापल का वेद ( वि. )  
 महलकारी ।  
 शुभ, ( न. ) अवरक । रुपा । अन्दन । शिवा  
 नोन ।  
 शुभदन्ती, ( श्री. ) शुभदन्त दिग्गज की  
 इपिनी ।  
 शुभ, ( पु ) एक दानव विशेष ।  
 शुभमर्दिनी, ( श्री. ) शुभ दीप को मारने  
 वाली देवी । दुर्गा ।

शुभ, ( कि. ) धार बालना ।  
 शुभक, ( क. ) बहना । देना । वह द्रव्य,  
 जो स्वाम के तीर पर बिड़िया पशु आदि  
 को केसाव से छुटाने को दिया जाय । भेट ।  
 उपहार ।  
 शुभक, ( पु. न. ) मोल । कील । कर ( देवत ) ।  
 पाठ आदि की उत्तारों में दिया जाने वाला  
 द्रव्य । अनियमित द्रव्य । एक प्रकार का  
 शोधन । लकड़ी का मूल्य । दहेत ।  
 यौगुक । देतो शुभक किया ।  
 शुभकरधान, ( न. ) धृष्टी समूल करने का  
 स्थान । उपहार दे देने की जगह । वह  
 कचहरी, जहाँ सगान मा शीत आदि  
 दिया जाय ।  
 शुभ, ( न. ) ताम्र । तावा । रस्सी ।  
 शुब्ध, ( न. ) आचार । वस्त्र का कार्य । रस्सी ।  
 ताम्र ।  
 शुभयण, ( न. ) सेवा करना । शन्तोषप्रद  
 सेवा करना ।  
 शुभया, ( श्री. ) धनने की चाह । उपासना ।  
 सेवा । मदारा । परिचर्या ।  
 शुभ, ( कि. ) धनना ।  
 शुभ, ( पु. ) गर्व । वडा । बिल ।  
 शुभिर, ( न. ) विद्र । बली आदि जाना ।  
 ( वि. ) सखिद ( पु. ) मूला । भाग ।  
 शुभक, ( वि. ) धून आदि से सुल गया ।  
 मूला ।  
 शुभकल, ( न. ) मूला हुआ मांस ।  
 शुभकौर, ( न. ) उदरशय्य कलह । अर्ध  
 की शत्रुता या बेमनस्य ।  
 शुभकण, ( पु. ) सुता धाव ।  
 शुभन्, ( न. ) शन । शीर्षे । ( पु ) अग्नि ।  
 विद्रक वृष ।  
 शुभ, ( पुं. न. ) वष । शिला । लोक । कील ।  
 दया । ममता । एक प्रकार का विवेक  
 बीडा ।  
 शुभर, ( पु. ) सुधर ।

श्रीधर, ( पुं. ) विष्णु । श्रीमद्भागवत के नानव टीकाकारों में से प्रसिद्ध एक टीकाकार 'श्रीधर स्वामी' ।

श्रीनिकेतन, ( पुं. ) विष्णु । विवाह मण्डप । शोभा भवन । महिफल । समा ।

श्रीपथ, ( पुं. ) राजपथ । कल्याणप्रद रास्ता ।

श्रीपर्ण, ( न. ) कमल का फूल ।

श्रीपुत्र, ( पुं. ) कामदेव । उच्चैःश्रवा घोडा ।

श्रीपुष्प, ( न. ) लवङ्ग ।

श्रीफल, ( पुं. ) बिल्व का वृक्ष । नारियल ।

श्रीभागवत, ( न. ) अष्टादश पुराणों के अन्तर्गत, एक प्रसिद्ध महापुराण ।

श्रीमत्, ( पुं. ) शोभा वाला । तिलक वृक्ष । पीपल का पेड़ । विष्णु । शिव । प्रतिष्ठित । ऐश्वर्यवान् ।

श्रीमती, ( स्त्री. ) सुशोभिता । द्रव्यवती । शंभिका । प्रतिष्ठिता ।

श्रीमूर्ति, ( स्त्री. ) देवप्रतिमा । प्रतिष्ठा करने के योग्य मूर्ति या व्यक्ति विशेष ।

श्रीरङ्गपत्तन, ( न. ) दक्षिण का एक तीर्थ-विशेष, प्रसिद्ध 'श्रीरङ्गपट्टन' ।

श्रीराम, ( पुं. ) मर्यादा पुरुषोत्तम रामचन्द्र । दशरथनन्दन । सीताराम ।

श्रील, ( वि. ) शोभा वाला । धनवान् । श्रीविष्णु ।

श्रीलता, ( स्त्री. ) महाशक्तिमती लता ।

श्रीधर, ( पुं. ) श्रीविष्णु का एक प्रधान चिह्न जो सदा मधु-रसल में लक्ष्मी निवास का सूचक है । जैनियों का मकरा । रामा का निम्न पुत्र ।

श्रीधराह, ( पुं. ) विष्णु के दशावतारों में से एक ।

श्रीधर, ( पुं. ) लक्ष्मण का रथ । राम । विष्णु ।

श्रीविद्या, ( स्त्री. ) विद्यावन्दी ।

श्रीध, ( पुं. ) विष्णु । लक्ष्मीधर ।

ध्र, ( कि. ) सुनना ।

धृत, ( न. ) सुना जाता है । शास्त्र । ( वि. )

समम्ना हुआ ।

धृतकीर्ति, ( स्त्री. ) शत्रुघ्न की स्त्री । ( पुं. )

निसक विख्यात यरा हो । परास्ती ।

धृतदेवी, ( स्त्री. ) सरस्वती ।

धृतबोध, ( पुं. ) छन्द शास्त्र का मन्व विशेष ।

धृतश्रवम्, ( पुं. ) शिशुपाल का पिता ।

धृति, ( स्त्री. ) कान । वेद । सुनी बात । कहानी ।

धृतिकटु, ( पुं. ) बानों में कटुषा लगने वाला वचन । धोरहना । गाली मज्जीम । काव्य का एक दोष ।

धृतिजीविका, ( स्त्री. ) स्मृति । धर्म-शास्त्र ।

धृतिधर, ( वि. ) जो सुनने ही से सब समझ लेता है । जो वेद को मानता है । विशेष वेद कण्ठस्थ है । वेदज्ञ । वेदधारी ।

धृतिमूल, ( न. ) वेद । वेदविहित धर्म । कर्णमूल रोग ।

धृतिवर्जित, ( वि. ) बहुरा । बीता । वेद का पाठ न करने वाला । वेद का अनभि-कारी ।

धृतिवेध, ( पुं. ) कनकेश्वर संस्कार ।

धृत्यनुप्रास, ( पुं. ) शब्दालङ्कार ।

धृत्युक्त, ( वि. ) वेदविहित धर्म ।

धृत्वा, } ( स्त्री. ) यज्ञोपवीत विशेष । महा  
धृत्या, } का हाथ ।

धृष्टी, ( स्त्री. ) गणित शास्त्र का प्रकार विशेष ।

धृष्टि, } ( स्त्री. ) विद्वद्विहित मति ।

धृष्टी, }  
धृष्ट, ( न. ) बहुत साहजने योग्य । धर्म । मोक्ष । शुभ । ( वि. ) बहुत अच्छा ।

धृष्ट, ( पुं. ) बहुत अच्छा । कुंभ । रामा । नाकण्य । विष्णु । ( न. ) गी का रूप ।

( वि. ) हर्षोत्तम ।









- पु, ( कि. ) बहारें अपना प्रस्ताव करना ।  
 पुष्पै, ( कि. ) बेरा दे लेना ।  
 पुष्प, ( कि. ) शिराना ।  
 पुष्पा, ( कि. ) ठहरना ।  
 पुष्पि, ( कि. ) पूकना ।  
 पुष्पल, ( वि. ) पूका गया । बपन किया गया ।  
 पुष्पा, ( कि. ) स्नान करना । साक करना ।  
 पुष्पि, ( कि. ) प्यार करना ।  
 पुष्पि, ( कि. ) पुस्तकुराना ।  
 पुष्प, ( कि. ) प्यार करना । चांटना ।  
 पुष्प, ( कि. ) गले लगाना ।  
 पुष्प, ( कि. ) सोना ।  
 पुष्प, ( कि. ) स्नान करना ।

## स

- स, ( पुं. ) सर्प । पवन । पथी । पद्म । शिव । विष्णु । जब यह किसी शब्द के पहले लगाया जाता है, तब उस शब्द का अर्थ सम, तुल्य, सह, सरा का अर्थ नतलाता है । यथा—सपुत्र, सभार्य, सतृण्य, सधन, सरोप, सकोप आदि ।  
 संक्षेप, ( पुं. ) थोड़े में ।  
 संक्षोभ, ( पुं. ) क्षोभ । पनराइट ।  
 संग्राहिन्, ( पुं. ) कुटज नाम का पेड़ । एकत्र करने वाला ।  
 संघ, ( पुं. ) बहुत से जीव । पका मेल ।  
 संघर्ष, ( पुं. ) परस्पर की रगड़ । टकर । लड़ाई ।  
 संज्ञ, ( न. ) गन्ध द्रव्य विशेष । चेतना, बुद्धि, आत्मा, हाथ आदि से अपने भाव को प्रकट करना ।  
 संज्ञा, ( स्त्री. ) गायत्री । सूर्योपनी ।  
 संज्ञापन, ( न. ) मारण । जनलाना ।  
 संज्ञानुत्, ( पुं. ) शक्तिश्वर ।  
 संज्ञ, ( वि. ) घुटने टेके हुए ।  
 संज्ञपर, ( पुं. ) भाग से उत्पन्न हुई गर्मी ।  
 संमर्द, ( पुं. ) आपस की रगड़ ।

- संयत, ( वि. ) बंधा हुआ । शान्त । नियम से बंधा हुआ । शिप । इष्ट । पाला हुआ ।  
 संयम्न, ( वि. ) नियन्ता । नियम पर बंधा वाला ।  
 संयम, ( पुं. ) इन्द्रियनिग्रह । मन के परिश्रम से किये जाने वाले कर्म ।  
 संयमन, ( स्त्री. ) यमकी नगरी ।  
 संयमिन्, ( पुं. ) पुनि विशेष । ( वि. ) इन्द्रियों को रोकनेवाला ।  
 संयाघ, ( पुं. ) हल्ला । मोहनभोग ।  
 संयुज, ( वि. ) समुक्त । बसा हुआ ।  
 संयुग, ( न. ) युद्ध । लड़ाई । जड़ ।  
 संयुत, ( वि. ) समुक्त । मिठा हुआ ।  
 संयोग, ( पुं. ) मेल ।  
 संयोजित, ( वि. ) मिटाया हुआ । मिठा हुआ ।  
 संयम्न, ( पुं. ) कोप । निन्दा । उल्लाह । वेग ।  
 संराघन, ( न. ) अन्धे प्रशार होवना ।  
 संराघ, ( पुं. ) शब्द । आवाज ।  
 संरुद्ध, ( वि. ) श्रद्धा । अङ्कुरित । जमा हुआ ।  
 संरोध, ( पुं. ) रोकना । केंकना ।  
 संलग्न, ( वि. ) लगा हुआ । सदा हुआ ।  
 संलप, ( पुं. ) एकान्त में बातचीत ।  
 संवत्सर, ( पुं. ) वत्सर । बरिस । साल ।  
 संवत्, ( अव्य. ) विक्रमादित्य के राज्य से चला सका ।  
 संवर्त, ( पुं. ) प्रलयकाल । धर्मशास्त्र-प्रयोगे पुनि विशेष । मेघ । मेघराज । प्रलय के समय बरसने वाला मेघ । नैसीही भाग । वैसाही वायु ।  
 संवर्तक, ( न. ) बधदेव का हथ । ( पुं. ) बाधकाल ।  
 संवर्तिका, ( स्त्री. ) दीप की लाट । नया पता ।  
 संवर्तक, ( वि. ) बधने हाथ ।  
 संवलित, ( वि. ) मिठा हुआ ।

संघ

संघस्य, (पुं.) ग्राम । बुधिया ।  
 संवह, (पुं.) सघरायु में से एक ।  
 संघार, (पुं.) बघारायुस्यभी वष  
 प्रयत्न । विधाना ।  
 संघास्य, (पुं.) घर । निवासस्थान ।  
 संघाह, (पुं.) अश्वों को दारन वाला । चारी  
 करने वाला ।  
 संघाहन, (न.) भार उठाना । अश्वों को  
 दारना ।  
 संघिन्, (वि.) उद्भिन् । बघराया हुआ ।  
 संघिन्ति, (स्त्री.) सम्यक् प्रतिपत्ति । बुद्धि ।  
 स्वीकृति ।  
 संघिन्, (स्त्री.) जान । प्रतिपत्ति । सम्यधि ।  
 नाम । आचार । सङ्केत । लघार ।  
 प्रसन्नता । प्रतिज्ञा ।  
 संघिदा, (स्त्री.) सिद्धि । योग । उत्तम  
 अवयव । भेद हाव ।  
 संघिद्वयतिप्रम, (पुं.) प्रतिज्ञा भद्र के  
 कारण उत्तम विवाद ।  
 संघिवित, (वि.) अङ्गीकृत । धर्मकी तरह  
 समझा ।  
 संघिधान, (न.) उपाय । रचना । कार्य ।  
 संघीक्षण, (न.) लोचना । भली भाँति  
 देखना ।  
 संघीत, (वि.) रचा हुआ । बका हुआ । मिला  
 हुआ ।  
 संघुत, (वि.) रचा हुआ । मिला हुआ ।  
 संघेग, (पुं.) पूरा वेग । धारण ।  
 संघेद, (पुं.) उत्तम स्वार ।  
 संघेश, (पुं.) जीव ।  
 संघेश्य, (न.) रक्षिणी वा । योग ।  
 संघ्याम, (न.) चार या उपर से कीड़ी  
 का बक । इराडा । ईर्ष्या ।  
 संघासक, (पुं.) सघरायु के प्रतिस्पर्धीक  
 करने की वता से न लाने वाला है जिस  
 वर पुंश्व ।  
 संघाय, (पुं.) सदेह ।

संशयस्य, (वि.) सहाययुक्त ।  
 संशयात्मन्, (पुं.) सदेह करने वाला ।  
 राक्षी ।  
 संशयालु, (वि.) राक्षी । मिले मया सदेह  
 बना रहे ।  
 संशयित्, (वि.) सदेह करने वाला ।  
 संशरण, (न.) जिस में अधिक नारा हो ।  
 आक्रमण । युद्धात्म ।  
 संशित, (वि.) निर्वोध किया हुआ ।  
 संशितप्रम, (वि.) अपने मन वा निय  
 को भली भाँति पूरा करने वाला ।  
 संशुद्धि, (स्त्री.) भोग प्रसार की पूर्ण रक्षा ।  
 संश्याम, (वि.) शीत आदि से सिद्ध हुआ ।  
 संशय, (पुं.) आसरा । निश्चयान् ।  
 संशय, (पुं.) अङ्गीकार ।  
 संश्रुत, (वि.) अङ्गीकृत ।  
 संश्लिष्ट, (वि.) मिला हुआ ।  
 संश्लेष, (पुं.) मेल ।  
 संश्लेष, (वि.) मिला हुआ । अति नि  
 संसद्, (स्त्री.) लम्बा । कर्मणी ।  
 संस्तरण, (न.) बहाव । समन ।  
 आक्रमण । युद्धात्म ।  
 संस्तरा, (पुं.) मेल । लक्षण ।  
 संस्तराभाष, (पुं.) अतमेन  
 न होना ।  
 संस्वार, (पुं.) विरव । दुःखि ।  
 संस्वारमार्ग, (पुं.) संशुद्धि ।  
 रत्न । मण्ड ।  
 संस्वारिन् (वि.) संस्वार ।  
 संसिद्ध (वि.) मन्त्र अति ब  
 संसृति, (स्त्री.) लक्षण । देव  
 संसृष्ट, (पुं.) मिला हुआ । ल  
 लक्षण । रचा किया हुआ ।  
 संसृष्टिन्, (पुं.) लक्षण  
 प्रदं वन्द ।  
 संसर्प, (वि.) लक्षण । वन्द

**संसेक,** ( पु. ) विवकाय । सीपना ।  
**संस्मृ,** ( कि. ) समाना । विस्मयना । सहाय  
 करना ।  
**संस्कर्तुं,** ( पु. ) रमोर् वास । कर्ताश । दीया  
 देने वाला । निषेक से अन्येष्टि पर्यन्त  
 सोलह संस्कार करने वाला । शुद्धि करने  
 वाला ।  
**संस्कार,** ( पु. ) धर्म, रसोर्, पात्रशुद्धि,  
 धनशुद्धि आदि किसी तरह की शुद्धि,  
 जैसे मलादि शुद्धि, धातु आदि शुद्धि ।  
 शुक्ति-रमृति आदि का अनुभवजन्य  
 आत्मा का गुण । शास्त्र से उत्पन्न ज्ञान ।  
 योग्यता । म्याकरण आदि से शुद्ध शब्द ।  
 देववाणी । म्याकरण द्वारा शब्दों की  
 साधनिका । यज्ञादि कर्मों में भूमि आदि  
 की शुद्धि के लिये किये जाने वाले कर्म ।  
 निषेक, गर्भोधानादि सोलह संस्कार । वैष्णवी  
 दीक्षा सम्बन्धी पञ्च संस्कार इत्यादि ।  
**संस्कृत,** ( वि. ) साफ किया हुआ । रोषित ।  
 सिद्ध किया । सजाया ।  
**संस्तर,** ( पु. ) पत्ते फूल आदि से बनी या  
 कुरा कास आदि की आरतनी । शम्पा ।  
 सेज । विस्तार ।  
**संस्तव,** ( पु. ) भली भाँति प्रशंसा करना ।  
**संस्तयाय,** ( पु. ) डेर । पकोस । विस्तार ।  
 फैलाव । गृह ।  
**संस्थ,** ( वि. ) मृत । पालन । व्यक्त । ( पुं. )  
 रहने वाला । पकोसी । स्वदेरी मार ।  
 जगृत । भेदिया ।  
**संस्थान,** ( न. ) डेर । समूह । पद । रूप ।  
 बनावट । चौराहा । मृत्यु ।  
**संस्थापन,** ( न. ) एकत्रीकरण । पुमान् ।  
**संस्थापित,** ( वि. ) एकत्र किया हुआ ।  
 नियत किया गया ।  
**संस्थित,** ( वि. ) मृत । उदराराय हुआ ।  
**संस्पृष्ट,** ( कि. ) छूना । पानी छिड़कना ।  
 विद्याना ।

**संस्पृष्ट,** ( वि. ) लुभा हुआ । निगा हुआ ।  
**संस्फल,** ( पुं. ) मेदा । वादप ।  
**संस्फुट,** ( वि. ) निगा हुआ । उड़नीन ।  
**संस्फोट,** } ( पुं. ) पुट । लघा ।  
**संस्फोट,** }  
**संस्फोटि,** }  
**संस्मृ,** ( कि. ) स्मरण करना ।  
**संस्मृति,** ( की. ) स्मरण । वाददारप ।  
**संस्त्रय,** } ( पु. ) टपका । बहाव । धार ।  
**संस्त्राय,** }  
**संहन,** ( कि. ) दो को एक करना । डेर लगाना  
 मार बालना । चोट लगाना ।  
**संहत,** ( वि. ) चोटिल । बंद । दस-  
 पूर्णक उठा हुआ । एकत्र हुआ ।  
**संहति,** ( की. ) समूह । भली प्रकार चोट  
 लगाना ।  
**संहनन,** ( न. ) रटना । शरीर । वप । भौं  
 की रगड़न । बल ।  
**संहर्ष,** ( पु. ) भानन्द । वापु ।  
**संहार,** ( पु. ) प्रलय । नारा ।  
**संहिता,** ( की. ) पुराण । इतिहास । वेद  
 का वह भाग जिसमें कर्मकारण का  
 प्रतिपादन किया गया है ।  
**संहति,** ( की. ) बनेको द्वारा प्राप्त ।  
**संहादिन्,** ( वि. ) शब्द करने वाला ।  
**सकर्ण,** ( वि. ) सुनने वाला ।  
**सकर्मक,** ( वि. ) कर्म वाली क्रियाओं को  
 बतलाने वाला व्याकरण का भाग ।  
**सकल,** ( वि. ) सम्पूर्ण । समूचा ।  
**सकारण,** ( वि. ) कार्यसहित । कार्य ।  
**सकाश,** ( पु. ) समीप । पास ।  
**सकुल्य,** ( वि. ) जात मार । संगीत ।  
**सकृत्,** ( धन्य. ) एक बार ।  
**सकृत्प्रज,** ( पुं. ) काक ।  
**सकृत्फला,** } ( की. ) जिसमें एकरी बार  
**सकृत्फली,** } फल हो । केले का पेड़ । जो  
 एकरी बार जने । सिदिनी ।  
**सक,** ( वि. ) लगा हुआ । व्यसक्त ।

सङ्ग, ( पुं. ) सत । सनुषा ।  
 सङ्गधि, ( न. ) ऊर । शशी का अङ्ग ।  
 सखि, ( वि. ) समान प्रेम करने वाला ।  
 सखी, ( स्त्री. ) सहोदरी ।  
 सख्य, ( न. ) मैत्री ।  
 सखर, ( पुं. ) मूर्देवरातीय एक राजा । ( वि. )  
 विष वाला ।  
 सखर्म, ( पुं. ) सहोदर भाई ।  
 सखोज, ( न. ) एक गोत्र वाला ।  
 सखि, ( स्त्री. ) सह भोजन ।  
 सङ्कट, ( वि. ) पीडा । विपत्ति । क्षोभ  
 स्थान ।  
 सङ्कट, ( पुं. ) रोगला ।  
 सङ्कपेण, ( पुं. ) बलदेव । भारी विधाव ।  
 सङ्कलन, ( न. ) संग्रहण । संग्रह ।  
 सङ्कल्प, ( पुं. ) दृढ विचार । निरूपण ।  
 सङ्कल्पजन्मन्, ( पुं. ) कापदेव ।  
 सङ्कल्पयोनि, ( पुं. ) कापदेव ।  
 सङ्कसुक, ( वि. ) मन्त्र । मूर्त्त । दुर्जन ।  
 सङ्काश, ( वि. ) सट्टा । समान ।  
 सङ्कीर्ण, ( वि. ) शिथिल हुआ । ( पुं. )  
 रोगला ।  
 सङ्कचित, ( वि. ) शिथिल हुआ ।  
 सङ्कत, ( पुं. ) एवना । शरण । मैत्री से  
 मिलने का प्रथम स्थान ।  
 सङ्कृति, ( वि. ) सङ्कृत किया हुआ ।  
 सङ्कोच, ( पुं. ) संघन । शिथिलना । मजली ।  
 ( न. ) केसर ।  
 संकम्पन, ( पुं. ) हल ।  
 संकामय, ( न. ) संकामि । आना । बीच में  
 आना । लौच आना । पूर्व जब एक राशि  
 से दूसरी राशि पर आता है तब इसे  
 संकामय कहते हैं ।  
 संक्रामित, ( स्त्री. ) मैल । एक स्थान से  
 दूसरे स्थान पर गमन ।  
 संक्य, ( न. ) दुष्ट । लक्ष्मी । विधात ।  
 बुद्धि ।

संख्यात, ( वि. ) गिना हुआ । प्रसिद्ध ।  
 संख्यायत्, ( पुं. ) परिष्कृत । ( वि. ) गिनती  
 करने वाला ।  
 संक्षेप्य, ( वि. ) गिनने योग्य ।  
 सङ्ग, ( पुं. ) संवत् । ( वि. ) गिना हुआ ।  
 सङ्गत, ( न. ) मैत्री ।  
 सङ्गति, ( स्त्री. ) सह्य । मैल । समा ।  
 परिषद । अथानक बट्टा । ज्ञान । विशेष  
 ज्ञान के लिये पूछना ।  
 सङ्गम, ( पुं. ) मैल । मैथुन । नद अथवा  
 नदियों के परस्पर मिलने का स्थान ।  
 सङ्कर, ( पुं. ) आपत्ति । पुत्र । प्रणिष्ठा ।  
 विष । शमी वृक्ष ।  
 सङ्कष, ( पुं. ) मात-काम के बाद का तीन  
 घण्टे समय ।  
 सङ्किन्, ( वि. ) सापी । भोगी ।  
 सङ्गीत, ( न. ) नाच । गान । बजावा ।  
 गीत ।  
 सङ्गीर्ण, ( वि. ) माना हुआ ।  
 संग्रह, ( पुं. ) सभ्य । संघन । बहुत बड़े  
 वाले विषय को बँटें में लिखना ।  
 संग्रहणी, ( स्त्री. ) रोग विशेष ।  
 संग्राम, ( पुं. ) लड़ाई ।  
 संग्रामपट्ट, ( पुं. ) रथपट । बरक बग्गा ।  
 संग्रामिन्, ( पुं. ) हृत्न हुआ । ( वि. )  
 जोरने वाला ।  
 सङ्ग, ( पुं. ) एक जगति वालों का मैल ।  
 समुद्र ।  
 सङ्कट, ( पुं. ) आपत्त की लक्षण अथवा  
 हठन । अथ । परिष्कृत ।  
 सङ्कपे, ( पुं. ) पीतना । अथवा दूरे दृष्टान्त ।  
 शब्दों ।  
 सङ्कराम्, ( पञ्च. ) बहुत का एकत्र होना ।  
 सङ्कात, ( पुं. ) समुद्र । एक मत्स्य  
 सखि, ( स्त्री. ) शरण  
 सखी, ( स्त्री. ) शरण  
 सखि, ( पुं. ) मनी । आना । शरण





सदानन्द, (पुं.) शिव । (त्रि.) निरन्तर  
धानन्द वाला ।

सदानन्द, (पुं.) सदा नाचने वाला ।

सदानीरा, (स्त्री.) कर्तोया नदी ।

सदाशिव, (पुं.) महादेव ।

सदुत्तर, (न.) प्रतिज्ञापत्र के श्रुतार  
उत्तर ।

सदृश, (त्रि.) तुल्यरूप । बराबर ।

सदेश, (पुं.) देश के साथ । निकट ।  
(त्रि.) देश वाला ।

सदेतु, (पुं.) अश्व्या देतुः

सद्भाव, (पुं.) साधुभाव । अश्व्या भाव ।

सद्भूत, (त्रि.) यथार्थ । ठीक ।

सद्गन्, (न.) घर । जल ।

सद्यःकृत, (त्रि.) अद्यपि किया हुआ ।

सद्यःप्राणकर, (त्रि.) अद्यपि प्राण करने  
वाला ।

“सद्योमांसं नवं चामं बाला स्त्री धीरभोजनम् ।

वृत्तपुण्योदकस्नानं सद्यः प्राणकरायि पद् ॥”

सद्यःप्राणहर, (त्रि.) अद्यपि प्राण हरने  
वाला ।

“शुभ मासं श्रिया वृद्धा बालार्कस्तत्रय दधि ।

प्रभाते मैथुन निद्रा सद्यः प्राणहरायि पद् ॥”

सद्यःशौच, (न.) तत्काल होनेवाली शुद्धि ।

सद्योजात, (पुं.) दुरन्त पैदा हुआ ।  
बलका । शिवजी की एक मूर्ति । वैद्यक में  
एक रस ।

सद्बृत्त, (न.) अश्वे रथभाव वाला ।  
अश्व्या समाचार ।

सद्बृत्ति, (स्त्री.) उत्तम चरित्र । उत्तम  
व्यवस्थान वाला ग्रन्थ । अश्वी जीविका ।

(त्रि.) अश्वी जीविका वाला । अश्वी  
वालचपन वाला ।

सधर्मन्, (त्रि.) सदा । बराबर ।

सधर्मचारिणी, (स्त्री.) भार्या ।

सधर्मिन्, (त्रि.) पत्नी ।

सधया, (स्त्री.) सौभाग्यवती स्त्री ।

सधयघ, (त्रि.) सदा । साथ निरते  
वाला ।

सनक, (पुं.) एक मुनि ।

सनत्, (पुं.) एक मुनि । (त्रि.) धानन्द  
वाला ।

सनरकुमार, (पुं.) ब्रह्मपुत्र । एक मुनि ।

सनसूत्र, (न.) मणली पकड़ने का सूत का  
बना जाल ।

सना, (अश्व.) सदैव ।

सनासन, (त्रि.) सदा होने वाला । (पुं.)  
शिव । ब्रह्मा । स्वर्गीय मनुष्य । विष्णु ।

सनाभि, (पुं.) जाति भाई । (त्रि.) शीघ्र  
वाला । स्नेहयुक्त । कुटुम्बी ।

सनामक, (पुं.) शोभाजन का रेश ।

सनिष्ठीव, (न.) शूक के साथ ।

सनिष्ठेव, (न.) शूक के साथ ।

सनीड, (त्रि.) समीप रहनेवाला । घोंसले  
वाला । मिल वाला ।

सन्तत, (पुं.) सतत । लगातार । (त्रि.)  
फैला हुआ ।

सन्तति, (स्त्री.) गोत्र । नाम । पुत्र ।  
कन्या । फैलाव । पक्ति । अविच्छिन्न धारा

सन्तप्त, (त्रि.) पका हुआ । तपा हुआ ।

सन्तमस, (न.) अंधेरा । मोह ।

सन्तान, (पुं.) वंश । अपत्य । कुटुम्ब ।  
विस्तार । कल्पवृक्ष ।

सन्तानिका, (स्त्री.) मंलारी । सोयां ।  
केन । छुरी का फल ।

सन्ताप, (पुं.) बधि से उत्पन्न ऊष्मा ।

सन्तापन, (पुं.) कामदेव के पांच शरों में  
से एक । (त्रि.) सन्ताप करने वाला ।

सन्तोप, (पुं.) शैथिल्य । हौसला । स्वास्थ्य ।

सन्दंश, (पुं.) सर्वोत्ती ।

सन्दंशपतित, (पुं.) मीमांसा का एक  
न्याय विरोध ।

सन्दर्भ, (पुं.) रचना । प्रबन्ध । सारवचन ।  
भेदना ।

सम्प्राप्त, ( न. ) संपन्न । अन्वये प्रकार होना ।  
 अन्वये प्रकार दान करना । ( पु. ) हाथी के  
 पुत्रों के नाँव का भाग ।  
 सम्प्रानिनी, ( स्त्री. ) गोपूह । गोशाला ।  
 सम्प्राय, ( पुं. ) भागना ।  
 सम्प्राह, ( पु. ) पूरी करना ।  
 सम्प्रिन्ध, ( वि. ) सन्देशक ।  
 सम्प्रित, ( वि. ) बद्ध ।  
 सम्प्रिष्ट, ( न. ) सदेश ।  
 सम्प्रिद्धान, ( वि. ) सदेश वाला ।  
 सम्प्री, ( स्त्री. ) साठ । चारपाई ।  
 सम्प्रेराह, ( पु. ) सदेशाहारक ।  
 सम्प्रेह, ( पु. ) संराव ।  
 सम्प्रेह, ( पु. ) समूह । भली प्रकार इतना ।  
 सम्प्राध, ( पुं. ) भागना ।  
 सम्प्या, ( स्त्री. ) विपत्ति । प्रतिज्ञा । मेल ।  
 मदिता निकलना । सोन ।  
 सम्प्यान, ( न. ) अनुसन्धान । मेल । गी  
 बाँधने की शाखा ।  
 सम्पि, ( पुं. ) समोग । जोड़ । ऐंसा । छरक ।  
 नाटक का एक अङ्ग । व्याकरण में दो बर्णों  
 के एक होने से उत्पन्न बर्णविचार ।  
 सम्पिचौर, ( पु. ) सेन्ध कोड़ कर बोटी  
 करने वाला और ।  
 सम्पिचन, ( वि. ) मिला हुआ ।  
 सम्पिचनी, ( स्त्री. ) बैल के संयोग से गर्म-  
 धारिणी गी ।  
 सम्पिचूजा, ( स्त्री. ) आशियन की शुक्रा  
 घटनी और नवमी की सन्धि की पूजा ।  
 सम्पिचन्ध, ( पु. ) धूमिचन्धक । इनकी लाने  
 से हूयी हुई हड्डी का जोड़ भी मिल  
 जाता है ।  
 सम्पिचिप्रदाधिकारिन्, ( पुं. ) पत्नी, भित्ते  
 राजा की और से मेल अथवा युद्ध करने  
 की अधिकार प्राप्त होयका है ।  
 सम्पिचला, ( स्त्री. ) सम्प्या का समक ।  
 काम-सवता ।

सन्धिहारक, ( पु. ) छत्र से छत्र के धन  
 को लेजाने वाला ।  
 सम्पुक्षित, ( वि. ) मक्काया गया ।  
 प्रकाशित ।  
 सम्पेय, ( वि. ) मिलाने योग्य ।  
 सम्प्या, ( स्त्री. ) दिन और रात के मिलने  
 का समय । अधिकाल । सम्प्याकाल का  
 कर्म । देशता । एक नदी । ब्रह्मा ।  
 एक स्त्री ।  
 सम्प्यानटिन्, ( पु. ) शिव । शत्रु ।  
 सम्प्याध, ( न. ) सुनयें । गेरू । लौक  
 का नादल ।  
 सम्प्याराम, ( न. ) सिन्धु । सेंद्र ।  
 सम्प्याराम, ( पुं. ) ब्रह्मा ।  
 सम्प्य, ( पु. ) विद्याल का वेद । ( वि. )  
 अथसप्त । बाना ।  
 सम्प्यत, ( वि. ) झुका हुआ ।  
 सम्प्यज, ( वि. ) अक्षधारी । तैयार । उत्पन्न  
 हुआ ।  
 सम्प्यय, ( पुं. ) समूह । बहुवला ।  
 सम्प्यहन, ( न. ) उद्योग । सिम्पड । पूरा  
 बन्धन ।  
 सम्प्याह, ( पु. ) काच ।  
 सम्प्यिकर्ष, ( पुं. ) सामीप्य । निच और  
 शिष्य का आगम । उपाय विशेष ।  
 सम्प्यिकर्षण, ( न. ) सम्पिधन ।  
 सम्प्यिधि, ( पुं. ) सामीप्य ।  
 सम्प्यितित, ( वि. ) मलगया । मिला हुआ ।  
 उपरिष्ठ ।  
 सम्प्यिपाल, ( पु. ) नीचे मिलना । इकट्ठा  
 होना । उठाना । मिडना । समूह । स्वर  
 विशेष । नारा । उपरिधिति । हाल विशेष ।  
 सम्प्यिबंधन, ( न. ) कई स्थलों में निरंतर हुए  
 बांधों को एकत्र करना तथा समुपयोगी  
 भाष । ( वि. ) अन्धी आन-निष्ठा  
 कला ।  
 सम्प्यिम, ( वि. ) दृष्ट । स्थान ।



साभिवेश, ( पुं. ) नगर के बाहिर का भाग ।  
भराहा । सम्पत् स्थिति ।

साभिहित, ( वि. ) निकटस्थ । समीप उह्रा  
हुआ ।

संन्यस्त, ( वि. ) बासा गया । अग्ने प्रहार  
न्याग गया । उह्रा हुआ । धरित ।  
ब्रौहा गया ।

संन्यास, ( पुं. ) त्याग । शीघ्र आश्रम ।  
संन्यासिन, ( पुं. ) संन्यासी । शीघ्र आश्रम  
गया ।

सन्नाह, ( वि. ) जाने पछ वाले ।  
सन्नाहकरण, ( न. ) तीर के भाग की पीडा ।  
( वि. ) पीडित किया गया ।

सन्नाह, ( पुं. ) शत्रु । वैरी ।  
सन्नाह, ( स्त्री. ) शीत ।

सन्नाह, ( अन्. ) न उठ । उभी समय ।  
सन्नाह, ( वि. ) दूना करना ।

सन्नाह, ( स्त्री. ) पूजा । आदर ।  
सन्नाह, ( स्त्री. ) अनुप्रास मन्त्रि । मया ।

सन्नाह, ( वि. ) मन्त्रि नागा । विषय सम्बन्धी ।  
सन्नाह, ( न. ) विनाया गया ।

सन्नाह, ( वि. ) मन्त्रि नागा । विषय सम्बन्धी ।  
सन्नाह, ( न. ) विनाया गया ।

सन्नाह, ( वि. ) मन्त्रि नागा । विषय सम्बन्धी ।  
सन्नाह, ( न. ) विनाया गया ।

सन्नाह, ( वि. ) मन्त्रि नागा । विषय सम्बन्धी ।  
सन्नाह, ( न. ) विनाया गया ।

सन्नाह, ( वि. ) मन्त्रि नागा । विषय सम्बन्धी ।  
सन्नाह, ( न. ) विनाया गया ।

सन्नाह, ( वि. ) मन्त्रि नागा । विषय सम्बन्धी ।  
सन्नाह, ( न. ) विनाया गया ।

सन्नाह, ( वि. ) मन्त्रि नागा । विषय सम्बन्धी ।  
सन्नाह, ( न. ) विनाया गया ।

सन्नाह, ( वि. ) मन्त्रि नागा । विषय सम्बन्धी ।  
सन्नाह, ( न. ) विनाया गया ।

सप्तदश, ( वि. ) १७ वीं सत्या ।  
सप्तद्वीपा, ( स्त्री. ) पृथिवी ।

सप्तधा, ( अन्. ) सात प्रकार ।  
सप्तधातु, ( पुं. ) रत, मात, वेद, वीर,  
मग्ना, शुक्र, अन्न ।

सप्तन, ( पुं. ) सात ।  
सप्तपद्मी, ( स्त्री. ) भीर । सात के  
समय की भी के सात बहसाम की  
सात परिकमा । भीन का प्रत्यय करने ।

सप्तपर्ण, ( पुं. ) सातों का पक्ष ।  
सप्तपाताल, ( न. ) आग आदि पृथिवी के  
नीचे के लोक ।

सप्तप्रकृति, ( स्त्री. ) सप्त की महान्त  
आदि सात प्रकृति । सात स्वभाव ।

सप्तम, ( वि. ) सातवा ।  
सप्तमि, ( पुं. ) मन्त्रि, अग्नि, पुण्ड, पुण्ड, पुण्ड,  
कतु, अहिता, वशिष्ठ, सात अग्नि ।

सप्तमिप्रमण्डल, ( वि. ) आकाशात् अथ  
मयवत् सात अग्नि का मन्त्रों का मण्डल ।

सप्तमिणी, ( स्त्री. ) सात ती । मन्त्रों का  
पुण्ड के अन्तर्गत सात ती होने को का  
देती के सात अग्नि की जाने वाला मन्त्र ।

सप्तमिणी, ( स्त्री. ) सात ती । मन्त्रों का  
पुण्ड के अन्तर्गत सात ती होने को का  
देती के सात अग्नि की जाने वाला मन्त्र ।

सप्तमिणी, ( स्त्री. ) सात ती । मन्त्रों का  
पुण्ड के अन्तर्गत सात ती होने को का  
देती के सात अग्नि की जाने वाला मन्त्र ।

सप्तमिणी, ( स्त्री. ) सात ती । मन्त्रों का  
पुण्ड के अन्तर्गत सात ती होने को का  
देती के सात अग्नि की जाने वाला मन्त्र ।

सप्तमिणी, ( स्त्री. ) सात ती । मन्त्रों का  
पुण्ड के अन्तर्गत सात ती होने को का  
देती के सात अग्नि की जाने वाला मन्त्र ।

सप्तमिणी, ( स्त्री. ) सात ती । मन्त्रों का  
पुण्ड के अन्तर्गत सात ती होने को का  
देती के सात अग्नि की जाने वाला मन्त्र ।

सप्तमिणी, ( स्त्री. ) सात ती । मन्त्रों का  
पुण्ड के अन्तर्गत सात ती होने को का  
देती के सात अग्नि की जाने वाला मन्त्र ।

सप्तमिणी, ( स्त्री. ) सात ती । मन्त्रों का  
पुण्ड के अन्तर्गत सात ती होने को का  
देती के सात अग्नि की जाने वाला मन्त्र ।

सप्तमिणी, ( स्त्री. ) सात ती । मन्त्रों का  
पुण्ड के अन्तर्गत सात ती होने को का  
देती के सात अग्नि की जाने वाला मन्त्र ।

सप्तमिणी, ( स्त्री. ) सात ती । मन्त्रों का  
पुण्ड के अन्तर्गत सात ती होने को का  
देती के सात अग्नि की जाने वाला मन्त्र ।

सप्तमिणी, ( स्त्री. ) सात ती । मन्त्रों का  
पुण्ड के अन्तर्गत सात ती होने को का  
देती के सात अग्नि की जाने वाला मन्त्र ।

सखल, ( वि. ) सामर्थ्य वाला । सेना संहित ।  
 सखलधारिन्, ( पु. ) युद्ध भारी ।  
 सखलुका, ( स्त्री. ) एकाग्रित स्त्री ।  
 सखा, ( स्त्री. ) किसी बात को निश्चय करने  
 के लिये जमाव करके बैठने का स्थान,  
 जिसमें वृद्ध हों । परिषद, मन्वित्त मन्दि ।  
 "न सा सभा दत्त न सन्ति वृद्धाः"  
 सखाज्, ( कि. ) सेवा करना । देणना ।  
 सखाजन, ( न. ) जाने जाने के समय का  
 प्रयास प्रयत्न । भाव । भावद । पूना ।  
 सखाज् । प्रीति करना ।  
 सखासद्, ( पु. ) तथा में बैठने के अधि-  
 कारी । समय । मैमर ।  
 सखास्तार, ( पुं. ) समय । मैमर । सखासद् ।  
 सखिक, ( पु. ) कारिका ।  
 सख्य, ( पुं. ) गरी । ( वि. ) निरवासी ।  
 सख्, ( अन्य. ) भलीभाँति । बहुत ।  
 सख, ( वि. ) समान । युक्त । सात । भला ।  
 ( न. ) जोड़ । दुर्गा, बीषी और  
 छत्रपी शशिपों । सात ।  
 सखश्, ( अन्य. ) सात के सामने ।  
 सखम्, ( वि. ) सात । सात ।  
 सख्हा, ( स्त्री. ) मन्त्रि ।  
 सख्यिन्, ( वि. ) वल्लभानी ।  
 सखज्, ( न. ) वन । समृद्ध । मूलों का  
 गिरोह ।  
 सखहा, ( स्त्री. ) बीर्वा । बरा । बहाई ।  
 सख्या, ( स्त्री. ) समा । कीर्ति । गोठी ।  
 सख्यन्, ( वि. ) उचित । युक्त ।  
 सख्युशिन, ( वि. ) सर्वत्र समान भाव से  
 देखने वाला ।  
 सख्युधि, ( स्त्री. ) समान धृति ।  
 सख्यधिक, ( वि. ) आध्यात्मिक ।  
 सखन्त, ( पु. ) सीमा ।  
 सखन्ततत्, ( अन्य. ) बाँधे घोर से ।  
 सखन्तपञ्चक, ( न. ) तीर्थविशेष ।  
 सखन्तभद्र, ( पुं. ) ब्रह्मचर । ब्रह्मदेव ।

सखन्तभुञ्ज, ( पु. ) भाग ।  
 सखन्तार्, ( अन्य. ) बाँधे घोर ।  
 सखन्वित, ( वि. ) युक्त । संहित ।  
 सखयद्, ( न. ) भवस्थान विशेष ।  
 सखन्वियाहार, ( पु. ) संहित । साय ।  
 सख्ये प्रकार कहना ।  
 सखन्वियाहृत, ( वि. ) निष्ठा कुष्मा ।  
 सखिन् ।  
 सखन्वियाहार, ( पु. ) बारबार ।  
 सखम्, ( अन्य. ) एकही बार ।  
 सखय, ( पुं. ) सात । साय । साधार ।  
 सिद्धान्त । सखे । स्त्रीवृत्ति ।  
 सखया, ( अन्य. ) नेक्य । सामीप्य । पास ।  
 नीव ।  
 सखयाभ्युपित, ( पु. ) सुख और ताँसे से  
 रहित समय ।  
 सखर, ( पुं. ) युद्ध । लड़ाई ।  
 सखर्युद्ध, ( पु. ) लड़ाई के मैदान में ।  
 सखर्धन, ( न. ) सखे प्रकार भावद करना ।  
 सखर्ण, ( वि. ) मने प्रकार पीकित किया  
 गया ।  
 सखर्थ, ( वि. ) शक्तिव्यय । हितकर ।  
 सखर्धन, ( न. ) पुत्रीकरण । सिद्ध करना ।  
 प्रमाण देना ।  
 सखर्दक, ( वि. ) देवता ।  
 सखर्युद्ध, ( वि. ) मर्यादा सहित । सखे  
 आचार्य वाला ।  
 सखल, ( वि. ) बहुत भिला । खला । ( न. )  
 निष्ठा ।  
 सखयत्तार, ( पु. ) पानी में नीचे जाने की  
 सीढ़ियाँ ।  
 सखयर्निन्, ( पुं. ) यमराज । पुत्रित्त कादि  
 रागवर्धनकारी जो किसी भी और मरणाधी  
 को समान करें ।  
 सखयकार, ( पु. ) गणक विशेष ।  
 सखयध, ( पु. ) समृद्ध । मेव । म्वाव  
 दर्शन में सम्बन्ध विशेष ।

समवेत, ( वि. ) एकत्रित । मिला हुआ ।  
 समष्टि, ( स्त्री. ) सम्पूर्ण शक्ति । सम्पूर्णता ।  
 समसंग, ( व. ) संगम । मध्ये । मिलन ।  
 समस्त, ( वि. ) सत्त्व । संविद्य ।  
 समस्थली, ( स्त्री. ) इयाव । गदा और  
 यमुना के बीच की भूमि ।  
 समस्या, ( स्त्री. ) जो पूरी नहीं है अर्थात्  
 किसी पद का एक चरण बतलाकर पूरा  
 पद तयार करना । एक मूत्रेण त्रिगु के  
 आधार में शेष बात कहो जाय ।  
 समा, ( स्त्री. ) उत्तर ।  
 समांसमीना, ( स्त्री. ) प्रतिपत्त श्राने वाली  
 ती ।  
 समाकर्मिन्, ( पुं. ) बहुत दूर जाने वाला  
 गन्ध । ( वि. ) बाले प्रकार सींचने वाला ।  
 समाकुल, ( वि. ) भरपूर । बहुत उत्तेजित ।  
 प्रवृत्तता हुआ ।  
 समाकृष्, ( कि. ) निराल लेना । रतन लेना ।  
 समाख्या, ( स्त्री. ) कीर्ति । यश । प्रसिद्धि ।  
 नाय ।  
 समाख्यात, ( वि. ) गिना हुआ । पत्नी  
 प्रकार वर्णित । शोभक ।  
 समागम, ( कि. ) एक होना । मिल मि-  
 लान करना । मिथून करना । समीप आना ।  
 सीटना । घाता ।  
 समागत, ( वि. ) आया हुआ । मिला हुआ ।  
 समागता, ( स्त्री. ) एक प्रकार की पहेली ।  
 समापान, ( पुं. ) गन् । वृद्ध ।  
 समाचयन, ( न. ) जेठना । बहोला ।  
 समाचर, ( कि. ) बतना । इशारा ।  
 समाचार, ( पुं. ) समक । समसमा ।  
 बालक । आचरण । आचरण । सवद ।  
 दुःख ।  
 समाष्ट, ( व. ) समा । संख्या । ४ ।  
 ४ । ४ । ४ । ४ ।  
 समाश्रित, ( वि. ) किसी समस्त का  
 समाश्रित ।

समाज्ञा, ( कि. ) भली भाँति समझना ।  
 कीर्ति । प्रसिद्धि ।  
 समादा, ( कि. ) पाना । लेना ।  
 करना । पकड़ना । देना । लेने  
 आरम्भ करना । विचार करना ।  
 समादान, ( न. ) भरणाना । जैति  
 मिल किया विशेष ।  
 समादिश, ( कि. ) बतलाना ।  
 समादेश, ( पुं. ) शाला ।  
 समाधा, ( कि. ) एक साथ रहना । मि-  
 जोड़ना । रखना । शक्तिपक कर  
 बित्त की साधन करना । शि-  
 एराम करना । संतुष्ट करना । म-  
 करना । अलग करना ।  
 समाधि, ( न. ) मेल । जोड़ ।  
 समाधान, ( विचार । ध्यान । किसी की  
 की निवृत्ति । मनभी शांति ।  
 समाधि, ( पुं. ) ज्ये के साथ म-  
 लेना कर एक कर देना । कान्य का  
 गुण । मती । ईश्वर में एकाकर होना ।  
 समाध्यात, ( वि. ) छूक कर कुलाया ।  
 समान, ( वि. ) तुल्य । बराबर ।  
 समानोद्भूत, ( पुं. ) तर्कादि में ए-  
 क ही का उद्भिदादि । श्रीदशमी पीठी  
 समागेदक भा वृत्त होनावा है ।  
 समानोद्भूत, ( पुं. ) भाई । एक भा-  
 रतम । समान । समा ।  
 समाप, ( पुं. ) देवता के पुत्र । का अर्थ  
 समापन, ( न. ) समाप्ति । शक्ति । व-  
 र्ण । समीप विचार ।  
 समापन, ( वि. ) समाप । शप । हु-  
 थाय । परिधि । माग हुआ ।  
 समाप्त, ( वि. ) परिपूर्ण । सम्पन्न ।  
 समासा, ( पुं. ) वृत्त । समाप्ति । शक्ति ।  
 समासापन, ( ( न. ) समाप्ति ।  
 समापान, ( न. ) वृत्त । समाप्ति । शक्ति ।

समासाय, (पु.) समसस्य । पाठ । उदासी ।  
ति ।

समाय, (पु.) सादन । मेड ।

समायन, (वि.) सीमा दृष्या । सदा दृष्या ।

समायुज्ज, (कि.) मोदना । विलास ।

समायुन, (वि.) विद्या दृष्या ।

समायुन, (वि.) युवा दृष्या । विना दृष्या ।  
देवत विद्या दृष्या ।

समायोन, (पु.) मेड । सभ्य ।

समायम्, (कि.) सायम् करना ।

समायद्, (वि.) करना । सार होना ।

समायन्विभर्ता, (सं.) एव प्रकार की बात ।

समायसैन, (न.) वेद पठने के समय पर टन-  
टन बान से वृक्षों में खींची या सवार  
विशेष । खीचना । एका होना । सफल  
होना । विभी बान के अन्त पर पहुंचना ।

समायिष्ट, (वि.) मिला दृष्या । लगा दृष्या ।

समायेश, (पु.) किसी कार्य में लगना ।  
पुठना । किसी पर श्रद्धादि दृष्टिमानाओं  
या शक्ति ।

समास, (पु.) संशय । समवेद । समारार ।  
क्षी वदों की विद्या कर एक करने वाला  
संगार विशेष ।

समासक, (वि.) मिला दृष्या । समा दृष्या ।

समासक, (पु.) संशय । मेड ।

समासादित, (वि.) गया दृष्या ।

समासायो, (धी.) समया ।

समासित, (वि.) म.म । समीप ठहरा दृष्या ।

समासून, (वि.) समुद्र । एकविध सभा ।  
अथी ठहरा भाषा गया । समद ।

समासूति, (धी.) समद । संशय ।

समासूय, (पु.) बानी लताकर बुद्ध सदा ।  
अथ सीला । पुद्ध । पलावा ।

समिन्, (धी.) पुद्ध । सदा ।

समिता, (धी.) मेड का आया । (वि.) मिला दृष्या ।

समिध, (धी.) यत् क्षीय या भावनी लताका ।

समिध, (पु.) सदा । भाग ।

समिन्धन, (न.) सदा । सदा की भयुक्त ।

समीक, (न.) पुद्ध । सदा ।

समीकरण, (न.) अतम की सम करना ।  
अंतर्गत में जानना ही संज्ञा को जानने  
या प्रकिया विशेष ।

समीक्ष, (न.) पथोलोचन । पुद्धि । साय  
सदा । सम ।

समीक्षकारिन्, (वि.) यत् भीति होष  
विषय पर काम करने वाला ।

समीचीन, (वि.) साद्र । साय । ठीक ।

समीप, (वि.) मिला । पास ।

समीर, (पु.) वायु ।

समीरण, (पु.) वायु । धक्का । सदा ।

समीरिता, (धी.) कथिता । उच्चारण ।  
प्रेषण की हुई ।

समीहित, (वि.) अभाष्ट । साहा गया ।

समुचित, (वि.) उपयुक्त ।

समुचित, (वि.) एकत्र किया दृष्या ।

समुच्चर, } (पु.) अन्वे प्रकार उच्चारण  
समुच्चर, } करना ।

समुच्छेद, (पु.) विनाश । कटना ।

समुच्छ्रय, } (पु.) अनुमान । विशेष ।

समुच्छ्राय, } उच्चारण ।

समुच्छ्रित, (वि.) प्रयुक्त ।

समुच्छ्रित, (पु.) चारों ओर फैला दृष्या ।  
चारों ओर विस्तार दृष्या ।

समुच्छ्रित, (वि.) उच्चारण दृष्या ।

समुच्छ्रित, (वि.) यत् । सोडा दृष्या ।

समुच्छ्रय, (पु.) मल प्रसार उपर जाना ।

समुच्छोश, (पु.) ठूस नामी पत्ता ।

समुत्थ, (वि.) उठा दृष्या । समद उत्पन्न ।

समुत्थान, (न.) समुत्थान । उत्तोलन ।  
उठान ।

समुत्थप, (वि.) उपना । पम दृष्या ।

समुत्थाप, (पु.) उच्छ्रित ।

समुत्थिज, (वि.) अनुत्थान । अनुत्थान  
पलावा दृष्या ।

समुत्सर्ग, (पुं.) त्याग देना । पेशान करना ।  
शौच जाना ।

समुत्सुक, (त्रि.) अत्यन्त उत्कण्ठित ।

समुत्स्पृष्ट, (त्रि.) बिलकुल छोड़ा गया ।

समुत्सेध, (पुं.) बहुत बढ़ना ।

समुदय, (पुं.) सपूह । सुद । नडाव ।  
दिन । सपन ।

समुदीरण, (न.) भली भौति कहना ।

समुद्र, (पुं.) पेटी । सन्दूक ।

समुद्रम, (पुं.) उत्पत्ति । ऊपर जाना ।

समुद्रीत, (त्रि.) जोर से या बिहाकर  
गाया गया ।

समुद्रीर्ण, (त्रि.) उगला हुआ । उठाया  
हुआ । कहा हुआ ।

समुद्दिष्ट, (त्रि.) भली भौति बनलाया हुआ ।

समुद्गत, (त्रि.) अभिमानी । घमण्डी ।

समुद्गरण, (न.) उराह । वमन ।

समुद्गय, (पुं.) जन्म । उत्पत्ति ।

समुद्गत, (त्रि.) सपुनश्च । उत्पन्न हुआ ।

समुद्यत, (त्रि.) पूरे उपम वाला ।

समुद्यम, (पुं.) पूरा यत्न ।

समुद्र, (पुं.) जघनिनि ।

समुद्रकर्म, (पुं.) सपुदकेन ।

समुद्रगा, (स्त्री.) नदी ।

समुद्रचुलुक, (पुं.) तिरहों ने समुद्र को  
दृश्य में भर कर लिया । घण्टा य धुनि ।

समुद्रमेखला, (स्त्री.) त्रिमद्रे घण्टा घण्ट  
समुद्र बना ही । सुविनी ।

समुद्रपान, (न.) नहाव ।

समुद्रीय, (त्रि.) समुद्र में उपज होने

समुद्र, (पुं.) समुद्र ।

समुद्र, (पुं.) समुद्र ।

समुद्र, (पुं.) समुद्र ।

समुद्र, (पुं.) समुद्र ।

समुद्र, (पुं.) समुद्र ।

समुद्र, (पुं.) समुद्र ।

समुद्रय, (पुं.) ऊपर का किकाव । प्रारंभ  
करण ।

समुपचित, (त्रि.) बढ़ाया हुआ ।

समुपेयिचस्, (त्रि.) पात गया हुआ ।  
पहुँचा हुआ ।

समुपोद्, (त्रि.) मिल गया । वपन हुआ ।

समुल्लेख, (पुं.) पाँव से पृथिवी का सनन ।

समूढ, (त्रि.) एकत्र किया हुआ । भुक्त  
हुआ । देदा । बरा में किया हुआ ।

विशदित । शोधित । मूर्त के साथ ।

समूल, (त्रि.) जड़सहित ।

समूह, (पुं.) सपुदय । सब का सब । वपन ।

समूहनी, (स्त्री.) भाइ । पुहारी ।

समूह्य, (पुं.) यत्न की भाग ।

समूह्य, (त्रि.) बहुत बड़ा ।

समेत, (त्रि.) समागत । आया हुआ । दिग्ग  
हुआ ।

समेधित, (त्रि.) सपुदित ।

समोदक, (न.) लक्ष्मण सहित ।

सम्पत्ति, (स्त्री.) बड़ा ऐश्वर्य ।

सम्पद, (स्त्री.) विभव । दौलत ।

सम्पन्न, (त्रि.) साधित । प्रमाधित ।  
सम्पन्न वाला ।

सम्पराय, (पुं.) लभार्थ । भागदा ।

सम्परायिक, (न.) बुद्ध । लभार्थ ।

सम्पर्क, (पुं.) सम्पर्क । मेल ।

सम्पर्किन्, (त्रि.) मेल वाला ।

सम्प्रा, (स्त्री.) रिशनी ।

सम्प्राक, (पुं.) वृद्ध विराट, त्रिमद्रे मेव  
में साया हुआ भली भौति पत्र बना है ।

सम्प्राण, (पुं.) पत्नी विराट की वपन । वपने  
पत्नी विराट ।

सम्प्राणिक, (पुं.) पत्नी विराट । वपन । वपन  
वपन । वपने समुद्र पर हुआ वपनी

सप की वपनमेवा को समुद्रीत का सप  
पत्नी विराट का वपन वपनमेवा का ।

सम्पुट, (पुं.) रिशनी हुआ ।

सम्भुटक, ( पुं. ) लटक । मन्त्रज्ञा । पेदी ।  
 वृक्षा इत्यादि ।  
 सम्भुष्ये, ( वि. ) समथ । सारा ।  
 सम्भुक्त, ( वि. ) मिश्रित । मिश्रा इत्यादि ।  
 सम्भ्रति, ( अम्य. ) धन ।  
 सम्भ्रतिपात्ते, ( स्त्री. ) उत्तर विरोध ।  
 सम्भ्रदाह, ( वि. ) देने वाला ।  
 सम्भ्रदान, ( न. ) भक्षे प्रकार देना ।  
 सम्भ्रधारणा, ( स्त्री. ) निश्चय ( योग्या-  
 योग्य विचार पूर्वक ) ।  
 सम्भ्रयोग, ( पुं. ) मेल । सम्बन्ध ।  
 सम्भ्रसाह, ( पुं. ) वर्षा प्रसन्नता ।  
 सम्भ्रसाधन, ( न. ) कक्षा, मूत्री आदि  
 मूत्रय । सहायक ।  
 सम्भ्रनारण्य, ( न. ) वर्षा पेशाव ।  
 सम्भ्रदार, ( पुं. ) युद्ध । लडाई ।  
 सम्भ्राप्ति, ( स्त्री. ) भली भोगि पाना ।  
 आयुर्वेद शास्त्रज्ञान रोग की अवस्था  
 विशेष ।  
 सम्भ्रय, ( पुं. ) नियोग । आशा ।  
 सम्भ्रोक्षण, ( न. ) छिन्नकाव ।  
 सम्भ्रुल, ( वि. ) विकलित । तिला इत्यादि ।  
 सम्भ्रयद, ( पुं. ) वर्षा वर्षा इत्यादि ।  
 सम्भ्रयध, ( पुं. ) ससर्ग । मेल । म्याय ।  
 ( वि. ) समृद्ध । समर्थ । हितकर ।  
 सम्भ्रय, ( न. ) जल । बरिडों का एक मन ।  
 पुन । एक दैत्य । मृगभेद । मदनी । पर्वत ।  
 सम्भ्रयाध, ( न. ) नरक मार्ग । ( पुं. ) परस्पर  
 की रण ।  
 सम्भ्रयोधन, ( न. ) आठवीं विभक्ति ।  
 सम्भ्रयती, ( स्त्री. ) बुद्धिनी । व्यवहारिणी ।  
 सम्भ्रय, ( पुं. ) उपनि । वशा सन्देश ।  
 सम्भ्रयाधन, ( न. ) अर्थसम्पत्ती एक  
 चलदार ।  
 सम्भ्रयाधित, ( वि. ) प्रतिष्ठापाय सञ्चय,  
 निमके होने की सम्भावना हो । होतदार ।  
 सम्भ्रयाध, ( न. ) वाचनीय । शारथ्य ।

सम्भ्रम, ( वि. ) दृष्टा इत्यादि । निश्चित ।  
 सम्भ्रुति, ( स्त्री. ) निश्चय । ऐश्वर्य । उल्लासि ।  
 मूल । मेल ।  
 सम्भ्रुयसमुत्थान, ( न. ) मिलकर व्यापार  
 ( करना ) । एक प्रकार का विवाद ।  
 सम्भ्रुति, ( स्त्री. ) सम्बन्ध पोषण ।  
 सम्भ्रोग, ( पुं. ) वर्षा भोग । गृहकारण  
 की एक अवस्था ।  
 सम्भ्रम, ( पुं. ) इकट्ठी । धार । अनिश्चय ।  
 सम्भ्रति, ( स्त्री. ) अनुपति । बाह ।  
 सम्भ्रद, ( पुं. ) हर्ष ।  
 सम्भ्रदे, ( पुं. ) युद्ध । धारण की रण ।  
 सम्भ्रान, ( पुं. ) धार ।  
 सम्भ्राज्ञन, ( न. ) सरोधन ।  
 सम्भ्राज्ञनी, ( स्त्री. ) आह । पुराणी ।  
 सम्भ्रित, ( वि. ) बरानर माप वाला ।  
 सम्भ्रुय, ( वि. ) सामने वा ।  
 सम्भ्रुयान, ( वि. ) सामने आया इत्यादि ।  
 सम्भ्रुयन, ( न. ) उर्ध्व । पैलाव ।  
 अथेतनता ।  
 सम्भ्रुष्ट, ( वि. ) पीला इत्यादि । साक क्रिया  
 इत्यादि ।  
 सम्भ्रोद, ( पुं. ) हर्ष । प्रीति ।  
 सम्भ्रयचू, ( वि. ) मिला इत्यादि । मनोह ।  
 मनोहर । सख बोझने वाला ।  
 सम्भ्रय, ( पुं. ) शहराह । सपरत पृथिवी का  
 अर्थधार । राजराजेश्वर ।  
 सर्, ( न. ) बाल । सरोवर । जल । मूत्र ।  
 माटा । मरुतन । तीर । अन्तः । दमन ।  
 मरिदा विशेष ।  
 सरघा, ( स्त्री. ) मनुष्यिणी । मरिदा की  
 गारा करने वाली वस्तु ।  
 सरज, ( न. ) मरुतन ।  
 सरज्ज, ( स्त्री. ) अनुपनी स्त्री । ( वि. )  
 स्नेहनी ।  
 सरट, ( पुं. ) इकट्ठा । केंद्र ।  
 सरल, ( न. ) दमन । सेह वा मेल ।

सहपान, ( न. ) एक साथ किसी वस्तु का पान । प्रायः मद्यमान ।

सहभोजन, ( न. ) एक स्थान पर और एक साथ खान, पान ।

सहमरण, ( न. ) सहगमन । एक साथ मरना । सती होना ।

सहस्र, ( न. ) बल । ( पु. ) मार्गशीर्ष का मास ।

सहसा, ( अन्व. ) इटान् । अकस्मान् । अचानक । जबरदस्ती । एकायक । बिना सोचे-विचारे ।

सहस्य, ( पुं. ) पौष का मास ।

सहस्र, ( न. ) हजार । बहुसंख्यक ।

सहस्रकर, } ( पु. ) सूर्य ।  
सहस्रकिरण, }

सहस्रनयन, ( पुं. ) हजार नेत्र वाला । इन्द्र ।

सहस्रपत्र, ( न. ) पत्र । कमल का फूल ।

सहस्रपाद, ( पुं. ) विष्णु । कनकेश्वर ।

सहस्रभुज, ( पु. ) विष्णु । कार्तवीर्यार्जुन । नाणासुर ।

सहस्रशिखर, ( पु. ) विन्ध्यपर्वत ।

सहस्रांशु, ( पुं. ) सूर्य । आरु का पेड़ ।

सहस्राक्ष, ( पु. ) इन्द्र । विष्णु ।

सहस्रार, ( न. ) सुदूरान चक्र । शिरमें घुमुना नाडी के बीच हजार पत्र वाला कमलपुष्प ।

सहस्रिन्, ( पु. ) एक हजार सैनिकों की सेना । एक सहस्र सैनिकों का सेनापति ।

सहस्रयत्न, ( वि. ) बलवान् । दृढ़ ।

सहा, ( स्त्री. ) पृथिवी । पुष्प विशेष ।

सहाय, ( पु. ) मित्र । सहायक । अनुयायी ।

सहायता, ( स्त्री. ) मदद । सहायकों का समूह ।

सहाय, ( पु. ) धाम का पेड़ । सविदेशिक प्रणय ।

सहासन, ( न. ) एक धामन ।

साहित, ( वि. ) निजा हुआ । शिवकारी ।

साहित्य, ( वि. ) पढ़ाने वाला ।

साहिष्णु, ( वि. ) सहनशील ।

साहिष्णुता, ( स्त्री. ) दया ।

सहस्रद्वय, ( वि. ) बहुत चतुर ।

सहस्रैख, ( पु. ) विगडा हुआ अन्न ।

सहेल, ( पु. ) खिलौना ।

सहोक्ति, ( स्त्री. ) अर्थसम्बन्धी अलंकार ।

सहोत्तज, ( पुं. न. ) पर्वों की कुटिया ।

सहोद, ( पु. ) चोर जो शराई हुई वस्तु के साथ पकड़ा गया हो ।

सहोदर, ( पु. ) सगा भाई ।

सहोर, ( वि. ) धन्धा । उत्तम । ( पुं. ) सन्त । ऋषि ।

साह्य, ( न. ) साहाय्य । ( वि. ) सहाते योग्य । ( पु. ) एक पहाड़ ।

सा, ( स्त्री. ) लक्ष्मी । पार्वती ।

सांख्य, ( न. ) कपिल का रचा हुआ दर्शन शास्त्र ।

सांघातिक, ( वि. ) एकत्र करने वाला ।

सांघानिक, ( पु. ) व्यापारी । जहात या नाव का व्यापारी ।

सांयुगीन, ( वि. ) रणकुशल ।

सांघत्सरक, ( पु. ) गणक । ज्योतिषी ।

सांघादिक, ( पु. ) नैयायिक । विवाद करने वाला ।

सांघृष्टिक, ( वि. ) मायावी । विचक्षण ।

सांघयिक, ( वि. ) सन्देशयुक्त । राक्षी ।

सांसारिक, ( वि. ) दुनियावी ।

सांसिद्धिक, ( वि. ) भाभाषिक ।

सांस्थानिक, ( पु. ) सदेशरासी ।

सांहननिक, ( वि. ) शारीरिक ।

साक ( पु. न. ) साकपान । बूढ़ी ।

साकम्, ( अन्व. ) साथ ।

साकल्य, ( न. ) सम्पूर्ण । सारा । होम के लिये निश्चय धारि द्रव्य ।

साकांक्ष, ( वि. ) साधिलान ।

साकार, ( वि. ) पूर्ण वाला । आर्तुण वाला ।

साकून, ( वि. ) धर्म वाला ।

साकेत, ( न. ) मयोप्या ।  
 साक्षात्, ( अव्य. ) प्रत्यक्ष । भोटों के सामने ।  
 साक्षात्कार, ( पुं. ) प्रत्यक्ष । सामने ।  
 साक्षिन्, ( वि. ) सामने, देखने वाला ।  
 गवाहीदार ।  
 साक्ष्य, ( न. ) गवाही । साती ।  
 सागर, ( पुं. ) समुद्र । अयोध्या संख्या । मृग ।  
 सागरनामिनी, ( स्त्री. ) नदी ।  
 सागरमेखला, ( स्त्री. ) धृतिवी ।  
 सागरसलय, ( पुं. ) समुद्र किनारा पर है  
 बर्षाई बनपदेव । मोती । शंख ।  
 साग्निक, ( पुं. ) अग्निहोत्री ।  
 साङ्कर्य, ( न. ) मिथिल । गङ्गवती ।  
 साङ्ग, ( वि. ) अङ्गद्वय । पूरा पूरा ।  
 साक्षि, ( अव्य. ) उपस्थित । दिखाई दे ।  
 सात्यकि, ( पुं. ) भीष्मक का सातवि ।  
 सात्यक, ( पुं. ) बादलों का अविनाश कृष्ण  
 एक देव ।  
 सात्यत, ( पुं. ) विष्णु । बलराम । समान-  
 नदिवृत्त वैरव का पुत्र । वैष्णव । एक राक्षस ।  
 सात्यक, ( पुं. ) अजोध्या । विष्णु ।  
 साक्षिन्, ( पुं. ) सुदृढकार । दापी पर का  
 गाड़ी पर सवार । सातवि ।  
 सात्यय, ( न. ) लक्ष्मण ।  
 साधक, ( पुं. ) साधन करने वाला । शिष्य ।  
 ऐश्वर्यात्मिक ।  
 साधका, ( स्त्री. ) दुर्गा ।  
 साधन्त, ( पुं. ) मिताली ।  
 साधर्म्य, ( न. ) सादर्य । समानता । एक  
 धर्म कला ।  
 साधारण, ( वि. ) सामान्य ।  
 साधारणधर्म, ( पुं. ) सामान्य धर्म । असा-  
 क्षीयता साधनार्थक साधनविशिष्टविशेषः ।  
 समानमानस्य साधन धर्म साधारण विदुः ॥  
 साधारणश्री, ( स्त्री. ) शरी । देवता ।  
 साधारणी, ( स्त्री. ) शंख की शाला ।  
 पुत्री । बारी ।

साधित, ( वि. ) दिखाया गया । प्रमादित  
 किया हुआ । पूरा किया हुआ ।  
 साधिद्वय, ( वि. ) अविदेशवाहिन ।  
 परदेवरर ।  
 साधिष्ठ, ( वि. ) मृग पत्नी । सातु । मृग  
 पत्नी ।  
 साधिष्ठान, ( वि. ) निकट । बट्टकों में से  
 वह बनविशेष जो समुद्रा गाड़ी के  
 भीतर है ।  
 साधीयस्, ( वि. ) म्याय । मृग पत्नी ।  
 साधु, ( वि. ) व्रतम कुल में उत्पन्न हुआ ।  
 सुन्दर । मनोहर । ( पुं. ) सुनि । विन्देव ।  
 वह जन जो न तो सम्मानित होने पर प्रसन्न  
 हो, न अपमानित होने पर क्रुद्ध हो और  
 मुक्त होने पर भी जो बटोर बचन न बड़े  
 व्यापारी ।  
 साध्य, ( पुं. ) नाहू मपदेवता । विष्णव  
 आदि योगों में से इरीगर्ष योग । ( वि. )  
 प्रमादित करने योग्य । उत्तरा योग्य । मय ।  
 साध्यतापण्डेदक, ( पुं. ) मिष्ट का से  
 निगमी लक्षणा निरिषय हो ।  
 साध्यसिद्धि, ( स्त्री. ) सिद्ध होने योग्य  
 पदार्थ की सिद्धि । निष्पत्ति । असाध्य ।  
 साध्यस्त, ( न. ) धर्म । दशाष्टक ।  
 साधी, ( स्त्री. ) अविधवा स्त्री । एक मन्त्र  
 की जप का नाम । मन्त्री स्त्री ।  
 साधु, ( वि. ) प्रसन्न ।  
 सागसि, ( पुं. ) हार्प ।  
 सागिजा, }  
 सागिजा, } ( स्त्री. ) असाध्य । असाध्य ।  
 सागिनी, }  
 सागु, ( पुं. ) बर्षादिपत्र । बर्षा की  
 शरी का समस्त भाग । असाध्य । असाध्य ।  
 सागु, ( वि. ) बर्षा । असाध्य । असाध्य ।  
 सागु, ( वि. ) बर्षा । असाध्य । असाध्य ।  
 सागु, ( वि. ) बर्षा । असाध्य । असाध्य ।  
 सागु, ( वि. ) बर्षा । असाध्य । असाध्य ।



सान्तपन, (न.) एक प्रकार का विशेष व्रत । शान्ति करना । समझाना-बुझाना ।  
 सान्तर, (न.) विरला । व्यवधानमद्वित । अन्तरसहित ।  
 सान्तामिक, (वि.) फैला हुआ । बढ़ा हुआ । सन्तानसम्बन्धी । (पु.) वह काम्य जो सन्तानार्थ विवाह करना चाहेता है ।  
 सान्त्वने, (न.) कांठी पुरुष को भीठी और ठण्डी बातें कह कर अपने अनुब्रूत कर लेना । ठण्डा करना । कर्ष और धन को प्रसन्न करने वाला वचन ।  
 सान्दीपनि, (पु.) सान्दीपन छुनि की सन्तान । एक विद्वान् ब्राह्मण अवन्तिका (उज्जैन) निवासी । श्रीकृष्ण-बलराम के विवाह में इनकी शुद्धविष्णु में श्रीकृष्ण जी ने मृग हुआ पुत्र को कर सन्दीपिन दिया था ।  
 सान्द्र, (वि.) निविड । गाढ़ा । कोमल । चिकना । मन्दीर (न.) वन ।  
 सान्धियमहिक, (पु.) दीवान । किसी रिवाज का मन्त्री जिसको परराष्ट्रीय कार्य करने पड़ते हैं ।  
 सान्ध्य, (वि.) सन्ध्यामाल सम्बन्धी ।  
 सान्ध्यसम्मिलन, (न.) सायंकाल के समय मित्रों की गोष्ठा (Evening Party) ।  
 साधिर्य, (न.) पात । समीर ।  
 साधिर्यामिक, (वि.) सधिर्याम से व्यवहार ।  
 सान्ध्य, (वि.) पुरैनी । बाग दारों का ।  
 साधर्य, (पु.) लीन का देश । शत्रु ।  
 साधिर्य, (न.) कुम्भी । बिनधा विषय नक का सम्बन्ध है ।  
 सान्दीपनि, (न.) जो सान्दीपनी के उपासक हैं, सान्दीपन करने से (साधरी, विवाह) के करने से हुआ है ।

सामपौर्य, (वि.) सान् पौर्य ।  
 साफल्य, (न.) सफलता । उत्तीर्णता ।  
 साम्, (कि.) शान्त करना ।  
 सामक, (न.) सण का मूल को छोड़ कर ।  
 सामग, (पु.) सामवेद के मा ।  
 सामग्री, (स्त्री, न.) सामान ।  
 सामञ्जस्य, (न.) धीमि ।  
 सामन्, (न.) राजाओं का विशेष निमित्त वे अपने शत्रु वश में करते हैं । (स्त्री.) पत्नी ।  
 सामन्त, (पु.) शत्रु राजा । पत्नी । (वि.) पक्षी । पात का ।  
 सामयिक, (वि.) प्रयापुस्तार ।  
 सामयानि, (पु.) ब्रह्मा । चतुर्वेदी ।  
 सामर्थ्य, (न.) बल । पराक्रम । शक्ति । धन ।  
 सामाजिक, (पु.) समाजसम्बन्धी ।  
 साम्य, (न.) मैत्र । समा से सम्बन्ध ।  
 सामान्य, (वि.) साधारण । मास ।  
 सामान्यलक्षण, (न.) एक से बतलाने वाला चिह्न । (स्त्री.) पत्नी ।  
 सामान्यवनिता, (स्त्री.) साधारण मातृली धीर ।  
 सामान्या, (स्त्री.) लक्ष्मी । वैश्या ।  
 सामान्यतः, (अव्य.) साधारणतः ।  
 सामासिक, (वि.) संयुक्त । दोष ।  
 सामि, (अव्य.) साधा । अहरेती का । (स्त्री.) स्त्री का व्यवहार है ।



सान्त्वयन्, ( न. ) एक प्रकार का विंगप  
 मत । शान्ति करना । समझाना-पुझाना ।  
 सान्तर, ( न. ) बिरला । व्यवधानमहित ।  
 अन्तरमहित ।  
 सान्त्वानिक, ( वि. ) फैला हुआ । बढ़ा  
 हुआ । सन्तानसम्बन्धी । ( पु. ) वह  
 मन्त्रज्य जो मन्त्रानाथ विवाह करना चाहता है ।  
 सान्त्वयन्, ( न. ) क्रांती पुरुष को भीठी और  
 ठगड़ी बाने कह कर अपने चतुकूल कर  
 लेता । ठगड़ा करना । कर्ण और मन को  
 प्रसन्न करने वाला यज्ञ ।  
 सान्द्रीयानि, ( पु. ) सान्द्रीयन पुनि की  
 सन्तान । एक विद्वान् महात्म्य अयनिका  
 ( उद्धेन ) निवासी । श्रीकृष्ण-वत्सल के  
 विद्याश्रम जिनकी छत्रदक्षिणा में श्रीकृष्ण  
 भी ने मरा हुआ पुत्र ला कर संजीविन  
 दिया था ।  
 सान्द्र, ( वि. ) निविड । गाढ़ा । कोमल ।  
 चिकना । मनोहर ( न. ) वन ।  
 सान्धिधिप्रहिक, ( पु. ) दोवान । किष्की  
 रियासत का मन्त्री जिसकी पराधीन्य बापे  
 करने पड़ने हों ।  
 सान्ध्य, ( वि. ) सन्ध्यामाल सम्बन्धी ।  
 सान्ध्यसम्मिलन, ( न ) सार्धकाल के  
 समय मित्रों की गोष्ठी ( Evening  
 Party ) ।  
 सान्धिष्य, ( न. ) पाठ । समीप ।  
 सान्धिपानिक, ( वि. ) सन्धिपान से उपभ  
 योग ।  
 सान्ध्य, ( वि ) पुरतनी । बाप दादों का ।  
 साधक्य, ( न ) ली का बेरा । शत्रु ।  
 साधिविष्य, ( न. ) कदम्बी । दिनका विषय  
 तक का सम्बन्ध है ।  
 साधनार्थिन, ( न. ) जो साधन पदों के उपा-  
 ल्य से, साधन पदों अपने से ( साधारी,  
 विरही ) के काम से हुआ रस सम्बन्ध ।  
 साधनार्थिन, ( न. )

साधनार्थिष्य, ( वि. ) साधन पदों तक का ।  
 साफल्य, ( न. ) सफलता । मित्रि । साध ।  
 उत्तीर्णता ।  
 साम्, ( कि. ) शान्त करना । ठगड़ा करना ।  
 सामक, ( न. ) तृण का मूल धन ( ध्यान  
 को छोड़ कर ) ।  
 सामग, ( पु. ) सामवेद के गाने वाले ।  
 सामग्री, ( स्त्री. न. ) सामान । चीज । वस्तु ।  
 सामञ्जस्य, ( न. ) शौचित्य । ठीकठाक ।  
 सामन्, ( न. ) राजाओं का एक उपाय  
 विशेष जिससे वे अपने शत्रु को अपने  
 पक्ष में करते हैं । ( स्त्री. ) पशु बाने की  
 रस्ती ।  
 सामन्त, ( पु. ) बरद राजा । पशोही राजा ।  
 ( वि. ) पशोही । पास का ।  
 सामयिक, ( वि. ) प्रयाससार । समुपचित ।  
 सामयोनि, ( पु. ) ब्रह्मा । चतुर्वर्ण ।  
 सामर्थ्य, ( न. ) बल । पराक्रम । शक्ति ।  
 योग्यता । धन ।  
 सामाजिक, ( पु. ) सभासम्बन्धी । ( पु. )  
 सन्ध । मैत्र । सभा से सम्बन्ध रखने  
 वाला मनुष्य ।  
 सामान्य, ( वि. ) साधारण । मामूली ।  
 सामान्यलक्षण, ( न. ) एक से बर्ण की  
 बनलाने वाला चिह्न । ( स्त्री. ) इसी प्रकार  
 की एक निहदरक वाक्यान्वी ।  
 सामान्यवनिता, ( स्त्री. ) साधारण स्त्री ।  
 मामूली औरत ।  
 सामान्या, ( स्त्री. ) रस्ती । बंदरा । मामूली ।  
 सामान्यतः, ( ध्व. ) साधारणतः । मामूली  
 औरत ।  
 सामासिक, ( वि. ) संक्षिप्त । शेषणम् ।  
 धनेक शब्दों का एक शब्द ।  
 सामि, ( ध्व. ) भाषा । अङ्ग्रेजी का Saini  
 ( सेमी ) इसी का अन्वय है ।  
 सामिधेनी, ( स्त्री. ) वैदिक ऋषि जो यज्ञ  
 को यज्ञानि करी समय पढ़ी जाती है ।









सिद्धिकामुख, (पुं.) शत्रु ।  
 सिद्धी, (स्त्री.) कष्टकारिणी । शत्रु की स्त्री ।  
 शरीर ।  
 सिद्ध, (कि.) शीघ्रता ।  
 सिद्धता, (स्त्री.) देव । कामुखा । देवितरात ।  
 सिद्धनिल, (वि.) खेतीकी मृत्ति ।  
 सिद्धपथ, (म.पुं.) योग । बाह्य । भीत का योग । भाग का पथ ।  
 सिद्धान्त, (म.) माक कार्मल । रट्ट ।  
 सिधाम, (म.) माक कार्मल । रट्ट ।  
 सिधाय, (पुं.) पथ ।  
 सिध, (म.) कथा । चरन । छुक मई ।  
 (पुं.) सवेद वृक्ष ।  
 सिधकर, (पुं.) चक्रपा । कल ।  
 सिधपथ, (पुं.) दल । छुकपथ ।  
 सिधा, (स्त्री.) सवेद । खोली । सिधी ।  
 कडा । सवेद सिधी (पाक) ।  
 सिधापात्र, (पुं.) भीर ।  
 सिधापासा, (पुं.) बाले कपड़े कडा ।  
 पलक ।  
 सिधेतर, (पुं.) बाल वृक्ष ।  
 सिधोपल, (पुं.) लक्ष्मि । सिधोर । (म.)  
 लक्ष्मि । (स्त्री.) खोली । सिधी ।  
 सिद्ध, (म.) शिकार । (वि.) शत्रु हत्या ।  
 शत्रु । सिद्धिपथ (पुं.) चरण । चरि  
 ही । देवदेवि सिद्धि । बालेकी बालिप  
 का रोम । दल । कला । चक्र । दल सिद्धि ।  
 सिद्धदेव, (पुं.) चरण ।  
 सिद्धधाम, (पुं.) शत्रु ।  
 सिद्धपीठ, (पुं.म.) सिद्धि का स्थान ।  
 सिद्धपुत्र, (म.) कामुखापथ कीर कामुके  
 वृक्ष के एक पुत्र, जिसे कामुखा की  
 पत्नी है ।  
 सिद्धविद्या, (स्त्री.) शत्रु की वृक्ष चक्र-  
 माला ।  
 सिद्ध, (म.) शत्रु ।

सिद्धा, (स्त्री.) बसोविष की एक यैदिनी  
 दशा का नाम ।  
 सिद्धान्त, (पुं.) मत् । वाक्य समूह विद्या ।  
 सिद्धाथक, (पुं.) भेद संपन्न । बड़ी वृक्ष ।  
 प्रसिद्ध कर्म ।  
 सिद्धि, (स्त्री.) योग । मन्दा । चरिमा  
 कादि पाठ प्रकार का सुशुद्ध । प्रभाव कादि  
 हीन शक्तियो ।  
 सिद्धिद, (पुं.) चक्रमाल (वि.) सिद्धि  
 का देने वाला ।  
 सिद्धियांग, (पुं.) सिद्धिकारक योग ।  
 सिधाल, (वि.) खोली ।  
 सिर्मापाली, (स्त्री.) अनुसंधान वाली कला-  
 वाद्या ।  
 सिन्धुबाद, (पुं.) सिन्धु नामक वृक्ष ।  
 सिन्धुबाद, (पुं.) यह नाम वाला वृक्ष है जो इस  
 में सवेद वृक्ष के वृक्ष लगते हैं ।  
 सिन्धुद, (म.) सिन्धु । (पुं.) वृक्ष सिद्धि ।  
 सिन्धु, (पुं.) शत्रु । एक नदी । वृक्ष । एक  
 शत्रु । एक देश । इसी का चरमपथ ।  
 सिन्धु देश तथा कला देने वाला ।  
 सिन्धु, (पुं.) शत्रु शरीर ।  
 सिन्धुसहस्र, (पुं.) शी शक्ति का देश ।  
 शरीर का शत्रु में सिद्धता ।  
 सिन्ध, (पुं.) शत्रु । चक्र । शक्ति ।  
 (स्त्री.) शत्रु में शक्ति एक नदी ।  
 शीरे सिद्धि ।  
 सिन्ध, (पुं.) शत्रु ।  
 शीघ्र, (वि.) शीघ्रता ।  
 शीघ्र, (पुं.) शत्रु की वृक्ष ।  
 शीघ्रा, (स्त्री.) शत्रु का वृक्ष । कामुखा-  
 वृक्ष । कामुकी । शत्रु वृक्ष वृक्षकी  
 की की शीघ्र वृक्ष की वृक्ष । कामुखा-  
 वृक्ष ।  
 शीघ्रपथ, (पुं.) शीघ्रपथ । वृक्ष ।  
 शीघ्राद, (पुं.) शीघ्रपथ । कामुखा वृक्ष  
 वृक्ष वृक्ष ।  
 शीघ्र, (पुं.) शत्रु । शत्रु ।



सीधुरस, ( पुं. ) घाम का पेड़ ।  
 सीमन्त, ( पुं ) सीपनी । मोंग । गर्भ सत्कार  
 विधि ।  
 सीमन्तिनी, ( स्त्री. ) सीमन्त वाली स्त्री ।  
 नारी ।  
 सीमन्तोद्ययन, ( न. ) गर्भ सत्कार वाला  
 कर्म विशेष ।  
 सीमन्, ( स्त्री. ) मर्यादा । इद । अयस्कूप ।  
 सीमा, ( स्त्री. ) मर्यादा । गोत्र का बाँध । इद ।  
 सीमाविषाद, ( पु. ) सीमा के विषय में  
 भ्रमझा । इद का भ्रमझा । मर्यादा या मान  
 का भ्रमझा ।  
 सीर, ( पु. ) पूर्ण । इण । आक वृष्ट । बजराम ।  
 सीरपयज्ञ, ( पुं ) राजा जनक का नाम ।  
 सीरपाणि, ( पुं. ) बलदेव । बजराम ।  
 सीरिन्, ( पु. ) बजराम । बज्रभद्र ।  
 सीपिन, } ( न. ) सीना ।  
 सेपिन, }  
 सु, ( अण. ) पूना । धर्या । परिहाय ।  
 सुकरा, ( स्त्री. ) दुर्गाया की । ( नि. ) जो  
 मङ्गल में हो ।  
 सुकल, ( पुं ) पर पुत्र जो पत्न के सद  
 ब्रह्मर और उदरणा के विषे प्रतिद है ।  
 सुकर्मन, ( पु. ) अग्ने काय काये वाला  
 पुत्र निष्कर्म अग्निमें साक्षात् योग । ( न )  
 अग्ना काय ।  
 सुकाण्ड, ( पु. ) कायेन पूरा अग्नी साक्षा  
 काय ।  
 सुकामा, ( स्त्री. ) कामाग्नि । ( नि. ) अग्नी  
 काय ।  
 सुकुम्भ, ( स्त्री. ) अग्नि । ( नि. ) अग्नि ।  
 सुकुम्भ, ( नि. ) अग्नि काय । ( अ. ) अग्नि ।  
 ( पु. ) अग्नि । अग्नि । ( अ. ) अग्नि ।  
 सुकुम्भ, ( अ. ) अग्नि । अग्नि । अग्नि ।  
 सुकुम्भ, ( पु. ) अग्नि । अग्नि । अग्नि ।

सुकृतिन्, ( नि. ) पुण्य वाला । अक्षर राजा ।  
 अग्ने कामों से युक्त ।  
 सुख, ( न. ) हर्ष । ( नि. ) सुती ।  
 सुखजात, ( नि. ) आनन्दित । प्रसन्न ।  
 सुखभाज्, ( नि. ) सुखता ।  
 सुखरात्रिका, ( स्त्री. ) दिवाली की रात ।  
 सुखाधार, ( पु. ) स्वर्ग ।  
 सुरावह, ( नि. ) अलजन्क ।  
 सुखोरस्य, ( पु. ) अत देने वाला जन्म ।  
 पति ।  
 सुगत, ( पु ) बुद्धदेव ।  
 सुगन्ध, ( न. ) गन्धक । व्यापारी । सुगान ।  
 सुगन्धि, ( पु ) पाही हुई सुगन्ध ।  
 सुगृहीतनामन्, ( पु. ) पतिन यथा कथा  
 मनुष्य । नामी मनुष्य ।  
 सुमन्धि, ( पु. ) शोरक नामी वृक्ष ।  
 सुमीय, ( पु. ) अग्ने काय वाला । अग्नि  
 का शोका । पूर्णपुत्र । अग्निपुत्र की का  
 विष । अग्निपुत्र ।  
 सुययुग्, ( पु ) अग्नि । ( न. ) अग्ने नेत्र ।  
 ( नि. ) अग्ने नेत्र वाला ।  
 सुयदिवा, ( स्त्री. ) अग्ने कायपुत्र काती ।  
 पतिना स्त्री ।  
 सुयिद, ( अण. ) अग्नि काय । अग्निपुत्र  
 काय ।  
 सुयिरायन्, ( पु. ) अग्नि ।  
 सुयिजक, ( पु. ) अग्नि काय । ( नि. ) अग्नि  
 काय । अग्निपुत्र । अग्निपुत्र ।  
 सुयिज, ( न. ) अग्नि काय । अग्निपुत्र ।  
 अग्निपुत्र । अग्निपुत्र ।  
 सुय ( पु. ) अग्नि ।  
 सुय, ( स्त्री. ) अग्नि ।  
 सुय, } ( न. ) अग्नि काय काय ।  
 सुय, }  
 सुय, } ( अ. ) अग्निपुत्र काय काय ।  
 सुय, } ( अ. ) अग्निपुत्र काय काय ।  
 सुय, } ( पु. ) अग्निपुत्र काय काय ।

सुगताम्, ( घञ्. ) वेदतर । बहुत उतमता  
में । सबसे बढ़ कर । बहुत । बहुतता ।

सुतल, ( घृ. न. ) अग्ने तल बाजा । सुविधी  
के नीचे के लोको में से एक ।

सुनिक्र, ( घृ. ) पर्यट । नौम । ( वि. ) बहुत  
तीला ।

सुनीक्षण, ( वि. ) बहुत देख । ( घृ. ) सिद्ध  
का दृष । एक सुनि का नाम, जिसके  
आश्रम में रामचन्द्र ने शिक्षण किया था ।

सुतुम्, ( वि. ) बहुत उचा । ( घृ. ) वरिष्ठ  
का संज्ञ ।

सुनामन्, } ( घृ. ) इन्द्र । देवताओं का राजा ।  
सुशामन्, }

सुत्पन्, ( घृ. ) रोमरसपायी । रोमरस  
निवाहने वाला ।

सुदप्य, ( घृ. ) भेड़ ।

सुदम्, ( वि. ) अग्ने दोहों वाला । सुदन्त ।

सुदशेन, ( वि. ) रूपवान् । अग्ने रूप का ।  
जो सहज में देखा जा सके । ( घृ. ) विष्णु  
के चक्र का नाम । शिव का नाम । मेरु  
पर्वत । एक गीत ।

सुदशानी, } अमरावती पुत्री ।  
सुदशाने, }

सुदागन्, ( वि. ) अक्षर ( घृ. ) आदम । पंचम ।  
रघुव । इन्द्र के हाथों का नाम । एक धन-  
हीन मन्थन का नाम जो भीष्म का  
सहपाठी था और उसे हुए आसनों को भेद  
से, अद्वि की के अशुभ करने पर  
आतिका भेजा भीष्म-वशे मिला था, भीष्म  
ने मत्त हो कर उसको मँहो-पदकी सम्पत्ति  
दे करार्य कर दिया ।

सुदि, वरिष्ठता कात ।

सुदिग, ( न. ) अग्नि दिग् ।

सुदिगात्, ( न. ) बहुत अग्नि दिग् ।

सुदृक्, ( वि. ) बहुत दृक् ।

सुदृघ, ( घृ. ) अग्ने अथ कात ।

सुधन्वन्, ( वि. ) सुदर धनुष धारण करने  
वाला । ( घृ. ) एक राजा । अतन्द्र कात ।  
विरचकर्मा ।

सुधर्मन्, ( की. ) देवताओं की समा ( घृ. )  
सुदम्ने वाला ।

सुधा, ( घी. ) अमृत । कर्षी पूना । महा ।  
विजली । रम । लक्ष । आँवना । हीरकी ।  
मनु ।

सुधांशु, ( घृ. ) अमृत । बहू ।

सुधाञ्जीविन्, ( घृ. ) राज । बारीकर ।

सुधानिधि, ( घृ. ) अमृत का भावहार ।  
अमृत । बहू ।

सुधाहन्, ( घृ. ) गहक । मोघ । अमृत का कोर ।

सुधी, ( घृ. ) परिष्क । अग्नि सुधि कात ।

सुधोज्ज्व, ( घृ. ) धन-हीन भेद ।

सुनन्द, ( न. ) बलराम का सुवत् । भीष्म  
का सत्ता । एक प्रकार का राजा का ।  
( वि. ) आनन्ददायी ।

सुनयन्, ( घृ. ) मृग । ( वि. ) अग्नि कात  
वाला ।

सुमाहीर, } ( घृ. ) इन्द्र ।  
सुमाहीर, }

सुमिद्या, ( वि. ) बहुत लय दृक् ।

सुमिति, ( की. ) सुव की कात । सुदर की ।

सुमील, ( न. ) नीलम पत्रे । अमृत । ( घृ. )  
सुदर नीला रङ्ग ।

सुमीला, ( की. ) अमृत । अमृतिका ।

सुम्, ( घृ. ) एक देव । एक कात ।

सुम्, ( वि. ) अग्ने । अग्ने ।

सुम्, ( की. ) विष्णु सुदरि देव । अग्ने-  
की की ।

सुपत्, ( घृ. ) अग्नि कात । ( वि. ) अग्नि  
की कात दृक् ।

सुपथ, ( घृ. ) अग्नि कात । अग्ने । ( वि. )  
सुदर अथ कात ।

सुपर्, ( घृ. ) अग्ने । अग्ने । ( वि. )  
कात देव कात ।



सुरपुरी, ( स्त्री. ) धमरावती ।  
 सुरभि, ( न. ) सोना । आशा । आयुष्मत् ।  
 पगन्त शत्रु । सुगन्ध । भेद का मास ।  
 ( पुं. ) पश्चिम । ( स्त्री. ) दद्रु की मद्य ।  
 देवभेद । गौ । सुर । तुपसी । पूषिरी ।  
 ( वि. ) भीर । अग्ने गन्ध वाला । मनीहर ।  
 शीतल ।  
 सुरभि, ( पुं. ) गारुदादि देवर्षि ।  
 सुरलोक, ( पुं. ) स्वर्ग । देवों का निवास-  
 स्थल ।  
 सुरधर्मन्, ( न. ) आकाश ।  
 सुरपत्नी, ( स्त्री. ) सुवती ।  
 सुरवीरिन, ( स्त्री. ) अक्षर । ( वि. ) देवों  
 का शत्रु ।  
 सुरसुन्दरी, ( स्त्री. ) देवताओं की विप  
 ह्वारी । मेनका आदि अस्या । एक  
 योगिनी ।  
 सुरा, ( स्त्री. ) मग । शराप ।  
 सुराजन, ( पुं. ) अग्ना राजा ।  
 सुराभीयिन, ( पुं. ) कलाप या कला ।  
 सुराप, ( वि. ) मदिरा पीने वाला ।  
 सुरापगा, ( स्त्री. ) गङ्गा ।  
 सुरापान, ( न. ) मदिरा पान ।  
 सुरार्ह, ( न. ) हरिश्चन्दन ।  
 सुराष्ट्र, ( पुं. ) एक देश । आत्रा राज्य ।  
 सुरूप, ( न. ) अक्षर रूप । शरी । ( पुं. )  
 पश्चिम ।  
 सुरेज्य, ( पुं. ) बृहस्पति ।  
 सुरेज्या, ( स्त्री. ) सुवती ।  
 सुरेन्द्र, ( पुं. ) इन्द्र । देवराज ।  
 सुरेन्द्र, ( पुं. ) महादेव । इन्द्र । देवनायक ।  
 सुरोत्तम, ( पुं. ) सुर । देवताओं में श्रेष्ठ  
 विष्णु ।  
 सुरोद, ( पुं. ) अक्षर उद ।  
 सुराज, ( वि. ) शराप ।  
 सुराञ्जन, ( पुं. ) शिर । ( वि. ) अग्नी  
 आशिषे वाला ।

सुलोमशा, ( स्त्री. ) अग्ने शरीर वाली ।  
 सुपचस, ( वि. ) वामी । अग्ने बोल बोलने  
 वाला ।  
 सुर्ष, ( न. ) सोना । ( वि. ) सुन्दर रत्न  
 अथवा सुन्दर अक्षर वाला । अग्ना अक्षर ।  
 सुपर्णकार, ( वि. ) सुन्दर । रहेटा । शैलक ।  
 सुषयस, ( स्त्री. ) मीठा ( जीवन में भरी ) ।  
 सुयास, ( पुं. ) अग्नी गन्ध ।  
 सुयासिनी, ( स्त्री. ) चिरायत तक पिता के  
 घर में रहने वाली स्त्री ।  
 सुविद्, ( पुं. ) पण्डित । अग्ना ज्ञाना ।  
 सुविदत्, ( पुं. ) राजा ।  
 सुविनीता, ( स्त्री. ) सुशोभा गौ । ( वि. )  
 विनम्र ।  
 सुवीज, ( पुं. ) लसतल । एक वृक्ष ।  
 सुवीर्य, ( न. ) वेर । बद्रोचल ।  
 सुवृत्त, ( पुं. ) अग्ना इतान्त ।  
 सुवेल, ( पुं. ) लड़ा के एक वर्ण का नाम ।  
 ( वि. ) अग्ने नियम वाला । शराप ।  
 अक्षर ।  
 सुवेश, ( पुं. ) सुन्दर गणा । ( वि. ) सुन्दर  
 वेरा वाला ।  
 सुवती, ( स्त्री. ) अग्ने नियम वाली स्त्री ।  
 सुशीला गौ ।  
 सुशर्मन्, ( पुं. ) एक राजा । ( वि. )  
 सुन्दर अक्षर वाला ।  
 सुशिल, ( पुं. ) आग । विष्णु वृक्ष । ( वि. )  
 अग्नी शिरात वाला । ( स्त्री. ) मोर की  
 चोंड़ी या बसती ।  
 सुशील, ( ) वीला अक्षर ( न. ) बृहस्प  
 शीतल ।  
 सुशील, ( वि. ) विष्णु के काम विचारने  
 वाला । अग्ने शिरात वाला । अग्ने  
 शिरात वाला ।  
 सुशीक, ( स्त्री. ) वृक्ष विष्णु, जिस शरीर  
 बने अक्षर में स्थान है । ( वि. ) अग्नी  
 शीला अग्ना ।

सुभ्रुत, (पुं.) विरवाभिन का पुत्र । एक  
ग्रन्थि निमके नाम का एक विक्रित्तामन्थ  
प्रसिद्ध है । मन्थ विशेष । (नि.) कर्ण-  
मयुर ।

सुशिलष्ट, (नि.) भली मौंति मिला हुआ ।

सुगम, (पुं.) शोभन । सम । (मो.) बही  
शोभा ।

सुधिर, (न.) वेद । मूलात् ।

सुधीम, (पुं.) निमकी चाली सीमा है ।  
शान्त स्वर्ण । (नि.) मनोश । मनोहर ।

सुधुम, (न.) मानस्य दशा । (नि.)  
मानस्य धरणा वाला ।

सुधुमि, (मी.) धारणा विशेष ।

सुधुम्या, (मी.) सुधुम्याही विशेष ।

सुधुम्य, (पुं.) देव । लक्ष्मी के एक वैद्य का  
नाम । राम की पत्नी मेगा का एक पानर  
रक्षणवि ।

सुधु, (अन्.) धन-व । प्रसारण । साथ ।

सुधुंकरन, (नि.) धनी प्रभार बनाया  
हुआ ।

सुधुमन्त्र, (मी.) धनीमन्त्र । सीमाश्रय ।  
(नि.) धनी. मन्त्रदा वाला ।

सुधुध, (नि.) नीरोग । सुख ।

सुधुधन, (नि.) धन प्रसार मन्थन इन्धो  
से धन किये हुए ।

सुधुध, (पुं.) धन प्रसारण । धनदाता  
विश्व ।

सुधुधय, (नि.) धन प्रसारण ।

सुधुधय, (न.) धनप्रसारण ।

सु (न.) धन । देव । मेधा ।

सुधुध, (पुं.) धन । धन । धन । धन । धन ।

सुधुध, (न.) धन । धन । धन । धन ।

सुधुध, (न.) धन । धन । धन । धन ।

सुधुध, (नि.) धन । धन । धन । धन ।

सुधुध, (नि.) धन । धन । धन । धन ।

सुधुध, (नि.) धन । धन । धन । धन ।

सूक्ष्मभूत, (न.) पृथिवी धादि पच भूतों के  
भेदा विशेष ।

सूक्ष्मैला, (मी.) छोटी या लकड़ इलायची ।

सूक्ष्म, (नि.) युगली स्थान ।

सूक्ष्मक, (नि.) युगलसोर । सूचना देने  
वाला । (पुं.) कक । कुता । विद्वत् ।  
पिशाच । वृक्ष । नाटक में मुख्य नट ।

सूक्ष्मन, (न.) मारना । जपस्थान ।

सूक्ष्मि, } (मी.) शिला । धर्म ।

सूक्ष्मी, } (मी.) शिला । धर्म ।

सूक्ष्मिक, (नि.) दरती । (मी.) शशी की  
रूप ।

सूक्ष्मित, (नि.) कहा हुआ । मारा हुआ ।  
जपलाया हुआ ।

सूक्ष्मिमुख, (न.) शीत ।

सूक्ष्म, (पुं.) सूक्ष्म । वर्षेत्तर ओ मन्थनी के  
गर्भ और धुपि के अंदर से उगल हुआ  
है । विरचकर्म । वासीरान । बारी । सोप-  
द्वर्ण नामक पुष्पाणकता । (न.) पाग ।  
(नि.) मेगा हुआ । उगल हुआ ।

सूक्ष्मतमय, (पुं.) कर्म शला ।

सूक्ष्मि, (मी.) उगलि । सोपम निधानी का  
स्थान ।

सूक्ष्मिका, (मी.) नवपुत्रा मी ।

सूक्ष्मिकागाढ, (न.) मन्थगाढ ।

सूक्ष्मान, (नि.) धन प्रसारण । धन । धन ।  
धन । धन । धन । धन । धन ।

सूक्ष्मा, (मी.) धन के धन का धन विशेष ।  
धनप्रसारण का धन ।

सूक्ष्माशील, (न.) धन । धन । धन । धन ।

सूक्ष्म, (नि.) धन । धन । धन । धन ।

सूक्ष्म, (न.) धन । धन । धन । धन ।

सूक्ष्म, (नि.) धन । धन । धन । धन ।

सूक्ष्म, (नि.) धन । धन । धन । धन ।

सूक्ष्म, (नि.) धन । धन । धन । धन ।



सेधन, ( न. ) सीना । आसरा सेना ।  
भोगना । बाँधना । पूनना । सुर्ग ।

सेधा, ( स्त्री. ) भजन । आराधन । भोजन ।  
नीकरी । परिचर्या ।

सेवित, ( वि. ) पूना गया । सेवा किया  
गया । सेवा गया ( पेड़ आदि ) ।

सेव्य, ( न. ) पीयत्न । ( वि. ) सेवा के  
योग्य । लक्ष्मीपति ।

सैहिक, ( पुं. ) राहु ।

सैकत, ( न. ) किसी भी नदी का बहुत  
रेतीला तट । ( वि. ) रेतीला ।

सैदान्तिक, ( न. ) मिथ्या ज्ञानने वाला ।

सैनापत्य, ( न. ) सेनापति या कप्तान का  
काम ।

सैनिक, ( वि. ) फौजी । ( पु. ) सिपाही ।

सैन्धव, ( न. ) सैधा नोन । घोडा । ( वि. )  
सिन्धु देश में उत्पन्न ।

सैन्धवघन, ( पु. ) विद्वान्दस्वरूप ।  
परमेश्वर ।

सैन्य, ( पु. ) सेना के हाथी घोड़े आदि ( न. )  
सेना का समूह ।

सैरन्ध्री, ( स्त्री. ) दूररे के घर में रह कर भी  
स्नान हो कर शिल्प का काम करने वाली  
स्त्री । राधा जगट के यहाँ द्वीवरी ने  
सैरन्धी ही का काम किया था । दागी ।

सैरिन, ( पु. ) भेडा । स्तन ।

सैयान, ( न. ) देवी सैयान् ।

सोढ़, ( वि. ) सने वाला । धर्मशाला ।

सोड, ( वि. ) मदनदर्शन ।

सोत्तुगुट, ( वि. ) ३२३ ।

सोत्तुगुम, ( वि. ) ३२४ ।

सोत्तुगुम, ( वि. ) अद्विष्ट । धर्मशाला ।  
उत्तुगुम । ( पु. ) ३२५ ।

सोत्तुगु, ( वि. ) ३२६ । ३२७ । ३२८ ।  
३२९ । ३३० ।

सोत्तुगु, ( पु. ) ३३१ । ३३२ । ३३३ ।

सोत्तुगु, ( पु. ) ३३४ ।

सोन्माद, ( वि. ) पाण्ड । उन्नत ।

सोपसव, ( पुं. ) राहु व चन्द्रमा की छा  
दनाया हुआ । रात्रुघ्न से ।

सोपाधिक, ( न. ) विशेष । उन्नति  
साथ । किसी विशेष गुण को धारण  
हुए । आवश्यक ।

सोपान, ( न. ) सीढ़ी । नौनी ।

सोम, ( पुं. ) चन्द्रमा । दधुन । सोम  
किरण । कपूर । जल । पातु । कुने  
शिव । यम । सुमीव । सुसुर ।

सोमगर्भ, ( पु. ) विन्दु । नारायण ।

सोमज, ( न. ) दुग्ध । ( पु. ) दुध ।

सोमतीर्थ, ( न. ) प्रभासथेन ।

सोमप, ( पु. ) यज्ञ में सोमस को पीने  
वाला । -

सोमपीतिन्, } ( पु. ) सोमपी । सोमस को पीने  
सोमपीथिन्, } वाले ।

सोमयन्तु, ( पु. ) मूर्ध । पुष । ( न. )  
दुग्ध का दूध ।

सोमभू, ( पु. ) दुग्धमह । चन्द्ररशीपञ्चरिष  
सोमयाग, ( पु. ) याग विशेष ।

सोमयाजिन्, ( पु. ) सोमयागकर्ता ।

सोमयया, ( स्त्री. ) यया विशेष ।

सोमयंथ, ( पु. ) चन्द्रमा का वरा ।

सोमयार, ( पु. ) चन्द्रमार ।

सोमधिकथिन्, ( पु. ) सोमयया वा उसके  
सम का देने वाला ।

सोमगिज्ञान्त, ( पु. ) व्यास का मन्थ  
विशेष ।

सोमगुण, ( पु. ) ३३१ ।

सोमगुणा, ( स्त्री. ) नर्मदा नदी । चन्द्रमा  
की कटा ।

सोमगुण, ( न. ) नारी । नर्मदा ।

सोत्तुगुट, ( वि. ) ३३२ । ३३३ । ३३४ ।  
३३५ ।

सोत्तुगु, ( न. ) ३३६ । ३३७ ।

सोत्तुगु, ( वि. ) ३३८ । ३३९ । ३४० ।

सौख्य, ( न. ) सुख । आराम ।  
 सौमन, ( पु. ) सुख प्रद विद्येय ।  
 सौमन्यिक, ( न. ) कहर । एक प्रकार का पदपुत्र ।  
 सौमिक, ( पु. ) दरती ।  
 सौजन्य, ( न. ) मलयनसर्ग । सज्जनता ।  
 सौभाग्यि, ( स्त्री. ) यत्र विशेष निहयें मास्यो के हरा पीने का भी विधान है । यथा-“ सौभाग्यं हरा विदेति । ”  
 सौदामिनी, ( स्त्री. ) विमली ।  
 सौदायिक, ( न. ) अधिभ भेद ।  
 सौदास, ( पु. ) धन्वरी कश्मापपाद राजा ।  
 सौध, ( पु. न. ) रामनामाद विशेष । ( वि. ) अमृतमन्थी ।  
 सौमिक, ( पु. ) कसर्ग । दूध ।  
 सौम्य, ( न. ) सुदरता ।  
 सौपर्ण, ( न. ) पक्ष ।  
 सौपर्ण्य, ( पु. ) विनता की स राजा गकह ।  
 सौमिक, ( वि. ) रात में हुआ । महाभारत मथ का एवं विशेष ।  
 सौम, ( न. ) कामधारी नगर ।  
 सौभद्र, ( पु. ) अधिपपुत्र । सुभद्र का पुत्र ।  
 सौभद्रि, ( पु. ) एक स्त्री ।  
 सौभाग्यिण्य, ( वि. ) पति की पत्नी की का पुत्र ।  
 सौभाग्य, ( न. ) ईश्वर । एताया । ( पु. ) ( उदीगि का ) अधिभ पीठ । ( न. ) अग्ने भाग्य ।  
 सौभिक, ( पु. ) ऐन्द्रकालिक पदारी ।  
 सौमनस्य, ( न. ) अग्नि भा । भाद्र न विरह हों के अथवा ... पुत्र देव का ...  
 सौमिष, ( वि. ) ...  
 सौख्य, ( वि. ) ...  
 सौख्य, ( पु. ) ...

सौर, ( पु. ) सूर्यपुत्र । शनिश्चर । यमपुत्र । ( वि. ) सूर्यसम्बन्धी ।  
 सौरभ, ( न. ) केसर ।  
 सौरभेय, ( पुं. ) गौ ( वि. ) गौ सम्बन्धी ।  
 सौराष्ट्र, ( पु. ) अग्ने राज वाला । एक देश विशेष । ( न. ) एक विर । ( वि. ) अग्ने देश में उत्पन्न ।  
 सौहृदिक, ( वि. ) बहुरा ।  
 सौहृदिक, ( पु. ) पुत्रोदिन ।  
 सौहृदिक, ( पु. ) अन्त-पुत्र का राज वाला ।  
 सौहृद्य, ( न. ) सुदरता ।  
 सौहार्द, ( न. ) स्नेह । प्यार । मैत्री ।  
 सौहृ, ( कि. ) उद्योग कर जन्मा ।  
 सौहृ, ( पु. ) बार्तिकेय ।  
 सौहृ, ( न. ) पदना । सूर्यरा । जन्मा ।  
 सौहृ, ( पु. ) कथा । सुभ का हना । रचना । सहाई । सन् । शरीर । एक अर्थ । सोमस सिद्धि में विश्वकर्मा का राजा । मथ का भाग ।  
 सौहृ, ( पु. ) अग्नी । शिखर ।  
 सौहृ, ( वि. ) अमृत । अग्नि । हरि । बहा हुआ । सुभा हुआ । अथवा ... ( न. ) ...  
 सौहृ, ( कि. ) ...  
 सौहृ, ( वि. ) ...  
 सौहृ, ( कि. ) ...  
 सौहृ, ( न. ) ...  
 सौहृ, ( वि. ) ...  
 सौहृ, ( वि. ) ...  
 सौहृ, ( पु. ) ...



स्तनभर, ( पुं. ) मोटे स्तनों का भार ।  
 स्तनयित्तु, ( पु. ) मेर । बादल । मोथा ।  
 दिनली । मीत । रोग ।  
 स्तनान्तर, ( न. ) स्तनों का मध्य । हृदय ।  
 वाती ।  
 स्तनाभोग, ( पुं. ) स्तनों की पूर्णता ।  
 स्तनित, ( न. ) क्रीडा आदि का शब्द ।  
 ( वि. ) शब्द वाता ।  
 स्तम्भ, ( कि. ) शोकरना ।  
 स्तम्भ, ( न. ) दूध ।  
 स्तम्भरोमन्, ( पु. ) शकर । सुपर ।  
 स्तम्भ, ( कि. ) शोकरना ।  
 स्तम्भ, ( पु. ) भाषी । दूध । लम्भा ।  
 स्तम्भेरम, ( पु. ) गम । हाथी ।  
 स्तम्भ, ( पु. ) लम्भा ।  
 स्तम्भन, ( न. ) रोक देना । लम्ब का प्रयोग  
 गितेन ।  
 स्तम्भ, ( पु. ) गगना । स्तुति ।  
 स्तम्भक, ( पु. ) गुप्ता ।  
 स्तम्भक, ( वि. ) स्तुतिकारक । बहाई करने वाला ।  
 स्तम्भित, ( न. ) गीर्णन । निरक्षण ।  
 टडना । ( वि. ) नीचा ।  
 स्तम्भ, ( पु. ) स्तुति किया हुआ ।  
 स्तम्भिकाटक, ( पु. ) गगना आदि की बहाई  
 करने वाला ।  
 स्तम्भ, ( वि. ) शोकरना ।  
 स्तम्भ, ( पु. ) मही का टा । लम्ब । वि. ।  
 स्तम्भ, ( वि. ) शोकरना । प्रत्यय ।  
 स्तम्भ, ( कि. ) शोकरना ।  
 स्तम्भ, ( कि. ) शोकरना ।  
 स्तम्भ, ( पु. ) शोकरना । ( वि. ) शोकरना ।  
 स्तम्भ, ( पु. ) शोकरना । शोकरना ।  
 स्तम्भ, ( न. ) शोकरना ।  
 स्तम्भ, ( वि. ) शोकरना । शोकरना ।  
 स्तम्भ, ( पु. ) शोकरना । शोकरना ।  
 स्तम्भ, ( पु. ) शोकरना । शोकरना ।

स्तोत्र, ( न. ) बहाई । दुष्प्रचार ।  
 स्तोभ, ( पुं. ) शम्भ ।  
 स्तोम्, ( कि. ) बहने दुष्नों को बहाकर बहना ।  
 स्तोम, ( पुं. ) सपू । यज्ञ । बहाई । शारा ।  
 धन । गादा । सेवी । ( वि. ) देहा ।  
 स्तयान, ( न. ) विद्यमान । गदायन ।  
 भिन्नान्त । आनन्द । लम्ब ।  
 स्तय, ( कि. ) बहना । शब्द बहना ।  
 स्त्री, ( धी. ) नारी । भोरत ।  
 स्त्रीचिह्न, ( न. ) चोनि । भग ।  
 स्त्रीचोद, ( पु. ) कापी । लम्ब ।  
 स्त्रीजित्, ( पु. ) शीतरप ।  
 स्त्रीधन, ( न. ) शीत की लम्बि ।  
 स्त्रीधर्म, ( पु. ) स्तनना होना । लम्बिक  
 धर्म ।  
 स्त्रीधर्मिणी, ( धी. ) शत्रुपरी धी ।  
 स्त्रीधुन, ( पु. ) धी धीर गुण ।  
 स्त्रीलिङ्ग, ( पु. ) शीरापी ।  
 स्त्रीलसा, ( पु. ) धी के बहाई करने वाले ।  
 स्त्रीविधेय, ( पु. ) धी के गुण में बहने वाला ।  
 स्त्रीभेदज्ञ, ( न. ) धी का लक्षण । एक  
 प्रकार का विचार ।  
 स्त्रीभवा, ( न. ) लम्बक धी का लक्षण ।  
 स्त्रीभेदा, ( धी. ) लम्बक धी की भेदा ।  
 स्त्रील, ( वि. ) धी का लक्षण । लम्बक  
 लम्ब । ( न. ) धी का लक्षण धी  
 का लक्षण ।  
 स्त्री, ( पु. ) शोकरना । शोकरना । ( धी. )  
 शोकरना । शोकरना । शोकरना ।  
 शोकरना, ( पु. ) शोकरना ।  
 शोकरना, ( पु. ) शोकरना ।  
 शोकरिता, ( वि. ) शोकरना । शोकरना ।  
 शोकरिता, ( वि. ) शोकरना । शोकरना ।  
 शोकरिता, ( वि. ) शोकरना । शोकरना ।  
 शोकरिता, ( वि. ) शोकरना । शोकरना ।  
 शोकरिता, ( वि. ) शोकरना । शोकरना ।  
 शोकरिता, ( वि. ) शोकरना । शोकरना ।  
 शोकरिता, ( वि. ) शोकरना । शोकरना ।  
 शोकरिता, ( वि. ) शोकरना । शोकरना ।  
 शोकरिता, ( वि. ) शोकरना । शोकरना ।

स्वयंप्रदलशासिनः, } ( पु. ) मग धरण कर  
स्वयंप्रदलेशयः, } अपुत्रे पर सोने काला ।

स्वयंपति, ( पु. ) रतवान में रहने वाला बुद्ध  
मलय । शिल्पा विशेष । राज दर ।  
कथीरा : " वृहस्पतिस्त " नामक पत्र  
वरने वाला । ( वि. ) बहुत मन्था ।

स्वयपुर, ( वि. ) देही और ऊँची जगह ।

स्वयन्, ( कि. ) उदरना ।

स्वयल, ( न. श्री. ) भूमि का भाग । पल ।  
बनारी भूभाग ।

स्वयलेशयः, पु. ) वराह । रुक । एक प्रकार  
का दिन ।

स्वयविग, ( न. ) गन्ध द्रव्य विशेष । ( पु. )  
मन्था । ( वि. ) अपल । विदर । बुद्ध ।

स्वयविष्ठ, ( वि. ) अतिवृद्ध ।

स्वयानु, ( पु. ) शिप । शाखा काशी आदि ले  
रदिन वृद्ध । ( वि. ) बुद्ध ।

स्वयान, ( न. ) समानता । व्यवहार । रहन ।  
प्रपत्ति । भाजन । पात । जगह ।

स्वयानिक, ( वि. ) यानापति । यान का  
मासिक या स्थानी ।

स्वयानिन्, ( वि. ) यान की सेवा करने वाला ।

स्वयानीय, ( न. ) नगर । रहने योग्य  
स्थान । ( पु. ) यान वाला ।

स्वयाने (अन्य) योग्यता । औचित्य । टीका । सत्य ।

स्वयपल, ( न. ) लगाव । बवार । बड़ाप ।

स्वयपित, ( वि. ) निदिबद्ध । पका । व्यस्त ।

स्वयपिन्, ( वि. ) स्थितिशील ।

स्वयपुत्र, ( वि. ) स्थितिशील । ( पु. )  
एक भाग का स्थानी ।

न. ) पाठ । वही वाली ।

( पु. ) एक प्रकार का ग्याप ।

हैं बरसोई में से एक चारुल की

त कर उग बरसोई भर चारुलों की

चर्चों के सिद्धि कि नहीं

'स्वयपुत्र' का " ग्याप

स्वयपद, ( वि. ) अपल । विदर । ( न. )  
वृद्ध । पर्यंत । पृथिवी । ( न. )

का रोरा ।

स्वयपिर, ( न. ) बुद्धपा ।

स्वयसक, ( पुं. ) धलहार । जलविन्दु

स्वयस्तु, ( वि. ) स्थितिशील ।

स्वियत, ( वि. ) उदर बुद्धा । निश्चल । मा  
वाला ।

स्वियति, ( श्री. ) मन्था । यान ।

स्वियद, ( पु. ) भूमिशास्त्रली वृद्ध । पर  
देवता । वृद्ध । स्वयिवास्तिक । शनि ।

अशोचिन में वृद्ध, मिह, वृद्धिक, और ।  
राशिषो । ( वि. ) कठिन । निश्चल

स्वियरतद, ( वि. ) मन्थाविदर ( पुं. ) ईश

स्वियरमति, ( श्री. ) विदरनिल ।

स्वियरयौवन, ( न. ) विद्याधर आदि ।

स्वियरायुस्, ( पु. ) शास्त्रली वृद्ध ।

स्वयूल, ( कि. ) नटना ।

स्वयूल, ( वि. ) मोटा ।

स्वयेय, ( पु. ) पत्र । जरी । पुणोहित ।

स्वयेयस, ( वि. ) बहुत पका ।

स्वयेय्ये, ( न. ) विदर ।

स्वयौल्य, ( न. ) मोटापत्र ।

स्वयपन, ( न. ) स्थान ।

स्वयप, ( पु. ) नटना । पूना ।

स्वयतक, ( पु. ) धन के पात विद्या पत्र का  
पर लोट कर आने वाला मन्थनी ।

स्वयतकमन, ( न. ) मन्थिरोप । "कला  
पत्र कल्याण स्नातकमन्थकरो" ।

स्वयान, ( न. ) शोधन । सफाई ।

स्वयानीय, ( वि. ) स्थान के लिये दिनका  
पका-नेह, उदर ।

स्वयानु, ( श्री. ) एक नाई । रग ।

स्वयप्य, ( वि. ) विपत्ता । ( पुं. ) विप  
सत्तुष्ट ( श्री. ) वही । देरा ।

स्वयप्यता, ( श्री. ) विदर । विपत्ता ।

स्वयुन, ( पु. ) वरा बुद्धा । मन्थनी ।



रिम, ( कि. ) ईमान होना ।  
 रिमत, ( न. ) हथकपाना । घोषा या रैसना ।  
 ररु, ( कि. ) याद करना ।  
 ररुन, ( वि. ) याद विद्या हुआ ।  
 ररुति, ( की. ) स्मरणशील । याददात्र ।  
 मनु आदि ग्रहर्षि श्रेष्ठ भर्षीयदेशक भास ।  
 ररुतिहेतु, ( पुं. ) संग्रह । सामना रूप  
 रूप विचार ।  
 ररुत, ( वि. ) लिखा हुआ ।  
 ररुद, ( पुं. ) वेप । कोर ।  
 ररुद, ( कि. ) मरना ।  
 ररुद, ( पुं. ) नाश । घना ।  
 ररुद्वन, ( न. ) मरना । मर । ररु ( पुं. )  
 निमित्त वा पेश ।  
 ररुद्वाराद, ( पुं. ) रूप पर चर कर कर्षा  
 लहने वाला ।  
 ररुदिद, ( वि. ) मरपी । मरने वाला ।  
 ररुद, ( वि. ) मरना हुआ ।  
 ररुद, ( कि. ) मारना ।  
 ररुदालक, ( पुं. ) एक विशेषण जो लताजिह  
 को लता करने पर शर्ष से निमी की की  
 निगधी की मीठुष्य को लगी थी,  
 निरुधुय में मीठुष्य के वस भी थी,  
 उरुय कई अरु लोका निरुधुय ही लता  
 थीर लतामें बसा हल ररु था कि लरुं का  
 ररु ले बरी अरु ल मरी वरुधुय ।  
 ररुन, ( वि. ) रिषा मरना । ( पुं. ) कपडा ।  
 ररुन, ( की. ) रीस । रिस्नी ।  
 ररुन, ( न. ) नीचे निरुधुय ।  
 ररुनिधु, ( वि. ) लीके लीके मरना ।  
 ररुनधु, ( वि. ) अरुधुय । अरुधुय  
 ( वि. ) ( न. ) अरुधुय ।  
 ररुन, ( की. ) मरना ।  
 ररुन, ( वि. ) रिषा ।  
 ररुन, ( वि. ) रिषा ।  
 ररुन, ( पुं. ) मरना ।

ररुधु, ( न. ) मरु । मरु । मरु ।  
 ररुधुन, ( की. ) मरी । मरु कीरुधु । ( वि. )  
 मरुने वाला ।  
 ररुधु ( पुं. ) मरु । रिषा । ( वि. ) मरुधुनी ।  
 ररुधुन, ( वि. ) मरुधु । मरुधु । रिषा हुआ ।  
 ररुधुनर, ( पुं. ) मरुधु ।  
 ररुधु, ( अरुधु. ) मरुधु । मरुधु ।  
 ररु, ( वि. ) मरुधु ।  
 ररुन, ( पुं. ) मरुधु ।  
 ररुधु, ( की. ) मरुधु ।  
 ररुन, ( वि. ) मरुधु । मरुधु । ( की. )  
 मरुधु के मरुधु की मरुधु ।  
 ररुधु, ( पुं. ) मरुधु की मरुधु का मरुधु हुआ  
 मरुधु मरुधु ( वि. ) मरुधु मरुधु मरुधु ।  
 ररुधुन, ( न. ) मरुधु । मरुधु ।  
 ररुधुनधु, ( न. ) मरुधु के लीके मरुधु ।  
 मरुधु ।  
 ररुधुनधुधु, ( वि. ) मरुधु । ( की. ) मरुधु ।  
 ररुधुनधुधुधु, ( की. ) मरुधु । ( वि. )  
 मरुधु मरुधु ।  
 ररुधुनधुधुधु, ( न. ) मरुधु के लीके मरुधु  
 मरुधु ।  
 ररुधुनधुधुधु, ( की. ) मरुधु ।  
 ररुधु, ( न. ) मरुधु । ( पुं. ) मरुधु ।  
 ( वि. ) मरुधु ।  
 ररुधुनधुधुधु ( न. ) मरुधु । मरुधु ।  
 ररुधुनधुधुधुधु, ( वि. ) मरुधु ।  
 ररुधु ( न. ) मरुधु । मरुधु । ( पुं. )  
 ( वि. ) मरुधु । मरुधु ।  
 ररुधुनधु, ( पुं. ) मरुधु । मरुधु ।  
 ररुधुनधु ( वि. ) मरुधु ।  
 ररुधुनधु ( न. ) मरुधु ।



स्वस्वययन, ( न. ) शुभ के लिये वेदविहित  
 ऋग् भाग आदि ।  
 स्वस्थ, ( वि. ) स्वर्ग में रहने वाला । छल से  
 रहने वाला ।  
 स्वर्गीय, ( पु. ) भाजा ।  
 स्वर्गागत, ( न ) कुशल ।  
 स्वाति, } ( पु. स्त्री ) सूर्य की एक स्त्री ।  
 स्वाती, } अश्विनी से पञ्चमों नक्षत्र ।  
 स्वापू, ( कि. ) प्रसन्न होना । स्वाद लेना ।  
 खाटना ।  
 स्वाद, ( पुं. ) रस का अनुभव । प्रसन्न होना ।  
 खाटना ।  
 स्वादु, ( पु. ) मिठाई । शुभ । ( वि. ) आहा  
 हुआ । मीठा । मनोहर ।  
 स्वाधीन, ( वि. ) स्वतन्त्र ।  
 स्वाधीनपतिष्ठा, ( स्त्री. ) नायिका विशेष ।  
 स्वान्त, ( न. ) मन । साहाय्य ।  
 स्वाप, ( पुं. ) सोना । मिठा । अज्ञान ।  
 स्वापतेय, ( न. ) धन । दौलत ।  
 स्वाभाविक, ( वि. ) स्वभाव सिद्ध ।  
 स्वामिन्, ( वि. ) अधिपति । ईश्वर ।  
 ( पुं. ) महादेव । रामा । कार्तिकेय । पति ।  
 बन्धायन हनि । गन्ध । परमहंस ।  
 मासिक । स्त्री का पति ।  
 स्वायम्भुव, ( पुं. ) स्वयम्भू का पुत्र । बौद्ध  
 में इस नाम का पहिला मनु । ( वि. ) स्वयम्भू  
 सम्बन्धी ।  
 स्वाधिक, ( वि. ) व्याकरण का प्रथम विशेष ।  
 स्वाप्य, ( पुं. ) इन्द्र ।  
 स्वाद्य, ( न. ) अन्न ।  
 स्वार्थ, ( पुं. ) अर्थना अभिप्राय ।  
 स्वातोविद्य, ( पु. ) हस्ता मनु ।  
 स्वास्व, ( न. ) आरोग्य । आराम । सुख ।  
 स्वाहा, ( स्त्री. ) अग्नि की स्त्री । दुर्गा । हवन  
 में आहुतिपूर्वक धन बर्षन । देवताओं  
 का दुहितृपूर्वक बर्षन ।  
 स्वाहामिय, ( पुं. ) अग्नि ।

स्वाहाभुम्, ( पुं. ) देव । देवता ।  
 स्विय, ( अन्व. ) प्रथम । पादद्वय ।  
 स्विय, ( वि. ) पत्नीने वाला ।  
 स्वर्गीकार, ( पु. ) मानना ।  
 स्वर्गीय, ( वि. ) अर्थना । ( स्त्री. ) एक प्रकार  
 की नायिका ।  
 स्वृ, ( कि. ) शब्द करना ।  
 स्वच्छदा, ( स्त्री. ) अथनी अधिष्ठाता ।  
 स्वच्छदामृतमु, ( पु. ) जिसका मरना अथनी  
 इत्या के अनुसार हो, जैसे—“भीष्म-  
 पितामह” इन्होंने उत्तरायण जाने पर  
 अथनी इच्छानुसार देह त्याग दिया था ।  
 स्वैद, ( पुं. ) पत्नीना । गर्मी ।  
 स्वैदनी, ( स्त्री. ) गन्ध । कड़ाई । मही ।  
 स्वैर, ( न. ) अथनी इच्छा । ( वि. ) अथनी  
 इच्छा वाला ।  
 स्वैरिन्, ( वि. ) स्नेहावादी । स्वयम् ।  
 ( स्त्री. ) स्वभित्तिवादी स्त्री ।  
 स्वोपार्जित, ( वि. ) अर्थना कमाया हुआ ।  
 स्वोपश्राप, ( न. ) सपना ।

### ह

ह, ( पुं. ) शिव । जल । आचारा । रत्न ।  
 शय्य । ध्यान । शुभल । स्वर्ग । सुख ।  
 कर । शान । अन्धता । विष्णु । बुद्ध ।  
 अर्थ । अभिधान । वैद्य । वाद्य । अधि-  
 श्रेय । ( न. ) परमात्मन् । प्रसन्नता । अन्न  
 विशेष । रस की अन्धक । बली का कर्तुः ।  
 ( अन्व. ) शब्द । प्रतिज्ञा ।  
 हंस, ( पु. ) मानस्योत्तरवादी पक्षी विशेष ।  
 परमज्ञ । श्रीकामन् । स्वर्ग । शिव । विष्णु ।  
 कामदेव । सम्वासी विशेष । पहिल अनुष्ण ।  
 वरेण । स्वर्गी । जैन ।  
 हंसक, ( पुं ) शौच का कर्ता का सम्बन्ध ।  
 बुद्ध ।  
 हंसगामिनी, ( स्त्री. ) अन्धक । एक शब्द ।  
 हंसगामिनी, ( स्त्री. ) बली अन्धक की स्त्री  
 विशेष ।

स्यतो, ( न. ) किसी पदार्थ पर अपना अधिकार ।

स्यधर्म, ( पुं. ) वेदादि शास्त्र विहित अपना कर्म ।  
धधःनात से बचाने वाला कार्य ।

स्यधा, ( अन्व. ) पितरों के उद्देश्य से इवि का देना ।

स्यधाम्निय, ( पुं. ) काला तिल ।

स्यधामुञ्ज, ( पु. ) पितृगण्य । देवता ।

स्वधिति, } ( स्त्री. ) कुम्हार ।  
स्वधिती, }

स्यन्, ( कि. ) शब्द करना ।

स्यन, ( पुं. ) शब्द ।

स्यनित, ( वि. ) शब्दित ।

स्यंपन, ( न. ) शयन । सोना । नींद ।

स्यम, ( पुं. ) नींद । सपना ।

स्यमाय, ( पु. ) निज शील ।

स्यमाघोक्ति, ( स्त्री. ) अपने स्वभाव का कथन ।

स्यभू, ( पु. ) ममा । विष्णु । शिव जी ।  
कामदेव ।

स्ययंघर, ( पु. ) विवाह की एक पद्धति विशेष, जिसमें बन्वा अपनी इच्छा के अनुसार घर को पसन्द कर स्वीकार करती है ।

स्ययंकृत, ( पुं. ) मनाषरी ।

स्ययंदत्त, ( पु. ) वह लड़का जिसने अपने को अपने घर ही दिया हो ।

स्ययम्, ( अन्व. ) आप ही आप ।

स्यर, ( अन्व. ) परलोक । ब्रह्मा । देवताओं के रहने का स्थान । ( पु. ) अन्न के उच्छ्राव का वन विशेष । गाने की भाषा ।

स्यरभार, ( पु. ) एक प्रकार का रोग । गले की भाषा बंद जाना ।

स्यरस, ( पु. ) अपना अभिप्राय । बचप की अपना विशेष । किसी को भी बन्धु को पुत्र का निबंध का रथा ।

स्यरात्र, ( पु. ) ईश्वर । वेद का अन्व विशेष ।

स्यरात्रया, ( स्त्री. ) ममा ।

स्यरित, ( वि. ) ममा ममा ।

स्यरु, ( पु. ) वज्र । यशोय शम्भ का इकाय ।  
तीर । सूर्य की किरण । विष्णु भेद ।

स्यरुचि, ( वि. ) स्वादन्व । स्वल्पता ।

स्यरूप, ( न. ) अपना पदार्थ । ( पुं. ) मानने वाला । परिश्रुत । ( वि. ) मनोरु ।

स्यरूपसम्बन्ध, ( पुं. ) अपने रूप का सम्बन्ध

स्वरोदय, ( पुं. ) एक विष्णु जिससे नाक की रवात द्वारा भावी शुभागुण का ज्ञान हो जाता है ।

स्वर्ग, ( पुं. ) नके छत का स्थान । देवताओं का लोक ।

स्वर्गनाथ, ( पु. ) इन्द्र ।

स्वर्गधू, ( स्त्री. ) स्वर्गलोक की भिन्नो तन्त्रापी आदि ।

स्वर्गांचल, ( पुं. ) छपेक पर्वत ।

स्वर्गिन्, ( पु. ) देवता ( वि. ) स्वर्गोत्तरी ।

स्वर्गांकस्, ( पुं. ) देवता ।

स्वर्ण, ( न. ) कांचन । सोना । धरु । नानकेतर ।

स्वर्णकाय, ( पुं. ) गरुड ।

स्वर्णकार, ( पु. ) छनार ।

स्वर्णोदी, ( स्त्री. ) गंगा ।

स्वर्मानु, ( पुं. ) राहु ।

स्वर्लोक, ( पु. ) स्वर्ग ।

स्वर्वांगी, ( स्त्री. ) गंगा ।

स्वर्षेद्या, ( स्त्री. ) घेतका आदि आत्माएँ ।

स्वस्था, ( वि. ) बहुत मोटा । छुट ।

स्वपातिनी, ( स्त्री. ) पिता के घर में पिता का नाम रखने वाली स्त्री

स्वर्ग, ( स्त्री. ) पति ।

स्वदिने, ( अन्व. ) धेमा । कथनाय । आत्मीय ।

स्वदिनेक, ( पु. न. ) कायान्तर । पर विशेष । आत्म भेद । अन्व विशेष । म वर का पित्र विशेष ।

स्वदिनेयायम, ( न. ) कथन अंग कथन वर ।

स्वदिनेयायनिक, ( वि. ) बहुकथन का अर्थ । अन्व विशेष की अर्थ ।

हरिद्वार, (न.) इस नाम का एक शीर्ष  
गङ्गा जी का आर्षावर्त में जाने का प्रस्ताव ।  
गङ्गाधर ।  
हरिनामन्, (न.) हरि का नाम । (पुं.)  
मैत्र ।  
हरिनेत्र, (न.) विष्णु की पालि । सङ्केत कमल ।  
(पुं.) उदर ।  
हरिन्मणि, (पुं.) पद्म ।  
हरिभक्त, (वि.) विष्णु का भक्त ।  
हरिभुज, (पुं.) शर्प ।  
हरिर्षय, (पुं.) एक पुत्रप-इन्के विधि-  
पूर्ण करने से पुत्रहीन को पुत्र होता है ।  
हरिर्वर्ष, (न.) जम्बुद्वीप के भी वर्षों में से  
एक ।  
हरिव्यामर, (न.) एकादशी का दिन ।  
आषाढ भाद्रपद और कार्तिक में क्रमशः  
अनुवाद्य, अक्षय और रेवती नक्षत्रों के  
मध्यम द्वितीय और चतुर्थ चाँदों से युक्त  
द्वादशी । इन द्वादशियों में भूम से पारण्य  
करने जाने का वास्तु मङ्गल का फल नष्ट  
हो जाता है ।  
हरिव्याहम, (न.) गणक । ईश का बदल ।  
ऐरावत ।  
हरिबीज, (न.) हृदयज ।  
हरिशयन, (न.) आषाढ शुक्ल एकादशी  
से कार्तिक शुक्ल दशमी तक । चार मन्त्र  
का सवय । आषाढी । एकादशी का मन्त्र ।  
हरिशयन, (पुं.) शर्वशरीर । अक्षय्या के  
एक रात्रि का नाम, जिसमें लक्ष्मी का नाम  
के द्वारे अनेक भक्त के वर लभे थे ।  
हरिसङ्कीर्तन, (न.) हरि का नाम लेना ।  
हरिदय, (पुं.) ईश ।  
हरिदर, (पुं.) हरि विदेह जिसका अर्थ  
महेश्वर का और अर्थ विष्णु का है ।  
हरिदरशेख, (न.) यज्ञ के उत्तर का  
(गङ्गा और यमुना) के हाव बला) एक  
दोहे विदेह ।

हरिस्तकी, (स्त्री.) हरे या हरि का पेड़ ।  
हर्ष, (वि.) चोर । (पुं.) शर्व ।  
हर्म्य, (न.) महल । राजमहल ।  
हर्म्येश, (पुं.) यौही अथवा वाणा । देव (पुत्र) ।  
हर्म्येश्य, (पुं.) इन्द्र । आशीनरई राजा के  
अयोनिज दस पुत्र ।  
हर्ष, (पुं.) हर्ष ।  
हर्षण, (पुं.) विषम आदि में बौरहर्ष-  
योग । (वि.) हर्षण । (न.) हर्ष  
करने वाला ।  
हर्षमाण, (पुं.) आठ वा देवता योग ।  
(वि.) मण्डपिन ।  
हर्षिणी, (स्त्री.) भोग । (वि.) हर्षण  
करने वाली ।  
हर्षिन, (वि.) हर्षण हुआ ।  
हस्त, (वि.) लक्षण ।  
हस्त, (न.) लक्षण । हस्त ।  
हस्तधर, (पुं.) बलदाय । विद्या ।  
हस्तभूति, (स्त्री.) लेनी वाली । विद्या ।  
हस्ता, (स्त्री.) हस्ती । दुर्बिनी । मन्त्र ।  
हस्तायुध, (पुं.) बलदाय । विद्या ।  
हस्ताहस्त, (पुं.) उग्र विद जो देव देव से  
सम्बन्ध करने से पहले पहले विद्या का  
बीज शिव जी से विद्या का बीज हस्त  
अङ्गुलियों की हस्त से ही हरे हस्त, स्त्री,  
अर्थ वा लेने वाले अथवा अर्थ, स्त्री,  
अर्थ हो लभे । संसर्ग । अक्षय्य  
(हरिण) ।  
हस्तिन, (पुं.) बलदाय । विद्या ।  
हस्त्य, (वि.) बलदाय । विद्या ।  
हस्त्य, (पुं.) हस्त । अर्थ । हस्त । हस्त ।  
हस्त्य, (न.) हस्त ।  
हस्त्यो, (स्त्री.) अक्षय्य ।  
हस्त्योप, (वि.) हस्त का उत्तर ।  
हस्त्योप, (न.) हस्त का उत्तर ।  
हस्त्योप, (न.) हस्त का उत्तर ।  
हस्त्योप, (न.) हस्त का उत्तर ।







हविस्, ( न. ) होम योग्य प्रत्येक पदार्थ ।

हव्य, ( न. ) देवताओं के निमित्त । होम करने योग्य द्रव्य ।

हव्यवाह, ( पुं. ) आग्नि । जो इवन की चीजों जिनके नाम दी जायें उन्हें पहुँचा दे ।

हस्, ( कि. ) हँसना ।

हस, } ( पुं. ) हँसना ।  
हास, }

हसन, ( न. ) हास्य । हँसना ।

हसन्ती, ( स्त्री. ) आशीठी । ( कि. ) हँसने वाली ।

हसित, ( न. ) हँसना ( वि. ) हँसा हुआ ।  
लिला हुआ ।

हस्त, ( पुं. स्त्री. ) हाथ । हाथी की सूँड़ ।  
अश्विनी से तेरहवाँ तारा ।

हस्तामलक, ( न. ) सहज ही में देखने योग्य पदार्थ । जैसे हाथ में रक्ता हुआ झोंवला सब पूरा पूरा सहज में दीखता है । वेदान्त का मन्व विरोध । कामलक ।

हस्तिक, ( न. ) हाथियों का समूह ।

हस्तिकन्त, ( पुं. ) हाथी का दोन । पर की दोनास में गाड़ी गयी कील ।

हस्तिक, ( पुं. ) गज । हाथी । चन्द्रवंशी एक राजा ।

हस्तिनापुर, ( न. ) नगर । दित्री । पापकों की राजधानी ।

हस्तिनी, ( स्त्री. ) हथिनी । स्त्री विशेष ।

हस्तिन्य, ( पुं. ) महापुत्र । हाथीपुत्र ।

हस्तिमद, ( पुं. ) हाथी का मद । एक प्रकार का मन्व बना द्रव्य ।

हस्त्यासोह, ( पुं. ) महापुत्र । हाथीपुत्र ।

हा, ( कि. ) होना । लगना । जाना ।

हा, ( कर्म. ) निराद । शोक । पीडा । निराद ।

हाटक, ( न. ) एक देश । उस देश में उष्ण होता । हस्त । ( वि. ) हस्त का बना हुआ ।

हाम, ( न. ) हस्तिक । पुत्रपुत्र ।

हानि, ( स्त्री. ) हानि । नुकसान ।

हायन, ( पुं. ) धान । वर्ष । ( स्त्री. ) धान की साट ।

हार, ( पुं. ) मोतियों की माला । बौद्धों का लाल । विमानक ।

हारक, ( पुं. ) खोर । धूलें । छपर । मानक पत्र । ( वि. ) बुलाने वाला ।

हाराधली, ( स्त्री. ) मोतियों की माला ।

हारिद्र, ( वि. ) हल्दी से रसा हुआ । ( पुं. ) कदम का पेड़ ।

हारिन्, ( वि. ) बुलाने वाला । हार वाला । मनोहारी ।

हारीत, ( पुं. ) एक छुनि । धर्मराज बनाने वाला । एक पथी । पूर्त ।

हार्द, ( न. ) स्नेह । प्रेम । ( वि. ) हृत्प में उत्पन्न या मन में जाता हुआ ।

हार्प्य, ( पुं. ) बहेरा । ( वि. ) ले जाने योग्य ।

हास, ( पुं. ) बलाप । हस ।

हाला, ( स्त्री. ) मद । लालस की परिण ।

हालाहल, ( पुं. न. ) उष्ण विष विशेष । कीरा विशेष ( स्त्री. ) परिण । ( देखो हलाहल ) ।

हालिक, ( वि. ) विमान । हलका ।

हाय, ( पुं. ) आह्वान । मित्रों की प्रशंसा या से उत्पन्न शिरा ।

हासिक, ( न. ) हाथी का समूह ।

हासिक, ( न. ) हस्तिनापुर । दित्री ।

हास्य, ( न. ) हँसना । अपहृत् का एक विशेष ।

हाहाकार, ( पुं. ) शोक का समूह ( हाय हाय )

हि, ( कि. ) बहना । जाना ।

हि, ( कर्म. ) देना । बाल्य । शिष्य । शिष्य । मन्व । कर्मि । शोक । शरीर का पुत्र ।

हिमक, ( पुं. ) शिष्य का हिम शिष्य समूह । ( वि. ) शिष्य करने देने ।

हिमा, ( स्त्री. ) पर्व । हिम की शिखरों से बहने वाला पर्वत का नाम । हिम ।





द्वैत, ( न. ) सोना । धन । १ मरिचे की  
 तील । ( पुं. ) बाले रथ का घोडा । कुप ।  
 द्वैतकार, ( पुं. ) छन्द ।  
 द्वैतकूट, ( उ. ) किमुदपर्वत का एक पहाड़ ।  
 द्वैतन, ( न. ) सोना । धन । नागकेसर ।  
 द्वैत ।  
 द्वैतन्त, ( पुं. न. ) शीतश्चतु ।  
 द्वैतमालिन्, ( पुं. ) मूर्ख ।  
 द्वैतान्न, ( पुं. ) गन्ध । मिष्ट । हृषिक पर्वत ।  
 द्वैत । चम्पा का पेड़ । विष्णु । ( वि. ) सोने  
 के रथ जैसा ।  
 द्वैतान्द्रि, ( पुं. ) सोने का पर्वत । हृषिक पर्वत ।  
 दक्षिण के किसी राजा का एक भूतपूर्व  
 मन्त्री जिसके रथे ( कई सयूच में ) दान-  
 सयूच, आद्यसूच आदि मन्त्र बड़े शया-  
 थिक माने जाते हैं ।  
 द्वैत, ( वि. ) व्याप्य । सिद्धिने योग्य ।  
 द्वैतस्य, ( पुं. ) गण्डरा ।  
 द्वैतस्यजननी, ( स्त्री. ) दुर्गा । पार्वती ।  
 द्वैतन, ( न. ) अवस्था । निरादर । अपमान ।  
 द्वैतान्, ( स्त्री. ) अपमान करना । गृहकार  
 भाव से उग्रम शिष्यों की चेष्टा विशेष ।  
 द्वैत, ( कि. ) घोडा का शब्द । दिनदिन ।  
 द्वैतान्, ( स्त्री. ) दिनकार ।  
 द्वैत, ( न्य. ) सम्बोधन । बुलाना ।  
 द्वैतुक, ( वि. ) बुक्तिवत् वचन बड़ने वाला ।  
 द्वैत, ( वि. ) सोने का विकार । सोने का बना  
 हुआ ।  
 द्वैतन, ( पुं. ) द्वैतन काष्ठ । ( वि. ) द्वैतन्तश्चतु  
 में उग्रम ।  
 द्वैतघत, ( न. ) द्वैतान्य का । भागवत । एक  
 प्रकार का विष ।  
 द्वैतघती, ( स्त्री. ) पार्वती । दुर्ग ।  
 द्वैतघर्षीन, ( न. ) नरनील । ताजा पी ।  
 द्वैतस्य, ( पुं. ) एक देश और वहाँ का राजा ।  
 एक वरा जिसमें सद्यथाईन हुआ था ।  
 द्वैत, ( उ. ) नीला विशेष ।

द्वैत, ( पुं. ) शत्रुघ्न । ( वि. ) द्वैत करने  
 वाला ।  
 द्वैत, ( न. ) द्वैत की सामग्री । ( स्त्री. )  
 प्रशस्ता ।  
 द्वैतन्, ( पुं. ) द्वैत करने वाला ।  
 द्वैतान्, ( न. ) हनिशुद्ध । ( वि. ) द्वैत  
 सामग्री ।  
 द्वैत, ( पुं. ) देववृक्ष ।  
 द्वैतकुरव, ( न. ) द्वैत के लिये कुरव ।  
 द्वैतधान्य, ( न. ) निम्न चीर जौ ।  
 द्वैतन्, ( पुं. ) द्वैत करने वाला ।  
 द्वैतस्य, ( वि. ) द्वैत के उपयोगी श्री ।  
 द्वैत, ( स्त्री. ) श्रौतिय की लय विशेष ।  
 द्वैत का वाद्य भाग । द्वैत । सन्तुष्टक  
 शब्द ।  
 द्वैतकार, ( स्त्री. ) तृण आदि में अथपने शरीर  
 के धान ।  
 द्वैतकार, ( स्त्री. ) दोषी का उत्तर ।  
 द्वैत, ( कि. ) चारी करना ।  
 द्वैत, ( कि. ) चलना ।  
 द्वैत, ( न्य. ) विद्यता दिन ।  
 द्वैतन, ( वि. ) बंते दिन का हुआ ।  
 द्वैत, ( पुं. ) गहवा तालक । शील ।  
 द्वैतनी, ( स्त्री. ) नदी ।  
 द्वैतस्य, ( वि. ) बहुत लोटा ।  
 द्वैतस्य, ( पुं. ) छतार ।  
 द्वैतस्य, ( वि. ) बहुत घोड़ा ।  
 द्वैतस्य, ( न. ) एक प्रकार का जल ( वि. )  
 सोना । बीना । ( पुं. ) एक शायने समय  
 में उच्चारण करने योग्य लघु शब्द । शायन ।  
 ( न. ) शौर्य विशेष ।  
 द्वैतस्यार्थ, ( पुं. ) दुःख । दुर्भे ।  
 द्वैतस्य, ( पुं. ) शब्द । कोणाहल । अचरित ।  
 दुर्गा । गेह । सजाह । सोयी शक्या ।  
 अकार ।  
 द्वैत, ( वि. ) शब्द करना । गानना ।  
 द्वैत, ( पुं. ) शब्द । द्वैतकार, द्वैत का एक पुत्र ।

हानिवादिन्, ( पु. ) यथार्थ विषय को धोत्र कर विषयाश्रयों में बोलने वाला । वादी विरोध ।  
 हीनाङ्ग, ( नि. ) नून भइ वाला, जैसे-सहसा, अन्धा, सुजा ।  
 हीर, ( न. पु. ) वज्र । हीरा । शिर । शौर । हार । सिंह ।  
 हु, ( कि. ) होम करना ।  
 हुद्, ( कि. ) हकडा करना ।  
 हुड, ( पं. ) मेघ । बादल । चोर की रोक को पुँरिणी में गङ्गी कीज विरोध ।  
 हुन, ( नि. ) होमा हुआ ।  
 हुगमुन्, ( पुं. ) धनि ।  
 हुगयद्, } ( पुं. ) भाग । विपक वृथ ।  
 हुगाय, }  
 हुगि, ( की. ) होम ।  
 हुम, ( अन्. ) गाय । प्ररन । हुम । रोक ।  
 हुद्, } ( पुं. ) एक गाय ।  
 हुद्, }  
 हुहार, ( पुं. ) धागा को बनाने वाला । एक प्रकार का शब्द । ई शब्द ।  
 हुन, ( नि. ) हुनाया हुआ ।  
 हुनि, ( की. ) हुना । धनाया ।  
 हुन, } ( पुं. ) धोत्रों की जति ।  
 हुन, }  
 हुदुन्, ( न. ) हुदुदुता । विहीन ।  
 हु ( नि. ) हुना । धोत्र बनाना । जंगली धनाया ।  
 हुदुव ( पुं. ) धनाया ( अ. ) धनाया ।  
 हुदुव ( न. ) धनाया ( अ. ) धनाया ।  
 हुदुव ( कि. ) धनाया ।  
 हुदुव ( की. ) धनाया ।  
 हुदुव ( पुं. ) धनाया ।  
 हुदुव ( न. ) धनाया ।  
 हुदुव ( पुं. ) धनाया ।  
 हुदुव ( न. ) धनाया ।  
 हुदुव ( पुं. ) धनाया ।

हृदयप्रन्थि, ( पु. ) हृदय की रीत । बानी । सन्देश । मन का रीज । प्र और अज्ञान की रीत ।  
 हृदयहम, ( न. ) मुनिवृक्ष वाय । वाक्य । ( नि. ) मनोहर । दिन का  
 हृदयस्थान, ( न. ) दरस्थ ।  
 हृदयिक, ( नि. ) अग्ने वित राजा ।  
 हृदयेश, ( पुं. ) माणिक ।  
 हृदावर्त्ता, ( पुं. ) घोड़े की बाजी या ऐसी भीत ।  
 हृदिका, ( सी. ) कुशावर्त्ता की सी ।  
 हृदिरूप, ( नि. ) हृदा मनोहर । हृदा  
 हृद्य, ( न. ) दाखीनी । ( नि. ) मनोहर  
 हृद्रोग, ( नि. ) हृदय की एक प्रकार की रोग  
 हृद्रण्टक, ( पुं. ) मडर । वेत ।  
 हृद्वारा, ( पुं. ) दिनभो का रोग ।  
 हृद्वार, ( पुं. ) शान । तर्क । तीव्र न विरोध । र्थापवाद ।  
 हृद्, ( कि. ) प्रमत्त होना ।  
 हृदिन, ( नि. ) प्रमत्त । निमित्त ।  
 हृदीक, ( न. ) अष्टादि हृदिन । हृद्वार साधन ।  
 हृदीकेश, ( पुं. ) शिखर ।  
 हृद्व, ( नि. ) रोग । प्रमत्त ।  
 हृद्वमान, ( नि. ) प्रमत्त विन वादा ।  
 हृद्वमान, ( नि. ) विमके रोग । लो री भी है । प्रमत्तिय ।  
 हृदि ( की. ) धनाया ।  
 हृदि ( न. ) धनाया ।  
 हृदि ( पुं. ) धनाया ।  
 हृदि ( नि. ) धनाया ।  
 हृदि ( की. ) धनाया ।  
 हृदि ( पुं. ) धनाया ।  
 हृदि ( न. ) धनाया ।  
 हृदि ( पुं. ) धनाया ।  
 हृदि ( न. ) धनाया ।  
 हृदि ( पुं. ) धनाया ।  
 हृदि ( न. ) धनाया ।  
 हृदि ( पुं. ) धनाया ।





हीनचादिन्, ( पुं. ) यथार्थ विषय को छोड़ कर विषयानुसार में बोलने वाला । बारीक शिरोर ।

हीनाह, ( वि. ) नून यह वाला, जैसे-सहसा, अन्ना, सुखा ।

हीट, ( न. पु. ) बज । हाँस । शिर । सोर । हार । निह ।

हु, ( वि. ) होम करना ।

हुद, ( कि. ) हक़्त करना ।

हुड, ( पु. ) देव । बालक । धीर की शैक की कृपि में गरी कीय शिरोर ।

हुप, ( वि. ) होषा हुआ ।

हुपभुम्, ( पुं. ) धनि ।

हुपपर, } ( पुं. ) आग । विपक वृष ।

हुपार, } ( पुं. ) आग । विपक वृष ।

हुपि, ( अ. ) होम ।

हुम्, ( अ. ) उपान । प्ररन । हुग । शैक ।

हुद, } ( पुं. ) एक गवर्ती ।

हुद, } ( पुं. ) एक गवर्ती ।

हुद, ( वि. ) हुपना हुआ ।

हुदि, ( अ. ) होम । हुपना ।

हुद, } ( पुं. ) होम की शक्ति ।

हुद, } ( पुं. ) होम की शक्ति ।

हुद, ( न. ) हुदिय । शिरोर ।

हुद, ( न. ) हुदिय । शिरोर ।

हुद, ( न. ) हुदिय । शिरोर ।

हुद, ( न. ) हुदिय । शिरोर ।

हुद, ( न. ) हुदिय । शिरोर ।

हुद, ( न. ) हुदिय । शिरोर ।

हुद, ( न. ) हुदिय । शिरोर ।

हुद, ( न. ) हुदिय । शिरोर ।

हृदयप्रग्धि, ( पु. ) हृदय की रीत । बारी । स देह । मन का रीत । बारी और अज्ञान की रीत ।

हृदयहम, ( न. ) कुम्भिक राज । हो काय । ( वि. ) मनोर । शिर काय

हृदयस्थान, ( न. ) हृदय ।

हृदयिक, ( वि. ) धाने विपक राज ।

हृदयेय, ( पुं. ) माणिक ।

हृदाधर्त्त, ( पुं. ) धीर की शक्ति का देह । भीर ।

हृदिका, ( बी. ) कुम्भिक की रीत ।

हृदिरुप, ( वि. ) हृदाधर्त्त का देह ।

हृदय, ( न. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।

हृदय, ( वि. ) धारणीनी । ( वि. ) धीर ।



हीनवादिन्, ( पुं. ) यथार्थ विषय की ओर  
कर विषयान्तरण में नीलने वाला । वादी  
विरोध ।

हीनाङ्ग, ( वि. ) न्यून अङ्ग वाला, जैसे-सहस्र,  
अन्धा, सुजा ।

हीर, ( न. पु. ) वज्र । हीरा । शिव । साँव ।  
हार । सिंह ।

हु, ( क्रि. ) होम करना ।

हुद्, ( क्रि. ) हक़्का करना ।

हुड, ( पु. ) मेघ । बादल । चोर की रोक को  
पृथिवी में गड़ी कील विरोध ।

हुन, ( वि. ) होमा हुआ ।

हुतभुङ्ग, ( पु. ) भग्नि ।

हुतपह, } ( पुं. ) भाग । विपत्त तृथ ।  
हुतारा, }

हुमि, ( स्त्री. ) होम ।

हुम्, ( अण्य. ) गण्य । प्ररन । हुम । रोक्त ।

हुद्, } ( पुं. ) एक गवर्वा ।  
हुद्, }

हुद्दार, ( पुं. ) अन्धा को बगाने वाला ।  
एक प्रकार का शब्द । ही शब्द ।

हुप, ( वि. ) हुपाया हुआ ।

हुमि, ( स्त्री. ) हुं ग । हुपाया ।

हुम्, } ( पुं. ) अन्धों की गति ।  
हुम्, }

हुम्बुन, ( न. ) हुम्बुन । विहीन ।

हु, ( वि. ) हुं करना । हुं ग करना । अन्धों की  
गति ।

हुम्बुन, ( पुं. ) अन्धों की गति । हुम्बुन ।  
हुम्बुन ।

हुम्बुन, ( न. ) अन्धों की गति ।

हुम्बुन, ( वि. ) अन्धों की गति ।

हुम्बुन, ( स्त्री. ) अन्धों की गति ।

हुम्बुन, ( पुं. ) अन्धों की गति ।

हुम्बुन, ( न. ) अन्धों की गति ।

हुम्बुन, ( वि. ) अन्धों की गति ।

हुम्बुन, ( पुं. ) अन्धों की गति ।

हृदयप्रसिन्ध, ( पुं. ) हृत्प की रोग ।  
बानी । सन्देश । मन का रोग । अन्धों  
और अज्ञान की रोग ।

हृदयद्रम, ( न. ) हृत्पिच्छक का रोग । हृत्प  
का रोग । ( वि. ) मनोरुद्र । हृत्प का रोग ।

हृदयस्थान, ( न. ) हृत्प का स्थान ।

हृदयिक, ( वि. ) हृत्प के स्थित का रोग ।

हृदयेय, ( पुं. ) हृत्पिच्छक ।

हृदावर्त्त, ( पुं. ) हृत्प की वाती पर होने का  
भोग ।

हृदिका, ( स्त्री. ) हृत्पक की रोग ।

हृदिस्यूय, ( वि. ) हृत्पक के रोग । हृत्पक की रोग ।

हृद्य, ( न. ) हृत्पक की रोग । ( वि. ) हृत्पक की रोग ।

हृद्रोग, ( वि. ) हृत्पक की रोग । हृत्पक की रोग ।

हृद्रण्डक, ( पुं. ) अन्ध । अन्ध ।

हृत्कार, ( पुं. ) हृत्पक का रोग ।

हृत्क्षेत्र, ( पुं. ) हृत्पक । हृत्पक । हृत्पक की रोग ।  
विरोध । अन्ध ।

हृत्, ( क्रि. ) प्रमत्त होना ।

हृत्विन्, ( वि. ) प्रमत्त । विविध ।

हृत्वीक, ( न. ) प्रमत्त । हृत्पक । हृत्पक का  
साधन ।

हृत्वीकेश, ( पुं. ) हृत्पक ।

हृत्प, ( वि. ) प्रमत्त । प्रमत्त ।

हृत्प्रमाण, ( वि. ) प्रमत्त प्रमाण ।

हृत्प्रमाण, ( वि. ) प्रमत्त प्रमाण । प्रमत्त प्रमाण ।

हृत्पि, ( स्त्री. ) अन्ध । हृत्प ।

हृत्पि, ( न. ) अन्ध । अन्ध ।

हृत्पि, ( वि. ) अन्ध । अन्ध ।

हृत्पि, ( स्त्री. ) अन्ध । अन्ध । अन्ध की रोग ।  
अन्ध की रोग । अन्ध की रोग । अन्ध की रोग ।

हृत्पि, ( पुं. ) अन्ध । अन्ध ।

हृत्पि, ( स्त्री. ) अन्ध । अन्ध ।

हृत्पि, ( वि. ) अन्ध । अन्ध । अन्ध की रोग ।

हृत्पि, ( पुं. ) अन्ध । अन्ध । अन्ध की रोग ।



हॉनयादिन्, ( पुं. ) यथार्थ विषय की ओर  
 कर विपणनमें में नेतने वाला । बाड़ी  
 विशेष ।  
 हॉनाह, ( वि. ) नून प्रह वाता, जिते-सहसा,  
 अन्धा, सुहा ।  
 हॉरि, ( न. पु. ) बज । हॉर । शिख । हॉर ।  
 हार । तिह ।  
 हु, ( कि. ) होम करना ।  
 हुद्, ( कि. ) हाडा करना ।  
 हुड, ( पु. ) मेष । बादल । घोर की रोह की  
 पृथिवी में गयी कील विशेष ।  
 हुन, ( वि. ) होमा हुआ ।  
 हुतमुद्, ( पु. ) मणि ।  
 हुनपह, } ( पु. ) भाग । विपक वृष ।  
 हुनाय, }  
 हुनि, ( की. ) होम ।  
 हुम्, ( मन्. ) स्थाप । प्रथन । हुम । रोह ।  
 हुद्, } ( पुं. ) एक मन्थ ।  
 हुट, }  
 हुहार, ( पु. ) मन्था की मन्थने वाला ।  
 एक प्रकार का शब्द । ई शब्द ।  
 हुन, ( वि. ) हुनाया हुआ ।  
 हुनि, ( की. ) म्थना । हुनाया ।  
 हुन, } ( पुं. ) म्थनों की मन्थि ।  
 हुग, }  
 हुप्येन, ( न. ) उद्विगता । विबोहन ।  
 हु, ( कि. ) हुे करना । म्थी करना । म्थनी  
 से करना ।  
 हुप्युय, ( पु. ) कानडा ( वि. ) हुप्युय ।  
 हुप में सेने करना ।  
 हुप्युल, ( न. ) वेड का रोह विशेष ।  
 हुर्नी, ( कि. ) निरुह करना ।  
 हुर्नीया, ( की. ) निरुह ।  
 हुन्वन्ना, ( पु. ) हुप्यु का रोहम् ।  
 हुन, ( वि. ) हुनाया हुआ । हुनाया ।  
 हुन्, ( वि. ) हुने करना । ( न. ) हुप्यु ।  
 हुन्, ( न. ) हुन । हुप्यु ।

हृदयमन्थि, ( पु. ) हृदय की गोंड । लुंड  
 बानी । सन्देह । मन का मेष । अविद्या  
 भाँत महान की गोंड ।  
 हृदयज्जम, ( न. ) मुक्तिपूक वायव । रोचक  
 वायव । ( वि. ) मनोहर । मिय वायव ।  
 हृदयस्थान, ( न. ) वयःस्थल ।  
 हृदयिक, ( वि. ) भाग्ये वित्त वाता ।  
 हृदयेय, ( पु. ) मासिक ।  
 हृदावर्त्त, ( पुं. ) घोड़े की छाती पर रोमों का  
 भँसा ।  
 हृदिका, ( की. ) हृदावर्त्त की म्थि ।  
 हृदिस्पृश, ( वि. ) हृदय मनोहर । दुःखरापी ।  
 हृद्य, ( न. ) दारकीनी । ( वि. ) मनोहर ।  
 हृद्रोग, ( पुं. ) हृदय की एक प्रकार की बीमारी ।  
 हृद्रएटक, ( पु. ) मठर । वेड ।  
 हृत्सास, ( पुं. ) हृदयो का रोप ।  
 हृत्सेर, ( पु. ) सान । ठक । तादिक मेष  
 विशेष । अँपुय ।  
 हृत्, ( कि. ) प्रमत्त होना ।  
 हृत्विन, ( वि. ) प्रमत्त । विविता ।  
 हृत्की, ( न. ) यथादि हृदिय । सान पर  
 साधन ।  
 हृत्कीय, ( पु. ) विपु ।  
 हृत्, ( वि. ) हेगन । प्रमत्त ।  
 हृत्प्रमानस, ( वि. ) प्रमत्त वित्त वाता ।  
 हृत्प्रमन्, ( वि. ) विपके म्थु म्थे हो गये  
 हैं । प्रमत्तवित्त ।  
 हृत्ति ( की. ) य । हु । हु ।  
 हु, ( मन्. ) मन्थन ।  
 हुद् ( कि. ) मन्थन करना ।  
 हुनि, ( की. ) मन्थन । मन्थन की म्थि ।  
 मन्थन की म्थि । हुप्यु का रोह । हुप्यु ।  
 हुम्, ( पु. ) मन्थन । हुप्यु ।  
 हुम्ना, ( की. ) मन्थन ।  
 हुम्पन्, ( वि. ) हुद् करना । मन्थन ।  
 हुम्पन्ना, ( न. ) हुे करना । मन्थन ।  
 हुम्पन्ना, ( न. ) हुे करना । मन्थन ।  
 हुम्पन्ना, ( न. ) हुे करना । मन्थन ।

दोम, (म.) सोना । धूरा । र मगो की मीठ । (पु.) बाके रइ वा येवा । पुष ।

दोमकार, (पु.) धूमर ।

दोमकूट, (पु.) विभुदण्डर्ष का एक पहाड ।

दोमन, (म.) सोना । धूरा । नागकेतर । बडे ।

दोमगत, (पु. म.) शीतघनु ।

दोममालिन्, (पु.) गुग्गु ।

दोमाङ्ग, (पु.) गङ्गा । सिद्ध । प्रथम पर्यन्त । मद्र । जग्गा वा पेड । विभुत् । (वि.) सोने के रइ जेगा ।

दोमाद्रि, (पु.) सोने का पर्यन्त । एषिय पर्यन्त । एशिय के किसी राजा वा एक धुरधुर भयी सिक्के रके (बी लण्ड मे) दान लण्ड, माटलण्ड आदि म द बडे प्राया थिक माने जाते है ।

दोय, (वि.) प्रायः । मोकने योग्य ।

दोयध, (पु.) गवेषा ।

दोयधजगर्भा, (बी.) दुर्गा । पार्वती ।

दोलम, (म.) कपडा । निगाहर । अपमान ।

दोहरा, (बी.) अपमान करना । दुःख भाव से बरन लिखी को बेटा सिन्ध ।

दोय, (वि.) धोना का शब्द । दिनदीने ।

दोया, (बी.) शिकार ।

दोई, (आय.) लाने । लुपाना ।

दोमुका, (वि.) दूरे एक बरन करने वाला ।

दोम, (वि.) सोने का सिक्का । सोने का मन्त हुआ ।

दोमल, (पु.) देवत बाला (वि.) देव बालु के उपासक ।

दोमलन, (म.) दिवाणद का अमान्यते एक बरन का शिप ।

दोमवपी, (म.) लोहे की हरी ।

दोमकूटीम, (म.) कपडा । लण्ड की ।

दोदय, (पु.) एक देश की हरी का उपासक । एक बल सिद्धे क(पु)के हुक म ।

दोड, (पु.) लोहे के सिक्के ।

दोदु, (पु.) कर्पूरक । (वि.) हरे काले बाला ।

दोड, (म.) हरे की लण्डनी । (म.) प्रणय ।

दोडिन्, (पु.) हरे काले बाला ।

दोडोय, (म.) हरीदे । (वि.) हरे मन्त की ।

दोड, (पु.) देवण ।

दोडकूण्ड, (म.) हरे के सिद्धे काल ।

दोडधाय (म.) सिक्के की ।

दोडिन्, (पु.) हरे काल बाल ।

दोडय, (वि.) हरे के उपासक की ।

दोडर, (म.) कर्पूरक की लण्ड सिक्के का नाम । देवण । म मन्तु बर मन्त ।

दोडलवार, (म.) लण्ड की सिद्धे काल के लण्ड ।

दोडलावा, (म.) हरे की लण्ड ।

दु, (म.) लण्ड ।

दुल, (वि.) लण्ड ।

दुल, (म-प.) सिद्धे काल ।

दुलकल, (वि.) लण्ड की लण्ड ।

दुल, (पु.) लण्ड की लण्ड ।

दुलदीनी, (म.) लण्ड ।

दुलिया, (वि.) लण्ड की लण्ड ।

दुलियाल, (पु.) लण्ड की लण्ड ।

दुलोयम, (वि.) लण्ड की लण्ड ।

दुलक, (म.) लण्ड की लण्ड ।

दुलकली (पु.) लण्ड की लण्ड ।

दुलक (पु.) लण्ड की लण्ड ।

दुलक (पु.) लण्ड की लण्ड ।

हीनवादिन्, ( पुं. ) ययार्थं विषय को छोड़ कर विषयान्तरों में नोसने वाला । वादी विशेष ।

हीनाह, ( नि. ) नून ग्रह वाला, जैसे-सहस्र, अथा, लुगा ।

हीर, ( न. पु. ) वज्र । हीरा । शिव । सौर । हार । सिद्ध ।

हु, ( क्रि. ) होम करना ।

हुद्, ( क्रि. ) हकड़ा करना ।

हुड, ( पुं. ) मेघ । बादल । चोर की टोक की पृथिवी में गयी क्रील विशेष ।

हुत, ( नि. ) होमा हुआ ।

हुतभुज्, ( पुं. ) अग्नि ।

हुतवह, } ( पुं. ) आग । चिपक वृक्ष ।  
हुताश, }

हुति, ( स्त्री. ) होम ।

हुम्, ( अन्व. ) स्मरण । प्रश्न । हुकम । छेक ।

हुड्, } ( पुं. ) एक गन्धर्व ।  
हुड्, }

हुङ्कार, ( पु. ) धवला को बताने वाला । एक प्रकार का शब्द । हुँ शब्द ।

हुत, ( नि. ) उलाया हुआ ।

हुति, ( स्त्री. ) न्योना । पुलावा ।

हुन, } ( पुं. ) स्लेष्मों की जाति ।  
हुण, }

हुच्छ्यन, ( न. ) कुटिलता । निर्धायन ।

हु, ( क्रि. ) छे जाना । चोरी करना । जोगन्ती छे जाना ।

हुच्छ्य, ( पु. ) कामदेव ( नि. ) हृदयशापी । हृदय में सोने वाला ।

हुच्छ्यूल, ( न. ) पेट का रोग विशेष ।

हुष्णी, ( क्रि. ) निन्दा करना ।

हुष्णीया, ( स्त्री. ) निन्दा ।

हुत्कम्प, ( पु. ) हृदय का कंपन ।

हुत्, ( नि. ) पुराना बया । स्नावात्तरिण ।

हुत्, ( नि. ) पुराने बया । ( न. ) हृदय । मन ।

हृदय, ( न. ) मन । वयःस्थल ।

हृदयप्रस्थि, ( पु. ) हृदय की गोंड । पेंड बानी । सन्देह । मन का मूल । प्रविद्या और अज्ञान की गोंड ।

हृदयह्रम, ( न. ) युतिपुत्र वाक्य । रोचक वाक्य । ( नि. ) मनोहर । प्रिय वाक्य ।

हृदयस्थान, ( न. ) वयःस्थल ।

हृदयिक, ( नि. ) अन्धे विल्ल वाला ।

हृदयेय, ( पुं. ) मासिक ।

हृदायर्त्त, ( पुं. ) घोड़े की धानी पर रोमों का भीरा ।

हृदिका, ( स्त्री. ) कुपाचार्य की मौं ।

हृदिस्पृश, ( नि. ) हृत् । मनोहर । दुःखदायी ।

हृद्य, ( न. ) दारचीनी । ( नि. ) मनोहर ।

हृद्रोग, ( पुं. ) हृदय की एक प्रकार की बीमारी ।

हृद्रण्टक, ( पु. ) बटर । पेट ।

हृत्लास, ( पु. ) दिवकी का रोग ।

हृत्सेल, ( पु. ) शान । तर्क । तारिक मंत्र विशेष । अतिसूक्ष्म ।

हृप्, ( क्रि. ) प्रसन्न होना ।

हृपित, ( नि. ) प्रसन्न । विरहित ।

हृपीक, ( न. ) अक्षुणादि इन्द्रिय । ज्ञान का साधन ।

हृपीकेश, ( पुं. ) तिस्रु ।

हृष्ट, ( नि. ) हँसान । प्रसन्न ।

हृष्टमानस, ( नि. ) प्रसन्न चित्त वाला ।

हृष्टरोमन्, ( नि. ) जिसके रोम लंबे हो गये हैं । प्रसन्नचित्त ।

हृष्टि, ( स्त्री. ) आनन्द । हर्ष ।

हु, ( अन्व. ) सम्बोधन ।

हुद्, ( क्रि. ) अन्वृत्त करना ।

हुति, ( स्त्री. ) अन्न । वाण । धर्म की लाट ।

हुत्, ( पु. ) कारण । कल ।

हेतुता, ( स्त्री. ) कारणत्व ।

हेतुमन्, ( नि. ) हेतु वाला । कारण मग ।

हेत्याभारत, ( पु. ) ओ वाल्य जैसा जन्म पने । दृष्टेयु ।

होमः (न.) सोना । धृशु । १ मासो वी  
 तीत । (पु.) बाले रक्ष वा घोषा । इष ।  
 होमकार, (पु.) छनार ।  
 होमकृष्ट, (पुं.) किमुदपत्रों का एक पदाह ।  
 होमन, (न.) सोना । धृशु । नागकेसर ।  
 बर्क ।  
 होमन्त, (पु. न.) शीतकण्ट ।  
 होममालिन्, (पु.) गुर्य ।  
 होमाह, (पु.) गण्ड । मिह । छमेक पर्वत ।  
 मन्त्र । बग्या वा पेड । निष्पु । (वि.) सोने  
 के रह जाता ।  
 होमाद्रि, (पुं.) सोने का पर्वत । छमेक पर्वत ।  
 दक्षिण के किसी राजा का एक भ्रातृव  
 मयी निस्तके रवे (वर्ष लघु में) दान-  
 लघु, वादलघु आदि मन्त्र बड़े प्राप्ता-  
 षिक माने जाते हैं ।  
 र, (वि.) त्याग्य । प्रोङ्गे योग्य ।  
 र्य, (पु.) गणेश ।  
 र्यजननी, (स्त्री.) दुर्गा । पार्वती ।  
 होलन, (न.) बकशा । निरादर । अपमान ।  
 होला, (स्त्री.) अपमान करना । गृहार  
 भाव से उत्पन्न शिवों की सेवा विशेष ।  
 होप, (कि.) घोषा का शब्द । दिनदिन ।  
 होपा, (स्त्री.) दिवकार ।  
 होपि, (अव्य.) सम्बोधन । बुलाना ।  
 होपुष्प, (वि.) पुष्पिपुष्प बचन कहने वाला ।  
 होम, (वि.) सोने का विकार । सोने का बना  
 हुआ ।  
 होमन, (पुं.) देवत बाला । (वि.) देवतकण्ट  
 में उत्पन्न ।  
 होमयत्, (न.) (विनालव वा) धारणार्थ । एक  
 प्रकार का विष ।  
 होमयती, (स्त्री.) पार्वती । हरी ।  
 होम्यर्षिन, (न.) नव । इ । शम्भो वी ।  
 होम्य, (पु.) एक देव और दशों का नाम ।  
 एक वरा शिवसे लक्ष्मणन हुआ था ।  
 होम्य, (पु.) कौशिक शिव ।

होम्य, (पुं.) शम्भेरुत । (वि.) होम करने  
 वाला ।  
 होम्य, (न.) होम की समीची । (स्त्री.)  
 प्रशसा ।  
 होमिन्, (पु.) होम करने वाला ।  
 होमनीय, (न.) हरिर्षुह । (वि.) होम  
 सम्बन्धी ।  
 होम, (पु.) देवकण्ट ।  
 होमकुण्ड, (न.) होम के लिये कुण्ड ।  
 होमधान्य, (न.) निज धान जी ।  
 होमिन्, (पु.) होम करने वाला ।  
 होम्य, (वि.) होम के उपर्यंगी वी ।  
 होरा, (स्त्री.) ज्योतिष की लक्षण विधि ।  
 राशि का आधा भाग । देवा । लक्षणार्थक  
 शब्द ।  
 होलका, (स्त्री.) गृह आदि से आरण्यके शक्ति  
 के धान ।  
 होलाका, (स्त्री.) होली का उलट ।  
 हु, (कि.) चांगी बनना ।  
 हुम्, (वि.) चलना ।  
 हुम्, (अव्य.) विद्यमान दिन ।  
 हुम्पन, (वि.) बने दिन का हुआ ।  
 हुद, (पु.) गण्ड नामक । अशुभ ।  
 हुदिनी, (स्त्री.) नदी ।  
 हुमिष्ठ, (वि.) बहू श्लोक ।  
 हुमिन्, (पु.) छात्र ।  
 हुमीयम्, (वि.) बहू श्लोक ।  
 हुम्प, (न.) एक प्रकार का जन्तु (वि.)  
 होला । होला । (पु) एक शब्द के अर्थ  
 में उच्चारण करने से उत्पन्न होते । हुम्प  
 (न) कर्षण विशेष ।  
 हुम्पगर्भ, (पुं.) कुल । दर्क ।  
 हुम्प, (पुं.) शब्द । कोलापन । अर्ध-  
 हुम्प । एक । कष्टक । होने अर्थक  
 अर्थक ।  
 हुम्प, (वि.) शब्द बनना । अर्थक ।  
 हुम्प, (वि.) शब्द । शिवकण्टके का एक रूप ।



हीनवादिन्, ( पुं. ) यथार्थ विषय को छोड़ कर विषयान्तरी में नीलने वाला । वादी विरोध ।

हीनाङ्ग, ( नि. ) गृह्न अथवा, जेने-लक्षणा, अन्धा, सुम्हा ।

हीर, ( न. पु. ) वज्र । हीरा । शिव । सौंष । हार । सिंह ।

हु, ( क्रि. ) होम करना ।

हुद, ( क्रि. ) इकट्ठा करना ।

हुड, ( पुं. ) मेष । बादल । चोर की रोक को पृथिवी में गभी क्रील विरोध ।

हुत, ( नि. ) होमा हुआ ।

हुतमुज, ( पुं. ) अग्नि ।

हुतवह, } ( पुं. ) धाग । चिक कृष ।

हुताश, } ( पुं. ) धाग । चिक कृष ।

हुति, ( स्त्री. ) होम ।

हुम्, ( अव्य. ) स्पर्श । प्ररन । हुम् । रोक ।

हुद्, } ( पुं. ) एक गन्धर्व ।

हुद्, } ( पुं. ) एक गन्धर्व ।

हुङ्कार, ( पु. ) ध्वजा को बताने वाला । एक प्रकार का शब्द । हुं शब्द ।

हुठ, ( नि. ) बुलाया हुआ ।

हुति, ( स्त्री. ) ग्योना । बुलावा ।

हुन, } ( पुं. ) ग्लेखों की जाति ।

हुण, } ( पुं. ) ग्लेखों की जाति ।

हुच्छुन, ( न. ) कुटिलता । निर्धोषन ।

हु, ( क्रि. ) से जाना । बोरी करना । जोरावरी से जाना ।

हुच्छय, ( पु. ) कामदेव ( नि. ) हृदयरापी । हृदय में सोने वाला ।

हुच्छूल, ( न. ) पेट का रोम विरोध ।

हुर्षा, ( क्रि. ) निन्दा करना ।

हुर्षाया, ( स्त्री. ) निन्दा ।

हुक्कम्प, ( पु. ) हृदय का झौंझना ।

हुत, ( नि. ) धराया गया । स्नानापरिध ।

हुन्, ( नि. ) धराने वाला । ( न. ) हृदय । मन ।

हुदय, ( न. ) मन । वधःरपण ।

हृदयप्रग्नि, ( पु. ) हृदय की गोंड । रेंड वाली । सन्देह । मन का मील । अग्निवा और अज्ञान की गोंड ।

हृदयङ्गम, ( न. ) सुक्तिगुल वाक्य । रोचक वाक्य । ( नि. ) मनोहर । विषय वाक्य ।

हृदयस्थान, ( न. ) वधःरपण ।

हृदयिक, ( नि. ) अन्धे चित्त वाला ।

हृदयेश, ( पु. ) मालिक ।

हृदावर्त्त, ( पु. ) घोड़े की धानी पर रोमों का भौंटा ।

हृदिका, ( स्त्री. ) कृपाचार्य की मौं ।

हृदिसृष्टा, ( नि. ) हृदा मनोहर । दुःखदायी ।

हृद्य, ( न. ) धारणीनी । ( नि. ) मनोहर ।

हृद्रोग, ( पुं. ) हृदय की एक प्रकार की बीमारी ।

हृद्रण्टक, ( पु. ) अठर । पेट ।

हृस्नास, ( पुं. ) दिक्को का रोग ।

हृस्नेस, ( पुं. ) झान । तर्क । तात्रिक मन विरोध । धौंसुवय ।

हृष्य, ( क्रि. ) प्रसन्न होना ।

हृषित, ( नि. ) प्रसन्न । विभिन्न ।

हृषीक, ( न. ) चक्षुरादि इन्द्रिय । ज्ञान का साधन ।

हृषीकेश, ( पुं. ) विष्णु ।

हृष्ट, ( नि. ) ह्रीन । प्रसन्न ।

हृष्टमानस, ( नि. ) प्रसन्न चित्त वाला ।

हृष्टरोमन्, ( नि. ) त्रिमके रोम लके हो गये है । प्रसन्नचित्त ।

हृष्टि, ( स्त्री. ) आनन्द । हर्ष ।

हु, ( अव्य. ) सम्बोधन ।

हुद्, ( क्रि. ) अनादर करना ।

हेति, ( स्त्री. ) अन्न । वाण । भाग को लाट । मूर्ध की झिल । हर प्रकार का तेज । धम ।

हेतु, ( पुं. ) कारण । फल ।

हेतुता, ( स्त्री. ) कारणत्व ।

हेतुमत्, ( नि. ) हेतु बाधा । कारण भल ।

हेत्याभारत, ( पु. ) जो कारण जेना जान पने । इहहेतु ।

होम, ( न. ) सोना । धरु । २ मासे की लील । ( पुं. ) बाबे रङ्ग का घोड़ा । कुप ।

होमकार, ( पुं. ) हार ।

होमकूट, ( पुं. ) किशुरवर्ष का एक पहाड़ ।

होमन, ( न. ) सोना । धरु । नागवैतर । बक ।

होमन्त, ( पुं. न. ) शीतयुग ।

होममालिन्, ( पु. ) गुरु ।

होमाह, ( पुं. ) गवक । सिंह । ध्रुव पर्यन्त । मन् । अथा का पेड़ । विष्णु । ( वि. ) सोने के रङ्ग जैसा ।

होमाद्रि, ( पुं. ) सोने का पर्वत । ध्रुव पर्यन्त । दक्षिण के किसी राजा का एक भूतपूर्व मंत्री जिसके रथे ( बड़े लघु में ) दान-लघु, आदललघु आदि मन्थ बड़े प्रमाणाधिक माने जाते हैं ।

होय, ( वि. ) श्वाभ्य । जोड़ने योग्य ।

होयम्ब, ( पु. ) गुपिता ।

होयम्बजननी, ( स्त्री. ) दुर्गा । पार्वती ।

होयन, ( न. ) अक्षता । गिरावर । अपमान ।

होया, ( स्त्री. ) अपमान करना । गृहार भाव से उग्रम विद्यो की चेष्टा विशेष ।

होय, ( वि. ) घोड़ा का शब्द । दिनहित ।

होया, ( स्त्री. ) दिनकार ।

होई, ( अव्य. ) सम्बोधन । प्रस्तावना ।

होयुक्त, ( वि. ) युक्ति एक बचन करने वाला ।

होम, ( वि. ) सोने का विकार । सोने का बना हुआ ।

होमन, ( पु. ) देवत काल । ( वि. ) होम उच्छु में उग्रम ।

होमयन, ( न. ) शिवालय का । अग्रवर्ष । एक प्रकार का विष ।

होमयती, ( स्त्री. ) पार्वती । ह्रीं ।

होयहर्षीन, ( न. ) गवक । लक्ष्मी की ।

होय, ( पु. ) एक देवत की बत्ती का नाम । एक बत्त जिसके लक्षण हैं । हुआ का ।

होय, ( पु. ) होय विशेष ।

होय, ( पु. ) अग्निदेव । ( वि. ) होम करने वाला ।

होय, ( न. ) होम की सामग्री । ( स्त्री. ) प्रस्ताव ।

होयिन्, ( पु. ) होम करने वाला ।

होय्रीय, ( न. ) हरिश्चंद्र । ( वि. ) होय सामग्री ।

होम, ( पु. ) देवयज ।

होमभुग्द, ( न. ) होम के निधि कार ।

होमघाम्य, ( न. ) निष पर्व की ।

होमिन्, ( पु. ) होम करने वाला ।

होम्य, ( वि. ) होम के उपसर्ग की ।

होय, ( स्त्री. ) अग्नि की लाम विशेष । शरीर का शशा भाग । रोग । आत्मपुरुष शब्द ।

होयका, ( स्त्री. ) हृद्य आदि में अक्षरके लक्ष्य के धान ।

होयका, ( स्त्री. ) होय का उग्रम ।

हो, ( वि. ) पानी बनना ।

होन्, ( वि. ) बनना ।

होन्, ( अव्य. ) निष्कारण ।

होयन, ( वि. ) बड़े दिन का हृद्य ।

होय, ( पु. ) लक्ष्मी नामक । अर्जुन ।

होयिनी, ( स्त्री. ) नदी ।

होयिष्ठ, ( वि. ) बृहस्पति ।

होयिष्ठ, ( पु. ) हृद्य ।

होयिष्ठ, ( वि. ) बृहस्पति ।

होय, ( न. ) एक प्रकार का मन्थ ( वि. )

होय, ( पु. ) एक प्रकार का मन्थ

होय, ( पु. ) एक प्रकार का मन्थ

होय, ( पु. ) एक प्रकार का मन्थ

होय, ( पु. ) एक प्रकार का मन्थ

होय, ( पु. ) एक प्रकार का मन्थ

होय, ( पु. ) एक प्रकार का मन्थ

होय, ( पु. ) एक प्रकार का मन्थ

होय, ( पु. ) एक प्रकार का मन्थ

हीनयादिन्, ( पुं. ) वपार्थं विषय को दोष कर विषयवर्गों में लेने वाला । वादी विशेष ।  
 हीनाह, ( वि. ) नून पश वाला, जेमे-साहका, अन्ध, सुखा ।  
 हीर, ( न. पु. ) वज्र । हीरा । शिर । शीत । शार । सिंह ।  
 हु, ( क्रि. ) होम करना ।  
 हुह, ( क्रि. ) हड़का करना ।  
 हुड, ( पु. ) मेर । बादल । चोर की रोक को दृष्टि में नहीं करीग विशेष ।  
 हुन, ( वि. ) रोमा हुआ ।  
 हुनभुग्, ( पुं. ) भूमि ।  
 हुनपह, } ( पुं. ) भाग । विपक्ष दृष्ट ।  
 हुनाथ, }  
 हुनि, ( स्त्री. ) रोम ।  
 हुम्, ( भन्. ) राय । प्रयत्न । हुम् । शोक ।  
 हुह, } ( पुं. ) एक मन्थरी ।  
 हुह, }  
 हुहार, ( पुं. ) पशना को बनाने वाला । एक प्रकार का शब्द । ई शब्द ।  
 हुन, ( वि. ) हुआवा हुआ ।  
 हुनि, ( स्त्री. ) श्लोक । हुआवा ।  
 हुन, } ( पुं. ) श्लोकों की शक्ति ।  
 हुन, }  
 हुपुन, ( न. ) इतिहास । विज्ञान ।  
 हु, ( क्रि. ) ले जाना । ले गी जाना । भोग, ली ले जाना ।  
 हुपुन, ( पुं. ) क. न. ११ ( ११. ) हृदयगर्भी हृदय में बँस का नाम ।  
 हुपुन, ( न. ) वेद का लेख विज्ञान ।  
 हुनी, ( क्रि. ) निद्रा करना ।  
 हुनीय, ( स्त्री. ) निद्रा ।  
 हुन्यन्, ( पुं. ) हृदय का बँसना ।  
 हुन, ( वि. ) हुनका मन्थ । हुनका हुन ।  
 हुन, ( वि. ) हुनका मन्थ । ( न. ) हुनका मन्थ ।  
 हुप, ( न. ) हुन । हुन । हुन ।

हृदयप्रथिय, ( पु. ) हृदय की गोंड । हृदयानी । सदेह । मन का मेल । यदिया धीर अज्ञान की गोंड ।  
 हृदयक्षम, ( न. ) प्रकृतिक वाक्य । रोचक वाक्य । ( वि. ) मनोहर । विषय वाक्य ।  
 हृदयस्थान, ( न. ) अन्तःस्थान ।  
 हृदयिक, ( वि. ) अन्तःस्थित वाक्य ।  
 हृदयेश, ( पुं. ) मातृक ।  
 हृदावर्त्त, ( पुं. ) घोड़े की आनी पर रोमों का भौत ।  
 हृदिका, ( स्त्री. ) हृदावर्त्त की मूर्ति ।  
 हृदिशृङ्ग, ( वि. ) हृदा. मनोहर । दुःखदायी ।  
 हृद्य, ( न. ) दारपीनी । ( वि. ) मनोहर ।  
 हृद्रोग, ( विं. ) हृदय की एक प्रकार की बीमारी ।  
 हृदयएटक, ( पुं. ) कठर । वेद ।  
 हृत्सार, ( पुं. ) दिवङ्ग का रोग ।  
 हृत्क्षेप, ( पुं. ) शान । ठरुं । शक्ति मंत्र विशेष । भीष्माव ।  
 हृत्, ( क्रि. ) प्रसन्न होना ।  
 हृत्पित, ( वि. ) प्रसन्न । विमित्त ।  
 हृत्की, ( न. ) अष्टादि हृत्त्रिय । शान का साधन ।  
 हृत्पिनेश, ( पुं ) शिशु ।  
 हृत्, ( वि. ) देवान् । प्रसन्न ।  
 हृत्प्रमाण, ( वि. ) प्रमाण विज्ञान का नाम ।  
 हृत्प्रमाण, ( वि. ) निम्नके मन्त्र लक्ष्मी ही गये है । प्रमाणविज्ञान ।  
 हृत्पि ( स्त्री. ) प्रसन्न । हृत्पि ।  
 हृत् ( भन्. ) प्रसन्न । हृत्पि ।  
 हृत् ( क्रि. ) प्रसन्न करना ।  
 हृत्पि, ( स्त्री. ) प्रसन्न । प्रसन्न । प्रसन्न की लक्ष्मी ।  
 हृत्पि की शान । हृत् प्रसन्न का लेख । प्रसन्न ।  
 हृत्पि, ( पुं. ) प्रसन्न । प्रसन्न ।  
 हृत्पिना, ( स्त्री. ) प्रसन्नान ।  
 हृत्पिम्, ( वि. ) हृत्पि का नाम । प्रसन्न नाम ।  
 हृत्प्रमाण, ( पुं. ) प्रमाण विज्ञान का नाम ।  
 ११ । ११०१ ।

हेम, ( न. ) सोना । धनुष । १ मछी की तील । ( पु. ) बाबे रङ्ग का घोड़ा । बुध ।  
 हेमकाट, ( पु. ) सुनार ।  
 हेमकूट, ( उं. ) किमुदपर्वत का एक पहाड़ ।  
 हेमन, ( म. ) सोना । धनुष । नागकेसर । कर्क ।  
 हेमन्त, ( पु. म. ) शीतऋतु ।  
 हेममालिन्, ( पु. ) गुर्ख ।  
 हेमाङ्ग, ( पुं. ) वक्त्र । गिर । सुषेद पर्वत । मद्य । शम्पा का पेड़ । सिद्ध । ( वि. ) सोने के रङ्ग जैसा ।  
 हेमाद्रि, ( पु. ) सोने का पर्वत । सुषेद पर्वत । दक्षिण के विष्ठी राजा का एक भुक्तुर्भू मयी निकले रवे ( बड़े लघव में ) दान-लघव, माहालघव आदि म य बड़े सामा-यिक माने जाते हैं ।  
 हेय, ( वि. ) त्याग । ओझने योग्य ।  
 हेयवध, ( पुं. ) गधेरा ।  
 हेयवधजननी, ( स्त्री. ) दुर्गा । पार्वती ।  
 हेयन, ( न. ) अक्का । गिरादर । अयमान ।  
 हेला, ( स्त्री. ) अयमान करना । भुङ्गा भाव से उगम शिष्यो की हेला विरोध ।  
 हेय, ( वि. ) बंधा का शब्द । दिनदिन ।  
 हेया, ( स्त्री. ) विवशाल ।  
 हेटी, ( अथ. ) सम्बोधन । प्रस्तावना ।  
 हेतुका, ( वि. ) दक्षिण, बचन कहने वाला ।  
 हेम, ( वि. ) सोने का रिकर । सोने का बज्र ।  
 हेमन, ( पु. ) हेमनकला ( वि. ) ( १ ) उच्छ्रुत में उपबन्ध ।  
 हेमचक्र, ( न. ) हिमालय का अयनचक्र । एक प्रकार का चिह्न ।  
 हेमचक्री, ( स्त्री. ) पार्वती ।  
 हेमकूर्वीन, ( न. ) एक प्रकार का घोड़ा ।  
 हेदय, ( पु. ) एक देश की धर्म का स्थान । एक बटु जिन्हे काशी में एक बटु ।  
 होह, ( उं ) रं का शिरोधर ।

होह, ( पु. ) शशिदत्त । ( वि. ) होह जाने वाला ।  
 होच, ( न. ) होम की शायमी । ( अ. ) प्रमत्ता ।  
 होत्रिन्, ( पुं. ) होम करने वाला ।  
 होत्रिय, ( न. ) शशिदत्त । ( वि. ) होम शायकी ।  
 होम, ( पु. ) देवयज्ञ ।  
 होमभुगट, ( न. ) होम के लिये भुगट ।  
 होमध्याय, ( न. ) गिनती की ।  
 होमिन्, ( पुं. ) होम करने वाला ।  
 होम्य, ( वि. ) होम के उपसंगी ही ।  
 होरा, ( स्त्री. ) शशिदत्त की लक्ष्मी विष्णु शरीर का भाषा भाग । देव । भाषाभूतक शब्द ।  
 होलका, ( स्त्री. ) एक आदि के अन्तर्गत वाली के शब्द ।  
 होलाका, ( स्त्री. ) होली का शब्द ।  
 हु, ( वि. ) धर्म ।  
 हुान्, ( वि. ) बलान् ।  
 हुान्, ( अथ. ) विष्णु शिष्य ।  
 हुान्, ( वि. ) बने दिन का शब्द ।  
 हुद्, ( पुं ) एक प्रकार का शब्द ।  
 हुदिनी, ( स्त्री. ) दुर्गा ।  
 हुमिष्ट, ( वि. ) शब्द ।  
 हुमिष्ट, ( पुं. ) हुमिष्ट ।  
 हुमोषा, ( वि. ) शब्द ।  
 हुम्य, ( न. ) ( १ ) एक प्रकार का शब्द । ( २ ) एक प्रकार का शब्द । ( ३ ) एक प्रकार का शब्द । ( ४ ) एक प्रकार का शब्द । ( ५ ) एक प्रकार का शब्द ।  
 हुम्यार्थ, ( पुं. ) हुम्यार्थ ।  
 हुम्य, ( न. ) हुम्य ।  
 हुम्य, ( वि. ) हुम्य ।  
 हुम्य, ( वि. ) हुम्य ।

हीनवादिन्, ( पुं. ) यद्यर्थ विषय को छोड़ कर विषयवस्तु में बोलने वाला । वादी विशेष ।

हीनाङ्ग, ( वि. ) गूल अइ वाला, जैसे-लहङ्गा, अन्धा, लुम्बा ।

हीर, ( न. पुं. ) वज्र । हीरा । शिव । सौंघ । हार । सिंह ।

हु, ( कि. ) होम करना ।

हुद्, ( कि. ) इकट्ठा करना ।

हुङ्, ( पुं. ) मेघ । बादल । चोर की रोक को पृथिवी में गभी क्रील विशेष ।

हुत, ( वि. ) होमा हुआ ।

हुतभुज्, ( पुं. ) अग्नि ।

हुतवह, } ( पुं. ) धाग । चिपक वृक्ष ।  
हुताश, }

हुसि, ( स्त्री. ) होम ।

हुम्, ( धन्य. ) स्मरण । प्रश्न । हुक्म । रोक ।

हुङ्, } ( पुं. ) एक मन्थर्व ।  
हुङ्,

हुङ्कार, ( पुं. ) ध्वज्जा को बताने वाला । एक प्रकार का शब्द । हुँ शब्द ।

हुत, ( वि. ) उलाया हुआ ।

हुति, ( स्त्री. ) न्योता । प्रजापति ।

हुन, } ( पुं. ) स्वेप्थो की जाति ।  
हुण,

हुण्ड्यन्, ( न. ) कुडिजडा । निर्धोमन ।

हु, ( कि. ) से जाना । चोरी करना । जोरावरी से जाना ।

हुण्ड्य, ( पुं. ) कामदेव ( वि. ) हृदयशापी । हृदय में सीने वाला ।

हुण्ड्यन्, ( न. ) पेट का रोग विशेष ।

हुषी, ( कि. ) निन्दा करना ।

हुषीया, ( स्त्री. ) निन्दा ।

हुक्म, ( पुं. ) हुदय का धोना ।

हुल, ( वि. ) दुःखया गया । रनावास्तवीय ।

हुन्, ( वि. ) दुःखने वाला । ( न. ) हृदय । मन ।

हृदय, ( न. ) मन । बध. लयज ।

हृदयप्रस्थि, ( पुं. ) हृदय की गोंड । कानी । सन्देश । मन का मूल । अग्नि और अज्ञान की गोंड ।

हृदयङ्गम, ( न. ) मुक्तिपुङ्क वाक्य । रीच वाक्य । ( वि. ) मनोहर । मिय वाक्य ।

हृदयस्थान, ( न. ) बध. लयज ।

हृदयिक, ( वि. ) अन्धे चित्त वाला ।

हृदयेश, ( पुं. ) भक्तिक ।

हृदावर्त्त, ( पुं. ) घोड़े की छाती पर गेमों और ।

हृदिका, ( स्त्री. ) कृपाचार्य की माँ ।

हृदिस्पृश, ( वि. ) हृद्य । मनोहर । दुःखदायक ।

हृद्य, ( न. ) दारचीनी । ( वि. ) मनोहर ।

हृद्रोग, ( पुं. ) हृदय को एक प्रकार की बीमारी ।

हृद्रण्टक, ( पुं. ) अउर । पेट ।

हृत्सास, ( पुं. ) दिवशी का रोग ।

हृत्सेर, ( पुं. ) ज्ञान । तर्क । तार्किक में विशेष । अज्ञान ।

हृत्, ( कि. ) प्रसन्न होना ।

हृत्तित, ( वि. ) प्रसन्न । विस्मित ।

हृत्पीक, ( न. ) चक्षुःादि इन्द्रिय । ज्ञान का साधन ।

हृत्पीकेश, ( पुं. ) विन्दु ।

हृष्ट, ( वि. ) हँसान । प्रसन्न ।

हृष्टमानस, ( वि. ) प्रसन्न चित्त का ।

हृष्टरोमन्, ( वि. ) निमके गेड़ तर्के ही गये हैं । प्रसन्नचित्त ।

हृष्टि, ( स्त्री. ) धा. ल. हृष्ट ।

हृष्टि, ( ध. ल. ) सम्बोधन ।

हृष्टि, ( कि. ) अनादर करना ।

हेति, ( स्त्री. ) अथ । बाण । बाण की लाट । तर्क की शक्ति । हर प्रकार का तर्क । जग ।

हेतु, ( पुं. ) कारण । पद ।

हेतुता, ( स्त्री. ) कारणत्व ।

हेतुमन्, ( वि. ) हेतु का । कारण प्रण ।

हेतुमागारा, ( पुं. ) जो बाण जेना जग पके । इतु ।

होम, ( न. ) सोना । धरुा । २ मारी की  
 तील । ( पु. ) बाधे रह का घोडा । कुष ।  
 होमकाद, ( पु. ) छनार ।  
 होमकूट, ( पुं. ) किन्दुरपर्व का एक पहाड ।  
 होमन, ( न. ) सोना । धरुा । नागकेसर ।  
 बर्क ।  
 होमन्त, ( पुं. न. ) शीतशत्रु ।  
 होममालिन्, ( पु. ) गुर्ये ।  
 होमाङ्ग, ( पुं. ) गवह । गिह । छयेक पर्वत ।  
 मरु । चर्या का वेह । विष्णु । ( रि. ) सोने  
 के रह जेता ।  
 होमाद्रि, ( पुं. ) सोने का पर्वत । छयेक पर्वत ।  
 दक्षिण के किरी हाता का एक भूतपूर्व  
 मंत्री जिसके रवे ( बौ लपट में ) दान-  
 लपट, छाडलपट आदि मन्व्य बर्के प्राणा  
 थिक माने जाते है ।  
 होय, ( रि. ) त्याग्य । ज्ञानने योग्य ।  
 होयव्य, ( पु. ) गयेरा ।  
 होयव्यजमनी, ( स्त्री. ) दुर्गा । पार्वती ।  
 होयन, ( न. ) अथहा । गितार । अथमान ।  
 होला, ( स्त्री. ) अथमान बनना । मुकार  
 भाव से उगल दिव्यो की बिला विरोध ।  
 होय, ( रि. ) घोडा का शब्द । दिनदिन ।  
 होया, ( स्त्री. ) दिवकार ।  
 होटी, ( अन्व. ) सम्बोधन । बुलाना ।  
 होतुक, ( रि. ) मुनि एक कथन कहने वाला ।  
 होम, ( रि. ) सोने का विकार । सोने वा बना  
 हुआ ।  
 होमन, ( पु. ) होमत कला । ( रि. ) होम उच्छ्रु  
 में उचक ।  
 होमपत, ( न. ) विष्णुच ३॥ अथपतः एक  
 प्रथा का रिष ।  
 होमपती, ( स्त्री. ) पार्वती । दुर्गा ।  
 होमप्रधीन, ( न. ) मरुति । लला की ।  
 होदय, ( पु. ) एक देता कीर बरी का लला ।  
 एक बरा कितने कलाकेन हुआ का ।  
 होड, ( पु. ) र्व का विरोध ।

होष्ट, ( पु. ) अग्नेदज । ( रि. ) होम करने  
 वाला ।  
 होष, ( न. ) होम की लामपी । ( स्त्री. )  
 प्रसाला ।  
 होषिन्, ( पुं. ) होम करने वाला ।  
 होषीय, ( न. ) रविर्ह । ( रि. ) होय  
 सम्बन्धी ।  
 होम, ( पुं. ) देवपत्र ।  
 होमकुमण्ड, ( न. ) होम के निचे कुण्ड ।  
 होमध्याम्य, ( न. ) निज कीर्ति की ।  
 होमिन्, ( पु. ) होम करने वाला ।  
 होम्य, ( रि. ) होम के उपयोग की ।  
 होरा, ( स्त्री. ) अग्नेदिष की लाल दिग्ग ।  
 राशि का आधा भाग । देवा । लालगुणक  
 शम्भ ।  
 होराका, ( स्त्री. ) गुण आदि से अथपते काली  
 के धान ।  
 होलाका, ( स्त्री. ) होली का उल्ल ।  
 हु, ( रि. ) बली बनना ।  
 हुम्, ( रि. ) बनना ।  
 हुम्, ( अन्व. ) विष्णु दिन ।  
 हुम्पन, ( रि. ) बने दिन का हुम् ।  
 हुम्, ( पु. ) पहाड नामक । होम ।  
 हुदिनी, ( स्त्री. ) नदी ।  
 हुमिष्ठा, ( रि. ) बृहत् कीर्ति ।  
 हुमिष्ठा, ( पु. ) हुम् ।  
 हुमीयम्, ( रि. ) बृहत् होम ।  
 हुम्प, ( न. ) एक कथन का मन्व्य ( रि. )  
 होम । होम । ( पु. ) एक कथन का मन्व्य  
 के उचक काले हो-उच्छ्रु बर्के । मन्व्य ।  
 ( न. ) मन्व्य विरोध ।  
 हुम्कर्म, ( पु. ) हुम् । रवे ।  
 हुम्, ( पु. ) हुम् । होमकर्म । अथपती ।  
 हुम् । लला । अथपत । हुम् । कन्व ।  
 अथपत ।  
 हुम्, ( रि. ) हुम् काल । लला ।  
 हुम्, ( पु. ) हुम् । होमकर्म । अथपत ।

हीनयादिन्, ( पुं. ) यथार्थ विषय को छोड़ कर विषयानुक्रम में बोलने वाला । वादी विशेष ।  
 हीनाङ्ग, ( वि. ) नून बहू वाक्ता, जैसे-सहजा, अन्धा, सुजा ।  
 हीर, ( न. पु. ) वज्र । हीरा । शिव । ताँब । हार । सिंह ।  
 हु, ( कि. ) होम करना ।  
 हुद्, ( कि. ) हफ्ता करना ।  
 हुड, ( पं. ) मेघ । बादल । चोर की रोक को दृष्टि में लगी कीच विशेष ।  
 हुन, ( वि. ) होमा हुआ ।  
 हुनमुन्, ( पु. ) अग्नि ।  
 हुनपह, } ( पुं. ) अग्न । विषक वृष ।  
 हुनाय, }  
 हुगि, ( की. ) होम ।  
 हुम, ( अग्न. ) अमरप । प्ररन । हुम । रोक ।  
 हुद्, } ( पुं. ) एक गन्धी ।  
 हुद्, }  
 हुद्दार, ( पुं. ) अज्ञान को बाने वाला । एक प्रकार का शब्द । ई शब्द ।  
 हुन, ( वि. ) हुआ हुआ ।  
 हुनि, ( की. ) श्लोक । पुत्राग्न ।  
 हुन, } ( पुं. ) श्लोकों की शक्ति ।  
 हुन, }  
 हुन्मन, ( न. ) हुन्मनः । विमोचन ।  
 हु, ( वि. ) हो जाना । खोजी करना । श्लोकों को खोजना ।  
 हुन्मन, ( पुं. ) अन्मनः ( वि. ) अन्मनःकी । हुन्मनः के अर्थ में ।  
 हुन्मन, ( न. ) वेद का श्रेय विशेष ।  
 हुन्मि, ( कि. ) निन्दित करना ।  
 हुन्मि, ( की. ) निन्दित ।  
 हुन्मन, ( पुं. ) अन्मन का अर्थ ।  
 हुन्, ( वि. ) अन्मनः । अन्मनः विशेष ।  
 हुन्, ( वि. ) अन्मनः । ( न. ) अन्मनः ।  
 हुन्, ( न. ) अन्मनः । अन्मनः ।

हृदयप्रन्धि, ( पु. ) हृदय की गाँठ । रूँट वाली । सदेह । मन का मूल । अविद्या और अज्ञान की गाँठ ।  
 हृदयङ्गम, ( न. ) युक्तिगुण वाच्य । रोचक वाच्य । ( वि. ) मनोहर । मिय वाच्य ।  
 हृदयरुधान, ( न. ) वयःरुध ।  
 हृदयिक, ( वि. ) अग्ने चित्त वाक्ता ।  
 हृदयेय, ( पु. ) मासिक ।  
 हृदावर्त्त, ( पु. ) घोड़े की छाती पर रोमों का भेदा ।  
 हृदिका, ( स्त्री. ) कृपाचार्य की माँ ।  
 हृदिसृष्ट, ( वि. ) हृदय मनोहर । हुःसृष्टापी ।  
 हृदय, ( न. ) दारपीनी । ( वि. ) मनोहर ।  
 हृद्रोग, ( विं. ) हृदय को एक प्रकार की बीमारी ।  
 हृदयटक, ( पु. ) गठर । वेद ।  
 हृदयार, ( पु. ) विषकी का रोग ।  
 हृदयार, ( पु. ) शान । तर्क । तांत्रिक मंत्र विशेष । अष्टाद्य ।  
 हृद्, ( कि. ) प्रमथ होना ।  
 हृदित, ( वि. ) प्रमथ । विमिथ ।  
 हृदीक, ( न. ) अष्टादि हृदिय । शान का साधन ।  
 हृदीकेश, ( पु. ) शिख ।  
 हृद, ( वि. ) शैल । प्रमथ ।  
 हृदमानस, ( वि. ) प्रमथ चित्त वाक्ता ।  
 हृदरोमन्, ( वि. ) चित्तके रोमों को ही लगे है । प्रमथचित्त ।  
 हृदि ( की. ) अन्मनः । हृदि ।  
 हृद् ( अन्. ) अन्मनः ।  
 हृद् ( कि. ) अन्मनः ।  
 हृदि, ( की. ) अन्मनः । अन्मनः की शक्ति । माँ की शक्ति । अन्मनः का अर्थ । अन्मनः ।  
 हृन्, ( पुं. ) अन्मनः । अन्मनः ।  
 हृन्मना, ( की. ) अन्मनः ।  
 हृन्मन्, ( वि. ) हृद् अन्मनः । अन्मनः ।  
 हृन्मनाम्न, ( न. ) अन्मनः । अन्मनः । अन्मनः ।

हेम, (न.) सोना । धतूरा । १ पादो को  
 तील । (पुं.) बाले रङ का पीला । पुष ।  
 हेमकार, (पुं.) छतार ।  
 हेमकूट, (पुं.) किमुकपर्व का एक पहाड़ ।  
 हेमन्, (न.) सोना । धतूरा । नागकेसर ।  
 रक्त ।  
 हेमन्त, (पुं. न.) शीतऋतु ।  
 हेममालिन्, (पुं.) शर्व ।  
 हेमाङ्ग, (पुं.) गण्ड । सिंह । छमेक पर्वत ।  
 मग्न । चम्पा का पेड़ । विष्णु । (त्रि.) सोने  
 के रङ जैसा ।  
 हेमाद्रि, (पुं.) सोने का पर्वत । छमेक पर्वत ।  
 दक्षिण के किसी राजा का एक भूतपूर्व  
 मयी निलके रवे (कई लख में) दान-  
 लख, आदालख आदि प्रत्येक बड़े प्राया-  
 षिक माने जाने हैं ।  
 हेय, (त्रि.) त्याग्य । छोड़ने योग्य ।  
 हेरम्य, (पुं.) गणरा ।  
 हेरम्यजननी, (स्त्री.) दुर्गा । पार्वती ।  
 हेलन, (न.) भवता । निरादर । अपमान ।  
 हेलान, (स्त्री.) अपमान करना । शूद्रार  
 भाव से उगल दिपों की चेष्टा विशेष ।  
 हेप, (किं.) घोड़ा का शब्द । दिनद्विन ।  
 हेपा, (स्त्री.) दिनकार ।  
 हेष्टि, (अव्य.) सम्बोधन । बुलाना ।  
 हेतुक, (त्रि.) युक्तियुक्त बचन करने वाला ।  
 हेम, (त्रि.) सोने का विकार । सोने का बना  
 हुआ ।  
 हेमन, (पुं.) हेमन्त काल । (त्रि.) हेमन्तऋतु  
 में उत्पन्न ।  
 हेमघट, (न.) हिमालय का । भारतपर्व । एक  
 प्रकार का विष ।  
 हेमघती, (स्त्री.) पार्वती । हरे ।  
 हेमघर्षाण, (न.) नक्षत्र । ताका भी ।  
 हेहय, (पुं.) एक देश थीर बहों का राजा ।  
 एक बरा जिसमें सहस्राङ्कन हुआ था ।  
 होह, (पुं.) नींबू विशेष ।

होह, (पुं.) श्वेदस्त । (त्रि.) होम करने  
 वाला ।  
 होष, (न.) होम की सामग्री । (स्त्री.)  
 प्रशस्ता ।  
 होषिन्, (पुं.) होम करने वाला ।  
 होषीय, (न.) इतिवृद्ध । (त्रि.) होम  
 सम्बन्धी ।  
 होम, (पुं.) देवयज्ञ ।  
 होमकुरण्ड, (न.) होम के लिये कुरण्ड ।  
 होमघाम्य, (न.) निल घौर जी ।  
 होमिन्, (पुं.) होम करने वाला ।  
 होम्य, (त्रि.) होम के उपयोगी भी ।  
 होरा, (स्त्री.) ज्योतिष की लग्न विशेष ।  
 गरि का चापा भाग । रेशा । सम्भ्रमूचक  
 राग्य ।  
 होमका, (स्त्री.) वृष आदि से अक्षयके शमी  
 के धान ।  
 होलाका, (स्त्री.) होली का उमन ।  
 हु, (किं.) धोती करना ।  
 हुल, (किं.) चलना ।  
 हुल, (अव्य.) विषय दिन ।  
 हुलन, (त्रि.) बने दिन का हुआ ।  
 हुद, (पुं.) गहग तापत्र । भीष ।  
 हुदिनी, (स्त्री.) नदी ।  
 हुमिष्ट, (त्रि.) बहुत लोभ ।  
 हुमिमन्, (पुं.) सुभ्र ।  
 हुभीयन्, (त्रि.) बहुत लोभ ।  
 हुस्य, (न.) एक प्रकार का नाप (त्रि.)  
 घोंटा । सीता । (पुं) एक मन्त्र के समर्थ  
 में उचरण करने योग्य ऋषि । कन्दर ।  
 (न.) शीघ्र विशेष ।  
 हुस्यगर्भ, (पुं.) कुल । दम् ।  
 हुस्य, (पुं.) शब्द । कोणदल । चरणी ।  
 हुगर् । शीघ्र । दबाह । होरी सम्पा ।  
 चभाष ।  
 हुह, (किं.) शब्द बाना । लभना ।  
 हुह, (पुं.) शब्द । दिग्दलितानु का एक पुष ।



हीनवादिन्, ( पुं. ) यथार्थ विषय को छोड़ कर विषयान्तर्ग में नीलने वाला । वादी विशेष ।

हीनाङ्ग, ( वि. ) न्यून ब्रह्म वाला, जिने-सद्वृत्ता, श्रद्धा, सुभा ।

हीर, ( न. पु. ) वज्र । हीरा । शिव । सोव । हार । तिह ।

हु, ( कि. ) होम करना ।

हुद्, ( कि. ) इच्छा करना ।

हुड, ( पुं. ) मेघ । बादल । चौर की रोक को पृथिवी में गड़ी क्रील विशेष ।

हुत, ( वि. ) होमा हुआ ।

हुतमुञ्ज, ( पु. ) शनि ।

हुतवह, } ( पुं. ) भाग । विषय वृत्त ।

हुताश, } ( पुं. ) भाग । विषय वृत्त ।

हुति, ( स्त्री. ) होम ।

हुम्, ( ध्व्य. ) स्मरण । प्रश्न । हुक्म । रोक ।

हुद्, } ( पुं. ) एक गन्धर्व ।

हुद्, } ( पुं. ) एक गन्धर्व ।

हुङ्कार, ( पु. ) शब्दज्ञा को बताने वाला । एक प्रकार का शब्द । हुँ शब्द ।

हुत, ( वि. ) उलाया हुआ ।

हुति, ( स्त्री. ) न्योता । पुलावा ।

हुन, } ( पुं. ) म्लेच्छों की जाति ।

हुण, } ( पुं. ) म्लेच्छों की जाति ।

हुच्छर्जन, ( न. ) कुटिलता । निर्धारण ।

हु, ( कि. ) ले जाना । चोरी करना । जोतारती ले जाना ।

हुच्छुय, ( पु. ) कामदेव ( वि. ) हृदयशापी । हृदय में सोने वाला ।

हुच्छूल, ( न. ) पेट का रोग विशेष ।

हुषी, ( कि. ) निन्दा करना ।

हुषीया, ( स्त्री. ) निन्दा ।

हुत्कम्प, ( पु. ) हृदय का कंपना ।

हुत्, ( वि. ) पुराया गया । स्नानान्तरित ।

हुत्, ( वि. ) पुराने वाला । ( न. ) हृदय । मन ।

हुत्, ( न. ) मन । वध. रथ ।

हृदयग्रन्थि, ( पु. ) हृदय वाली । सन्देह । मन और अज्ञान की गाँठ ।

हृदयजन्म, ( न. ) युक्तिपूर्क वाक्य । ( वि. ) मनोहर ।

हृदयस्थान, ( न. ) वय रथ ।

हृदयिक, ( वि. ) श्रद्धे वित्त ।

हृदयेश, ( पु. ) मालिक ।

हृदावर्त्त, ( पु. ) घोड़े की जानी भीता ।

हृदिका, ( स्त्री. ) कृपाचार्य की मौ ।

हृदिस्पृश, ( वि. ) इय । मनोहर । इ ।

हृद्य, ( न. ) दारचीनी । ( वि. ) मन ।

हृद्रोग, ( पुं. ) हृदय की एक प्रकार की ।

हृदयटक, ( पु. ) अठर । पेट ।

हृत्सास, ( पुं. ) दिक्करी का रोग ।

हृत्सेर, ( पु. ) शान । तर्क । तानिक विशेष । शौस्तक्य ।

हृत्, ( कि. ) प्रसन्न होना ।

हृत्पित, ( वि. ) प्रसन्न । विभिन्न ।

हृत्पीक, ( न. ) चक्षुरादि इन्द्रिय । शान का साधन ।

हृत्पीकेश, ( पुं. ) विष्णु ।

हृत्, ( वि. ) हैरान । प्रसन्न ।

हृत्प्रमानस, ( वि. ) प्रसन्न चित्त वाचा ।

हृत्प्रोमन्, ( वि. ) नितके गेर्द लके हो । है । प्रसन्नचित्त ।

हृत्पि, ( स्त्री. ) वाग्द । हर्ष ।

हृ, ( ध्व्य. ) सम्बोधन ।

हृद् ( कि. ) प्रमादर करना ।

हृदि, ( स्त्री. ) अन्न । शाय । भाग की लाट । मूर्ध की भित । हर प्रकार का वेन । पुन ।

हृत्, ( पु. ) काय । पत्त ।

हृत्तुता, ( स्त्री. ) कायपान ।

हृत्तुमत्, ( वि. ) हेतु वाचा । कल्प भग ।

हृत्प्याभार, ( पु. ) जो वाग्द जेभा नः रहे । दृष्टेयु ।

हेम, ( न. ) सोना । धरु । २ सारे की  
 तील । ( पु. ) काले रङ्ग का धोका । कुप ।  
 हेमकार, ( पु. ) सुगार ।  
 हेमकूट, ( पु. ) विष्णुवर्ष का एक पहाड़ ।  
 हेमन, ( न. ) सोना । धरु । नागकेसर ।  
 र्क ।  
 हेमन्त, ( पु. न. ) शीतऋतु ।  
 हेममालिन्, ( पु. ) गुण्ये ।  
 हेमाङ्ग, ( पु. ) पर्वत । मिह । छमेद पर्वत ।  
 मम । चण्डा का पेड़ । विष्णु । ( वि. ) सोने  
 के रङ्ग जैसा ।  
 हेमाद्रि, ( पु. ) सोने का पर्वत । छमेद पर्वत ।  
 दक्षिण के किसी राजा का एक भूतपूर्व  
 मपी जिसके रवे ( कई सण्ड में ) दान-  
 सण्ड, मादसण्ड आदि अन्ध बड़े प्राया-  
 शिक माने जाते हैं ।  
 हेय, ( वि. ) त्याग । छोड़ने योग्य ।  
 हेरम्य, ( पु. ) गवेरा ।  
 हेरम्यजननी, ( स्त्री. ) दुर्गा । पार्वती ।  
 हेसन, ( न. ) भवसा । निरादर । अपमान ।  
 हेस्ता, ( स्त्री. ) अपमान करना । गृहार  
 भाव से उगत सिधों की चेष्टा विशेष ।  
 हेत, ( कि. ) घोडा का शब्द । दिनदिन ।  
 हेया, ( स्त्री. ) दिवकार ।  
 हेटी, ( अन्व. ) सम्बोधन । बुलाना ।  
 हेतुक, ( वि. ) कुक्षिपुत्र खजज कहने वाला ।  
 हेम, ( वि. ) छेपे का विकार । सोने का बना  
 हुआ ।  
 हेमन, ( पु. ) हेमन्त काल । ( वि. ) हेमन्त ऋतु  
 में उपवस ।  
 हेमघल, ( न. ) हिमालय का । भारतवर्ष । एक  
 प्रकार का विष ।  
 हेमघनी, ( स्त्री. ) पार्वती । र्क ।  
 हेमगर्घान, ( न. ) नवनीत । ताजा धी ।  
 हेहय, ( पु. ) एक देश और वहाँ का राजा ।  
 एक वरा जिसमें सहज्यकेत हुआ था ।  
 होड, ( पु. ) नौका विशेष ।

होव, ( पु. ) श्येदह । ( वि. ) होम करने  
 वाला ।  
 होव, ( न. ) होम की सामग्री । ( स्त्री. )  
 प्रशला ।  
 होत्रिन्, ( पु. ) होम करने वाला ।  
 होत्रीय, ( न. ) हरिर्षुह । ( वि. ) होम  
 सम्बन्धी ।  
 होम, ( पु. ) देवयज्ञ ।  
 होमकुण्ड, ( न. ) होम के लिये कुण्ड ।  
 होमधान्य, ( न. ) तिल और जौ ।  
 होमिन्, ( पु. ) होम करने वाला ।  
 होम्य, ( वि. ) होम के उपयोगी धी ।  
 होरा, ( स्त्री. ) ज्योतिष की ज्ञान विशेष ।  
 राशि का साधा भाग । रेखा । लग्नपूर्वक  
 राव ।  
 होलका, ( स्त्री. ) तृण आदि से बचपके राशों  
 के धान ।  
 होलाका, ( स्त्री. ) होली का उमर ।  
 हु, ( कि. ) चोरी करना ।  
 हुल, ( कि. ) बलना ।  
 हुम्, ( अन्व. ) पिछला दिन ।  
 हुस्सन, ( वि. ) बंते दिन का हुआ ।  
 हुद, ( पु. ) महाराजाधिर । भीष ।  
 हुदिनी, ( स्त्री. ) नदी ।  
 हुसिष्ठ, ( वि. ) बहुत शीघ्र ।  
 हुसिमन्, ( पु. ) छुरार ।  
 हुसीयत्, ( वि. ) बहुत शीघ्र ।  
 हुस्प, ( न. ) एक प्रकार का नप ( वि. )  
 छेदा । बीना । ( पु. ) एक माता के समय  
 में उच्चारण करने योग्य ऋतु वर्ष । दायन ।  
 ( न. ) आँसु विशेष ।  
 हुस्वगर्भ, ( पु. ) डुरा । दुर्भे ।  
 हुस्त, ( पु. ) शब्द । बोलचाल । अमरनि ।  
 हुगर्भ । शोक । दहाड । शीघ्र सम्पदा ।  
 अभाव ।  
 हुह, ( कि. ) शब्द करना । मरणा ।  
 हुह, ( पु. ) शब्द । विशेषऋतु का एक उप ।

हीनयादिन्, ( पुं. ) यथार्थ विषय की ओर कर विषयावतरो में नीलने वाला । वादी विशेष ।

हीनाह, ( वि. ) मूल अक्षर वाला, जैसे-लहना, अन्धा, लुमा ।

हीर, ( न. पुं. ) वज्र । हीरा । शिव । सोप । हार । सिंह ।

हु, ( कि. ) होम करना ।

हुड़, ( कि. ) इकट्ठा करना ।

हुड, ( पुं. ) मेघ । बादल । चोर की रोक की पृथिवी में गर्मी कील विशेष ।

हुत, ( वि. ) होमा हुआ ।

हुतभुज्, ( पुं. ) अग्नि ।

हुतवह, } ( पुं. ) आग । विषक वृक्ष ।

हुताश, } ( पुं. ) आग । विषक वृक्ष ।

हुति, ( स्त्री. ) होम ।

हुम्, ( अन्व. ) स्मरण । प्ररन । हुकम । रोक ।

हुद्, } ( पुं. ) एक गन्धर्व ।

हुद्, } ( पुं. ) एक गन्धर्व ।

हुकार, ( पुं. ) अकसा की बताने वाला । एक प्रकार का शब्द । हुँ शब्द ।

हुत, ( वि. ) बुलाया हुआ ।

हुति, ( स्त्री. ) ग्योना । बुलावा ।

हुन, } ( पुं. ) म्लेच्छों की जाति ।

हुण, } ( पुं. ) म्लेच्छों की जाति ।

हुण्डन, ( न. ) कुट्टियता । निर्धान ।

हु, ( कि. ) से जाना । खोरी करना । जोरावती से जाना ।

हुण्डय, ( पुं. ) कानदेव ( वि. ) बदवशापी । हृदय में होने वाला ।

हुण्डल, ( न. ) वेद का शेष विशेष ।

हुर्गा, ( कि. ) निम्ना करना ।

हुर्गीया, ( स्त्री. ) निम्ना ।

हुण्डन, ( पुं. ) हृदय का अर्थना ।

हुण, ( वि. ) दुःखता तथा । अनात्मनि ।

हुण, ( वि. ) दुःखे वाला । ( न. ) हृदय । मन ।

हृदय, ( न. ) मन । चक्षुः ।

हृदयप्रग्धि, ( पुं. ) हृदय की गोंठ । कुं-बानी । सन्देह । मन का पैल । प्रदिश और भ्रमन की गोंठ ।

हृदयज्ञम, ( न. ) युक्तियुक्त वाक्य । ऐवक वाक्य । ( वि. ) मनोहर । विष वाक्य ।

हृदयस्थान, ( न. ) अन्तराल ।

हृदयिक, ( वि. ) अन्धे वित्त बाजा ।

हृदयेय, ( पुं. ) मासिक ।

हृदावर्त्त, ( पुं. ) पाँदे की क्षारी पर ठेपों का भौरा ।

हृदिका, ( स्त्री. ) कृमाचार्य की माँ ।

हृदिस्पृश, ( वि. ) हृदय । मनोहर । इ-तत्ता

हृद्य, ( न. ) दारवाणी । ( वि. ) मनोहर ।

हृद्रोग, ( पुं. ) हृदय की एक प्रकार की रोगता ।

हृद्रण्टक, ( पुं. ) जठर । पेट ।

हृस्नास, ( पुं. ) दिचकी का रोप ।

हृस्न, ( पुं. ) हान । ठक । विशेष । धौन्द्य ।

हृप्, ( कि. ) प्रसन्न होना ।

हृपित, ( वि. ) प्रसन्न । विभिन्न ।

हृपीक, ( न. ) चण्डादि हृदिप । सा साधन ।

हृपीकेय, ( पुं. ) विष्णु ।

हृष्ट, ( वि. ) हँसान । प्रसन्न ।

हृष्टमानस, ( वि. ) प्रसन्न वित्त बाजा ।

हृष्टरोमन्, ( वि. ) त्रिभुके रोपें लगे हो गे हैं । प्रसन्नचित्त ।

हृष्टि, ( स्त्री. ) आनन्द । हर्ष ।

हृ, ( अन्व. ) सम्बोधन ।

हृद्, ( कि. ) अनादर करना ।

हृदि, ( स्त्री. ) अन्ध । बाण । बाण की मूर्धे की मिल । हर प्रकार का ठेक

हृत्, ( पुं. ) काण । वल ।

हृत्तुना, ( स्त्री. ) काण्य ।

हृत्तुमन्, ( वि. ) देव वचन । काण्य वचन ।

हृत्वाभास, ( पुं. ) मो बाण । देना वने । दहरेड ।

होम, ( न. ) सोना । धनुष । १ मारो की तील । ( पु. ) बाने रह बा घोडा । कुप ।  
 होमकार, ( पु. ) दानार ।  
 होमकूट, ( उ. ) विष्णुवर्षा का एक पहाड़ ।  
 होमन, ( न. ) सोना । धनुष । नागकेसर । बर्त ।  
 होमन्त, ( पु. म. ) शीतघनु ।  
 होममालिन्, ( पु. ) गुरु ।  
 होमाह, ( उ. ) गहर । तिह । एवेद वर्षन । मन्त्र । बाना का पेड़ । विष्णु । ( वि. ) सोने के रह जेगा ।  
 होमाद्रि, ( पु. ) सोने का पर्वत । एवेद वर्षन । दृष्टि के किसी रासा का एक धनुर्वर्ष मयी मिलके रहे ( को लघु में ) दान-लघु, माडलघु आदि म प बडे प्राया थिक माने जाते है ।  
 होय, ( वि. ) तपस्य । जोइने शोय ।  
 होयय, ( पु. ) गयिरा ।  
 होययजमनी, ( वी. ) दुर्गा । पार्वती ।  
 होयग, ( न. ) अथवा । गिराहर । अपमान ।  
 होय, ( वी. ) अपमान करना । गुण भाव । उग्राल मिथी की बंधा विविध ।  
 होय, ( वि. ) भोरा का शब्द । दिनदिन ।  
 होय, ( वी. ) दिवकर ।  
 होई, ( अल्प. ) संपोषन । कुलाभा ।  
 होयुका, ( वि. ) मुक्ति पुन. बचन बहने वाला ।  
 होय, ( वि. ) सोने वा निकार । सोने वा बना हुआ ।  
 होयन, ( पु. ) होमन काल । ( वि. ) होउ उक्त में उग्रय ।  
 होययन, ( न. ) शिवालय वा । अथर्ववे । एक प्रकार का विष ।  
 होययती, ( वी. ) पार्वती । हो ।  
 होययतीन, ( न. ) महर्षि । अथर्व वे ।  
 होयय, ( पु. ) एक देवा के देवी का शब्द । एक बरा जिसे अथर्ववे होय का ।  
 होय, ( उ ) होय विवेक ।

होय, ( पु. ) अथर्ववे । ( वि. ) होय बाने वाला ।  
 होय, ( न. ) होय की शब्दो । ( वी. ) प्रथमा ।  
 होयिन्, ( उ. ) होय बाने वाला ।  
 होय्रीय, ( न. ) होय । ( वि. ) होय शब्दो ।  
 होय, ( पु. ) देवयज्ञ ।  
 होयकुण्ड, ( न. ) होय के निचे कुण्ड ।  
 होयधाम्य, ( न. ) होय की ली ।  
 होयिन्, ( पु. ) होय बाने वाला ।  
 होयय, ( वि. ) होय के उपसंगी ली ।  
 होय, ( वी. ) अथर्ववे की लाम विंग । अथर्व वे का पापा भाग । देवा । अथर्ववे का शब्द ।  
 होयका, ( वी. ) गुरु का देवे अथर्ववे काल के पाप ।  
 होयका, ( वी. ) होय का उग्रय ।  
 होय, ( वि. ) अथर्ववे ।  
 होय, ( अल्प. ) शिवालय ।  
 होयय, ( वि. ) बने दिन का हुआ ।  
 होय, ( पु. ) होय शब्दो । ( वी. )  
 होयती, ( वी. ) होय ।  
 होयय, ( वि. ) होय शब्दो ।  
 होयय, ( उ. ) होय ।  
 होयय, ( वि. ) होय शब्दो ।  
 होयय, ( न. ) एक प्रकार का जल । ( वि. ) होय । सोना । ( पु. ) होय शब्दो का शब्द । होय शब्दो का शब्द । होय शब्दो का शब्द । ( न. ) होय शब्दो ।  
 होययती, ( उ. ) होय ।  
 होय, ( उ. ) होय । अथर्ववे । होय शब्दो का शब्द । होय शब्दो का शब्द । होय शब्दो का शब्द ।  
 होय, ( वि. ) होय शब्दो ।  
 होय, ( उ. ) होय । अथर्ववे । होय शब्दो का शब्द ।